प्रकाशक	सचालक सेवा मदिर रावटी, जोधपुर 342 024
सस्करण	प्रथम प्रवेश
वर्ष	विक्रम सवत् 2045, वीर सवत् 2514, शक सवत् 1910, ईस्वी सन् 1988
प्रति	500
पृष्ठ	376
आकार	रॉयल ऑक्टेव (20 × 30 आठ पेजी)

		रु०
मूल्य	कागज (20 × 30 मेपलीथो 13 6 Kg) 26 रीम	5,500
	कपोजिंग, छपाई व प्रूफरीडिंग 47 फर्मे	9,000
	जिल्द बधाई व भाडा तोडा	4,500
	कुल व्यय	19,000
	1 प्रति की लागत	38 00
	विक्रय मूल्य चौथाई	रु 9,50

पुस्तक विक्रेता अपना नफा खर्चा अतिरिक्त लेगा

मुद्रक	राजश्री प्रिन्टिग प्रेस, नागौरी द्वार के अन्दर जोधपुर 342 002
वितरक	सत्साहित्य वितरण केन्द्र सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर 342 024 (राजस्थान) भारत

निवेदन

1 सूची पत्र का उपयोग करने के पहिले प्राक्कथन मे दिये सकेत अवश्य पढने का कष्ट करें।
2 पुस्तक के अन्त मे छपे शुद्धि पत्र के अनुसार अशुद्धियाँ ठीक कर लें।
3 इस पुस्तक पर किसी भी प्रकार का अधिकार प्रकाशक ने स्वाधीन नही रखा है।

— विषय सूची —

※ प्राक्कथन ※

सेवा मदिर जोधपुर के रावटी स्थित जिन दर्शन प्रतिष्ठान ने देश के इस भू भाग मे आये जैन ज्ञान भण्डारो मे और यत्र तत्र विखरे पडे हस्तलिखित ग्रन्थो के बारे मे कुछ वर्ष पूर्व एक परियोजना हाथ मे ली है जिसके कतिपय पहलू निम्न प्रकार हैं—

(i) आधुनिक ढग से इन ग्रन्थो का पूर्ण वीगतवार सूचीकरण और उन सूची पत्रो का मुद्रण,

(ii) ग्रन्थो का सग्रहण और भण्डारो का विलीनीकरण,

(iii) अति प्राचीन, जीर्ण, प्रथम आदर्श, अद्यावधि अमुद्रित, दुर्लभ सचित्र, अत्यन्त शुद्ध, सशोधित या अन्यथा महत्वपूण गन्थो का फोटु प्रतिबिम्ब या फीलमीकरण,

iv) ग्रन्थो के वैज्ञानिक ढग से भाण्डारीकरण एव सरक्षण हेतु आवश्यक सलाह सहायता व साधन सामग्री का वितरण ।

सूचीकरण व सूचीपत्र मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम पुष्प के रूप मे जैसलमेर शहर के पाच जैन ज्ञान भडारो के ग्रन्थ, जो सब किले मे स्थित मुख्य श्री जिनभद्रगणि ज्ञान भण्डार मे विलीन कर दिये गये है, उनका यह सूची पत्र प्रकाशित किया जा रहा है ।

पश्चिमी भारत से होते हुए मध्य पूर्व के देशो को जाने वाले प्राचीन अन्तर्राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित यह जैसलमेर शहर और इसके सन्निकट स्थित पुरानी बस्ती लोद्रवपुर शताब्दियो से एक अति प्रसिद्ध स्थल रहा है । किवदति के अनुसार सिन्धु नदी जो अब मुल्तान होकर बहती है पहिले यही से बहती थी और लोद्रवपुर उसके किनारे पर ही बसा हुआ था । सामुद्रिक जल मार्गों के विकास व अन्य कारणो से पिछली दो सदियो मे अवश्य इस क्षेत्र की महत्ता कुछ कम हो गई थी परन्तु सस्कृति, शौर्य, साहित्य व कला के इस ऐतिहासिक केन्द्र ने पुन सबका ध्यान अपनी ओर खेंच लिया है । पर्यटन के लिये तो यह विश्व विख्यात हो चुका है और प्रतिवर्ष लाखो की सख्या मे देशी विदेशी यात्री यहाँ आते हैं और उनकी सख्या मे उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है । किले मे स्थित यहाँ के जैन ज्ञान भण्डार यात्रियो के लिये आकर्षण का एक प्रमुख केन्द्र है । इस शहर के पुनरोद्धार व विकास के लिये किये जा रहे शासकीय किंवा अशासकीय प्रयत्नो के अनुरूप ही हमारा यह लघु प्रयास है ।

जैसलमेर के ये ग्रन्थ भण्डार वास्तव मे ज्ञान के और विशेषत जैन ज्ञान के तो भण्डार ही थे । इनकी समृद्धता इससे आकी जा सकती है कि अन्य कई भण्डारो मे इनकी पुरानी सूचियां पाई जाती हैं और समय-समय पर बाहिर के विद्वानो द्वारा इनका निरीक्षण अन्वेषण व सूचीकरण किया जाता रहा है। इन भण्डारो की समृद्धता का कारण था कि यहाँ जैन धर्म के सभी ८४ गच्छो के उपाश्रय थे और साधुओ, यतियो और पेशेवर लिपिको की बहुत बडी जमात यहाँ इसी कार्य मे विशेष रूप से सलग्न थी । यहाँ पहिले २,७०० सयुक्त कुटम्ब जैनियो के रहते थे । यहाँ प्रतिलिपि किये हुए सैकडो हस्तलिखित ग्रन्थ बाहिर भी भेजे जाते रहे हैं जो अब भी काफी सख्या मे देश के अन्य भण्डारो मे मौजूद हैं ।

वर्तमान ढग से इन भण्डारो का अशत सूचीकरण और उसका मुद्रण सर्वप्रथम श्री जैन श्वेताम्बर कान्फ्रेंस मुबई द्वारा (हीरालालजी) जैन ग्रथावली मे वि सवत् १९६५ मे हुआ है । उसके बाद वि सवत् १९७३ (ईस्वी सन 1916) मे गायकवाड ओरियन्टल सीरीज मे सी डी दलाल द्वारा बनाई गई मुख्य मुख्य ग्रन्थो की सूची छपी थी । उसके बाद आगमप्रभाकर मुनि श्री पुण्यविजयजी ने स्वय यहाँ रहकर किले मे स्थित

श्री जिनभद्रगणि भंडार, बड़ा उपाश्रय का भण्डार और पचों का भण्डार इन तीनों के ग्रन्थों का विस्तृत सूची पत्र बनाया था जो सन् 1972 में लालभाई दलपत भाई विद्या मन्दिर अहमदाबाद से मुद्रित होकर प्रकाशित हुआ है। परन्तु इसके बाद जैसलमेर के जैन श्री सघ ने अति अभिनन्दनीय निर्णय लेकर शहर के सभी जैन ग्रन्थ भण्डारो को श्री जिनभद्रगणि भण्डार में विलीन कर दिया और इस प्रक्रिया मे उपरोक्त भण्डारो के अलावा निम्न पांच भण्डारो के ग्रन्थ भी मुख्य भण्डार के अन्तर्गत आ गये हैं—

(i) श्री थारु शाह भसाली ज्ञान भण्डार

(ii) श्री तपागच्छ ज्ञान भण्डार

(iii) श्री डूगरजी यति का ज्ञान भण्डार

(iv) श्री गुजराती लूका गच्छ ज्ञान भण्डार

(v) श्री लघु आचार्य गच्छ ज्ञान भण्डार

इन पाच भडारो का सूचीकरण मुनि श्री पुण्यविजयजी ने नहीं किया था अत हमने सन् 1983 मे इस कार्य को प्रारम्भ किया और जो सूची पत्र तैयार किया है वह एतद् द्वारा प्रस्तुत है। मुनि श्री पुण्य विजयजी की बहुश्रुतता व इस विद्या क्षेत्र मे विशेषज्ञता के मुकाबले मे हम नगण्य-यत् किञ्चित् है परन्तु इस प्रकार उनके अधूरे कार्य को पूरा करने की हमने धृष्टता अवश्य की है। अब मुनि श्री पुण्य विजयजी के सूची पत्र (जिसे हम प्रथम स्कन्ध कह सकते हैं) मे वर्णित 2683 ग्रन्थ और हमारे इस सूची पत्र (जिसे द्वितीय स्कध कहा जा सकता है) के 4452 ग्रन्थ मिलकर पूरे जैसलमेर शहर के सभी जैन भण्डारो को समेट लेते हैं। इनके अतिरिक्त और कोई जैन ज्ञान भण्डार शहर में नहीं है ऐसी जानकारी वहा के जैन श्री सघ (वर्तमान में गृह सख्या मात्र 30 के लगभग है) से हमने प्राप्त की है। यति श्री वृद्धिचन्दजी व उनके शिष्य यति श्री लक्ष्मीचन्दजी का एक भडार जैसलमेर में था जिसका मुनि श्री पुण्य विजयजी के सूची पत्र की प्रस्तावना के पृष्ठ ५ पर चार व पांच दो क्रमाको से उल्लेख हुआ है पर वस्तुत वह एक ही भन्डार था। उस भण्डार के समस्त 1155 ग्रन्थ मुनि श्री पुण्य विजयजी जब जैसलमेर भण्डार कार्य हेतु यहा विराज रहे थे तब सन् 1951 में उनके माध्यम से हेमचन्द्र ज्ञान भण्डार पाटण, गुजरात में भिजवा दिये गये थे। भेजे गये ग्रन्थो की सूची पाटण भण्डार के सूची पत्र में छप चुकी है। इसके अतिरिक्त एक गुप्त भडार होने की किवदति प्रचलित है जिसका उल्लेख मुनि श्री पुण्य विजयजी के सूची पत्र की प्रस्तावना के पृष्ठ १३ पर किया गया है और उसके परिशिष्ट मे पृष्ठ 463 पर "किले पर भण्डार मे गुप्त प्रतियाँ" क्रमांक 26 ग्रन्थो की सूची यति मोतीचन्दजी द्वारा सवत् १८४१ मे की हुई छापी गई है। श्री जिन भद्रगणि भण्डार के बायीं ओर के अन्तिम तलगृह में एक थभानुमा जगह को उस गुप्त भण्डार का प्रवेश द्वार कल्पित किया जाता है परन्तु इसकी तथ्यता के बारे मे हमारा कोई मत नही है। जैसलमेर जिले मे अन्यत्र भी कहीं जैन ज्ञान भण्डार हो ऐसा ज्ञात नहीं हुआ। केवल पोकरण में एक जैन ज्ञान भण्डार था जो आचार्य श्री विजय कलापूर्ण सूरिजी कुछ वर्षों पूर्व वहाँ से गुजरात ले गये ऐसी जानकारी मिली है। एक जगह की सांस्कृतिक थाति को अन्यत्र भेजने के पहिले हमें गभीरतापूर्वक यह भी सोच लेना चाहिये कि सस्कृति के प्राचीन बचे खुचे अवशेष भी यहाँ जगह से कहीं हम मिटा तो नही रहे हैं। अत जैसलमेर जिले के हस्तलिखित ग्रन्थों के सूचीकरण व सूची पत्रो के मुद्रण का कार्य पूरा हो चुका ऐसा फिलहाल कह सकते हैं।

जिन पाच भण्डारो का सूचीकरण हमारे द्वारा किया गया है उनमे का श्री थारुशाहजी का ज्ञान भण्डार लगभग विक्रम सवत् १६५० से १६७५ के बीच मे उन्ही के द्वारा स्थापित हुआ है। सघवी थारुशाहजी ओसवाल भसाली गोत्र खरतर गच्छीय, जैसलमेर राज्य के दीवान थे और उन्होंने शत्रुजय तीर्थ का सघ भी निकलवाया था।

ये वहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। इतने व्यस्त व उच्च पदासीन होते हुवे भी इनके भण्डार के कुछ ग्रन्थ स्वय इनके हाथ के लिखे हुवे हैं। यद्यपि इस भण्डार के ग्रन्थ अति प्राचीन नही हैं तो भी सही पाठ की दृष्टि से वे महत्वपूर्ण हैं ऐसा किसी भी दर्शक को लगेगा। और फिर जब स्वय थारुशाहजी ने इस कार्य मे रस लिया है तो प्रतियो मे भूल होने की गु जाइश कम है।

एक वात हम यहाँ और कहना चाहेगे कि प्राय विद्वानो में यह धारणा पाई जाती है कि प्रति जितनी पुरानी होगी उतनी ही पाठ की दृष्टि से शुद्ध होती है। हमारा विनम्र निवेदन है कि यह सिद्धान्त एकान्त रूप से सही नही है। हमने पाया है कि अनुभवी व शिक्षित लिपिक द्वारा की हुई प्रतिलिपि वहुश्रुत आचार्यों द्वारा सशोधित हो जाने पर अधिक शुद्धतर है वनिस्पत उससे भी पहिले सामान्य लिपिक द्वारा लिपिवद्ध की हुई असशोधित प्रति के। और आज के मुद्रण युग मे तो जितना अभिनव सस्करण होगा वह पुराने सभी सस्करणो के लाभ को आत्मसात करके होता है। दृष्टान्त के तौर पर श्री महावीर जैन विद्यालय वम्बई से प्रकाशित जैन आगमो का पाठ आगमोदय समिति के पाठ से शुद्धतर ही गिना जावेगा। और यही वात पर्याप्त अशो मे हस्तलिखित ग्रन्थो पर भी लागू हो सकती है वशर्ते कि लिपिकार ने उपलब्ध विभिन्न पाठों की छानबीन कर अपनी प्रति लिपिवद्ध की हो। तथा इस भण्डार के और अन्य चारो भण्डारो के वहुत से ग्रन्थ यही जैसलमेर मे मुख्य भण्डार की प्राचीन ताडपत्र पर सुन्दर स्पष्ट व शुद्ध लिखी हुई प्रतियो की ही नकले हैं अत मुख्य भण्डार मे कोई ग्रन्थ किसी कारण वश आज यदि उपलब्ध नहीं है तो उसकी जगह यदि इन भण्डारो मे उस ग्रन्थ की प्रतिलिपि हो तो वह अपेक्षाकृत माननीय होनी चाहिये। इस तरह छोटे भण्डार बडे भडारो के पूरक सिद्ध होते हैं।

थारुशाहजी के भडार की विक्रम सवत् १७१३ मे की गई एक सूची इसी भण्डार मे हमे प्राप्त हुई जो हमने परिशिष्ट मे दी है। इसके वाद की विक्रम सवत् १८०६ मे वनी इस भडार की एक सूची मुनि श्री पुण्य विजयजी वाले सूची पत्र के चौथे परिशिष्ट मे पृष्ठ ४४७ पर छपी है।

श्री तपगच्छ जैन ग्रन्थ भण्डार भी लगभग विक्रम सवत् १६५० से १६७५ के वीच ही स्थापित हुआ लगता है क्योकि किसी भी भण्डार की स्थापना प्राय आगम ग्रन्थो से होती है और इस भण्डार के आगम ग्रन्थो का मुख्य जोडा (सेट) उन्ही लिपिको द्वारा लिखित है जिन्होने थारुशाहजी के लिये ग्रन्थ लिखे हैं। कागज, नाप स्याही आदि सव एक सरीखी ही है। किस आचार्य ने इसकी स्थापना की यह तो पता नही है परन्तु जैसलमेर निवासी कोठारी, पारख आदि गोत्रीय जैन ओसवालो ने ये प्रारम्भिक ग्रन्थ लिखवाकर भडार को भेंट किये है। यह भण्डार वाद मे अधिक समृद्ध होता गया जवकि थारुशाह के भडार मे स्थापना के वर्षों के वाद नगण्य वृद्धि हुई है। तपगच्छ भडार की विक्रम सवत् १८६४ मे वनी एक सूची श्री चितामणि पार्श्वनाथ मदिर कोलडी जोधपुर के भण्डार मे हमारे देखने मे आई जिसको हमने परिशिष्ट मे दी हैं।

श्री डू गरजी यति का भण्डार उनकी परम्परागत खरतरगच्छ की गादी की सपत्ति है और अभी तक इनके नाम से ही प्रसिद्ध था। स्वर्गीय श्री डू गरजी यति अपने समय मे किले के मुख्य भण्डार के भी सरक्षक थे और विद्वान भी थे। उनके शिष्य द्वारा यह भण्डार किले के मुख्य भण्डार में दे दिया गया है। कुछ लोगो को सन्देह है कि विलीनीकरण के पहिले डू गरजी यति के भडार के कुछ ग्रन्थ वालोतरा (जिला वाडमेर, राजस्थान) के भडार मे दिये गये है। जो भी हो, वालोतरे के भडार का सूचीकरण का कार्य भी हमारी सस्था द्वारा अभी किया जा रहा है और वह सूचीपत्र भी निकट भविष्य मे मुद्रित कर दिया जावेगा।

वाकी के दोनो भण्डार भी यहां १७वी शताब्दी के आसपास ही स्थापित हुवे लगते हैं। इनमे चौथा तो

गुजराती तपा गच्छ का (श्री लोंका शाह के अनुयायियो का नहीं) और पांचवा खरतर गच्छ की एक शाखा लघु आचार्य गच्छ का है। इन दोनो भण्डारो की प्रतियाँ भी उच्चस्तरीय थी जैसा कि संवत् १९४१ में यति मोतीचन्दजी द्वारा की हुई सूचियो से प्रतीत होता है। वे दोनों सूचियाँ मुनि श्री पुण्य विजयजी के सूचीपत्र मे पंचम परिशिष्ट मे क्रमश पृष्ठ ४६२ व ४६४ पर छपी हैं।

जैसलमेर के ज्ञान भंडार पहिले बहुत अधिक समृद्ध थे। यह कथन हम केवल जनश्रुतियो के आधार से नहीं परन्तु ठोस प्रमाणो के बल पर कर रहे है। मुनि श्री पुण्य विजयजी के और हमारे सूचीपत्र के परिशिष्टों मे इन पांच भण्डारो की पुरानी सूचियाँ दी गई है जो १८वीं १९मी व २०वी विक्रम शताब्दी की है। इन सूचियों मे सैकडो दुर्लभ ग्रन्थो की प्रविष्टियाँ है और यदि इन सूचियो का हमारे सूचीपत्र से मिलान करें तो पता पडेगा कि तपगच्छ व आचार्य गच्छ के बीसियो दुर्लभ व अन्यत्र अनुपलब्ध ग्रन्थ विलीनीकरण के पूर्व ही खोये जा चुके थे—मुख्य भण्डार में नही पहुंचे। जब से यूरोपीय लोगों का आगमन, शासन व वर्चस्व इस क्षेत्र मे हुआ तब से इन भण्डारो का ह्रास होना शुरु हो गया और सैकडो की तादाद में महत्वपूर्ण ग्रन्थ यहाँ से बाहिर चले गये। लगभग १८ सौ वर्ष पूर्व कर्नल टॉड, जो यति जी का शिष्य बनकर यहा रहा था, अपनी पुस्तक 'पश्चिमी भारत मे प्रवास खण्ड II पृष्ठ 249 पर लिखता है—

"लोगो का परिश्रम के लिये प्रोत्साहित करने के निमित्त मैं एक बात कह दू जो साधारणतया बारबार नही कही जा सकती कि मैंने जैसलमेर से कागज और ताड़ पत्र की कितनी ही प्रतियाँ प्राप्त करली थी। ताडपत्र की प्रतियाँ तो 3-5 और 8 शताब्दियो तक पुरानी है जो रॉयल एशियाटिक सोसाइटी के पुस्तकालय की अलमारियो मे अछेड पटी हुई अब भी शोभा बढा रही है।"

उसके बाद भी यह प्रक्रिया चलती रही। उदाहरण स्वरूप सन् 1916 मे गायकवाड पुरातन माला बडौदा मे छप जैसलमेर के सूचीपत्र मे श्री दलाल ने तपगच्छ उपाश्रय के कुछ विशिष्ट महत्वपूर्ण ग्रन्थो का विवरण दिया था। और दुर्भाग्य से दीपक लेकर घर बताने की उक्ति चरितार्थ हुई और वे ही ग्रन्थ अब यहाँ उपलब्ध नहीं है (उनमें 'पच कहा' तो श्री दलाल की राय में सबसे पुरानी प्रति थी)।

बहुधा यह सुनने व पढ़ने मे आता है कि जैन ग्रन्थ भण्डारो के अधिपति भण्डार के ग्रन्थ दिखाने मे बड़े अनुदार होते हैं और उस कारण जैन विद्या को बडा नुकशान हुआ है। परन्तु इसका दूसरा पक्ष भी है। सन् 195 मे मुनि श्री पुण्य विजयजी न जीर्णोद्धार व फील्मीकरण हेतु भंडार के सैकडो महत्वपूर्ण ग्रन्थ अहमदाबाद व लोगो के हाथ दिल्ली भेजे थे उनम स सब ग्रन्थ वापिस आये हो इस बात मे सदेह है। भारत मे कागज की सबसे पुरानी प्रति 'कर्मटिप्पनक' जो वहा प्रदर्शित हुई थी उसका तथा जिन 214 ग्रन्थो की फिल्म ली गई थी उनम स भी कईयो का मुनि पुण्य विजयजी वाले सूचीपत्र मे उल्लेख नही है—भंडार म उपलब्ध नही है। फिल्म उतारने वाले सज्जन ने तीन रील भी मुनिजी को नही दिये। आखिर कहीं तो विश्वास करना पडता है। (देखिये मुनिजी वाले सूचीपत्र की प्रस्तावना पत्र 28 से 30। इसी तरह की दो अन्य सूचनायें भी हमारे पास हैं। कहने का प्रयोजन यह कि भण्डार के अधिपतियो को दोष देने की अपेक्षा हम तो हमारे उन पूर्वजो एव मुनि महाराजो व यतियो को नतमस्तक होकर श्रद्धाञ्जलि अर्पित करना अपना पुनीत कर्तव्य समझते हैं जिन्होने अत्यधिक कष्ट उठाकर (कई बार तो प्राणो को सकट मे डाल कर भी) इस राष्ट्रीय निधि को सैकडो वर्षों मे आज तक सुरक्षित रखा है। ग्रन्थो का भरपूर ज्ञानोपयोग हो—भण्डार स्थापित ही इसलिये किये जाते है—परन्तु ग्रन्थो को गुमा बैठने से सुरक्षा कर लो। श्रद्धालु जनता की राय मे तो अधिपतियो को अब और सजग रहना पडेगा क्योंकि इन ग्रन्थो का अब मोल लगाकर पुरातन antique (antiqe) वालो का हो गया है। खैर जो हुआ सो हुआ, लेकिन जब से मुनि पुण्य

विजयजी ने सूची पत्र तैयार किया है उसके बाद उस सूची पत्रानुसार सारी प्रतियाँ व्यवस्थित रूप से वर्तमान है ऐसा हमने हमारे सूची पत्र बनाते समय मिलान किया है। केवल साम्य सप्ततिका (देखें पृष्ठ 165 मुनिजी का सूची पत्र) की एक प्रति नहीं मिली जिसकी खोज भी ट्रष्टीगण कर रहे हैं। मुनिजी ने अपने सूचीपत्र पृष्ठ 359 पर तपगच्छ के जिस कल्प सूत्र का उल्लेख किया है वह विलीनीकरण के समय उपलब्ध नही होने से ट्रष्ट को नही मिला है तथा एक अन्य स्वर्णाक्षरी सचित्र कल्पसूत्र सवत् १५३७ की प्रति ट्रष्ट की पेढी मे पडी थी (जिसे मुनिजी ने प्रस कॉपी मे तो लिखा है परन्तु मुद्रित सूची पत्र मे नही आई हैं) वह हमने हमारे सूची पत्र मे दर्ज करदी है। इसी प्रकार बडे उपाश्रय भडार के 49 गुटके (बहुधा छोटे नाप की सिली हुई पुस्तक जिसमे स्वाध्यायी अपनी सुविधा के लिए इच्छानुसार विभिन्न लघु रचनाओ की सग्रहीत करता है) जिनको मुनि श्री पुण्य विजयजी ने अपने सूचीपत्र मे पृष्ठ 355 पर पोथी १३२मी' करके प्रविष्टी मात्र करदी थी उन गुटको को भी हमने सपूर्ण देख लिया है और उनमे जो ५० उल्लेखनीय रचनायें हमे प्रतीत हुई उन्हे यथास्थान इस सूची पत्र मे लिख दिया है।

और जहाँ तक फोटो प्रतिबिंब व फीलमीकरण का प्रश्न है, मुख्य भण्डार के 258 महत्वपूर्ण ग्रन्थो के फोटु स्व मुनि जिन विजयजी ने राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर के लिये सवत् २००० मे बम्बई ले जाकर करवाये थे। उसके बाद 214 ग्रथो की माइक्रोफिलम मुनि श्री पुण्य विजयजी ने दिल्ली भेजकर कराई थी जिसका उल्लेख हमने ऊपर किया है। परन्तु इस बार मुनि श्री जबू विजयजी की प्रेरणा से आई फोटोग्राफरो की टुकडी ने यही जैसलमेर मे ही भडार के ग्रन्थो का फीलमीकरण किया है। यह कार्य भी हमारी ही देखरेख मे हुआ। एकोएक ताड पत्रीय ग्रन्थ की (एक ताडपत्र भी बिना फिल्म लिये नही छोडा है) और जितने भी कागज के ग्रन्थ हमे महत्वपूर्ण लगे उन सबकी फिल्म ले ली गई। (सूची के लिये परिशिष्ट देखें)। फिल्म की निगेटिव और पोजिटिव तैयार होकर मुनि श्री जबू विजयजी द्वारा ट्रष्ट को भेंट करवा दी गई है। इन ग्रन्थो मे आये समस्त चित्रो का फोटो एलबम भी तैयार करवाकर मुनि श्री जबू विजयजी ने ट्रष्ट को भेंट करवा दिया है।

विलीनीकरण मे प्राप्त इन पाच भण्डारो के ग्रन्थो का आवेष्टन बधन आदि उसी उच्च स्तर का हो जाना चाहिये जैसा कि मुनि श्री पुण्य विजयजी ने पहिले वाले ग्रन्थो का करवाया है। तथा सारे भण्डार का एकीकृत रूप मे नये सिरे से क्रमाङ्क आदि लगकर विभागीकरण हो जावे तो सबको सुविधाजनक रहेगा। और यदि भविष्य मे पुन मुद्रण की आवश्यकता पडे तो सारे भण्डार का एक ही एकीकृत सूचीपत्र निर्धारित स्तम्भो के अनुसार छापा जावे। इन पाच भडारो के ग्रन्थो मे आई ग्रन्थ कर्त्ताओ व लिपिको की प्रशस्तियों-पुष्पिकाओ को हमने इस सूचीपत्र मे नहीं लिया है क्योकि उनकी एक अलग ही पुस्तिका निकालने का इरादा हैं जो अपने आप मे एक सकलन होगा। तथा फिल्म उतारते समय ग्रन्थो के ताडपत्रो मे कई जगह भिन्नक्रम है ऐसा हमें लगा है अत कोई योग्य मुनिराज या विद्वान एक बार इन्हे पूर्ण रूपेण वापिस जाच ले तो श्रेयस्कर होगा। भण्डार के प्रन्यासीगण भी उपरोक्त सारे कार्य शीघ्र सम्पन्न हो जावे इस वास्ते आतुर हैं।

इस अधिकार को समाप्त करने के पहिले जैन हस्तलिखित भडारो एव ग्रन्थो के बारे मे सामान्य जन की धारणाओ का कुछ निराकरण करना अभीष्ट है। प्रतियो की सख्या के बारे मे निवेदन है कि न तो वे अनन्त हैं और न असख्यात हो—इनकी समूची एकत्रित सख्या भी सीमित ही है। उस कुल सख्या मे बहुत सारे ग्रन्थो की तो बीसियो प्रतियाँ हर भण्डार मे मिलेंगी। इन ज्ञान भण्डारो की दोहरी उपयोगिता थी। एक तो आजकल के पुस्तकालयो की भाति स्वाध्यायियो की आवश्यकता पूरी करना और दूसरे में सग्रहालयो की तरह ग्रन्थो के भडारीकरण व सुरक्षण की व्यवस्था करना। अत भण्डारो के प्रतियो की सख्या लाखो में है तो भी ग्रन्थो की सख्या हजारो से अधिक कदापि नहीं होगी। तथा जो ग्रन्थ भी गिनाये जाते हैं उनमे अधिकाश अति लघु रचनायें १-२-४ पत्रो की होती है जिनकी तुलना वर्तमान पत्र-पत्रिकाओं मे छप रहे लेख व कविताओ मे की जा सकती

है। तथा जो कुछ भी हस्तलिखित है वह सब बहुमूल्यवान है ऐसी भी बात नही है। जैसा कि हर युग में होता है, कई रचनायें अति सामान्य स्तर की हैं। अत वस्तुत जो स्तर के ग्रन्थो मे गिने जा सकते हैं उनकी सख्या हजारो से घटकर कुछ हजारो पर ही आ जावेगी। तथा इनमे भी जो मौलिक आधार भूत कृतियाँ हैं उनकी सख्या तो सैकडो मे ही बडी आसानी से आंकी जा सकती है, बाकी के या तो उन पर लिखा निर्युक्ति भाष्य चूर्णि वृत्ति आदि टीका साहित्य है या बोल थोकडे आदि विभिन्न इधर उधर के सकलन है अर्थात् मुख्य का गौण मात्र है। तथा यह भी उल्लेखनीय है कि यद्यपि ये भण्डार जैन मदिरो व सस्थाओ के है तो भी इनमें सभी सांसारिक विषयो व अन्य धर्मों के भी ग्रन्थ विपुल मात्रा में पाये जाते हैं। कभी-कभी तो मुद्रित ग्रन्थों से की हुई अर्वाचीन प्रतियाँ भी मिलती है। कहने का सारांश यह कि छटनी के अभाव में भण्डारो का कार्य भारी भरकम लग रहा है, बाकी वस्तुत ऐसा है नही। यदि योग्य विद्वान व शोधार्थियो की एक टोली एक सिरे से काम की प्रतियो का चयन करना शुरू करदें तो हमे पूर्ण विश्वास है कि जैन ग्रन्थो का जो अन्वेषण, [अनुसन्धान अध्ययन या प्रकाशन योग्य हस्तलिखित साहित्य बचेगा उसकी मात्रा इतनी सीमित होगी कि विद्वानो की उसको निपटा लेने की हिम्मत हो जावेगी।

ठीक है, कि इस निधि की दोहरी महत्ता है— ज्ञान और पुरातत्व परन्तु हमारे बट मे जो कार्य आया है उसे ही हमें शीघ्र पूरा कर लेना है अर्थात् इसका ज्ञानोपयोग एक बार और सदा के लिये करके हम इससे मुक्त हो जावें। फिर यह पुरातत्व का विषय भले रहे। क्योकि कितना भी वैज्ञानिक भण्डारीकरण का तरीका अपनाया जावे, रसायन, प्लास्टिक, थरमोस कागज के डिब्बे, पुराने जमाने से काम में आ रहा लकडी का बुरादा, एग्जहॉस्ट पखे, फायर प्रूफ अल्मारियाँ, कागजो का स्थिरीकरण (दिल्ली मे राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा जाने वाली एक प्रक्रिया), वातानुकुलित ग्रन्थागार आदि आदि सब उपाय करते हुवे भी आखिर पौद्गलिक वस्तु है— नष्ट होगी ही। और इलेक्ट्रोनिक्स के आज के युग में जबकि इन्स्टेण्ड प्लेन पेपर कॉफीयर, रीडर कम प्रिन्टर, शक्तिशाली केमरे, कम्प्युटर आदि विकसित हो चुके हैं तो इस पुराने बोझे को ढोते रहना बिल्कुल शोभास्पद नहीं है। और जैसा कि उपर वर्णित है, हमारे राष्ट्रीय चरित्र में जीवन के उदात्त मूल्यों का इतनी तेजी से ह्रास हो रहा है कि इस निधि का भार वहन करना खतरे से खाली नही है। यदि प्रमाद किया जाता है ता देर सवेर यह सब खजाना लुट जावेगा—ऐसी चेतावनी दी जा सकती हैं ग्रन्थो को गुमा बैठने के मूल्य पर नही। श्रद्धालु भक्तो की राय मे तो अधिपतियो को अब और सजग रहना पडेगा क्योंकि इन ग्रन्थों को एक और बडा खतरा एन्टीक (antique) वालो का हो गया है। "एन्टीक वाले ग्रन्थो की वह कीमत देने को तैयार हैं कि मुनियों का मन भी डिग जावे। कला प्रेमी भक्तो ने सूत्रो को चित्रित किया परन्तु रूपवती भार्या की यह कार्य ज्ञान का शत्रु सिद्ध हो रहा है। इस बाजार मे आचाराङ्ग की नहीं कल्पसूत्र की कदर है क्योंकि वह चित्रित है। विद्वानो के ले जाये हुवे ग्रन्थ यहाँ रहत तो सही, ज्ञान के काम भी आयेंगे जैसे कि यूरोप वालों ने इगलैण्ड फ्रान्स जर्मनी आदि देशो मे भडार स्थापित किये हैं (अकेले बर्लिन विश्वविद्यालय मे भारत के 35000 हस्तलिखित ग्रन्थ पडे है। जबकि एन्टीक वालो द्वारा बच गये पत्र भविष्य मे उपयोगी सिद्ध नही होंगे।"

अत हमारा अनुरोध है कि इस प्राक्कथन के प्रारम्भ मे सूचित परियोजना देश के सभी भागो मे (और जहाँ हमारे ग्रन्थ चले गये है वहाँ विदेशो में भी) ग्रन्थो द्वारा प्रारम्भ की जानी चाहिए तथा जो इस कार्य मे जुटे हुये है उनको हर प्रकार मे सहयोग देना चाहिये। राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, तामिलनाडु, उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र मे तो इस काम की विशेष आवश्यकता है। सारे कार्य को, जिला समितियाँ बनाकर सस्थाओ इत्यादि मे बाटकर योजनाबद्ध ढग से काम किया जाय तो गिनती के वर्षो मे सम्पूर्ण किया जा सकता है। यदि केवल काम के ग्रन्थो की फोटो या फिल्म शोध सस्थानो मे पहुच जाती है तो सपादन व प्रकाशन व मुद्रण का काय बिल्कुल आसान हो जायेगा। और जो यह योजना सभी बिन्दुओं पर कार्यान्वित हो जाती है तब तो हमारे सामने समग्र जैन साहित्य

का एक नक्शा तैयार हो जावेगा— सपूर्ण कार्य की रूपरेखा वन जावेगी। उस पर से हम ग्रन्थावली (bibliography) वना सकेंगे, जैन केटेलोगस केटेलोगोरोम वन सकेगा, सारा साहित्य सभी खतरो से सदैव के लिये सुरक्षित हो जायेगा, नवीनतम वैज्ञानिक साधनो के प्रयोग के योग्य हो जावेगा। यदि सब मिलकर काम करते हैं तो असम्भव जैसा कुछ भी नही है—देश मे एक मिसाल कायम होगी—अन्य धर्मों के लिये भी एक उदाहरण होगा कि विज्ञान कि सहायता से डूबती हुई ज्ञान राशि को वचाकर किस प्रकार विद्या के विकास में लगा दी है, किस प्रकार एक मूलभूत शोध कार्य की आधार शिला खडी हो गई है। और फिर इस स्रोत से वहने वाली शुद्ध ज्ञान गगा मे स्नान करने वाले स्व ध्यायी अवश्य सम्यग् ज्ञान रूपी मोक्ष मार्ग में प्रगति करेंगे। अस्तु

यह सूचीपत्र किस प्रकार वनाया गया है तत्सम्वन्धी जानकारी व स्पष्टीकरण निम्नलिखित 'सकेत' मे दिये जा रहे है और इस सूचीपत्र का सही रूप में उपयोग हो सके उस वास्ते उस लेख को ध्यानपूर्वक पूरा पढ लेना अनिवार्य है। और उस पर भी यदि सूची पत्र मे मुद्रित जानकारी व सूचना से किसी ग्रन्थ के वारे मे पाठक वृन्द को सन्तोष न हो, शका हो या विशेष जिज्ञासा हो तो प्रार्थना है कि हमसे सम्पर्क करें। उन्हे हर प्रकार से सहयोग देने मे प्रतिलिपि आदि उपलब्ध कराने मे हम हमारा अहोभाग्य समझेंगे।

० संकेत ०

मोटे तौर पर यह सूचीपत्र प्रचलित केटेलोगस केटेलोगोरम (Catolagus Catalogorum) पद्धति व भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्रानुसार वनाया गया है। ग्रन्थो का विभागीकरण विषय सूची के अनुसार है वह भी लगभग सरकारी विषय विभाजन से मेल खाता है। चू कि यह सूचीपत्र जैन ज्ञान भण्डार का है इसलिये इसमे जैन ग्रन्थो की वहुतायत है। यद्यपि सरकारी प्रपत्र के अनुसार सभी प्रकार के जैन ग्रन्थो को केवल एक ही भाग नम्वर सातवें मे डाला जाता है परन्तु हमने आवश्यक समझकर इन जैन ग्रन्थों को चार भागो (१ से ४) में वाटा है जिनके पुन क्रमश २+२+३+२ कुल मिलाकर ६ विभाग किये हैं और पहिले भाग के दूसरे विभाग के पांच उप विभाग किये हैं। अत भाग १ से ४ तक के सभी विभाग व उपविभाग मिलकर सरकार द्वारा निर्धारित सातवें भाग के ही अन्तर्गत आते हैं। भाग ५ जैनेतर धार्मिक ग्रन्थो का है जिसमे सरकार द्वारा निर्धारित भाग १ से १० (केवल उपरोक्त भाग ७ छोडकर) इन ६ भागो के ग्रन्थो का समावेश है और उन्हें क्रमश (अ) से (औ) तक विभाजित कर दिया है। इसी प्रकार इस सूचीपत्र के भाग ६, ७, ८ और ९ में क्रमश सरकारी निर्धारित भाग ११ १२ से १६ २३ व २४ के ग्रन्थो को अलग-अलग दिखा दिया है। और चू कि भाग १७ से २२ व २५ तक के ग्रन्थ विल्कुल थोडे है अत उन्हें इस सूचीपत्र के अन्तिम भाग १० मे "अवर्गीकृत शेष" रूप मे दिखा दिया गया है।

जैन ग्रन्थो के भाग विभाग व उपविभाग के शीर्षकों को देखने से सारा विभाजन लगभग स्पष्ट हो जावेगा। आगमो की सख्या के विवाद मे नही पडना चाहते है और जो कोई भी ग्रन्थ किसी भी सम्प्रदाय द्वारा आगम माना जाता है वह हमने आगम मे ले लिया है। चू कि साम्प्रदायिक खण्डन मण्डन विशेषकर धार्मिक क्रिया काण्ड से सम्वन्ध रखते हैं अत इसे उस भाग का ही एक विभाग वना दिया है।

तथा अमुक ग्रन्थ किस विभाग मे डाला जाना चाहिये इस वारे मे कई वार एक से अधिक मत सभव होते है अथवा एक ही ग्रन्थ मे विविध प्रकार की विषय वस्तु होती है अत एक दम निर्विवाद शुद्ध विभाजन असभव है और जो विभाजन किया गया है उसके लिये एकान्त रूप से हमारा आग्रह भी नही है।

सूचीपत्र के स्तम्भो में दी गई सूचना को मुख्यत दो भागों में बांट सकते है— कुछ स्तम्भो की वीगत तो उस ग्रन्थ से सम्बन्ध रखती है और कुछ स्तम्भों की बीगत उस प्रति विशेष से ही सम्बन्धित है। अब हम प्रत्येक स्तम्भ का थोडा विश्लेषण करना उपयुक्त समझते हैं—

स्तम्भ 1- क्रमाक –

इसमें हमने विभागीय, या जहां है वहां उपविभागीय क्रमाक दिया है। सामान्य अनुक्रमाक सारे ग्रन्थ तक एक ही चालू रखा जा सकता था परन्तु हमारी राय में विभागीय सख्या का महत्व अधिक है और मुद्रण आदि में सुविधाजनक भी है। वैसे विषय सूची मे कुल प्रतियो की सख्या का योग आ ही गया है। साधारणतया हर प्रति की अलग प्रविष्टि करके विभागीय क्रमांङ्क दे दिया गया है। परन्तु कई ग्रन्थो की अर्वाचीन प्रतियां जो अति सामान्य हैं और पाठ भेद आदि दृष्टियों से महत्वहीन हैं उनकी प्रविष्टि एक साथ कर दी गई है लेकिन वहां भी जितनी प्रतियां हैं उतने क्रमाक दे दिये है। (देखिये पृष्ठ सिंदूर प्रकर सात प्रतियें एक साथ में क्रमांक २ से) । इस तरह सूचीपत्र को अनावश्यक रूप से वडा नही होने दिया है। इसके विपरीत जिस सयुक्त प्रति मे एक से अधिक उल्लेखनीय ग्रन्थ हैं उन सभी ग्रन्थो की अलग अलग प्रविष्टियां विभागानुसार अकारादिक्रम से बीगतवार यथा स्थान कर दी है और क्रमांक दे दिये हैं। और चू कि ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि में पन्नो की सख्या पूरी प्रति की ही लिखी है, जो भ्रमोत्पादक न हो जाय इसलिये पन्नो की सख्या पर * तारे का चिन्ह् लगा दिया है। तथा जहां आवश्यक समझा गया है वहां सयुक्त प्रति के प्रथम ग्रन्थ की प्रविष्टि देखने की सूचना कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त कई प्रतियां विशेषत स्तवन मत्रादि एक दो पन्नो के अति लघु ग्रन्थ होते हैं। तथा प्रत्येक भडार में कई सारे पन्ने स्फुट और त्रुटक भी होते हैं और कई गुटके भी होते हैं जिनमें बहुत सी छोटी मोटी कृतियों का सकलन होता है। हमने इन सब लघु ग्रन्थो, स्फुट व त्रुटक पन्नों और गुटको की पूरी छानबी न करके जो मुख्य या सकलनीय रचनायें प्रतीत हुई उनकी तो अलग अलग प्रविष्टियां कर दी है, तथा बाकी बचे हुए इन अमहत्वपूर्ण व अनुल्लेखनीय लघु ग्रथों व पन्नो को मिलाकर एक ही क्रमांङ्क पर विभागानुसार अत में प्रविष्टि कर दी है। कदाचित् विषय की अधिक गहराई में जाने वाले के लिये इन लघ कृतियों व स्फुट त्रुटक व अपूर्ण पन्नो की उपयोगिता हो सकती है। इसी प्रकार गुटकों को भी क्रमाक देकर अलग से भी प्रविष्टि कर दी है। इस तरह हमने भडार की समस्त प्रतियो पूण या अपूर्ण, गुटकों तथा स्फुट पन्नो व त्रुटक या लघु ग्रन्थो आदि सबको सूची पत्र में ले लिया है वाहिर कुछ भी नही छोडा है।

स्तम्भ 2- स्रोत परिचयाङ्क –

च कि यह सूचीपत्र केटेलोगम केटेलोगोरम पद्धति से बनाया गया है अत इस स्तम्भ की आवश्यकता है ताकि ग्रन्थ उपलब्धि आसानी से की जा सके। भडारो के सूचक अक्षरो का स्पष्टीकरण सुगम्य है— यथा

आ—१ = लघु आचार्य गच्छ भण्डार की एक नम्बर की प्रति
डू—१ = डूगरजी यति के भण्डार की एक नम्बर की प्रति
त– १ = तपागच्छ भण्डार की एक नम्बर की प्रति
पा – १ = पाठशालाजी के भण्डार की एक नम्बर की प्रति
लो – १ = लोंकागच्छ भण्डार की एक नम्बर की प्रति

स्तम्भ 3– ग्रन्थ का नाम —

जैन आगम भाग को छोडकर प्रत्येक विभाग के ग्रन्थो को अकारादि क्रम से लिखा गया है और इसलिये सूची पत्र मे उल्लेखित ग्रन्थो को पुन परिशिष्ट मे अकारादि क्रम से सजाने की विशेष आवश्यकता नही समझी गई है। अकारादि क्रम मे भी अ के बाद अ या क के बाद क को न लेकर औ या कौ के बाद लिया है, जैसा कि आजकल विद्यालयो मे पढाया जाता है। जैन आगम ग्रन्थो को जैन मान्यतानुसार अगसूत्र और अगबाह्य सूत्र (पांच उप विभागो मे विभाजित) का जो क्रम नियत है तदनुसार लिखा गया है और यह विषयसूची से स्पष्ट हो जाता है।

लेकिन विभागीकरण की तरह नामकरण मे भी एकरूपता नही हो सकती क्योंकि भिन्न-भिन्न अक्षर सयोजना से ग्रन्थनाम का प्रथम अक्षर भी भिन्न हो जाता है। उदाहरण स्वरुप "गौडी पार्श्व स्तोत्र" और "चितामणि पार्श्व स्तोत्र" को हमने क्रमश पार्श्व (गौडी) स्तोत्र" और पार्श्व (चिंतामणि) स्तोत्र ऐसा नाम देकर दोनो स्तोत्रो को अक्षर "पा" के नीचे सकलित करना अभीष्ट समझा है। कई बार एक ग्रन्थ विद्वत् जगत् मे एक से अधिक नामो से प्रचलित होता है जैसे 'दर्शन-सत्तरी' को 'सम्यक्त्व सत्तरी' भी कहते हैं और विचार षट्त्रिंशिका "चतुर्विशतिदण्डक" चौवीसदण्डक" या केवल 'दण्डक" के नाम से भी प्रसिद्ध है। उपरोक्त कठिनाईयो से उत्पन्न समस्याओ के निराकरण हेतु पाठको से और विशेषतया शोधार्थी पाठको से हमारा निवेदन है कि अभिलषित ग्रन्थ की प्रविष्टि के बारे मे निराश होने के पहिले सभावनीय विविध विकल्पो के अनुसार सूचीपत्र को अच्छी प्रकार से ढूढें तथा लेखक परिशिष्ट की भी मदद लें। इस वास्ते पूरी विषय सूची को हृदयगम करके तथा प्रविष्टि के सभी स्तम्भो को देखना व इस 'प्राक्कथन सकेत' को भी ध्यान पूर्वक पढना आवश्यक है। सूचीपत्रो मे विभागीकरण, विषयसूची, अकारादि क्रमणिका इत्यादि सुविधा के हेतु हैं परन्तु प्रमादवश उसे ही एक मात्र आधार या बहाना बना लेंगे तो विद्यमान होते हुवे भी ग्रन्थ हाथ नही लगेगा।

स्तम्भ 3 A —

इसमे ग्रन्थ का नाम रोमन लिपि मे दे दिया है ताकि देवनागरी लिपि न जानने वालों को कुछ सुविधा हो जाय। तथा उनकी सहुलियत के लिये ही सूची पत्र मे सर्वत्र भारतीय अको का अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग मे लिया गया है।

स्तम्भ 4– ग्रथ कर्त्तादि का नाम —

इस स्तम्भ मे ग्रन्थकार का नाम व उसके गुरु या पिता का नाम और उसकी आम्नाय भी दे दी गई है ताकि पूरा नाम परिचय हो जावे। यदि ग्रन्थ वृत्ति आदि सहित होने से दो अथवा दो से अधिक लेखको की कृति है तो उन दोनो या सब का नाम व परिचय दिया गया है। उनमे क्रमानुसार प्रथम नाम मूल लेखक का है और/करके आगे वृत्तिकार आदि का नाम लिखा गया है। जहाँ लेखक का नाम प्रति मे नही है वहाँ स्तम्भ को खाली ही रखा है। लेकिन जहाँ पक्का निश्चय हो गया है कि लेखक का नाम मिलने वाला नही है वहाँ 'अज्ञात' शब्द लिख दिया है। कही-कही साथ मे ग्रन्थ की रचना के वर्ष का उल्लेख भी किया है यद्यपि अच्छा यह रहता कि रचना समय की जानकारी एक स्वतन्त्र स्तम्भ मे दी जाती।

स्तम्भ 5– स्वरूप —

इस स्तम्भ मे सूचना दो दृष्टि कोणो से दी गई है। प्रथमत यह बताया गया है कि ग्रन्थ गद्य या पद्य या चपू या नाटक या सारिणि या तालिका या यत्र आदि किस प्रकार का है तथा दूसरे मे यह बताया गया है कि ग्रन्थ का स्वरूप क्या है-मूल, निर्युक्ति चूर्णि, भाष्य, वृत्ति, दीपिका, अवचूरि, टब्बा (स्तवक), बालावबोध, वाचना, अन्तर्वाच्य व्याख्यान, टीका, विवरण, स्वोपज्ञ विवृत्ति आदि किस किस्म या जाति का है। प्राय करके प्रकार या

स्वरूप को दर्शाने वाले उपरोक्त शब्दों के प्रथम अक्षर को लिख दिया है जिसका तात्पर्य उस उस शब्द से लगा लेना चाहिये। बहुधा एक ही प्रति में दो किंवा दो से अधिक स्वरूप साथ में हैं तो वहाँ उतने संकेत दे दिये हैं तथा ग्रन्थ का नाम लिखते हुवे भी कहीं-कहीं यह उल्लेख कर दिया है। उदाहरण - "प्रवचनसारोद्धार सहवृत्ति" मू (प)+वृ (ग)=अर्थात् मूल पद्य में तथा वृत्ति सहित जो गद्य में है।

सामान्य पाठक की सुविधा के लिये ग्रंथों के स्वरूप का स्पष्टीकरण दे देना उचित होगा जो निम्न प्रकार है।

मू० = मूल (Bare Text)

अर्थात् ग्रंथ का मूल पाठ मात्र है।

नि० = निर्युक्ति (Explication)

जो निश्चित रूप में समग्रता व अधिकता को लिये हुवे, सूत्र में अभिहित, अन्तर्निहित संकेतित या स्थित हैं उन जीव अजीव आदि विषयों के अर्थों को भली प्रकार परस्पर वाच्य वाचक सम्बन्ध पूर्वक प्रकट करने के उपाय को (युक्ति योजना या घटना को) निर्युक्ति कहते हैं।

यद्यपि सूत्र में अर्थ बीज रूप में वर्तमान है तो भी शिष्यों के लिए उसका रहस्योद्घाटन या विश्लेषण करना द्विभाषण नहीं है, तथापि निर्युक्तिकार अधिकारक विद्वान हैं। सभी निर्युक्तियाँ प्राकृत भाषा की पद्य मय रचनायें हैं। निक्षेप उपोद्घात व सूत्रस्पर्शिक ये तीन इसके प्रकार हैं। निर्युक्ति निरुक्त से भिन्न होती है और कई आचार्य इसके दो भेद भी करते हैं—स्पर्श निर्युक्ति व निश्चयेन उक्ति।

भा० = भाष्य (Treatise)

मूल ग्रन्थ पर वह विशद रचना जिसमें प्राय भाष्यकार का स्वयं का भी अर्थपूर्ण योगदान होता है भाष्य कहलाता है।

यह प्राय पद्य शैली में लिखा जाता है और मूल ग्रन्थ की संपूर्ण विषय वस्तु की विभिन्न दृष्टियों से समीक्षा भी की जाती है।

चू० = चूर्णि (Exegesis)

मूल सूत्र की जो गद्य शैली व सरल भाषा में विस्तार सहित अध्येता को हृदयगम कराने के लिये अभिव्यक्ति की जाती है उसे चूर्णी (या चूर्णि) कहते हैं।

चूर्ण धातु 'पेषण' के अर्थ में है, अर्थात् सूत्रों का चूरा करके उन्हें सुग्राह्य व सुपाच्य बना दिया जाता है।

वृ० = वृत्ति (Exposition)

वृत्ति एक वह उपयोगी व महत्त्वपूर्ण विवेचन है जिसके माध्यम से शब्दार्थ सह अनुगामिनी व्याख्या द्वारा मूल लेखक का संपूर्ण अभिप्राय निष्ठापूर्वक हेतु नय, शंकासमाधान आदि सम्मेत स्पष्ट कर दिया जाता है।

यद्यपि वृत्ति व चूर्णि शब्द का प्रयोग एक दूसरे के लिये कर दिया जाता है तो भी सामान्य पाठक के लिये यह सूचना है कि समस्त चूर्णि साहित्य (अल्प संस्कृत मिश्रित) प्राकृत भाषा में ही उपलब्ध है जबकि सारी प्रचलित वृत्तियाँ संस्कृत में है।

दी० = दीपिका (Illuminant)

यथानाम दीपक की तरह मूल ग्रन्थ पर लघु प्रकाश डालने वाली रचना को दीपिका कहते हैं।

प्राय करके वृत्ति की पश्चात्वर्ती होती है और भावानुवाद द्वारा उसमे रही हुई जटिलता का यह निराकरण व सरलीकरण भी करती है।

अ० = अवचूरि (Elucidatory Version)

मूल ग्रन्थ के उस (प्राय करके सस्कृत) रूपान्तर को अवचूरि कहते हैं जिसमे बिना विस्तार के भी, भावार्थ फूल की तरह खिल जाता है। अव शब्द अनुगामी के अर्थ मे है मोटा चूरण ही किया जाता है।

वा० = वाचना (Discourse)

शास्त्र सिखाने हेतु स्वाध्यायी को पाठ रूप मे जो वक्तृता गुरुद्वारा दी जाती है उसे वाचना कहते हैं। इसे देशी भाषा मे 'वखाण' कह सकते हैं जिसमे व्याख्या व प्रशसा दोनो का समावेश हो जाता है।

व्या० = व्याख्यान (Lecture)

तदर्थ बुलाई गई सगोष्ठी मे उस विषय पर ज्ञानकृत ढग से दिये गये भाषण को व्याख्यान कहते हैं।

टि० = टिप्पणक (Annotation)

ग्रन्थ का खुलासा करने के लिये जो पद-टिप्पणियाँ की जाती है उन्हे टिप्पणक कहते हैं।

चू० = चूलिका (या चूडा) (Excursus)

सूत्र सम्बन्धित या सूचित अर्थ की विशेष प्ररूपणा के लिये विशिष्ट सग्रह जो बहुधा ग्रन्थ के अन्त मे जोडा जाता है, चूलिका या चूडा कहा जाता है। पहाड की चोटी के सदृश मानो ग्रथ पर कलश हो।

प० = पजिका (Expansion)

मूल ग्रन्थ के कतिपय अशो का सारयुक्त विवेचन पजिका कहलाता है। पजिका = पदमजिका।

टी० = टीका (Commentary)

आलोचना समालोचना करते हुए किसी भी ग्रथ के तात्पर्य को बीगतवार व विस्तृत रूप मे प्रकट करने वाले प्रबन्ध को टीका कहते हैं।

बा० = बालाविबोध (Vernacular)

साहित्यिक भाषा मे लिखे गये मूल ग्रन्थ का वह सस्करण जो देशी बोलचाल की भाषा मे व्यक्त किया जाता है बालाविबोध (बालाविबोध, बालावबोध, बालबोध) कहलाता है ताकि सामान्य जन भी उसका लाभ उठा सके।

ट० = टब्बार्थ (Gloss)

पुराना हस्तलिखित प्रतियो मे अल्पपरिचित शब्दो या पदो के निर्वचन या भावार्थ की बहुधा उस प्रति मे ही मूल इबारत के ऊपर सरल भाषा मे (या देशी बोली मे) की गई सक्षिप्त लिखावट को टब्बार्थ कहा जाता है। ऐसे स्पष्टीकरण को स्तवक भी कहते हैं।

स्वो० = स्वोपज्ञवृत्ति (Own Dilation)

अपने ग्रन्थ को और अधिक सुबोध बनाने के लिये जब मूल लेखक स्वय उस पर वृत्ति (या भाष्य आदि) लिखकर विस्तार करता है तो उसे स्वोपज्ञ वृत्ति (या भाष्यादि) कहते हैं।

दु० = दुर्ग पद पर्याय (या विषम पद बोध आदि) (Terminology Made-easy)

ग्रन्थ में आये हुवे कठिन या दुर्गम्य शब्दों या पदावली का सरल भाषा में निवचन, परिभाषा अथवा अर्थ कथन, दुर्ग पद पर्याय कहा जाता है।

अन्त० = अन्तर्वाच्य (Intervenient)

वाचना में पूरक रूप से बाह्य वस्तु का समावेश कर परिवर्द्धन करना अन्तर्वाच्य है। 'प्रक्षिप्त" तो मूल पाठ का भाग ही बना दिया जाता है—अन्तर्वाच्य उससे भिन्न है।

अनु० = अनुवाद (Translation)

ग्रन्थ की मूल भाषा को न जानने वालों के लिए भाषान्तर द्वारा ग्रन्थ के शुद्ध अर्थ का उनकी ही भाषा में प्रस्तुतिकरण अनुवाद कहलाता है।

व्याख्या = (Explanation)

मूल कृति के मर्म को आसानी से समझा देने वाली ग्रन्थ पद्धति की सामान्य संज्ञा व्याख्या है। शास्त्रीय दृष्टि से इसके 6 अंग होते हैं—संहिता, पदच्छेद, पदार्थ, पदविग्रह, चालना और प्रत्यवस्था।

वि० = विवरण (Narration)

विवरण शब्द सामान्य न कि विशेष पारिभाषिक, अर्थ में ही प्रचलित है। अलबत्ता वृत्ति के लिए इसका प्रयोग अधिक होता है।

यद्यपि उपरोक्त परिभाषायें दी गई हैं तो भी वे कोई कठोर निश्चयात्मक नहीं हैं—एक ग्रन्थ एक से अधिक परिभाषाओं में अन्तर्गत आ सकता है। अतः हमने भी ग्रन्थकार ने जैसा अपने ग्रन्थ को कहा है वैसा ही मान लिया है।

स्तम्भ 6 विषय संकेत —

यद्यपि मोटे रूप में विभागानुसार विषय संकेत हो जाता है तो भी इस स्तम्भ में ग्रन्थ की विषय वस्तु का अति संक्षिप्ततम सारांश परिचय रूप में दिया है जो पाठकों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

स्तम्भ 7– भाषा —

ग्रन्थ प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश आदि जिस भाषा में लिखा गया है उस भाषा को या तो प्रथम अक्षर से दर्शाया गया है और नहीं तो भाषा का पूरा नाम लिख दिया है।

इस प्रकार —	प्रा० = प्राकृत	डि० = डिङ्गल	रा० = राजस्थानी
	सं० = संस्कृत	हि० = हिन्दी	मा० = मारुगुर्जर
	अ० = अपभ्रंश	गु० = गुजराती	के बोधक हैं।

जहाँ ग्रंथ (मूल + वृत्ति आदि) एक से अधिक भाषा में है वहाँ उन सभी भाषाओं को बता दिया है। मिश्रित होने से कई बार [illegible] गया है इस बारे में मत भेद भी हो सकता है जैसे 'जयतिहुयण" स्तोत्र को कई लोग प्राकृत की रचना कहते हैं तो कई उसे अपभ्रंश की। जिन ग्रंथों की भाषा को हमने 'मारु गुर्जर' की संज्ञा दी है उन बारे में स्पष्टीकरण करना चाहेंगे।

पश्चिमी राजस्थान व गुजरात इस भू-भाग की भाषा विक्रम की लगभग 18वी शताब्दी तक प्राय एक सी ही रही है और उसमे विपुल साहित्य रचा गया है। अपभ्रंश भाषा के काल के बाद, प्रदेश की इस भाषा को क्या नाम दिया जावे इस बारे मे विद्वान एक मत नही-हैं। चूकि विगत दो ढाई शताब्दियो से राजस्थानी व गुजराती भिन्न-भिन्न भाषाओ के रूप मे उभरी हैं अत उस प्रभाव मे आकर प्रादेशिक व्यामोह के कारण 13वी से 18वीं इन 5-6 शताब्दियो मे रचे गये ग्रन्थो की भाषा को कई लोग तो गुजराती या प्राचीन गुजराती कहते हैं और कई लोग राजस्थानी कहते हैं। उदाहरण स्वरूप अहमदाबाद (गुजरात) से छपे सूचीपत्रो मे श्री समय सुन्दरजी के ग्रथो की भाषा को स्व आगमप्रभाकर मुनि पुण्यविजयजी ने गुजराती बताई है जबकि जोधपुर (राजस्थान) से छपे सूची पत्रो मे उन्ही ग्रथो की भाषा स्व पद्म श्री मुनि जिनविजयजी ने राजस्थानी बताई है। इस समग्र भू-भाग मे विचरण करने वाले होने के कारण जैन साधुओ द्वारा रचित जैन साहित्य मे तो यह भाषा-एक्यता व साम्य इतना अधिक है कि भाषा भेद की कल्पना ही हास्यास्पद लगती है। ग्रथकर्त्ता ने स्वय की बोली मे रचना की, उस बोली को पराई सज्ञा देकर अन्याय नही करना चाहिये, अत इस भाषा विवाद मे न पडकर हमने मध्यम मार्ग का अनुसरण करना ही श्रेयस्कर समझा है और कुवलयमाला नामक प्रसिद्ध ग्रथ मे सुझाये गये 'मारु गुर्जर' नाम से इस भाषा को बताया है जिसमे 19वी शताब्दी से पूर्व की लगभग 5-6 शताब्दियो को इस भू-भाग की बोलचाल किंवा साहित्यिक भाषा का समावेश हो गया है।

इस प्रकार उपरोक्त सात स्तम्भो मे ग्रथ सबन्धी जानकारी के सकेतो का स्पष्टीकरण के बाद अब उन स्तम्भो का विवेचन किया जाता है जो मुख्यत प्रस्तुत प्रति से ही सम्बन्धित हैं।

स्तम्भ 8– पत्रो की सख्या —

इस स्तम्भ मे प्रति के कुल पत्रो की शुद्ध सख्या जो है वह लिख दी गई है जिसको द्विगुणित करने मे पृष्ठो की सख्या आ जाती है। यथा सभव पत्रो को गिनकर सही सख्या लिखी गई है और बीच मे जो पत्रे कम हैं अथवा अतिरिक्त हैं उन क्रमाको की टिप्पणी दे दी गई हैं। अधूरी या अपूर्ण तथा कही-कही त्रुटक प्रति के भी पत्रो के क्रमाङ्क, जो उपलब्ध है अथवा कम है, बीगतवार लिख दिये हैं। जहाँ एक से अधिक प्रतियो की प्रविष्टि एक साथ की गई है वहा प्रत्येक प्रति के पत्रो की सख्या अलग-अलग लिखी गई है जिनका क्रम विभागीय क्रमाकानुसार है, ऐसा समझ लेना चाहिये।

स्तम्भ 8A– नाप —

इस स्तम्भ मे प्रति के बारे मे चार प्रकार से सूचना दी गई है। पहिली सख्या प्रति की लम्बाई और दूसरी सख्या प्रति की चौडाई दर्शाती है, जो दोनो सेन्टीमीटरो मे है। तीसरी सख्या प्रतिपृष्ठ (न कि प्रति पन्ने मे) कितनी पक्तिया है, यह बताती है और चौथी सख्या प्रति पक्ति औसतन कितने अक्षर हैं, यह दिखाती है। चारो सख्याओ को इसी क्रम से लिखा है और उन्हें अलग-2 करने हेतु सुविधा के लिये बीच में ' × ' निशान लगा दिया है। जहा ग्रन्थ केवल यन्त्र या तालिका स्वरूप ही है वहाँ लकीरो व अक्षरो की सख्या नही दी है। तथा जहा प्रति पचपाठी (अर्थात् बीच मे मूल ग्रथ व उसके चारो ओर वृत्ति आदि लिखी हुई) या टब्बार्थ सहित है वहां पक्तियो व अक्षरो की सख्या मूल की ही दी हैं। जहाँ एक से अधिक प्रतियो की प्रविष्टि एक साथ मे की गई है वहाँ केवल प्रतियो की लम्बाई व चौडाई ही दी है और वे भी जब प्रति प्रति भिन्न है तो लम्बाई व चौडाई दोनो की लघुतम व दीर्घतम दो-दो सख्यायें लिख दी गई है। दृष्टात—भाग 3 (आ) भक्तामर स्तोत्र 5 प्रतियो की प्रविष्टि के सामने 24 से 27 × 12 से 13 लिखने का तात्पर्य यह है कि इन पाचो प्रतियो की लम्बाई भिन्न-भिन्न है जो नीचे मे 24 और ऊचे मे 27 सेन्टीमीटर है और इसी प्रकार चौडाई भी भिन्न-2 है जो नीचे मे 12 और ऊचे मे 13 सेन्टीमीटर है। चूकि सेन्टीमीटर भी कोई बहुत विस्तावार वाली दूरी नही है अत हमने मीलीमीटरो मे जाना श्रेयस्कर नही समझा है—आधे से अधिक को पूरा सेन्टीमीटर गिन लिया है और आधे से कम को छोड दिया है।

स्तम्भ 9- परिमाण —

इस स्तम्भ में भी सूचना दो दृष्टि कोणों से दी गई है—

(i) ग्रंथ के स्कन्ध (खण्ड) पर्व, सर्ग, अध्याय, प्रकाश, परिच्छेद, अधिकार, प्रकरण, उद्देशक, ढाल, पद, छंद, गाथा, श्लोक आदि की संख्या द्वारा उसका परिमाण बताया गया है। जहाँ उपलब्ध है वहाँ ग्रंथाग्र [ग्रन्थ के कुल अक्षरों की संख्या को 32 (प्राचीन अनुष्टम् छंद का अक्षर परिमाण) से भाग देने पर आने वाला भजनफल ग्रन्थाग्र कहलाता है] संख्या भी लिख दी है। परन्तु कभी-कभी यह ग्रन्थाग्र संख्या, वास्तविकता से मेल नहीं भी खाती है क्योंकि लिपिक इस संख्या को अनुमान से अथवा बढा चढाकर अथवा परपरागत शास्त्र वर्णित परन्तु वर्तमान में अनुपलब्ध है, वह लिख देते हैं। सूचीपत्र में दी हुई पन्नो की संख्या को दुगना करने से पृष्ठों की संख्या आ जाती है और उसे पंक्ति प्रतिपृष्ठ की संख्या से गुणा करने पर ग्रन्थ के कुल पंक्तियों की संख्या आ जाती है और उसे औसतन अक्षरों की संख्या से गुणा करने पर ग्रन्थ के कुल अक्षरों की संख्या आ जाती है जिसमें 32 का भाग देने से ग्रंथाग्र की संख्या आ जावेगी—इस प्रकार पाठक स्वयं ग्रंथाग्र अनुमानित कर सकते हैं।

(ii) साथ में यह भी बताया गया है कि प्रति संपूर्ण है या अपूर्ण या त्रुटक, और यदि अपूर्ण है तो कितनी अपूर्णता है। यदि प्रति पूरे ग्रन्थ के एक अंश हेतु ही लिखी गई है और वह अंश पूरा है तो उसे 'प्रतिपूर्ण' कहा गया है। प्रथम या अंतिम पन्ना बहुधा नहीं होते है तो प्रति को अपूर्ण न कहकर वैसी टिप्पणी लिख दी जाती है कि पहिला या अन्तिम पन्ना कम है। उपरोक्त परिमाण सूचक शब्दों के प्रथम अक्षर ही बहुधा सूची पत्र में लिखे हैं अतः तदनुसार अर्थ लगा लेना चाहिये—जैसे स = संपूर्ण अ = अपूर्ण, ग्र = ग्रन्थाग्र।

स्तम्भ 10- प्रतिलेखन वर्ष, स्थल व लिपिक —

इस स्तम्भ में प्रति के बारे में तीन प्रकार से सूचना दी गई है—

(i) सर्व प्रथम प्रस्तुत प्रति जिस वर्ष में लिखी गई है वह विक्रम संवत् दिया गया है कदाचित् कहीं पर शक या वीर संवत् या अन्य साल है तो वैसा विशिष्ट उल्लेख कर दिया गया है विक्रम संवत् से शक संवत् व ईस्वी सन् क्रमशः 135 और 56 कम होता है जबकि वीर सम्वत् 470 अधिक होता है। परन्तु बहुत सी प्रतियों में उनका प्रतिलेखन संवत् लिखा हुआ नहीं मिलता है। ऐसी अवस्था में अनुमान से वह प्रति जिस शताब्दी में लिखी प्रतीत हुई वह विक्रम की शताब्दी लिख दी गई है। यद्यपि अनुमान लगाते हुए हमने पर्याप्त अनुदार दृष्टि से काम लिया है (अर्थात् संदेहास्पद मामलों में प्रति को प्राचीन की अपेक्षा अर्वाचीन ही बताने की ओर झुकाव रहा है) तो भी अन्दाज तो अन्दाज ही है। अतः पाठकों को सलाह है कि हमारे इस अन्दाज को ठोस आधार न मान लें। भिन्न भिन्न वर्षों में लिखित प्रतियों की प्रविष्टि जब एक साथ ही की गई है वहाँ कालावधि की सीमायें व यथा योग्य सूचना दे दी गई है।

(ii) दूसरी सूचना प्रति किस स्थल में लिखी गई है उसकी है और

(iii) तीसरी सूचना लिपिक के नाम की है

हस्तलिखित प्रतियों में प्रतिलेखन संवत् कई बार सांकेतिक शब्दों में मिलते हैं जैसे शशि = 1। इस बारे में स्व. अगरचन्दजी नाहटा का एक लेख 'संख्या सूचक शब्द संकेत' काशी नागरी प्रचारिणी पत्रिका श्रावण 1998 के अंक में छपा था। इस लेख से हमें बहुत मदद मिली है। अतः उसमें का आवश्यक अंश तथा भंडारकर प्राच्य शोध संस्थान पूना से हीरालाल रसिकलाल कापड़िया द्वारा बनाये गये जैन सूची पत्रों के परिशिष्ट

की मदद लेकर अकरादिक्रम से हमने इस सम्बन्धित परिशिष्ट तैयार करवा कर सूची पत्र के अन्त मे दिया है जो अन्यो को भी उपयोगी होगा। दोनो प्रसिद्ध सस्थाओ व विद्वान लेखको का आभार प्रकट करते हैं। तथा जैसलमेर भडार के फीलमीकरण हेतु सख्या लिखने की पुरानी अकमाला का अध्ययन किया था उसकी एक तालिका भी परिशिष्ट मे दे रहे हैं।

स्तम्भ 11– विशेषज्ञातव्य —

उपरोक्त सव के अलावा ग्रन्थ अथवा प्रति के वारे मे जो भी सूचना देना उपादेय या आवश्यक समझा गया है उस वास्ते इस स्तम्भ की शरण ली गई है। यह तरह-तरह की जानकारी से भरा गया है और इसका अवलोकन किये विना प्रविष्टि पूरी देख ली है ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस स्तम्भ मे दी गई जानकारी के कतिपय उदाहरण है– चित्रित, सशोधित, अपठनीय, जीर्ण, प्रथम आदर्श, ताडपत्रीय या वस्त्र पर, देवनागरी से भिन्न लिपि, स्वर्णाक्षरी ग्रन्थ का दूसरा प्रचलित नाम, प्रशस्ति है, वृत्ति आदि का नाम जो अक्सर वृत्तिकार अपनी कृति को देते हैं, साथ मे गौण वस्तु जो सलग्न हो आदि 2।

उपरोक्त स्तम्भो के अतिरिक्त सरकारी निर्धारित प्रपत्र द्वारा चार अन्य स्तम्भो की अपेक्षा की गई है जो निम्न प्रकार है —

(1) प्रति किस पर लिखी गई है—कागज, ताडपत्र, भोजपत्र, कपडा आदि।

(2) प्रति किस लिपि मे लिखी गई है—देवनागरी, मोडी, अरवी, गुजराती।

(3) प्रति जीर्ण है या ठीक है या अपठनीय है इत्यादि सूचना।

(4) ग्रन्थ अद्यावधि मुद्रित हो चुका है अथवा आज तक अमुद्रित ही है।

परन्तु इस सूची पत्र मे इन चारो स्तम्भो को नही रखा है और इसका स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है—

लगभग सारी की सारी प्रतियाँ कागज पर हैं और देवनागरी लिपि (अक्षर अधिकतर जैन मोड दिये हुए) मे लिखी हुई है अत अलग स्तम्भ वनाकर सर्वत्र ' " ' का निशान लगाने मे कुछ सार नही प्रतीत होता। इसी प्रकार इस सूची पत्र में उल्लेखित प्राय सभी प्रतियो की अवस्था ठीक है, पठनीय है अत उसका भी स्वतन्त्र स्तम्भ वनाना उपयुक्त नही लगा। हाँ, कदाचित् यदि कोई प्रति कागज पर नही है, अथवा देवनागरी लिपि मे नही लिखी हुई है अथवा जीर्ण व अपठनीय है तो वैसा उल्लेख अवश्य "विशेष ज्ञातव्य" स्तम्भ मे कर दिया गया है। विशेष उल्लेख के अभाव मे पाठक नि शक यह समझ लें कि प्रति देवनागरी लिपि मे कागज पर लिखी हुई है और उसकी दशा ठीक है। तथा ग्रन्थो के अद्यावधि मुद्रित या अमुद्रित होने की जानकारी का सकलन करने मे हम असमर्थ रहे हैं। अत अपूर्ण किंवा असत्य जानकारी देने की अपेक्षा हमने मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। इसका पता शोधार्थी या प्रकाशक हमारी अपेक्षा आसानी से लगा सकते हैं।

तथा इस वारे में एक और निवेदन है। अतिरिक्त परिशिष्ट तथा और कई स्तम्भ सूची पत्र मे जोडे जा सकते हैं और उससे शोधार्थियो को अवश्य कुछ सुविधा हो जाती है। परन्तु साथ मे हमे यह भी नही भूलना चाहिये कि सूची पत्र की अपनी मर्यादायें होती हैं और सूची पत्र वनाने वाले की योग्यता भी असीमित नही होती। ग्रन्थ के वारे मे आवश्यक सूचना सम्मेत सूची वना देना पर्याप्त है, वाकी सव ढेर सारी सामग्री पचाकर शोधार्थी को देने से उसमे प्रमाद पनपता है अन्वेषण की जिज्ञासा कुण्ठित हो जाती है जो ज्ञान के विकास के लिये वाधक सिद्ध होती है। सूची पत्र कितना भी विस्तृत हो, शोधार्थी के लिये तो असल प्रति या उसका फोटोफिल्म प्रतिविंव देखने के अलावा गत्यन्तर नही है यह हमारा निश्चय मत है अन्यथा शोधकार्य के प्रति न्याय नहीं होगा। केवल

सूची बनाने वाले पर ही अधिक भार लादने से यह श्रमसाध्य कार्य और इतना गुरुतर हो जावेगा कि साधारण मनुष्य इस कार्य को हाथ में लेने से ही घबरा जावेगा—उसका उत्साह मारा जावेगा। सूची पत्र सूचना है—जाच के लिये आमन्त्रण है—निर्णय का आधार नहीं।

ग्रन्थ में प्रशस्ति है या नहीं उसका उल्लेख मात्र 'विशेष ज्ञातव्य' स्तम्भ में किया गया है, जबकि सामान्यत सूची पत्र में प्रशस्ति का पाठ भी दे दिया जाता है। चूंकि जैसलमेर के भण्डार के ग्रन्थ अपना महत्व रखते हैं अत हमने सोचा है कि इनकी प्रशस्तियों का सग्रह अलग से एक पुस्तक में छपाना ठीक रहेगा। तथा, यद्यपि यह सूची पत्र तालिका रूप में बनाया गया है तो भी विवरणात्मक सूची पत्र में जो भी जानकारी दी जाती है वह सब (केवल आदि वाक्य' को छोडकर) इसमे दे दी गई है, ऐसा पाठको के ध्यान में स्वयमेव आ जावेगा।

❁ आभार प्रदर्शन ❁

(1) श्री जैसलमेर लोद्रवपुर पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट के आभारी हैं कि उन्होंने सूचीकरण कार्य हेतु पूरी व्यवस्था की और विशेषत ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमान् वुद्धसिहजी वापना, उपाध्यक्ष श्री जोरावरमलजी जिन्दाणी, मन्त्री श्री नेमचदजी वुरड, प्रन्यासी थारुशाहजी के वशज श्री मोहनलालजी भसाली व श्री बाबूलालजी बागरेचा धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने सूचीकरण कार्य के दौरान अपना अमूल्य समय दिया।

(2) श्रीमान् अगरचन्दजी नाहटा बीकानेर एव महामहोपाध्याय श्री विनयसागरजी जयपुर वालो को धन्यवाद दिया जाता है कि उन्होंने इस सूची पत्र की भूलो का परिमार्जन व सशोधन किया है।

(3) सेवामन्दिर के परिवार में से श्री वशीधरजी पुरोहित B A LL B श्री सुशीलकुमार मुथा M A एव श्री रामलालजी धाडीवाल के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है जिन्होंने इस सूची पत्र को बनाने मे पूरा सहयोग दिया है।

तथा पुस्तक प्रकाशित करने का मुझे बिल्कुल अनुभव नहीं था—यह प्रथम प्रयास है अत कई भूलें हुई हैं। उदाहरण स्वरूप प्रूफ रीडिंग का काम मैंने पूर्णत कर्मचारियो पर छोड देने की भयकर भूल की अत इस सूची पत्र म अनेक अशुद्धियां छप गई है। इन सबके लिये एक मात्र दायित्व व दोष मेरा है और तदर्थ क्षमा प्रार्थी हूं।

जोधपुर
2044, होलिका रजपर्व
दिनांक 3 मार्च, 1988

द जोहरीमल पारख का प्रणाम

卐 श्री जिनभद्रसूरि ज्ञान-भण्डार 卐

जैसलमेर (राजस्थान)

हस्तलिखित ग्रन्थो का

सूची-पत्र

Catalogue of Handwritten Manuscripts

Shree Jinbhadrasuri Gyan - Bhandar

JAISALMER (RAJASTHAN)

VOL. II

क्रमांक 1	ग्रात परि-चयाक 2	ग्रंथ का नाम 3	नाम रोमन लिपि मे 3 A	ग्रन्थकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
1	नो-1/2	आचाराङ्ग	Ācārānga	सुधर्मा +	मू ग प
2	डू-825	„ (वृत्तिसह)	„ (with Vrtti)	„ /शीलाक	मू + वृ (ग)
3	डू-1322	आचाराङ्ग चूलिका अवचूरीसह	Ācārānga Cūlikā (with Avacūri)	—	मू (प) + अ (ग)
4	त-111	आचाराङ्ग (मूल)	Ācārānga (Mūla)	सुधर्मा +	मू ग प
5	ना-6	„	„	„	„
6	नो-8	„ (बालावबोधसह)	„ (with Bālāvabodha)	सुधर्मा + पार्श्वचन्द्र	मू + बा
7	डू-453	आचाराङ्ग	Ācārānga	सुधर्मा	मू ग प
8	ना-9	„ (बालावबोधसह)	„ (with Bālāvabodha)	सुधर्मा + पार्श्वचन्द्र	मू बा
9	त-107	„ „	„ „	„ „	„
10	नो-5	आचाराङ्ग	Ācārānga	—	मू
11	ना 4	„	„	सुधर्मा +	„
12	नो-3	„	„	सुधर्मा	„
13	नो-7	„	„	—	„
14	त-1084	„	„	सुधर्मा	„
15	त-108	„	„	—	„
16	डू-828	„	„	सुधर्मा +	„
17	ना 263	„	„	„	„
18	ना-302		„	„	„
19	त-110	„ (बालावबोधसह)	Ācārānga (with Bālāvabodha)	सुधर्मा + पार्श्वचन्द्र	मू + बा
20	त-109	„	„	„ „	„
21	त-1094	आचाराङ्ग	Ācārānga	सुधर्मा +	मू + ट
22	ना 261	„	„	„	मू ग प
23	ना-265	आचाराङ्ग री निर्युक्ति	„ Niryukti	भद्रबाहु	मू प

विषय सकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाम पक्त्याक्षर ल × चौ × प × अ 8 A	परिमाण 9	प्रति लेखन सम्वत् 10	विशेष ज्ञातव्य 11
प्रथम अग-आचारादि	प्रा	102	27 × 12 × 11 × 40	सम्पूर्ण दोनो स्कध	15वी	
,,	प्रा म	324	26 × 12 × 13 × 35	,, ,, ग 12000	,,	
,, परिशिष्ट	प्रा स	1	26 × 12	स-12 गाथाये	,,	
प्रथम अग (मुरुद्र)	प्रा	49	27 × 11 × 15 × 58	स दोनो स्कध ग्र2554	,,	
,,	प्रा	61	27 × 12 × 11 × 44	प्रथमस्कध+द्वि भाषा 1 उ	,,	
,,	प्रा मा	89	28 × 12 × 15 × 26	प्रथम स्कध	16वी	
,,	प्रा	66	30 × 11 × 13 × 48	स दोनो स्कध	1568	
,,	प्रा मा	111	26 × 12 × 2 × 40	प्रथम स्कध ग्र	1600	प्रथम तीन पन्ने कम हैं
,,	,,	174	25 × 12 × 15 × 47	,, ग 7251	1610	
,,	प्रा	41	27 × 11 × 14 × 49	द्वितीय स्कध ग्र	1625	पिंडेषणा के द्वितीय उद्देशक से
,,	,,	75	27 × 12 × 13 × 45	दोनो स्कध स	16वी	
,,	,,	29	28 × 12 × 11 × 36	प्रथम स्कध	,,	पहिला पन्ना नही है
,,	,,	70	27 × 12 × 11 × 36	द्वितीय स्कध	,,	
,,	,,	19	20 × 12 × 16 × 46	प्रथम स्कध	17वी	पहिला पन्ना नही है
,,	,,	71	26 × 11 × 11 × 40	द्वितीय स्कध	,,	1752 मे भडार-करण
,,	,,	61	27 × 12 × 15 × 51	स दोनो स्कध	1659	
,,	,,	62	34 × 15 × 13 × 50	,, ,, ग्र 2554	1669	
,,	,,	34	33 × 13 × 13 × 56	प्र स्कध+द्वि शैयपणा 2 उद्दे	17वी अन्त	
,,	प्रा मा	92	26 × 11 × 22 × 55	प्रथम स्कध	18वी	
,,	,,	121	27 × 11 × 17 × 55	द्वितीय स्कध	,,	
,,	,,	108	27 × 12 × 6 × 37	प्रथम स्कध+ द्वि पिंडेषणा तक	19वीं	
,,	प्रा	62	33 × 14 × 14 × 45	स दोनो स्कध ग्र 2554	,,	
आगम व्या मा	,,	11	33 × 14 × 13 × 65	स 366गाथायें दोनो स्कध	1671	

1	2	3	3 A	4	5
24	था-297	आचाराङ्ग की नियुक्ति	Ācārānga ki Niryukti	भद्रबाहु	मू पद्य
25	ह-1116	" "	" "	"	"
26	त-17	आचाराङ्ग की चूर्णि	" ki Cūrni		गद्य
27	त-112	आचाराङ्ग की वृत्ति	" ki Vrtti	शीलांक	"
28	था-264	" "	" "	"	"
29	था-262	" "	" "	"	"
30	था-301	" "	" "	"	"
31	ना-10	सूत्रकृताङ्ग	Sūtrakrtānga	सुधर्मा+	मू ग प
32	नो-11-12	"	"	सुधर्मा	"
33	लो-13	"	"	सुधर्मा+	"
34	ना-15	" (बालावबोधसह)	" (with Bālāvabodha)	सुधर्मा+पार्श्वचन्द्र	मू +बा
35	नो-14	" "	" "	"	"
36	नो 18	" "	" "	— / "	"
37	लो-17	" "	" "	सुधर्मा/ "	"
38	लो-16	" "	" "	सुधर्मा/मुनिवाकरण कृत	"
39	लो-126	" "	" "	सुधर्मा/	"
40	था 253	सूत्रकृताङ्ग	Sūtrakrtānga	सुधर्मा+	मू ग प
41	था-255	" (नियुक्तिसह)	" (with Niryukti)	" +भद्रबाहु	मू +नि (प)
42	त-117	" (दीपिकासह)	" (with Dipikā)	" +हर्षकुल	मू +दी
43	त-115	सूत्रकृताङ्ग	Sūtrakrtānga	"	मू प ग
44	ह-503	" (बालावबोधसह)	" (with Bālāvabodha)	" + जिनोदयसूरि	मू +बा
45	ह-433	सूत्रकृताङ्ग	Sūtrakrtānga	"	मू +ट
46	त-232	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा	11	33 × 13 × 12 × 55	स 366 गाथायें दोनो स्कध	17वी	
"	"	19	24 × 11 × 12 × 33	" 370 गाथा	19वी	
"	"	209	33 × 13 × 13 × 50	स दोनो स्कध	1677	
"	स	233	26 × 11 × 15 × 55	" "	17वी	मशोधित
"	"	274	34 × 14 × 13 × 60	स दोनो स्कध ग्र 12000	1670	
"	"	262	33 × 14 × 13 × 63	" "	19वी	
"	"	29	33 × 13 × 13 × 48	अ 1 अ 2 उद्दे तक	17वी	
द्वितीय अग शास्त्र	प्रा	51	27 × 12 × 11 × 42	स दोनो स्कध	15वी	
"	"	85	28 × 12 × 11 × 42	" "	"	
"	"	62	27 × 12 × 13 × 46	दोनो स्कध	16वी	अनिम अध्ययन अपूर्ण
"	प्रा मा	63	28 × 12 × 7 × 33	स दोनो स्कध	"	
"	"	65	28 × 12 × 15 × 60	प्रथम स्कध	"	
"	"	77	28 × 12 × 15 × 68	द्वितीय "	"	
"	"	68	28 × 12 × 15 × 58	प्रथम "	"	
"	"	83	28 × 12 × 15 × 49	" "	17वी	मल्लजी रत्नसी का शिष्य
"	"	76	26 × 10 × 13 × 34	द्वितीय "	16वी	
"	प्रा	61	34 × 13 × 13 × 56	स दोनो "	1669	
"	"	53	32 × 13 × 13 × 70	" " " नि गाथा 206	17वी	
"	प्रा स	53	27 × 11 × 19 × 44	प्र स्कध ग्र 5300	"	
"	प्रा	90	26 × 11 × 6 × 44	प्रथम स्कध	1764	
"	प्रा मा	133	26 × 12 × 13 × 39	" " ग्र 5000	1798	
"	"	113	25 × 11 × 5 × 42	द्वितीय " ग्र 5075	1803	
"	"	4	25 × 12 × 10 × 35	पहले का छठा अध्ययन मात्र	1761	

6	7	8	8 A	9	10	11
द्वितीय अग शास्त्र	प्रा मा	5	26 × 12 × 17 × 28	पहले का छठा अध्ययन मात्र	1866	
,,	प्रा	41	26 × 11 × 5 × 52	प्र स्कध आठवें अध्य तक	19वी	
,,	प्रा मा	38	25 × 11 × 16 × 34	त्रुटक	19वी	
,,	,,	36	28 × 12 × 9 × 26	अपूर्ण द्वि स्कध का दूसरा अध्ययन	19वी	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा	5	29 × 13 × 15 × 55	स 260 गाथा	1572	
,,	स	258	27 × 12 × 15 × 51	स दोनो स्कध ग्र 13950	1668	
,,	,,	298	34 × 14 × 15 × 67	,, 12850	1670	
,,	,,	280	32 × 12 × 13 × 69	,, 12853	17वी	
,,	,,	215	27 × 11 × 17 × 60	,, 13050	18वी	
,,	,,	58	27 × 14 × 18 × 42	अपूर्ण प्र स्कध 3/3 उ	19वी	
तृतीय अग	प्रा स	439	27 × 11 × 13 × 41	स ग्र 14000	15वी	सशोधित
,,	प्रा	130	29 × 12 × 11 × 42	,,ग्र 3750 दस स्थान	15वी	
,,	,,	168	28 × 12 × 11 × 37	,, ,,	15वी	
,,	,,	74	28 11 × 15 × 52	,, ,,	16वी	
,,	,,	86	32 × 13 × 13 × 61	,, ,,	16वी	
,,	,,	151	27 × 12 × 13 × 32	अपूर्ण (किञ्चित)	1633	प्रथम 8 पन्ने कम हैं
,,	,,	92	34 × 14 × 13 × 56	स 10 अध्य ग्र 3750	1669	
,,	प्रा स	221	27 × 12 × 18 × 61	,,	1828	
,,	,,	221	26 × 12 × 17 × 54	,,	1884	
,,	प्रा	24	25 × 13 × 7 39	अ प्रथम 2 अध्य अ	20वी	
आ व्या सा	स	229	28 × 12 17 × 68	स	16वी	
,,	,,	304	26 × 11 × 17 × 56	स ग्रन्थ 14250	16वी	
,,	,,	256	26 × 10 × 15 × 60	स	1623	

1	2	3	3 A	4	5
70	धा-250	स्थानाङ्ग की वृत्ति	Sthānānga ki Vṛtti	अभयदेव	ग
71	जा-252	,, ,,	,, ,,	,,	,,
72	न-664	,, ,,	,, ,,	,,	,,
73	इ-715	समवायाङ्ग	Samavāyānga	सुधर्मा	मू ग
74	इ 716	,,	,,	,,	,,
75	धा-50	,,	,,	,,	,,
76	इ-717	,, (वृत्तिसह)	, (with Vṛtti)	सुधर्मा+अभयदेव	मू +वृ (ग)
77	जो-22	समवायाङ्ग	Samavāyānga	सुधर्मा	मू ग
78	धा-259	,,	,,	,,	,,
79	जा-257	,,	,,	,,	,,
80	न-30	,,	,,	,,	,,
81	न-29	,,	,,	,,	,,
82	जा-23	,,	,,	,,	,,
83	इ-789	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	सुधर्मा+अभयदेव	मू +वृ (ग)
84	धा-260	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	अभयदेव	ग
85	धा-258	,, ,,	,, ,,	,,	,,
86	न-60	भगवती सूत्र (व्याख्या प्रज्ञप्ति)	Bhagavati Sūtra (Vyākhyā Prajnapti)	सुधर्मा	मू ग
87	जा-25	,,	,,	,,	,,
88	इ-929	,,	,,	,,	,,
89	न-61	,,	,,	,,	,,
90	जो-129	,,	,,	,,	,,
91	इ-452	,,	,,	,,	,,
92	जो-691	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
आ व्या सा	स	330	34×14×13×58	म	16वी	
„	„	311	33×14×13×65	म ग्र 14250	17वी	
„	„	88	35×14×17×78	त्रुटक	17वी	
चतुर्थ अग सूत्र	प्रा	45	27×12×13×63	स ग्र 1167	15वी	
„	„	67	26×11×12×41	„ „	15वी	
„	„	42	33×13×13×52	„ „	16वी	
„	प्रा स	93	27×11×13×55	„ ग्र 5442	16वी	
„	प्रा	49	27×12×13×28	स	1665	
„	„	40	33×13×13×59	म ग्र 1667	1670	
„	„	38	32×13×13×68	„ „	1675–80	
„	„	34	27×11×15×52	„ „	18वी	
„	„	51	28×11×13×43	„ ग्र 1750	18वी	
„	„	66	28×13×11×36	म	1873	
„	प्रा म	103	27×14×11×38	म ग्र 5442	1889	
आ व्या मा	स	93	34×13×13×55	„ ग्र 3575	1671	
„	„	86	32×13×11×67	„ „	1675–80	
पचम अग (व्या प्रज्ञप्ति)	प्रा	312	27×11×15×52	„ ग्र 16000	15वी	
„	„	548	27×12×11×44	„ ग्र 15750	16वी	
„	„	342	31×13×13×60	म	„	
„	„	399	26×11×13×40	स ग्र 16000	„	
„	„	298	25×10×15×60	„ ग्र 15752	„	
„	„	356	27×12×13×47	„ ग्र 15675	„	
„	„	707	26×12×11×33	„ ग्र 15750	1599	

1	2	3	3 A	4	5
93	नो-24	भगवती (व्या प्रज्ञप्ति) सूत्र	Bhagavti (Vyākhyā Prajñapti) Sūtra	सुधर्मा	मू ग
94	दू-1021	भगवती सूत्र (वृत्तिसह)	Bhagavati Sūtra (with Vṛtti)	सुधर्मा+अभयदेव	मू वृ ग
95	दू-1107	,, ,,	,, ,,	,,	,,
96	धा-266	भगवती सूत्र	,,	सुधर्मा	मू ग
97	धा-268	,,	,,	,,	,,
98	न-57	,,	,,	,,	,,
99	दू-1201	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	सुधर्मा+अभयदेव	मू+वृ ग
100	नो-650	भगवती सूत्र	,,	सुधर्मा	मू ट
101	न-1058		,,	,,	मू ग
102	न-63		,,	,,	,,
103	धा-471		,,	,,	,,
104	न-48	,,	,,	,,	,,
105	धा 43	,,	,,	,,	,,
106	न-953	,,	,,	,,	,,
107	धा-192	,,	,,	,,	मू+ट
108	दू-450	,,	,,	,,	मू ग
109	धा-163	,,		,,	मू+ट
110	दू-1339	,, (सावचूरि)	,, (with Avacūri)	सुधर्मा, श्रीविजय	मू+अ
111	न-59	भगवती सूत्र की वृत्ति	,, ki Vṛtti	अभयदेव	ग
112	धा-267	,,	,, ,,	,,	,,
113	न-58	,, ,,	,, ,,	,,	,,
114	धा-269	,, ,,	,, ,,	,,	,,
115	न-939	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पचम अग (व्या प्रज्ञप्ति)	प्रा	707	28 > 12 × 11 × 33	स ग्र 15750	16[illegible]	
पचम अग	प्रा म	499	25 × 10 × 14 × 58	,, ग्र 34352	1630	
,,	,,	507	26 × 11 × 17 × 70	,, ग्र 34368	1676	
,,	प्रा	355	33 > 14 > 13 × 62	,, ग्र 15675	1675–80	
,,	,,	344	32 × 12 × 13 × 62	म 41 शतक 1925उ	17वी	सशोधित
,,	,,	328	26 × 11 / 15 × 54	म ग्र 15755	18वीं	
,,	प्रा स	977	27 × 13 × 16 / 41	म 41 शतक	19वी	
,,	प्रा मा	985	25 × 11 × 6 × 36	,,	19वी	
,,	प्रा	6	28 × 12 × 13 × 52	अ प्रथम शतक उ 2	19वी	
,,	,,	15	27 × 12 < 15 × 48	अ जमाली खदक अधिकार	1615	
,,	,,	3	26 × 11 × 16 × 50	अ तु गियानगरी श्रावक अधिकार	17वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 13 / 50	अ श 2 उ 5 नक	1708	साथ मे मुखविपाक अध्ययन
,,	,,	180	27 × 11 × 13 × 57	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 55	अ तामली अधिकार	19वी	
,,	प्रा मा	6	28 × 12 × 17 × 41	अ जयन्ती प्रश्न ,,	19वी	
,,	प्रा	3	26 × 12 × 12 × 37	अ ,, ,,	19वी	
,,	प्रा मा	3	27 × 13 × 10 × 39	अ श 7 उ 6 मात्र	19वी	
,,	प्रा म	2	27 / 12 × ×	अ श 9 उ 33 गागेय अधिकार	1811	भिन्न-भिन्न द्वारो मे प्ररूपित
भा व्या सा	स	505	25 × 11 × 13 × 50	स ग्र 18616	16वीं	
,,	,,	427	34 × 14 × 13 × 52	,, ,,	1672	
,,	,,	384	26 × 11 × 15 × 57	,, ,,	1682	
,,	,,	402	32 × 12 × 13 × 58	,, ,,	18वी	
,,	,,	397	28 × 13 × 16 × 52	,, ,,	1844	

1	2	3	3 A	4	5
116	ना-26	भगवतीसूत्र की वृत्ति	Bhagavati Sūtra ki Vṛtti	अभयदेव	ग
117	ह-1364	" "	" "	"	"
118	न-1047	" "	" "	"	"
119	न-64	" "	" "	"	"
120	दू-56	" "	" "	"	"
121	जो-27	भगवती बीजक	Bhagavati Bijaka	—	"
122	न-62	" "	" "	रूपकुंवरगणि	"
123	ह-1139	" "	" "	—	"
124	ह-1341	" "	" "	—	"
125	ह-938	" "	" "	—	"
126	ह-1180	भगवती रे बोल	Bhagavati ke Bola	—	"
127	ह-256	ज्ञाता धर्मकथाङ्ग	Jnātādharma Kathānga	सुधर्मा	मू ग
128	जो-29	"	"	"	"
129	ना-28	"	"	"	"
130	न-33	"	"	"	"
131	ह-36	"	"	"	"
132	जो-125	"	"	"	"
133	न-65	"	"	"	"
134	धा-164	"	"	"	"
135	धा-284	"	"	"	"
136	धा-165	"	"	"	"
137	धा-165	"	"	"	"
138	धा-256	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
अ व्या ना	स	245	28 × 14 × 17 × 53	अ 14 श 9 उ तक	18वी	
,,	,,	30	27 × 12 × 15 × 50	अ (वीच के पन्ने)	18वी	
,,	,,	371	27 × 12 × 15 × 45	अ श 3 से 41 तक	18वी	
,,	,,	79	25 × 12 × 15 × 35	अ श 2 से 41 तक	1861	
,,	,,	82	25 × 11 × 13 × 40	अ	20वी	
भगवती की विषय सूची	,,	11	25 × 12 × 15 × 60	स 41 शतक पद84000	16वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 15 × 54	,, ग्र 459	1578	
,,	,,	15	27 × 12 × तालिकायें	,, ,, 490	1608	
,,	मा	11	26 × 13 × ,,	स 41 शतक की	19वी	
,,	स	16	27 × 12 × 13 × 50	,, ग्र 490	19वी	
कुछ सूत्रो की भग तालिका	मा	8	25 × 12 × 20 × 62	अ	19वी	
छठा अग सूत्र (धर्म कथायें)	प्रा	106	27 × 11 × 15 × 56	स ग्र 5400	17वी	
,,	,,	129	27 × 12 × 13 × 40	,, ,,	16वी	
,,	,,	236	28 × 12 × 11 × 38	,, ग्र 5375	16वी	
,,	,,	99	27 × 11 × 15 × 56	,, ग्र 5485	1614	
,,	,,	131	26 × 11 × 13 × 42	,, ,,	1617	
,,	,,	104	26 × 10 × 15 × 40	,, ग्र 5500	17वी	
,,	,,	154	28 × 12 × 13 × 30	,, ग्र 5534	17वीं	
,,	,,	107	34 × 14 × 13 × 68	,, ग्र 5464	1672	
,,	,,	133	32 × 13 × 13 × 48	,, ग्र 4954	1675	
,,	,,	118	33 × 15 × 13 × 56	,, ,,	1675–80	
,,	,,	109	34 × 14 × 13 × 64	,, ग्र5464	,,	
,,	,,	112	33 × 13 × 13 × 60	,, ,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
139	ना-30	ज्ञाताधर्म/कथाङ्ग	Jnātādharma Kathānga	सुधर्मा/कनकसुन्दर	मू + ट
140	न-32	,,	,	सुधर्मा	,,
141	न-31	,,	,,	,,	मू ग
142	टू-488	,,	,,	,,	मू ट (ग)
143	टू-337	,,	,,	,,	,,
144	ना-31	,,	,,	,,	मू ट
145	टू-25	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	अभयदेव	ग
146	न-747	,, ,,	,, ,,	,,	,,
147	टू-1112	,, ,,	,, ,,	,,	,,
148	म-648	,, ,,	,, ,,	,,	,,
149	मा-167	,, ,,	,, ,,	,,	,,
150	मा-287	,, ,,	,, ,,	,,	,,
151	मा-285	,, ,,	,, ,,	,,	,,
152	मा-166	,, ,,	,, ,,	,,	,,
153	टू-255	,, ,,	,, ,,	,,	,,
154	टू-1258	ज्ञातोपनया	Jnātopanayā	,,	,,
155	मा-47	उपासकदशाङ्ग	Upāsaka Daśānga	सुधर्मा	मू ग
156	मा-32	,,	,,	,,	,,
157	मा-174	,	,,	,,	,,
158	टू-1177		,,	,,	मू + ट
159	न-119	,,	,,	,,	मू ग
160	टू-1174	,,	,,	,,	मू + ट
161	म-123	,,	,,	,,	मू ग

6	7	8	8 A	9	10	11
छठा अंग सूत्र (धर्मकथायें)	प्रा मा	409	27×12×9×37	स ग्र 13910	1696–1700	विद्यारत्न का शिष्य
,,	,,	310	26×11×19×46	,, ग्र 18200	1786	
,,	प्रा	103	27×11×15×56	,, ग्र 5334	18वी	
,,	प्रा. मा	315	26×13×6×44	,, ,,	1923	
,,	,,	186	26×11×11×40	अ 16वें अध्ययन तक	17वी	
,,	,,	19	28×13×8×32	अ दूसरा अध्ययन मात्र	20वी	
आ ल्या सा	स	75	26×11×15×64	स ग्र 3700	16वी	
,,	,,	69	27×12×15×60	,, ग्र 4000	17वी	
,,	,,	86	26×10×15×48	,,	16वी	
,,	,,	56	35×15×19×65	,, ग्र 4000	16वी	
,,	,,	93	34×14×13×47	,, ग्र 3700	1671	
,,	,,	87	33×13×13×57	,,	1673	
,,	,,	87	33×13×13×57	,, ग्र 3700	1675–80	
,,	,,	85	34×14×13×60	,,	,,	
,,	,	93	26×11×15×50	,, ग्र 3800	1700	
,,	,,	5	27×12×19×60	अ 13वी कथा तक	19वी	कथाओं के रूपक व शिक्षाएँ
सातवा अंग सूत्र	प्रा	20	33×13×13×53	स ग्र 812	16वी	श्रावकाचार
,	,,	21	25×12×15×42	,,	16वी	
,,	,,	19	35×14×13×66	,, दस अध्ययन	1675–80	
,,	प्रा मा	59	27×13×6×43	स ग्र 3071/10 अध्य	1712	
,,	प्रा	21	26×11×13×63	,, ग्र 812/ ,,	1720	
,,	प्रा मा	51	26×12×6×50	,, दस अध्ययन	1733	
,,	प्रा	16	27×11×15×58	,, ग्र 812	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
162	न-120	उपासकदशाङ्ग	Upāsaka Daśāṅga	सुधर्मा	म ग
163	ट्र-436	,,	,,	,,	मू + ट
164	न-118	,,	,,	,,	,,
165	जो-33	,,	,,	,,	मू ग
166	जो-34	,,	,,	,,	,,
167	न-1082	,,	,,	,,	,,
168	न-1234	,,	,,	,,	,,
169	ट्र-667	उपासकदशायावत् विपाक की वृत्ति	Upāsakadaśā yāvat Vipāka kī Vṛtti	अभयदेव	ग
170	ट्र-552	उपासकदशा + अनुत्तरोपपातिक की वृत्ति	,, +Anuttaropapātika kī Vṛtti	,,	,,
171	जो-35	उपासकदशाङ्ग की वृत्ति	Upāsaka Daśāṅga kī Vṛtti	,,	,,
172	ट्र-668	उपासकदशायावत अनुत्तरो की वृत्ति	,, Yāvat Anuttaro kī Vṛtti	,,	,,
173	अा-163	उपासकदशाङ्ग की वृत्ति	,, kī Vṛtti	,,	,,
174	न-122	उपासकदशायावत् अनुत्तरो की वृत्ति	,, Yāvat Anuttaro kī Vṛtti	,,	,,
175	ट्र-1115अ	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	Antakṛt Daśāṅga Sūtra	सुधर्मा	मू ग
176	अा-170	,,	,,	,,	,,
177	जो-36	,,	,,	,,	,,
178	ट्र-1110	,,	,,	,,	,,
179	अा 45C		,,	,,	,,
180	अा-171	अन्तकृत + अनुत्तरोपपातिक-दशा	Antakṛt Anuttaropapātika Daśā	,,	,,
181	ट्र-1114	अन्तकृद्दशाङ्ग सूत्र	Antakṛt Daśāṅga Sūtra	,,	,,
182–5	न-37,35, 36,41	,, ,, 4 प्रतियां	,, 4 Copies	,,	,,
186	न-39	,, ,,	,,	,,	,,
187	न-34	,, ,,	,,	,,	मू + ट

6	7	8	8 A	9	10	11
7वा अंग सूत्र	प्रा	38	26 × 11 × 11 × 33	स ग्र. 812	18वी	
,,	प्रा मा	57	27 × 11 × 6 × 53	,, दस अध्ययन	1832	
,,	,,	56	25 × 11 × 18 × 45	,,	19वी	
,,	प्रा	15	28 × 11 × 14 × 62	अ 8वें अध्ययन तक	16वी	
,,	,,	8	27 × 12 × 11 × 44	अ प्र अध्य भी अधूरा	16वी	
,,	,,	20	27 × 12 × 12 × 45	अ 4 अध्ययन तक	20वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 5 × 37	अ प्र अध्य भी अपूर्ण	20वी	
7वें से 11वें अंग सूत्र की	स	125	28 × 12 × 16 × 56	स ग्र 11060	15वी	आ व्या साहित्य
7वें से 9वें अंग सूत्र की	,,	22	27 × 12 × 17 × 46	,, ग्र 900	16वी	,,
आ व्या सा	,,	26	27 × 12 × 13 × 52	,, 10 अध्य की	17वीं	
7वें से 9वें अंग सूत्र की	,,	33	26 × 12 × 15 × 50	,, ग्र 1300	1649	,,
आ व्या सा	,,	21	34 × 14 × 11 × 54	,, ,, 944	1671	
7वें से 9वें अंग सूत्र की	,,	31	27 × 11 × 15 × 50	,, ,, 1300	18वीं	,,
8वा अंग सूत्र (धर्मकथायें)	प्रा	26	26 × 10 × 16 × 53	,, ,, 800	15वीं	
,,	,,	29	27 × 12 × 13 × 45	,, ,, ,,	15वी	
,,	,,	23	27 × 12 × 13 × 54	स आठो वर्ग	15वीं	
,,	,,	34	25 × 11 × 11 × 47	,, ग्र 825	16वीं	
,,	,,	20	33 × 13 × 13 × 53	,, ,, 790	16वीं	
8वा और 9वा अंग सूत्र	,,	25	35 × 14 × 13 × 55	,,	1675–80	
8वा अंग सूत्र	,,	20	26 × 10 × 14 × 48	,, आठो वर्ग	1725	
,,	,,	18,32, 15,16	26 से 27 × 11 से 12	,, ग्र 790	18वी	
,,	,,	41	26 × 12 × 10 × 40	,, ,, 895	1790	शुद्धतम
,,	प्रा मा	35	26 × 11 × 7 × 52	,, आठो वर्ग	1818	

1	2	3	3 A	4	5
188	जा-41	अन्तकृद्दशाङ्गसूत्र	Antakṛt Daśāṅga Sūtra	सुधर्मा	मू + ट
189	इ-432	,, ,,	,,	,,	,,
190	न-38	,, ,,	,,	,,	,,
191	भा-17	,, ,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	सुधर्मा + अभयदेव	मू + वृ ग
192	न-1129	अन्तकृत्दशाङ्ग	Antakṛt Daśāṅga	सुधर्मा	मू ग
193	जा-37	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	अभयदेव	ग
194	भा-181	,, ,,	,, ,,	,,	,,
195	जा-172	अन्तकृत - अनुत्तरोप की वृत्ति	,, – Anuttaro ,,	,,	,,
196	जा-38	अनुत्तरोपपातिकदशाङ्ग	Anuttaropapātika Daśāṅga	सुधर्मा	मू ग
197	जो-39	,,	,,	,,	,,
198	भा-45 A	,,	,,	,,	,,
199	इ-1111	,,	,,	,,	,,
200	जा-157	,,	,,	,,	,,
201	इ-549	,,	,,	,,	मू + ट
202	इ 746	,,	,,	,,	,,
203	जा-40	,,	,,	,,	,,
204	ज-44		,,	,,	मू ग
205	ज-40	,,	,,	,,	मू + ट
206	भा-152	,,	,,	,,	मू ग
207	न-43	,,	,,	,,	मू + ट
208	इ-429		,,	,,	,,
209	म -49	प्रश्नव्याकरणसूत्र	Praśna Vyākaraṇa Sūtra	,,	मू ग
210	भा 22	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
8वा अग सूत्र	प्रा मा	54	27 × 13 × 7 × 34	स आठो वर्ग	1822	
,,	,,	53	27 × 12 × 6 × 43	म ग्र 800	1828	
,,	,,	52	25 × 12 × 7 × 37	,, ,,	1880	
,,	प्रा म	24	26 × 11 × 15 × 36	म आठो वर्ग	19वी	
,,	प्रा	10	27 × 13 × 14 × 56	अपूर्ण	19वी	
आ व्या सा	स	8	29 × 12 × 15 × 49	म आठो वर्ग की	17वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 16 × 57	,,	1653	
8+9 अग सूत्र व्यारुया सहित	,,	11	34 × 15 × 13 × 35	,,	1675–80	
9वा अग सूत्र (धर्मकथायें)	प्रा	9	27 × 12 × 13 × 35	स दस अध्ययन	15वी	
,,	,,	6	27 × 12 × 14 × 49	,,	16वी	
,,	,,	5	33 × 13 × 17 × 67	म ग्र 192	16वी	
,,	,,	6	26 × 10 × 13 × 48	,, ग्र 205	17वी	
,,	,,	9	26 × 10 × 11 × 50	स दस अध्ययन	17वी	
,,	प्रा मा	16	25 × 11 × 6 × 36	म ग्र 495	1703	
,,	,,	10	26 × 12 × 11 × 48	,, ग्र 400	1763	
,,	,,	13	27 × 12 × 8 × 36	,, ,,	1785	
,,	प्रा	5	27 × 11 × 15 × 57	,, 10 अध्ययन	18वी	
,,	प्रा मा	14	25 × 11 × 7 × 34	,, ग्र 600	18वी	
,,	प्रा	6	26 × 11 × 13 × 42	,, 10 अध्ययन	19वी	
,,	प्रा मा	16	25 × 13 × 6 × 35	,, ,,	1908	
,,	,,	15	26 × 13 × 6 × 42	,, ,,	1923	
दसवा अग सूत्र	प्रा	24	33 × 13 × 15 × 63	स ग्र 1250	16वी	
,, (आश्रव सवर)	,,	66	27 × 12 × 9 × 42	,, ,,	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
211	न-45	प्रश्नव्याकरणसूत्र	Prasna Vyākarana Sūtra	सुधर्मा	मू +ट
212	भ्रा-169	,,	,,	,,	मू ग
213	भ्रा-170	,,	,,	,,	,,
214	न-52	,,	,,	,,	,,
215 -6	न-45-6	,, दो प्रतियाँ	,, 2 Copies	,,	,,
217	भ्रा-29	,,	,,	,,	,,
218	ना-42	,,	,,	,,	,,
219	ना-44	,,	,,	,,	,,
220	न-47	(बालावबोध)	,, (With Balava bodha)	सुधर्मा + पार्श्वचन्द्र	मू +बा
221	गो 181	,,	,,	सुधर्मा	मू +ग
222	ना-43	,,	,,	,,	,,
223	टू-253	,, की वृत्ति	ki Vrtti	अभयदेव	ग
224	भा-169	,, ,,	Prasna Vyākarana ki Vrtti	,,	,,
225	न-53	,, ,,	,, ,,	,,	,,
226	टू-827	,, ,,	,, ,,	,,	,,
227	गो 737	,,	,, ,,	,,	,,
228	ना 46	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा	मू ग
229	भा-46	,,		,,	,,
230	भा 180	,,	,,	,,	,,
231	गो 47	,,	,,	,,	मू +ट
232	न 487	,,	,,	,,	,,
233	न-49	,,		,,	मू ग

6	7	8	8 A	9	10	11
10वा अग सूत्र	प्रा मा	107	26 × 12 × 5 × 34	स 10 अध्ययन	17वी	
,,	प्रा	19	26 × 11 × 18 × 58	स ग्र 1250	1646	
,,	,,	29	33 × 13 × 13 × 58	,, ,,	1675–80	
,,	,,	91	27 × 11 × 5 × 36	,, ,,	1763	
,,	,,	4,27	26मे27 × 11	,, ,,	18वीं	प्रथम मे केवल सवर द्वार
,,	,,	38	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	19वी	
,,	,,	30	27 × 13 × 13 × 37	अ आश्रव स्कध	15वी	
,,	,,	5	28 × 12 × 9 × 39	अ केवल चौथा सवर द्वार	17वी	
,,	प्रा मा	125	26 × 11 × 14 × 46	अ सवर स्कध	18वी	
,,	प्रा	4	32 × 14 × 15 × 50	अ आश्रव स्कध	19वी	
,,	,,	4	25 × 15 × 10 × 32	अ केवल चौथा सवर द्वार	19वी	
आगम व्या मा	म	127	27 × 11 × 13 × 41	सम्पूर्ण	1586	प्रथम पन्ने पर चित्र
10वा अग सूत्र साहित्य	,,	102	34 × 13 × 13 × 55	स ग्र 4600	1675–80	
,,	,,	94	26 × 11 × 15 × 66	,, ग्र 4900	18वी	प्रथम पन्ना कम है
,,	,,	128	27 × 13 × 14 × 47	स	19वी	
,,	,,	47	25 × 12 × 15 × 52	अ त्रुटक	16वी	दो प्रतियो के पन्ने मिश्रित है
अन्तिम 11वा अग सूत्र	प्रा	61	28 × 12 × 9 × 34	स दोनो स्कध	15वी	
,,	,,	33	33 × 13 × 13 × 51	स ग्र 1216	16वी	
,,	,,	29	33 × 14 × 13 × 56	,, ,,	1675–80	
,,	प्रा मा	65	26 × 13 × 7 × 38	स दोनो स्कध	1845	गुजराती लोकागच्छ की विगतवार प्रशस्ति है
,,	,,	82	26 × 11 × 7 × 35	,,	1849	
,,	प्रा	25	26 × 11 × 17 × 51	स ग्र 1260	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
234	न-51	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा	मू ट
235	डू-879	"	"	"	मू ग
236	भा-23	"	"	"	"
237	न-1081	"	"	"	"
238	न-50	विपाकसूत्र की वृत्ति	Vipāka Sūtra kī Vṛtti	अभयदेव	ग
239	भा-181	" "	" "	"	"
240	डू-1254	" "	" "	"	"
			जैन आगम–	अंग बाह्य–उपाङ्ग सूत्र	
1	न-647	औपपातिकसूत्र (वृत्तिसह)	Aupapātika Sūtra (with Vṛtti)	अज्ञात/अभयदेव	मू + वृ (ग)
2	भा-45 A	औपपातिकसूत्र	Aupapātika Sūtra	अज्ञात	मू ग
3	जो-48	"	"	"	"
4	जा-49	"	"	"	"
5	भा-22	"	"	"	"
6	डू-783	"	"	"	"
7	न-83	"	"	"	मू + ट
8	भा-41	"	"	"	मू ग
9	भा-173	"	"	"	"
10	न-85	"	"	"	"
11	डू-782	औपपातिक की वृत्ति	Aupapātika kī Vṛtti	अभयदेव	ग
12	न-121	"	"	"	"
13	भा-280	"	"	"	"
14	भा-180	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
अन्तिम 11वा अग सूत्र	प्रा मा	81	25 × 12 × 14 × 40	म दोनो स्कध 10ग्रध्य	1889	
,,	प्रा	53	28 × 12 × 11 × 43	,, ,,	19वी	
,	,,	40	27 × 11 × 14 × 47	स ग्र 1250 ,,	19वी	
,,	,,	16	27 × 12 × 15 × 42	अ	19वी	
आगम व्या सा	म	17	26 × 11 × 17 × 54	स ग्र 1000	1650	
,,	,,	22	33 × 13 × 13 × 55	,, ग्र 900	17वी	
,,	,,	31	26 × 12 × 13 × 40	,, ,,	18वी	
प्रथम उपाग	प्रा म	73	36 × 14 × 15 × 60	स ग्र (1167+3135)	15वी	
,,	प्रा	17	33 × 13 × 16 × 46	,, 1167	,,	प्रारम्भ मे श्रुतदेवी का चित्र
,,	,,	47	28 × 12 × 11 × 36	,, 1175	,,	
,,	,,	50	28 × 13 × 11 × 32	,, 1250	16वी	
,,	,,	23	27 × 11 × 15 × 60	,, 1325	,,	
,,	,,	27	30 × 11 × 16 × 56	,, 1167	,,	
,,	प्रा मा	56	26 × 11 × 6 × 46	,, 1250	1646	
,,	प्रा	28	30 × 11 × 13 × 53	,, 1175	17वी	
,,	,,	29	34 × 13 × 13 × 57	,, 1167	1675–80	
,,	,,	56	22 × 12 × 13 × 27	,, ,,	1817	
आगम व्याख्या साहित्य	म	69	30 × 12 × 15 × 52	,, 1135	1525	
,,	,,	53	26 × 11 × 17 × 61	,, 3325	16वी	
,,	,,	74	33 × 13 × 13 × 56	म ,, 3135	17वी	
,,	,,	5	32 × 14 × 15 × 56	अ	19वी	सूर्याभ व प्रदेशी केशी कथा

1	2	3	3 A	4	5
15	न-501	राजप्रश्नीयसूत्र	Rājapraśnīya Sūtra	अज्ञात	मू ग
16	जो-50	,,	,,	,,	,,
17	न-651	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	अज्ञात/मलयगिरि	मू + वृ (ग)
18	जा-52	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
19	धा-42	,,	,,	अज्ञात	मू ग
20	टू-708	,,	,,	,,	,
21	न-430	,,	,,	,,	,
22	न-502	,,	,,	,,	,,
23	जो-51	,,	,,	,,	,,
24	धा-155	,,	,,	,,	,,
25	धा-156	,,	,,	,,	,,
26	टू-1001	,,	,,	अज्ञात/मेघराज	मू + ट
27	न-429	,,	,,	अज्ञात	,,
28	न-428	,,	,,	,,	मू ग
29	न-333	,,	,,	,,	मू + ट
30	टू-428	,	,,	,,	,,
31	न-1254	,,	,,	,,	,,
32-35	धा-157-8-9,281	राजप्रश्नीयसूत्र की वृत्ति (4 प्रतियां)	Ki Vṛtti (4Copies)	मलयगिरि	ग
36	टू-791	,,	,, ,,	,,	गद्य
37	टू-24	जीवाजीवाभिगमसूत्र	Jīvājīvābhigama Sūtra	अज्ञात	मू ग
38	जा-53	,,	,,	,,	,,
39	म-55	,,	,,	,,	,,
40	धा 162	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
द्वितीय उपाग	प्रा	55	31 × 12 × 13 × 50	म	16वी	
,,	,,	103	28 × 12 × 9 × 40	म ग्र 2079	,,	
,,	प्रा स	68	35 × 14 × 16 × 70	म	,,	
,,	,,	110	27 × 12 × 17 × 44	स ग्र 5870	,,	
,,	प्रा	27	30 × 12 × 17 × 72	,, 2080	1597	
,,	,,	27	27 × 11 × 14 × 70	,, 2120	1631	
,,	,,	55	26 × 12 × 15 × 44	,, ,,	1648	
,,	,,	43	28 × 12 × 15 × 50	,, 2079	1660	
,,	,,	35	27 × 13 × 15 × 64	,, 2099	1671	
,,	,,	46	34 × 14 × 13 × 58	,, 2179	1673	
,,	,,	43	34 × 14 × 13 × 62	,, 2179	17वी	
,,	प्रा मा	179	28 × 12 × 5 × 35	,, 7184	1824	
,,	,,	88	26 × 12 × 7 × 54	,, 5000 लगभग	1837	
,,	प्रा	82	26 × 11 × 11 × 40	,, 2070	19वी	
,,	प्रा मा	119	28 × 13 × 12 × 45	,, 8230	,,	
,,	,,	137	26 × 13 × 6 × 37	,, 7000	,,	
,,	,,	23	27 × 12 × 10 × 42	अ	,,	
आगम व्याख्या साहित्य	स	95,88, 78,91	32से34 × 13से14	म ग्र 3700	17वी	
,,	,,	86	27 × 12 × 15 × 64	,, ,,	1703	
तृतीय उपाग जीव अजीव विभक्तिया	प्रा	202	26 × 11 × 11 × 42	,, 4800	15वी	
,,	,,	201	27 × 12 × 11 × 37	,,	15वी	
,,	,,	96	27 × 11 × 15 × 54	,, 4750	1615	
,,	,,	113	34 × 14 × 13 × 55	,, 4700	1672	

1	2	3	3 A	4	5
41	जो-54	जीवाजीवाभिगमसूत्र (वृत्तिसह)	Jīvājīvābhigama Sūtra (with Vṛtti)	—/मलयगिरि	मू + वृ (ग)
42	ह-1056	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	—/धनविमल	मू + बा
43	उ-662	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	मलयगिरि	ग
44	दू-26	,, ,,	,, ,,	,,	,,
45	या-279	,, ,,	,, ,,	,,	,,
46	न-54	,, ,,	,, ,,	,,	,,
47	दू-1109	,, ,,	,, ,,	,,	,,
48	दू 878	,, ,,	,, ,,	,,	,,
49	जो 55	प्रज्ञापनासूत्र	Prajñāpanā Sūtra	श्यामाचार्य	मू ग
50	जा-56	,,	,,	,,	,,
51	जा-690	,,	,,	,,	,,
52	दू-1022	,,	,,	,,	,,
53	न-127	,,	,,	,,	,,
54	मा-152	,,	,,	,,	,,
55	दू 1004	,,	,,	,,	मू + ट
56	दू-790	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	श्यामाचार्य/मलयगिरि	मू + वृ (ग)
57	न-426	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	मलयगिरि	ग
58	न-331	,, ,,	,, ,,	,,	,,
59	मा-151	,, ,,	,, ,,	,,	,,
60	दू-792	,, ,,	,, ,,	,,	,,
61	दू 848	प्रज्ञापना तृतीयपद संग्रहणी (वृत्तिसह)	Prajñāpanā Tṛtīyapada Saṅgrahaṇī (with Vṛtti)	श्यामाचार्य/अभयदेव	मू + वृ (ग)
62	मा-131	प्रज्ञापना तृतीयपद संग्रहणी	,,	,,	मू
63	मा-153	प्रज्ञापना बीजक	Prajñāpanā Bījaka	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
तृतीय उपाग जीव अजीव विभक्तिया	प्रा स	417	26 × 12 × 12 × 52	स ग्र 18750	1672	
,,	प्रा मा	353	26 × 12 × 15 × 44	,, 12914	1816	
आ व्या सा	स	197	33 × 14 × 15 × 72	,, 14000	17वी	
,,	,,	209	27 × 11 × 17 × 51	,,	1668	
,,	,,	311	33 × 13 × 13 × 53	,, 14000	1672	
,,	,,	300	27 × 11 × 15 × 50	,,	18वी	
,,	,,	315	24 × 11 × 15 × 47	,, 14000	1881	
,,	,,	176	33 × 13 × 19 × 75	अ कायस्थिति पद	19वी	
चतुर्थ उपाग (जीव अजीव विभक्तिया)	प्रा	286	27 × 13 × 11 × 40	म 36 पद ग्र 7788	16वी	
,,	,,	315	27 × 12 × 11 × 42	,, 7787	,,	
,,	,,	283	26 × 11 × 11 × 40	लगभग पूर्ण	,,	
,,	,,	139	29 × 10 × 16 × 76	म 36 पद	1571	
,,	,,	158	27 × 11 × 15 × 54	म ग्र 7750	17वी	
,,	,,	173	33 × 14 × 13 × 55	,, 7787	1672	
,,	प्रा मा	279	26 × 12 × 7 × 60	,, 24000	1816	
,,	प्रा म	305	27 × 12 × 22 × 80	,, 23787	1854	
आगम व्या सा	स	452	27 × 11 × 13 × 44	स 36 पदो की	16वी	
,,	,,	211	31 × 13 × 19 × 60	म ग्र 14000	1669	
,,	,,	336	33 × 13 × 14 × 56	स 36 पदो की	1673	
,,	,,	345	27 × 11 × 15 × 45	म ग्र 15000	18वी	
,,	प्रा म	10	26 × 12 × 14 × 48	स लगभग	1650	प्रथम पन्ना कम है
,,	प्रा	5	27 × 12 × 15 × 50	म	19वी	
,,	स	4	30 × 13 तालिका	स	,,	

1	2	3	3 A	4	5
64	लो-57	जम्बूद्वीप-प्रज्ञप्ति	Jambū Dvipa Prajnapti	अज्ञात	मू ग
65	त-56	"	"	"	"
66	था-150	"	"	"	"
67	था-397	"	"	"	"
68	त-657	जम्बूद्वीप की (करणाण) चूर्णि	Jambūdvipa ki(Karanānam Cūrni	—	चू ग
69	ला-177	" "	" "	—	"
70	था-276	" "	" "	—	"
71	था-275	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति की वृत्ति	" Prajnapti ki Vṛtti	पुण्यसागर	ग
72	त-500	चन्द्रप्रज्ञप्ति+सूर्य प्रज्ञप्ति	Chand Prarajnapti+Sūrya Prajñapti	अज्ञात	मू ग
73	ला 176	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र	" Prajñapati Sūtra	"	"
74	" 177	" की वृत्ति	" Prajnapati ki Vṛtti	मलयगिरि	ग
75	" 178	सूर्यप्रज्ञप्तिसूत्र	Sūrya Prajñapti Sūtra	अज्ञात	मू ग
76	" 179	" की वृत्ति	" " ki Vṛtti	मलयगिरि	ग
77	त-649	निरयावलि आदि पंचोपाङ्ग (वृत्तिसह)	Niryāvaliy ādi Pañcopāṅga " "(with Vṛtti)	सुधर्मा श्रीचन्द्रसूरि	मू.+वृ. (ग)
78	लो-131	" "	" "	सुधर्मा	मू ग
79	त-84	" "	" "	"	"
80	डू-338	" "	" "	"	"
81	था-154	" "	" "	"	"
82	नो-130	" "	" "	"	"
83	त-86	" "	" "	"	मू+ट
84	आ 31	" "	" "	"	मू ग
85	डू-489	" "	" "	"	मू ट (ग)
86	लो-132	" " की वृत्ति	" " ki Vṛtti	श्रीचन्द्रसूरि	ग
87	था-278	" " "	" " "	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
पंचम उपांग (सूर्याप्ति)	प्रा	124	27 12 13 × 38	न ग्र 4254	17वी	
,,	,,	100	26 × 11 × 14 × 60	,, 4454	1620	
,,	,,	90	33 × 14 13 × 60	,, 4445	1672	
,,	,,	17	27 × 11 × 13 53	ग्र	19वी	
5वां अंग (भगोल भा)	,,	30	33 15 17 65	न ग्र 1860	16 वी	
,,	,,	36	32 14 15 65	न लगभग	1571	प्रथम पन्ना कम है
,,	,,	40	33 13 13 60	न ग्र 1860	17 वी	
,,	न	310	34 13 13 55	,, 13275	1670	
6वां उपांग अन्तरीक्ष ज्योतिष	प्रा	71	31 12 15 68	,, 2000+2894	1639	
,,	,,	11	34 14 13 54	,, 2000	1671	
आगम व्या भा	न	208	35 14 13 × 58	,, 9500	1671	
7वां उपांग ज्योतिष अन्तरीक्ष	प्रा	54	34 14 13 55	न	17 वी	
आ व्या भा	न	217	33 × 13 13 × 55	न	1683	
अंतिम 5 उपांग	प्रा न	29	36 14 × 16 × 60	न पांचों सूत्र	1485	
,,	प्रा	39	26 11 16 31	,,	1601	
,,	,,	21	25 11 × 16 52	,,	1610	
,,	,,	36	28 12 × 13 35	,,	1659	
,,	,,	25	34 14 13 × 58	,,	1673	
,,	,,	27	25 10 13 × 65	,, ग्र 1205	1682	
,,	प्रा भा	68	26 13 7 × 36	,,	1877	
,,	प्रा	24	27 × 11 × 15 × 50	,, ग्र 1109	19 वी	
,,	प्रा भा	74	26 × 13 × 7 × 31	,,	1911	
आगम व्या भा	न	16	26 × 10 × 15 × 50	,, ग्र 650	17 वी	
,,	,,	16	33 × 13 × 13 × 55	,, ग्र 627	17 वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	त-152	निशीथ (भाष्यसह)	Nisitha (with Bhasya	भद्रबाहु+	मू+भा (ग) (प)
2	त-156	निशीथ-अध्ययन	Nisitha Adhyayana	भद्रबाहु	मू ग
3	था-43	" "	" "	"	"
4	लो-148	" "	" "	"	"
5	नो 58	" "	" "	"	"
6	था-245	" "	" "	"	"
7	लो 150	" "	" "	"	"
8	था-44	" का भाष्य	" kā Bhāsya	—	भा प
9	" 45	" की चूर्णि प्रथम खण्ड	" ki Cūrni 1st Part	जिनदास गणि महत्तर	चू ग
10	" 46	" " द्वितीय "	" " 2nd "	"	"
11	" 246	" " प्रथम "	" , 1st "	"	"
12	नो-59	" चूर्णि की व्याख्या	" Cūrni ki Vyākhyā	श्रीचन्द्रसूरि (शीलभद्र के शिष्य)	ग
13	था-222	" " "	" " "	" "	"
14	" 274	बृहत्कल्पसूत्र (लघुभाष्यसह)	Bṛhatkalpa Sūtra (with Laghu Bhāsya)	भद्रबाहु+संघदासगणि	मू+भा (ग) (प)
15	" 236	" "	" "	" "	"
16	त-9	" —	" —	भद्रबाहु	मू ग
17	नो-60	" —	" —	"	"
18	त-10	" का भाष्य (लघु)	" kā Bhāsya(Laghu)	संघदासगणि क्षमाश्रमण	भा (प)
19	त-8	" की चूर्णि	" ki Cūrni	—	चू ग
20	डू-780	" की वृत्ति	" ki Vrtti	मलयगिरि एवं क्षेमकीर्ति	ग
21	था-271	" "	" "	" "	"
22	" 272	" "	" "	" "	"
23	" 273	" "	" "	" "	"

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रथम छेद सूत्र-साधु समाचारी	प्रा	172	26×11 15 58	स 20 उद्दे ग्र 8000	15वी	
,,	,,	8	26×12 21×75	,, ,,	1492	1 बाजू कटी हुई है
,,	,,	27	26 11×11 45	,, ,, ग्र 812	16वीं	
,,	,,	21	27 12×13 44	,, ,,	17वीं	
,,	,	20	28×13×13 44	,, ,, ग्र 815	1646	
,,	,,	19	33×13×13×53	,, ,, ग्र 812	17वीं	
,	,,	18	27 12 14×58	,, ,,	18वी	
ग्रागम व्या सा	.	268	26 10 11 48	,, ग्र 7400 गाथा 6439	1669	
,	,	522	26 11 11 46	पूर्वार्द्ध ग्र 17884	,,	
,,	,,	512	26 11 11 46	उत्तरार्द्ध	,,	
,,	,,	335	33×13 13 53	प्रारम्भ मे ग्र 14000	17वी	
,,	स	19	28 13 15 52	म ग्र 1100	16वी	प्रारम्भ मे किंचित् ग्रपूर्ण है
,,	,,	28	33×13×13 52	स ,, ,,	17वी	
छेद सूत्र–साधु समाचारी	प्रा	271	27×12×11×54	,, ,, 8320	1672	
,,	,,	199	34×13×13 56	,, ,, ,,	1676	
,,	,,	9	33 13 13 50	,, 6 उद्देशक	1675–80	
,,	,,	12	27×12×11×50	,, लगभग	19वी	बीच मे 11वा पन्ना नही ह
ग्रागम व्या सा	,,	201	33 13×13×50	,, ग्र 6568	1675–80	
,,	,,	321	33 13×13×50	,, ,, 14787	1677	
,,	स	289	31×12 14×55	प्रथम खड मासकल्प तक	17वी	
,,	,,	537	27×11 11×47	,, ,,	1676	
,,	,,	517	27×12×11×46	द्वि खण्ड ग्र 14160	,,	
,,	,,	444	27×12×11×45	तृ ,, ,,12651ग्रन्त	,,	स तीनो खड ग्र 44551

1	2	3	3 A	4	5
24	था-238	बृहत्कल्पसूत्र की वृत्ति	Brhatkalpa Sūtra kī Vṛtti	मलयगिरि एव क्षेमकीर्ति	ग
25	„ 239	„ „	„ „	„ „	„
26	त-616	„ „	„ „	„ „	„
27	लो-71	व्यवहारसूत्र	Vyavahāra Sūtra	भद्रबाहु	मू ग
28	लो-74	„	„ „	„	मू ट
29	डू-1027	„	„ „	„	मू ग
30	था-175	„	„ „	„	„
31	लो-72	„	„ „	„	„
32	लो-73	„	„ „	„	मू +ट
33	डू-784	„ का भाष्य	„ kā Bhāṣya	मघदामगणि	प
34	था-53	„ „	„ „	अज्ञात	प
35	त-3	„ „	„ „	„	„
36	था-243	„ „	„ „	„	„
37	था-63	„ की वृत्ति	„ kī Vṛtti	मलयगिरि	ग
38	लो-75	दशाश्रुत स्कन्धसूत्र	Dasāśruta Skandha Sūtra	भद्रबाहु	मू ग
39	त-4	„ „	„ „	„	„
40	डू-1178	„ „	„ „	„	मू +ट (ग)
41	त-618	„ „	„ „	„	„
42	त-617	„ „	„ „	„	„
43	डू-1184	„ „	„ „	„	„
44	था-247	„ (नियुक्ति चूर्णिसह)	„ (Niryukti+Cūrni)	—	चू ग प
45	त-5	„ की चूर्णि	„ kī Cūrni	—	„
46	था-289	कल्पसूत्र (दशाश्रुत का 8वा अध्ययन)	Kalpa Sūtra (8th Ch of Daśāsruta)	भद्रबाहु	मू ग

6	7	8	8 A	9	10	11
आगम व्या सा	स	407	33 × 13 × 13 × 51	प्र खड मासकल्प तक	17वी	
,,	,,	141	33 × 13 × 13 × 55	द्वि ,, अपूर्ण है	17वी	
,,	,,	385	27 × 12 × 13 × 43	प्र लगभग ग्र 15000तक	17वी	ग्र 4500 तक मलय-गिरि, पन्ने 121 बाद मे क्षेमकीर्ति
छेद सूत्र-साधु-समाचारी	प्रा	10	28 × 12 × 15 × 58	स 10 उद्देशक ग्र 500	16वी	
,,	प्रा मा	36	28 × 12 × 7 × 45	,, ,,	17वी	
,,	प्रा	21	27 × 12 × 11 × 37	,, ,, ग्र 500	,,	
,,	,,	17	34 × 13 × 13 × 50	,, ,, ग्र 688	,,	
,,	,,	16	27 × 12 × 13 × 36	,, ,, ग्र 500	18वी	
,,	प्रा मा	36	27 × 12 × 7 × 45	,, ,,	19वी	
छेद सूत्र-साधु साहित्य	प्रा	105	36 × 12 × 15 × 66	स ग्र 6439 गा 5829	14वी	
,,	,,	222	27 × 12 × 11 × 40	स ग्र 6000 गा 2957	1669	थारू शाह द्वारा लिपिकृत
,,	,,	159	33 × 13 × 13 × 50	,, ,, गा 2955	1675–80	
,,	,,	141	34 × 13 × 13 × 52	,, ,, गा 2959	1676	
,,	स	1140	27 × 11 × 11 × 54	,, ग्र 34625	1671	
छेद सूत्र-साधु समाचारी	प्रा	29	27 × 13 × 11 × 43	स 10 अध्य	16वी	8वा अध्य कल्पसूत्र का उल्लेख मात्र
,,	,,	46	33 × 13 × 13 × 50	,, ग्र 1030	1675–80	,,
,,	प्रा मा	49	27 × 12 × 6 × 46	,, ,,	1783	,,
,,	,,	48	27 × 12 × 15 × 42	,, ,, ग्र 5000	18वी	,,
,,	,,	103	27 × 14 × 13 × 27	,, ,, ग्र 3000	1896	,,
,,	,,	46	27 × 12 × 6 × 42	,, ,, ग्र 2500	19वी	,,
,,	प्रा	101	33 × 13 × 13 × 50	,, ग्र 1030 मू +154 गा नि +चू ग्र 4321	1675–80	
छेद सूत्र साहित्य	,,	56	33 × 13 × 13 × 50	स ग्र 4321	17वी	
तीर्थंकर जीवन, स व स्थविरावली	,,	115	28 × 12 × 8 × 15	,, ग्र 1016+बा कथा	1519	कालिकाचार्य–कथामह स्वर्णाक्षरी सचित्र 56

1	2	3	3 A	4	5
47	त-289(1)	कल्पसूत्र (दशाश्रुत का 8वा अध्ययन)	Kalpa Sūtra (8th Ch of Daśāsruta)	भद्रबाहु	मू ग
48	त-288	,, ,,	,, ,,	,,	,,
49	पुराने भडार की पेढी मे पडा था	,, ,,	,, ,,	,,	,,
50	त-287	,, ,,	,, ,,	,,	मू ग प
51	था-290	,, ,,	,, ,,	,,	मू ग
52	त-77	,, ,,	,, ,,	,,	,, + प
53	त-147	,, ,,	,, ,,	,,	मू +ट
54	डू-1010	,, (सदेहविषौषधि-पजिकासह)	,, (with Sandehia Visausadhi Pañjikā)	भद्रबाहु +जिनप्रभ	मू +वृ (ग)
55	त-151	,, (किरणावलीवृत्तिसह)	,, (with kiranāvali Vṛtti)	,, +समसागर	,,
56	लो-62	,,	,,	,,	मू ग
57 -66	डू 342, 166,442, 471,480, 660,719, 1007, 1008, 1236	,, 10 प्रतिया	,, 10 copies	भद्रबाहु	,,
67 -79	लो 66, 65,67	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	भद्रबाहु	मू +ट.
70	था-17	,,	,,	,,	मू ग
71 -73	त-140, 636, 139	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	मू +ट
74	त-148	,,	,,	,,	मू ग
75	डू-548	,,	,,	,,	मू +ट
76	त-146	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,,	मू +ट +बाल कथा
77	त-138	कल्पसूत्र (वृत्तिसह)	Kalpa Sūtra (with Vṛtti)	,,	मू +वृ ट
78 -79	लो-69,64	,, (बालावबोधसह) 2 प्रति	,, (with Bālāvabodha) 2 copies	,,	मू +वा

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर जीवन, म व स्थविरावली	प्रा	90	28 × 12 × 8 × 32	ग्र 1216+वा कथा	1528	रूपाक्षरी पन्ना न 58 कम है
"	"	106	29 × 12 × 7 × 28	"	1532	सचित्र (5) 4 पन्ने कम है 45 पन्ने परिवर्तित हैं
"	"	111	27 × 11 × 7 × 28	"	1537	सचित्र (42) स्वर्णाक्षरी (4 पन्ने छोड कर)
"	"	91	31 × 13 × 8 × 28	"	1545	सचित्र (29) 4 पन्ने परिवर्तित
"	"	104	31 × 12 × 6 × 22	" +कालक कथा 101 गाथा	1616	सचित्र (55)
"	"	72	27 × 11 × 9 × 39	" +कालक कथा 120 गाथा	1643	प्रथम पन्ना कम
"	प्रा मा	106	27 × 12 × 6 × 32	"	"	
"	प्रा म	97	26 × 12 × 9 × 30	म ग्र 1216	16वीं	
"	"	195	26 × 11 × 12 × 46	" "	17वीं	हीरविजय का शिष्य
"	प्रा	124	27 × 12 × 7 × 27	" "	1732	
"	"	134, 52, 65, 75, 88, 96, 72, 78, 74, 68	25से28 × 11से14	" "	1758से1964	सामान्य
"	प्रा मा	118, 86, 192	27से28 × 12से13	" "	1772से1852	"
"	प्रा	71	28 × 12 × 9 × 35	" "	18वी	1799 मे भडारकरण
"	प्रा मा	187, 100, 115	25से27 × 11से12	" "	1783से1810	सामान्य, त 140 मे तपागच्छ की विगतवार पट्टावली
"	प्रा	46	27 × 12 × 12 × 40	" "	1831	
"	प्रा मा	136	25 × 11 × 6 × 32	" "	18वी	प्रथम, द्वि व अंतिम पन्ना नही
"	"	205	27 × 13 × 15 × 37	" "	1866	सचित्र (37) साधारण शैली
"	प्रा म मा	195	25 × 12 × 7 × 27	संपूर्ण	1904	किंचित् वाचना व अन्तर्वाच्य भी
"	प्रा मा	109, 308	24से27 × 12से13	"	20वी	कथा व्याख्यासह

1	2	3	3 A	4	5
80–81	लो-61, 217	कल्पसूत्र 2 प्रतियाँ	Kalpa Sūtra 2 Copies	भद्रबाहु	मू ग.
82–83	आ-14,33	,, (व्याख्यासह) 2 प्रतियाँ	,, (with Vyākhyā 2 Copies)	,,	मू.+ट+व्या
84	आ-120	,,	,, —	,,	मू ग.
85	लो-735	,,	,, —	,,	,,
86	त-144	,, (बालावबोधसह)	, (with bālāvabodha)	भद्रबाहु+समयराज	मू +बा
87	लो-76	,,	,, —	भद्रबाहु	मू ग
88	त-1134	,,	,, —	,,	मू +ट
89	डू-7	,,	,, —	,,	मू ग
90	त-1104	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	,,	मू अ.
91	त-1135	,,	,, —	,,	मू ट
92–93	लो-530, 63	,, 2 प्रतियाँ	,, 2 Copies	,,	मू ग
94	त-1255	,,	,, —	,,	मू ट
95	,, 1238	,, (बालावबोधसह)	, (with bālāvabodha)	,,	मू व्या
96	,, 150	,, ,,	,, ,,	,,	मू +बा
97	डू-474	,,	,, —	,,	मू ग.
98	,, 274	,, (व्याख्यासह)	,, (with Vyākhyā)	,,	मू व्या
99	आ-30	,, (बालावबोधसह)	,, (with bālāvabodha)	,,	मू +बा
100	डू-381	,, ,	,, ,,	,,	मू +व्या
101	लो-164	,,	,, —	,,	मू.+ट
102–3	डू-646, 664	कल्पसूत्रार्थ 2 प्रतियाँ	Kalpasutrārtha 2 Copies	—	ग
104	डू-478	पर्युषणाकल्प दुर्गपदविवृत्ति (सन्देहविषौषधिपञ्जिका)	Paryusanākalpa Durgapadavivrtti (Sandeha Visausadhi Pañjikā)	जिनप्रभसूरि	,,
105	,, 1009	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर जीवन, समाचारी व स्थविरावली	प्रा	201,41	26से29 × 14	सम्पूर्ण	1912–40	
,,	प्रा मा	120, 151	26 × 11	,,	19वी	
,,	प्रा	108	27 × 11 × 7 × 25	,,	19वी	
,,	,,	10	23 × 10 × 6 × 17	त्रुटक पन्ने	15वी	चित्र का कुछ कटा भाग प्राचीनतम
,,	प्रा मा	20	27 × 1' × 15 × 50	छठी वाचना (पार्श्व + नेमिचरित्र)	17वी	यु प्र जिनचन्द्रसूरि-शिष्य
,,	प्रा	40	27 × 12 × 13 × 46	साधु समाचारी मात्र	1674	
,,	प्रा मा	74	26 × 11 × 17 × 32	त्रुटक	1699	
,,	प्रा	44	25 × 11 × 13 × 34	अ (किंचित)	1759	6 पन्ने कम (2से7)
,,	प्रा स	19	28 × 12 × 16 × 52	अ ग्र 700 तक	19वी	
,,	प्रा मा	77	26 × 11 × 16 × 30	अ 71 से 147	18वी	
,,	प्रा	9,43	26से29 × 13से14	अ	19वी	
,,	प्रा स	11	26 × 11 × 12 × 49	अ	19वी	
,,	प्रा मा	70	26 × 13 × 4 × 36	अ	19वी	
,,	,,	25	24 × 12 × 14 × 28	अ (समाचारी मात्र)	1900	
,,	प्रा	22	26 × 12 × 14 × 44	अ (स्थविरावली मात्र)	1875	
,,	प्रा म	31	25 × 11 × 12 × 36	अ ,,	1890	
,,	प्रा मा	14	26 × 11 × 13 × 40	अ (समाचारी मात्र)	20वी	
,,	,,	71	26 × 11 × 4 × 30	अ	20वी	
,,	,,	71	27 × 13 × 7 × 38	अ (गणधरवाद तक)	20वी	प्रथम पन्ना भी नही है
आगम व्या सा	म	22,14	26 × 11से13	अ (समाचारी, स्थविरावली	1853	
,,	,,	87	27 × 11 × 13 × 50	म	16वी	
,,	,,	71	26 × 12 × 17 × 50	स ग्र 3041	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
106–10	इ-174,267 473,718, 1002	कल्पसूत्र की वृत्ति (कल्पद्रुम-कलिका) 5 प्रतियाँ	Kalpa Sūtra kiVṛtti(Kalpa drumakalikā) 5 copies	लक्ष्मीवल्लभ	ग
111	इ-5	,,	,,	,,	,,
112	न-1228	,, की व्याख्या	, ki Vyākhyā	—	,,
113	,, 142	,, की वृत्ति (कल्पलता)	, ki Vṛtti(Kalpalatā)	समयसुन्दर	,,
114	इ-917	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
115	,, 918	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
116	श्रा-21	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
117	इ-662	,, ,, —	,, ,, —	जिनहंससूरि-शिष्य	,,
118	न-145	कल्पान्तर्वाच्य	Kalpāntarvācya	—	ग प
119	नो-70	कल्पव्याख्या (अन्तर्वाच्य)	Kalpavyākhyā(Antarvācya)	—	,,
120	श्रा 98	कल्पान्तर्वाच्य	Kalpāntarvācya	—	ग
121	इ-162	,,	,,	जिनहंससूरि	,,
122	,, 920	,,	,,	—	,,
123	श्रा-124	,,	,,	—	,,
124–25	न-1071, 1143	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
126–28	इ-3,104, 586	,, (व्याख्या) 3 प्रतियाँ	,, (Vyākhya)3 copies	—	,,
129	नो-295	कल्पसूत्र-व्याख्या	Kalpa Sūtra Vyākhyā	—	,,
130	इ-635	,, अन्तर्वाच्य	,, Antarvācya	मूल भद्रबाहु	,,
131	त-141	, वाचना	, Vācanā	—	,,
132	नो 68	,, ,, भाषा	,, ,, Bhāsā	—	अनुवाद ग

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रा व्या सा	स	239, 254, 167, 196, 152	25से28 × 12से14	स ग्र 12 6 की	19वी	
,,	,,	80	25 × 11 × 15 × 50	प्र पचम व्याख्या तक	,,	
,,	,,	60	31 × 11 × 13 × 56	किंचित् अपूर्ण	,,	
,,	,,	131	27 × 11 × 14 × 54	स	18वी	
,,	,,	162	26 × 11 × 17 × 49	,,	,,	
,,	,,	184	28 × 12 × 15 × 47	,,	1828	
,,	,,	191	26 × 11 × 13 × 47	,,	19वी	
,,	,,	166	26 × 13 × 18 × 37	,, 7 व्याख्यान + काल	,,	
,,	प्रा स	37	27 × 11 × 11 × 51	स	1515	
तीर्थंकर,जीवन, स्थविरावलीसाधु समाचारी, सा	स प्रा	13	27 × 12 × 13 × 39	अपूर्ण	1520	प्रा व्या साहित्य
,,	स	47	26 × 12 × 14 × 43	सपूर्ण	1629	
,,	प्रा स	67	27 × 11 × 13 × 45	,,	1672	
,,	स	63	26 × 12 × 13 × 45	,,	1740	
,,	,,	66	26 × 11 × 12 × 38	,,	19वी	
,,	स प्रा	42,7	25से27 × 11से12	अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	29,82,3	25से28 × 11से14	,,	,,	
,,	स	12	28 × 12 × 16 × 63	त्रुटक	,,	
,,	प्रा मा	340	26 × 11 × 7 × 24	सपूर्ण	1826	
,,	अपभ्र श	118	27 × 12 × 12 × 37	अ ग्र 3500	1588	106 से 117 तक के पन्ने कम
,,	,,	84	27 × 13 × 11 × 33	अ	18वी	साधारण चित्रो सहित

1	2	3	3 A	4	5
133–47	त-143, 290,291, 302,292, 301,293 394,1148, 300,297, 298,299, 149,1195	कल्पसूत्र-वाचना 15 प्रतियाँ	Ka'pa Sūtra Vāchanā 15 copies	—	ग
148	ह-163	कल्पसूत्र-वाचना	Kalpa Sūtra Vāchanā	—	ग
149	ह-770	,, ,,	, ,,	—	,,
150	जो-507	,, ,,	, ,,	—	,,
151	त-68	,, बालावबोध	,, Bālavabodha	—	,,
152–54	त-295, 296,1020	कल्पसूत्रे-दस अच्छेरा 3 प्रतियां	Kalpasūtre Dasa Accherā 3 copies	—	,,
155	आ-16	,, ,,	,, ,,	—	,,
156	त-13	पञ्चकल्प बृहत्भाष्य	Pañcakalpa Brhat Bhāsya	सङ्घदास क्षमाश्रमण	प
157	था-54	,, चूर्णि	,, Cūrni	—	ग
158	त-12	,, ,,	,, ,,	—	,,
159	,, 19	महानिशीथसूत्र	Mahānisitha Sūtra	—	मू ग
160	था-270	,,	,, ,,	—	,,
161	जो-357	,, के आलापक	,, ke Ālāpaka	—	,,
162	त-6	जीतकल्प (वृत्तिसह)	Jitakalpa (with Vrtti)	जिनभद्र/तिलकाचार्य	मू + वृ (प ग.)
163	,, 7	,, सूत्र	,, Sūtra	जिनभद्र	मू प
164	था-248	,, की वृत्ति	, ki Vrtti	सामाचार्य/अभिप्राय	ग
165	ह-509	श्राद्धजीतकल्पसूत्र अवचूरिसह	Śrādha Jitakalpa Sūtra (with Avacūri)	समधापसूरि	मू अ (ग)
166	त-16	,, की वृत्ति	,, ,, ki Vrtti	सोमतिलक	ग
167	ह-940	लघु ,, व्याख्यासह	Laghu ,, ,, (with Vyākhyā)	तिलकसूरि	प /मद्य (मू व्या)

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर,जीवन, स्थविरावली साधु समाचारी, सा	मा	116,80, 13,16, 31,23, 13,14, 16,9, 13,17, 19,148, 5	24से27 × 10से12	1 यावत् 9वा व्याख्यान	19/20वी	
,,	मा	202	26 × 11 × 13 × 43	स 9 वाचनायें	,,	
,,	,,	34	21 × 12 × 13 × 45	1 से 3 वाचना	,,	
,,	,,	23	26 × 12 × 15 × 52	छठी वाचना	,,	
,,	,,	136	26 × 11 × 13 × 39	त्रुटक	,,	
,,	,,	11,9,8	28 × 12, 26 × 11	स	1766/18वी	दस अभूतपूर्व घटनायें
,,	स	5	26 × 11 × 12 × 40	,,	19वी	,, ,,
छेदसूत्र साधु-समाचारी साहि	प्रा	73	33 × 13 × 13 × 50	स गा 2574 ग्र 3218	1675–80	
,,	,,	99	27 × 12 × 11 × 44	स ग्र 3125	1672	लिपिक आश्रद देवाचार्य
,,	,,	73	33 × 13 × 13 × 50	,, ,,	1675–80	,, ,,
छेदसूत्र साधु-समाचारी	,,	96	33 × 13 × 13 × 50	स चूलिकासह ग्र 4544	,,	
,,	,,	143	27 × 12 × 11 × 42	,, ,, ,,	19वी	
,,	,,	6	26 × 12 × 12 × 35	प्रति पूर्ण है	18वी	मूल के उद्धरण मात्र
छेदसूत्र (आम्नाय) साधुसमाचारी	प्रा म	46	33 × 13 × 13 × 50	स मू 105गा ग्र 1700	1675–80	श्रीहार नायक का शिष्य
,,	प्रा	4	33 × 13 × 13 × 50	स 104 गाथा	,,	
छेदसूत्र (आम्नाय साहित्य	स	56	33 × 13 × 13 × 55	ग्र 221 ,,	17वी	
श्रावकाचार छेदसूत्र	प्रा स	10	27 × 11 × 9 × 42	स 142 ,,	15वी	देवेन्द्र मुनीश्वर के शिष्य
,,	स	60	33 × 13 × 13 × 50	स 140 गा ग्र 2646	1678	बुरड गोत्रीय तेजसी द्वारा भडारण
,,	प्रा स	10	26 × 12 × 15 × 30	20+10=30गाथा	19वीं	साथ मे आलोयणा यत्र

1	2	3	3 A	4	5
1	त-159	नन्दीसूत्र	Nandi Sūtra	देववाचक अपरनाम देवर्द्धिगणि	मू ग.
2	लो-117	"	"	"	"
3	आ-39	"	"	"	"
4	था-160	"	"	"	"
5–7	लो-118, 120,119	" 3 प्रतियाँ	" 3 copies	"	"
8	था-161	" की वृत्ति	, ki Vṛtti	मलयगिरि	ग
9	त-595	" दुर्गपदार्थ	" Durga Padārtha	मेरुतुंग शिष्य	"
10	" 660	अनुयोगद्वार	Anuyogadvāra	—	मू ग
11	डु-179	"	"	—	"
12–13	लो-122, 121	" 2 प्रतियाँ	" 2 copies	—	"
14	डु-254	"	"	—	"
15	था-283	"	"	—	"
16	लो-123	अनुयोगद्वार (बालावबोधसह)	" (with Bālāvabodha)	—	मू बा ग
17	त-1240	अनुयोगद्वार	"	—	मू ग
18	लो-185	"	"	—	"
19–20	त-1239, 1241	" (बालावबोधसह) 2 प्रतियाँ	" (with Bālāvabodha) 2 copies	—	मू बा ग
21	त-661	अनुयोगद्वार की वृत्ति	" ki Vṛtti	हेमचन्द्रसूरि (अभयदत्त का शिष्य)	ग
22	था-282	" "	" "	"	"
23	त-604	दशवैकालिक (निर्युक्ति अवचूरि सह)	Dasavaikālika (with Niryukti Avacūri)	शय्यभव/भद्रबाहु	मू नि अ (प ग)
24	डु-962	" (अवचूरिसह)	" (with Avacūri)	शय्यभव/	मू अ (प ग)
25	था-74	दशवैकालिक —	" —	शय्यभव	मू प ग
26	त-605	" —	" —	"	"
27	लो-97	" (अवचूरिसह)	" (with Avacūri)	शय्यभव/	मू अ (ग प)

6	7	8	8 A	9	10	11
चूलिका सूत्र (ज्ञानशास्त्र)	प्रा	14	28 × 12 × 17 × 50	मपूर्ण	16वी	दूष्य गणि के शिष्य
,,	,,	24	27 × 10 × 11 × 24	,,	17वी	
,,	,,	14	29 × 13 × 15 × 60	,,	1655	
,,	,,	20	33 × 14 × 13 × 52	,,	1672	
,,	,,	26,45, 15	25 × 26 × 10 × 11	स. (2) गुटक (1)	18वी	मामान्य
आगम व्याख्या साहित्य	म	175	33 × 14 × 13 × 56	मपूर्ण	17वी	
,,	,,	62	22 × 9 × 13 × 52	अपूर्ण ग्र 156	15वी	मूलग्रथ देवर्द्धि अपरनाम देववाचक (दूष्यगणि के शिष्य थे)
चूलिका सूत्र (व्याख्यान शास्त्र	प्रा	32	33 × 13 × 13 × 70	स 1604 गा ग्र 2000	16वी	
,,	,,	61	27 × 11 × 11 × 37	स ग्र 1400	17वी	
,,	,,	54,50	27 × 10 × 11 × 45 (26)	,, ,,	1666	
,,	,,	26	27 × 11 × 14 × 56	स ग्र 1399	17वी	
,,	,,	56	33 × 13 × 13 × 49	म	17वीं	
,,	प्रा मा	183	24 × 10 × 15 × 21	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा	30	25 × 11 × 15 × 57	अपूर्ण	,,	
,,	,,	4	32 × 13 × 14 × 48	,,	,,	
,,	प्रा मा	62,33	26 × 12 × 5 × 36 (20 × 47)	,,	17वी	
,, साहित्य	स	153	33 × 13 × 13 × 60	स ग्र 5700	,,	
,, ,,	,,	135	33 × 13 × 13 × 60	स	15वी	
मूलसूत्र (आचार)	प्रा म	31	27 × 12 × 15 × 30	म चूलिकामह 10 अध्य	15वी	
,,	,,	18	27 × 12 × 15 × 52	,, ,,	16वी	
,,	प्रा	18	33 × 13 × 13 × 55	,, ,,	17वी	
,,	,,	10	27 × 12 × 17 × 59	स ग्र 700	16वी	
,,	प्रा स	38	28 × 12 × 7 × 33	म	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
28	त-508	दशवैकालिक (वृत्तिसह)	Daśavaikālika (with Vṛtti)	शयभव/सुमतिसूरि	मू वृ (ग प)
29	था-25	,, सूत्र	,, Sūtra	शयभव	मू (प ग)
30–35	नो-85,87, 88,90,91, 304	,, 6 प्रतियाँ	,, 6 copies	,,	,,
36	लो-92	,,	,,	,,	,,
37	त-611	,,	,,	,,	,,
38	त-610	,,	,,	,,	,,
39	हु-1117	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	,,	मू + अ (प ग)
40	हु-1173	दशवैकालिक	,,	,,	मू + ट (प ग)
41	लो-95	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	शयभव/सुमतिसूरि	मू वृ (,,)
42	या-73	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	शयभव	मू (प ग)
43	त-609	,,	,, ,,	,,	,,
44	टु-275	,,	,, ,,	,,	मू + ट (प ग)
45	,, 1172A	,,	,, ,,	,,	मू (प ग)
46	,, 250	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	शयभव/तिलकाचार्य	मू वृ (प ग)
47	त-606	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	शयभव	मू ट (,,)
48–50	नो-86 89 617	,, 3 प्रतियाँ	,, ,, 3 copies	,,	मू (,,)
51–52	त-608 612	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
53	लो-98	,,	,, ,,	,,	मू ट (,,)
54	हु-1180	,,	,, ,,	,,	,,
55	या-86	,,	,, ,,	,,	मू (,,)
56–57	आ-80, 174 B	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
58	लो-94	,,	,, ,,	,,	,,
59	लो-653	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	,, /	मू + अ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
मूलसूत्र (आचार)	प्रा स	52	30 × 12 × 15 × 60	स ग्र 2500	16वी	
,,	प्रा	19	27 × 12 × 13 × 51	स	16वी	
,,	,,	30,26, 39,30, 23,9	26से28 × 12–13	,,	16वी	
,,	,,	21	29 × 13 × 12 × 48	,,	1610	
,,	,,	16	27 × 12 × 17 × 52	,,	1640	गुणनानतर-विधिमह
,,	,,	24	27 × 12 × 12 × 42	,,	1642	
,,	प्रा स	52	24 × 10 × 17 × 41	,,	1643	
,,	प्रा मा	49	27 × 12 × 6 × 43	स ग्र 2005	1657	
,,	प्रा स	78	28 × 12 × 16 × 45	म	1667	
,,	प्रा	21	33 × 13 × 13 × 51	म 10 अध्ययन	1674	
,,	,,	20	27 × 12 × 13 × 52	,, ,, ग्र 700	1683	
,,	प्रा मा	42	25 × 11 × 6 × 50	स 10 अध्ययन	1733	
,,	प्रा	69	27 × 12 × 5 × 35	,, ,,	1763	
,,	प्रा	171	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	18वी	
,,	प्रा मा	44	27 × 12 × 18 × 44	,, ,, ग्र 3000	18वी	
,,	प्रा	27,38, 27	24से27 × 11–12	स 10 अध्ययन	18वी	
,,	,,	29,20	26 × 12 × भिन्न भिन्न	,,	18वी	
,,	प्रा मा	58	27 × 14 × 5 × 42	,,	19वी	
,,	,,	57	25 × 11 × 5 × 32	,,	19वी	
,,	प्रा	21	33 × 13 × 13 × 52	,,	19वी	
,,	,,	14,15	26-27 × 11 × भिन्न2	,,	19वी	
,,	,,	10	27 × 12 × 15 × 52	अपूर्ण	1852	छठे से दसवा अध्ययन
,,	प्रा मा	8	28 × 12 × 12 × 25	त्रुटक	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
60	लो-101	दशवैकालिकसूत्र(बालावबोधसह)	Daśavaikālika Sūtra(with Bālāvabodha)	शय्यभव/	मू बा (प ग
61	,, 93	,,	,,	शय्यभव	मू ,,
62–64	,, 303, 235,562	,, 3 प्रतियाँ	,, ,, 3 copies	,,	,, ,,
65–66	,, 102, 139	,, 2 प्रतियाँ	,, ,, 2 ,	,,	मू +ट ,,
67	त-1257	,,	,, ,,	,,	मू ,,
68	,, 1248	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,, /समयसुन्दर	मू +वृ ,,
69	,, 1204	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,, /	मू बा ,,
70	लो-536	दशवैकालिक की नियुक्ति	,, kī Niryukti	भद्रबाहु	मू पद्य
71	त-18	दशवैकालिक की चूर्णि	,, kī Cūrni	अगस्त्यसिंह	गद्य
72	था-75	,, ,,	,, ,,	अज्ञात	,,
73	त-603	दशवैकालिक की अवचूरि	,, kī Avacūri	—	,
74	,, 607	दशवैकालिक की लघु वृत्ति	,, kī Laghu Vṛtti	सुमतिसूरि	,,
75	,, 613,	दशवैकालिक+नियुक्ति की वृत्ति	,, –Niryukti kī Vṛtti	हरिभद्र	,,
76	,, 597	दशवैकालिक की वृत्ति	,, kī Vṛtti	सुमतिसूरि	,,
77–78	था-76,77	,, ,, 2 प्रतियाँ	,, ,, 2 copies	,,	,,
79	टू-427	,, ,,	,, ,,	समयसुन्दर	,,
80	लो-96	,, ,,	,, ,,	—	,,
81–82	,, 99,100	दशवैकालिक का बालावबोध 2 प्रतियाँ	,, kā Bālāvabodha 2 copies	—	,,
83	लो गु 674	दशवैकालिक की सज्झायें	,, kī Sajjhāyen	कमलहर्ष	प
84	टू-372	,, के गीत	, ke Gīta	जयतसी	,,
85	त-665	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra	—	मू (प ग)
86	,, 602	,,	,,	—	,,
87	लो-689	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	—	मू +बा (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
मूलसूत्र (आचार)	प्रा मा	24	28 × 12 × 23 × 85	अपूर्ण	17वी	प्रारम्भ मे धम्म काम + (6 अध्ययन)
,,	प्रा	5	27 × 12 × 11 × 50	,,	1761	प्रथम 4 अध्याय
,,	,,	19,6, 11	25से27 × 10से12	,,	19वी	4-5 अध्याय तक अंतिम त्रुटक
,,	प्रा मा	14,14	27 × 12–13	,,	1875	
,,	प्रा	5	26 × 12 × 13 × 59	,,	19वी	अंतिम पन्ने हैं
,,	प्रा स	10	25 × 12 × 15 × 56	,,	,,	तीसरे अध्याय तक
,,	प्रा मा	36	27 × 13 × 10 × 17	त्रुटक	,,	38 व 146 के बीच के पन्ने
आगम व्या सा	प्रा	8	28 × 10 × 18 × 66	स 452 गाथा	15वी	
,,	,,	175	33 × 13 × 13 × 50	स चूलिका सहित	1678	प्रशस्ति की अंतिम लकीरो मे मुद्रित मे कुछ भेद
,,	,,	188	33 × 13 × 13 × 60	,,	17वी	
,,	,,	34	28 × 12 × 15 × 54	स ग्र 1875	16वी	
,,	स	28	27 × 12 × 21 × 80	स ग्र 2500	1488	
,,	,,	132	27 × 12 × 15 × 60	स ग्र 6972	16वी	
,,	,,	96	22 × 9 × 11 × 33	स ग्र 2600	15वी	
,,	,,	64,64	33 × 13 × 13 × 60	,, ,, ,,	19वीं	
,,	,,	85	26 × 12 × 14 × 47	स ग्र 3160	,,	
,,	,,	54	28 × 12 × 15 × 56	अपूर्ण	16वी	प्रारभ से आचार प्रणिधि तक
,,	मा	65,108	25से27 × 12–13	सपूर्ण	,,	
,,	,,	गुटके मे	14 × 12 × —	स 10 अध्यायो की	1829	
,,	,,	4	26 × 12 × 15 × 45	,,	19वी	
मूलसूत्र (अंतिम देशना	प्रा	35	31 × 12 × 15 × 42	स. 36 अध्य ग्र 2090	14वी	प्रथम पन्ने पर चित्र
,,	,,	70	22 × 9 × 11 × 45	,, ,, ग्र 2095	,,	-
,,	प्रा मा	238	26 × 11 × 5 × 26	स 36 अध्ययन	16वी	-

1	2	3	3 A	4	5
88	त-78	उत्तराध्ययन (वृत्तिसह)	Uttarādhyayana(with Vṛtti)	– /नेमिचद्रसूरि	मू +वृ (प ग)
89	लो-113	उत्तराध्ययनसूत्र	,,	—	मू +ट (प ग)
90–95	लो-103, 105,101, 107,111, 108	,, (6 प्रतिया)	,, 6 copies	—	मू (प ग)
96–97	था-18,21	,, (2 प्रतिया)	,, 2 ,,	—	,,
98	ग्रा-178	,,	,,	—	,,
99	डू-23	,,	,,	—	,,
100–101	था-78,79	,, (2 प्रतिया)	,, 2 copies	—	,,
102–104	था-234, 241,242	,, (वृत्तिसह) (3प्रतिया)	,, (with Vṛtti) 3copies	– /नेमिचद्रसूरि	मू +वृ (प ग)
105	लो-114	उत्तराध्ययनसूत्र	,,	—	मू ट (,,)
106	,, 104	,,	,,	—	मू (,,)
107	त-79	,,	,,	—	,,
108	डू-1044	,,	,,	—	मू +ट (,,)
109	,, 896	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	—	मू +बा (,,)
110	डू-246B, 1158	उत्तराध्ययनसूत्र (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	– /लक्ष्मीवल्लभ	मू +वृ (,,)
111–112	ग्रा-26,68	उत्तराध्ययनसूत्र (2 प्रतियां)	,, 2 copies	—	मू (,,)
113	था-80	,,	,, ,,	—	,, ,,
114	डू-343	,,	,, ,,	—	,, ,,
115	ग्रा-25+191	,,	,, ,,	—	,, ,,
116	त-1226	,,	,, ,,	—	,, ,,
117	डू-1024	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	– /नेमिचन्द्रसूरि	मू वृ ,,
118	त-1212	,, ,,	,, ,,	—/—	,, ,,
119	लो-297	,, ,,	,, ,,	—/—	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मूलसूत्र (अतिम देशना)	प्रा स	276	26 × 11 × 15 × 55	स 36 अध्ययन	16वी	अपरनाम देवेन्द्र
,,	प्रा मा	112	28 × 11 × 14 × 42	,, ,,	,,	
,,	प्रा	100,97, 104,84, 199,23	24से27 × 10–11	,, ,,	16/17वी	अतिम प्रति किंचित् अपूर्ण
,,	,,	47,57	27 × 12 × भिन्न-भिन्न	,, ,,	,,	1 प्रति 1860 मे भडारिण
,,	,,	48	26 × 11 × 15 × 46	,, ,,	17वी	
,,	,,	49	27 × 10 × 15 × 51	,, ,,	1635	
,,	,,	51,53 292,	33 × 14 × 13 × 53	,, ,,	1674	
,,	प्रा स	292, 299	34 × 14 × 13 × 60	,, वृ ग्र 12000	17वी	अपरनाम देवेन्द्र
,,	प्रा मा	164	26 × 10 × 16 × 32	स	1702	
,,	प्रा	41	26 × 10 × 14 × 52	,,	18वी	
,,	,,	45	26 × 11 × 15 × 43	,,	1828	
,,	प्रा मा	172	27 × 11 × 5 × 34	,,	1832	
,,	,,	201	26 × 13 × 6 × 41	,,	1883	कथा सहित
,,	प्रा म	294, 279	26–27 × 12–13	,,	19वी	
,,	प्रा	66,64	26 × 11–12	स ग्र 2000	19/20वी	
,,	,,	45	34 × 14 × 13 × 68	स	,,	
,,	,,	76	26 × 11 × 11 × 39	अ 34 अध्याय तक	14वी	
,,	,,	54	26 × 11 × 13 × 48	स 36 अध्याय	1554	
,,	,,	26	29 × 11 × 15 × 75	अ 7वे से अत तक	16वी	पन्ने 4 से 29 तक
,,	प्रा स	109	30 × 12 × 17 × 55	अ	,,	पन्ने 160 से 268 तक
,,	,,	43	27 × 12 × 20 × 62	अ तीसरे अध्याय तक	19वी	प्रथम पन्ना भी कम है
,,	,,	65	27 × 14 × 7 × 44	अ दूसरा अध्याय(अधूरा)	,,	कथामह

1	2	3	3 A	4	5
120-122	लो-109, 532,155B	उत्तराध्ययन (3 प्रतियाँ)	Uttarādhyayana 3 copies	—	मू
123-124	त-1208, 1046	उत्तराध्ययन (2 प्रतिया)	,, 2 copies	—	मू +ट (प ग)
125	लो-116	,,	,,	—	,, ,,
126	लो-328	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	—	मू +बा ,,
127	त-86A	उत्तराध्ययन की नियुक्ति	,, ki Niryukti	भद्रबाहु	पद्य
128	त-82	,, की दीपिका	,, ki Dipikā	कीर्तिसूरि का शिष्य	ग
129	बा-237	,, की बृहत्वृत्ति	,, ki Bṛhat Vṛtti	शान्त्याचार्य	,,
130-131	बा-81,82	,, की लघुवृत्ति (सुखबोधा) 2 प्रतियां	,, ki Laghu Vṛtti (Sukhabodha) 2copies	नेमिचन्द्रसूरि	,,
132	त-81	,, का विवरण	,, kā Vivarana	अज्ञात	,,
133	लो-112	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	—	,,
134	लो-110	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	—	,,
135	लो-115	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	—	,,
136	ड्ड-1157	,, की कथायें	,, ki Kathāyen	पद्मसागर	,,
137	त-80	,, ,,	,, ,,	विजयसेनसूरिराज्ये	,,
138	त-1181	,, के गीत	,, ke Gita	ब्रह्ममुनि	प
139	,, 529	,, की सज्झायें	,, ki Sajjhāyen	उदयसूरि	,,
140	,, 76	,, की कथायें	,, ki Kathāyen	—	ग
141	,, 11	पिण्डनियुक्ति की वृत्ति	Pinda Niryukti ki Vṛtti	मलयगिरि	,,
142	बा-85	,, ,,	,, ,,	,,	,,
143	त-155	ओघनिर्युक्ति	Ogha Niryukti	भद्रबाहु	मू प
144	,, 154	,,	,,	,,	,,
145	,, 153	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	भद्रबाहु/द्रोणाचार्य	मू +वृ (प ग)
146	बा-277	ओघनियुक्ति	,,	भद्रबाहु	मू प

6	7	8	8 A	9	10	11
मूलसूत्र (अतिम देशना)	प्रा	10,10, 18	25से27 × 10से14	अ	19वी	अतिम प्रति त्रुटक
,,	प्रा मा	16,14	26–27 × 12–13	अ 6 और $13\frac{1}{2}$ अध्याय	18वी	
,,	,,	24	25 × 10 × 15 × 35	अ अकाममरण तक	19वी	प्रथम पन्ना भी कम है
,,	,,	13	27 × 14 × 18 × 52	अ दूसरा(अधूरा)अध्याय	,,	
आगम व्या मा	प्रा	17	26 × 11 × 13 × 48	स 566 गाथाये	15वी	पूरे 36 अध्ययनो पर है
मूलसूत्र (अतिम देशना)	म	267	27 × 11 × 13 × 40	म ग्र 8670	1661	
आगम व्या सा ,,	,,	417	33 × 14 × 13 × 67	,, ,, 17645	17वी	
,,	,,	307, 312	34 × 14	,, ,, 12000	17वी	अपर नाम देवेन्द्रगणि
,,	,,	45	27 × 12 × 21 × 68	,, ,, 3626	16वी	ग्र 4000 लगभग हैं प्रति भी प्राचीन लगती है
,,	मा	378	24 × 11 × 14 × 33	स	19वी	
,,	म	6	26 × 10 × 15 × 60	अ प्रथभ भी अधूरा	19वी	
,,	मा	35	28 × 12 × 13 × 55	अ 20वे से अत तक	17वी	पन्ने 63 से 97 तक
,,	स	111	27 × 11 × 15 × 55	म ग्र 4500	1751	वृहत्वृत्ति अनुसार
,,	,,	161	26 × 11 × 13 × 40	अ 25वें अध्य तक	18वी	,,
,, साराश	मा	21	26 × 12 × 16 × 35	स 36 अध्य के	19वी	अतिम पन्ना कम है
,,	,,	8	27 × 14 × 16 × 40	अ 27 अध्य तक	19वी	
,,	,,	22	26 × 11 × 17 × 46	अ 4 अध्य तक	18वी	
भिक्षावृत्ति नियमावली	स	160	33 × 13 × 13 × 60	म ग्र 7500	1675–80	
,,	,,	161	33 × 13 × 13 × 61	म ग्र 7800	17वी	
साधु आचार नियमावली	प्रा	23	27 × 12 × 16 × 60	म गाथायें 1164	16वीं	
,,	,,	26	27 × 12 × 16 × 52	स गाथा1151 ग्र 1400	1651	
,,	प्रा स	209	27 × 12 × 15 × 39	म ग्र 8385	1665	
,,	प्रा	32	33 × 13 × 13 × 57	म ग्र 1432गाथा1146	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
147	त-14	श्रोघनियु क्ति का वृहद् भाष्य	Ogha Nıryuktı kā Brhad Bhāsya	—	प
148	था-83B	,, ,,	,, ,,	—	,,
149	था-84	श्रोघनियु क्ति की वृत्ति	,, kı Vrttı	द्रोणाचाय	ग
150	त-1131	,, ,,	,, ,,	—	,,
		भाग/विभाग 1 श्रा (IV)	जैन श्रागम-श्रग वाह्य-	श्रावश्यकसूत्र	
1	इ-576	श्रावश्यसूत्राणि स्मरणादि	Āvasyaka Sūtrānı Smaranādı	—	ग प
2–3	लो-158,82	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copıes	—	,,
4	था-228	,, ,,	,, ,,	—	,,
5	त-97	,, ,,	,, ,,	—	,,
6	,, 94	,, ,, (वा मह)	,, ,,(wıth Bālā)	—	मू +वा (प ग)
7	,, 75	,, ,,	,, ,,	—	मू,+ट (,,)
8	श्रा-130	,, ,, (वा मह)	, ,,(wıth Bālā)	—	मू +वा
9–14	त-96,135, 213,1263, 1059, 1176	,, ,, 6 प्रतिया	,, ,, 6 copıes	—	मू (ग प)
15–6	लो-494, 152	,, ,, 2 ,,	,, ,, 2 copıes	—	,, ,,
17–8	इ-398, 583	,, ,, 2 ,,	,, ,, 2 copıes	—	,, ,,
19–21	इ-365, 425,842	,, ,, (वा मह) 3 प्रतियां	, ,,(wıth Bālā) 3 copıes	—	,, ,,
22–23	त-89,748	,, ,, (वा सह) 2 प्रतिया	,, ,, ,,2 copıes	—	,, ,,
24	नो-78	,, ,, (वा सह)	,, ,, ,,	कीर्तिसूरि	,, ,,
25–6	प्रा-126-27	श्रावश्यकसूत्र स्तुति स्तोत्र स्मरणादिसह 2 प्रतियां	Āvaśyaka ūtra Stutı-Stotra with Smaranādı 2 copıes	—	,, ,,
27–30	इ-569,787 901,1228	,, ,, 4 प्रतिया	,, ,, ,, 4copıes	—	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु आचार साहित्य	प्रा	67	33 × 13 × 13 × 50	स भाष्य गा 2517 ग्र 3000	1675–80	
"	"	68	34 × 14 × 13 × 61	" " "	17वी	
"	स	155	34 × 14 × 13 × 57	स ग्र 7000	17वी	
"	"	64	26 × 12 × 18 × 45	त्रुटक	19वी	
प्रतिक्रमणादि षडावश्यकागम गाथायें	प्रा स	15	27 × 11 × 13 × 50	प्रतिपूर्ण हैं	16 वी	
"	प्रा	8,10	28 × 12–13	"	"	
"	"	13	27 × 11 × 10 × 35	"	"	
"	"	8	26 × 11 × 11 × 40	"	"	
"	प्रा मा	10	26 × 11 × 15 × 37	"	1672	
"	प्रा स मा	18	26 × 11 × 4 × 35	"	1729	
"	प्रा मा	30	25 × 11 × 11 × 43	"	1735	
"	"	21,9,4, 10,8,8	25से28 × 10 × 12	पूर्ण/अपूर्ण हैं	19वी	सामान्य
"	"	3,11	27 × 12 व 25 × 10	प्रति पूर्ण	18वी	"
"	"	14,21	26 × 12 व 22 × 13	"	19वी	"
"	"	40,74, 91	22से27 × 11से13	"	19, 20वी	
"	"	35,8	26 × 11 व 27 × 12	"	"	
"	"	7	27 × 13 × 12 × 53	अपूर्ण	18वी	
"	प्रा स मा	14,76	24 × 10 व 26 × 11	प्रतियां पूर्ण	19/20वी	सामान्य
"	"	46,115, 132,20	21से28 × 11से13	"	"	"

1	2	3	3 A	4	5
31	त-593	श्रमण दैनिक प्रतिक्रमणसूत्र	Śramana Dainika Pratikramana Sūtra	—	मू ग
32–4	त-134,136 1007	,, ,, ,, 3प्रतियां	,, ,, ,, 3copies	—	,,
35	गो-588	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
36	ट-833D	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
37	त-133	श्रमण अतिचार प्रतिक्रमण गाथा	,, Aticāra ,, Gāthā	—	,,
38	धा-105	,, ,, ,, ,,	,, ,, ,, ,,	—	,,
39	त-86	श्रावक षडावश्यक (बा सह)	Śrāvaka Sadāvaśyaka(with Bālā)	—	मू +बा (ग प)
40	गो 83	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,, ,,
41	धा-107	श्रावक षडावश्यक गाथायें	,, ,, Gāthāyen	—	मू (ग प)
42	लो-325	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,, ,,
43	त-795	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,, ,,
44	त-98	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,, ,,
45–6	लो-81,84	,, ,, ,, 2प्रतियां	,, ,, ,,2copies	—	मू +ट
47	,, 694	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	मू ग
48–9	त-132, 1185	,, ,, ,, 2प्रतियां	,, ,, ,,2copies	—	मू ग प
50	धा-5	,, ,, का बालावबोध	,, ,, kā Bālāvabodha	—	गद्य
51–2	लो-80,306	प्रतिक्रमणसूत्र विधिसह 2प्रतियां	Pratikramana Sūtra with Vidhi 2 copies	—	मू ग
53	गो-162	प्रतिक्रमणसूत्र विधिसह	Pratikramana Sūtra with Vidhi	—	ग
54	धा-77	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
55	त-1042	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
56	,, 421	चउवीसस्तव-बालावबोध	Cauvisastava Bālāvabodha	—	,,
57	,, 86	आवश्यकनियुक्ति	Āvaśyaka Niryukti	भद्रबाहु	प
58	धा-55	,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु आवश्यक	प्रा	19*	22 × 9 × 11 × 39	सम्पूर्ण	15वी	पगाम सज्भाय
,,	,,	2,3,3	26से27 × 11से12	,,	19/20वी	,, ,,
,,	,,	2	26 × 12 × 14 × 40	,,	1874	,, ,,
,,	,,	5	27 × 12 × 10 × 26	,,	18वी	,, ,,
,,	प्रा मा	9	26 × 11 × 8 × 19	,,	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 17 × 34	,,	19वी	प्रथम पन्ना अन्य है
,,	,,	32	26 × 11 × 11 × 40	स ग्र 981	1516	
,,	,,	30	27 × 12 × 6 × 33	स	16वी	
,,	प्रा	8	26 × 11 × 11 × 40	,,	17 वी	
,,	,,	6*	27 × 13 × 11 × 45	,,	17 वी	प्रथम पन्ना कम है
,,	,,	11	28 × 12 × 9 × 39	प्रतिपूर्ण है	1698	
,,	,,	11	25 × 11 × 9 × 40	,,	1702	
,,	प्रा मा	27,15	26 × 12 व 27 × 13	,,	1769 1858	
,,	प्रा	10	25 × 12 × 15 × 27	,,	18वी	
,,	प्रा मा	11,11	25 × 11 व 27 × 12	,,	19/20वी	
आगम व्या मा	मा	43	34 × 14 × 13 × 55	स ग्र 1500	1525	
,,	प्रा मा	11,14	27 × 12	,, /त्रुटक	18वी	
षडावश्यक साहित्य	मा	8	28 × 13 × 13 × 60	अपूर्ण	,,	
,,	,,	15	26 × 11 × 15 × 44	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 13 × 67	लगभग पूर्ण	1874	
लोगस्स का अर्थ	,,	7*	27 × 12 × 15 × 44	सपूर्ण	19वी	
षडावश्यक साहि	प्रा	72	26 × 11 × 14 × 44	स पीठिका से प्रत्याख्यान	15वी	
,,	,,	69	27 × 12 × 15 × 51	स ग्र 3015	14वी	प्रथम दो पन्ने पर चित्र, 28 वा पन्ना नही

1	2	3	3 A	4	5
59	ट्र-795	आवश्यक निर्युक्ति	Āvaśyaka Niryukti	भद्रबाहु	प
60	त-106	" "	" "	"	"
61	ना-77	" "	" "	"	"
62	था-65	" "	" "	"	"
63	त-74	" "	" "	"	"
64	था-68	विशेषावश्यक-भाष्य	Viśeṣāvaśyaka Bhāṣya	जिनभद्र क्षमाश्रमण	"
65	" 69	" "वृत्ति प्रथमखण्ड	" "Vṛtti 1st vol	म हेमचन्द्र	ग
66	" 70	" " " "	" " " "	"	"
67	त-1,2	" " वृत्ति	" " Vṛtti	"	"
68	ट्र-713	" " "	" " "	"	"
69	था-66	आवश्यकवृत्ति प्रदेश व्याख्या टिप्पणक	Avaśyaka Vṛtti Pradeśa Vyākhyā Tippanakam	"	"
70	त-91	" " "	" "	"	"
71	त-66	आवश्यकचूर्णि	Āvaśyaka Cūrṇi	—	"
72	था-207	श्रमणोपासक प्रतिक्रमण चूर्णि	Śramaṇopāsaka Pratikramaṇa Cūrṇi	आ विजयसिंह	"
73	था-71	आवश्यकबृहत्वृत्ति	Āvaśyaka Bṛhat Vṛtti	आ हरिभद्र	"
74	ट्र-772	" वृत्ति	" Vṛtti	मलयगिरि	"
75	था-72	" "	" "	"	"
76	त-283-84	" (वृत्तिसह)	" (with Vṛtti)	—/तिलकाचार्य	मू+वृ (प ग)
77	था-67	" "	" "	—/तिलकाचार्य	" "
78	त-69	" "	" "	तिलकाचार्य	" "
79	" 595	आवश्यक निर्युक्ति की अवचूरि कथासह	Āvaśyaka Niryukti ki Avacūri with Kathā	मेरुतुङ्ग शिष्य	ग
80	लो-321	आवश्यक की अवचूरि	Āvaśyaka ki Avacūri	अज्ञात	"
81	त-105	षड्विध आवश्यक वृत्तिसह (वृन्दारुवृत्ति)	Ṣadvidha Āvaśyaka with Vṛtti (Vṛndāru Vṛtti)	—/देवेन्द्रसूरि	मू+वृ (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
षडावश्यक साहित्य	प्रा	93	27 × 12 × 13 × 46	स गा 2550	1572	
,,	,,	86	26 × 11 × 13 × 47	स	16वी	
,,	,,	61	29 × 12 × 15 × 55	म गा 2550	16वी	
,,	,,	78	32 × 13 × 13 × 65	स	1673	
,,	,,	2	25 × 11 × 13 × 38	,,	16वी	
,,	,,	98	32 × 12 × 13 × 55	,, गा 3625/ग्र 4410	17वी	
,,	स	331	33 × 13 × 13 × 68	,, ग्र 1400	17वी	अभयदेवसूरि-शिष्य
,,	,,	348	33 × 12 × 13 × 59	,,	17वी	
,,	,,	655	33 × 13 × 13 × 50	स ग्र 25000	1675–80	भाष्य गा 3622 की व्याख्या है, 714 की व्याख्या नही की गई
,,	,,	188	30 × 14 × 21 × 75	म	1661	
,,	,,	102	32 × 13 × 13 × 62	स ग्र 4720	1673	
,,	,,	85	26 × 11 × 16 × 50	,, ,, ,,	18वी	
,,	प्रा	398	27 × 12 × 15 × 52	स दोनो खड ग्र 18000	1661	
,,	,,	108	33 × 13 × 13 × 53	स ग्र 4590	17वी	शतिमुणि के शिष्य
,,	स	540	32 × 13 × 13 × 62	म ग्र 22000	1669	
,,	,,	385	30 × 13 × 17 × 64	स दो खड ग्र 34300	1661	प्रथम खड 12300 + द्वि 22000
,,	,,	503	32 × 12 × 13 × 62	सपूर्ण	1676	
,,	प्रा म	342	31 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण दोनो खड	1568	
,,	,,	322	32 × 13 × 13 × 62	सपूर्ण	17 वी	
,,	,,	306	26 × 11 × 15 × 44	स ग्र 12325	18वी	प्रथम पन्ना कम है
,,	स	62*	22 × 9 × 13 × 52	अ द्वि वरवरिका गा 356	15वी	
,,	,,	7	28 × 13 × 19 × 70	स 63 गाथा की	1622	
श्रावकावश्यक अनुष्ठान विधि	प्रा स	40	26 × 11 × 16 × 77	म ग्र 2720	15वी	

1	2	3	3 A	4	5
82	ट्र-793	षड्विध श्रा की वृत्ति(वृन्दारुवृत्ति)	Sadvidha Āvaśyaka ki Vṛtti (Vṛndāru Vṛtti)	देवेन्द्रसूरि	ग
83	ह्र-290	षड्विध श्रावश्यक वृत्तिसह ,,	,, ,, with ,,	—/ ,,	मू + वृ
84	त-90	षड्विध श्रावश्यक की वृत्ति ,,	,, ,, ki ,,	देवेन्द्रसूरि	ग
85	श्रा-75	,, ,, ,,	,, ,, ,, ,,	,,	,,
86	जो-79	,, ,, ,,	,, ,, ,, ,,	,,	,,
87	श्रा-19	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
88	था-218	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
89	ह-800	षड्विध श्रावश्यक वृत्तिसह(,,)	,, ,, with Vṛtti (,,)	,,	मू + वृ ग
90	त-286	षड्विध श्रावश्यक की वृत्ति(,,)	,, ,, ki ,, (,,)	,,	ग
91	,, 1106	षड्विध श्रावश्यक वृत्तिसह(,,)	,, ,, with ,, (,,)	,,	मू + वृ ग
92	श्रा-72	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र-टीका	Śrādha Pratikramana Sūtra Tikā	रत्नशेखर	गद्य
93	लो-508	साधु प्रतिक्रमणसूत्र वृत्ति	Sādhu ,, ,, Vṛtti	जयचन्द्रसूरि	,,
94	ह्र-833A	,, ,, वृत्तिसह	,, ,, ,,with Vṛtti	तिलकाचार्य	मू + वृ ग
95	श्रा-8	हेतु गर्भप्रतिक्रमण विधि	Hetu Garbha Pratikramana Vidhi	जयचन्द्रसूरि	गद्य
96-7	था-89,214	,, ,, 2 प्रतियाँ	. ,, 2 copies	,,	,,
98	श्रा-310	श्रावश्यक विधि	Āvaśyaka Vidhi	जिनवल्लभ	मू पद्य
99	था-318	,, ,,	,, ,,	,,	,,
100	त-601	साधुप्रतिक्रमण वार्त्तिक व पाक्षिक-सूत्र वृत्तिसह	Sādhu Pratikramana Vārttika & Pāksika Sūtra with Vṛtti	-/यशोदेवसूरि (पाक्षिक-सूत्र की)	मू + वृ ग
101	ह्र-1242	पाक्षिकसूत्र	Paksika Sūtra	—	मू ग
102	था-105	,,	,, ,,	—	,,
103	ह्र-218	,, (वृत्तिसह)	,, ,, (with Vṛtti)	—/यशोदेवसूरि	मू + वृ ग
104	त-92	,, ,	,, ,, ,,	,,	,,
105	था-192	पाक्षिकसूत्र	,, ,, ,,	—	मू ग

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावकावश्यक (अनुष्ठान) विधि	म	41	27 × 11 × 21 × 65	स ग्र 2720	1497	
,,	प्रा स	57	27 × 11 × 18 × 51	सपूर्ण	16वी	कथासह
,,	स	52	26 × 11 × 17 × 70	अ ग्र 2720	1618	
,,	,,	31	26 × 11 × 21 × 70	,, ,,	16वी	
,,	,,	60	27 × 12 × 16 × 50	,, ,,	16वी	
,,	,,	62	25 × 11 × 17 × 50	,, 2700	1693	
,,	,,	51	32 × 12 × 16 × 62	सपूर्ण	17वीं	
,,	प्रा म	57	27 × 12 × 16 × 60	म ग्र 2720	18वी	
,,	स	62	27 × 12 × 17 × 48	म ग्र 2728	18वी	
,,	प्रा म	12	26 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण	19वी	अतिम 12 पेन्ने हैं (99 से 110 तक)
,,	स	144	26 × 11 × 15 × 56	म 5 अधिकार	19वी	अर्थदीपिकानाम्नी
षडावश्यक साहित्य	,,	15	27 × 12 × 18 × 68	म	16वी	
,,	प्रा स	25	27 × 12 × 15 × 49	,,	16वी	
,,	,,	21	26 × 11 × 15 × 55	,,	1506	
,,	,,	25,27	32 × 12 व 33 × 13	,,	17वीं	
प्रतिक्रमण समाचारी	प्रा	202*	38 × 5 × भिन	सपूर्ण 40 गाथा 13	13वी	ताडपत्र पर
,,	,,	3	27 × 12 × 11 × 30	,, ,,	19वी	
साधु आवश्यक	प्रा म	132	23 × 9 × 10 × 52	स ग्र 2700 (पाक्षिक)	14वी	प्रशस्ति/वारं विहारिभि 217 मशोधित म 1180 की रचना
,,	प्रा	8	25 × 12 × 18 × 55	स	16वी	
,,	,,	9	27 × 12 × 13 × 57	,,	16वी	
,,	प्रा स	57	26 × 11 × 15 × 53	म ग्र 3100	1637	
,,	,,	60	26 × 11 × 15 × 61	स ग्र 2700	1657	
,,	प्रा	9	26 × 11 × 15 × 45	स ग्र 3360	1697	

1	2	3	3 A	4	5
106	डू-439	पाक्षिकसूत्र	Paksika Sūtra	—	मू ग
107	त-95	,, खामणासह	,, with Khāmanā	—	,,
108	त-73	,, ,,	,, ,,	—	,,
109	त-93	,, ,,	,, ,,	—	मू + ट ग
110	त-137	,, ,,	,, ,,	—	मू ग
111	डू-443	पाक्षिक सूत्र	,,	—	मू + ट ग
112-115	डू-461,570 902,130	,, 4 प्रतियाँ	,, 4 copies	—	मू ग
116	था-119	,,	,,	—	,,
117	डू-1020	,, —अवचूरि	,, Avacūri	—	गद्य
118	डू-114	साधु श्राद्धपाक्षिक अतिचार	Sādhu Śrāddha Pāksika Aticāra	पूर्वाचार्य	मू (ग)
119	लो-420	साधु पाक्षिक अतिचार	,, Pāksika Aticārā	—	गद्य
120	त-1187	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
121	त-1268	,, ,, ,,+प्रत्याख्या-नादि	,, ,, ,,+Pratyākhyānādi	—	,,
122	त-645	श्रावक पाक्षिक अतिचार	Śrāvakī ,, Aticāra	—	,,
123	था-174A	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
124	लो-314	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
125-129	डू-9,98, 605,657, 937	,, ,, ,, 5 प्रतियाँ	Śrāvaka Pāksika Aticāra 5 copies	—	,,
130-131	लो-224, 382	,, ,, ,, 2 ,,	,, ,, ,,2 copies	—	,,
132-135	त-745, 1035, 1063, 1231	,, ,, ,, 4 ,,	,, ,, ,,4 copies	—	,,
136	त-1057	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
137	त-798	श्रावक प्रतिक्रमण (वन्दतु)	,, Pratikramana (Vanditu)	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु आवश्यक	प्रा	7	27 × 11 × 14 × 44	स	1753	
,,	,,	9	25 × 10 × 14 × 38	अ पन्ने 3 से 11	1763	प्रथम 2 पन्ने कम है
,,	,,	15	26 × 11 × 11 × 34	स	1781	
,,	प्रा मा	23	24 × 11 × 17 × 35	,,	19वी	
,,	प्रा	21	26 × 11 × 8 × 30	,,	19 वी	
,,	प्रा मा	15	25 × 12 × 8 × 36	,,	18वी	
,,	प्रा	10,10, 20,34*	25से27 × 11–12	अ /अ /स /स	19वी	
,,	,,	8	27 × 12 × 17 × 55	स	19वी	
,, साहित्य	स	7	29 × 10 × 18 × 95	,,	16वी	
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 17 × 64	,,	15वी	प्रचलित से भिन्न वृत्ति नुमा
,, ,,	मा	3	21 × 11 × 12 × 32	,,	19वी	
,, ,,	,,	5	26 × 12 × 10 × 36	,,	19वी	
,, ,,	प्रा मा	17*	26 × 11 × 14 × 47	अ /स	19वी	
श्रावक प्रायश्चित्त पाठ साहित्य	मा	5	25 × 12 × 16 × 42	स	1644	
,,	,,	8	25 × 11 × 11 × 32	,	1716	
,,	,,	11	28 × 11 × 9 × 31	,,	1727	
श्रावक प्रायश्चित्त पाठ	,,	6,64,7, 6	24से26 × 11–12	सपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	8,7	29 × 12 व 26 × 11	स /अ	1849	दूसरी प्रति मे 2 पन्ने
,,	,,	5,6,7,6	24से27 × 11–12	स /अ	19/20वी	पक्खी सूत्र के अंतिम का पाठ प्रचलित से भिन्न
पक्खी प्रतिक्रमण पाठ	प्रा	22*	27 × 12 × 11 × 41	त्रुटक	19वी	प्रचलित से भिन्न
श्रावक दैनिक आवश्यक	,,	7*	26 × 11 × 14 × 51	सपूर्ण	1677	

1	2	3	3 A	4	5
138	त-131	श्रावक प्रतिक्रमण (वन्दितु) सूत्र अवचूरिसह	Śrāvaka Pratikramana (Vanditu) Sūtra (with Avacūri)	—	मू अ (प ग)
139	त-99	श्रावक प्रतिक्रमण वन्दितुसूत्र	,, ,,Vanditu Sūtra	—	मू + ट (प ग
140	था-130	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,, ,,
141–143	त-100, 750,998	,, ,, ,, 3 प्रतियां	,, ,, ,, 3 copies	—	,, ,,
144	था-51	ललितविस्तरा	Lalitavistarā	हरिभद्र	गद्य
145	आ-79	,,	,,	,,	,,
146	था-49	ललितविस्तरा की पंजिका	,, ki Pañjikā	मुनिचन्द्रसूरि	,,
147	आ-74	,, ,,	,, ,,	,,	,,
148	इ-785	,, ,,	,, ,,	,,	,,
149	त-103	चैत्यवन्दन-महाभाष्य	Caitya Vandana Mahābhāsya	शांताचार्य	मू प.
150	था-139	,,	,, ,,	,,	,,
151	था-7	,,	,, ,,	,,	,,
152	इ-1142	चैत्यवन्दन + गुरुवन्दन + प्रत्याख्यान भाष्यत्रय (अवचूरिसह)	Caityavandana, Guruvandana Pratyākhyāna Bhāsya Traya (with Avacūri)	देवेन्द्रसूरि	मू अ (प ग)
153	त-72	चैत्य + गुरु + प्रत्या भाष्यत्रय	Cai + Guru + Pratyā Bhāsyatraya	,,	मू प
154	आ-164	,, ,, ,, ,,(अवचूरिसह)	,, ,, ,,(with Avacūri)	,,	मू अ (प ग)
155	त-797	,, ,, ,, ,,	,, ,, ,, ,,	,,	,, ,,
156	नो-138	चैत्य गुरुव प्रत्या भाष्यत्रय	,, ,, ,, —	,,	मू प
157	त-1186	,, ,, ,, ,,	,, ,, ,, —	,,	,,
158	था-162	चैत्यगुरुवन्दन भाष्यत्रय	,, Bhāsya traya	,,	,,
159	त-537	चैत्य + गुरुवंदन + प्रत्याख्यान भाष्यत्रय	Cai + Guru + Pratyā Bhāsyatraya	,,	मू ट (प ग)
160	था-126	प्रत्याख्यान-भाष्य	Pratyākhyāna Bhāsya	,,	,, ,,
161	था-115 + 117	चैत्य + गुरु + प्रत्याख्यान भाष्यत्रय	Cai + Guru + Pratyā Bhāsyatraya	,,	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र दैनिक	प्रा म	9	26 × 13 × 14 × 32	स 50 गाथा	19वी	
"	प्रा मा	4	26 × 11 × 18 × 38	स 43 "	"	
"	"	10	27 × 12 × 3 × 37	स 50 "	"	
"	"	3,2,3	21से26 × 10–11	म 50 "	19/20वी	
चैत्यवन्दन सूत्रो की वृत्ति	स	18	26 × 12 × 19 × 70	म ग्र 1270	16वी	
"	"	24	26 × 11 × 16 × 56	म ग्र 1370	19वी	
" पदमंजिका	"	31	27 × 12 × 17 × 65	स	16वी	
" "	"	30	29 × 11 × 19 × 58	"	18वी	
" "	"	52	33 × 13 × 17 × 58	"	"	
चैत्यवदन पर भाष्य साहित्य	प्रा	24	26 × 11 × 15 × 52	म 910 गा ग्र 1180	16वी	
"	"	27	33 × 13 × 13 × 58	" "	17वी	
"	"	26	33 × 14 × 13 × 50	" "	19वी	
"	प्रा स	9	27 × 12 × 22 × 45	स	15वी	
"	प्रा	5	26 × 11 × 12 × 50	"	1503	
"	प्रा म	6	26 × 11 × 30 × 60	"	16वी	
"	"	9	27 × 12 × 15 × 35	म गाथा 152	1596	
"	प्रा	8*	28 × 13 × 14 × 58	म " 145	1604	
"	"	6	26 × 12 × 14 × 42	स " 145	1612	
भाष्यत्रय	"	7*	26 × 11 × 14 × 57	सम्पूर्ण	1635	
चैत्यवदन पर भाष्य साहित्य	प्रा मा	13	27 × 12 × 16 × 37	स 62+41+48गा	1646	
"	"	6	27 × 11 × 6 × 38	म 58 गाथा	1701	
"	"	19	26 × 11 × 10 × 33	म	"	

1	2	3	3 A	4	5
162	त-71	चैत्य + गुरु + प्रत्याख्यान भाष्यत्रय	Cai + Guru + Pratyā Bhā syatraya	देवेन्द्रसूरि	मू + ट. (प ग)
163-164	त-101,658	,, ,, ,, 2 प्रति	,, ,, ,,2copies	,,	मू प
165	श्रा-7	,, ,, ,,	,, ,,	,,	,,
166	था-120	चैत्य + गुरु भाष्यद्वय	,, Bhāsya Dvaya	,,	,,
167	था-14	चैत्यवन्दन-भाष्य	Caitya Vandana Bhāsya	,,	,,
168	दू-1161	गुरुवन्दन-भाष्य	Guru Vandana Bhāsya	,,	,,
169	था-114	प्रत्याख्यान-भाष्य	Pratyākhyāna Bhāsya	,,	,,
170	दू-361	चैत्य + गुरु + प्रत्या भाष्यत्रय वार्तिकसह	Cai + Guru + Pratyā Bhā syatraya with Vārttika	देवेन्द्र/ज्ञानविमल	मू + वा (प ग)
171	था-62	चैत्य गु प्र + ईर्यापथिक की चूर्णि	Chai ,Guru Pra + Īryāpathika Cūrni	यशोदेवसूरि	गद्य
172	त-102	गु प्र भाष्य + ईर्या चूर्णि	Guru ,Pra ,Bhāsya + ,, ,,	,,	,,
173	दू-426	चै गु प्र भाष्य + वंदितु वृत्ति	Chai ,Guru ,Pra , ,, + Vanditu Vṛtti	तिलकाचार्य	,,
174	श्रा-40	,, ,,	,, ,,	,,	,,
175	त-1262	चैत्यवन्दन-भाष्य अर्थ व विधि	Chaitya Vandana Bhāsha Artha & Vidhi	—	,,
176	दू-594	प्रत्याख्यान-भाष्य (वृत्तिसह)	Pratyākhyāna Bhāsya (with Vṛtti)	/अज्ञात	मू + वृ ग
177	था-197	चैत्यवन्दन (शक्रस्तव) अधिकार	Chaitya Vandana (Śakra-Stava) Adhikāra	बृहत्भाष्यानुसारे	मू प
178	था-61	चैत्यवन्दनक-विवरण	Chaitya Vandanaka Vivarana	जिनेश्वराचार्य	गद्य
179	दू-356	दस पच्चक्खाण	Dasa Paccakkhāna	—	मू ग
180-182	त-786, 926 1203	,, 3 प्रतियाँ	,, 3 copies	—	,,
183	दू-529	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
चैत्यवदन पर भाष्य साहित्य	प्रा. मा	17	26 × 11 × 5 × 41	स गाथा 152	1769	अंत मे 25 गाथा का सम्यक्त्व स्तवन
,,	प्रा.	8,12*	26 × 11 व 33 × 15	स	18वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 42	,,	18वीं	तीसरा पन्ना कम है
,,	,,	5	27 × 12 × 15 × 38	,,	18वी	अंत मे दो लघुस्तोत्र है
,,	,,	3	33 × 14 × 13 × 31	स 72 गाथा	17वी	
,,	,,	3	26 × 13 × 14 × 38	स. 27 ,,	19वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 11 × 38	सं 57 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	52	26 × 12 × 12 × 41	स	19वी	
,,	प्रा	79	27 × 12 × 12 × 50	स ग्र 2110	1669	
,,	,,	34	26 × 13 × 13 × 50	सं ग्र 1406	18वी	
,,	स	18	26 × 13 × 13 × 55	स ग्र 550+250	1904	भाष्यत्रय देवेन्द्रसूरि का नहीं है
,,	,,	14	31 × 11 × 15 × 57	,, ,,	19वी	,, ,,
,,	प्रा	11	27 × 14 × 10 × 21	अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा स	4	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा	6	30 × 11 × 11 × 33	स 87 गाथा	1693	
,,	स	35	26 × 12 × 11 × 45	स	19वीं	
प्रत्याख्यान प्रतिज्ञा पाठ	मा	3	25 × 11 × 13 × 35	,,	19वी	
,,	,,	1,2,3	25–26 × 11–12	2 सपूर्ण/1 अपूर्ण	1873/19वी	साथ मे 4 सग्रह गाथा
,, साहित्य	मा	5	27 × 12 × 18 × 45	संपूर्ण	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	डु-193A	अगचूलिका	Aṅgacūlikā	—	मू ग
2	„ 259	„	„	—	„
3	था-94	अगविद्या	Aṅgavidyā	—	„
4	त-654	आतुर-प्रत्याख्यान	Ātura Pratyākhyāna	—	मू प
5	„ 389	आराधना पताका (भगवती सम्मता)	Ārādhanā Patākā (Bhagavati Sammatā)	—	„
6	डु-566	गणिविद्या	Gaṇividyā	—	„
7	ना-125	चतुःशरण (बालावबोधसह)	Catuhśarana (with Bālāvabodha	वीरभद्र/भावप्रिय	मू +बा (ग प)
8	त-281	„ „	„ „	„ / —	„ „
9	नो-255	„ „	„ „	„ / —	„ „
10	आ-157	„ (अवचूरिसह)	„ (with Avacūri)	„ / —	मू +अ (प ग)
11	ला-239	चतुःशरण	„	वीरभद्र	मू.प
12	था-382	„	„	„	„
13 14	डु-1183 1282	„ 3 प्रतियाँ	„ 2 copies	„	„
15	त-1038	„	„	„	„
16	„ 497	„ (अवचूरिसह)	„ (with Avacūri)	„ / —	मू +अ.(प ग)
17	डु-960	„ (पंजिकासह)	„ (with Pañjikā)	„ / —	मू.+पंजि („)
18-22	त-558, 560,557, 1056, 1142	चतुःशरण 5 प्रतियाँ	„ 5 copies	वीरभद्र	मू.+ट („)
23-25	डु-78,353, 839	„ 3 „	„ 3 „	„	„
26-27	नो-334, 310	„ 2 „	„ 2 „	„	„
28-32	था-229, 323,334, 404,462	„ 5 „	„ 5 „	„	मू प
33-36	र-392,559 555,547	„ 4 „	„ 4 „	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
सामुद्रिक शरीर निमित्त	प्रा	13	26 × 11 × 20 × 62	स	16वी	
	,,	15	28 × 13 × 17 × 57	लगभग पूर्ण	19वी	
	,,	332	26 × 10 × 11 × 47	म ग्र 9000	1669	
	,,	5*	34 × 16 × 16 × 47	स 68 गाथा	18वी	
	,,	24	27 × 12 × 15 × 57	स 1165 गाथा	16वीं	
आचार्य-गुण	,,	3	27 × 11 × 13 × 50	म 83 गाथा	16वी	
	प्रा मा	5	30 × 12 × 21 × 70	स ग्र 340	,,	अपरनाम कुशलानुबध
	,,	10	23 × 11 × 13 × 41	म	,,	
	,,	3	28 × 12 × 16 × 50	अ 27 गाथा तक ही	,,	
	प्रा म	6	26 × 11 × 15 × 32	स 63 गाथा	1545	
	प्रा	3	26 × 12 × 13 × 44	,, ,,	16वी	
	,,	4	24 × 12 × 11 × 37	म	,,	
	,,	9,3*	26 × 12 × 27 × 12	,,	,,	
	,,	3	27 × 12 × 10 × 37	अ 14 से 64 गाथा	1637	
	प्रा स	7	31 × 14 × 19 × 80	म 63 गाथा/ग्र 500	1682	
	,,	11	27 × 11 × 18 × 50	स	1878	विषमपद विवरण
	प्रा मा	10,6,5, 13,2	25से27 × 11–12	स 63 गाथा	1757/ 19–20वी	अंतिम प्रति अपूर्ण
	,,	11,5,* 9	25–29 × 11–12	स	19/20वी	
	,,	7 7	27 × 14 व 26 × 13	,,	1764/1861	
	प्रा	4,2,3,2, 3	24से27 × 10से12	,,	19/20वीं	
	,,	12*,3, 3,6,	22से27 × 11से13	,,	1849/19- 20वी	

1	2	3	3 A	4	5
37	दू-355	चतु शरण	Catuhśarana	वीरभद्र	मू प
38	लो-156	"	"	"	"
39	आ-411	चउशरणासंधि	Causaranā Sandhi	चरित्रसिंह	पद्य
40	आ-95	"	"	"	"
41	दू-1181	जम्बूद्वीप-प्रकरण	Jambūdvipa Prakarana	—	मू +ट (प ग)
42	दू-563	तदुलवचारिक	Tandula Vaicarika	—	"
43	ना-327	पर्यन्तआराधना	Paryanta Ārādhanā	सोमसूरि	मू प
44	न-220	"	" "	"	"
45	दू-1321	"	" "	"	"
46-48	न-221,366 1004	" 3 प्रतियां	" , 3 copies	"	"
49-50	न-702,799	" 2 "	" " 2 "	"	मू +ट (प ग)
51	बा-479	" (बालावबोधसह)	,,(with Bālāvabodha)	" / —	मू बा "
52	न-222	" "	Paryanta Ārādhanā Bālāv-abodha	—	ग
53	" 157	पिंडविशुद्धि	Pinda Viśudhi	जिनवल्लभ/	मू प
54	दू-638	" (दीपिकासह)	" (with Dipikā)	" /उदयसिंह	मू +दी (प ग)
55	" 833 A	" "	" "	जिनवल्लभ/ "	" "
56	ना-196	पिंडविशुद्धि	"	जिनवल्लभ/	मू प
57	न-650	, (वृत्तिसह)	" (with Vrtti)	जिनवल्लभ/यशोदेव	मू वृ (प ग)
58	धा-121	पिंडविशुद्धि	"	जिनवल्लभ	मू प
59	लो-145	" (बालावबोधसह)	,,(with Bālāvabodha)	जिनवल्लभ/—	मू +बा (प ग)
60	न-1145	पिंडविशुद्धि	"	"	मू प
61	लो-146	"	"	"	"
62	न-1274	"	"	"	मू ट (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
	प्रा	4	25 × 12 × 11 × 34	म	1905	
	,,	4	24 × 10 × 10 × 35	,,	20वी	
	अपभ्रन्श	7	26 × 11 × 13 × 45	स 192 गाथा	,,	
	,,	7	26 × 11 × 14 × 45	अ 20 से 191 गाथा	,,	
भूगोल	प्रा मा	10	26 × 12 × 5 × 35	म 127 गाथा	,,	प्रथम पन्ना कम है
	,,	15	27 × 11 × 11 × 40	सम्पूर्ण	1569	
अन्तसमय साधना	प्रा	7	28 × 12 × 8 × 30	स 70 गाथा	16वी	
,,	,,	4	27 × 11 × 14 × 38	,, ,,	1658	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 45	म 69 गाथा	18वी	
,,	,,	4,8,3	25–26 × 12	स 70–71 गाथा	1863+ 19/20वी	
,,	प्रा मा	8,8	28 × 13 व 27 × 12	म 71 गाथा ग्र 200	1865+ 19वी	
,,	,,	8	27 × 12 × 14 × 45	स	19वी	
,,	मा	4	27 × 12 × 12 × 44	सम्पूर्ण	1532	
साधु आहार नियम	प्रा	5	26 × 12 × 11 × 40	म 103 गाथा	15वी	
,,	प्रा म	8	27 × 12 × 20 × 68	,, ,,	1502	
,,	,,	25*	27 × 12 × 15 × 49	सम्पूर्ण	16वी	
,,	प्रा	7	27 × 11 × 12 × 33	,,	1562	
,,	प्रा स	33	35 × 15 × 21 × 72	म ग्र 2800	16वी	
,,	प्रा	4	27 × 12 × 14 × 51	सम्पूर्ण	,,	
,,	प्रा मा	29	29 × 13 × 12 × 43	,, 104 गाथा	,,	
,,	प्रा	5	27 × 12 × 11 × 40	98 गाथा तक ही	,,	केवल अतिम 5 गाथा कम
,,	,,	6	27 × 12 × 11 × 40	म 103 गाथा	1652	
,,	प्रा मा	9*	26 × 11 × 9 × 34	अ 38 से 103 गाथा	1654	अत मे सिद्धान्तसुविचार गाथा

1	2	3	3 A	4	5
63	ग्रा 10	पिण्डविशुद्धि (दीपिकासह)	Pinda Visudhi (with Dipikā)	जिनवल्लभ/उदयसिंह	मू +दी (प ग)
64	न-161	"	"	जिनवल्लभ	मू प
65	जो-232	" की अवचूरि	" ki Avacūri	श्रीचन्द्रसूरि	गद्य
66	" 256	" "	" "	—	"
67	ग्रा-185	" की दीपिका	" ki Dipikā	—	"
68	इ-1025	भक्तपरिज्ञा	Bhakta Parijñā	वीरभद्र	मू प
69	न-561	"	"	"	"
70	ग्रा-69	"	"	"	"
71	जो-175	मरणविधि	Marana Vidhi	—	"
72	या-202	सारावली	Sārāvali	—	"
73	इ-1028	सिद्धप्राभृत (अवचूरिसह)	Sidhaprābhṛa (with Avacūri)	—	मू +अ (प ग)
74	न-562	संस्तारक	Sanstāraka	—	मू प
75	" 556	"	"	—	मू +ट (प ग)
76	" 653	" (बालावबोधसह)	",(with Bālāvabodha)	—	मू +बा "
77	जो-124	प्रकीर्णक (पइन्ना) संग्रह	Prakirnaka (Painnā) Sangraha	सकलन	मू प
78–79	या-8,48	" ",2 प्रतियां	" ", 2 copies	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु आहार नियम	प्रा स	16	27 × 12 × 15 × 50	स. 103 गाथा	18वीं	
,,	प्रा.	3	27 × 12 × 15 × 52	,, 104 ,,	19वीं	
आगम व्या सा	स	5	26 × 12 × 23 × 96	स	16वीं	
,,	,,	9	28 × 12 × 20 × 63	सं 102 गाथा की	17वीं	प्रथम पत्रा कम
,,	,,	8	27 × 21 × 21 × 60	,, 103 ,,	1502	
अतिम साधना	प्रा	5	28 × 12 × 22 × 50	सं 136 गाथा	1639	
,,	,,	7	26 × 12 × 13 × 48	,, 171 ,,	1762	
,,	,,	16*	26 × 11 × 10 × 43	,, 172 ,,	19वीं	
,,	,,	21	28 × 12 × 13 × 57	,, 661 ,,	1572	
देवपूजादि उपदेश	,,	4	32 × 12 × 13 × 53	,, 114 ,,	19वीं	
	प्रा स	16	28 × 11 × 17 × 29	,, 118 ,,	18वीं	
	प्रा	4	28 × 12 × 15 × 42	,, 120 ,,	1620	
	प्रा मा	18	27 × 11 × 12 × 41	,, 121 ,,	1621	
	,,	4	34 × 16 × 19 × 55	,, 120 ,,	18वीं	
आतुर प्रत्याख्यान, भक्तपरिज्ञा स स्तारक, चउशरणा	प्रा	15	31 × 11 × 13 × 44	सं 4 प्रकीर्णक	16वीं	
(653) मरण-विहि, (175) चन्दवेध्यक, (63) चउशरणा, (84) आतुर प्रत्याख्यान (73) भक्तपरिज्ञा, स स्तारक, तन्दुलवैचारिक, महाप्रत्याख्यान (142), (43) वीरस्तव, (85) गणिविद्या, 260 आराधना पताका, (129) कवचद्वार	प्रा.	58,72	27 × 12 × 34 × 14	,, 12 ,,	1507/1673	

1		3	3 A	4	5
80	ह-1253	प्रकीर्णक (पइन्ना) संग्रह	Prakirnaka (Painnā) Saṅgraha	संकलन	मू प
81	श्रा-24	" "	" "	संकलन	"
82	ह-84	" "	" "	संकलन	"

6	7	8	8 A	9	10	11
(301) देवेन्द्र-स्तव, 171 भक्त-परिज्ञा, 59 आतुर प्रत्याख्यान, (660 मरणविधि	प्रा	59	27 × 12 × 15 × 48	स 4 प्रकीर्णक	18वी	
(63) चउशरणा, (172) भक्त-परिज्ञा, (60) आतुरप्रत्याख्यान, (121) स स्तारक तन्दुलवैचारिक, (174) चन्द्र-वेध्यक, (307) देवेन्द्रस्तव, (86) गणिविद्या, (142) महा-प्रत्याख्यान, (45) अजीवकल्प, (760) मरण-विधि	प्रा	115	26 × 11 × 12 × 28	स 11 प्रकीर्णक	1840	
(63) चउशरणा, (171) भक्त-परिज्ञा, (59) आतुरप्रत्याख्यान, (121) स स्तारक तन्दुलवैचारिक, (175) चन्द्र-वेध्यक, (86) गणिविद्या, (143) महा-प्रत्याख्यान, (43) वीरस्तव, (45) अजीवकल्प, (138) गच्छा-चार, (653) मरणविधि, 300 देवेन्द्र-स्तव	प्रा	42	27 × 11 × 16 × 84	स 17 प्रकीर्णक	18वी	पर्यनाआराधना 63, जीवविभक्ति+2 आपठनीय

1	2	3	3 A	4	5
1	आ-132	अट्ठारह पापस्थान सज्झाय	Athāraha Pāpasthana Sajjhāya	उ यशोविजय	पद्य
2	न-479	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
3	,, 476	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
4	,, 1032	,, ,, ,,	,, ,, ,,	ऋषिब्रह्म	,,
5–7	इ-551, 846,948A	अध्यात्मकल्पद्रुम (शान्तरस भावना 3 प्रतियाँ	Adhyātma Kalpadruma (ŚāntarasaBhāvanā) 3copies	मुनिसुन्दर	मू प
8	इ-703	,, (वृत्तिसह)	,, ,, (with Vṛtti)	मुनिसुन्दर/रत्नचन्द्र	मू + वृ (प ग)
9	न-632	,,	,, ,,	मुनिसुन्दर	मू प
10	इ-358	अध्यात्मगीता	Adhyātma Gitā	देवचद	मू + ट (प ग)
11	,, 1376	अध्यात्म द्वात्रिंशिका	,, Dvātriṁśikā	—	पद्य
12	,, 142	,, बत्तीसी	,, Battisi	बनारसीदास	,,
13	,, 1314	,, बिन्दु	,, Bindu	हर्षवर्धन	,,
14	लो-624	अनित्यकथा	Anitya Kathā	—	गद्य
15	न-525	अष्टफलकथा	Astaphala Kathā	—	पद्य
16	इ-1168	अन्तरंगकुटुम्बकम्	Antaranga Kutumbakam	—	,,
17–18	,, 600, 1185	आगम आत्मापक सग्रह 2प्रतियाँ	Āgama ĀtmāpakaSangraha 2 copies	—	गद्य
19	न-545	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग प
20–21	इ-590, 1164	आगमसार 2 प्रतियाँ	Āgama Sāra 2 copies	देवचन्द	ग
22	आ-1	आत्मोद्धारगाथा	Ātmoddhāra Gāthā	—	प
23–27	न-368, 511,1061 1157, 1258	आगमसार 5 प्रतियाँ	Āgamasāra 5 copies	देवचन्द	,,
28	न-130	आचारोपदेश	Ācāropadeśa	चरित्रसुन्दर	,,
29	इ-341	आत्मकरणी (ज्ञानक्रिया)संवाद	Ātmakarani (Jñānakriyā) Saṁvāda	जिनमहिमासमुद्र	,,
30	व 3 गु 22	,, संवाद	,, Saṁvāda	महिमासमुद्र	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विभिन्न पापो की समीक्षा	मा	5	26 × 12 × 15 × 44	स 18 ढालें	19वी	
पाप विश्लेपण स्वाध्याय	„	14*	25 × 13 × 17 × 46	„ „	1858	
„	„	10	27 × 12 × 13 × 26	„ „	1905	
„	„	18	26 × 12 × 11 × 35	स 18 गीत	19वी	प्रथम पन्ना कम है
आध्यात्मिक विवेचन	स	19,8, 10	27 × 12-12	स 276–8 श्लो ग्र 450	16वी	
„	„	62	26 × 11 × 16 × 52	स ग्र 2459	1677	वृत्ति 'कल्पलता' नाम्नी
„	„	12	27 × 11 × 13 × 54	स 278 श्लो /9भावना	19वी	
„ औपदेशिक	मा	6	27 × 13 × 23 × 45	स 49 छन्द	1754	
„ „	स	2	26 × 12 × 13 × 42	स 32 श्लोक	19वी	
„ „	हि	2	27 × 11 × 12 × 33	स 32 गाथा	„	
आत्मस्वरूप	स	5	27 × 12 × 15 × 47	स 32 × 4 अध्या = 128 श्लोक	1739	प्रथम पन्ना कम है
औपदेशिक	मा	7	21 × 12 × 10 × 36	स	1950	सामान्य
„	„	24	25 × 13 × 17 × 35	„	1910	देवपूजा यावत् परोपकार
„	स	9*	22 × 13 × 12 × 24	स 25 श्लोक	19वी	
आगम उद्धरण	प्रा	2,13	26 × 11 व 27 × 12	प्रति पूर्ण	18वी	
„	„	2	27 × 12 × 12 × 38	„	20वी	
शास्त्रो का साराश	मा	34,55	27 × 12 व 27 × 13	स ग्र 2000	19/20वी	
औपदेशिक तात्त्विक	प्रा	202*	38 × 5 × भिन्न-भिन्न	स 71 गाथा	13वी	ताडपत्र पर
शास्त्रो का साराश	मा	27,79, 15,8, 12	26से29 × 12–13	प्रथम 2 स , अतिम3अ	19/20वी	
पूजातपादि विधिसह	स	6	26 × 11 × 20 × 52	स 6 वर्ग	18वी	रत्नसिंह का शिष्य
सैद्धान्तिक ज्ञान-क्रिया	मा	8	26 × 10 × 8 × 49	स 9 ढालें, 217 गाथा	1796	
समाधान	„	35	10 × 10 × 10 × 12	„ „ 219 „	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
31	ठू-1272	आत्मनिंदा	Ātmanındā	ज्ञानसार	गद्य
32	त-920	„	„	„	„
33-36	ठू-1066, 1186, 1064, 246A	आत्मप्रबोध 4 प्रतियां	Ātmaprabodha 4 copies	म जिनलाभसूरि	„
37	ठू-308	„ कुलक	„ Kulaka	जयशेखर	मू + ट (प ग)
38	„ 1377	„ छत्तीसी	„ Chattısı	ज्ञानसार	पद्य
39	लो-231B	„ „	„ „	„	„
40	त-641	„ „	„ „	„	„
41	लो-512	आत्मप्राप्ति-विधि	Ātmaprāptı Vıdhı	—	गद्य
42	त-387	„ „	„ „	—	„
43	ठू-286	आत्मशिक्षा	Ātma Śıkṣā	लावण्यकीर्ति	पद्य
44	व 3 ग 1	आत्मस्वाध्याय	„ Svādhyāya	दयानन्द	„
45	ठू-860	आत्मानुशासन	Ātmānuśāsana	पार्श्वनाग	„
46	त-526	आत्मावबोध वचनिका	Ātmāvabodha Vacanıkā	—	गद्य
47	„ 654	आदिनाथ देशना	Ādınātha Desanā	—	पद्य
48	„ 796	„	„	—	„
49	„ 199	आराधना	Ārādhanā	—	मू + ट (प ग)
50	ठू-458	„ (बालावबोधसह)	„ (with Bālāvabodha)	—	मू + बा („)
51	त-272	आराधना	„	—	गद्य
52-54	त-198, 1025,273	„ 3 प्रतियां	„ 3 copies	—	„
55	त-598	„ कुलक विधिसह	„ Kulaka with Vıdhı	—	मू प ग
56	ठू गु 41	आलोचना छत्तीसी	Ālocanā Chattısı	समयसुन्दर	„
57	ठू-1378	आहारविधि-छत्तीसी	Āhāra Vıdhı Chattısı	जिनहर्ष	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्ञानक्रिया समाधान	मा	3	26 × 12 × 14 × 40	सपूर्ण	1879	
,,	,,	2	27 × 12 × 15 × 52	,,	19वी	
सामान्य धार्मिक ग्रन्थ	स	142, 172, 147, 164	24से27 × 11से13	,, 4 प्रकाश	1852से1900	1833 की कृति
औपदेशिक	प्रा मा	8	26 × 12 × 13 × 41	,, 43 गाथा	18वी	
,,	मा	7*	27 × 12 × 12 × 29	,, 36 छन्द	1870	
,,	,,	7*	28 × 13 × 15 × 48	,, 36 गाथा	1870	
,,	,,	11*	23 × 11 × 12 × 35	,, ,, ,,	1907	
आध्यात्मिक	,,	7	27 × 12 × 10 × 35	सपूर्ण	1773	सामान्य
,,	,,	11	28 × 12 × 10 × 27	,,	1873	,,
औपदेशिक काव्य	,,	16*	25 × 10 × 9 × 39	स 27 छन्द	19वी	
,, समत्व पर	,,	3	15 × 12 × 17 × 14	,, 40 गाथा	18वी	
आध्यात्मिक	स	2	26 × 12 × 15 × 56	,, 77 श्लोक	,,	
आत्मस्वरूप, बन्धनादि	मा	7	24 × 13 × 20 × 52	सम्पूर्ण	1810	अत मे देवचन्द्रकृत 3 सज्झायें
औपदेशिक	प्रा	5*	34 × 16 × 16 × 47	स 88 गाथा	18वी	
,,	,,	18*	27 × 12 × 6 × 38	अपूर्ण	19वी	मध्य से अत तक 8 पन्ने
साधु आदि आचार	प्रा मा	6	27 × 13 × 10 × 39	स 71 गाथा	1906	
श्रावक अतिचार	,,	12	27 × 12 × 11 × 28	अपूर्ण	19वी	प्रचलित से भिन्न
,,	,,	5	27 × 12 × 15 × 45	सपूर्ण	,,	
,,	मा	6,8,5	25से27 × 12–13	,,	19/20वी	
आचार	प्रा मा	5*	25 × 12 × 12 × 35	स 19 गाथा	17वी	
,,	मा	गुटका	16 × 14 —	,, 36 पद	1690	
साधु आहार नियम	,,	2	26 × 13 × 15 × 46	,, 36 पद	19वी	अत मे 2 स्तवन

1	2	3	3 A	4	5
58	न-892	आहारानाहारादि-विचार	Āhārānāhārādı Vıcāra	—	गद्य
59	,, 598	इग्यारह उपासक पडिमा	Igyāraha Upāsaka Padımā	—	,,
60	,, 744	इन्द्रियपराजय-शतक	Indrıya Parājaya Śataka	—	पद्य
61	,, 381	,,	,, ,, ,,	—	,,
62–63	,, 205, 249	,, 2 प्रतियाँ	,, ,, ,, 2 copies	—	,,
64	खा-115	,,	,, ,, ,,	—	,,
65	ला-140	,,	,, ,, ,,	—	मू + ट (प ग)
66–69	त-893, 888, 877, 1062	उठामणा-श्लोकार्थ 4 प्रतियां	Uthāmanā Ślokārtha 4 ,,	—	मू व्या
70	हृ-354	,,	,, ,,	—	,,
71	,, 1236	उत्तरमांगलिकमाला	Uttara Māngalıka Mālā	—	गद्य
72	,, 117	उत्पत्तिबहुत्तरी	Utpattı Bahuttari	श्रीसार	पद्य
73	,, 286	,,	,, ,,	,,	,,
74	न-431	उपदेशतरङ्गिणी	Upadeśa Tarangını	रत्नमन्दिरगणि	गद्य
75	,, 535	उपदेश-पद	,, Pada	हरिभद्र	मू प
76	,, 533	,, (वृत्तिसह)	,, ,, (with Vṛttı)	हरिभद्र/मुनिचंद्र	मू + वृ (प ग)
77	खा-97	उपदेशपद	,, ,,	हरिभद्र	मू
78	,, 93	,, की वृत्ति	,, ,, ki Vṛttı	वर्द्धमान	गद्य
79	न-1030	उपदेशप्रसाद	,, Prasāda	—/ लक्ष्मीसूरि	मू + ट (ग)
80	हृ-377	उपदेश-बत्तीसी	,, Battısı	जिनराजसूरि	पद्य
81	न-348	,, बारहखड़ी	,, Bārahakhadi	पाण्वदास	,,
82	,, 504	,, माला (वृत्तिसह)	,, Mālā (with Vṛttı)	धर्मदास/[illegible]	मू + वृ (प ग)
83	हृ-945	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, /—	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ष्याभक्ष्य विवेचना	मा	2	27×12×17×55	सम्पूर्ण	19वी	सामान्य
श्रावकाचार	प्रा	5*	25×12×12×35	स 11 अनुच्छेद	17वी	
विषयो पर उपदेश	,,	4	28×12×14×46	स 101 गाथा	1618	
,,	,,	14*	27×12×12×35	,, 100 ,,	1648	
,,	,,	4,5	27×12×26×12	,, 99-100 गाथा	18वी	
,,	,,	4	28×12×12×50	,, 103 गाथा	,,	
,,	प्रा मा	9	27×12×5×40	अ 8वी गाथा से अत तक	,,	प्रथम पन्ना कम
मृत्यु शोक सभा उपदेश	स मा	2,2,2,3	26-27×12-13	सम्पूर्ण	19/20वी	सामान्य
,,	,,	2	26×11×9×40	,,	1931	,,
सामान्य धार्मिक उपदेश	मा	15	27×15×13×40	प्रति पूर्ण	19वी	
औपदेशिक	,,	15*	25×12×14×50	स 72 छन्द	,,	
,,	,,	16*	25×10×9×39	,, ,,	,,	
दान भक्ति आदि उपदेश	स	32	28×12×18×64	म 5 तरग	1539	
औपदेशिक	प्रा	31	27×12×13×48	स अ 1250	16वी	
,,	प्रा स	244	27×12×17×62	,, ,, 15000	,,	
,,	प्रा	31	32×12×13×54	,, गा 1040 ग्र 1200	19वी	
,,	स	151	32×12×13×58	,, ग्र 6513	,,	
,,	स मा	547	27×14×9(6)×38	स्तभ 6,7,9,10,13, 14,17	1898	142 पन्नो मे 9 लकीरें शेष मे 6
,,	मा	2	24×11×14×40	स 32 छन्द	1885	
,,	,,	4	27×13×9×33	,, 36 ,,	19वी	1899 की कृति
,,	प्रा अप	113	30×12×13×50	,, गा 544 ग्र 5000	1516	प्रथम 2 पन्नो पर चित्र हैं, महावीर एव गौतम के
,,	प्रा स	69	27×12×20×65	,, गा 544	1518	

1	2	3	3 A	4	5
84	ग्रा-165	उपदेशमाला	Upadesa Mālā	धर्मदासगणि	मू प
85	टू-330	,, (ग्रवचूरिसह)	,, ,,(with Avacūri)	,,	मू + ग्र (प ग)
86-88	न-551, 553,1039	,, 3 प्रतियाँ	,, ,, 3 copies	,,	मू प
89	लो-469	,,	,, ,,	,,	,,
90	घा-33	,,	,, ,,	,,	,,
91	नो-171	,,	,, ,,	,,	,,
92	घा-186	,,	,, ,,	,,	,,
93-97	त-549, 474,552, 1165, 1272	,, 5 प्रतियाँ	,, ,, 5 copies	,,	,,
98-100	घा-28,38, 40	,, 3 ,,	,, ,, 3 ,,	,,	,,
101-104	ग्रा-5,6, 168,176	,, 4 ,,	,, ,, 4 ,,	,,	,,
105-106	टू-107, 284	,, 2 ,,	,, ,, 2 ,,	,,	मू ट (प ग)
107	लो-485	,,	,, ,, —	,,	,,
108-111	त-1137, 1051, 1085, 1230	,, 4 ,,	,, ,, 4 ,,	,,	मू प
112	टू-602	,,	,, ,, —	,,	मू ट (प ग)
113	,, 1346	,, — सज्झाय	,, ,, Sajjhāya	—	गद्य
114	त-554	,, की ग्रवचूरि	,, ,, kī Avacūri	जयशेखर	,,
115	,, 550	,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
116	ग्रा-2	उपदेशमाला का विवरण	,, ,, kā Vivarana	—	,,
117	न-548	,, की वृत्ति	,, ,, kī Vṛtti	सिद्धर्षि	,,
118	टू-963	,, ,, (दोघट्टी)	,, ,, ,,(Dodhatti)	—	प ग
119	लो-192	उपदेशमाला-सज्झाय	,, ,, Sajjhāya	जिनहर्ष	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	29	26 × 11 × 11 × 39	स गा 544	1624	
,,	प्रा स	26	31 × 11 × 10 × 50	,, ,, ,, म ग्र 677	1625	
,,	प्रा	28,20, 20	27 × 12 × विभिन्न	,, ,, ,,	16/17वी	
,,	,,	21	26 × 10 × 14 × 40	स 544 गाथा, ग्र 700	17वी	
,,	,,	27	26 × 12 × 11 × 43	,, 543 गाथा	17वी	
,,	,,	22	27 × 13 × 13 × 40	,, 544 ,,	1672	
,,	,,	24	29 × 11 × 11 × 41	,, 543 ,,	1701	
,,	,,	23,21, 20,36, 17	26 से 28 × 11–12	,, 540-544 गाथा	19वी	अन्तिम प्रति कुछ अपूर्ण
,,	,,	27,24, 33	26–27 × 12	,, 541-544 ,,	18वी	
,,	,,	21,29, 33,31	25से27 × 11–12	,, 542-544 ,,	19/20वी	
,,	प्रा मा	109 93	25 × 12 व 27 × 12	,, 544 गाथा	1824–25	प्रथम प्रति कथासह
,,	,,	57	26 × 11 × 6 × 42	,, 543 गथा	1816	कथासह, कथा सूची सहित
,,	प्रा	10,17, 124,4	25से28 × 11–12	अपूर्ण	1688 और 18/19वी	
,,	प्रा मा	2,3	25 × 12 × 11 × 29	राई पोरसी गाथा 33मात्र	19वी	
,,	मा	2	27 × 13 × 12 × 55	राई पोरसी का अर्थ	19 वी	
,,	स	27	27 × 12 × 15 × 62	स 542गा की ग्र 1400	15वी	1845 मे भण्डारकरण
,,	,,	24	27 × 12 × 16 × 61	,, 541गा की ग्र 1405	16वी	
,,	,,	263	28 × 5 × भिन्न-भिन्न	सपूर्ण	12वी	ताडपत्र पर, जीर्ण है
,,	,,	97	27 × 12 × 13 × 54	स 538 गाथा पर	16वी	
,,	स प्रा	147	25 × 11 × 13 × 60	अपूर्ण	18वी	
,,	मा	5*	28 × 3	स 33 छन्द	1942	

1	2	3	3 A	4	5
120	त-228	उपदेशरत्नकोश(बालावबोधसह)	Updesa Ratnakośa (with Bālāvabodha)	पद्मजिनेश्वरसूरि/–	मू +बा (प ग)
121	ढू-1182	,, ,,	,, ,, ,,	,, /—	,,
122	त-742	,,	,, ,,	—	मू +ट (प ग)
123	,, 515	,,	,, ,,	पद्मजिनेश्वरसूरि	,,
124	ढू-1270	,,	,, ,,	,,	,,
125	,, 610	,,	,, ,,	—	पद्य
126	त्ना-218	,,	,, ,,	पद्मजिनेश्वरसूरि	मू प.
127	ढू-845	उपदेशरत्नाकर	,, Ratnākara	मुनिसुन्दर	गद्य
128	खा-52	,, भगवती वृत्ति	, ,, Bhagavati Vrtti	,,	,,
129	ढू-1312	उपदेश सत्तरी	,, Sattari	श्रीसार	पद्य
130	भ्रा 90B	,, सप्तति	,, Saptati	—	,,
131	ढू-16	,, सप्ततिका	,, Saptatikā	सोमधर्मगणि	गद्य
132	त-1170	,, सार	,, Sāra	—	,,
133	,, 692	उपमिति भवप्रपंच-कथा	Upamiti Bhavaprapañca Kathā	सिद्धमुनि (सिद्धर्षि)	,,
134	,, 630	ऋषिमण्डलसूत्र	Rasimandala Sūtra	धर्मघोष	मू प
135	,, 629	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	,,	मू अ.(प ग)
136	खा-27	ऋषिमण्डल	Rsimandala	,,	मू प.
137–138	त-631, 1008	,, -सूत्र 2 प्रतियां	,, -Sūtra 2 copies	,,	,,
139	ढू-12	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
140	खा-405	,,	,,	,,	मू प
141	त-1178	,,	,,	,,	,,
142	,, 1092	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vrtti)	धर्मघोष/पद्ममन्दिर	मू +वृ (प ग)
143	मो-478	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,, /—	मू +बा (,,)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा मा	4	27×12×13×40	स 25 गाथा	1525	
,,	,,	7	27×12×9×36	,, 25 ,,	16वी	
,,	,,	6*	27×12×7×44	,, 27 ,,	18वी	
,,	,,	3	27×13×5×30	,, 26 ,,	1841	
,,	,,	2	25×12×7×42	,, 26 ,,	1875	
,,	प्रा	23*	26×11	,, 36 ,,	19वी	
,,	,,	5	28×12×8×33	,, 36 ,,	19वी	
,,	स	128	27×12×17×63	मध्य अधिकार, चौथा अश 12 तरग ग्र 7675	18वी	
,,	,,	160	26×12×15×50	अ मध्य अध्य 2 अश 9 तरग तक	17वी	
,,	मा	3	24×12×14×28	अ 71 छन्द	19वी	
,,	स	5	26×11×15×43	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	1	25×11×13×42	बारहवें अधिकार से	19वीं	अभयदेवसूरि प्रबन्ध
औपदेशिक गृहस्थ सम्बन्धी भी	,,	63	26×13×15×51	सपूर्ण	1799	
औपदेशिक	,,	286	28×12×17×55	स 8 प्रस्ताव ग्र 1600	18वी	
,,	प्रा	13	26×12×11×32	,, 223 गाथा	15वी	
,,	प्रा म	13	27×12×10×33	,, 215 ,,	16वी	लिपिक देवसार मुनि
,,	प्रा	11	27×12×11×36	,, 220 ,,	16वी	
,,	,,	15,18	26×12 व 27×12	स 228/227 गाथा	18वी	
,,	प्रा मा	84	25×11×17×42	सम्पूर्ण	1802	कथा सहित
,,	प्रा	10	26×11×11×47	,, 211 गाथा	19वी	छठा पन्ना कम
,,	,,	9	27×12×11×45	अ 197 गाथा तक	16वी	
,,	प्रा स	150	27×12×15×66	अ बीच के पन्ने हैं	18वी	प्रथम पन्ना भी नहीं हैं
,,	प्रा मा	90	27×12×16×42	,, ,,	19वी	,, ,,

1	2	3	3 A	4	5
144	न-1177	ऋषिमण्डलसूत्र	Ṛasimandala	धर्मघोष	मू प
145	ह-1143	„ की वृत्ति	„ ki Vṛtti	पद्ममन्दिर	गद्य
146	धा-182	„ „	„ „	शुभवर्धन	„
147	ह-971	„ की टीका(कथा)भाग1	„ ki Tikā (Kathā) Part I	हर्षनन्दन	„
148	„ 972	„ „ „ 2	„ „ „ 2	„	„
149	„ 248	„ की कथायें	„ ki Kathāyen	—	„
150	न-1073	„ (वृत्तिसह)	„ (with Vṛtti)	धर्मघोष/—	मू +वृ (प)
151	„ 901	औपशमादिकभाव व गुणस्थान	Aupaśamādika Bhāva & Gunasthāna	—	गद्य
152	ह-1298	कर्मक्षय व सिद्धस्वरुप	Karmaksaya& Siddha Svarūpa	—	पद्य
153	„ 1023	कर्पूरप्रकर	Karpūraprakara	—	„
154	„ 1049	„ (कथासह)	„ (with Kathā)	—	प ग
155	„ 556	„ (बालावबोधसह)	„ (with Bālāvabodha)	—/ सुमेरुसुन्दर	मू +बा (प ग)
156	आ-187	„	„	—	„
157	नो-502	कर्मग्रन्थ प्राचीन 1 व 3से6+ सार्द्ध शतक	Karmagrantha (Old) 1&3 to 6+Sārddha Śataka	गर्ग1,जिनवल्लभ4+सा, शिवशर्मा 5, चन्द्रर्षि 6	मू प
158	„ 503	सार्द्धशतक (सूक्ष्मार्थ विचार) टिप्पणक	Sārddha Śataka (Sūksamārtha Vicāra) Tippaankam	—	टिप्पणी
159	„ 184	कर्मग्रंथ प्राचीन1 व4 व सार्द्ध शतक	Karmagrantha(Old)1&4+ Sārddha Śataka	गर्ग(1), जिनवल्लभ(4)	मू प
160	न-593	„ „ 2,4 „	„ (Old)2+4+ „ „	— „	„
161	धा-219	„ „ 1,2,5,6	„ „ 1 2,5,6+ „ „	गर्ग, शिवशर्मा, चन्द्रर्षि 1 5 6	„
162	„ 414	„ „ 2 (अवचूरिसह)	„ „ 2 (with Avacūri)	—	मू +अ (प ग)
163	न-596	कर्मग्रंथ प्राचीन चार (वृत्तिसह)	„ „ 4th (with Vṛtti)	जिनवल्लभ/हरिभद्रसूरि	मू +वृ („)
164	आ-1	„ „ „ —	„ „ „ —	जिनवल्लभ	मू प
165	धा-332	„ „ „	„ „ „	„	„
166	आ-44A	„ „ 5 शतक की चूर्णि	„ „Sataka 5th ki Cūrni	—	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	9	27 × 12 × 11 × 37	अ 174 गाथा तक	19वी	
,,	म	148	27 × 12 × 15 × 55	स ग्र 7290	17वी	
,,	,,	363	32 × 12 × 13 × 55	म ग्र 18000	17वी अन	
,,	,,	86	28 × 14 × 16 × 40	म 30 कथायें	20वी	
,,	,,	102	26 × 13 × 15 × 50	स 50 कथायें	,,	
,,	,,	130	26 × 12 × 15 × 40	म द्वितीय अवमर तक	1865	
,,	प्रा म	335	26 × 12 × 13 × 46	अ 520-185=335	18वी	वीच के 185 पन्ने (240से496)नही
,,	मा	2	27 × 12 × 11 × 38	मम्पूर्ण	19वी	मामान्य
शुद्धात्मा तात्त्विक वर्णन	स	8	22 × 12 × 10 × 28	अ 37 श्लोक	,,	
औपदेशिक	,,	13	30 × 11 × 16 × 61	स 183 श्लोक	16वी	
,,	,,	36	26 × 11 × 16 × 48	मम्पूर्ण	1855	
,,	स मा	37	26 × 12 × 15 × 46	अ 27 से 128 पन्ने	18वी	
,,	स	5	28 × 11 × 17 × 70	अ 141 श्लोक तक	19वी	
कर्मसाहित्य	प्रा	29*	28 × 12 × 13 × 44	168,23,86,111,93, 157	14/15वी	विपाक1, शतक5, वध-म्वामित्व3आगमिकवस्तु विचार4+सत्तरी6जीर्ण
,,	,,	34	28 × 12 × 15 × 48	अ 14 से 151 गाथा तक	,, ,,	जीर्ण
,,	,,	11	32 × 13 × 15 × 58	म 168,57 54,86 159 गाथा	16वीं	विपाक1,म्नव2,वधम्वा-मित्व3, आगमिक वम्तु-विचारमार 4
,,	,,	19	24 × 10 × 11 × 39	म 57,86,157 गाथा	15वीं	अत मे माधु-प्रतिक्रमण
,,	,,	13	33 × 13 × 13 × 52	म 166,57,107,91गाथा	17 वी	
,	प्रा स	3	27 × 12 × 12 × 34	स 52 गाथा	,,	
कर्मसिद्धान्त माहित्य	,,	87*	23 × 9 × 11 × 44	स 86 गा ग्र 950	15वी	आगमिक वम्तु विचार मार प्रशम्ति है
,,	प्रा	202*	38 × 5 × भिन्न-भिन्न	मम्पूर्ण	13वी	ताड़पत्र पर
,,	,,	2	26 × 11 × 27 × 42	स 86 गाथा	अ	
,,	,,	36	33 × 13 × 16 × 68	म ग्र 2200	15वी	

1	2	3	3 A	4	5
167	आ-71	कर्मग्रथन प्राची 6शतक सप्ततिका (सत्तरी)	Karmagrantha (Old)Śataka 6th Saptatikā (Sattari)	चन्द्रर्षि	मू प
168	त-201	,, ,, 6 ,, सप्ततिका	,, (Old) Śataka 6th Saptatikā	,,	,,
169	टू-947	,, नया 1 से 6 (टीकासह)	, (New) 1to6(with Tīkā)	देवेन्द्रसूरि 1-5/चद्रर्षि 6, स्वोपज्ञ 1-5,मलयगिरि 6	मू + वृ (प ग)
170	,, 1153A	,, ,, 3 (वृत्तिसह)	,, ,, 3rd (with Vṛtti)	देवेन्द्रसूरि/स्वोपज्ञ	,,
171	,, 1134	,, ,, 1से5 (,,)	,, ,, 1to5 ,,	,, / ,,	,,
172	त-659	,, ,, 2से6 —	,, ,, 2to5 —	देवेन्द्र	मू प
173	ना-176	,, ,, 5 (शतक)	,, ,, 5 (Śataka)	,,	,,
174	त-682	,, ,, 5 ,,	,, ,, 5 ,,	,,	,,
175	लो-646	,, ,, 1	,, ,, 1	,,	,,
176	आ-108	,, ,, 1से6	,, ,, 1 to 6	देवेन्द्र + चद्रर्षि	,,
177	नो-191	,, ,, 1से4	,, ,, 1 to 4	देवेन्द्र	,,
178	त-383	,, ,, 1से4(बालावबोधसह)	,, ,, 1 to 4 (with Bālāvabodha)	,,	मू + बा (प ग)
179	टू-19	,, ,, 1से3	,, ,, 1 to 3	,,	मू + ट (,,)
180	, 1130	,, ,, 1से6	,, ,, 1 to 6	,,	मू प
181	,, 1140	,, ,, 1से6	,, ,, 1 to 6	,,	मू + ट (प ग)
182	,, 1131	,, ,, 1से6(बालावबोधसह)	,, ,, 1 to 6(with Bālāvabodha)	,,	मू + बा ,,
183-185	टू-95B, 156,892	,, ,, 1से4 3 प्रतियां	,, ,, 1 to 4 3 copies	,,	मू प
186	त-379	,, ,, 1से5	,, ,, 1 to 5	,,	मू + ट (प ग)
187	धा-87	,, ,, 1से6 (वृत्तिसह)	,, ,, 1 to 6(with Vṛtti)	देवेन्द्र,चद्रर्षि,/स्वोपज्ञ, मलयगिरि	मू वृ (,,)
188	टू-880	,, ,, 1से6 (,,)	,, 1 to 6 ,,	,, / ,,	,, ,,
189	त-1041	,, ,, 1से6 नव	,, ,, 1 to 6	देवेन्द्रसूरि	मू प
190	टू-130	,, ,, 1से6 ,,	,, ,, 1 to 6	,,	,,
191	टू-701	,, ,, 1से4 ,,	,, ,, 1 to 4	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्मसिद्धान्त साहित्य	प्रा	7	26×11×11×39	स 93 गाथा	19वी	
,,	,,	6	27×11×11×36	स 90 गाथा	,,	
,,	प्रा म	283	25×12×15×57	लगभग पूर्ण	16वी	प्रथम 4 पन्ने कम हैं
,,	,,	9	27×12×17×65	स 54 गा ग्र 650	1528	
,,	,,	168	27×13×17×60	स ग्र 10354	17 वी	
,,	प्रा	10	33×15×16×71	स 34+24+86+101 गाथा	,,	
कर्मसाहित्य	,,	6	32×13×10×52	स 100 गाथा	1562	
,,	,,	10	27×11×9×30	स 100 गाथा	16वी	
,,	,,	3	23×10×10×40	स 60 गाथा	18वी	
,,	,,	22	27×11×11×51	स	1695	
,,	,,	8	28×13×17×52	स 60+35+25+86 गाथा	1725	
,,	प्रा मा	27	26×12×17×55	स	1757	
,,	,,	26	25×10×7×37	,,	18वी	
,,	प्रा	32	28×13×11×37	,,	1828	
,,	प्रा. मा	66	26×12×4×42	,,	1837	
,,	,,	211	27×13×15×36	स. ग्र 8000	1803	
,,	प्रा	24,11,14	26से28×11से13	सं	1871/19वी	
,,	प्रा मा	29	26×12×13×35	,,	1874	
,,	प्रा.म	536	27×13×12×44	,,	19वी	
,,	,,	331	32×12×16×50	,,	,,	छठे कर्मग्रन्थ की केवल वृत्ति है
कर्मसिद्धान्त साहित्य	प्रा	12*	27×13 विभिन्न	,,	,,	
,,	,,	34*	27×12 ,,	,,	,,	
,,	,,	57*	27×12 ,,	स 207गाथा	1871	क्षेमरत्नमुनि

1		3	3 A	4	5
192–193	न-1153 1089	कर्मग्रन्थ नया 1से4 तक 2 प्रतियां	Karmagrantha (New) 1to4 2 copies	देवेन्द्रसूरि	मू प
194–195	ड्-1052 825	„ „ 1से4 (बालावबोधसह) 2 प्रतियां	„ (New) 1to4 (with Bālāvabodha) 2copies	देवेन्द्र/मतिचंद्र	मू +बा (प ग)
196–197	ड्-526, 506	„ „ 1से4 2 प्रतियां	„ „ 1 to 4 2 copies	देवेन्द्र	मू ट („)
198	न-986	„ „ 1से3	„ „ 1 to 3	„	मू प
199	धा-160	„ „ 1से3 व प्राचीन 4था	„ „ 1 to 3+Old 4th	देवेन्द्र/जिनवल्लभ	„
200	न-1169	„ „ 1से3	„ „ 1 to 3	„ /धर्ममुनि	मू +ट (प ग)
201	„ 1221	„ „ 1से2	„ „ 1 to 2	देवेन्द्र	मू प
202	धा-136	„ „ 1	„ „ 1	„	„
203	न-1003	„ „ 1	„ „ 1	„	„
204	नो-502	„ „ 1	„ „ 1	„	„
205	ड्-536	„ „ 1 (बालावबोधसह)	„ „ 1 (with Bālāvabodha)	देवेन्द्र/मतिचंद्र	मू +बा (प ग)
206	„ 541	„ 2 („)	„ „ 2 („)	„ „	मू +बा (ग प)
207	„ 538	„ „ 3 („)	„ „ 3 („)	„ „	„ „
208	„ 539	„ „ 4 („)	„ „ 4 („)	„ „	„ „
209	„ 540	„ „ 5 („)	„ „ 5 („)	„ „	„ „
210	„ 21	„ „ 4	„ „ 4	देवेन्द्र	मू +ट (प ग)
211	न-1247	कर्मग्रन्थ नया 5–6	„ „ 5–6	„	„ „
212	ड्-1146	„ „ 5	„ „ 5	„	मू प
213	न-380	„ „ 5	„ „ 5	„	„
214	ड्-998	„ 1 (लघुवृत्तिसह)	„ „ 1 (with Laghu Vṛtti)	„	मू +वृ (प ग)
215	त-674	„ (नये) की अवचूरि	Avacūri of New Karmagrantha	—	गद्य
216	ड्-1359	„ (नया) 1 की वृत्ति	Vṛtti of New Karmagrantha 1	देवेन्द्र	„
217	न-382	„ „ 1से5 का बालावबोध	Bālāvabodha of „New 1to5	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सिद्धांत साहित्य	प्रा	42*, 15*	26 × 12व24 × 11	म 207 गाथा	19वी	
,,	प्रा मा	78,117	25 × 12व27 × 13	सपूर्ण	1852/19वी	
,,	,,	12,29	26 × 11से12	,,	19वी	दूसरी प्रति किंचित अपूर्ण
,,	प्रा	8	26 × 12 × 11 × 40	,,	19वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 11 × 34	स 60,34,25,99	19वी	
,,	प्रा मा	33	27 × 12 × 3 × 35	तीसरा ग्रथ कुछ अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा	5	28 × 12 × 11 × 45	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 7 × 39	स 62 गाथा	19वी	
,,	,,	3	27 × 13 × 11 × 41	स 60 गाथा	19वी	
,,	,,	29*	28 × 12 × 13 × 44	अपूर्ण 20 गाथा	15वी	
,,	प्रा मा	53	26 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण 60 गाथा	19वी	
कर्मसाहित्य	,,	31	25 × 11 × 11 × 32	स 34 गा	19वी	
,,	,,	18	25 × 11 × 11 × 34	स 24 गा	19वी	
,,	,,	54	25 × 11 × 11 × 37	स 86 गा	19वी	
,,	,,	147	26 × 11 × 13 × 32	स 100 गा	19वीं	
,,	,,	26	25 × 11 × 4 × 22	स 86 गा	19वी	
,,	,	36	26 × 12 × 5 × 36	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा	21	27 × 13 × 11 × 42	स 100 गा	19वी	
,,	,,	9	27 × 12 × 9 × 31	स 100 गा	19वी	
,,	प्रा स	4	27 × 12 × 15 × 63	अपूर्ण केवल 4 श्लोक मात्र	18वी	
,,	स	27	31 × 12 × 22 × 85	स 378 गा की ग्र 2690	16वी	
,,	,	5	27 × 13 × 15 × 58	अपूर्ण	20वी	
,,	मा	27	27 × 12 × 17 × 55	सपूर्ण	1516	

1	2	3	3 A	4	5
218	झा-59	कर्मग्रन्थ (नये) 2-3 का बालावबोध	Karmagrantha (New) 2-3 kā Bālāvabodha	—	ग
219	नो-437	कर्मग्रन्थ (नया) 1 का बालावबोध	Karmagrantha (New) 1 kā Bālāvabodha	—	,,
220	टू-401	कर्मग्रन्थ रहस्य-संग्रह यंत्र	Karmagrantha Rahasya Sangraha Yantra	—	ग तालिकायें
221	टू-982	कर्मग्रन्थसार	Karmagrantha Sāra	—	ग
222	नो-630	कर्मछत्तीसी	Karma-Chattīsī	समयसुंदर	प
223	टू-286	,,	,,	,,	,,
224	टू-117	,,	,,	,,	,,
225	त-679	कर्मप्रकृति (संग्रहणी)	Karmaprakṛti (Sangrahanī)	—	मू प
226	झा-44B	,, की चूर्णि	,, kī Cūrni	जिनभद्र गणि	ग
227	त-680	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	मलयगिरि	,,
228	त-903	कर्मप्रकृति स्थिति आदि	,, Sthiti Ādi	—	तालिकायें
229	झा 467	कर्मबत्तीसी	Karma-Battīsī	लब्धिमुनि	प
230	त 437	कर्मबंधहेतु उदय त्रिभंगी (वृत्तिसह)	Karma bandha hetu udaya Tribhangi with Vṛtti	हर्षकुलगणि/आणंद विनय	मू + वृ (प ग)
231	त-785	कर्मसिद्धान्त-उद्धरण	Karma Sidhānta Uddharana	—	ग
232	झा 210	कर्मसंवेध भंग प्रकरण	Karmasamvedha Bhanga Prakarana	देवचंद (राजहंस का शिष्य)	प व यंत्र
233-34	टू-216,1245	कर्मों की 158 उत्तरप्रकृतियां 2 प्रति	Karmom kī 158 Uttara Prakṛtiyān (2 Copies)	—	ग
235	झा-123	कर्मों की 158 उत्तर प्रकृतियां	Karmom kī 158 Uttara Prakṛtiyān	—	,,
236	त-898	कर्मों के भेद स्थिति आदि	Karmom ke Bhed Sthiti Ādi	—	,,
237	टू-1275	कायस्थिति भावसंबधादिविचार	Kāyasthiti Bhāva sambandhādi vicāra	(आगमानुसारे)	,,
238	त 653	कायस्थिति-स्तोत्र (बालावबोध सह)	,, ,, Stotra (with Bālāvabodha)	—/कल्याण मुनि षट्कगच्छे	मू + बा (प ग)
239	त 634	,, ,, (,,)	,, ,, ,, ,,	—/ ,,	,,
240	झा 398	,, ,, (,,)	,, ,, ,, ,,	—	,,
241	झा 441	कायस्थिति-स्तोत्र	,, ,, ,,	—	मू (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म साहित्य	मा	8	27 × 11 × 16 × 63	सपूर्ण	1695	प्रति गुटक
,,	,,	15	28 × 12 × 11 × 38	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	28 × 14 × 22 × 57	सपूर्ण	19वीं	तीसरे ग्रथ का
,,	,,	4	27 × 11 × 23 × 50	,,	19वी	
औपदेशिक	,	2	25 × 12 × 12 × 42	,,	19वी	
,,	,,	16*	25 × 10 × 9 × 39	स 36 गाथा	19वी	
,,	,,	15*	25 × 12 × 14 × 50	स 36 गा	19वी	
कर्म साहित्य	प्रा	11	30 × 12 × 15 × 63	स 475 गा	16वी	
,,	स	100	33 × 13 × 15 × 67	स	1499	
,,	,,	155	31 × 11 × 16 × 50	स ग्र 8150	1468	
,,	मा	2	26 × 13 तालिका	स	20वी	सामान्य
,,	अ	2	27 × 12 × 12 × 37	स 32 गाथा	20वी	
,,	प्रा स	13	27 × 12 × 15 × 55	स 34 गा कुल ग्र 550	1662	प्रथम आदर्श
,,	स	2	21 × 12 × 16 × 54	स	1662	
,,	प्रा	13	25 × 12 × 13 × 37	स 174 गाथा	1771	राजहस का शिष्य
,,	मा	8,7	25 × 11व17 × 13	स	19/20वीं	
,,	,,	5	27 × 12 × 15 × 52	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 तालिका	,,	19वी	सामान्य
तात्त्विक	प्र स	4	27 × 12 × 17 × 60	अपूर्ण	19वी	
,, लोकस्वरूप	प्रा मा	5	26 × 12 × 15 × 42	सपूर्ण 24 गाथा	1714	वालाववोध 1712 की कृति
,, ,,	,,	9	27 × 12 × 12 × 42	,, ,, ,,	1751	
,, ,,	,,	4	26 × 11 × 18 × 45	,, ,, ,,	19वी	
,, ,,	प्रा	1	27 × 12 × 14 × 44	स	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
242	त-917	कायस्थिति-स्तोत्र	Kāyasthiti Stotra	—	मू प
243	,, 195	कायाजीव-सज्झाय	Kāyājiva Sajjhāya	—	पद्य
244	,, 870	कालसप्तति-सत्तरि	Kālasaptati Sattari	धर्मघोषसूरि	मू प
245	दा-415	,,	,, ,,	,,	मू +ट (प ग
246	लो-643	कृष्ण शुक्लपक्ष दंपति गीत	Krsna Śuklapaksa Dampati Gīta	—	पद्य
247	,, 634	केशीदृष्टान्त	Keśi Drstānta	—	गद्य
248	,, 511	क्रोधकथा	Krodha Kathā	—	मू प
249	त-1078	क्षमाछत्रीसी व कर्मछत्रीसी	Ksamā Chatrisī & Karma Chatrisī	समयसुन्दर	पद्य
250	जो-442	क्षमाछत्रीसी	Ksamā Chatrīsī	,	,,
251	त 191	,,	,,		,
252	? 286	,,	,	,,	,,
253	,, 117	,,	,	,	,,
254	,, 676	क्षुल्लक भवावलि प्रकरण (अवचूरिसह)	Ksullaka Bhavāvali Prakarana (with Avacūri)	—	मू +अ (प ग)
255	,, 258	खण्डषट्त्रिंशिका की वृत्ति	Khandasattrimśika ki Vrtti	रत्नसिंह	गद्य
256	,, 1255	गणधरवाद	Ganadhar Vāda	—	,
257	त-509	,, स्तवन	,, ,, Stavana	सकलचंद	,,
258	जा-429	गुणबावनी	Ganabāvani	उदेराज	पद्य
259	? 249	गुणमाला	Gunamālā	रामविजय	गद्य
260	जा 451	गुणस्थान (व 23 पदवी आदि)	Gunasthāna (& 23 Padavi Ādi)	—	,,
261	त-676	गुणस्थान	Gunasthāna	—	,,
262	,, 1029	गुणस्थान उपशम क्षपकश्रेणी विचार	,, Upaśama Ksapakaśreni Vicāra	—	,,
263	904	,, कर्महेतुत्रिभंगी स्तोत्र	,, Karmahetu Tribhangi Stotra	सकलचंद	पद्य
264	,, 342	,, कायस्थिति व कूटबोध	,, Kāyasthiti & Kucha Bodha	—	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक लोक स्वरूप	प्रा	2	27 × 12 × 13 × 46	मपूरण	19वी	
जड चेतन सवाद	मा	6	18 × 11 × 10 × 15	म 38 छद	19वी	
समय सबधी	प्रा	2	30 × 14 × 17 × 53	स 73 गाथा	17वी	देवेन्द्र का शिष्य
,,	प्रा मा	7	26 × 11 × 17 × 37	,, 74 गाथा	19वी	
औपदेशिक	मा	37*	27 × 11	,, 36 गाथा	19वी	
प्रदेशी प्रतिबोध	,	4	26 × 13 × 12 × 29	सपूर्ण	19वी	
कषाय त्याग उपदेश	प्रा	4	27 × 12 × 13 × 40	,, 105 गाथा	16वी	
औपदेशिक	मा	4	27 × 12 × 13 × 49	,, 36-36 पद	1742	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 35	,, 36 पद	19वी	
,,	,,	6	18 × 11 × 9 × 15	,, 36 पद	19वी	
,	,,	16*	25 × 10 × 9 × 39	,, 36 पद	19वी	
,,	,,	15*	25 × 12 × 14 × 50	,, 36 पद	19वी	
सैद्धान्तिक	प्रा स	2	25 × 10 × 19 × 58	म 24 गाथायें	19वी	
निगोदादि विवेचन	स	11	26 × 13 × 13 × 40	सपूर्ण	1884	मूलकर्ता अभयदेव
तात्त्विक समाधान	,,	4	27 × 11 × 24 × 65	,,	16वी	
,, व भक्ति	मा	2	27 × 12 × 15 × 49	,,	19वी	
औपदेशिक	,,	9*	26 × 11 × 16 × 36	म 59 छद	19वी	
तीर्थंकर आर्यादि सपदा	प्रा स	72	25 × 12 × 14 × 44	मपूर्ण	1883	दयासिह का शिष्य 1817 की कृति
गुण स्थानो का 25 द्वारो से विवेचन	मा	9	27 × 13 × 17 × 52	,,	1874	
आध्यात्मिक स्तर विवेचन	,	12	30 × 15 × 15 × 24	,,	20वी	
,,	स	2	26 × 12 × 13 × 40	,,	1905	
,,	प्रा मा	2	27 × 12 × 12 × 42	,, 25 गाथा	19वी	
,,	मा	7	27 × 13 × 18 × 47	,, 25 गाथा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
265	हू-957	गुणस्थान क्रमारोह (अवचूरिसह)	Gunasthāna Kramāroha (with Avacūri)	रत्नशेखरसूरि	मू + अ (प ग)
266	त-1130	,, ,, (वृत्तिसह)	,, Kramāroha (with Vṛtti)	,, /स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
267	प्रा-12	,, रत्नराशि (,,)	,, Ratanarāśi (,,)	,, / ,,	,, ,,
268	त-271	,, विचार	,, Vicāra	—	गद्य
269	हू-211	,, स्तवन	,, Stavana	धरमसी	प ग
270	त-1006	गुरुगुणषट्त्रिंशिका	Guru Guna Ṣattriṃśikā	रत्नशेखर	पद्य
271	,, 936	गौतमकुलक	Gautama-kulaka	गौतमऋषि	,,
272	,, 349	,,	,,	,	,,
273	हू-775	,,	,,	,	मू + ट (प ग)
274-276	हू-1135, 589,757	,, (वृत्तिसह) 3 प्रतियां	,, (with Vṛtti) 3 copies	, /ज्ञानतिलक	मू + वृ (,)
277-278	त-521,938	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	गौतमऋषि	मू ट (प ग)
279	हू-592	,,	,,	,,	, ,,
280	,, 1273	,,	,,	,,	मू प
281-282	गो-371,569	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू ट (प ग)
283	त-637	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,, /—	मू बा (,,)
284	,, 599	गौतमपृच्छाविचार	Gautamapṛcchā Vicāra	—	गद्य
285	गो-138	गौतमपृच्छा	Gautamapṛcchā	—	मू ग
286-290	हू-609,951 756,748,175	,, (वृत्तिसह) 5 प्रतियां	,, (with Vṛtti) 5 copies	—/धमवद्धन	मू वृ (प ग)
291	त-633	,, ,,	,, ,,	—	,, ,,
292-296	त-621,1033 622,619,206	,, (बालावबोधसह) 5 प्रतियां	,, (with Bālāvabodha) 5 copies	—	मू बा (प ग)
297	हू 567	,,	,,	—	मू ट (,,)
298	गो 305	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	—	मू बा (,,)

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक स्तर विवेचन	स	16	27 × 13 × 16 × 51	स 136 श्लोक	1853	
,,	,,	14	27 × 12 × 13 × 50	अ-50 से 134 श्लोक अत तक	18वी	
,,	,,	28	25 × 11 × 13 × 55	स 135 श्लोक	1825	
,,	मा	5	25 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण	19वी	
,,	,	8	26 × 11 × 11 × 35	स 33 गाथा अर्थ सहित	19वी	
आचार्य गुण	प्रा	3*	27 × 12 × 12 × 56	स. 33 गाथा	19वी	
औपदेशिक	,,	3*	25 × 12 × 15 × 45	,, 20 ,,	1696	
,,	,,	6*	26 × 12 × 7 × 41	,, 20 ,,	1877	
,,	प्रा मा	8*	27 × 11	,, 20 ,,	1812	
,,	प्रा स	30,37 40	26से27 × 12से13	,, 20 ,,	1753/19वी	*कथा सहित
,,	प्रा मा	2,3	22 × 13व26 × 11	,, 20 ,,	19/20वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 4 × 42	,, 20 ,,	20वी	
,,	प्रा	1	25 × 13 × 12 × 45	,, 20 ,,	20वीं	
,,	प्रा मा	3,2	26 × 12व25 × 11	,, 20 ,,	20वीं	
,,	,,	80	26 × 12 × 12 × 39	,, 20 ,,	1907	कथा सहित
महावीर-गौतम प्रश्नोत्तरी	प्रा	15	22 × 9 × 9 × 17	स 64 प्रश्नोत्तर	15वी	
,,	,,	8*	28 × 13 × 14 × 58	स 65 ,,	1604	
,,	प्रा स	37,39, 76,42 57	24से27 × 12से13	स 63 से 65 गाथा	1842 से 1905	एक वृत्ति का कर्ता धर्मवधन है ग्र 1683 है
,,	,,	23	27 × 12 × 19 × 50	स 52 प्रश्नोत्तर	19वी	
,,	प्रा मा	23,74, 57,84, 4	25से27 × 12 × 13	स 63-64 प्रश्नोत्तर	1733/19वी	
,,	,,	23	26 × 12 × 14 × 38	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	26 × 11तालिका	स 64 प्रश्नोत्तर	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
299	गा-372	गौतमपृच्छा	Gautama-pracchā	—	पद्य
300	ट 153	,, (पदावली)	,,	नयरंग	मू प
301	न-672	,,	,,	—	ग तालिका
302	नो-513	,, की चौपई	,, kī Caupai	लावण्यसमय	पद्य
303	त 939	,, ,,	,, ,,	—	,,
304	ट-155	,, ,,	,, ,,	—	,,
305	नो-641	,, ,,	,, ,,	—	,,
306	गा-478	,, का स्तवन	,, kā Stavana	—	,,
307	ट-371	,, की सज्झाय	,, kī Sajjhāya	नयरंग	,,
308-310	नो-200, 627 491	,, का बालावबोध 3 प्रतियां	,, kā Bālāvabodha 3 copies	—	गद्य
311	न-520	ग्रन्थसार-समुच्चय	Granthasāra Samuccaya	कुलभद्र	पद्य
312	नो 195	ज्ञान-क्रिया-संवाद	Jñāna-Kriyā-Samvāda	—	गद्य
313	न-801	ज्ञान-पंचाशिका	Jñāna Pañcāśikā	हंसराज	पद्य
314	ट-1360	ज्ञानार्णव	Jñānārnava	शुभचन्द्र	,,
315	गा 347	चउगति चौपई	Caugati Caupai	—	,,
316	न-176	चतुरगति-वेल	Caturagati-bela	—	,,
317	नो 231B	चारित्र-छत्तीसी	Cāritra-chattisī	ज्ञानसार	,,
318	ट-1377	,,	,,	,,	,,
319	त 641	,,	,,	,,	,,
320	ट-गु-18	चेतन-बत्तीसी	Cetana-battisī	गजसूरि	,,
321	गा-195	चोवीस दंडक (विचारषट्त्रिंशिका (वृत्तिसह)	Cauvisa Dandaka (Vicāra Sattrimśikā) (with Vṛtti)	गजसार/स्वोपज्ञ	मू + वृ (प ग)
322	न 1002	,,	Cauvisa Dandaka	गजसार	मू + ट (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक प्रश्नोत्तरी	प्रा	6	26×12×9×43	स 45 गाथा	19वी	
,, ,,	मा	20*	26×11	सं 57 पद	19वी	
तात्त्विक प्रश्नोत्तरी	प्रा मा	4	28×12×17×42	स 64 प्रश्नोतर	19वी	
,, ,,	मा	11*	26×12×15×35	सं 120 पद	19वी	
,, ,,	,,	3	26×12×20×57	स 110 पद	19वी	
,, ,,	,,	4	22×12×16×35	स 45 पद	19वी	
,, ,,	,,	4	24×11×12×37	स 45 प्रश्न	19वी	
,, ,,	,,	2	25×12×11×34	स 30 छद	19वी	
तात्त्विक प्रश्नोत्तरी	मा	3	26×11×13×40	सम्पूर्ण	19वी	
,,	,,	45,74, 14	21से27×12से13	स 64प्रश्नोत्तर ग्र 1600	19/20वी	अन्तिम प्रति अपूर्ण हैं
औपदेशिक	स	17	26×13×11×33	स 324 श्लोक	19वी	
सैद्धान्तिक चर्चा	,,	2	27×12×14×45	स	19वी	
औपदेशिक अध्यात्म	मा	7	27×12×12×35	,, 52 सवैये	19वी	
जैन ध्यान योग	स	8	27×14×10×15	अ केवल पिंडस्थध्यान अधिकार	19वी	
औपदेशिक	मा	5	26×12×14×47	स 96 गाथा	19वी	
विरक्ति परक काव्य	,,	6	27×11×13×42	स 136 पद	1695	
औपदेशिक	,,	7*	28×13×15×48	स 36 पद	1870	
,,	,,	7*	27×12×12×29	स 36 ,,	1870	
,,	,,	11*	23×11×12×35	स 36 ,,	1907	
,,	,,	111से	16×23 गुटका	सं 32 छद	19वी	
(५८) तात्त्विक	प्रा स	4	27×11×17×38	स 38 गाथा	16वी	(आगे नवतत्त्व मे भी देखें)
(५९) ,,	प्रा मा	3	27×12×9×45	स 38 ,,	1651	

1	2	3	3 A	4	5
323	डू-977	चौवीस दडक (अवचूरिसह)	Cauvisa Dandaka (With Avacūri)	गजसार	मू+अ(प ग)
324	डू-695	,, (,,)	,	,,	,, (,,)
325-8	त 912, 913,915, 880	,, 4 प्रतिया	,, 4 Copies	,,	मू प
329-30	त 202, 710,	,, 2 प्रतिया	,, 2 ,,		मू+ट(प ग)
331-3	डू-773, 720, 124	,, 3 प्रतिया	,, 3 ,,	,	मू+ट (,,)
334	मा 93	,,	,,	,,	,, (,,)
335-7	ला-370, 496, 579	,, 3 प्रतिया	,, 3 Copies	,,	,, (,,)
338-40	मो 520, 696, 346	,, 3 प्रतियां	,, 3 ,,	,,	मू प
341-2	मा-324, 482	,, 2 प्रतिया	,, 2 ,,	,,	,,
343	न-392	,,	,,	,,	,,
344	डू-762	,,	,,	,,	,,
345	मा-60	,, स्वोपज्ञवृत्ति	,, Svopajña Vṛtti	,,	गद्य
346-50	डू-836 415, 618, 1304, 1334	, के बोल सग्रह 5 प्रतियां	,, Ke Bola Saṅgraha 5 Copies	,,	,,
351-5	न-374 212, 344 372, 675	,, के बोल सग्रह 5 प्रतिया	,, Ke Bola Sangraha 5 Copies	,,	,,
356	लो-561	, के बोल सग्रह	, Ke Bola Sangraha	,	,,
357	मो-208	(लघु) चौवीस दडक बोल	(Laghu) Cauvisa Dandaka Bola	—	,,
358	न-830	चौवीस दडक का स्तवन	Cauvisa Dandaka kā Stavana	धर्मसुन्दर	पद्य
359	ब-231	,, गर्भित पार्श्व स्तवन	Cauvisa Dandaka Garbhita Pārsva Stavana	पासचन्द	मू +ट (प ग)
360	नो-206	,, पार्श्व जिन स्तवन	Cauvisa Dandak Pārsva Jina Stavana	धर्मसी	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा स	4	27 × 11 × 18 × 36	स 40 ,,	17वी	
,,	,,	16	25 × 11 × 15 × 40	स 39 ,,	19वी	
,,	प्रा	2,2,2,2	26से27 × 12से13	स 38/42 ,,	1800व19वीं	
,,	प्रा मा	6,7	27 × 12	स 40,39 ,,	1817से20वी	
,,	,,	9,8,8	25से27 × 11से12	स 40 ,,	1853से20वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 14 × 28	स 46 ,,	19वी	
,,	,,	10,5,5	24से27 × 11से12	स 38/41 ,,	1766से19वी	
,,	प्रा	2,4,5*	22से27 × 11से13	स 40,38 ,,	19/20वी	
,,	,,	3,2	24 × 11व26 × 12	स 38/अ 27,,	19/20वी	
,,	,,	12*	22 × 11	स	1849	
,,	,,	5*	26 × 12 × 11 × 40	,,	20वी	
,,	स	6	26 × 11 × 13 × 44	,, 38 गाथा की	1709	
,,	मा	11,4, 18,7,7	26से28 × 11से14	स	1830से20वी	
,,	,,	7,4,6, 20,29	25से30 × 11से15	,,	1894से20वी	
,,	,,	12	22 × 12 तालिकायें	अपूर्ण 22 दण्डक तक	19वी	
,,	,,	9*	27 × 13 × 13 × 24	सम्पूर्ण	19वी	
,,	,,	2	27 × 11 × 9 × 42	,, 26 गाथा	19वी	प्रथम जिनन्द का
,, +भक्ति	,,	4	25 × 12 × 5 × 35	स 23 ,,	19वी	
,, + ,,	,,	3	28 × 13 × 12 × 36	स 34 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
361	टू-1225	चौबीस दंडक-स्तवन	Cauvisa Dandaka Stavana	धर्मसी	पद्य
362	टू-251	जमाली की गति	Jamāli ki Gati	—	गद्य
363	,, 981	जिनकल्पी-वर्णन	Jinakalpī Varnana	—	,,
364	,, 1319	जिनभक्ति आदि कर्त्तव्य	Jinabhakti Ādi Kartavya	—	,,
365	धा-358	जीव अल्पबहुत्व गर्भित कुलक (व्याख्यासह)	Jiva Alpabahutva garbhita Kulaka (with Vyākhyā)	-/ सहजकीर्ति	मू + व्या (प ग)
366	धा-177	जीवाजीव विचार (वृत्तिसह)	Jivājviavicāra (with Vrtti)	शांतिसूरि /-	मू + वृ (,,)
367-68	टू-127, 803	,, (लघुवृत्तिसह) 2 प्रतियां	,, (with Laghu Vrtti) 2 Copies	,, /क्षमाकल्याण	,, ,,
369	धा-117	जीवाजीव विचार	Jivājivavicāra	शांतिसूरि	मू प
370-72	लो-307, 198, 697	,, 3 प्रतियां	,, 3 Copies	,,	,,
373-76	त-270, 200, 347, 1164	,, 4 प्रतियां	,, 4 ,,	,,	,,
377-78	त-376, 265	,, 2 प्रतियां	,, 2 ,,	,,	मू + ट (प ग)
379	लो-231	,,	,,	,,	,, ,,
380-2	टू-515 1230 1313	,, 3 प्रतियां	,, 3 Copies	,,	,, ,,
383-4	मा-566, 168	,, 2 प्रतियां	,, 2 ,,	,,	,, ,,
385	त-392	जीवाजीवविचार	Jivājivavicār	,,	पद्य
386	टू-1225	,,	,	,,	,,
387	त-346	,,	,	,,	मू + ट (प ग)
388	त-378	जीवाजीवविचार (बालावबोधसह)	Jivājivavicāra (with Bālāvabodha)	,,	मू + बा (,,)
389-91	ट-119, 497 460	जीवविचार बोल संग्रह 3 प्रतियां	Jivavicāra Bola Saṅgraha 3 Copies	—	ग तालिकायें
392	मा-490	,,	,,	—	ग.व. ,,
393-4	त-481, 977	जीवविचार स्तवन 2 प्रतियां	Jivavicāra Stavana 2 Copies	वृद्धिविजय	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	मा.	13*	27 × 22	सम्पूर्ण 34 गाथा	20वी	
भगवती का समाधान	स	45	25 × 11 × 12 × 49	,,	19वी	
साधु जीवन वृत	,,	4	26 × 11 × 12 × 40	अपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	,,	11	27 × 12 × 12 × 33	,, 179 श्लोक	19वीं	सामान्य
जीवन भेद तात्त्विक	प्रा मा	5	27 × 12 × 24 × 66	सम्पूर्ण 21 गाथा	1704	
तात्त्विक	प्रा स	17	26 × 11 × 18 × 60	स 51 ,,	1662	आगे नवतत्व भी देखें
,,	,,	30,31	27 × 12 × 15 × 38	स 51 ,,	1850/72	
,,	प्रा.	3	26 × 12 × 11 × 38	स 51 ,,	18वी	
,,	,,	4,3,3	23से26 × 12	स 51 ,,	1859से20वी	
,,	,,	5,3,4,4	26से27 × 11से13	स 51 ,,	1853से20वीं	अन्तिम प्रति मे जिनस्तोत्र है
,,	प्रा मा	6,5	27 × 15व26 × 12	स 51 गाथा अ 275	1918व20वी	
,,	,,	4	27 × 13 × 13 × 35	लगभग पूर्ण	19वी	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	9,10,5	22से26 × 11 × 12	स 52/49/38 गाथा	1848से20वी	अन्तिम प्रति अपूर्ण
,,	,,	7,5	23 × 12व27 × 12	स 51/अ 46 गाथा	1773व19वी	
,,	प्रा	12*	22 × 11	सम्पूर्ण	1849	
,,	,,	13*	27 × 12	,,	20वी	
,,	प्रा मा	25*	25 × 11 × 15 × 41	,,	20वीं	
,,	,,	8	27 × 12 × 13 × 30	,, 51 गाथा का	19वी	
,,	मा	7,12,4	23से26 × 11से12	स	19वी	
,,	,,	26	27 × 12 × 13 × 42	,,	19वी	
	प्रा	5,3	27 × 13व26 × 13	,, 83 छद (9 ढालें)	1903/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
395	त-506	जीवसमास-प्रकरण	Jıva Samāsa Prakaraṇa	–	मू प
396	डू-57	,, (वृहत वृति सह)	,, ,, (with Vṛhat Vṛttı)	-/ म हेमचन्द्रसूरि	मू + वृ (प ग)
397	त-868	जीवों के 563 भेद	563 kındsof Jīva	–	गद्य
398	त-1008	जैन धम मजरी	Jaına Dharma Mañjarī	समयराजुवज्झाय	पद्य
399	डू-1276	तत्वविचार	Tatvavıcāra	–	,,
400	लो-473	तत्वसार-भाषा	Tatvasāra Bhāsā	–	,,
401	डू-1145	तत्वार्थ भाष्य	Tatvārtha Bhāsya	उमास्वाति	गद्य
402	धा-193	तत्वार्थसार दीपक	Tatvārthasāra Dipaka	अमृतचन्द्र/सकलकीर्ति	पद्य
403	डू-985	तप प्रकरण	Tapa Prakarana	–	मू + ट (प ग)
404	त-505	दर्शनशुद्धि-प्रकरण	Darsanasudhı Prakarana	चन्द्रप्रभ	मू प
405	धा-1	दर्शन सत्तरी	Darsana Sattarı	हरिभद्र	,,
406	त-276	दर्शन (सम्यक्त्व) सप्तति	Darśana (Samyaktva) Saptatı	,,	,,
407	त-538	दर्शनसप्ततिका (वृतिसह)	Darsanāsaptatıkā (with Vṛttı)	हरिभद्र/मघतिलक	मू + वृ (प ग)
408	त-24	,, ,,	,,	,, ,,	,, ,,
409-10	धा-108, 194	,, (सत्तरी) 2 प्रतियां	,, (Sattari) 2 Copies	हरिभद्र	मू प
411	त-1006	,,	,,	,,	,,
412	डू-276	,,	,,	,,	मू + ट (प ग)
413	धा-183	,, की वृति	,, Kī Vṛttı	सघतिलक	गद्य
414	त-423	दसविधयतिधर्म सज्झायें	Dasavıdha Yatıdharma Sajjhāyeṁ	ज्ञानविमल	पद्य
415	त-936	दानशीलतपभावना कुलक	Dāna Śıla Tapa Bhāvanā Kulaka	देवेन्द्रसूरि	मू प
416	लो-136	,, ,,	,, ,,	,,	,,
417-20	डू-599, 746, 811, 1036	दानशीलतपभावना कुलक (वृतिसह) 4 प्रतियां	Dāna Śılatapabhāvanā Kulak 4 Copies (with Vṛttı)	देवेन्द्रसूरि/दियविजय	मू + वृ (प ग)
421	धा-99	,, ,, (व्याख्यासह)	,, (with Vyākhya)	,,/ –	,, (,,)

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	8	31 × 12 × 15 × 52	म 287 गाथा	16वी	
,,	प्रा स	128	26 × 11 × 17 × 55	म 287गाथा की ग्र 6627	1815	
,,	मा	2	26 × 12 × 17 × 38	स	19वीं	
सामान्य जैन धर्मसार	मा	13	27 × 12 × 13 × 43	,, 274 गाथा	19वी	चन्द्रसूरि-शिष्य
तात्त्विक	प्रा	54	26 × 12 × 21 × 55	स	19वी	
,,	मा	4	27 × 13 × 11 × 38	,, 78 पद	19वी	देवसेन की मूल कृति का अनुवाद
,,	स	59	27 × 12 × 13 × 57	स 10 अध्याय	19वी	
ज्ञान,ध्यान,आत्मादि	,,	29	33 × 33 × 13 × 54	अ छठा अधिकार तक	19वी	
आभ्यतर तप सबधी	प्रा मा,	5	25 × 11 × 4 × 45	अ	19वी	
दार्शनिक	प्रा	7	31 × 13 × 15 × 55	सम्पूर्ण 273 गाथा	1660	
,,	,,	202*	38 × 5 × भिन्न2	स 120 ,,	13वी	ताडपत्र पर
,,	,,	5	27 × 12 × 11 × 38	स 70 ,,	1660	
दार्शनिक	प्रा स	40	22 × 13 × 13 × 35	स 70 गाथा की	1662	वृत्ति तत्त्वकौमुदी नाम्नी
,,	,,	199	33 × 13 × 13 × 50	स 12अधिकार कथा सह	1677	प्रशस्ति/कोठारी गोडीदास द्वारा भडारित
,,	प्रा	3,6	27 × 12व26 × 11	म 70/71 गाथा	18वी	
,	,,	3*	27 × 12 × 12 × 56	स 70	19वी	
,,	प्रा मा	6	26 × 11 × 7 × 39	स 70 ,,	19वी	
,,	स	216	32 × 13 × 13 × 48	स 12 अधिकार	17वी अन	कथासह
साधु धर्म विवेचन	मा	7	24 × 12 × 13 × 38	म 11 मज्झायें	1894	
औपदेशिक	प्रा	3*	25 × 12 × 15 × 45	म 4 अधिकार	1696	
,,	,,	2	27 × 12 × 15 × 58	म 80 गाथा (20 × 4)	17वीं	
,,	प्रा म	145, 242, 324, 150	25से27 × 12से13	स 4 अधिकार कथासह ग्र 12016	1862/19वीं	तीसरी में 3 पन्ने कम/अतिम अपूर्ण
,,	,,	214	25 × 12 × 13 × 34	स 4 ,, ,,	1891	

1	2	3	3 A	4	5
422	त-349	दान-शील-तप-भावना कुलक	Dāna Śilatapabhāvanā Kulak	अशोकमुनि शिष्य	मू+ट(प ग)
423	नो-609	,, ,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	–	मू+बा (,,)
424	त-1023 ऊ	दान-शील-तप-भावना कुल के शील कुलक	,, Kulake Śila Kulaka	देवेन्द्रसूरि	मू प
425	डू-449	दानशील कुल के तप अधिकार वृत्ति	Dāna Śila Kulake Tapa Adhikāra Vṛtti	देवविजय	गद्य
426	,, 724	,, ,, भावना अधिकार वृत्ति	,, ,, Bhāvanā ,,		,,
427	,, 109	,, ,, प्रमाद कषायाधिकारे जबू क भवदृष्टानसह	,, ,, Pramāda Kasāyādhikāre Jambu Bhāva Dṛstāntasaha	सकलन	मू ग
428	त-1271	दानशीलतपभावना-सवाद	Dāna Śila Tapa Bhāvanā Samvāda	समयसुन्दर	पद्य
429--30	त-1121, 978	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 Copies	,,	,,
431-5	नो-497, 211, 467, 576, 628	,, ,, 5 प्रतियां	,, ,, ,, 5 ,,	,,	,,
436	मा-135	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, ,, 2 Copies	,,	,,
437-8	डू-1266, 146 A	दान-शील-तप भावना	Dana-Śila-Tapa-Bhāvanā	,,	,,
439	डू-437	,, धर्मोपदेश	,, Dharmopadesa	–	गद्य
440	त-381	देशना शतक	Desanā Śataka	–	मू प
441	मा-416	,,	,,	–	,,
442	डू-1274	दो काव्य पचपाठी (अर्थसह)	Do Kāvya Pañcapāthi (with Artha)	–	मू +व्या
443	डू-103 A	द्रव्यगुण-पर्यायरास	Dravya Guna Paryāya Rāsa	उ यशोविजय	पद्य
444	त-688	द्रव्यसग्रह (टीका सहित)	Dravya Saṅagraha (with Tikā)	नेमिचन्द्र	मू+वृ
445	त 1271	द्वात्रिंशिका	Dvātrimsikā	सिद्धसेन	पद्य
446	मा-188	द्वादश कुलक	Dvādasa Kulaka	जिनवल्लभ	मू प
447	मा-374	द्वादश भावना	Dvādaśa Bhāvanā	–	पद्य
448	मा-450	द्वादश भावना कुलक	Dvādasa Bhāvanā Kulak	–	मू प
449	त-1128	धर्म (प्रथम द्वार) उपदेश) (व्याख्या सहित)	Dharma (Prathama) Vpdeśa (with Vyākhyā)	–	मू व्या (प ग)
450	डू-403	धर्मोपदेश (उपदेश रसाल) (व्याख्यासह)	Dharmopadesa (Updeśa Rasāla) (with Vyākhyā)	–	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा मा	6*	26×12×7×41	स 49 गाथा	1877	
,,	,,	58*	22×11×9×38	स कथासह	19वी	
,,	प्रा	1	26×11×13×40	स 22 गाथा	19वी	
,,	स	75	27×11×11×41	स 9 कथासह	19वी	
,,	,,	21	26×11×16×46	स 9 ,,	19वी	
,, आलपक	प्रा मा	34	25×11×10×34	स	19वी	सामान्य
औपदेशिक	मा	6*	26×9×15×19	त्रुटक	1666	
,,	,,	6,3	26×12	स अ 135 गाथा 100	19वी	प्रथम प्रति मे 2 राज्भायें
,,	,,	5,4,3, 6,4	25से27×11से12	स 4 ढालें	1847से20वी	
,,	,,	5	25×11×13×38	स 4 ,,	19वी	
,,	,,	9,23*	27×12व26×11	स 4 ,,	19वी	
,,	,,	10	28×13×16×36	स	1893	
,,	प्रा	14*	27×12×12×35	स 85 गाथा	1648	
,,	,,	4	27×12×13×39	स 88 ,,	19वी	
जैन दर्शन विपय क्रम	प्रा मा	1	26×11×18×31	स 2 ,,	16वी	
तात्त्विक	मा.	15	25×12×13×28	स 285 ,,	20वी	
,,	प्रा स.	79	25×11×15×46	स 63 ,,	1800	
,,	स	6*	26×9×15×19	स 32 श्लोक	1666	
र्यन्त उपदेश	प्रा	46	31×13×16×29	स अ. 330	16वी	4 पन्नो तक मा मे टब्बार्थ भी है
ौपदेशिक	,,	9*	27×12	स 15 गाथा	20वी	
2 भावना स्वरुप	,,	1	27×12×11×45	स 14 ,,	19वी	
ᐨम पुरुपार्थोपदेश	स	15	28×13×17×45	त्रुटक आदि अन्त रहित	19वी	
ा (प ग.) पदेशिक	,,	19	27×12×16×47	सपूर्ण कथासह	19वी	प्राकृत गाथाओ के आधार पर

1	2	3	3 A	4	5
451	नो-502	धर्मोपदेशमाला	Dharmopadesamālā	जयसिंह सूरि	पद्य
452	था-217	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	जयसिंहाचार्य/ विमलगुण	मू वृ (प ग)
453	टू-532	धर्मचतुस्त्रिंशिका (धर्म प्रकाश)	Dharma Catutrımsıkā (Dharma Prakāsa)	मा तेजसिंहजी	मू ट (,,)
454	नो-445	धर्मध्यान	Dharma Dhyāna	—	गद्य
455	प-10	धर्मपरीक्षा	,, Parīksā	अमितगति	पद्य
456-7	टू-833 B, 562	धर्मबावनी 2 प्रति	,, Bāvani 2 Copies	धर्मसी (धर्मवर्द्धन)	,,
458	टू-455	धर्मबिन्दु	,, Bındu	हरिभद्र	गद्य
459	था-1	धर्मरत्नकरण्डक की वृत्ति	,, Ratnakarndaka kī Vṛttı	वर्द्धमान (स्वोपज्ञ)	,,
460	टू-699	धर्मरत्नप्रकरण (वृत्तिसह)	,, Ratnaprakarana (with Vṛttı)	—/देवेन्द्रसूरि	मू वृ (प ग)
461	त-20	धर्मसंग्रहणी (,,)	,, Sangrahanī (,,)	हरिभद्र/मलयगिरि	,, (,,)
462	था-94	,, (,,)	,, ,, (,,)	,, / ,,	,, (,,)
463	त-1026	ध्यानपत्र	Dhyān Patra	—	गद्य
464	त-146 प्रति	ध्यानबत्तीसी	,, Battisī	—	पद्य
465-6	त-546,168	ध्यान शतक 2 प्रतियां	,, Śātaka 2 Copies	जिनभद्र क्षमाश्रमण	,,
467	टू-1290	धार्मिक सुभाषित	Dhārmıka Subhāsıt	सकलन	,,
468	टू-गु 43	नरक चौढालिया	Naraka Cauḍhālıyā	गुणसागर	,,
469	त-1031	नरसंबोध नारिबोध	Narasambodha Nārıbodha	—	,,
470	टू-984	नवतत्त्व (अवचूरिसह)	Navatatva (with Avacūri)	—	मू+अ(प ग)
471	था-142	,, (अर्थसह)	,, (with Artha)	—	मू+अनु (,,)
472	त-377	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūrı)	/गुणरत्नसूरि	मू+अ (,,)
473	त-373	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	—	मू+बा (,,)
474	टू-1282	,,	,,	—	मू प
475	त-223	,,	,,	—	मू+ट (,,)
476	त-392	,,	,,	—	मू प
477	त-346	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	29*	28 × 12 × 13 × 44	स 104 गाथा	14/15वी	
,,	प्रा स	140	32 × 12 × 13 × 50	स ग्र 5778 मू गा 103 ग्र 107	17वी	
धार्मिक उपदेश	स मा	4	27 × 11 × 6 × 42	स 36 श्लोक	1768	
ध्यान योग	मा	2	25 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण	1765	
सहीतत्व निर्णयाधार	स	66	34 × 14 × 15 × 38	,, 20 परिच्छेद	19वीं	
औपदेशिक	मा	17*,3	26 × 12व25 × 13	स 57सवैये + स्फुट कवित्त	1874व19वी	हर्षवाचक का शिष्य
सैद्धान्तिक	स	25*	34 × 13 × 17 × 70	स 8 अध्याय	16वी	
औपदेशिक	,,	220	33 × 13 × 13 × 60	स ग्र 10000	17वी	अभयदेव के शिष्य
,,	प्रा स	269	26 × 13 × 14 × 40	स ग्र 9700	1877	
,,	,,	278	33 × 13 × 13 × 50	स 1396 गाथा की	1677	
,,	,,	271	32 × 13 × 13 × 62	स ग्र 12000	1673	
ध्यान योग शास्त्रानुसार	मा	4	28 × 12 × 13 × 57	त्रुटक	19वी	बीच के 2 पन्ने अन्य हैं
औपदेशिक	,,	2	23 × 8 × 10 × 46	अपूर्ण 16	1892	
ध्यान योग	प्रा	8, 6	21 × 13व24 × 12	स 107/108 गाथा	1906व19वी	प्रथम प्रति मे 2 पन्ने अन्य हैं
औपदेशिक	स	8	26 × 12 × 13 × 37	प्रतिपूर्ण 141 श्लोक	19वी	
,,	मा	गुटका	14 × 13	सपूर्ण 4 ढालें	19वी	
,,	अ	12	27 × 12 × 9 × 40	कुल 168 गाथा	16वी	प्रथम 8 गाथा नही चार चार प्रवध
तात्त्विक	प्रा स	5	25 × 11 × 4 × 35	सपूर्ण 27 गाथा	1481	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	8	34 × 14 × 5 × 36	स 42 ,,	16वी	अत मे 3 पन्ने 'नवतत्व' के बारे मे परन्तु इस ग्रथ से सबधित नही
,,	,,	8	27 × 11 × 21 × 58	स 30 ,,	16वी	
,,	प्रा मा	31	27 × 12 × 11 × 42	स 30 ,,	1565	
,,	प्रा.	3*	27 × 12	स 28 ,,	16वीं	
,,	प्रा मा	4	27 × 11 × 5 × 42	स 43	1710	
,,	प्रा	12*	22 × 11	स	1849	
,,	,,	25*	25 × 11 × 15 × 41	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
478	त-598	नवतत्त्व	Navatatva	—	मू प
479	धा-408	,,	,,	—	,,
480-4	त-999,910, 180,1123, 1259	,, 5 प्रतिया	,, 5 Copies	—	,,
485-8	सो-334,698B 698A,300	,, 4 ,,	,, 4 ,,	—	,,
489-90	डू-120,462	,, 2 ,,	,, 2 ,,	—	,,
491	डू-1108	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	—	मू+वृ(प ग)
492	त-371	,, (,,)	,, (,,)	/पासचन्द्र	,, (,,)
493-4	त-267,369	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	—	मू+ट (प ग)
495-500	सो-313,144 199 564, 534,533	,, 6 ,,	,, 6 ,,	—	,, (,,)
501-2	डू-125,728	,, 2 ,,	,, 2 ,,	—	,, (,,)
503	डू-983	,, (बालावबोध सह)	,, (with Bālāvabodha)	—	मू+बा (,,)
504-5	सो-577,629	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	—	,, (,,)
506-11	त-1179,375 1133,1218 1278,1076	,, ,, 6 ,,	,, 6 ,,	—	,, (,,)
512	धा-129	,, + जीव विचार	,, & Jiva Vicāra	—/शांतिसूरि	मू+ट (,,)
513	धा-409	,, + ,,	,, & ,,	—/ ,,	मू प
514-16	सो-134,308 153	,, + ,, 3 प्रतिया	,, & ,, 3 Copies	—/ ,,	मू+ट (प ग.)
517	सो-584	,, +चौबीस दण्डक	,, & Cauvis Daṇḍaka	—/गजसार	,, (,,)
518	डू-91	,, +जीव विचार+ ,,	,, Jivavicār+,,	—/शांतिसूरि/गजसार	,, (,,)
519-20	डू-90,335	,, ,, ,, 2प्रति	,, ,, ,,2Copies	,, ,,	मू प
521	त-646	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, ,,	मू+ट (प ग)
522	डू-1050	,, ,, ,,(वृत्तिसह)	, (with Vṛtti)	—/नेत्रसिंह/ ,,	मू+वृ (,,)
523	सो-358	नवतत्त्व री चोपई	Navatatva ri Caupai	क्षमा कल्याण ऋषिधीरसिंह	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	7*	24×10×13×54	स 15 गाथा मे ही	17वी	
,,	,,	3	27×11×15×50	स 49 ,,	19वी	
,,	,,	3,2,6, 2,3	24से28×12से13	स 43/50	1795से20वी	अतिम प्रति अपूर्ण है
,,	,,	12,4, 2,4	21से28×10से14	स 49/51	1843से20वी	
,,	,,	3,2	24×10व25×11	I सपुर्ण/II अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा स	15	24×10×15×45	सपूर्ण 40 गाथा	19वी	
,,	,,	13	27×12×16×45	स 30 ,,	1824	
,,	प्रा मा	5,9	27×12	स 50/52 गाथा	1784/1863	
,,	,,	5,10,7, 4,4,6	26से28×11से13	स. 44/52 ,,	1866से20वी	
,,	,,	16,10	26से27×12	स 98/48 ,,	19वी	
,,	,,	13	26×11×14×48	स 44 ,,	19वी	
,,	,,	10,4	25×12व26×12	स /त्रुटक	19वी	
,,	,,	6,28, 11,19, 12,44	25से27×12से13	प्रथम 2 स ,4 अपूर्ण	1787से1935	अतिम वालाववोध-कर्ता शेखरगणि
,,	,,	9	26×11×16×42	सपूर्ण 50/51 गाथा	19वी	
,,	प्रा	6	26×11×11×38	स 46/51	19वी	
,,	प्रा मा	13,10, 9	25से27×10से13	स	1765से19वी	
,,	,,	13	26×12×6×43	,,	1910	
,,	,,	25	24×12×13×35	,,	19वी	
,,	प्रा	7,11	25×12व22×11	,, 40+52+43गाथा	19वी	
,,	प्रा मा	9	23×11×10×29	दो सपूर्ण, दडक किंचित् अपूर्ण	1860	टब्बार्थ केवल जीवविचार ही
,,	प्रा स	40	25×12×13×36	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	5	26×11×19×40	,, 127 गाथा	1786	

1	2	3	3 A	4	5
524	त-27	नवतत्व-प्रकरण सभाष्य विवरण	Navatatva Prakarana with Bhāsya+Vivarana	देवगुप्त/अभयदेव/ यशोदेव	मू भा वृ (प ग
525	था-3	,, ,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, (,,)
526-8	न-512,678, 514	नवतत्व का बालावबोध 3 प्रतियें	,, kā Bālāvabodha 3 Copies	—	गद्य
529	नो-458	,, ,,	,, ,,	—	,,
530	न-224	नवतत्व बोल	,, Bola	—	,, तालिका
531	त-914	,, विचार गाथा	,, Vicāra Gāthā	—	मू+ट
532	था-94	,, विचार सार	,, ,, Sāra	—	प ग
533	था-148	,, ,, वृत्ति	,, ,, Vṛtti	—	गद्य
534	डू-241	,, ,, व्याख्यान	,, ,, Vyākhyāna	—	,,
535	न-268	,, ,, स्वरूप	,, ,, Svarūpa	—	,,
536	डू-146A	नारकी चौढालिया	Nārkī Coudhāliyā	—	पद्य
537	नो-460	,, ,,	,, ,,	गुणसागर	,,
538	डू-1320	नित्यकर्त्तव्य	Nitya Kartavya	—	गद्य
539	त-714	नियमसार (तात्पर्य वृत्तिसह)	Niyamasāra(with Tatparya Vṛtti)	कुन्द कुन्द/पद्मप्रभ	मू+वृ(प ग)
540	त-1017	निर्जराफल	Nirjarāphala	—	गद्य
541	त-1023A	पच्चक्खाण फलकुलक	Paccakhāna Phala Kulaka	—	मू प
542	नो-238	पडिलेहणा कुलक	Paḍilehanā Kulaka	—	मू ट (प ग)
543	डू-1356	पण्डित गोष्ठी	Paṇḍita Gosthī	—	गद्य
544-5	डू-557,1372	पद्मावती जीवराशि क्षमापना 2 प्रतियां	Padmāvatī Jivarāsī Ksamāpanā 2 Copies	समयसुन्दर	पद्य
546	नो 612	,,	,,	,,	,,
547	था-364	परनिन्दा चौपई	Paranindā Caupaī	(अमीरस)	,,
548	था-91	पंच अणुव्रत	Pañca Anuvrata	—	,,
549	न-184	पंच निर्ग्रन्थसंग्रहणी(अवचूरिसह)	Pañca Nirgrantha Saṅgrahanī (with Avacūrī)	अभयदेव	मू+अ(प ग)
550	न-793	पंच निर्ग्रन्थसंग्रहणी	,,	,,	मू प
551	था-158	,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा स	67	33 × 13 × 13 × 50	म 156गा वृ ग्र 2400	1675-80	
,,	,,	67	33 × 13 × 13 × 50	,, ,, ,,	1675-80	
,,	मा	19,5,29	25से30 × 14से15	सपूर्ण	1878-93	
,,	,,	18*	26 × 12 × 16 × 40	,,	1930	
,,	,,	4	25 × 11 × 18 × 26	,,	20वी	
,,	प्रा मा	2	24 × 14 × 3 × 15	,,	20वी	
,,	प्रा	9	26 × 12 × 11 × 39	,, ग्र 180	1605	अत मे 24 जिन सस्कृत स्तवन
,,	म	17	26 × 12 × 15 × 37	म	1751	
,,	,,	4	25 × 13 × 14 × 41	अपूर्ण 7वी गाथा तक	19वी	
,,	मा	5	25 × 11 × 10 × 37	सपूर्ण	1899	
औपदेशिक	,,	23*	26 × 11	,, 4 ढाल	19वी	
,,	,,	9*	25 × 12 × 13 × 36	स 4 ढाल	19वी	
,,	स	2	26 × 12	स	19वी	
,,	प्रा स	106	26 × 13 × 11 × 36	,, 12 श्रुतस्कध	1775	श्लोक रूपान्तर भी स में
तप व्याख्यान,ऋद्धि आदिफल	मा	8	28 × 13 × 14 × 47	स	19वी	
औपदेशिक	प्रा	1*	26 × 11 × 13 × 40	,, 7 गाथा	19वी	
,, साधुक्रियापरक	प्रा मा	2	28 × 12 × 7 × 46	स. 28 ,,	19वी	
सैद्धान्तिक चर्चा	स	2	26 × 12 × 15 × 46	स	19वी	ज्ञान-क्रिया-सवाद
औपदेशिक क्षमाधर्म	मा	2,3	26 × 11व26 × 12	स.33/35 गाथा	1789-1945	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × 10 × 31	म 33 ,,	19वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 15 × 40	स 174 ,,	19वी	दृष्टान्तसह
सैद्धान्तिक औपदेशिक	प्रा	20*	32 × 13 × 13 × 45	स 209 ,,	17वी	
साधु गुणभेद	प्रा स	6	27 × 12 × 20 × 44	म 106 ,,	16वी	
,,	प्रा	5	26 × 13 × 11 × 46	म 106 ,,	1656	
,,	,,	5	27 × 11 × 12 × 41	स 107 ,,	18वीं	

1	2	3	3 A	4	5
552	धा-113	पचनिग्रन्थसग्रहणी	Pañca Nirgrantha Saṅgrahaṇī	अभयदेव	मू,प
553	त-792	,,	,, ,,	,,	,,
554	नो-545	पचभावना	Pañca Bhāvanā	देवचद	पद्य
555	त-839	पच महाव्रत गीत	Pañca Mahāvrata Gita	लक्ष्मीरत्न	,,
556	धा-1	पचलिगी प्रकरण	Pañcalingī Prakarana	जिनेश्वरसूरि	,,
557	त-596	,, ,, (वृत्तिसह)	Pañcalingī Prakarana	जिनेश्वर/नयसार	मू+वृ(प ग)
558	नो-608	,, ,,	,, ,,	जिनेश्वर	मू प
559	त-25	,, ,, (वृत्तिसह)	,, ,, (with Vṛtti)	जिनेश्वर/सर्वराजगिरि	मू+वृ(प ग)
560	त-663	,, ,, ,,	,, ,, (,,)	,, /जिनपति	,, ,, (,,)
561	धा-240	पचलिगी विवरण	,, Vivarana	जिनपतिसूरि	गद्य
562	धा-140	,, प्रकरण (वृत्तिसह)	,,Prakarana(with Vṛtti)	जिनेश्वर/सर्वराज	मू+वृ(प ग)
563	धा-223	पचवस्तुक	Pañcavastuka	हरिभद्र	मू प
564	धा-213	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	हरिभद्र/स्वोपज्ञ	गद्य
565	धा-142	पचसूत्र	Pañcasūtra	चिरतनाचार्य	,,
566-7	त-684,1065	पचास्तिकाय (बालावबोध सह) 2 प्रतियां	Pañcāstikāya (with Bālāvabodha) 2 Copies	कुन्दकुन्द/हेमराज पाडे	मू +बा (प ग)
568	कू-52	पांडित्य दर्पण	Pāṇḍitya Darpana	उदयचन्द्र	गद्य
569	कू-286	पापछत्तीसी	Pāpa Chattīsi	समयसुन्दर	पद्य
570	धा-142	पापत्याग-उपदेश	Pāpatyāga Upadesa	देवचद	गद्य
571	धा-215	पार्श्वनाथ गणधर सबध	Pārsvanātha Ganadhara Sambandha	—	,,
572	कू-978	पालाविचार	Pālāvicāra	भ देवेन्द्रसूरि	,,
573	नो-609	पुण्यकुलक	Punya Kulaka	—	पद्य
574	कू-286	पुण्यछत्तीसी	,, Chattīsī	समयसुन्दर	,,
575	त-475	पुण्य प्रकाश-स्तवन	,, Prakasa Stavan	विनय विजय	,,
576	धा-335	पुण्य लाभ-कुलक	,, Lābha Kulaka	—	,,
577	कू-258	पुद्गलषट्त्रिंशिका वृत्ति	Pudgala Ṣattriṁśika Vṛtti	रत्नसिंहसूरि	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु गुण भेद	प्रा.	4	27×12×14×48	स 106 गाथा	18वी	
,,	,,	4	27×12×12×52	स 106 ,,	19वी	
औपदेशिक	मा	7	25×11×11×34	स	1771	राजहस शिष्य श्रु तप, सत्य, एकत्व, सुतत्व भावनायें
,, आचार	,,	2	27×12×15×52	, 5 गीत (61 छद)	19वी	
सैद्धान्तिक औपदेशिक	प्रा	202*	38×5×भिन्न2	स 101 गाथा	13वी	ताड पत्र पर
साधु गुण भेद	प्रा स	87*	23×9×11×44	स 101 गाथा	15वी	कथासह
,,	प्रा	6+2	21×8×11×38	स 102 ,,	15वी	पथम गाथा कम, 2 पन्नी ग्रन्थ, सामान्म लघुवृत्ति
,,	प्रा स	35	33×13×13×50	स 102 ,, की कथासह	1675-80	
,,	,,	120	33×15×20×60	स 101 ,, की	1677	
,,	स	154	33×13×13×60	स	17वी	
,,	प्रा स	34	33×14×14×61	स 102 गाथा	17वी	
औपदेशिक	प्रा	51	33×13×13×52	स	17वी	
,,	स	135	33×13×13×54	,, ग्र 6000	17वी	
,, दीक्षाफल	प्रा	5	27×12×16×60	स	16वी	
लोकस्वरुप सिद्धांत	अ मा	157, 153	29×14व27×12	1 स , 2 मे 9 गा कम	1724-41	अमृत चन्द्राचार्यानुसार
औपदेशिक व चर्चा	स	61	27×11×9×37	स 9 प्रकाश	18वी	
औपदेशिक	मा.	16*	25×10×9×39	स. 36 छद	19वीं	
18पाप त्याग का उपदेश	,,	7	25×11×11×44	स	19वी	
तीर्थंकर गणधर बाद	,,	80	33×13×13×43	,, ग्र 2881	17वी अत	
औपदेशिक	,,	6	25×11×13×42	स	19वी	
,,	प्रा	58*	22×11×9×38	,, 10 गाथा	19वी	
,,	मा	16*	25×10×9×39	स 36 छद	19वी	
,, भक्ति	,,	21*	26×13×13×39	स 8 ढालें	19वी	
,,	प्रा	3*	27×12	स 16 गाथा	19वी	
लोक स्वरुप	स	11*	26×12×13×40	स	1884	

1	2	3	3 A	4	5
578	न-536	पुष्पमाला	Puspamālā	म हेमचन्द्र (अभय देव का शिष्य)	मू प
579	न-652	,,	,,	,,	,,
580	टू-395	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,,/साधु सोमसरिण	मू+वृ(प ग)
581	प्रा-143	,,	,,	,,	मू प
582	टू-252	,, (विवरणसह)	,, (with Vivarana)	,,/-	मू+वृ(प ग)
583	टू-702	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,,/	,, (,,)
584	टू 565	,,	,,	,,	मू प
585	न-1144	,,	,,	,,	,,
586	नो-501	,,	,,	,,	,,
587	प्रा-186	,,	,,	,,	,,
588	प्रा-175	,,	,,	,,	,,
589	प्रा-179	,,	,,	म हेमचन्द्र	,,
590	प्रा-171	,,	,,	,,	,,
591-3	दा 29,30, 319	,, 3 प्रतियां	,, 3 Copies	,,	,,
594-6	नो-338,436 623	प्रदेशीबोध 3 प्रतियां	Pradeśi Bodha 3 ,,	ज्ञानचन्द	पद्य
597	टू-1059	प्रदेशी व केशी प्रश्न	,, & Kesi Praśna	—	गद्य
598	प्रा-1	प्रवचन सदोह	Pravacana Sandoha	—	,,
599	दा-91	,,	,,	—	,,
600	न-685	प्रवचनसार (बालावबोधसह)	Pravacanasāra (with Bālāvabodha)	कु दकु द/हिमराज पाटे	मू+बा(प ग)
601	न-544	प्रवचन सारोद्धार	Pravacana Sārodhāra	नेमिचन्द्र सूरि	मू प
602	ड-1063	,,	,,	,,	,,
603	न-627	,,	,,	,,	,,
604	दा-50	,,	,,	,,	,,
605	नो 169	,	,,	,,	,,
606	दा-76	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	14	28 × 12 × 18 × 42	सपूर्ण 505 गाथा	1478	भादवा वुदि 11 सोमे मु जिगपुरे लख्यत
,,	,,	11	34 × 15 × 15 × 60	,, ,, ,,	16वी	
,,	प्रा स	108	28 × 11 × 15 × 60	,, ,, ,,	16वी	
,,	प्रा	25	27 × 11 × 11 × 36	,, 514 ,,	1589	प्रथम पन्ना कम
,,	प्रा स	94	27 × 11 × 17 × 59	लगभग पूर्ण	16वी	कथासह,प्रथम व अतिम पन्ना नही
,,	,,	269	27 × 11 × 16 × 53	स 505 गाथा की	16वी	
,,	प्रा	18	27 × 12 × 13 × 45	,, 505 ,,	17वी	
,,	,,	16	27 × 11 × 13 × 44	अ 68 से 505 गा.	17वी	
,,	,,	10	27 × 12 × 18 × 58	स 505 गा.	17वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 16 × 60	,, ,,	17वी	
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 46	,, ,,	1656	
,,	,,	19	26 × 11 × 13 × 45	,, ,,	1669	
,,	,,	22	27 × 11 × 13 × 61	,, ,,	18वी	
,,	,,	27,24, 23	27 × 12 × 11 × 35से 45	,, ,,	18वी	
राजप्रश्नीय उपदेश	मा	22,18, 11	24से26 × 11से12	1स 588गा , 2मे27ढालें	1724व19वी	3 मे 13 ढालें ही
,,	,,	5	26 × 11 × 9 × 30	स 10 दृष्टातसह	19वी	
शास्त्रसार	प्रा	202*	38 × 5 × भिन्न2	स ग्र 250	13वी	ताड पत्र पर
,,	,,	20*	32 × 13 × 13 × 45	,, ,,	17वी	
शास्त्र साराश	प्रा मा	251	26 × 13 × 11 × 42	सपूर्ण	1740	
,,	प्रा	94	27 × 12 × 11 × 41	,, 1606 गाथा	1587	
,,	,,	109	27 × 11 × 9 × 39	स.	16वी	जिनचदसूरि सि-साण सिरि अम्म एव सूगीणयाय पकय पराएहि
,,	,,	36	27 × 12 × 17 × 61	,, 1636 गाथा	16वी	
,,	,,	99	27 × 12 × 11 × 33	स 1535 ,,	16वी	
,,	,,	64	26 × 12 × 13 × 48	स 1617 ,,	16वी	
,,	,,	42	27 × 11 × 17 × 55	स 1610 ,,	1693	

1	2	3	3 A	4	5
607	जो-170	प्रवचन सारोद्धार	Pravacana Sārodhāra	नेमिचन्द्रसूरि	मू प.
608	धा-185	,,	,,	,,	,,
609--12	धा-26,13, 16,391	,, 4 प्रतियें	,, 4 Copies	,,	,,
613	त-1215	,,	,,	,,	,,
614	डू-55	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	नेमिचन्द्र/सिद्धसेन	मू+वृ(प ग)
615	धा-4	,, की वृति	,, kī Vṛtti	सिद्धसेन	गद्य
616	डू-1060	,, ,,	,, ,,	,,	,,
617	धा-47	प्रवचन सारोद्धार विषम पदार्थ-वबोध	Pravacana Sārodhāra Viṣama Padārthāvabodha	उदयप्रभ सूरि	,,
618	त-796(प्र ब)	,, (लघु)	,, Laghu	—	,,
619	डू-944	,, बोल	,, Bola	टीका से उद्धृत	,,
620	त-598	प्रव्रज्या (विधान) कुलक	Pravrajyā (Vidhāna) Kulaka	—	पद्य
621	धा-322	,, कुलक	,, Kulaka	—	मू प
622	डू-406	,, ,,	,, ,,	—	मू+ट (प ग)
623	त-626	प्रशमरति प्रकरण	Praśamarati Prakarana	उमास्वाति	मू प
624	डू-1351	प्रश्नोत्तर रत्नमाला	Praśnottara Ratnamālā	विमलसूरि	,,
625	त-598	,	,, ,,	,,	पद्य
626-7	डू-759,495	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 Copies	,,	मू+ट(प ग)
628	धा-418	,,	,, ,,	,,	,, ,, (,,)
629	त-23	,, की वृति	,, ,, kī Vṛtti	देवेन्द्रसूरि	गद्य
630	धा-136	,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
631	डू 1156	,, ,,का बालावबोध	,, ,,kā Bālāvabodha	—	,,
632-4	डू 755, 1200767	प्रस्ताविक श्लोक संग्रह 3प्रतियां	Prastāvika Śloka Sangraha 3 Copies	संकलन	पद्य
635	त-1250	,, ,,	,, ,,	,,	,,
636	डू-351	,, ,, ,,व कथायें	,, ,, ,, & Kathāyen	,,	ग प
637	ध-1023/६	प्रीत छत्तीसी	Pritachattisi	सहज कीर्ति	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
शास्त्र साराश	प्रा	68	27 × 11 × 13 × 43	स 1617 गाथा	1696	
,,	,,	51	29 × 13 × 15 × 47	स 1523 गा , ग्र 2300	17वी	1840 मे भडार-करण
,,	,,	60,59, 77,3	26से33 × 12से14	प्रथम 3 स 1556/ 1644 गा	19/20वी	अतिम 23 गाथा मात्र
,,	,,	37	28 × 12 × 8 × 37	अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा म	292	25 × 11 × 19 × 71	स वृ ग्र 18000	18वी	
,,	स	430	32 × 13 × 13 × 52	स ,, ग्र 18000	1683	
,,	,,	362	26 × 12 × 17 × 55	स ,, ग्र 19000	1864	
,,	,,	59	27 × 12 × 18 × 42	स ग्र 3003	16वी	
,,	प्रा	18*	27 × 12 × 6 × 38	अपूर्ण	19वीं	नेमीचद के अलावा कृति
शास्त्र सारबोल	स	21*	26 × 12 × 15 × 53	प्रति पूर्ण	1705	9 से 21 पन्ने है
दीक्षा/औपदेशिक	,,	7*	24 × 10 × 13 × 54	सपूर्ण 33 गाथा	17वी	
दीक्षा विधान	प्रा.	2	26 × 11 × 13 × 43	स 34 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	3	26 × 15 × 16 × 44	स 34 ,,	19वी	
औपदेशिकसैद्धान्तिक	स	7	27 × 12 × 16 × 52	स 315 श्लोक	16वी	
,, प्रश्नोत्तर	,,	3	27 × 12 × 7 × 30	स 29 ,,	16वी	
औपदेशिक ,,	,,	7*	24 × 10 × 13 × 54	अपूर्ण 15 ,,	17वी	
औपदेशिक प्रश्नोत्तर	स मा	4, 4	26 × 11व27 × 12	सपूर्ण 29 ,,	18वी	
,, ,,	,,	4	26 × 11 × 13 × 30	,, 29 ,,	19वी	
,, ,,	स	158	33 × 13 × 13 × 50	स ग्र 7880	1677	
,, ,,	,,	178	33 × 13 × 13 × 60	,, 7880	17वी	
,, ,,	मा	10	26 × 12 × 11 × 39	स 29 प्रश्न	20वी	
धार्मिक औपदेशिक	प्रा स	24,5,2	25से26 × 11से13	प्रतिपूर्ण 304,–,22श्लोक	1852से20वी	
,,	स.	12	27 × 12 × 5 × 44	त्रुटक	19वी	
,,	,,	30	20 × 11 × 11 × 30	अपूर्ण	19वी	
राग के त्याग पर	मा	1	26 × 11 × 17 × 46	सपूर्ण 36 गाथा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
638	त-1154	बनारसी विलास	Banārasīvilāsa	बनारसीदास	प ग
639	डू-855	,,	,,	,,	पद्य
640	त-1209	,,	,,	,,	प ग
641	त-233	बारह्भावना—सज्झाय	Bāraha Bhāvanā Sajjhāya	जयसोमगणि	पद्य
642-4	लो-360,637, 350	,, ,, 3 प्रति	,, ,, ,,3 Copies	,,	,,
645	व उ गु -5	बारहभावना	Bāraha Bhāvanā	गणिसोम प्रमोदमाणक शिष्य	,,
646-7	डू-1295,153	,, -सज्झाय 2प्रतियां	,, Sajjhāya 2 Copies	जयसोमगणि	,,
648	त-210	,, ,,	,, ,,	बुद्धिहंस	,,
649	त-1182	,, ,,	,, ,,	विजयसिंह	,,
650	त-923	,, ,,	, ,,	पद्मराज	,,
651	डू-1328	,, (द्वादश) सज्झाय	,, (Dvadaśa)Sajjhāya	राजकवि	,,
652	मा-81	,, (,,) ,,	,, (,,) ,,	जयमुनि	,,
653	डू-578	,, ,,	,, ,,	अज्ञात	,,
654	त-1125	बारह भावना सज्झाय	Bāraha Bhāvanā Sajjhāya	—	,,
655	लो-622	बावीस परिषह चोपई	Bāvīsa Parisaha Caupaī	ऋषिरायचन्द	,,
656--65	लो-280A, 302,312, 347,356, 424,451, 499, 616, 699	बोल-थोकड़ा-संग्रह 10 प्रतियां	Bola Thokaḍā Sangraha 10 Copies	संकलन	ग तालिका यंत्र
666--75	डू-123,405, 411, 764, 834, 997, 1000,1051, 1168,1233	,, 10 ,,	,, ,, 10 ,,	,,	,, ,,
676-8	मा-360, 361,341	,, (62 मार्गणायंत्र) 3 प्रतियां	,, , (62 Mārganā Yantra) 3 Copies	,,	,, ,,
679--80	मा-102,147	,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 ,,	,,	,, ,,
681-7	त-282,425 450,594, 895 896, 899	,, 7 ,,	,, ,, 7 ,,	,,	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक स्फुट रचना सकलन	हि	113	26 × 13 × 13 × 35	सपूर्ण	1717	
,,43 ,, ,,	,,	62	26 × 12 × 15 × 44	,,	1771	
,, ,, ,,	,,	103	26 × 12 × 9 × 30	त्रुटक	19वी	
औपदेशिक वैराग्य	मा	5	27 × 12 × 10 × 44	म 72 गाथा (12 ढालें)	1700	
,,	,,	3,10*, 9	25से26 × 11से12	स 71 ,, ,,	1772/1835	
,, समत्व पर	,,	11	12 × 10 × 12 × 15	त्रुटक 13 ढालें	18वी	
,,वैराग्यपरक	,,	4,20*	26 × 12व26 × 11	सपूर्ण 71 गाथा	19वी	
,, ,,	,,	4	26 × 11 × 15 × 50	स 71 गा 12 ढालें	19वी	
,, ,,	,,	5	27 × 12 × 13 × 42	लगभग पूर्ण	19वी	अतिस पन्ना नही है
,, ,,	,,	3	25 × 11 × 16 × 37	सपूर्ण 12 छद	19वी	
,, ,,	,,	8	26 × 12 × 11 × 35	स 52 ,,	19वी	
,, ,,	,,	7	26 × 12 × 11 × 40	स	19वी	जय सोम का शिष्य
,, ,,	,,	4	28 × 13 × 11 × 36	,, 12 छद ढालें	19वी	
,, ,,	,,	7	27 × 12 × 9 × 25	अपूर्ण 10 भावना तक	19वी	
,, ,,	,,	6	23 × 13 × 16 × 46	सपूर्ण 22 ढालें	1891	
तात्त्विक औपदेशिक	,,	7,3,3, 4,10, 10,8,5, 6,5	21से27 × 11से13	प्रतियें पूर्ण विविध	19/20वी	भेदद्वारो से विभिन्न विषयो के सख्या परक भग
,, ,,	,,	7,9,16 10,4, 14,4, 11,19, 7	20से27 × 8से13	,, ,,	19/20वी	,,
,, ,,	,,	2,1,2	25से27 × 12	,, ,,	19/20वी	,,
,, ,,	,,	7,16	27 × 12व25 × 11	,, ,,	19/20वी	,,
,, ,,	,,	4,9,20, 2,2,2, 2	24से28 × 12से13	,, ,,	19/20वी	,,

1	2	3	3 A	4	5
688	त-1107	बोल थोकडा सताइस द्वार से जीव के	Bolā Thokaḍā of Jīva with 27 Dvāra	—	पद्य
689	त-828	ब्रह्मचर्य नववाड गीत	Brahmacarya Navavaḍa Gita	पुण्यसागर	,,
690	था-461	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
691	टू 186	,, ,, सज्झाय	,, , Sajjhāya	जिनहर्ष	,,
692	त-411	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
693	टू-859	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
694	त-1265	ब्रह्मविलास	Brahma-vilāsa	भगोतीदास	,,
695	टू-385	भक्ष्याभक्ष्य व दोष आलोचना	Bhaksvābhakṣya & Dosa Āloeanā	—	प ग
696	था-3	भवभावना	Bhavabhāvnā	म हेमचद (अभयदेव शिष्य)	मू प
697	त-1034	,,	,,	,,	,,
698	त-26	,, (वृतिसह)	,, (with Vṛtti)	,,/ स्वोपज्ञ	मू+वृ(प ग)
699	था-205	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	,, ,,	गद्य
700	त-381	भववैराग्यशतक	Bhava-Vairāgya-Śataka	—	पद्य
701	था-190	,,	,	—	मू प
702-3	था-374, 339	,, 2 प्रतिया	,, 2 Copies	—	,,
704	त-706	,	,,	—	,,
705	टू-407	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	—	मू+वृ(प ग)
706-8	टू-501,610, 775	भववैराग्य शतक 3 प्रतिया	,, 3 Copies	—	मू+ट(प ग)
709	जो 597	,,	,,	—	,, (,,)
710	त-581	,,	,,	—	,, (,,)
711	ट-1373	भावना छत्तीसी	Bhāvanāchattisī	भीमराज	पद्य
712	त-752	भावनावेली	Bhāvanā-velı	यशसोम का शिष्य	,,
713	मो-510	,,	,,	,,	,,
714	ब उ गु -1	,,	,,	,,	,,
715	टू-796	भावना विलास	Bhāvanā-vilāsa	लक्ष्मीवल्लभ	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक औपदेशिक	मा	5	27 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण 117 गाथा	19/20वी	
औपदेशिक	,,	2	26 × 12 × 12 × 38	सपूर्ण 20 ,,	1702	
,,	,,	2	27 × 12 × 12 × 55	स 20	19वी	साथ मे 2 स्तवन, सामान्य
,,	,,	12*	21 × 11 × 13 × 38	स	1833	
,,	,,	13	18 × 12 × 9 × 21	,, 97 छद	1848	
,,	,,	4	26 × 12 × 15 × 43	स	19वी	
दार्शनिक/ईश्वरादि	हि	4	26 × 11 × 13 × 45	त्रुटक	1772	पत्राक 29, 31, 100, 110
औपदेशिक	मा	2	25 × 11 × 12 × 50	सपूर्ण	1839	
,,	प्रा	35*	37 × 5 × भिन्न	अपूर्ण(त्रुटक 35पन्नो मे)	12वी	ताडपत्र पर
,,	,,	16	26 × 12 × 16 × 45	531 गाथायें	1466	प्रथम पन्ना कम
,,	प्रा स	317	33 × 13 × 13 × 50	स ग्र 13000	1675–80	
,,	स	293	33 × 12 × 13 × 56	स ग्र 13000	17वी	
,,	प्रा	14*	27 × 12 × 12 × 35	सपूर्ण 104 गाथा	1648	
,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 60	,, 104 ,,	19वी	
,,	,,	9*,2	27 × 12व27 × 11	स 104/5 ,,	19/20वी	
,,	,,	4	27 × 12 × 15 × 52	स 103 ,,	18वी	
,,	प्रा स	5	26 × 12 × 5 × 45	अपूर्ण 49 गाथा तक ही	19वी	
,,	प्रा मा	8,23*, 8*	26से27 × 11से12	सपूर्ण 104 गाथा	19/20वी	
,,	,,	10	24 × 12 × 6 × 38	स 104 ,,	19वी	
,,	,,	10	27 × 12 × 13 × 45	स 104 ,,	19वी	
,,	मा	1	26 × 13 × 15 × 47	स 36 छद	19वी	
,,12भावना	,,	4	26 × 12 × 14 × 51	स 122 गाथा	19वी	
,, ,,	,,	4	27 × 13 × 18 × 42	स 122 ,,	19वी	
,, ,,	,,	12	15 × 12 × 17 × 17	स 135 ,,	18वी	
,, ,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 40	स 52 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
716	टू-388	भावना विलास	Bhāvanā-Vilāsa	—	पद्य
717	त-944	भावप्रकरण	Bhāvaprakarana	विमलविनय	मू प.
718	टू-1153B	,, की व्याख्या	,, ki Vyākhyā	,,/स्वोपज्ञ	गद्य
719-20	ट-1171A, 1375	भावषट्त्रिंशिका 2 प्रतियां	Bhāva Ṣattrimśikā 2 Copies	ज्ञानसार	पद्य
721	टू-1377	,,	,,	,,	,,
722	जो-231B	,,	,, ,,	,,	,,
723	त-641	,,	,, ,,	,,	,,
724	त-1028	,,	,, ,,	,,	,,
725	टू-1377	मतिप्रबोध-छत्तीसी	Matiprabodha-Chattīsī	,,	,,
726	जा-231B	,,	,, ,,	,,	,
727	त-641	,, षट्त्रिंशिका	,, Ṣattrimśikā	,,	,,
728	चा-389	मनोरथमाला	Manorathamālā	खेमराजमुनि	पद्य
729	त-879	मरणान्तिक अनशन गाथा	Marnāntika Anaśana Gāthā	—	मू प
730	जा-355	महादण्डक	Mahādandaka	—	गद्य
731	त-918	महादण्डक-स्तोत्र	Mahādandaka Stotra	—	पद्य
732	त-573	मिथ्यात्वकुलक	Mithyātvakulaka	—	मू प
733	चा-474	,,	,, ,,	—	,,
734	ना-227	मुक्तमाला	Muktamālā	मनराज	पद्य
735	टू-1032	मुक्तावली	Muktāvalī	,,	,,
736	टू-1277	मूर्खविचार (सज्झायसह)	Mūrkha Vicāra (with Sajjhāya)	—	ग प
737	त-113	मूल शुद्धि स्थान प्रकरण (वृत्तिसह)	Mūlaśudhi Sthāna Prakarana (with Vrtti)	प्रद्युम्नसूरि/देवचन्द्र	मू+वृ
738-9	त-449, 528	मैत्र्यादिक 4 भावनादि 2 प्रतियां	Maitrādika 4 Bhāvanādi 2 Copies	—	ग प
740	टू-379	मोती कपासिया-संवाद	Motī Kapāsiyā Samvāda	मुनिश्रीसार	पद्य
741-2	त-946,211	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक12भावना	हि	6	26×13×11×34	अपूर्ण	19वी	
आत्मभाव विषयक	प्रा	3	20×13×11×35	सपूर्ण 30 गाथा	19वी	आनद विमल का शिष्य
,,	स	4	27×12×20×62	स 30 ,, की	1623	
भावशुद्धि विषयक	मा	3,3	27×13व22×12	स 39 छद	1886+19वीं	दूसरी प्रति मे अर्थ भी है
,, ,,	,,	7*	27×12×12×29	स 36 पद	1870	
,, ,,	,,	7*	28×13×15×48	स 39 ,,	1870	
,, ,,	,,	11*	23×11×12×35	स 37 ,,	1907	
,, ,,	,,	2	27×12×12×33	म 39 छद	1904	
औपदेशिक	,,	7*	27×12×12×29	म 36 पद	1870	
,,	,,	7*	28×13×15×48	म 37 ,,	1870	
,,	,,	11	23×11×12×35	स 36 ,,	1907	
,,	मा	3	26×12×13×44	स 52 ,,	19वी	
,, विधिपरक	प्रा	2	25×12×9×30	अ 3 से 23, 73 से 87	19वी	
तात्त्विक	मा.	28	26×13×17×40	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	27×12×12×35	,, 28 गाथा	19वी	
दार्शनिक	प्रा	2	27×12×9×33	स 26 ,,	19वी	
,,	,,	2	27×12×12×53	स 26 ,,	19वी	
औपदेशिक	मा	6	27×13×13×21	अपूर्ण 47 छद	19वी	
,, व सुभाषित	प्रा स	76	29×12×12×47	प्रतिपूर्ण	19वी	
मूर्ख लक्षण व उपदेश	मा	3	27×14×15×50	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	प्रा स	283	26×11×15×53	,, ग्र 13000	16वी	प्रच्छन्ना सूरि
स्फुट धार्मिक विषय	मा.	8,10	26×12व25×13	स	1910व20वी	वैकल्पिककर्ता नाम सामान्य
औपदेशिक	,,	5	20×10×12×36	,, 6 ढालें+दोहे	1846	
,,	,,	3,4	27×13व27×11	स 112 गाथा	1855व20वी	

1	2	3	3 A	4	5
743	टू 766	यति (साधु) आराधना	Yati (Sādhu) Ārādhanā	समयसुन्दर	गद्य
744	टू 112	,, ,,	,, ,,	—	,,
745	टू-98	,, ,,	,, ,	—	,,
746	टू-1170	योगदृष्टि-सज्झाय (व्याख्यासह)	Yogadṛsti Sajjhāya (with Vyākhyā)	उ यशोविजय/ज्ञान विमल	मू+व्या (प ग)
747	टू-455	योगबिन्दु	Yogabindu	हरिभद्र	पद्य
748	न-542	योगसार	Yogasāra	मुनियोगेन्द्रदेव	मू+ट (प ग)
749	न-498	योगशास्त्र (अध्यात्म उपनिषद्) (विवरणसह)	Yogaśāstra (Adhyātma Upanisad) (with Vivarana)	हेमचन्द्राचार्य/स्वोपज्ञ	मू+वृ(प ग)
750	टू-1043	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,, ,,	,, (,,)
751	धा-88	,, (विवरणसह)	,, (with Vivarana)	,, ,,	,, (,,)
752-3	धा-153,53	योगशास्त्र 2 प्रतियां	Yoga Śāstra 2 Copies	,,	मू प
754	न-160	,,		हेमचन्द्राचार्य	,,
755	धा-166	,,	,	,,	,,
756	न-1152	,,	,	,,	,,
757	धा-298	,,	,,	,,	,,
758-9	टू-622	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	,,
760	टू-1179	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,,	मू+बा(प ग)
761	धा 230	,,	,,	,,	मू प
762-4	न-509, 1121,1153	,, 3 प्रतियां	,, 3 Copies	,,	,,
765-6	धा-37,373	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
767	धा-91	,,	,,	,,	,,
768	न-510	, का बालावबोध	,, Kā Bālāvabodha	—	गद्य
769-70	टू-1374,18	राचबत्तीसी 2प्रतियां	Rācabattīsī 2 Copies	ऋषिराची	पद्य
771	धा 465	रूपकमाला	Rūpakamālā	पुण्यनंदी	,,
772	न-1330	रंगबहोत्तरी	Ranga bahottarī	जिनरंगसूरि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा	15	26 × 11 × 11 × 45	स ग्र 350	1855	
,,	,,	5	25 × 12 × 19 × 64	स	19वी	
,,	प्रा मा	4	26 × 11 × 17 × 51	,,	19वीं	
योग साहित्य	मा	33	27 × 13 × 3 × 24	,, 9 ढालें84गाथाग्र 127	19वी	हरिभद्र अनुमारे
योग, सैद्धान्तिक	स	25*	34 × 13 × 17 × 70	म ग्र 520	16वीं	
योग साहित्य	आ मा	23	25 × 12 × 9 × 31	म 108 गाथा	1740	
,,	स	197	30 × 11 × 15 × 60	स 12प्रकाश/ग्र 12394	14वी	
,,	,,	42	29 × 10 × 11 × 53	म 12 ,, /ग्र 12394	1585	
,,	,,	292	32 × 12 × 13 × 52	स 12 ,, /ग्र 12394	17वी	
,,	,,	19,15	26 × 11व25 × 12	स (दोनो मिलाकर)	1599/1608	पहिली 4 प्रकाश, दूसरी 5-12
,,	,,	19	27 × 12 × 13 × 39	अपूर्ण चौथे प्रकाश तक)	1633	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 57	,, ,,	17वी	
,,	,,	26*	21 × 12 × 11 × 36	,, ,,	17वी	आठवा पत्र नही
,,	,,	14	21 × 9 × 11 × 35	अ तीसरे प्रकाश तक	17वी	
,,	,,	10,8	27 × 11व23 × 11	अ त्रुटक 1-4 अपूर्ण	17वी	
,,	स मा	43	27 × 12 × 10 × 40	चार प्रकाश तक/ग्र 1600	18वी	
,,	स	2	27 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण केवल पयम प्रकाश	18वी	
,,	,,	6,19,9	25से27 × 11से12	अ त्रुटक, 4 प्रकाश तक	19वी	
,,	,,	14,3	28 × 11व26 × 11	अ 4 प्रकाश,प्रथम प्रकाश	19वी	
,,	,,	27	26 × 11 × 15 × 47	अ 4 प्रकाश	19वी	
,,	अ	126	28 × 12 × 13 × 51	अ 4 ,, तक	16वी	
आपदेशिक	मा	1,1	26 × 12व16 × 23	सपूर्ण 32 गाथा	19वी	गुटके के पन्ने 112 पर
शीलोपदेश	,,	2	25 × 11 × 12 × 37	न 33 ,,	19वी	
औपदेशिक पद	,,	2	26 × 12 × 13 × 50	स 73 छद	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
773	डू-976	लोकतत्त्व निर्णय	Lokatatva-nirnaya	हरिभद्र	पद्य
774	धा-127	वनस्पति-सप्ततिका	Vanaspati-saptatikā	मुनिचन्द्रसूरि	,,
775	डू-1155	,, ,,	,, ,,	,,	,,
776	न-1087	वर्द्धमान देशना	Vardhamāna Deśanā	शुभवर्द्धनगणि	मू प
777	डू-491	,,	,,	,,	,,
778	डू-1189	,,	,,	राजकीर्ति	गद्य
779	डू-831	,,	,,	,,	,,
780	डू-994	विचारपंचाशिका (अवचूरिसह)	Vicārapañcaśikā (with Avacūri)	विजयविमल	मू+अ(प ग)
781	न-269	विचार प्रकीर्णक	Vicāra-prakiranaka	महेश्वरसूरि	मू प
782	धा-127	विचार-सप्ततिका	Vicāra-Saptatikā	देवेन्द्र	पद्य
783-4	न-945,1041	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू प
785--98	डू-190,380, 409, 760, 755,772 844, 861, 1005,1155 1198,1283 1307,1340	विचार-संग्रह 14 प्रतियां	Vicāra-Saṅgraha 14 ,,	सकलन	ग प
799	धा 392	,,	,,	,,	,,
800-3	न-370,800, 1079 1132	,, 4 प्रतियां	4 Copies	,,	गद्य
804-7	को-387,433 476,519	,, 4 ,,	, 4 ,,	,,	,,
808	ड-1137	,,	,,	समयसुन्दर	ग प
809	डू-1121	,,	,	संकलन	ग
810	धा-145	विचारसार	Vicāra-sara	—	,,
811	ब उ गु 22	विनय छत्तीसी	Vinaya Chattisi	महिमा समुद्र	पद्य
812	धा-106	विवेक मंजरी	Viveka Mañjari	आसड	मू प
813-5	धा-2.. 57	,, 3 प्रतियां	, 3 Copies	,,	,,
816	धा-163	,, (बालावबोधसह)	, (with Bālāvabodha)	,,	मू+बा(प.ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकोत्पत्ति आदि विचार	स.	4	26 × 11 × 16 × 51	स लगभग 130 श्लोक	1850	जयनगर मे
लोकस्वरुप	प्रा	10*	27 × 12 × 14 × 34	स 71 गाथा	18वी	
,,	,,	10*	27 × 11 × 20 × 60	स 77 ,,	17वी	
10श्रावक प्रतिबोध	,,	101	28 × 12 × 15 × 56	अपूर्ण301 गा से अत तक	17वी	
,,	,,	110	27 × 12 × 15 × 54	सपूर्ण 10 उल्लास	17वी	
,,	स	118	27 × 13 × 15 × 39	,, 10 ,,	1879	
,,	,,	132	27 × 13 × 14 × 42	,, 10 ,,	19वी	
तात्विक सैद्धान्तिक	प्रा स	7	27 × 12 × 16 × 50	स 51 गाथा	19वी	
,, दार्शनिक	प्रा	5	28 × 12 × 13 × 30	स 86 ,,	1662	
प्रतिमा यावत् गुण-स्थान	,,	10*	27 × 12 × 14 × 34	स 75 ,,	18वी	
,, ,, ,,	,,	3,12*	28 × 12व27 × 13	1 सपूर्ण 72गा , 2अपूर्ण	19वी	
विविध तात्विक औपदेशिक	प्रा स मा	6,5 42, 21,17,7 43,27,5 17,12, 7,9,6,	25से28 × 11से13	सपूर्ण,अपूर्ण(पत्रिकानुमा)	19/20वी	उद्धरण,चर्चा, लेख सामान्य
,, ,, ,,	,,	11	26 × 11 × 14 × 28	,, ,,	19/20वी	,,
,, ,, ,,	,,	6,9, 10,7	27से29 × 12से13	,, ,,	19/20वी	,,
,, ,, ,,	स मा	32,3, 50,6	27से29 × 12से13	,, ,,	19/20वी	,,
कठिन शास्त्रीय प्रश्नो का निराकरण	प्रा स	50	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण	1877	
विविध विषय	प्रा स मा	288	20 × 8 × 10 × 38	अपूर्ण	17वी	उद्धरण,चर्चा,लेख सामान्य
,,	स	247	34 × 14 × 13 × 59	सपूर्ण	17वी	,,
औपदेशिक	मा	3	15 × 10 × 13 × 15	,, 36 गाथा	19वी	
,,	प्रा	7	27 × 12 × 11 × 46	,, 144 ,,	15वी	
,,	,,	7 7	26से27 × 11	स 144/45 गाथा	19/20वी	
,,	प्रा मा	16	27 × 11 × 13 × 53	स 145 ,,	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
817	डू-779	विवेक मजरी	Vıvek Mañjarı	धामह	मू प
818	था-206	,, की वृत्ति	,, kī Vṛttı	,,/ वालचन्द	गद्य
819	त-503	विवेक विलास	Vıvekavılasa	जिनदत्तसूरि	पद्य
820	डू-744	,,	,,	,,	,,
821	डू-745	,, (वालाववोधमह)	,, (wıth Bālāvabodha)	,,/—	मू+वा(प ग)
822	था-141	विशेपणवती	Vıśesaṇavātī	जिनभद्र/क्षमाश्रमण	गद्य
823-5	डू-1061, 694,696	विशेप सग्रह (शतक) 3 प्रतियां	Vıśesa Saṅgraha (Śataka) 3 Copıes	समयसुन्दर	,,
826	त-1083	वैक्रियदेह भाव,सम्यक्त्व गाथादि	Vaıkrıya Dehabbāva, Samyaktva Gathādı	—	पद्य
827	लो-215	शास्त्रबोल	Śastrabola	ऋषिकांहानजी	गद्य
828	त-1246	शील के भागे	Śıla ke Bhānge	—	,,
829	त-1023 इ	शील-वत्तीसी	Śıla-battīsī	राजसमुद्र	पद्य
830	था-452	शील-वावनी	Śīla-bāvanī	—	,,
831	त गु 8	शीलरास	Śıla-rāsa	विजयसुरिदेव	,,
832	डू-41	,, (रक्षा)	,, (Raksā)	विजयदेवसूरि	,,
833	लो-636	,,	,,	,,	,,
834	था-379	,,	,	,,	,,
835-6	लो-488,493	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copıes	ज्ञानचन्दमुनि	,,
837	लो-513	,,	,,	,,	,,
838-9	था-203,449	शीलागरथ 2 प्रतिया	Śılāngarath 2 Copıes	—	यन्त्रनुमा
840-1	था-14अ,144	,, विचार 2 प्रतियां	,, Vıcāra 2 ,,	—	ग यन्त्र
842	डू-704	शीलोपदेशमाला (वृत्तिसह)	Śılopadeśamāla (wıth Vṛttı)	जयकीर्ति/सोमतिलक	मू+वृ(प ग)
843	त-655	,,	,,	जयकीर्ति	मू प
844	डू-862B	,,	,,	,,	,,
845	लो-203	,,	,,	,,	,,
846	त-1048	,, (वालाववोधसह)	,, (wıth Bālāvabodha)	,,/	मू+वा(प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	6	26×12×14×37	स 144 गाथा	1878	
,,	स	201	32×13×13×50	स 4 परमल ग्र 8000	17वी	
चारो पुरुषार्थ विषयक	,,	22	31×13×20×52	स 12 उल्लास ग्र 1575	16वी	गृहस्थ धर्मत्री
,,	,,	36	27×11×15×47	स 12 ,, ग्र 1387	1671	,,
,,	म मा	312	20×10×8×25	स 12 ,,	1917	,,
लोकस्वरुप स्वभाव	प्रा	11	33×13×13×55	स ग्र 419	17वी	
तात्त्विक प्रश्न निराकरण	मा	15,23, 38	26से28×11से13	स 140 विचार	1872से20वी	
लोकस्वरुद दर्शन	अ	3	27×12×13×45	अपूर्ण	19वी	
श्रवकाचार विधान	मा	19	28×14×15×36	सपूर्ण	1857	
औपदेशिक	,,	8	28×12×16×57	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	1	26×11×15×40	सपूर्ण 32 गाथा	19वी	
,,	,,	2	27×12×15×60	स 61 छद	19वी	
,,	,,	गुटका	16×14	म 71 ,,	19वी	नेमिनाथ प्रसग भी
,,	,,	,,	15×13	म 77 ,,	1690	,, ,,
,,	,,	11	24×11×11×40	स 77 ,,	20वी	,, ,,
,,	,,	10	26×11×11×38	स 78 ,,	20वी	,, ,,
,,	,,	6,6	26×12व27×13	स 103 गाथा	19/20वी	
,,	,,	11	26×12×15×35	म	19वी	
,,	स मा	1,1	31×12व27×11	,,	19/20वी	जीर्णवअ्रत मे श्लोक
,,	प्रा	9,9	27×12व33×13	,,	19/20वी	बोल चित्र यत्र
,,	प्रा स	114	26×11×19×52	,, ग्र 7100	16वी	कथामह
,,	प्रा	3	34×14×8×54	स 113 गाथा	16वी	
,,	,,	4	27×12×17×77	म 115 ,,	17वी	
,,	,,	7	27×12×11×40	स 116 ,,	17वी	
,,	प्रा मा	14	27×12×11×43	स 111 ,,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
847	भा-162	शीलोपदेशमाला	Śilopadeśamālā	जयकीर्ति	मू प
848	भा-97	,,	,,	,,	,,
849	त-1010	,,	,,	,,	,,
850	त-541	,,	,,	,,	,,
851	त-539	,,	,,	,,	,,
852	त-1152	,,	,,	,,	,,
853	त-1165	,,	,,	,,	,,
854-7	था-109,110, 111,335	,,	,,	,,	,,
858	त-1090	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,, /	मू+वृ(प ग)
859	त-534	,, (वालाववोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,,/मेरुसुन्दर	मू+बा(प ग)
860	लो-475	,, का वालाववोध	,, kā Bālāvabodha	—	गद्य
861	त-308	पट् पौरुषी विचार	Ṣat Paurūsī-vicāra	—	,,
862	त-1024	षड् दर्शन-सम्मुच्चय	Ṣaḍ Darśana Sammuccaya	हरिभद्र	पद्य
863	डू-806	,, (अवचूरिसह)	,, ,, (with Avacūri)	,,	मू+अ(प ग)
864	त-620	,, (वृत्तिसह)	Ṣad Darśana Sammuccaya (with Vṛtti)	,, /विद्यातिलक	मू+वृ (प ग)
865	त-600	षडस्थान (वृत्तिसह)	Ṣaḍ Sthāna (,,)	जिनेश्वर/जिनपाल	,, (,,)
866	त-22	,, (,,)	,, (,,)	,, / ,,	,, (,,)
867	था-2	,, (,,)	,, (,,)	,, / ,,	,, (,,)
868	था-23	षष्ठीशतक (बालावबोध सह)	Ṣasthī Śataka (with Bālāvabodha)	म नमिचंद/–	मू+बा (,,)
869	त-1168	,, —	Ṣasthī Śataka —	म ,,	मू प
870	लो-161	,,	,,	,,	,,
871-2	था-102,304	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	,,
873	भा-112	,,	,,	,,	,,
874	डू-950	,,	,,	,,	,,
875	भा-376	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	7*	26 × 11 × 14 × 51	स 115 गाथा	1635	
,,	,,	6	25 × 11 × 23 × 41	स 117 ,,	1661	
,,	,,	6	27 × 12 × 10 × 42	स 116 ,,	1662	
,,	,,	6	27 × 12 × 11 × 42	स 115 ,,	1674	
,,	,,	9	27 × 12 × 9 × 34	सपूर्ण 116 गाथा	1682	
,,	,,	26*	21 × 12 × 11 × 36	,, 116 ,,	17वी	
,,	,,	36*	26 × 11	,, 116 ,,	19वी	
,,	,,	6,6,6, 3*	26से27 × 12	स 116/15 गाथा	18/19वी	
,,	प्रा स	37	27 × 12 × 17 × 52	अपूर्ण,गुटक	19वी	
,,	प्रा मा	160	27 × 12 × 13 × 33	सपूर्ण कथासह	17वी	
,,	मा	21+17	26 × 12 × 15 × 40	स	19वीं	साथ मे 7 पौराणिक कथायें
,, रुपककथा	स	20	27 × 12 × 13 × 48	,,	18वी	
दार्शनिक चर्चा	,,	2	26 × 11 × 17 × 40	,, 90 श्लोक	19वीं	
,,	,,	5	27 × 12 × 10 × 40	स 87 ,,	16वी	
,,	,,	22	25 × 12 × 15 × 70	स 87 श्लोक ग्र 1250	17वी	
श्रावकाचारादि	प्रा स	70	23 × 9 × 9 × 40	स ग्र 1494	15वी	जिनपतिसूरी द्वारा सशोधित प्रशास्ति है।
,,	,,	37	33 × 13 × 13 × 50	स ग्र 1496	17वी	
,,	,,	36	33 × 14 × 13 × 57	स ग्र 1494	17वी	
औपदेशिक	प्रा मा	39	26 × 12 × 13 × 37	स 161 गाथा	1496	
,,	प्रा	8	27 × 12 × 13 × 40	,, 160 ,,	16वीं	
,,	,,	12	27 × 11 × 7 × 48	,, 161 ,,	16वीं	
,,	,,	6,8	27 × 12व22 × 10	,, 161 ,,	17वी	
,,	,,	15	27 × 11 × 13 × 50	,, 160 ,,	18वी	
,,	,,	7	27 × 12 × 13 × 38	,, 161 ,,	18वीं	
,,	,,	9	27 × 11 × 11 × 37	,, 164 ,,	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
876	डू-1252	षष्टीशतक	Ṣasṭhī Śataka	भ नेमीचद	मू+ट(प ग)
877	लो-167	,,	,,	,,	मू प.
878	था-12	षोडषक	Ṣoḍaska	हरिभद्र	,,
879	था-11	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,, /यशोभद्र	प ग
880	त-540	,,	,,	हरिभद्र	पद्य
881	ग्रा-121	श्रमण दिनचर्या	Śramana Dinacaryā	भावदेवसूरि	,,
882	त-129	,,	,,	,,	,,
883-4	डू-323,1369	श्रावक–ग्राराधना 2प्रतिया	Śrāvaka-āradhanā 2Copies	समयसुन्दर	गद्य
885	त-351	,,	,,	,,	,,
886	डू-1218	,,	,,	,,	,,
887	डू-650	,,	,,	—	पद्य
888--89	लो-534A, 534B	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	—	गद्य
890-2	डू-508,1371, 10A	,, 3 ,,	,, 3 ,,	—	,,
893-6	ला-231A, 378,480 296	,, 4 ,	,, 4 ,,	—	,,
897-8	त-385,1201	,, 2 ,,	,, 2 ,,	—	,,
899	डू-1331	,, के 10 ग्रधिकार	,, ke 10 Adhikāra	नयविजय	पद्य
900	डू-118A	श्रावक करणी	Śrāvaka Karaṇi	—	,,
901	लो-482	,, कर्तव्य	,, Kartavya	—	,,
902	डू-122	,, 9 ,,	,, 9 ,,	—	गद्य
903	डू-1199	,, कर्तव्य, जीवन वृत	,, Kartavya, Jīvana Vṛta	—	पद्य
904	लो-502	,, धर्म	,, Dharma	—	,,
905	था-60	,, प्रज्ञप्ति	,, Prajñapti	उमास्वाति	,,
906	ग्रा–1	,, वक्तव्यता	,, Vaktavyatā	—	,,
907	डू-237	,, विधि चौपई	,, Vidhi Caupaī	खेमराज	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा मा	15	27 × 12 × 5 × 48	,, 159½ गाथा	19वी	अतिम पन्ना नही है
,,	प्रा	8	27 × 13 × 10 × 38	त्रुटक अपूर्ण	18वी	साथ मे पार्श्वस्तोत स्तवन है
दार्शनिक	स	8	34 × 14 × 13 × 60	स 16 अध्या 296 श्लोक ग्र 296	1671	
,,	,,	40	34 × 14 × 13 × 46	सपूर्ण ग्र 1500	1671	
,,	,,	10	27 × 12 × 13 × 42	स ग्र 296	17वी	
साधुकर्तव्य	प्रा	13	26 × 11 × 13 × 55	स 391 गा ग्र 500	16वी	जोधपुरे मुनिलालेन
,,	,,	5	26 × 11 × 16 × 48	स 154 गाथा	1651	वीरमपुरे, लूकड मदेवा
श्रावकाचार	स	6,6	26 × 11व26 × 12	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	6	27 × 13 × 16 × 43	,,	1891	साथ मे पद्मावती समय सुन्दर
,,	,,	6	26 × 13 × 15 × 40	,,	1667	प्रथम पन्ना कम है
,,	,,	6	26 × 12 × 15 × 39	,, 5 अधिकार	1806	
,,	मा	10,10	26 × 13 × 13 × 28	,,	19/20वी	साथ मे पद्मावती सज्झाय
,,	,,	6,7,11	25से27 × 11से13	,,	1856/1942	
,,	,,	7,8, 11,15	25से27 × 12से14	,,	19/20वी	अतिम प्रति मे 7 पन्ने अविचार
,,	,,	11,6	26 × 13व27 × 12	1 सपूर्ण, 2 अपूर्ण	1895व20वी	पहिली मे'पद्मावती' समय सुन्दर
,,	,,	4	26 × 13	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	1	26 × 11 × 14 × 43	सपूर्ण	1862	
,,	,,	2	27 × 12 × 15 × 45	,,	19वी	
,,	स	4	23 × 11 × 15 × 41	,,	19वी	सामयिक यावत्तप
,,	,,	5	25 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा	29*	28 × 12 × 13 × 44	,, 117 गाथा	14/15वी	
,,	,,	17	27 × 12 × 11 × 44	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	202*	38 × 5 × भिन्न 2	,, 103 गाथा	13वी	ताडपत्र पर
,,	मा	6	26 × 13 × 13 × 27	स	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
908	था-299	श्रावक व्रत	Śrāvaka Vrata	श्री धर्मधरन्दर	पद्य
909	त-177	,, व्रत आलोचना	,, ,, Ālocanā	अज्ञात	प ग
910	डू-368	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	गद्य
911	डू-1136	श्रावक व्रत भग प्रकरण (अवचूरिसह)	,, ,, Bhang Prakarana (with Avacūri)	देवेन्द्रसूरि	मू+अ(प ग)
912	लो-391	श्रावक व्रत विचार चौसठी	,, Vrata Vicāra Causathī	नदसूरि	पद्य
913	त-832	श्रावक सज्झाय	,, Sajjhāya	जिनहर्ष	,,
914	मा-155	श्रावक समाचारी व्याख्यान	,, Sāmācāri Vyākhyān	—	गद्य
915	डू-1379	श्रावकाचार	Śrāvakācāra	—	,,
916	डू-210	श्राद्ध गुण सग्रह	Śrāddha Guna Sangraha	जिनमण्डनगणि	,,
917	लो-151	(श्राद्ध) श्रावक दिनकृत्य	(,,) Śrāvaka Dinakṛtya	देवेन्द्रसूरि	मू प
918	मा-154	,, ,,	,, ,,	,,	,,
919--20	त-124,127	,, ,, (वृत्तिसह) 2 प्रतिया	,, ,, (with Vṛtti) 2 Copies	,, /स्वोपज्ञ	मू+वृ(प ग)
921	मा-180	(श्राद्ध) श्रावक दिनकृत्य	Śrāvaka Dinakṛtya	,,	मू प
922	डू-59	,, ,,	,, ,,	,,	,,
923	था-31	,, ,,	,, ,,	,,	,,
924	त-658	,, ,,	,, ,,	,,	,,
925-6	था-32,36	,, ,,2 प्रतियां	,, ,,2Copies	,,	,,
927-9	था-13,92, 145	,, ,,3 ,,	,, ,,3 ,,	,,	,,
930	था-393	श्रुतज्ञान अवधिज्ञान के भेद	Śrutajñāna Avadhijñāna ke Bhed	—	पद्य
931	डू-802	शृ गार वैराग्य तरगिणि (वृत्तिसह)	Śṛngāra Vairāgya Taranginī (with Vṛtti)	सोमप्रभ/सन्मातरी	मू+वृ(प ग)
932	त-837	सचित्ताचित्त सज्झाय	Sacittācitta Sajjhāya	जयविमल	पद्य
933	त-388	सत्तरिसयट्ठाण	Sattari Sayatthāṇa	सोमतिलक	मू +ट (प ग)
934	त-390	,,	,,	,,	मू प
935	डू-1221	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावकाचार	प्रा	3	18 × 9 × 9 × 22	स	18वी	12 श्रावकव्रतो का विधान
,,	प्रा म	6	27 × 12 × 11 × 45	,,	1660	राधनपुरें
,,	मा	4	26 × 12 × 15 × 40	,,	19वी	
,,	प्रा स	10*	27 × 12 × 14 × 34	,, 41 गाथा	19वी	
,,	मा	2	26 × 12 × 17 × 47	स 64 पद	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 12 × 38	स 21 ,,	19वी	
,,	स	21	27 × 11 × 16 × 63	अपूर्ण	18वी	
अणुव्रतो पर दृष्टात	मा	7	27 × 12 × 9 × 40	त्रुटक	17वी	(110से116पन्ने)
श्रावक के 35 गुण वर्णन	स	36	27 × 11 × 20 × 56	स ग्र 2225	1572	पहिला पन्ना कम है
श्रावकाचार	प्रा	16	27 × 12 × 12 × 45	स 341 गाथा	16वी	
,,	,,	15	26 × 11 × 11 × 40	स 342 ,,	1595	
,,	प्रा स	281, 291	27 × 11 × 17 × 46	स 344गा /ग्र 12820 आठ प्रस्ताव	16वी	
,,	प्रा	13	26 × 11 × 13 × 44	स 341 गाथा	17वी	
,,	,,	16	26 × 11 × 11 × 39	स 341 ,,	1602	
,,	,,	16	27 × 12 × 11 × 43	स 346 ,,	1657	
,,	,	12*	33 × 15	स 340 ,,	18वी	
,,	,,	16,17	27 × 12 × 11 × 40	स 342/44 गाथा	18वी	
,,	,,	15,14, 8	26 × 11से12	स 340/42 ,,	19/20वी	
जैनज्ञान सिद्धांत	मा	2	26 × 12 × 9 × 28	स 25 पद	19वी	
औपदेशिक	स.	7	26 × 12 × 17 × 46	सपूर्ण 46 श्लोक	19वी	भक्ति सूरि का शिष्य
तात्त्विक भक्ष्याभक्ष्य विचार	मा	75*	26 × 11 × 15 × 64	स 27 गाथा	19वीं	
तीर्थंकर सूचनायें व तत्त्व	प्रा मा	41	26 × 12 × 11 × 40	स 360 ,,	1679	
,,	प्रा	17	27 × 12 × 13 × 43	स 348 ,,	19वी	
,,	प्रा.	20*	26 × 13 × 11 × 38	स 359 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
936	त-1256	समयसार (आत्मख्यातिसह)	Samayasāra (with Ātmakhyāti)	कुन्दकुन्द/अमृतचन्द्राचार्य	मू+वृ(प ग)
937	त-683	,, प्रकरण	,, Prakarana	देवानन्द	मू +ट (ग)
938	त-687	,,	,,	,,	मू ग
939	त-277	,, नाटक	,, Nātaka	बनारसीदास	पद्य
940-1	टू 849,854	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 Copies	,,	,,
942	त-1155	समाधितंत्र (बालावबोधसह)	Samādhi Tantra (with bālāvabodha)	पर्वतधर्मार्थी	मू+बा(प ग)
943	त-332	,, (,,)	,, ,,	,,	,, (,,)
944-6	त-341,345, 1235	सम्यक्त्व अधिकार 3 प्रतियां	Samyaktva Adhikāra 3 Copies	—	गद्य
947	टू-114	सम्यक्त्व आदि चर्चा	,, Ādi Carcā	—	,,
948	डू-1260	,, उत्पत्ति	,, Utpatti	—	,,
949	त-1023(ऐ)	,, कुलक	,, Kulaka	—	पद्य
950	डू-697	,, विचार	,, Vicār	—	गद्य
951	त-916	,, 67 बोल सू खडली सज्झाय	,, 67 Bol Sūnkhadali Sajjhāya	—	प ग
952	त-478	,, 67 बोली सज्झाय	,, 67 Bolī Sajjhāya	उ यशोविजय	मू+ट(प ग)
953	आ-103D	,, 67 ,, ,,	,, 67 ,, ,,	,,	पद्य
954	त-598	,, 67 भेद	, 67 Bhed	—	,,
955	डू-857	सम्यक्त्व स्तव (बालावबोधसह)	, Stava (with Bālāvabodha)	—	मू +बा (प ग)
956	डू-243	,, ,, (अवचूरिसह)	,, ,, (with Avacūri)	—	मू +अ (,,)
957	ड-1163	,, ,, (,,)	,, ,, (,,)	—	,, (,,)
958	ड-1136	,, ,, (,,)	,, ,, (,,)	—	मू +अ (,,)
959	त-1023 (ओ)	सम्यक्त्व स्तव	,, ,,	—	मू प
960	था-350	,, ,,	,, ,,	—	पद्य
961	त-598	सर्वप्रतिमा	Sarva Pratima	—	,,
962	ड-1343	सवासौ सीख	Savāsau Sikha	धमसी	,,
963	त-1013	सवैया बावनी	Savaiyā Bāvanī	हेमराज	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रौपदेशिक सुभाषित	म	6,10, 13,17,4	21से27 × 10से12	4सपूर्ण, पाचवी श्रपूर्ण	1783व20वी	पाँचवी मे दूसरा पन्ना कम
,, ,,	,,	20,27, 85,11, 31,47	22से27 × 11से13	सपूर्ण 100 श्लोक की	1793व20वी	
,, ,,	,,	49,27 53	24से31 × 11से12	पुरानी श्रपूर्ण, 2श्र सपूर्ण	19/20वी	
,, ,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 42	सपूर्ण 101 श्लोक	19वी	
,, ,,	,,	17*	26 × 11 × 14 × 47	स 100 श्लोक	19वी	
,, ,,	,,	42*	26 × 12	,, 100 ,,	19वी	
,, चर्चा	मा	12	24 × 12 × 14 × 40	स	19वी	सामान्य
,,	,,	10*	25 × 11	,, 25 गाथा	19वी	स्फुट पन्नो मे
सम्यक्त्व लक्षण	प्रा	3*	16 × 13 × 14 × 17	श्रपूर्ण 46 गाथा	18वी	
विविध विषय	प्रा स	34	27 × 12 × 14 × 43	प्रतिपूर्ण 990 श्लो गा	1810	
श्रौपदेशिक सुभाषित	स	3	27 × 12 × 14 × 54	श्रपूर्ण 57 श्लो	1853	
,, ,,	प्रा स मा	26	26 × 12 × 16 × 22	श्र (बीच के 26 पन्ने)	19वी	
चारो पुरुषार्थ का वर्णन	मा	15	27 × 13 × 14 × 52	सपूर्ण	1875	
,,	,,	15	23 × 12 × 12 × 31	श्रपूर्ण	19वी	
,,	,,	42*	26 × 12	सपूर्ण 179 छद	19वी	
,,	,,	15*	24 × 11	श्रपूर्ण	19वी	
श्रौपदेशिक सुभाषित	स	7,5	25 × 12व27 × 13	सपूर्ण 108 श्लोक	19वी	
,, ,,	,,	20	27 × 14 × 15 × 40	स	19वी	
,, ,,	प्रा स	42	25 × 11 × 15 × 48	श्रपूर्ण 13 से1446½श्लो	19वी	
तात्त्विक लोकस्वरुप	स	8	26 × 11 × 13 × 46	सपूर्ण	19वी	भगवती श 11 3 10
कर्म सिद्धात (श्रपर-नाम सार्द्ध शतक	प्रा	202*	38 × 5 × भिन्न 2	स 153 गाथा	13वी	ताडपत्र पर
यति भिन्न उच्चतर 12व्रती श्रावकवर्णन	स	39*	27 × 12 × 11 × 44	स 19 श्रनुच्छेद	19वी	
श्रौपदेशिक	मा.	4*	27 × 12 × 15 × 45	स 70 छद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1100	त-215	हित शिक्षा बत्तीसी	*Hita Śiksā Battīsī*	क्षमा कल्याण	पद्य
1101	त-240	हितोपदेश सित्तरी	Hitopadeśa Sittarī	श्रीसार	,,
1102	लो-626	हियाली	Hiyālī	समयसुन्दर	,,
1103	डू-914	हिंसाष्टक (अवचूरिसह)	Hinsāstak (with Avacūri)	हरिभद्र	मू+अ(प ग)
1104-10	त-1023, 1067,1113, 1191,1202, 1264,1277	स्फुट अपूर्ण व लघु ग्रथ व त्रुटक पन्ने 7प्रति	Sphut Apurṇa/Laghu Granth & trutak panne 7 Copies	भिन्न 2	प ग
1111	था-311	,, ,, —	Sphut Apurna/Laghu Granth & trutak panne	,,	,,
1112-25	लो-165,403, 6-7,14-19, 40,65,89, 524 602-15, 707-8	,, ,, 14 प्रति	Sphut Apurna/Laghu Granth & trutka panne 14 Copies	,,	,,
1126	आ-3अ	,, ,, व त्रुटक पत्र	Sphat Apurṇa/Laghu Granth & trutka Patra	,,	मू प ग

भाग/विभाग 2 (आ)

1	2	3	3 A	4	5
1	त-669	आलाप पद्धति	Ālāpa Padhati	देवसेन	गद्य
2	लो-267	किरणावली	Kiranāvali	—	,,
3	आ-151	नय चक्र (बालावबोधसह)	Naya Cakra (with Bālāvabodha)	—/देवचन्द	मू+बा
4	त-1244	,, (,,)	,, (,,)	—/ ,,	,,
5	त-1237	नय विवरण	Naya Vivarana	—	पद्य
6	लो-452A	न्याय का गन्थ है	Nyāya Grantha	—	गद्य
7	डू-1305	,, ,,	,,	—	,,
8	डू 1101	न्याय सार	Nyāya Sāra	—	,,
9	आ-54	सन्मति तर्क की वृति	Sanmati Tarka kī Vrti	अभयदेव (पद्युम्न शिष्य)	,,
10	डू-317	सप्तनय भगी	Sapta Naya Bhangī	—	,,
11	डू-184	सप्त भगी स्वरुप	Sapta Bhangī Svarūpa	—	,,
12	डू-809	,, ,, नयविचारलक्षण	,, ,, ,, Naya Vicāra Laksna	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा	4*	27 × 11 × 38 × 11	स 34 छद	19वी	
,,	,,	4*	27 × 12 × 15 × 45	स 70 ,,	1790	
,,	,,	3	22 × 11 × 11 × 33	स	19वी	
,, सिद्धान्त	स	3	27 × 11 × 17 × 50	,, 8 श्लोक	19वी	
,, ,,	प्रा स मा	*53, 6,3, 19, 21,7,4	25से27 × 11से12	सकलन	18/20वी	कुल 113 पन्ने
,, ,, आदि	,,	606	,, ,,	,,	18/20वी	
,, ,, ,,	,,	21,10, 15,16, 10,7,7, 15,6, 19,22, 16,6,57	,, ,,	,,	18/20वी	
,, ,, ,,	प्रा	126	37 × 5 × भिन्न 2	,,	12वी	आ 3 के साथ वचे (ताडपत्र है)

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक व न्याय	स	9	31 × 14 × 9 × 45	सपूर्ण	20वी	
न्याय	,,	10	28 × 13 × 15 × 62	अपूर्ण	17वी	
,,	स मा	49	26 × 12 × 16 × 34	स ग्र 1900	19वी	
,,	,,	21	28 × 13 × 17 × 58	अपूर्ण प्रथम 14 पन्ने नही	19वी	
,,	मा	8	21 × 12 × 4 × 33	अपूर्ण	19वी	
प्रमाण आदि	स	62	25 × 8 × 11 × 61	अ 8 से 69 वीच के	14वी	
ज्ञान प्रमाणनयादि	मा	60	26 × 12 × 8 × 32	अ	20वी	
अनुमान आगम प्रमाणादि	स	10	25 × 11 × 14 × 51	स 3 परिच्छेद	17वी	
न्याय	,,	650	25 × 11 × 13 × 50	स ग्र 25000	17वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 19 × 51	स	19वी	
स्याद्वाद श्रीचतुर्भंगी	,,	7	20 × 10 × 12 × 29	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 13 × 42	,,	19वी	(द्रव्य,क्षेत्र,काल, भाव)

1	2	3	3 A	4	5
1-2	लो-638,389	अक्षय तृतीया व्याख्यान 2 प्रति	Aksaya Trtiyā Vyākhyān 2Copies	—	गद्य
3	लो-458	,, ,,	,, ,,	—	,,
4	डू-584	,, ,,	,, ,,	—	,,
5	डू-931	,, ,,	,, ,,	—	,,
6	डू-329	,, ,,	,, ,,	—	,,
7	डू-459	,, ,,	,, ,,	—	,,
8	डू-530	,, ,,	,, ,,	—	,,
9	डू-1291	,, ,,	,, ,,	सङ्कलित	,,
10	डू-30	अष्टोत्तरी स्नात्र विधि	Astottari Snātra Vidhi	—	,,
11	था-288	आचार दिनकर	Ācāra Dinakara	वर्द्धमानसूरि	,,
12	डू-881	,,	,,	,,	,,
13	त-128	आचार प्रदीप	Ācāra Pradīpa	रत्नशेखर	,,
14	त-1052	,, विधि	,, Vidhi	—	,,
15-16	त-475,719	आलोचना विधि विधान 2 प्रति	Ālocanā Vidhi Vidhāna 2 Copies	—	गद्य
17	डू-736	आवश्यक आठ भेद दृष्टान्तसह	Āvaśyaka Āth Bhed	—	,,
18	डू-101	आलोयण विधि व कर्मग्रन्थ यंत्र विधि	Āloyana Vidhi & Karma Grantha Yantra Vidhi	—	,,
19	त-219	उपधान दीक्षा अनुयोग विधि	Upadhān Dikṣā Anuyoga Vidhi	—	,,
20	आ-4	उपधान योग विधि	,, Yoga Vidhi	—	,,
21	डू-587	उपस्थान एवं अन्य योग विधि	Upasthān & Other Yoga Vidhi	उ शिवनिधानगणि	,,
22	डू-1287	,, विधि	,, Vidhi	—	,,
23	डू-360	ऋषि मण्डल पूजा विधि	Rsimandala Pūjā Vidhi	समयसुन्दर	,,
24	त-181	एकादशी तप उपधान कथानक	Ekādasī Tapa Upadhān Kathānaka	पूर्वाचार्य	पद्य
25	डू-606	कार्तिक पूर्णिमा व्याख्यान	Kārtik Pūrnimā Vyākh-yāna	—	गद्य
26	था-363	कालग्रहण व अन्य विधि	Kālagrahaṇa & Other Vidhi	—	,,
27	डू-468	खरतरगच्छ समाचारी	Khartargacha Samācārī	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्याख्यान	मा	8,2	26 × 12	सपूर्ण	19वी	
,, कथा	,,	18*	26 × 12 × 16 × 40	,,	1930	
,, ,,	स	17*	27 × 12	,,	20वी	
,, ,,	,,	14*	25 × 12	,,	1832	
,, ,,	,,	71*	26 × 12 × 10 × 32	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	मा	24*	25 × 11	सपूर्ण	20वी	
,, ,,	,,	8*	26 × 11 × 13 × 41	,,	20वी	
,,	स	21*	26 × 13 × 13 × 30	अपूर्ण त्रुटक	19वी	
पूजा विधि	मा	24	25 × 11 × 11 × 37	सपूर्ण	1853	
क्रियाकाड, साधु श्राद्धचर्या	स	309	33 × 13 × 13 × 56	,,	17वी	
, ,,	,,	301	30 × 13 × 16 × 38	स ग्र 15000	1832	
क्रिया विधियें	,,	93	27 × 12 × 15 × 48	स ग्र 4065	18वी	
तप आवश्यकादि विधि	प्रा मा	21	27 × 12 × 16 × 60	अपूर्ण (पन्ने 4 से 24)	1645	
अतिचार प्रायश्चित क्रिया	मा	13*,3	27 × 12से13	सपूर्ण	19/20वी	
दैनिक कर्त्तव्यविधान	,,	4	26 × 11 × 13 × 48	,,	19वी	
अतिचार व कर्म सिद्धात	,,	5	25 × 13 × 15 × 40	,,	18वी	
धार्मिक क्रियाविधि	प्रा स	4	27 × 11 × 15 × 44	,,	20वी	
स्वाध्याय विधि	मा	6	26 × 12 × 15 × 53	,, शास्त्र आलापकसह	20वी	नन्दी आदि सूत्रो की
बडी दीक्षादि क्रिया विधि	,,	8	26 × 11 × 16 × 55	,,	20वी	
महाव्रतो में स्थापना	,,	9	27 × 12 × 16 × 45	,,	20वी	
भक्ति विधि	,,	11	27 × 13 × 12 × 35	,,	20वी	
पर्वकथा	प्रा	6	27 × 12 × 13 × 51	लगभग सपूर्ण 160 गा ग्र 200	18वी	पहिला पन्ना ग्रन्य है
पर्व व्याख्यान	स	5	25 × 12 × 13 × 30	सपूर्ण	19वी	
अतिम सस्कार विधि	मा	1	26 × 12 × 15 × 45	,,	19वी	
साधु आचार विधि	प्रा स.मा	6	26 × 12 × 17 × 45	अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
28	त-527	चतुर्विधधर्म (मेरुतेरस व्याख्यान) व तप विधि	Cāturvıdha Dharma (Meruterasa Vyākhyān) & Tapa Vıdhı	—	गद्य
29	त-313	चातुर्मासिक व्याख्यान	Cāturmāsıka Vyākhyāna	—	,,
30	त-264	,, ,, पद्धति	,, ,,Padhatı	समयसुन्दर	,,
31	ग्रा-118	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
32-6	डू-11,14,261, 658,661	,, ,, 5 प्रति	,, ,, 5Copıes	क्षमा कल्याण	,,
37	त-315	,, ,,	,, ,,	—	,,
38	त-394	,, ,, पद्धति	,, ,,Padhatı	—	,,
39-41	डू-1058, 521,1248	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3Copıes	—	,,
42-3	लो-470,172	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2Copıes	—	,,
44	डू-1224	,, ,,	,, ,,	—	,,
45	ग्रा-168	चैत्य वदन विधि	Caıtrā Vandana Vıdhı	—	पद्य
46-9	वा-356,421, 422,451	,, कुलक 4 प्रति	Caıtyā Vandana Vıdhı Kulaka 4 Copıes	—	मू प
50	डू-1292	चैत्री पूर्णिमा देववदन विधि	Caıtrī Pūranımā Deva Vandana Vıdhı	—	गद्य
51	त-982	,, पुण्डरीक ग्राराधना विधि	Caıtrī Puranımā Pundarıka Ārādhanā Vıdhı	—	ग प
52-3	त-778,772	,, विधि 2 प्रति	Caıtrī Puranımā Vıdhı 2 Copıes	—	गद्य
54	ग्रा-134	,, ,, शत्रुजय वदन	Caıtrı Puranımā Vıdhı Śatrunjaya Vandana	ज्ञान विमल	पद्य
55	ग्रा-113	,, ,, ,,	Caıtrī Puranıma Vıdhı Śatrunjaya Vandāna	—	गद्य
56	डू-318	,, व्याख्यान	Caıtrī Puranımā Vyākhyān	जीवराज	,,
57	डू-270	,, ,,	,, ,,	—	,,
58	लो-216	,, ,,	,, ,,	—	,,
59	त-329	,, ,,	,, ,,	—	,,
60	डू-459	,, ,,	,, ,,	—	,,
61	डू-530	,, ,,	,, ,,	—	,,
62	डू-327	,, ,, व विधि	,, ,,& Vıdhı	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्वकथादि विधिया	मा	14	27 × 14 × 21 × 46	सपूर्ण	1914	दीपावली गुणना भी है
आषाढ, कार्तिक, फाल्गुनसुदपक्खीका	प्रा मा	52	25 × 11 × 8 × 27	,,	1907	
,,	स	5	26 × 13 × 18 × 48	स ग्र 210	1857	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 44	स ,,	19वी	
,,	,,	12,19, 15,13	25से27 × 11से13	स ग्र 401	19/20वी	
,,	प्रा म	16	27 × 12 × 17 × 44	स	1864	
,,	स	8	27 × 12 × 15 × 54	,,	17वी	
,,	,,	5,12 15	22से27 × 11	प्रथम2सपूर्ण,अतिम अपूर्ण	1782/19वी	
,,	मा	19,19	26 × 13व27 × 12	सपूर्ण	1826/1879	
,,	,,	16	26 × 12 × 12 × 44	,,	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि विधान	प्रा	33*	25 × 11	स 35 +27 गाथा	19/20वी	
धार्मिक विधि	,,	2*,2* 3*,5*	26से27 × 11से12	स 33/35 गाथा	19/20वी	
पर्व क्रिया विधि	मा	2	25 × 13 × 13 × 33	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 9 × 36	,,	19वी	
,,	,,	2,2,	27 × 12व26 × 11	,,	1870व20वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 9 × 31	,,	19वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 11 × 38	,,	19वी	
पर्व व्याख्यान	स	5	26 × 13 × 12 × 31	,,	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 13 × 45	,,	19वी	
,,	मा	3	26 × 13 × 11 × 40	अपूर्ण	19वी	पहिला पन्ना अन्य है
,,	,,	71*	26 × 12 × 10 × 32	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	24*	25 × 11	,,	20वी	
,,	,,	8*	26 × 11 × 13 × 41	,,	20वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 15 × 53	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
63	था-200	जिनपूजा महोत्सव (वालाववोध-सह)	Jinapūjā Mahotsava (with bālāvabodha	—	मू +वा
64	था-138	,, विधि	,, Vidhi	—	गद्य
65	त-278	,, ,,	,, ,,	वीरचद	पद्य
66	था-305	छप्पन दिशीकुमारी ग्रधिकार	Chappan Disikumārī Adikāra	—	गद्य
67	डू 546	छीक दोप निवारण विधि	Chinka Dosa Nivārana Vidhi	—	,,
68	डू-547	जल यात्रा विधि	Jala Yātrā Vidhi	—	,,
69	त-1224	तप विधि	Tapa Vidhi	—	,,
70	डू-1318	,,	,,	—	,,
71-2	डू-408,418	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	—	ग तालिका
73	त-255	,, तालिकायें व यत्र	,, Table & Charts	—	तालिकायें
74	डू-392	तित्य जत्राविही(तीर्थयात्राविधि)	Titha Jatrā Vihī (Tirath Yatrā Vidhi)	—	ग प
75	ग्रा-1748	दस विहा समाचारी	DāsaVil ā Samāchārī	—	मू प
76-9	था-356,421, 422,451	दान विधि कुलक 4 प्रति	Dāna Vidhi Kulak 4 Copies	—	,,
80	डू-74	दीक्षा विधि	Diksā Vidhi	—	गद्य
81	त-775	,,	,,	—	,,
82	त-741	दीपावली कल्प	Dīpāvalī Kalpa	—	मू+ट(प ग)
83	डू-1006	,,	,,	जिनसुन्दर	पद्य
84	डू-266	,,	,,	,,	मू+ट(प ग)
85-89	डू-475,295, 585,224, 164	,, 5 प्रतियां	,, 5 Copies	हर्प कल्लोल	पद्य
90	डू-1048B	,,	,,	विनयचद्र	,,
91	डू-245	दीपावली व्याख्यान	Dīpavali Vyākhyāna	रामचद्र	गद्य
92	डु-277	,, ,,	,, ,,	—	,,
93-4	लो-269,428	दीवाली कथा 2 प्रति	Divālī Kathā 2 Copies	—	,,
95	त-329	दीपमालिका कथा	Dīpamālika Kathā	रवि विजय	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जिन स्नात्र वर्णन विधि	प्रा मा	5	31×12×11×45	सपूर्ण ग्र 142	19वी	
भक्ति क्रिया	प्रा	7	33×13×13×50	स ग्र 269	17वी	
,,	मा	5	27×12×15×40	स 85 छद	19वी	
जिन जन्म महोत्सव देवो द्वारा	अ	2	27×12×12×44	स	19वी	
धार्मिक विधान	मा	1	24×13×15×30	,,	1873	
जिनबिंब प्रतिष्ठा यात्रा	स	1	25×11×15×57	,,	20वी	
विविध तपों का विधान	,,	2	28×12×20×75	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	2	26×12×14×52	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	2,1	26×12व24×11	,,	20वी	
,,	,,	5	27×12	,,	18वी	
धार्मिक क्रिया विधि	प्रा	1	26×12×7×46	,,	19वी	
साधु दिनचर्या विधान	,,	34	26×11×13×43	,,	17वी	
दान विधि विधान	,,	2*,2* 3*,5*	26से27×11से12	,, 25/26 गाथा	19वी	
साधु प्रव्रज्या विधि	मा	3	25×11×13×44	स	18वी	
लघुदीक्षा, यतिदीक्षा	,,	2	27×13×14×39	,,	1899	
पर्व व्याख्यान	प्रा मा	14	27×12×13×47	स 135 गा +गद्य	1922	16 स्वप्न अधिकार सह
,,	स.	21	27×12×11×45	स 436 श्लोक	19वी	
,,	स मा	36	26×11×6×34	सपूर्ण 437 श्लोक	19वी	
,,	स	9,13,8, 15,10	25से27×12से13	स 274 श्लोक	1872से20वी	
,,	,,	21	26×11×8×38	स 301 श्लोक	19वी	
,,	,,	24	26×12×13×39	स	1929	
,,	,,	8	26×12×13×40	,,	19वी	
,,	मा	13,8	25×14व27×11	,,	1904व20वी	
,,	स.	71*	26×12×10×32	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
96	त-329	दीपमालिका कल्प	Dipamālikā Kalpa	—	गद्य
97	त-324	दिवाली कल्प	Divālī Kalpa	—	,,
98	लों-349	देववन्दन पौषधादि विधि	Deva Vandan Pausadhādi Vidhi	—	ग प
99	डू-619	द्वादश व्रत टिप्पनिका	Dvādaśa Vrata Tippanikā	—	गद्य
100-103	डू-1302, 1310,722, 735	नवपद क्षमाश्रमणा दान विधि 4 प्रति	Navapada Ksamaśramanā Dāna Vidhi 4Copies	—	,,
104	लो-301	,, ,,	Navapada Ksamaśramanā Dāna Vidhi	—	,,
105	डू-1332	नदीश्वर प्रतिमार्चन विधि	Nandiśvara Pratimārcana Vidhi	—	पद्य
106-9	डू-230 484, 919,6	पर्यूषण अष्टान्हिका व्याख्यान 4 प्रति	Paryusana Astānhikā Vyākhyāna 4 Copies	क्षमा कल्याण	गद्य
110-2	डू-79 476, 513	,, 3 प्रति	Paryusana Astānhikā Vyākhyāna 3 Copies	—	,,
113	डू-1012	,,	Paryusana Astānhikā Vyākhyāna	—	,,
114	त-337	,, प्रथम दिन व्या	Paryusana Astānhikā Ist Day Vyākhyāna	—	,,
115	डू-656	,,	Paryusana Astānhikā Vyākhyāna	—	,,
116-7	त-1214, 1199	,, 2 प्रति	Paryusana Astānhikā Vyākhyāna 2 Copies	—	,,
118	त-305	,,	Paryusaṇa Astānhikā Vyākhyāna	—	मू ट
119	लो-526	,,व व्याख्यान मडली	Paryusana Astānhikā & Vyākhyāna Mandalī	—	गद्य
120	डू-645	पचमी तप विधि	Pancamī Tapa Vidhi	—	,,
121	त-480	पचमी स्तवन	Pancamī Stavan	गुण विजय	पद्य
122	डू-601	पचम्यादि तपोग्रहण विधि	Pancamyādi Tapograhana Vidhi	—	गद्य
123	त-499	पच वस्तुक	Panca Vastuka	हरिभद्र/—	मू वृ (ग)
124	ग्रा-1	पचाशक	Pancāśaka	,,	मू प
125	डू-455	पचाशक	Pancāśaka	हरिभद्र	पद्य
126	त-285	,,	,,	,,	मू प
127-9	था-149,148, 56	,, 3 प्रतिया	,, 3 Copies	,,	,,
130	ट-666	,, की वृति	,, ki Vrti	अभयदेव	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्याख्यान	मा	71*	26 × 12 × 10 × 32	स	19वी	
,,	,,	10	27 × 11 × 15 × 40	,,	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि	,,	3	26 × 13 × 19 × 47	,,	19वी	
श्रावक व्रत विधान	,,	7	26 × 12 × 15 × 32	,,	19वी	साथ मे 1 पन्ना अतिरिक्त
धार्मिक क्रिया पाठ	स	5,5, 10,6	26 × 11से13	,, ग्र 180	19/20वी	
,, ,,	,,	7	27 × 12 × 13 × 40	म	19वी	
देव भक्ति विधि	मा	8	27 × 13 × 10 × 32	,,	19वी	
पर्व व्याख्यान	स	14,16 33,14	25से26 × 11से13	,,	1899व20वी	
,,	,,	6,11,6	25से27 × 11से12	प्रथम 2 म , अतिम ग्र	1877व20वी	
,	मा	20	26 × 12 × 9 × 42	सपूर्ण	1988	
,,	,,	5	26 × 12 × 15 × 35	प्रथम दिन वाचना मात्र	1869	
,,	,,	7	26 × 11 × 16 × 50	,, ,,	19वी	
,,	,,	5,3	26 × 12व27 × 12	दोनो अपूर्ण	19/20वी	
,,	स मा	103*	28 × 14	सपूर्ण	1912	
,,	मा	6	25 × 13 × 12 × 41	अपूर्ण	20वी	
धार्मिक क्रिया विधि	,,	2	25 × 11 × 12 × 42	सपूर्ण	19वी	
पर्व भक्ति विधि	मा	14*	27 × 13 × 12 × 29	स 48 छद	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि	,,	2	25 × 12 × 15 × 41	,,	19वी	
विधि विधान परक ग्रथ	प्रा स.	120	33 × 13 × 15 × 61	,,	1629	
,,	प्रा	202*	38 × 5 × भिन्न 2	स 20 विधियें	13वी	ताडपत्रीय प्राचीन प्रति
धार्मिक क्रिया विधि	प्रा	25	34 × 13 × 17 × 70	स 1002 गाथा	16वी	
विधि विधान परक ग्रथ	,,	16	31 × 12 × 15 × 63	स 20 अध्या 1000गाथा	16वी	
,,	,,	31,32, 28	32से34 × 13	,, ,,	17वी	
,,	स	125	30 × 13 × 17 × 67	स 19 पचाशक ग्र 8750	1506	

1	2	3	3 A	4	5
131	था-147	पचाशक की वृति	Pancāsaka kī Vṛtı	अभयदेव	गद्य
132	त-70	पाक्षिक विचार पत्र	Pāksıka Vıcāra Pātra	—	,,
133	डू-1256	पूजा विधि	Pūjā Vıdhı	उमास्वति वाचक	पद्य
134	था-362	,,	,,	,,	,,
135-7	डू-1057,105 734	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि 3 प्रति	Pausādha Pratıkramanādı Vıdhı	—	गद्य
138	अा-1	पौषध विधि	,, Vıdhı	—	,,
139	था-220	,,	,, ,,	—	,,
140	त-779	,,	,, ,,	—	,,
141	लो-693	,,	,, ,,	—	,,
142	त-227	पौष दसमी कथा	Pausa Dasamī Kathā	शम्वजालराशि शिष्यो मुख्यो	पद्य
143	डू-260	,,	,,	,,	,,
144-5	डू-483,271	,, 2 प्रति	,, 2 Copıes	—	गद्य
146	लो-463	,,	,,	—	,,
147	डू-1291	,,	,,	—	,,
148	डू-931	,,	,,	—	,,
149	त-329	,,	,,	—	,,
150	त-329	,,	,,	—	,,
151	लो-427	,,	,,	—	,,
152	डू-102	प्रकीर्ण आलोयणा यावत् मूतक	Prakīrna Āloyanā Yāvata Sūtaka	सकलन	ग प
153	त-104	प्रतिक्रमण विधि	Pratıkramana Vıdhı	जयन्चद्रमूरि	गद्य
154-5	डू-1120, 952B	,, 2 प्रति	,, 2Copıes	,,	,,
156	डू-942	,,	,,	—	,,
157-8	डू-952A, 1367	,, 2 प्रति	,, 2Copıes	—	,,
159-60	त-866,890	,, 2 ,,	,, 2 ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विधि विधान पञ्चक ग्रंथ	स	215	33 × 13 × 13 × 51	स 19 पचाशक ग्र 8750	17वी	
पक्खी तिथि पर्व विधि निर्णय	,,	12	27 × 12 × 15 × 51	सपूर्ण	16वी	
जिन बिंब पूजा विधि	,,	1*	26 × 11 × 14 × 62	,, 21 श्लोक	16वी	
,,	,,	1	26 × 12 × 15 × 46	स 19 ,,	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि	मा	17,3,3	23से27 × 11से12	प्रथम2सपूर्ण, अतिमअपूर्ण	19/20वी	सामान्य
,,	प्रा.	202*	38 × 5 × भिन्न2	सपूर्ण 180 ग्र.	13वी	ताडपत्र पर
,,	,,	5	32 × 14 × 13 × 61	स	17वी	
,,	मा	2	26 × 12 × 11 × 44	,,	1876	
,,	,,	4	26 × 12 × 15 × 36	,,	20वी	
पर्व कथानक व्याख्यान	स	4	25 × 12 × 10 × 34	स 75 श्लोक	1908	कर्ता का नाम सकेताक्षरो मे है
,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 36	,, ,,	20वी	
,,	,,	16,6	26 × 11व25 × 12	स	19/20वी	
,,	,,	8	25 × 12 × 17 × 37	,,	19वी	
,,	,,	21*	26 × 13 × 13 × 30	,,	19वी	
,,	,,	14*	25 × 12	,,	1832	
,,	,,	71*	26 × 12 × 10 × 32	,,	19वी	
,,	,,	71*	26 × 12 × 10 × 32	,,	19वी	पार्श्व कल्याणक उपदेश सप्तति अनुसार
,,	मा	7	25 × 12 × 14 × 40	,,	19वी	
सामान्य विधि विधान	प्रा मा	7	28 × 13 × 14 × 47	,,	18वी	
आवश्यक विधि	स	18	26 × 11 × 15 × 46	,, ग्र 572	18वी	
,,	,,	28,29	26 × 10व27 × 13	स	19/20वी	
,,	,,	35	26 × 11 × 13 × 46	,,	19वी	
,,	,,	21,7	26 × 12व21 × 12	,,	1875/20वी	
,,	,,	2,2	27 × 13व27 × 12	,,	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
161	डू-315	प्रतिष्ठादि विधि मन्त्रादि	Pratısthādı Vıdhı Mantrādı	कुमारगणि	गद्य
162-3	डू-76,29	प्रतिष्ठा विधि 2 प्रति	Pratıstha Vıdhı 2 Copıes	—	ग प
164-6	डू-666,33, 32	,, 3 ,,	,, 3 ,,	—	गद्य
167-8	त-769,1260	,, 2 ,,	,, 2 ,,	—	,,
169	डू-34	प्रतिष्ठा संबंधी छुटक पत्र	Pratısthā Sambandhı Chutaka Patra	—	ग प
170	त-837	प्रत्याख्यान विधि स्तवन	Pratyākhyāna Vıdhı Stavana	रामचद्र	पद्य
171	डू-1091	प्रव्रज्या विधान कुलक (अवचूरि-सह)	Pravrajyā Vıdhāna Kulaka (with Avcūrı)	—	मू+अ(प ग)
172	था-112	,,	,,	—	मू प
173	त-774	प्रव्रज्या विधि	Pravrajyā Vıdhı	—	गद्य
174	त-771	प्रायश्चित प्रदान विधि	Prāyaścıta Pradāna Vıdhı	—	,,
175-6	डू-768,1286	,, विधि	,, Vıdhı	क्षमा कल्याण	,,
177	त-867	बारह व्रत का प्रकरण	Bāraha Vrata kā Prakarana	—	,,
178	त-777	,, प्रत्याख्यान आलापक	,, Pratyākhyāna Ālapka	—	,,
179	त-432	बारह विधौ जिन पूजा	Bāraha Vıdhau Jinapūja	प वीरविजय	पद्य
180 2	डू-75,897, 511	बिंब प्रवेश विधि 3 प्रति	Bımba Praveśa Vıdhı	—	गद्य
183	त-776	बीस स्थानक तप विधि	Bısa Sthānaka Tapa Vıdhı	—	,,
184-91	डू-10B,8, 225,215, 591,214, 519,604	,, 8 प्रति	,, 8Copıes	—	,,
192	था-308	बृहत स्नात्र विधि	Bṛhat Snatra Vıdhı	आचार दिनकर से	प ग
193	था-293	,,	,,	,,	,,
194	डू-1187	मध्यान्ह व्याख्यान पद्धति	Madhyānha Vyākhyāna Padhattı	वादी हर्षनंदन (समयसुन्दर शिष्य)	गद्य
195	डू-279	मेरुत्रयोदशी व्याख्यान	Meru trayodaśīVyākhyāna	क्षमा कल्याण	,,
196	डू-1291	मेरुत्रयोदशी व्याख्यान	Meru trayodaśi Vyākh-yāna	—	गद्य
197	डू-584	मेरुत्रयोदशी व्याख्यान	Meru tryonaśi Vyākhyānā	—	,,
198	त-329	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
बिंब स्थापना विधि	स	9	27 × 12 × 15 × 40	स	18वी	
,,	,,	26,36	26 × 11व25 × 11	,,	1859/20वी	
,,	मा	5,2,5	25से27 × 11से14	,,	19/20वी	
,,	,,	2,11	27 × 12व26 × 14	प्रथम सपूर्ण,द्वितीय अपूर्ण	1873/20वी	
,,	प्रा स मा	80	26 × 11 × 21 × 60	—	18वी	
तप प्रतिज्ञा विधि	मा	2*	27 × 14 × 19 × 53	सपूर्ण 33 गाथा	19वी	
दीक्षा विधि विधान	प्रा स	2	26 × 11 × 8 × 40	स 30 गाथा	16वी	
,,	प्रा	5	27 × 12 × 14 × 50	,, 30 ,,	18वी	
,,	मा	2	27 × 14 × 20 × 65	स.	19वी	
अतिचार दड विधान	,,	2	26 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	8,6	26 × 12 × 13 × 38	स विरताविरत की	19वी	विधि प्रथानुसार
श्रावक व्रत विधान	,,	2	24 × 12 × 13 × 35	स	1899	
श्रावक प्रतिज्ञा पाठ	प्रा	2	26 × 11 × 11 × 44	,,	1899	
श्रावक जिनभक्ति	मा	8	24 × 12 × 14 × 30	,, 124 गा /ग्र 203	19वी	
प्रतिष्ठा प्रक्रिया	,,	9,13,3	25से27 × 12से14	प्रथम 2पूर्ण, अतिमअपूर्ण	1856से20वी	
धार्मिक क्रिया	,,	2	27 × 13 × 16 × 43	सपूर्ण 20 स्थानो की	1762	
,,	,,	34,48, 13,2,4, 15,6, 24	25से27 × 11से13	अतिम 2 अपूर्ण	1844से20वी	प्रथम प्रति कर्त्ता ज्ञानसागर शिष्य
भक्ति पूजा प्रक्रिया	स मा	1	220 × 21	सपूर्ण	1676	
,,	,,	7	28 × 13 × 14 × 35	,,	2000	
अधिक माधवमास, मध्यान्हअदिव्या	स	195	27 × 13 × 13 × 42	,, ग्र 6001	1903	
पर्व(माघ सुद 13) कथा	,,	5	25 × 12 × 13 × 41	स ग्र 165	19वी	
पर्व कथा व्याख्यान	स	21*	26 × 13 × 13 × 30	स	19वी	
,,	,,	17*	25 × 13	,,	20वी	
,,	,,	71*	26 × 12 × 10 × 32	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
199	त-363	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Kathā	—	मू ट (प ग)
200	त-325	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Katha	शिवचन्द्र मणि	पद्य
201-3	ङ-958,1267, 326	,, 3 प्रति	,, 3 Copies	सौभाग्यनद सूरि	,
204-5	त-530 1249	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	मू ट (प ग)
206-10	डू-931 584, 325,312, 262	,, 5 ,	,, 5 ,,	जीवराज, अज्ञात, (312का)(325का) अज्ञात 931(584का) 262 अज्ञात	गद्य
211	नो-421	,,	,,		,
212	लो-400	,	,,	,,	,,
213	डू-1291	,,	,,	—	,,
214	त-329	,,	,,	—	;
215	डू-459	,,	,,	—	,,
216	डू-1293	,, व स्तवन	,, & Stavan	समयसुन्दर	ग प
217	त-783	,,	,, ,	लब्धिसूरि	,,
218-20	त-840,948, 989	,, वा गुणना3प्रति	,, kā Gunanā 3 Copies	—	ग तालिका
221	था 204	,,	,, ,,	—	,,
222	त-1009	,, महात्म्य	,, Mahātmya	रविसागर	पद्य
223	भा-128	,, ,,	,, ,,	,,	,,
224	त-421	,, ,,	,, ,,	,,	,,
225	था-374	,,	,,	—	,,
226	लो-377	,, स्तवन	,, Stavana	प्रेमविजय	,,
227	भा-88	योग उपाधान विधि	Yoga Upādhāna Vidhi	—	गद्य
228	डू-612	,, कालग्रहण विधि	Yoga Upādhana Kālagrahana Vidhi	—	,,
229	भा-119	,, विधि	Yoga Upādhāna Vidhi	—	,,
230	डू गु -26	(जैन) रविवार कथा	(Jain) Ravivāra Kathā	भानुकीर्ति	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व (मीगमर सुद 10) कथा	प्रा मा	10	27 × 13 × 14 × 40	ग 156 गाथा	1786	
,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 35	स 205 श्लाक	1850	
,,	,,	4 3,6	24से27 × 11से12	स 118 ,,	1852से20वी	
,,	स मा	14,11	28 × 13व24 × 12	ग 113 ,,	1866/20वी	दूसरी प्रति का अतिम पन्ना नही
,,	स	14* 17*,3, 9 3	25मे27 × 12से13	स	1832से20वी	325 व 262 एक पाठ
,,	,,	3	25 × 14 × 17 × 34	,,	19वी	लिपिक, पदलीचद खीचन मे
,,	मा	4	26 × 12 × 16 × 47	,,	1852	
पर्व कथा व्याख्यान	स	21*	26 × 13 × 13 × 30	,,	19वी	
,,	मा	71*	26 × 12 × 10 × 32	,,	19वी	
,,	,,	24*	25 × 11	,,	20वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 12 × 58	,,	19वी	अत मे 2 और स्तवन
,,	,,	2	25 × 12 × 22 × 53	,, 26 छद	19वी	
,,	स	2,3,3	26से28 × 13	स 150 पद	1869/99	यशोविजय स्तवन के आधार पर
,,	,,	2	31 × 11	,, ,,	19वी	,,
,,	,,	5	27 × 13 × 16 × 45	स 201 श्लोक	1660	
,,	,,	8	24 × 14 × 13 × 34	स ,,	1804	
,,	,,	7*	27 × 12 × 15 × 44	स ,,	19वी	
,,	प्रा	9*	27 × 11	स 157 गाथा	20वीं	
,, भक्ति	मा	5	26 × 12 × 11 × 28	स 3 ढालें	19वी	
स्वाध्याय विधि	स.	3	26 × 11 × 13 × 48	स	1548	
,, आदि विधि	मा	5	25 × 11 × 20 × 51	,,	1765	
,, विधि	,,	14	25 × 12 × 11 × 36	,,	19वीं	
व्रत कथा	,,	गुटका	24 × 16 × 20 × 16	,, 25 गाथा	1840	दिगम्बर आम्नाय/ बीचमे 7चित्रहै पचप-रमेष्ठिनदीश्वरदीपके

1	2	3	3 A	4	5
231	डू गु -26	(जैन) रविवार कथा	(Jain) Ravivāra Kathā	अग्रवाल गर्ग	पद्य
232	डु-723	राइ सथार विधि	Rāi Santhāra Vidhi	—	गद्य
233	त-321	रोहिणी कथा	Rohinī Kathā	कनककुशल	पद्य
234	त-237	रोहिणी तप वासुपूज्य स्तवन	Rohinī Tapa Vāsupūjya Stavana	श्रीसार मुनि	,,
235	था-300	,, विधि स्तवन	Rohinī Tapa Vidhi Stavana	—	,,
236	डू-159	विधि कौमुदी	Vidhi Kaumudī	—	गद्य
237	डू-27	विधि प्रपा	Vidhi Prapā	जिनप्रभसूरि	,,
238-9	त-15,158	,, 2 प्रतियें	,, 2 Copies	,,	,,
240	डू-709	,,	,,	,,	,,
241	था-208	,,	,,	,,	,,
242	डू-31	,,	,,	,,	,,
243-4	डू-135,1370	विधि सग्रह 2 प्रति	Vidhi Sangraha 2 Copies	सकलन	,,
245	त-749	,,	,,	,,	,,
246	था-295	शाति पर्व विधि	Śānti Parva Vidhi	—	,,
247	त-126	श्राद्ध विधि (वृतिमह)	Śrādha Vidhi (with Vṛti)	रत्नशेखर/स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
248	त-125	,, ,,	,, ,,	,, / ,,	,, ,,
249	था-92	,, वृति (विधि कौमुदी)	,, Vṛti (Vidhi Kaumudī)	,,	गद्य
250-52	डू-531,904, 1141	श्रावक विधि प्रकाश 3 प्रति	Śrāvaka Vidhi Prakāśa 3 Copies	क्षमा कल्याण	,,
253	व उ गु -22	सप्तदस पूजा विधि	Saptadaśa Pūjā Vidhi	जिनसमुद्रसूरि	पद्य
254	त-905	सत्तर प्रकारी पूजा द्रव्य	Sattar Prakārī Pūjā Dravya	—	,,
255	डू-160	सघ मालारोपण विधि	Sangha Mālāropana Vidhi	—	गद्य
256	त-934	साधु दिनचर्या विधियें	Sadhu Dincarya Vidhiyen	—	,,
257	त-780	साधु विज्ञप्ति प्रारुप	Sadhu Vigvapti Prārupa	—	,,
258-60	डू-584,730, 1118	साधु विधि प्रकाश 3 प्रति	Sādhu Vidhi Prakāśa 3 Copies	क्षमा कल्याण	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्रत कथा	मा	गुटका	24 × 16 × 20 × 16	स 153 गाथा	1840	
रात्रि पोरपी क्रिया विधि	,,	2	25 × 12 × 12 × 37	स	19वी	
पर्व कथा	म	7	26 × 11 × 13 × 52	,, 201 श्लोक	18वी	
पर्व कथा भक्ति	मा	4	24 × 12 × 12 × 25	स 4 ढालें	18वी	
,, ,,	अ	2	30 × 11 × 11 × 41	स 24 गाथा	18वी	
विवादास्पद विधि निर्णय	स	10	26 × 11 × 15 × 41	स	19वी	
साधु समाचारी व अन्य विधिया	प्रा	70	26 × 11 × 15 × 51	स ग्र 3574	1495	
,,	,,	30,17	33 × 13व27 × 12	स 21 प्रकार की विधिया	15वी	
,,	,,	87	27 × 12 × 15 × 44	म ग्र 3574	16वी	
,,	,,	86	33 × 13 × 13 × 65	,, ,,	17वी	
,,	,,	96	26 × 12 × 15 × 49	स	1894	
धार्मिक क्रिया विधि	प्रा स मा	13,3	26 × 12 × 14 × 40	प्रथम म , द्वि अ	19/20वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 35	सपूर्ण	19वी	
क्रिया काण्ड भक्ति	स	6	26 × 14 × 16 × 54	,,	1999	
श्रावकाचार विधान	प्रा स	204	26 × 12 × 13 × 45	म 6 प्रकाश	16वी	विधि कौमुदी नाम्नी वृति
,,	,,	163	26 × 11 × 15 × 45	म ग्र 6761	1735	
,,	स	161	32 × 12 × 13 × 58	म ग्र 7200	17वी	
,,	मा	23,18 14	24से27 × 12से13	म	1875से20वी	
भक्ति क्रिया विधि	,,	10*	15 × 10 × 11 × 24	त्रुटक	19वी	
पूजा द्रव्य विधान	,,	2	27 × 12 × 10 × 45	अपूर्ण 19 छद	19वी	
उपाधान तप सबधी	,,	3	25 × 12 × 12 × 34	स	19वी	
दैनिक क्रिया विधान	,,	3	26 × 11 × 16 × 47	,,	19वी	
पत्राचार प्रारुप	स	2	25 × 12 × 17 × 27	,,	1794	
साधु दिनचर्यविधि	,,	12,18 16	26से27 × 10से12	,,	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
261	त-193	सामयिक तपादि विधि	Sāmāyıka Tapādı Vıdhı	—	गद्य
262	त-976	सामायिक दूषण 14 नियम सज्झाय	Sāmāyıka Dūsana 14 Nıyama Sajjhāya	—	पद्य
263	डू-242	सामयिक पौषधादि विधि	Sāmāyıka Pausadhādı Vıdhı	—	गद्य
264	डू-514	,, प्रतिक्रमण ,,	Sāmāyıka Pratıkramana Vıdhı	—	,
265-6	डू-586,579	,, विधि 2 प्रति	Sāmāyıka Vıdhı 2 Copıes	—	,,
267	डू-390	सिद्धचक्र आराधना	Sıdhā Cakra Ārādhanā	—	,
268	त-393	सौभाग्य (ज्ञान) पंचमी कथा	Saubhāgya (Jñāna)Pancamı Kathā	कनककुशल	पद्य
269-71	डू-272A, 311 1250	,, 3 प्रति	,, 3 Copıes	,,	,,
272	त-182	,,	,	,,	,,
273	त 206	,,	,	,,	मु ट (प ग)
274-5	डू-272B, 348	,, 2 प्रति	,, 2 Copıes	—	गद्य
276	त-997	,,	,,	—	,,
277	त-329	,,	,,	—	,,
278-9	डू-597,459	,, 2 प्रति	,, 2 Copıes	—	,,
280	डू-1347	,	,,	जिनहर्ष	,,
281	डू-931	,,	,,	—	,,
282	डू-584	,,	,,	—	,,
283	त-826	सौभाग्य पंचमी स्तवन	Saubhgāya Pancamı Stavana	—	पद्य
284	त-336	,, (वृहत)	,, (Vṛhat)	कांतिविजय	,,
285	लो-390	,, ,,	, ,,	समयसुन्दर	,,
286	त-921	,,	,,	,,	,,
287	था-455	,,	,,	,,	,,
288	डू-294	,	,,	,,	,,
289	था-468	,,	,,	वाचक शिवदास	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक क्रिया विधि	मा	6	27 × 12 × 11 × 49	स	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 35	स 2 सज्झायें 33 गा	19वी	
,,	,,	4	23 × 11 × 15 × 34	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 12 × 33	,,	19वी	
,,	,,	3,2	26 × 12व28 × 13	,,	19वी	
भक्ति क्रिया विधि	,,	1	25 × 12 × 9 × 42	,,	19वी	
पर्व कथा	स	7	26 × 12 × 12 × 37	,, 146 श्लोक	1655	
,,	,,	8,6,5	26 × से27 × 12	स 150/152 श्लोक	19/20वी	
,,	,,	6	27 × 12 × 13 × 40	स 149 ,,	1850	
,,	स मा	18	28 × 13 × 6 × 26	स 152 ,,	19वी	
,,	स	4,17	25 × 12व24 × 12	स	1905 20वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 45	,,	1786	
,,	मा	71*	26 × 12 × 10 × 32	,,	19वी	
,,	,,	5,24*	26 × 11व25 × 11	,,	19/20वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 13 × 38	त्रुटक	19वी	
,,	स	14*	25 × 12	सपूर्ण	1832	
,,	,,	17*	27 × 13	,,	20वी	
पर्व भक्ति	मा	2	23 × 11 × 14 × 30	,, 24	1650	
,,	,,	5	28 × 13 × 16 × 41	स 9 ढाले	1871	
,,	,,	2	27 × 12 × 12 × 32	स	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 32	,,	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 11 × 40	,,	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 33	,,	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 15 × 45	स 25 छंद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
290	था-137	स्नात्र विधि	Snātra Vidhi	—	पद्य
291	डू-333	,,	,,	—	,,
292	त-980	,,	,,	—	गद्य
293	था-225	स्नात्र शांतिक विधि	Snātrā Śāntika Vidhi	—	,,
294	त-226	होलिका कथा	Holikā Kathā	—	पद्य
295	त-355	,,	,,	जिनसुन्दर	,,
296-7	त-907,919	,, 2 प्रति	,, - 2 Copies	पुण्यराज	,,
298	त-908	,,	,,	—	गद्य
299	लो-458	होलीका व्याख्यान कथा	Holikā Vyākhyāna Kathā	—	,,
300	डू-931	,,	,,	—	,,
301	त-329	,,	,,	—	,,
302	डू-530	,,	,,	—	,,
303	त-1023	स्फुट धार्मिक क्रिया विधि पन्ने	Sphuta Dhārmika Kriyā Vidhi Panne	—	ग प

भाग/विभाग 3 (आ)

1	2	3	3 A	4	5
1	त-964	अजित शांति स्तवन	Ajita Śānti Stavana	नदीषेण	पद्य
2	त-743	,,	,,	,,	,,
3	त-169	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	,,/–	मू अ (प ग)
4	ड-1366	अजित शान्ति स्तवन	Ajita Sānti Stavan	,,	पद्य
5-6	लो-365,565	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	,,
7	त-495	,,	,,	,,	मू ट (ग प)
8	लो-586	,,	,,	,,	,,
9	त-1167	,, (बालावबोधसह)	,,(with bālāvabodha)	,,	मू बा (,,)

6	7	8	8 A	9	10	11
देव पूजा सबधी	स	12	33 × 13 × 13 × 52	स	19वी	
,,	मा	6	27 × 12 × 13 × 46	,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 10 × 16 × 45	,,	19वी	
,,	,,	12	32 × 13 × 13 × 50	,,	19वी	
पर्व व्याख्यान	स	4	27 × 12 × 10 < 36	म 70 श्लोक	1782	
,,	,,	4	25 × 12 × 6 × 35	म 50 ,,	1911	
,	,,	2,2	25 × 11व26 × 12	म 34 ,,	19/20वी	
,,	मा	2	27 × 12 × 16 × 44	स	1785	
,,	,,	18*	26 × 12 × 16 × 40	,,	1930	
,,	स	14*	25 × 12	,,	1832	
,,	मा	71*	26 × 12 × 10 × 32	सपूरा	19वी	
,,	,,	8*	26 × 11 × 13 × 41	अपूर्ण 6 से 13 पन्ने	20वी	
स्फुट लघु ग्रथ व त्रुटक पन्ने	प्रा स मा	53*	25 × 11	सकलन	18/20वी	(स्फुट लघु मे)

जैन भक्ति व क्रिया—स्तुति स्तोत्र स्तवनादि—भक्ति साहित्य

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	प्रा	3	26 × 11 × 12 × 42	सपूरा 40 गाथा	1646	
,,	,,	4	28 × 12 × 12 × 36	,, ,,	1656	
,,	प्रा स	6	27 × 12 × 20 × 62	,, ,,	18वी	
,	प्रा	4	26 × 12 × 12 × 36	म 39 गाथा	1870	
,	,,	7,5	26 × 13व25 × 11	स 40/46 गाथा	19वी	
,,	प्रा मा	11	27 × 12 × 10 × 35	स 40 गाथा	1870	
,,	,,	11	21 × 10 × 12 × 32	स 40 गाथा	19वी	
,,	,,	14	27 × 12 × 11 × 51	स 30 गाथा	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
10	त-1276	ग्रजित शांति ग्रादि स्तोत्रार्थ	Ajita Śānti Ādi Stotrātha	—	गद्य
11	डू-362	ग्रजित शांति वृद्ध स्तवन	,, Vṛdha Stavana	मेरुनदन	पद्य
12	डू-146B	ग्रध्यात्म पदावली	Adhyātma Padāvali	ज्ञानसागर	,,
13	डू गु-15	,, ,,	,, ,,	,,	,,
14-15	डू गु-15,525	,, बहोत्तरी 2 प्रति	,, BaLottari 2Copies	ग्रानन्दघानजी	,,
16	डू-533	,, ,,	,, ,,	,,	,,
17	डू-564	,, ,, पद	,, ,, Pada	,,	,,
18	डू-544	ग्रनानुपूर्वी व नमस्कार यत्र	Anānupūrvī & Namaskāra Yantra	—	तालिकायें
19	डू-146A	ग्रतरीक्ष चौपई	Antariksa Caupaī	विनयराज	पद्य
20	त-869	,, पार्श्व छद	,, Pārśva Chanda	भावविजय	,,
21	त-354	,, ,,	,, ,,	,,	,,
22	डू-104	ग्रर्हत् सहस्र नाम	Arhat Sahasra Nāma	ग्रज्ञात	,,
23	था-95	ग्रष्टक वृति	Astaka Vṛti	(हरिभद्र)जिनेश्वर + ग्रभयदेव	गद्य
24	ग्रा-188	ग्रष्टपचाशत स्तुति ग्रवचूरि	Astapancāśata Stuti Avacūri	सोमप्रभ	,,
25	डू-1265	ग्रष्टप्रकारी पूजा	Astaprakārī Pūjā	क्षमाविजय	पद्य
26	त-252	,,	,,	विनीत विजय शिष्य	,,
27	त-531	,, फल महिमा रास	Astaprakārī Pūjā Phala Mahimā Rāsa	फतेन्द्र सागर	,,
28	त-994	,, (विधि सह)	Astaprakārī Pūjā (with Vidhi)	—	गद्य
29	त-235	ग्रष्टापद स्तवन	Astāpada Stavana	—	पद्य
30	त-751	,,	,,	—	,,
31	त-1057	ग्रष्टोत्तरी व ग्रन्य स्त्रोत	Astottarī & Other Stotra	—	प ग
32	डू-1168	ग्राज्ञा स्तोत्र	Ājñā Stotra	जिनप्रभ	मू प
33	ब उ गु 29	ग्राबू मंडन (ऋषभ) स्तवन	Ābū Mandana (Rsabha) Stavana	वीर विजय	पद्य
34	लों-380	ग्राबू तीर्थ स्तवन	Ābū Tirtha Stavan	पाठक रूपचन्द	,,
35	त-782	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	स	4	26 × 12 × 15 × 54	त्रुटक	20वी	साथ मे वृहत शांति
तीर्थंकर भक्ति गीत	मा	10*	23 × 11 × 9 × 25	सपूर्ण 32 गाथा	19वी	मगला कमला कदए
आध्यात्मिक व भक्ति	,,	23	15 × 12 × 10 × 27	स लगभग 150 पद	19वी	
,,	,,	गु	20 × 15 × 20 × 15	स 64 पद	1882	
,,	,,	गु ,13	20 × 15व26 × 11	स 77/76 पद	1882व20वी	
,,	,,	25*	25 × 11	स 72 पद	20वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 38	त्रुटक 7 पद मात्र	19वी	
स्मरण भक्ति हेतु तालिका	,,	3	26 × 13 × 16 × 24	त्रुटक पन्ने	19वी	
तीर्थ भक्ति	,,	23*	26 × 11	सपूर्ण	19वी	
भक्ति गीत	,,	2*	25 × 12 × 21 × 42	,, 51 पद	1811	
,,	,,	4	25 × 13 × 12 × 35	स 51 पद	19वी	
स्मरण नामावली	स	11	20 × 10 × 8 × 30	स 11 प्रकाश	1897	
भक्ति	,,	105	32 × 13 × 13 × 55	स	1671	
,, स्तुतियो की	,,	6*	26 × 11 × 24 × 80	,, 59 श्लोक की	16वी	
,, गीत	मा	2	27 × 12 × 17 × 62	स	19वा	1813 की कृति
,, ,,	,,	5	24 × 12 × 15 × 44	,, 8 पूजा+2 स्तवन	19वी	
,, ,,	,,	44	27 × 13 × 18 × 52	स 8 अधिकार	19वी	1850 की कृति
,	स	3	26 × 14 × 15 × 33	स	19वी	
तीर्थ भक्ति	मा	5	26 × 12 × 11 × 40	,, 62 छद	1787	
,,	,,	2	27 × 12 × 9 × 32	स 22 ,,	19वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा अ मा	22*	27 × 12 × 11 × 41	त्रुटक	19वी	
,,	पा	9*	22 × 13 × 12 × 24	सपूर्ण 11 गाथा	19वी	
तीर्थ भक्ति	मा	6	14 × 13 × 17 × 16	स. 57 ,,	18वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 10 × 36	स. 22 ,,	19वी	
,	,,	2	26 × 13 × 11 × 42	स 22 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
36	त-811	आलोचना (वृहत) स्तवन	Ālocanā (Vṛhat) Stavana	धर्मसिंह	पद्य
37	डू-761	,, ,,	,, ,,	,,	,,
38	डू-404	ईर्यापथिक विचार स्तवादि	Iryāpathika Vicāra Stavādi	जिनलाभसूरि	ग प
39	त-644	उत्तराध्यानादि सज्झायें	Uttarādhyanādi Sajjhāyen	उदयविजय	पद्य
40	डू-829	उन्नतीस भावना स्तवन	Unnatīsa Bhāvanā Stavanā	वुद्धिसागर	,,
41	लो-547	उपधान गर्मित वीर स्तवन	Upadhāna Garbhit Vīra Stavana	समयसुन्दर	,,
42	डू-303	उवसग्गहर स्तोत्र (व्याख्यासह)	Uvasaggahar Stotra (with Vyākhyā)	—/पद्मराजा	मू वृ (प ग)
43	त-860	,, ,,	,, ,,	—/हर्षकीर्ति	मू ट वृ
44	था-451	ऋषभदेव स्तवन	Rsabhadeva Stavana	—	पद्य
45	डू-141	, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	विजयतिलक	मू अ (प ग)
46	डू-140	,,	,,	,,	मू ट (,,)
47	थ-394	,,	,,	,,	मू प
48	डू-1316	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūri)	,,	मू अ (प ग)
49-50	त-973,254	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	मू प
51	डू-1257	,, (वालाववोधसह)	,, (with Bālāvabodha)	,,/गुणविनय	मू वा (प ग)
52	त-1114	,, ,,	,, ,,	,,/—	,,
53-5	था-430,463,483	,, 3 प्रति	,, 3 Copies	पुण्यसागर	मू प
56	था-403	,,	,,	पदमराज	पद्य
57	लो-429	,,	,,	लावण्यसमय	,,
58	त-882	,,	,,	कुशलहर्ष	,,
59	त-821	,,	,,	रवि (दीप विजय शिष्य)	,,
60	त-814	,,	,,	समयसुन्दर	,,
61	त-822	,, +नेम स्तवन	,, +Nema Stavana	जिनचन्द्रसूरि	,,
62	त-937	,, ,,	,, ,,	सकलचन्द	,,
63	था-428	,, ,,	,, ,,	धर्मसुन्दरगणि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रायश्चित भक्ति	मा	2	27 × 13 × 14 × 45	सपूर्ण 30 गाथा	1922	
,,	,,	3*	26 × 11 × 12 × 44	,, ,,	19वी	
,,	प्रा स.मा	10	26 × 15 × 16 × 40	स	19वी	
स्वाध्याय भक्ति	मा	16*	23 × 11	,, 7 स्वाध्याये	20वी	
भावना भक्ति	,,	2	26 × 12 × 12 × 38	स 34 गाथा	19वी	
तप भक्ति	,,	4*	22 × 13 × 14 × 30	स 18 छद	19वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स	5	26 × 11 × 16 × 58	स 5 गाथा	1646	
,,	प्रा स मा	2	26 × 13 × 18 × 52	,, ,,	1863	
तीर्थंकर भक्ति	प्रा	3*	27 × 12	स 11 गाथा	20वी	
भक्ति गीत (पहिलु पणमिउ)	अ स	1	26 × 11 × 19 × 78	अपूर्ण 8वीं गा तक	16वी	
भक्ति गीत(पहिलु-पणमिउ)	,,	3	25 × 11 × 11 × 36	सपूर्ण 21 गाथा	15वी हिमसार	किंचित् टव्वा सस्कृत मे
,,	अ	2	27 × 12 × 11 × 64	,, 21 ,,	1642	,,
,,	अ स	3	27 × 12	पहिला पन्ना कम है	1646	,,
,,	अ	3,5	25 × 11व27 × 12	स 21 गाथा	19/20वी	,,
,,	अ मा	4	27 × 12 × 15 × 54	स 21 गाथा	19वी	,,
,,	,,	10	27 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण परन्तु गाथा 23	18वी	,,
भक्ति गीत तीर्थंकर	अ	2 2,2	26से27 × 12	सपूर्ण गा 26	19/20वी	
भक्ति गीत14 गुण स्थान गर्मित	मा	2	27 × 12 × 10 × 33	सपूर्ण 21 गा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति गीत	,,	9*	26 × 11 × 16 × 36	स 45 छद	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 14 × 40	स 22 गा	19वी	
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 30	स 19+9 गाथा	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 11 × 43	स 31 छद	19वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 12 × 33	स 11 गाथा	19वीं	शत्रु जय गिरनार
,,	,,	2	27 × 11 × 11 × 38	स 31 ,,	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 47	स	1710	

1	2	3	3 A	4	5
64	त-1233	ऋषभदेव स्तवन+नेमस्तवन	Rṣabhadeva Stavan +Nema Stavan	—	पद्य
65	त-831	ऋषभदेव स्तवन+वासुपूज्य स्तुति	Rsabhadeva Stavan+ Vāsupūjya Stuti	विनयकुशल	,,
66	त-865	,, +पार्श्व स्तोत्र	Rsabhadeva Stavan Pārśva Storta	—	,,
67	त-742	ऋषभ पचाशिका	Rsabha Pancāśikā	धनपाल	मू ट (प ग)
68	त-835	ऋषि बत्तीसी	Rsı Battīsī	जिनहर्ष	,,
69	लो-709	,,	,,	,,	,,
70	डू-153	,,	,,	,,	पद्य
71-2	डू-309,1317	ऋषि मडल स्तोत्र 2 प्रति	Rṣımandala Stotra 2 Copies	—	,,
73-74	त-859,1108	,, 2 प्रति	,, ,,	—	,,
75	डू-232	,,	,,	—	,,
76	डू-1222	,,	,,	—	,,
77	डू-366	एकादश अगो की सज्झायें	Ekādaśa Angon kī Sajjhā-yen	विनयचन्द	,,
78	त-480	एकादशी स्तवन	Ekādasī Stavana	विशुद्धविमल	,,
79	त-146B अतिरिक्त	कका बत्तीसी	Kakā Battīsī	—	,,
80	त-487	कल्याणमदिर स्तोत्र (वृतिसह)	Kalyānamandıra Stotra (with Vṛtı)	कुमदचद्र/कनककुशल	मू वृ (प ग)
81	डू-706	,, —	Kalyānamandıra Stotra	,, —	मू प
82	था-122	,, (बालाव-बोधसह)	Kalyānamandıra Stotra (with bālāvabodha)	,, —	मू बा (प ग)
83	डू-457	,, (,,)	Kalyāṇamandıra Stotra (with bālāvabodha)	,, —	,,
84	लो-592	,, (अवचूरिसह)	Kalyānamandıra Stotra (with Avacūrı)	,, —	मू अ (प ग)
85	था-231	,, —	Kalyānamandıra Stotra	,,	मू प
86	था-187	,, —	,,	,,	,,
87-8	त-203	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	,,
89	त-717	,, (वृतिसह)	,, (with Vṛtı)	,,/ मेघमुनि	मू वृ (प ग)
90-1	डू-603,139	,, (,,) 2 प्रति	,, (,,) 2 Copies	,,/ हर्षकीर्ति	,,
92	डू-698	,, (वृतिसह)	,, (with Vṛtı)	,,/ —	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति गीत	मा	5	25 × 12 × 10 × 29	त्रुटक	19वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 12 × 42	सपूर्ण	19वी	साथ मे हीरविजय सज्भाय
,,	स	2	29 × 14 × 15 × 30	स 15 श्लोक	19वी	
,,	प्रा मा	6*	27 × 12 × 7 × 44	स 50 गा	18वी	
मुनि वन्दनमाला	,,	2	27 × 12 × 13 × 35	स 32 छद	19वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 11 × 28	स ,,	19वी	
,,	मा	20*	26 × 11	स ,	19वी	
भक्ति स्तोत्र	स	2,3	25 × 11व25 × 12	स 63/68 श्लोक	19वी	
,,	,,	2,3	25 × 13व27 × 12	सपूर्ण 64/92 श्लोक	19वी	प्रथम प्रति बीज-अक्षर विधि सह
,,	,,	8*	26 × 12 × 11 × 32	स 63 श्लोक	19वी	
,	,	7*	26 × 12 × 12 × 32	स 63 श्लोक	19वी	
शास्त्र भक्ति व विषय सकेत	म	6	26 × 10 × 12 × 37	स 11 अग सूत्रो पर	19वी	
पर्व तिथि भक्ति	,,	14*	27 × 13 × 12 × 29	स 5 ढालें	19वी	
स्तवन भक्तिमय बारहखडी	,,	23*	26 × 11	स 33 पद	1892	
भक्ति स्तोत्र	स	11	27 × 12 × 17 × 40	स 44 श्लो ग्र 727	16वी	
,,	,,	10	27 × 12 × 22 × 76	स 44 श्लो	17वी	
,,	स मा	6	27 × 12 × 18 × 31	, 44 ,,	1626	
,,	,,	8	26 × 12 × 16 × 47	,, 44 ,,	1659	
,,	स	10	26 × 12 × 12 × 35	,, 44 ,	1675	
,,	,,	3	26 × 11 × 11 × 54	,, 44 ,,	1685	
,,	,,	11*	30 × 12 × 11 × 44	, 44 ,,	1693	
,,	,,	5,4	25 × 11व27 × 11	, 44 ,,	1724/25	
,	,,	22	27 × 12 × 21 × 55	, 14 ,,	1761	
,,	,,	18,21	26 × 12व26 × 13	,, 44 ,,	1859/1905	
,,	,,	13	27 × 12 × 15 × 60	लगभग पूर्ण	19वी	अतिम पत्रा नहीं है

1	2	3	3 A	4	5
93-4	था-377, 406	कल्याण मन्दिर स्तोत्र 2 प्रति	Kalyāṇamandır Stotra 2Copies	कुमुदचंद—	मू प
95-6	त-778, 1101	,, ,,	,, 2 ,,	,,	,,
97-100	डू-111,520, 577,1311	,, 4 प्रति	,, 4 ,,	,,	,,
101	लो-573	,,	,,	,,	,,
102	था-124	,	,,	,,	मू ट (प ग)
103	डू-447	,,	,,	,,	,,
104	त-489	,,	,,	,,	,,
105	था-150	,, की वृति	,, ki Vṛtı	देवतिलकसूरि	गद्य
106	त-1000	,, की भाषा	,, ki Bhāsā	बनारसीदास	पद्य
107	त-933	कल्याण स्तवन	Kalyānā Stavana	परमसागर	,,
108	लो-226	गणधर नमस्कार स्तवन	Ganadhara Namaskāra Stavana	—	,,
109	त-825	गहुली सग्रह	Ganhuli Sangraha	सकलन	,,
110	था-433	गुणस्थान स्तवन	Gunasthāna Stavana	मनरग	,,
111	लो-431	,,	,,	धरमसी	,,
112	त-1023क	गीत पत्र	Gita Patra	समयसुन्दर/जिनराज समुद्र	,,
113	डू-1333	गीत सग्रह	Gita Sangraha	सकलन	,,
114	डू-328	गौडीपार्श्व अष्टभय निवारणछद	Gaudipārśva Astabhaya Nivarana Chanda	धर्मसिंह	,,
115-6	त-334,234	,, ,, स्तवन 2 प्रति	Gaudipārśva Astabhaya Stavana 2 Copies	प्रीतविमल	,,
117	डू-212	,, ,, ,,	Gaudipārśva Astabhaya Stavana	,,	,,
118	त-850	,, छद	Gaudipārśva Chanda	जिनहर्ष	,,
119	डू गु 29	,, भय निवारण छद	Gaudipārśvā Bhaya Niva rana Chand	धर्मसिंह	,,
120	त-971	,, स्तवन	Gaudipārśva Stavana	विजयकुशल	,,
121	डू-611	गौतमस्वामी स्तोत्र	Gautama Svāmī Stotra	प्रति मे लिखा है सुधर्मा स्वामीकृत	,,
122	त-488	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	स	4,4	26 × 12व24 × 10	सपूर्ण 44 श्लोक	19/20वी	
,,	,,	2,4	27 × 12व25 × 12	,, ,,	19/20वी	
,,	,	3,3,4,5	13से25 × 10से11	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 17 × 38	,, ,,	19वी	साथ में लघु शाति स्तवन
,,	स मा	7	27 × 11 × 6 × 30	,, ,,	19वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 8 × 36	,, ,,	19वी	
,,	,,	20	24 × 12 × 11 × 33	, ,,	1810	साथ मे भक्तामर स्तोत्र मूल
,,	स	13	27 × 12 × 10 × 42	,, ,, की	20वी	सौभाग्य मजरी नाम्नी
,,	हिं	3	22 × 11 × 12 × 35	स 45 गा	1776	पद्यानुवाद मूलका
भक्ति गीत	मा	3	26 × 12 × 12 × 40	सं 34 गा.	19वी	साथ मे सकलतीर्थ नमस्कार स्तवन
गणधर भक्ति	,,	7	26 × 12 × 9 × 40	स 11+11 स्तवन	1668	
गुरुभक्ति स्वाध्याय		2	27 × 12 × 12 × 35	स 3 गहुलियें	19वीं	
दर्शन भक्ति	,,	3	27 × 12 × 11 × 37	स 16 गा	19वी	
,,	,,	9*	25 × 12 × 12 × 38	स 34 गा	1932	
भक्ति आदि	,,	1	26 × 11 × 24 × 65	स 19 गीत छोटे वडे	20वी	सीता मदोदरी सवाद भी है
भक्ति गीत	,,	18	27 × 13 × 10 × 38	अपूर्ण प्रति	20वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 10 × 44	सपूर्ण 20 छद	20वी	साथ मे स्तुतियें भी
,,	,,	5,4	28 × 13व21 × 12	स 55 गाथा	1893/20वी	
,,	,,	5	22 × 12 × 13 × 27	स	19वी	साथ मे वरकाणा पार्श्व स्तवन
,,	,,	2	30 × 14 × 14 × 42	,, 23 गा	19वी	
,,	,,	गु	14 × 13	स 29 छद	19वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 33	स 40 गा.	19वी	
,,	प्रा	5	25 × 11 × 11 × 55	स 112 गा	19वी	अत के कुछ श्लोक सस्कृत मे
,,	स	15*	26 × 12 × 10 × 28	स 5 श्लो.	1904	

1	2	3	3 A	4	5
123	त-953	गौतमाष्टक व ग्रहशांति स्तुति	Gautamāstaka & Graha-śānti Stuti	—	पद्य
124	था-42	चतुर्विध सघ नाममाला	Caturvidhā Sangha Nāma-mālā	—	,,
125	त-962	चतुर्विशति जिन नमस्काराणि	Caturviśanti Jīn Namas-kārāni	—	,,
126	डू-1323	,, ,, स्तुति (अवचूरिसह)	Caturviśanti Jīn Stuti (with Avacūri)	शोभनमुनि	मू अ (प ग)
127	त-178	,, ,, स्तुति	Caturviśanti Jin Stuti	,,	मू प
128	त-482	,, ,, ,, (वृतिसह)	Caturvisanti Jin Stuti (with Vṛti)	,,/धनपाल	मू वृ (प ग)
129-30	लो-361,174	,, ,, ,, 2 प्रति	Caturviśanti Jin Stuti 2 Copies	,,	मू प
131	डू-858	,, ,, ,, (अवचूरि-सह)	Caturviśanti Jin Stuti (with Avacūri)	,,	मू अ (प ग)
132	आ-188	,, ,, ,, की अव-चूरिमात्र	Caturviśanti Jin Stuti kī Avacūri only	,,	गद्य
133	डू-1031	,, ,, ,, (व्याख्या सह)	Caturviśanti Jin Stuti (with Vyākhyā)	,,/विजयगणि	मू व्या (प ग)
134	त-309	,, ,, ,, (अवचूरि सह)	Caturviśanti Jin Stuti (with Avacūti)	—मेरुविजय	मू अ (प ग)
135	डू-1226	,, ,, ,,	Caturviśanti Jin Stuti	शोभनमुनि	मू प
136	त-446	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
137	त-1153	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
138	त-970	,, ,, ,,	, ,, ,	सोमसुन्दर शिष्य	,,
139	डू-1327	,, ,, ,,	, , ,,	क्षमा कल्याण	,,
140	डू-148	,, ,, ,,	,, ,, ,,	पाठक रामविजय (जिनलाभसूरि शिष्य)	,,
141	त-185	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, ,,	,,
142	नो-394	,, ,, ,,	,, ,, ,,	ज्ञानचन्द	पद्य
143	त-165	,, ,, स्तोत्र	, ,, Stotra	—	,,
144	था-338	चन्द्रस्वामी स्तोत्र	Chandra Svamī Stotra	साधुकीर्ति	,,
145	त-757	चारकषायों+जंबूस्वामी की सज्झाय	Cārkasāyon+Jambūsvāmi kī Sajjhāya	भावसागर सिद्धि विजय	,,
146	त-359	चिंतामणि पार्श्वनाथ स्तोत्र (वृतिसह)	Cintāmani Pārśvynātha Stotra (with Vṛti)	—	मू वृ (प ग)
147	त-852	चिंतामणि पार्श्वनाथ स्तोत्र	Cintāmani Pārsvynātha Stotra (with Virti)	—	मू प

6	7	8	8 A	9	10	11
गणधर व ग्रह भक्ति	स	3*	26 × 12 × 15 × 36	स 35 श्लो	19वी	
साधु श्रावको को नमन	मा	9	25 × 12 × 9 × 34	स	1701	
भक्ति श्लोक	स	3	27 × 13 × 12 × 28	,, 33 श्लो 2 स्तोत्र	1810	
तीर्थंकर भक्ति	,,	4	27 × 12 × 20 × 60	स 96 श्लो	1488	
,,	,,	6	26 × 12 × 13 × 50	स 96+5 अन्य श्लो	15वी	
,,	,,	19	27 × 12 × 15 × 57	स 96 स्तुतिया की	1608	
,,	,,	7,8	26 × 11व27 × 12	स 96 श्लो	16,17वी	
,,	,,	14	26 × 11 × 14 × 60	,, ,,	18वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 24 × 80	,, ,, की	16वी	
,,	,,	94	25 × 12 × 13 × 40	,, ,, की	19वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 5 × 48	स श्लोक	18वी	
,	,,	11	22 × 12 × 12 × 30	,, ,,	19वी	
,,	,,	13	23 × 12 × 11 × 26	, ,,	19वी	
,,	,	42*	26 × 12	, ,,	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 21 × 52	स 29 स्तुतियें	1691	
,,	,,	6	26 × 12 × 13 × 37	स 77 श्लो	20वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 10 × 50	स 24 स्तुति 50 श्लो	1857	1824 की कृति विक्रमपुर
,,	,,	6	27 × 12 × 10 × 40	,, ,,	1863	,,
,,	मा	4	26 × 12 × 19 × 60	स 24 स्तुति	19वी	
,,	स	3	28 × 13 × 8 × 26	स 35 श्लो	19वी	
,,	मा स	1	27 × 12 × 13 × 60	स 21 श्लो	19वी	
केवली भक्ति आदि	मा	3	24 × 11 × 12 × 42	स 5 सज्झायें	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	स.	4	25 × 12 × 13 × 39	स 11 श्लो	1804	
,,	,,	2	27 × 13 × 8 × 53	सपूर्ण 11 श्लोक	1882	

1	2	3	3 A	4	5
148	था-351	चैत्य परिपाटी	Caitya Paripatī	गुणविजय	पद्य
149	डू-542	चैत्य वदन के 24 द्वार	Caitya Vandañ ke 24 Dvāra	—	गद्य
150	डू-374	चौवीस जिन स्तवन	Cauvisa Jina Stavana	धर्मसी	पद्य
151-2	त-806,991	चौवीस जिन+20 विरहमान नमस्कार 2 प्रति	Cauvisa Jina+20 Virahamāna Namaskāra 2Copies	प्रेमविजय	,,
153	डू गू 41	चौवीसी व विरहमान वीसी	Cauvisi & Virahamāna Visī	जिनराजसूरि	,,
154	लो-432	चौवीसी	Cauvīsī	ज्ञानविमल	,,
155	था-328	,,	,,	—	,,
156	त-1190	,, (वर्तमान)	,, (Vartamāna)	जिनराजसूरि	,,
157	डू-145	,, ,,	,, ,,	,,	,,
158	लो-453	,, ,,	,, ,,	,,	,,
159	था-303	,, ,,	,, ,	,,	,,
160	लो-454	,, ,,	,, ,,	,,	,,
161	लो-591	,, ,,	,, ,,	राजसार (पाठक सुमति सागर का शिष्य)	,,
162	लो गु -665	,, ,,	,, ,,	श्री जिनचद्र सूरि	,,
163-4	लो-298,516	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2Copies	आनन्दघन	,,
165-6	डू-1329,533	,, ,, 2 ,,	,, ,, 2 ,,	,,	,,
167	डू-838	,, (वालाववोधसह)	,, with Bālāvabodha)	,,/—	मू वा (प ग)
168	डू-151	,, (वर्तमान)	,, (Vartamāna)	देवचन्द	पद्य
169	डू-154	,, ,,	,, ,,	,,	,,
170	प्रा-67	,, (वालाववोधसह)	(with Bālāvabodha)	,,/—	मू वा (प ग)
171	डू-154	,, (वतमान)	,, (Vartamāna)	यशोविजय	पद्य
172	प्रा-138	,, ,	,, ,,	,,	,,
173	त-477	,, ,,	,, ,,	मोहन (रूप विजय शिष्य)	,,
174	त-479	,, ,,	,, ,,	,,	,,
175	लो गु -673	,, ,,	,, ,,	मोहनमुनि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	मा	3	28 × 12 × 12 × 40	सपूर्ण 38 गाथा	19वी	
भक्ति क्रिया विधान सह	,,	3	26 × 11 × 16 × 41	,, 24 द्वारो मे	20वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	10*	26 × 12 × 14 × 49	,, 29 छद	19वी	
भक्ति स्मरण	,,	2* 3	29 × 13व25 × 12	,, 24 नमस्कार छद	19/20वी	
तीर्थंकर भक्ति गीत	,,	गु 41	15 × 13	,, 24+20 स्तवन	1690	
भक्ति गीत	,,	3	26 × 12 × 16 × 58	,, 24+1 छद	20वी	
,,	अ	5	27 × 12 × 14 × 60	,, 24+1 स्तवन	20वी	दूसरा पन्ना कम है
तीर्थंकर भक्ति गीत	मा	4	26 × 12 × 12 × 36	अपूरण 13वें तीर्थंकर तक	19वी	
,,	,,	4	27 × 13 × 13 × 37	,, 16 ,,	19वी	
,,	,,	9	25 × 12 × 11 × 38	सपूर्ण 24 स्तवन	19वी	
,	,,	7	32 × 13 × 11 × 47	,, ,,	19वी	
,,	,,	9*	25 × 11 × 16 × 37	,, ,,	19वी	
,,	,,	10	27 × 11 × 11 × 36	,, ,,	19वी	देवचद्रजी द्वारा लिपिकृत
,,	,,	गु	17 × 14 × 21 × 21	अपूर्ण 17 वें से 24 वें जिन तक	19वी	1717 की कृति
,,	,,	13,13*	27 × 13	दूसरी प्रति मे 1 स्तवन कम	19वीं	
,,	,,	19 25*	27 × 12व25 × 11	सपूर्ण 24 स्तवन	1866/20वी	
,,	,,	52	27 × 12 × 3 × 16	सपूरण 24 स्तवन ग्र 5000	19वीं	
,,	,,	12	25 × 11 × 13 × 33	अपूर्ण 19वें मल्लि जिन तक	19वी	
,,	,,	45*	25 × 11 × 12 × 35	सपूर्ण 24 स्तवन	1877	
,,	,,	97	27 × 12 × 13 × 41	,, 24 ,,	19वी	
,,	,,	45*	25 × 11 × 12 × 35	,, 24 ,,	1877	
,,	,,	6	26 × 11 × 14 × 43	,, 24 ,,	19वी	
,,	,,	9	26 × 13 × 12 × 28	,, 24 ,,	19वी	
,,	,,	14*	25 × 13 × 17 × 46	अपूर्ण 2 से 16 स्तवन	1858	
,,	,,	9से17	17 × 13 × 15 × 22	,, 13 से 24 वें तक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
176	डू-154	चौवीसी (वर्तमान)	Cauvīsī (Vartamāna)	जिनलाभ	पद्य
177	आ-70	,, ,,	,, ,,	वा भानविजय	,,
178	डू गु -19	,, ,,	,, ,,	वा गुणविलास	,,
179	लो-426	,, ,,	,, ,,	वीर मुनि (कुअरजी का शिष्य)	,,
180	त-1167	,, ,,	,, ,,	शाति विजय	,,
181	आ-61	,, ,,	,, ,,	नय विजय	,,
182	डू-153	छिन्नु जिन स्तवन	Chinnu Jina Stavana	जिनचन्द सूरि	,,
183	व उ गु 14	चौवीसी (सवैया)	Cauvīsī (Savaiyā)	मुनिखेम	,,
184	लो-325	जइद्या समणेभयव	Jaidyā Samaṇebhayavam	—	,,
185	लो-193	जप मालिका	Japa Mālikā	—	गद्य
186	डू-970	जयतिहुअण स्तोत्र (वृत्तिसह)	Jayatihuaṇa Stotra (with Vṛtti)	अभयदेव/—	मू वृ (प ग)
187	डू-322	जयतिहुअण स्तोत्र	Jayatihuana Stotra	अभयदेव	मू प
188	त-248	,,	,,	,,	,,
189	त-798	,,	,,	,,	,,
190	डू-1355	,,	,,	,,	,,
191	त-1022	,,	,,	,,	,
192	डू-537	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛtti)	,,	मू वृ (न ग)
193	लो-417	,, +(अन्य स्तवन)	,, +other Stavana)	,,	मू प
194-5	था-329,357	जयतिहुअण स्तोत्र 2 प्रति	Jayatihuana Stotra 2Copies	,,	,,
196-9	त-955,340 844,960	,, 4 ,,	,, 4 ,,	,,	,,
200	डू-314A	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
201	त-1021	,, (बालावबोधसह)	,, (with Bālāva-bodh)	,,/—	मू बा (प ग)
202	डू-382	जिनकुशल गुरु अष्टक	Jina Kuśala Gura Astaka	—	पद्य
203	डू-619A	जिनचन्द्र सूरि अष्टक	Jinacandra Sūri Astaka	जीतरग	,,
204	डू गु 29	,, छद	,, Chanda	समय सुन्दर	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति गीत	मा.	45*	25 × 11 × 12 × 35	संपूर्ण 24 स्तवन	1877	
,	,,	8	24 × 12 × 13 × 38	,, 24 ,,	1794	
,,	,,	गु	15 × 12 × 17 × 13	,, 24+1 स्तवन	1830	
,,	,,	7	22 × 11 × 14 × 41	,, 24 स्तवन	1844	
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 40	अपूर्ण 5 वें से 24 वें तक	19वी	
,,	,,	8	25 × 11 × 11 × 37	,, 17से21 स्तवन नही	19वी	
,,	,,	20*	26 × 11	संपूर्ण	19वी	
,,	,,	8	13 × 10 × 10 × 15	,, 24+1 स्तवन	18वी	1738 की रचना
महावीर स्तवन	प्रा.	6*	27 × 13 × 11 × 45	,, गाथा 22	17वी	
नमस्कार जप महात्म्य	मा	12	26 × 13 × 11 × 34	अपूर्ण	19वी	दृष्टांत कथानकसह
भक्ति स्तोत्र	प्रा स	4	26 × 11 × 14 × 50	संपूर्ण 30 गाथा	16वीं वीरपुर, समयप्रमोद	
,,	प्रा	3	27 × 11 × 15 × 60	,, 30 ,,	16वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 14 × 37	,, 30 ,,	16वी	
,,	,,	18*	26 × 11	, 30 ,,	1677	
,,	,,	6	27 × 12 × 8 × 28	,, 30 ,,	17वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 10 × 45	, 30 ,,	1715	
,,	प्रा स	7	26 × 11 × 19 × 53	, 30 ,,	18वी	
,,	प्रा	7	25 × 12 × 13 × 45	,, 30 ,,	19वी	
,,	,,	3,3	27 × 12	,, 30 ,,	19/20वी	
,,	,,	3,5,2,3	26से28 × 12से13	,, 30 ,,	1805से20वी	
,,	प्रा मा	10	27 × 12 × 4 × 30	,, 30 ,,	1900	
,,	,,	5	28 × 13 × 14 × 41	,, 30 ,,	19वी	
गुरु भक्ति	स	3	27 × 12 × 11 × 31	,, 23 श्लोक	19वी	
,,	,,	1	25 × 12 × 17 × 25	,, 8 ,,	19वी	
,,	मा	गु	14 × 13	,, 8 छंद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
205	त-240	जिन नाम शास्वता	Jina Nāma Śāsvatā	जिनचन्द्रसूरि	पद्य
206	डू-376	जिनपति दिव्य स्तोत्र	Jinapati Divya Stotra	—	,,
207-8	डू-182,1217	जिनपिंजर स्तोत्र 2 प्रति	Jina Pinjara Stotra 2Copies	पद्मकमलप्रभु	,,
209	डू-153	जिन मालिका	Jina Mālikā	सुमतिरंग	,,
210	था-440	जिनराजसूरि गुरु गीत	Jinarāja Sūri Guru Gita	—	,,
211	त-863	जिनवज्रपंजर व भारती स्तोत्र	Jinavajra Panjara & Bhārati Stotra	वप्पभट्टी	,
212	त-384	जिनवरेन्द्राणाम् पूजाष्टक कथानक	Jinavarendrānām Pūjāstakam Kathānakam	—	,,
213	त-671	जिन शतक (वृत्तिसह)	Jina Śataka (with Vrtti)	जबुमुनि/शावसाघु	मू वृ (प ग)
214	त-707	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
215	मो-506	,, की वृत्ति	,, kī Vrtti	शाव साधु	गद्य
216	डू-149	जिनसहस्र नाम	Jina Sahasranāma	सिद्धसेन दिवाकर	,,
217	त उ गु-22	जिन स्तवन संग्रह	Jina Stavana Sangraha	महिम समुद्र	पद्य
218	था-387	जिन स्तुतिया	Jina Stutiyān	—	,,
219	त-949	,,	,,	—	,,
220	डु-820	जिन हुंडी स्तवन	Jina Hundi Stavana	—	,,
221	त-789	जीरावल्ला पार्श्व स्तवन	Jirāvallā Pārśva Stavana	लावण्य समय	,,
222	त-146 प्रतिलिपिA	जैन रक्षा स्तोत्र	Jain Raksā Stotra	भद्रबाहु	,,
223	डू-138	,,	,,	—	,,
224	था-470	तिजयपहुत स्तोत्र	Tijayapahuta Stotra	मानदेवसूरि	,,
225	डू-138	,,	,,	,,	,,
226	था-494	त्रैलोक्य शास्वत प्रतिमा स्तवन	Trailokya Śāsvata Pratima Stavana	नयरंग	,,
227	लो-560	दस पच्चखाण स्तवन	Dasa Paccakhana Stavana	रामचन्द्र	,,
228	डू-1345	दादा गुरू गीत	Dādāgurū Gita	सकलन	,,
229	था-473	,,	,,	राजसागर व अन्य	,,
230	डू-229	,,	,,	भावराज/अभयसोम	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	मा	4*	27×12×15×45	सपूर्ण 23 छद	1790	
गुरु भक्ति	स	4	12×9×8×16	,, 31 श्लोक	19वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	3,5	25×11×13×41	,, 25 ,,	19/20वी	
तीर्थंकर भक्ति	मा	20*	26×11	सपूर्ण	19वीं	
गुरु भक्ति	,,	3	26×12×11×40	,,	20वी	
भक्ति स्तोत्र	स	2	27×13×13×33	,, 24+13 श्लोक	20वी	
भक्ति क्रिया काण्ड	प्रा	53	27×12×9×37	,, 868 गाथा	1876	
भक्ति काव्य	स	20	32×12×14×73	,, 100श्लो ग्र 1500	16वी	
,,	,,	19	27×12×21×72	,, ग्र 1550	18वी	
,,	,	40	27×12×15×50	अपूर्ण	14वीं	
नामस्मरण भक्ति	,	3	26×11×14×39	,,	1771	
तीर्थंकर भक्ति	मा	गुटका	15×10×12×20	सपूर्ण शताधिक स्तवन	19वी	
,,	स	2	26×12×11×37	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,,	,,	3	25×13×8×26	,	20वी	
तीर्थंकर भक्ति गीत	मा	27*	25×12	सपूर्ण 67 गाथा	19वी	
तीर्थ भक्ति	,,	2	28×12×11×34	,, 38 ,,	20वीं	
भक्ति स्तोत्र	स	2	26×12×12×38	,, 18 श्लोक	1892	
,	,,	3*	25×11	सपूर्ण	19वीं	
,,	प्रा	1	26×12×10×40	,, 13 गाथा	18वी	
,,	,	19*	26×12×13×39	,, 14 ,,	1907	
जिनबिंब भक्ति	मा	4	27×12×9×37	,, 41 ,,	19वी	साथ मे भवेश्वर स्तवन
तपफल विधि गर्भित	,,	3	23×12×11×40	,, 33 छद	19वी	
गुरुतेव भक्ति	स मा	5	27×13×13×42	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	मा	3	27×12×11×38	,,	19वी	
कुशलसूरि भक्ति गीत	,,	2	25×11×15×44	सपूर्ण 17+31 गाथा	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
231	लो-430	दादा गुरु गीत	Dādāgurū Gīta	सकलन	पद्य
232	हू-572	दुरियरयसमीर (महावीर)स्तवन	Durıyarayasamıra (Mahā-vīra) Stavana	जिनवल्लभ	मू ट (प ग)
233	त-167	,, (अवचूरिसह)	Durıyarayasamıra (Mahā-vīra) Stavana (with Avacūrı)	,,	मू अ (प ग)
234	धा-187	,, —	Durıyarayasamıra (Mahā-vıra) Stavana	,,	पद्य
235	हू-989	,, (वृत्तिसह)	Durıyarayasamıra) (Mahā-vīra) Stavana (with Vṛttı)	,,/—	मू वृ (प ग)
236	त-965	,, —	Durıyarayasamıra (Mahā-vīra) Stavana	,,	पद्य
237-40	हू-721,324, 804,969	,, (वृत्तिसह) 4 प्रति	Durıyarayasamıra (Mahā-vıra) Stavana (with Vrttı) 4 Copıes	,,/समयसुन्दर	मू वृ (प ग)
241	हू-1183B	,, (बालावबोधसह)	Duriyarayasamıra (Mahā-vıra) Stavana (with bālā-vabodha)	, /विनयमेरु	मू बा.(प ग)
242	पा-15	देवचद्र ग्रन्थावली	Devacandra Granthāvalī	देवचन्द	पद्य
243	हू-679	देवाप्रभो स्तोत्र (वृत्तिसह)	Devāprabho Stotra (with Vṛttı)	जयानद/ऋद्धिविजय	मू वृ (,,)
244	त-956	,, की अवचूरि	Devāprabha Strota kī Avacūrı)	—	गद्य
245	हू-182	धरणेन्द्र कृत स्तोत्र	Dharnendra Kṛta Stotra	—	पद्य
246	-469	धम स्तवन	Dharma Stavana	विनयसूरि	,,
247	धा-191	नमस्कार महात्म्य	Namaskara Mahātmya	सिद्धसेन	,,
248	हू-510	,, वार्तिक	, Vārttıka	—	,
249	त-166	नवकार गुणवर्णन	Navakāra Gunavarnana	—	,,
250	हू-1354	, स्तवन	,, Stavana	—	,,
251	त-856	,, फल	,, Phala	वल्लभसूरि	,,
252	लो-449	,, का बालावबोध	,, kā bālāvabodha	—	गद्य
253	त-262	,,	,, ,,	—	,,
254	धा 118	,,	,, ,,	—	,,
255-8	हू-110,198 726 189	,, 4 प्रति	,, ,, 4Copies	—	,,
259	धा-476	नवकार रास	Navakāra Rāsa	—	पद्य
260	त-925	,, की वृत्ति	,, kī Vṛttı	—	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
गुरुदेव भक्ति	मा	7	26 × 12 × 11 × 32	प्रतिपूर्ण	19वी	
भक्तिमय महावीर चरित्र	प्रा मा	5	26 × 11 × 11 × 38	सपूर्ण 44 गाथा	16वी	
,,	प्रा स	6	26 × 12 × 14 × 43	,,	1690	
,,	प्रा	11*	30 × 12 × 11 × 44	,,	1693	महावीर चरित्र
,,	प्रा स	7	26 × 11 × 18 × 70	,,	1723	
,,	प्रा	3	24 × 10 × 10 × 44	,,	19वी	
,,	प्रा म	16,20 11,16	25से27 × 11से12	,,	1822/1903	
,,	प्रा मा	5	27 × 12 × 5 × 45	,,	20वी	
भक्ति स्वाध्याय	मा	75	26 × 12 × 13 × 40	स (स्तवन सज्झाय, पूजादि)	1809	
भक्ति स्तोत्र	म	6	23 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण 9 श्लोक	19वी	
स्तोत्र व्याख्या	,,	3	24 × 12 × 11 × 22	सपूर्ण	19वी	व्याकरण परक
भक्ति स्तोत्र	,,	3	25 × 11	,,	19वी	
भक्ति गीत	मा	5	27 × 12 × 16 × 43	अपूर्ण 27 से 136 अत	1829	पहिला पन्ना कम है
भक्ति प्रकरण	म	8	30 × 11 × 13 × 51	सपूर्ण 8 प्रकाश	1694	
,,	मा	5	26 × 11 × 11 × 36	सपूर्ण	19वी	
पच परमेष्ठी महात्म्य	,,	6	27 × 12 × 10 × 35	,, 8 सज्झाय	19वी	
भक्ति गीत	,,	3	27 × 13 × 8 × 25	,, 13 गाथा	1848	
भक्ति महिमा	अ	2	28 × 13 × 11 × 43	,,	20वी	
मन्त्रार्थ	मा	3	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण	1695	
,,	,,	5	27 × 12 × 16 × 48	,,	19वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 11 × 50	,,	18वी	
,,	,,	6,8,3,4	25से26 × 11से12	,,	1860से20वी	
,, व महात्म्य	,,	2	26 × 12 × 15 × 38	,, 20 गाथा	19वी	
मन्त्रार्थ	,,	2	26 × 11 × 16 × 50	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
261-2	त-261,303	नवकारार्थ व कल्पसूत्रोपमा	Navakārārtha & Kalpa-sūtropamā	—	गद्य
263	डू-763	नवपद कलश पूजा	Navapada Kalaśa Pūjā	उ यशोविजय	पद्य
264	डू-934	नवपद पूजा	Navapada Pūjā	देवचन्द	,,
265	त-279	,,	,,	,,	,,
266	डू-771	,,	,,	ज्ञानसार	,,
267-8	त-995,996	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	उत्तम विजय	,,
269	डू-727	नवपद (वासक्षेप) पूजा	Navapada (Vāsksepa) Pūjā	उ यशोविजय	,,
270	त-667	नवपद प्रकरण (वृत्तिसह)	Navapada Prakarana (with Vṛtti)	देवगुप्त/यशोदेवो धनदेवाद्य	मू वृ (प ग)
271	था-91	नवपद प्रकरण —	,, —	देवगुप्त	मू प
272	था-90	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	यशोदेवोधन देवाद्य नायक	गद्य
273	डू-593	नवपद सज्झायादि	Navapada Sajjhāyādi	—	पद्य
274	डू-383	नवपद स्तुति चैत्यवंदनादि	Navapada Stuti Caityava-ndanadi	—	,,
275	त-183	नवाणु प्रकारी पूजा	Navanu Prakārı Pūjā	शुभ विजय	,,
276	डू-367	नंदीश्वर अष्टप्रकारी पूजादि	Nandiśvara Astaprakārī Pūjā	—	प ग
277	था-388	नंदीश्वर द्वीप स्तवन	Nandiśvara Dvipa Stavan	मुनि मेरू	पद्य
278	त-924	,,	,, ,,	—	,,
279	गो-450	नेमीनाथ स्तवन	Neminātha Stavana	वीरसिंह (हरराजऋषि शिष्य	,,
280	त-836	,,	,,	पुण्यरत्न	,,
281	त-479	पन्द्रह तिथि स्वाध्याय	Pandraha Tithi Svādhyāya	लब्धिविजय	,,
282	था-28B	,, स्तुति	,, Stuti	ज्ञान विमल	,,
283	र उ गु 1	परमानंद स्तोत्र	Parmānanda Stotra	—	,,
284	त-488	परमेष्ठी रक्षा वज्र पंजर स्तोत्र	Parmesthi Raksāvajra Panjara Stotra	—	,,
285	था-439	पंच कल्याणक स्तवन	Pancakalyānaka Stavana	पुण्य सागर	,,
286	था-432	पंच तीर्थी स्तवन	Pancatirthī Stavana	विमल ज्ञान	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्रार्थ व महिमा स्तुति	मा	5,2	24 × 12व26 × 11	सपूर्ण	19वी	
भक्ति गीत	,,	4	26 × 12 × 20 × 36	सपूर्ण 9 पूजायें	19वी	
,,	,,	6	26 × 12 × 13 × 34	,,	1850	
,,	,,	5	27 × 13 × 20 × 50	,,	19वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 11 × 35	,,	1871	
,,	,	3,3	26 × 12 × 14 × 54	,,	1869/1876	
,,	,,	1	22 × 11 × 12 × 32	अतिम पूजा मात्र 12 गाथा	20वी	
भक्ति प्रकरण	प्रा स	115	30 × 12 × 20 × 65	सपूर्ण ग्र 9500	1530	देवगुप्त अपरनाम जिनचद (ककसूरि शिष्य) उकेश गच्छ
,,	प्रा	20*	32 × 13 × 13 × 45	,, 138 गाथा	17वी	
,,	स	238	32 × 12 × 13 × 45	,, ग्र 9500	16वी	1680 मे सशोधित
भक्ति स्वाध्याय पठ	मा	3	26 × 12 × 13 × 45	प्रति पूर्ण	20वी	
,,	स	2	26 × 12 × 12 × 37	,, 34 श्लोक	20वी	
देव भक्ति गीत	मा	6	23 × 11 × 13 × 35	स 105 गा /ग्र 150	1894	
भक्ति चैत्य वदन स्तुति आदि	स मा	2	25 × 12 × 11 × 46	सपूर्ण	19वी	
शास्वत चैत्य भक्ति	मा	3	26 × 12 × 10 × 37	,, 25 गाथा	19वी	
,,	प्रा	3	27 × 11 × 9 × 30	,, 25 ,,	17वी	
तीर्थकर भक्ति गीत	मा	4	25 × 11 × 16 × 36	,, 92 छद	19वी	
,,	,,	2	27 × 13 × 25 × 58	,, 68 ,,	19वी	
तिथि महात्म्य स्तुति	,,	14*	25 × 13 × 17 × 46	,, 15 सज्झायें	1858	
,	,,	6	26 × 12 × 13 × 33	,, 16 स्तुतियें	20वी	
आध्यात्मिक	स	2	15 × 12 × 17 × 14	,, 25 श्लोक	18वी	
भक्ति स्तोत	,,	15*	26 × 12 × 10 × 23	,, 8 ,,	1904	
भक्ति गीत	मा	2	27 × 12 × 17 × 41	, 21 गाथा	19वी	
तीर्थ भक्ति	,,	2	21 × 12 × 13 × 48	,, 29 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
287-8	लो-319,379	पच परमेष्ठी गुण 2 प्रति	Pancaparmesthī Guna 2 Copies	—	गद्य
289	लो-625	,, नमस्कार पदादि	Pancaparmesthı Namaskār Padādı	बनारसीदास	पद्य
290	था-400	पच परमेष्ठी नमस्कार जकडी	Pancaparmesthı Namaskāı Jakadī	नयरग	,,
291	डू-1149	,, नवकार स्तव (अवचूरिसह)	Pancaparmesthı Navākar Stava (with Avācūrı)	कीर्ति सूरि	मू अ (प ग)
292	त-215	,, महा नमस्कार स्तव	Pancaparmesthı Mahānamaskāra Stava	जिन वल्लभ	पद्य
293	डू-323	,, स्तोत्र	Pancaparmesthī Stotra	—	,,
294	डू-1222	,, ,,	,, ,,	—	,,
295	डू गु 26	पचमेरू परमेष्ठी मगलादि पूजा	Pancameru Parmesthī Mangalādı Pūjā	—	,,
296	डू-1353	पच स्तुति	Panca Stutı	—	ग ?
297	डू-177	'प्रणम्य' पद समाधानम्	'Pranamyā' Pada Samādhānam	—	गद्य
298	डू 761	प्रतिमा स्तवन	Pratımā Stavana	मान मुनि	पद्य
299	त-240	प्रत्येक बुद्ध गीत	Pratyeka Budha Gītā	समयसुन्दर	,,
300	लो-543	बारहखडी स्तवन	Bārahakhadī Stavana	—	,,
301	डू-762	बीस विहरमान विचार गर्भित वृहत स्तोत्र	Bısa Vıharamāna Vıcāra Garbhıta Vṛhat Stotra	—	,,
302	लो-331	,, स्तवन	Bīsa Vıharamāna Stavana	जिन सागर सूरि	,,
303	था-110	,, ,,	,, ,,	उ यशोविजय	,,
304	त-740	,, ,,	,, ,,	,,	,,
305	डू-154	,, बीसी	, Bısī	,,	,,
306-7	था-365,380	,, स्तवन 2 प्रति	,, Stavana 2 Copies	जिनराज सूरि	,,
308	लो-454	,, ,, —	Bısa Vıharamān Stavana	,,	,,
309	ला-516	,, बीसी	,, Bısī	,,	,,
310	डू-154	,, ,,	,, ,,	देवचद	,,
311	त-818	,, ,,	,, ,,	सोहग मुनि	,,
312	डू-331	बीस स्थानक पूजा	Bīsa Sthānaka Pūjā	जिन हर्ष	,,
313	[illegible]-117	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्र गुणानुवाद	मा	5,5	25 × 19व26 × 12	सपूर्ण	19वी	
भक्ति गीत	,,	3	23 × 12 × 12 × 32	अपूर्ण स्फुट पद्य	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	,,	1	26 × 11 × 13 × 43	सपूर्ण	1701	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स	12*	27 × 12 × 12 × 36	,, 33 गाथा की	19वी	
,,	अ	4*	27 × 11 × 38 × 11	,, 13 गाथा	19वी	
,,	स	8	26 × 12 × 11 × 32	,, 7 श्लोक	19वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 12 × 32	, 7 ,,	19वी	
भक्ति गीत	मा	गुटका	24 × 16 × 20 × 16	सपूर्ण	1840	दिगबर आम्नाय
भक्ति श्रुतदेवी स्तुति	स	4	26 × 13 × 14 × 38	अपूर्ण गुटक	19वी	पाँच बोल व स्तुति
नमस्कार विश्लेषण	,,	2	26 × 11 × 15 × 40	सपूर्ण	19वी	
पूजा का भक्तिमय गीत	मा	3*	26 × 11 × 12 × 44	,, 21 गाथा	19वी	
अष्ट भक्ति	,,	4*	27 × 12 × 15 × 45	,, 4 ढालें	1790	
भक्ति औपदेशिक	,,	3	21 × 13 × 12 × 38	,, 34 गाथा	20वी	
तीर्थकर भक्ति	,,	5*	26 × 12 × 11 × 40	,, 26 गाथा	20वी	
,,	,,	9	27 × 11 × 7 × 47	,, 20 स्तवन	1769	
,,	,,	6	26 × 12 × 13 × 46	,,	1793	
,,	,,	9	23 × 11 × 11 × 29	,,	1850	
,,	,,	45*	25 × 11 × 12 × 35	,,	1877	
,,	,,	10,7	27 × 10व27 × 12	,,	19वीं	
,,	,,	9*	25 × 11 × 16 × 37	,,	19वी	
,,	,,	13*	27 × 13	,,	19वी	
,,	,,	45*	25 × 11 × 12 × 35	,,	1877	
,,	,,	2	27 × 12 × 13 × 38	सपूर्ण 31 गाथा	19वी	
,,	,,	14	27 × 11 × 11 × 39	,, 20 पदो की पूजायें	19वी	
भक्ति गीत	,,	15	25 × 12 × 14 × 50	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
314-15	त-343,670	बीस स्थानक पूजा 2 प्रति	Bisa Sthānaka Pūja 2 Copies	विजय सौ लक्ष्मी सूरि	पद्य
316	त-434	ब्राह्मणवाड महावीर स्तवन	Brahamanavāda Mahavīra Stavana	कलश सूरि	,,
317	था-464	,,	Brahamanavāda Mahavīra Stavana	कमल सोम	,,
318	लो-529	पापालोचन, पुण्य प्रकाश स्तवन	Pāpālocana Punyaprakāsa Stavana	समयसु दर/वाचक विनय	,,
319	डू-188	पार्श्व छन्द	Pārśva Chanda	कविराज	,,
320	त-972	,	,	लब्धि वल्लभ	,,
321	डू-152	पार्श्वनाथ अष्टक (वृत्तिसह)	Parśvanātha Astaka (with Vṛtti)	पद्मनंदि/-	मूल (प ग)
322	त-875	,, घूघर निशानी	,, Ghūghara Niśanī	जिनहर्ष	पद्य
323 4	लो-192 607	,, घूघर निशानी 2 प्रति	Pārśvanātha Ghūghara Niśānī 2 copies	,	,,
325	डू-1047A	,, नवग्रह स्तुति	,, Navagraha Stuti	—	,,
326	था-431	,, रास	,, Rāsa	नेम कुशल	,,
327	त-838	,, विनति	,, Vinati	—	,,
328	डू-397	,, वृहत् सहस्रनाम स्तव	, Vṛhat Sahasranāma Stava	अज्ञात	,,
329	त-820	,, स्तवन	,, Stavana	भुवनकीर्ति	,,
330	था-448	,, ,,	,, ,,	जयसागर	,,
331	डू-574	,, ,,	,, ,,	—	,,
332	त-1126	,, ,,	,, ,,	जिनराज समुद्र	,,
333	व उ गु 22	,, ,,	,, ,,	कमल मंदिर	,,
334	व उ गु 22	,, ,,	,, ,,	महिम समुद्र	,,
335	था-469	,, ,,	,, ,,	कुशल लाभ	,,
336	व उ गु 22	(ठाम ठाम) पार्श्व स्तवन	(Thāma Thāma) Pārśva Stavana	जिनचंद सूरि	,,
337	व उ गु 22	(बाहडमेरू) ,,	(Bāhadamerū) Pārśva Stavana	जिन समुद्र	,,
338	व उ गु 22	(भीनमाल) ,,	(Bhīnmāla) Pārsva Stavana	जिनचद्र सूरि	,,
339	व उ गु 22	(सिरिसा मडन) ,,	(Serisāmandana) Pārśva Stavana	महिमा समुद्र	,,
340	व उ गु 36	पार्श्व स्तोत्र	Pārsva Stotra	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीत	मा	20,14	25 × 12व28 × 14	सपूर्ण 20 पदो की पूजाये	1906/20वी	
तीर्थ भक्ति	,,	3	26 × 11 × 11 × 42	,, 21 गाथा	18वी	
,,	,,	2	28 × 12 × 14 × 53	,, 33 ,,	19वी	
प्रायश्चित भक्ति	,,	8	25 × 13 × 11 × 40	सपूर्ण	1958	
भक्ति स्तवन	,,	8*	21 × 11 × 10 × 32	,, 39 छद	19वी	
,,	,	3	27 × 12 × 12 × 45	,, 47 ,,	19वी	
,,	स	5	26 × 12 × 12 × 40	,, 9 श्लोक	19वी	
भक्ति वृत स्तवन	मा	2	27 × 12 × 13 × 40	,, लगभग 50 छद	19वी	
,,	,	5*,7	28 × 13व19 × 12	,, सपूर्ण 27 गाथा	1942/20वी	
जिन भक्ति ग्रह स्तुति	म	11	25 × 11 × 13 × 40	,, 10 श्लोक	19वी	साथ मे 2 स्मरण भी है
भक्ति स्तवन	मा	2	26 × 12 × 14 × 32	,, 24 गाथा	19वी	
काल आधार से स्तवन	अ	2	27 × 12 × 12 × 31	,, 25 ,,	19वी	
नाम स्मरण भक्ति	स	6	25 × 13 × 12 × 20	,, 154 श्लोक	20वी	
भक्ति गीत	मा	2*	26 × 12 × 13 × 38	,, 13 गाथा	1691	
,,	प्रा स	1	27 × 12 × 14 × 67	, 15 गा +5 श्लो	19वी	साथ मे सस्कृत स्तवन है
,,	प्रा	1	26 × 12 × 6 × 38	,, 5 गाथा	19वी	
कम सिद्धान्त गुण स्थान परक	,,	16	27 × 12 × 10 × 41	अपूर्ण	1701	
जिन भक्ति	मा	7	10 × 10 × 13 × 13	सपूर्ण 7 ढालें 49 गा	19वी	
जिन भक्ति सामायिक गर्भित	,,	9	10 × 10 × 11 × 13	,, 4 ,, 59 ,,	19वी	
भक्ति गीत	,,	2	26 × 11 × 13 × 52	,, 18 गाथा	20वी	
125 पार्श्व मदिरो की स्तुति	,,	3	15 × 10 × 11 × 24	,, 18 ,,	19वी	
तीर्थ भक्ति/इतिहास	,,	2	15 × 10 × 13 × 27	,, 25 ,,	19वी	
,,	,,	3	15 × 10 × 12 × 16	,, 18 ,,	19वी	
,,	,,	6	15 × 10 × 10 × 15	,, 15 पद्य	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	स	5	10 × 10 × 13 × 15	,, 5+33 श्लोक	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
341-2	डू-232,1222	पार्श्व नाथ स्तोत्र	Pārśvanātha Stotra	सकलन	पद्य
343	त-966	पैंतालोस आगम स्तवन	Paintālisa Āgamā Stavana	हर्ष (विमल मूनि)	,,
344	डू-363	पौषध विचार स्तवन	Pausadha Vicāra Stavana	समय सुन्दर	,,
345	लो-182	भक्तामर (अवचूरि सह)	Bhaktāmara(with Avacūri)	मानतुङ्ग	मू अ (प ग)
346	था-481	भक्तामर —	,, —	,,	मू प
347	लो-652A	,, (अवचूरि सह)	,, (with Avacūri)	,,	मू अ (प ग)
348	ग्रा-167	(वृत्ति सह)	,, (with Vrtti)	,,	मू वृ (प ग)
349	था-187	,, स्तोत्र	,, Stotra	,,	पद्य
350	त-494	,, (बालावबोध सह)	,, (with bālāva-bodha)	,,/मेरु सुदर	मू बा (प ग)
351-5	लो-595 446,220, 202,230	,, 5 प्रति	,, 5 Copies	मानतुङ्ग	मू प
356-9	त-773,846 1060,750	,, 4 ,,	,, 4 ,,	,,	,,
360-3	डू-202 507 1368 1225	,, 4 ,,	,, 4 ,,	,,	,,
364-5	त-496,245	, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	मू ट (प ग)
366-7	डू 20,100	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
368	था-128	भक्तामर स्तोत्र	Bhaktāmara Stotra	,,	,,
369	लो-581	,,	,,	,,	,,
370	डू 840	, (वृत्ति सह)	,, (with Vrtti)	,,/समय सुदर	मू वृ (प ग)
371	डू 138	, (,,)	,, (,,)	,/अमर प्रभ	,,
372	डू-949	,, (,)	,, (,,)	,,/गुणाकर	,,
373	त-722	,, (अवचूरि सह)	,, (with Avacūri)	मानतुङ्ग	मू अ (प ग)
374	त-737	,, (वृत्ति सह)	,, (with Vrtti)	,,/गुणाकर	मू वृ (,)
375	त-1211	,, (,)	,, (,,)	,,/ —	,, (,,)
376	त-716	, (बालावबोध सह)	,, (with bālāva bodha)	,,/मेरु सुन्दर	मू बा (,,)
377-8	त 493,711	,, (,,) 2 प्रति	Bhaktāmara Stotra (with Bālāvabodha 2 Copies	मानतुंग/ —	,, (,,)

6	7	8	8 A	9	10	11
क्ति स्तोत्र	स	8,7	26 × 12 × 11 × 32	स 11,32,9,8 5 श्लो	19वी	कुल पाच स्तोत्र
्त भक्ति	मा	3	25 × 11 × 13 × 30 (12)	सपूर्ण 43 गाथा	19वी	
क्ति क्रिया विधि	,,	8	24 × 11 × 11 × 30	,, 38 छद	19वी	साथ मे 4 सज्भाय ग्रन्थो की
क्ति स्तोत्र	म	3	32 × 13 × 9 × 46	,, 44 श्लोक	1572	
,,	,,	4	27 × 12 × 13 × 37	,,	1629	
,,	,,	4	27 × 11 × 11 × 30	,,	1629	
,,	,,	16	26 × 11 × 11 × 35	,,	1685	
,,	,,	11*	30 × 12 × 11 × 44	,	1693	
,,	,,	11	27 × 12 × 17 × 60	,,	1746	
,,	,,	4,12,9 4,9	24से27 × 12से13	,,	1759 से20वी	अतिम प्रति में कल्याण मन्दिर व वृहत् शाति
,,	,,	2,2,6,7	25से27 × 11से13	,,	1865 से20वी	अतिम मे कल्याण मदिर भी
,,	,,	4,6,4 13*	25से27 × 11से12	,,	19/20वी	
,,	स मा	7,5	25 × 12व27 × 12	,,	1779/19वी	
,,	,	16,11	25 × 11व27 × 12	,,	1826/34	
,,	,	12	27 × 12 × 4 × 16	,,	20वी	
,,	,	9	26 × 11 × 12 × 39	अपूर्ण 43 श्लोक तक	20वी	अतिम पन्ना नहीं है
,,	स	7	27 × 12 × 22 × 44	सपूर्ण 44 श्लोक	1764	
,,	,,	19*	26 × 12 × 13 × 39	,,	1907	
,,	,,	50	26 × 12 × 13 × 37	,, ग्र 1572	19वी	कथा सह
,,	,,	7	27 × 12 × 17 × 58	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	14	25 × 12 × 15 × 51	, ग्र 648	1828	कथा रहित
,,	,,	21	27 × 12 × 20 × 55	अपूर्ण 40 श्लोक, कथा सह	19वी	बीच के पत्रे
,,	स मा	16	27 × 13 × 15 × 45	सपूर्ण कथा सह	1786	
,,	,,	18,13	27 × 12 × 15 × 58	,,	1867/19वी	

1	2	3	3 A	4	5
379	डू-595	भक्तामर (बालावबोध सह)	Bhaktāmara Stotra (with bālāvabodha)	मानतु ग	मू बा. (प ग)
380	डू-733	भक्तामर भांडार कृत काव्य	Bhaktāmara Bhāndār kṛta kāvya	,,	पद्य
381	डू-1133	भक्तामर की वृति	Bhaktāmara kī Vṛtti	अमर प्रभ सूरि	गद्य
382	डू-777	,,	,,	गुणाकर सूरि	,,
383	अा-64	,,	,,	,,	,,
384	धा-221	भक्तामर (बालावबोध सह)	Bhakāmara (with bālāvabodha)	मानतु ग/मेरूसु दर	मू बा (प ग)
385	टू-170A	भक्तामर का बालावबोध	,, kā bālāvabodha	—	गद्य
386	डू-362	,, का भाषा पद्यानुवाद	,, kā Bhāsā Padyānuvāda	हेमराज	पद्य
387	डू-817	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	साधु विजय	गद्य
388	त-492	,, की कथायें	,, kī Kathāyen	—	,,
389	त-861	,, मत्रफल व विधि	,, Mantra Phala & Vidhi	—	,,
390	डू-568	,, समस्या स्तवन	,, Samsyā Stavana	विवेकनिशाकर	,,
391	डू-1	भयहर (नमीउण) स्तोत्र (वृत्तिसह)	Bhayahar (Namīuna) Stotra (with Vṛtti)	मानतु ग	मू वृ (प ग)
392	डू-282	भयहर (नमीउण) स्तोत्र (वृत्तिसह)	Bhayahar (Namiuna) Stotra with Vṛtti)	,,	,,
393	न-447	भावारिवारण स्तोत्र (वृत्तिसह)	Bhāvārivarana Stotra (with Vṛtti)	जिनवल्लभ/मेरूसु दर	,,
394	धा-187	,, —	Bhāvārivarana Stotra	,, —	मू प
395	त-758	महावीर पारणा स्तवन	Mahāvīra Pārnā Stavana	मालमुनि	पद्य
396	धा-340	,, बत्तीसी	,, Battisī	—	,,
397	लो गु-680	,, बोली	,, Bolī	जिनेश्वर सूरि	,,
398-400	लो-166 A,B 236	,, स्तवन 3 प्रति	,, Stavana 3 copies	अभयदेव	मू ट (प ग)
401	न-812	,, —	,, —	,,	,,
402	धा-326	,, स्तवन+पार्श्व स्तोत्र	Mahāvīra Stavan+Pārśva Stotra	धर्मसुन्दर शिष्य	मू प
403-4	लो-521,392	,, 27 भव स्तवन 2 प्रति	Mahāvīra 27 Bhava Stavan 2 Copies	लाभविजय	पद्य
405	त-197	,, स्तवन	Mahāvīra Stavana	विनय विजय	,,
406-7	त-1186,1156	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 Copies	लक्ष्मण	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	स मा.	25	25 × 13 × 13 × 40	सपूर्ण कथा सह	20वी	
,,	स	1	26 × 11 × 13 × 45	सपूर्ण 4 काव्य	19वी	
,,	,,	10	26 × 12 × 15 × 45	,, 44 श्लोक की	1826	
,,	,,	47	27 × 12 × 13 × 38	,,	1872	
,,	,,	25	26 × 11 × 16 × 47	,, ग्र 1572	20वी	
,,	स मा	20	33 × 13 × 13 × 43	स 44 श्लो की कथासह	17वी	
,,	मा	8	26 × 11 × 20 × 57	स 44 श्लो का	1774	
,,	,,	10*	23 × 11 × 9 × 25	स 48 पद	19वी	
,,	,,	38	26 × 11 × 15 × 44	स कथासह	19वी	ग्रत मे स्तुति ग्रादि 42 श्लोक
भक्ति कथा दृष्टात	,,	10	27 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण	19वीं	
भक्ति स्त्रोत मत्र	स मा	2	25 × 12 × 15 × 45	,,	19वी	
भक्ति गीत	स	3	26 × 11 × 12 × 42	,, 45 श्लोक	19वा	
भक्ति स्तोत्र मत्र विधि	प्रा स	8	25 × 11 × 13 × 44	,, मत्र सहित	18वी	पदानिसाधन विद्या यत्र
भक्ति स्तोत्र	,,	12*	26 × 12 × 15 × 43	,, 21 गाथा	18वी	
,,	,,	12	28 × 12 × 16 × 58	,, 30 ,,	16वी	महावीर सम सस्कृत स्तव
,,	स	11*	30 × 12 × 11 × 44	,, 30 ,,	1693	प्रथम पन्ने पर चित्र
भक्ति गाथा	मा	2	26 × 12 × 13 × 34	,, 31 ,,	1932	
,,	ग्र	2	25 × 12 × 11 × 30	,, 32 ,	19वी	
,,	,,	गु	13 × 11 × 11 × 20	, 8 ,,	19वीं	
भक्ति गीत	प्रा मा	1,1,3	26से28 × 13	,, 22 ,,	16/17वी	
,,	,,	2	27 × 14 × 6 × 45	,, 22 ,,	19वी	
,,	प्रा स	2	26 × 11 × 10 × 36	म 17 गा 5 श्लो	19वी	
भक्ति चरित्रमय	मा	5,3	27 × 12व26 × 11	सपूर्ण 5 ढालें	1692/19वी	
भक्ति गीत चरित्रमय	,,	6	25 × 11 × 11 × 38	,, 8 ,,+दोहे	20वा	
,,	,,	6,4	25 × 12व27 × 12	प्रथम स , द्वितीय ग्र	1808/20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
408	लो-594	महावीर स्तवन	Mahāvīra Stavana	विनय विजय	पद्य
409	डू-1186	,, ,,	,, ,,	नेमीचद	,,
410	था-435	,, ,,	,, ,,	समय सुदर	,,
411	था-369	,, स्तोत्र	,, Stotra	जिन वल्लभ	,,
412	डू-1294	महिम्न स्तुति (जैन)	Mahımna Stutı (Jaın)	—	,,
413-4	था-472 438	मुनि मालिका 2 प्रति	Munı Mālıkā 2 Copıes	चरित्रसिंह	,,
415	डू-598	,, —	,, —	,,	,,
416	डू-153	,,	,,	,,	,,
417	त-335	,,	,,	,,	,,
418-20	लो-468,544, 603	,, 3 प्रति	,, 3 Copıes	,,	,,
421	लो-477	रत्न गुरु सज्झाय	Ratna Gurū Sajjhāya	—	,,
422	ला गु -675	राजुल पच्चीसी	Rājula Paccīsī	लालचद	,,
423	त-358	,, विरह	,, Vıraha	—	,,
424	त-243	लघु अजित शांति स्तोत्र	Lughu Ajıta Śāntı Stotrā	जिन वल्लभ	,,
425	डू-464	लावणी सग्रह	Lāvanī Sangraha	सकलन	,,
426	डू-545	लोद्रवा गीत	Lodravā Gīta	—	,
427	त-1174	विद्यासागर स्तोत्र	Vıdyāsāgara Stotra	विद्यासागर	,,
428	त-842	वीतराग स्तुति	Vītarāga Stutı	जयशेखर	,,
429	था-114	,, स्तोत्र	,, Stotra	हेमचद्राचार्य	,
430	डू-990	,, ,, (अवचूरिसह)	,, ,, (with Ava-cūrı	,, /—	मू ग्र (प ग)
431	त-975	वीरना 5 वधावा स्तवन	Vīranā 5 Vadhāvā Stavana	दीप विजय	,,
432	था-125	शत्रुजय चैत्य परिपाटि	Śatrunjaya Caıtya Parıpātı	जयशेखर	पद्य
433	था-456	,, स्तवन	,, Stavana	भावहस	,,
434	त-887	,, सज्झाय	,, Sajjhāya	—	,,
435	लो-372	शखेश्वर पार्श्व छद	Śamkheśvara Pārśva Chanda	नयसुदर	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीत चरित्रमय	मा	8	24 × 11 × 13 × 22	सपूर्ण 96 गाथा	1935	1729 की कृति
तीर्थंकर भक्ति	स	9*	22 × 13 × 12 × 24	,, 12 श्लोक	19वी	
भक्ति गीत	मा	2	26 × 12 × 17 × 42	,, 19 गाथा	1696	
,,	स	2	26 × 11 × 12 × 44	,, 30 श्लोक	19वी	अपर नाम महावीर सम सस्कृत स्तवन
,,	,,	5	27 × 13 × 9 × 38	,, 38 ,,	19वीं	
पूर्वाचार्य भक्ति	मा	2,2	27 × 11व26 × 11	,, 37/34 गाथा	1701/19वीं	
,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 37	,, 46 ,,	1881	
साधु वन्दना गीत	,,	20*	26 × 11	,, 37 ,,	19वीं	
पूर्वाचाय भक्ति	,,	5	28 × 14 × 9 × 36	,, 36 ,,	20वी	
,,	,,	3,5,4	25से26 × 11से12	,, 35 ,,	19/20वी	
गुरु भक्ति सज्झाय	,,	2	27 × 13 × 15 × 40	,, 45 ,,	19वी	
भक्ति विरह गीत	,,	6	16 × 15 × 13 × 22	,, 26 ,,	19वीं	
,,	,,	5*	26 × 13 × 14 × 41	सपूर्ण	19वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा	4	22 × 12 × 14 × 30	,, 17 गाथा	19वी	साथ मे वृहत् शांति है
भक्ति गीत सग्रह	मा	8	19 × 14 × 14 × 23	प्रतिपूर्ण	19वी	
तीर्थ भक्ति	,,	3	26 × 12 × 9 × 31	सपूर्ण	19वी	
भक्ति गीत	,,	3	26 × 12 × 11 × 37	अपूर्ण	19वी	पहिला पन्ना नही है
तीर्थंकर भक्ति	स	2*	27 × 12 × 19 × 52	सपूर्ण 25 श्लोक	18वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	10	25 × 11 × 11 × 38	,, 20 प्रकाश	17वी	
,,	,,	12	27 × 12 × 6 × 42	,,	20वी	
भक्ति गाथा	गु	3	27 × 13 × 18 × 41	सपूर्ण 5 कल्याणक	1860	
तीथकर भक्ति स्तवन	स	4*	26 × 11 × 13 × 46	,, 24 श्लोक	19वी	
तीर्थ भक्ति	मा	1	27 × 12 × 13 × 48	,, 36 छद	20वी	
,,	,,	2	24 × 12 × 13 × 33	,, 15 गा	18वी	
,,	,,	5	25 × 12 × 16 × 40	,, 133 छद	1823	

1	2	3	3 A	4	5
436-7	लो-204,335	(बृहत) शांति 2 प्रति	(Bṛhat) Śānti 2 copies	—	ग प
438-9	व-339,843	,, 2 प्रति	,, 2 ,,	—	,,
440-2	डू-808,1231 A,B	,, 3 प्रति	,, 3 ,,	—	,,
443-4	डू-1113,996	,, (वृत्तिसह) 2 प्रति	,, (with Vṛtti) 2 Copies	—/ हर्ष कीर्ति	,,
445	डू-607	,, (,,)	,, ,,	—/ ,,	मू वृ (ग प)
446	त-170	,, (बालावबोधसह)	,, (with bālāvabodha)	—	ग प
447	डू-138	(लघु) ,, (वृत्ति सह)	(Laghu) Śānti (with Vṛtti)	मानदेव/हर्षकीर्ति	मू वृ (ग प)
448-50	था-333,346, 444	,, ,, — 3 प्रति	,, ,, — 3 Copies	मानदेव	पद्य
451	त-959	,, ,,	,, ,,	,,	,,
452	लो-710	शान्तिनाथ स्तवन	Śāntinātha Stavana	मेघ मुनि	,,
453	त-838	,, (खीमेल) स्तवन	,, (Khīmela)Stavana	ज्ञान कुशल	,,
454	व उ गु 22	शांति जिन स्तोत्र	Śānti Jina Stotra	जिनचंद्र सूरि	,,
455	था-330	शांतिनाथ स्तोत्र	Śāntinātha Stotra	—	,,
456	त-760	शालक बोलि	Śālaka Boli	—	,,
457	डू-944	शाश्वत जिन स्तवन (वृत्ति सह)	Śāsvata Jina Stavana (with Vṛtti)	—	मू वृ (प ग)
458	त-209	षट् आरक स्तवन	Ṣat Āraka Stavanam	हीरसूरि शिष्य 'सकल'	पद्य
459	डू-733	सकल तीर्थ नमस्कार	Sakala Tīrtha Namaskāra	—	,,
460-1	त-858,853	सकलार्हत 2 प्रति	Sakalārhat 2 Copies	हेमचन्द्राचार्य	,,
462	था 337	,, —	,, —	,	,,
463	त-433	सत्तर भेदी पूजा	Sattara Bhedi Pūjā	साधु कीर्ति	,,
464	था-375	,,	,,	,,	,,
465	था-116	सत्तर (सप्तदश) भेद पूजा	Sattara (Saptadaśa) Bheda Pūjā	विजयदान मुनि	,,
466	व उ गु 22	सत्तर भेदी पूजा स्तवन	Sattarabhedi Pūjā Stavana	गुणप्रभ शिष्य	,,
467	त-820	सत्तरि सयजन स्तवन	Sattari Sayanjatam Stavanam	—	,,
468	डू-282	सप्तति अधिकशत जिन स्तोत्र	Saptati Adhikaśata Jina Stotra	—	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	स	4,2	28 × 13व27 × 11	सपूर्ण	19/20वी	दूसरी के अत मे उवसग्गहर स्तोत्र
,,	,,	5,2	28 × 12व25 × 12	,,	19/20वी	
,,	,,	3,3,3	26से27 × 12से13	,,	1930/20वी	
,,	,,	5,8	26 × 11व26 × 12	,,	19/20वी	
तीर्थंकर भक्ति स्तोत्र	,,	18*	26 × 11	,,	1857	
,,	स मा	6	27 × 12 × 23 × 35	,,	1869	
,,	स.	19*	26 × 12 × 13 × 39	,, 19 श्लोक	1907	
भक्ति स्तोत्र	,,	1,1,1	26से27 × 11से12	,, 17 ,,	19/20वी	
,,	,,	4	22 × 13 × 14 × 25	सपूर्ण	19वी	अत मे पाक्षिक क्षमापणा
भक्ति गीत	मा	3	25 × 12 × 11 × 34	,,	19वी	
,,	,	4	23 × 12 × 12 × 32	,, 24 छद	1701	साथ मे पार्श्व (वरकाणा) स्तवन
तीर्थंकर भक्ति	,,	5	10 × 10 × 14 × 14	, 30 गाथा	19वी	
भक्ति स्तोत	प्रा	1	27 × 12 × 11 × 44	,, 9 ,,	19वी	अत मे मा मे नैतिक दोहे
तीर्थ भक्ति श्रावक करणी	मा	2	26 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण	19वी	(जीरावली पार्श्व की)
जिन पूजा भक्ति	स	21*	26 × 12 × 15 × 53	,, 41 श्लोक	1705	साथ मे सामान्य बोल सग्रह
छआरो का धार्मिक स्तर	मा	4	20 × 12 × 13 × 30	, 73 छद	19वी	
तीर्थ भक्ति	स	1	26 × 11 × 13 × 45	सपूर्ण	19वी	
भक्ति स्तोत्र	,	2,2	22 × 11व26 × 13	,, 34/38 श्लो	19वी	दूसरी के साथ 2 स्तवन
,,	,,	1	27 × 12 × 24 × 67	सपूर्ण	19वी	साथ मे 3 स्तवन
भक्ति गीत	मा	15	26 × 12 × 12 × 22	,, 17 पूजायें	1974	
,,	,,	4	27 × 11 × 12 × 46	,,	19वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 43	,,	19वी	
भक्ति/क्रिया सह	,,	7	15 × 10 × 10 × 14	सपूर्ण 30 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति स्तोत्र	प्रा	2*	26 × 12 × 13 × 38	,, 14 ,,	1691	
,,	स	12*	26 × 12 × 15 × 43	,, 14 श्लोक	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
469-70	त-813,483	सप्तभगी गर्भित महावीर स्तवन	Saptabhnagī Garbıhta Mahāvīra Stavana	दान विजय	पद्य
471	डू-1216	सप्त स्मरण व लघु शांति	Sapta Smarana & Laghu Šāntı	भिन्न 2	मू ट (प ग)
472	डू-399	,, (वृत्तिसह)	,, (with Vṛttı)	,,	मू वृ (प ग)
473-6	डू-200 412 580 1235	सप्त स्मरणादि 4 प्रति	Sapta Smaranādı 4 copies	,,	मू प
477-8	लो-575 706	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
479-84	त-798,1164 668,732 1122,280	,, 6 —	,, 6 ,,	,,	,,
485	त-704	,, —	,, —	,,	मू ट (प ग)
486	गो-401	समवसरण स्तवन	Samavasarna Stavana	धर्म वर्द्धन	पद्य
487	न-842	सर्व सिद्धान्त स्तवन	Sarva Sıdhānta Stavana	जिनप्रभ सूरि	,,
488-98	डू-17,22 92 134 332 423 424,523 615 616,1300	सकलित प्रकीर्णक पोथी 11 प्रति	Sankalıta Prakīrnaka Pothı 11 copies	विविध	ग प
499	गा-427	सभवनाथ जनाभिषेक स्तवन	Sambhavanātha Janābhıseka Stavana	जिनचद्र सूरि शिष्य	पद्य
500	त-963	साधारण जिन स्तोत्र(अवचूरिसह)	Sādhārana Jına Stotra (with Avacūrı)	जयचद/वानर ऋषि	मू अ (प ग)
501	न-246	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
502	गा-395	साधु गुण मालिका	Sadhū Guna Mālıkā	वाचक सुखसागर	पद्य
503	धा-226	साधु वदना	,, Vandanā	जिनचद्र	,,
504	डू-683	,,	,, ,,	समयसु दर	,,
505	त-704	,,	,, ,	,,	,,
506	डू-186	,, व दोहे	, , & Dohe	पुण्य सागर	,,
507-8	धा 103,376	,, ,, 2 प्रति	,, ,, ,, 2 copies	,,	,,
509-10	गो-311,582	,, ,, 2 ,,	,, ,, 2 ,,	,,	,,
511	डू-153	साधु वन्दना —	,, ,, —	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय सबधी भक्तिमय	मा.	2,5	26 × 13व26 × 14	सपूर्ण 63 गाथा	1895/20वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स मा	39	27 × 12 × 3 × 33	,, 80 स्तोत्र+ लघुशाति	1688	गोविन्द, धर्म तिलक, जिनप्रभ, जयसागर के आधार पर
,,	प्रा स	42	27 × 13 × 12 × 54	,, 7 स्मरण	20वी	1,3,7 जिनप्रभ, 2 धर्म तिलक, 4 जयसागर
,,	,,	15,8,9, 13	26से27 × 11से13	सपूर्ण प्रतियें (स्मरण कम पूरा)	18/19वी	साथ मे सामान्य स्तवनादि
,,	,,	11,17	23 × 12व25 × 11	,,	19/20वी	
,	,,	18 8,8, 17,4,11	26से34 × 11से15	अतिम दो प्रति अपूर्ण	1677 से20वी	सधिकर+घटाकर्ण स्तोत्र 14+4 श्लो
,,	प्रा मा	28	28 × 12 × 12 × 52	प्रतिपूर्ण (1 व 3 स्मरण	18वी	भक्तामर कल्याण मदिर साथ मे
भक्ति वृतान्त	मा	2	24 × 12 × 15 × 33	सपूर्ण 27 छद	19वी	
तात्त्विक भक्ति	स	2*	27 × 12 × 19 × 52	,, 46 श्लोक	18वी	
सामान्य सुलभ विशेषत भक्ति साहित्य	प्रा स मा	82 63,26 41 66 129 112, 115 66, 158,100	23से27 × 11से17	सपूर्ण अपूर्ण	19/20वी	
भक्ति गीत	मा	3	27 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 25 गाथा	1682	
भक्ति स्तोत्र	स	3	26 × 12 × 20 × 32	,, 9 श्लो ग्र 245	1659	
,,	,	5	26 × 12 × 17 × 40	,, 9 श्लोक की	1860	
साधु भक्ति नमन गीत	मा	2	26 × 12 × 15 × 61	,, 52 गाथा	1719	
,,	,,	6	30 × 11 × 11 × 48	,, 88 ,,	1696	
,,	,,	20	24 × 11 × 14 × 52	,, 18 ढालें	1788	
,,	,,	19	28 × 13 × 15 × 56	,, 18 ,,	20वी	
,,	,,	12*	21 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण	1833	दो पन्ने नैतिक दोहे
,,	,,	7,7	25 × 12व26 × 11	,, 86 छद	19वी	
,,	,,	8,5	27 × 12व23 × 12	,, 89/86 छद	19/20वी	
,,	,,	20*	26 × 11	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
512-13	लो-299,322	साधु वन्दना 2 प्रति	Sadhū Vandanā 2 Copies	म्रा कु वरजी	पद्य
514	लो-574	,, —	,, ,, —	पार्श्वचन्द्र	,,
515	म्रा-131	,,	,, ,,	,,	,,
516	त-1171	,,	,, ,,	नयविजय	,,
517	लो-462	,,	,, ,,	मति म्रानन्द	,,
518	त-1207	,,	,, ,,	म्रज्ञात	,,
519	लो-196	,,	,, ,,	—	,,
520	वा उ गु -22	,,	,, ,,	महिमा समुद्र	,,
521	डू-147	सिद्धचक्र गुणना	Sidha Cakra Gunanā	—	ग प
522	लो-620	,, नवपद गुणना	,, +Navapada Guṇanā	ज्ञान सागर	प
523	डू-607	सिद्धचक्र यत्रोद्धार (वृत्तिसह)	,, Yantrodvāra (with Vṛtti)	—/चन्द्रकीर्ति	मू वृ
524	डू-431	सिद्धाचल नमस्कार	Sidhācala Namaskāra	—	गद्य
525	डू-182	सिद्धाष्टक	Sidhāstaka	—	पद्य
526	डू-1150	सिद्धि दण्डिका स्तवन(म्रवचूरिसह)	Sidhi Dandikā Stavana (with Avacūri)	देवेन्द्र सूरि	मू म्र (प ग)
527-8	डू-89,979	,, का बालावबोध 2 प्रति	Sidhi Dandikā Stavana ka bālāvabodha 2 Copies	—	गद्य
529	म्रा-84	सीमन्धर स्वामी स्तवन	Simandhara Svāmi Stavana	उ यशोविजय	पद्य
530	त-480	,,	,,	,,	,,
531	मा-396	,,	,,	विनय मडल का शिष्य	,,
532	त-967	,,	,,	सकलचद	,,
533	मा-458	,,	,,	नयरग	,,
534	त-827	,,	,,	भवलाभ	,,
535	मा-336	,,	,,	पदमराज	,,
536	डू-83	सुपार्श्वनाथ स्वाध्याय	Supārśvanātha Svādhyāya	—	,,
537-9	मा-401,443,457	स्तवन स्तुति सज्झाय सग्रह 3 प्रति	Stavana Stuti Sajjhāya Sangrah 3 Copies	सकलन	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु भक्ति नमन गीत	मा	9,10	26 × 12व27 × 11	प्रथम पूर्ण, द्वि त्रुटक	1838/20वी	15 ढालें
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 53	सपूर्ण 156 पद	19वी	
,,	,,	8	22 × 13 × 10 × 27	,, 86 पद	19वी	
,,	,,	11	27 × 13 × 13 × 52	,, 25 ढालें	19वी	
,,	,,	9	26 × 12 × 8 × 28	प्र त्रुटक	19वी	
,,	प्र	11	14 × 12 × 11 × 36	सपूर्ण 97 गाथा	19वी	
,,	मा	7	26 × 12 × 10 × 34	अपूर्ण 71 छद	19वी	
,,	,,	17	15 × 10 × 13 × 15	सपूर्ण 344 गाथा	19वी	
भक्ति नाम स्मरण	स	8	25 × 12 × 14 × 32	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	6	24 × 11 × 11 × 35	,,	19वी	
भक्ति स्तोत्र विधि	प्रा स	6*	22 × 12 × 16 × 68	अपूर्ण	1857	पहिला पन्ना कम
तीर्थ भक्ति नाम स्मरण	मा	19	26 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण	1873	
भक्ति स्तोत्र	स	3	25 × 11	,,	19वी	
सिद्धि गमन स्वरूप भक्ति	प्रा स	10*	27 × 11 × 20 × 60	,, 13 गाथा	17वी	देवचन्द्रेण लिपिकृता
,,	मा	5,3	25 × 10व25 × 11	सपूर्ण	19/20वी	
तीथकर भक्ति	,,	16	25 × 12 × 13 × 39	,, 354 गाथा	20वी	
,,	,,	14*	27 × 13 × 12 × 29	,, 10 ढालें	19वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 13 × 40	,, 37 गाथा	19वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 45	,, 34 ,,	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 13 × 36	,, 25 ,,	19वी	
,,	,,	2	25 × 12 × 11 × 30	,, 18 छद	19वी	
,,	,,	1	26 × 12 × 10 × 44	,, 19 गाथा	19वी	
,,	स	6	27 × 12 × 15 × 62	सपूर्ण	1533	
भक्ति गीत	मा	3,2,5	26से27 × 11से12	प्रतियें पूर्ण कुल 4/2/6	19/20वीं	सामान्य सुलभ

1	2	3	3 A	4	5
540-53	इ-121,132, 176,2380, 334,347, 466,467, 527,617, 774,1281 1309,1335	स्तवन स्तुति सज्झाय संग्रह 14 प्रति	Stavana Stuti Sajjhāya Sangrah 14 Copies	सकलन	पद्य
554-71	न-251,253, 356,729, 790 802 804,805, 808,810, 891,968, 969,992, 1014,1173, 1194,1243	,, 18 ,,	Stavana Stuti Sajjhāya Sangrah 18 Copies	,,	,,
572-82	नो-187,405, 409,434, 464 522, 528,546, 610,711, 712	,, 11 ,,	Stavana Stuti Sajjhāya Sangrah 11 Copies	,,	,,
583	त-974	स्तवन	Stavana	लावण्य सूरि	,,
584	धा-65	स्तवनावली	Stavanāvali	ज्ञान विमल	,,
585-6	त-338,1200	स्तुति स्तोत्र संग्रह 2 प्रति	Stuti Stotra Sangraha 2 Copies	सकलन	,,
587-8	धा-342,466	,, 2 ,,	,, ,,	,,	,,
589-600	धा-327,348, 423,424, 429 426, 437,442, 446,459, 460,475,	स्फुट स्तवन सज्झाय लघु ग्रंथ 12 प्रति	Sphuta Stavana Sajjhāya Laghu Grantha 12 Copies	भिन्न 2	,,
601-6	न-196,815, 817 881, 893,886	,, 6 ,,	,, 6 ,,	,,	,,
607-9	इ 389,444 725	,, 3 ,,	,, 3 ,,	,,	,,
610	न-1023	स्तवन स्तुति स्तोत्र स्वाध्याय	Stavana Stuti Stotra Svādhyāyā	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीत	मा.	14,14, 8,9,9, 4,12, 29,17 35,33, 6,8,5	21से27 × 10से13	प्रतिये पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	सामान्य सुलभ
,	,,	5,4,4, 29,4, 16 2 2 2 2, 2 3 3, 3,3,3, 3,8	22से27 × 11से14	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	,,
,	,,	106,4, 9,39, 11,51, 8,7,35 130,10	17से28 × 11से13	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	,,
,,	,,	3	27 × 11 × 10 × 31	अपूर्ण	19/20वी	बीच का 1 पन्ना क म
,,	,,	7	26 × 12 × 13 × 47	प्रतिपूण	19/20वी	
भक्ति पद्य	प्रा स	5,9	28 × 12व27 × 11	पूर्ण, त्रुटक	19/20वी	
,,	,,	2,3	24 × 12व27से12	पूर्ण प्रतियें	19/20वी	
,,	मा	2,2,3, 3,3,2, 2,2,2, 3,2	26से27 × 11 × 12	,	19/20वी	
,,	,,	2,2,2, 2,2,2,	16से26 × 11से12	,,	19/20वी	
,,	,,	1,3,5	22से26 × 12से13	,,	19/20वी	
भक्तिमें स्फुटपत्र 278	प्रा स मा	53*	25 × 11	सकलन	18/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
611	त-175	स्तम्भन पार्श्व व सत्तर भेदी स्तवन	Stambhana Parśva & Sattarbhedī Stavana	कुशललाभ + तेजसार	पद्य
612	टू-386+7 मिलकर	,, स्तवन	Stambhana Pārśva Stavana	कुशललाभ	,,
613	टू-935	,, ,,	,, ,,	,,	,,
614	त-230	स्नातस्य प्रकरण (टीका सह)	Snātasya Prakarana (with Tika)	जयसूरि	मू + वृ (प.ग)
615	त-1027	स्नात्र पूजा	Snātrā Pūjā	रूपविजय	पद्य
616	टू-222	स्नात्र व अष्टप्रकारी पूजा	,, & Astāprakārı Pūjā	देवचंद	,,
617	टू-863	स्याद्वाद स्तवन	Syādvāda Stavana	श्रीसार	,,
618	त-833	स्वाध्याय	Svādhyāya	—	,,
619	ट-528	हुंडी स्तवन	Hundī Stavana	लाभ विजय	,,

1	2	3	3 A	4	5
1	धा-59	आंचलिया मत खण्डन	Āncalıyā Mata Khandan	गुण विनय	गद्य
2	टू-310	उत्सूत्र (तपामत) खण्डन	Utsūtra (Tapāmata) ,,	,,	,,
3	टू-180	,,	,	,,	,,
4	त-1001	उष्ट्रिकमतोत्सूत्र उद्घाटन कुल	Ustrikamatosūtra Udghātan Kulam	धर्म सागर	,
5	त-266	उष्ट्रिकमत खरतरमत	Ustrikamata Khartaramata	—	,,
6-7	धा-6 58	एक पचाशद विचारसार चतुष्पदिका वृत्ति 2 प्रति	Ekapancāsad Vicārsāra Ca uspadika Vrtti 2 copeis	गुण विनय	,,
8-9	टू-106,143	कुमत उत्थापन चर्चा 2 प्रति	Kumata Usthapana carcā 2 copeis	—	,,
10	त-989	कुमति खण्डन स्तवन	Kumatı Khandana Stavnna	ऋषभ	पद्य
11	टू-512	खरतराणां तपानां व्युत्पत्ति	Khartarānām Tapānām Vyutpatı	—	गद्य
12	धा-20	गणधर सार्द्ध शतक	Ganadharı Sārdhı Śataka	जिनदत्त सूरि	मू ट (प ग)
13-14	त 173 179	,, 2 प्रति	2 copeis	,,	,,
15	धा-125	,, —	,, —	,,	,,
16	धा-419	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति पद्य	मा	6	27 × 12 × 12 × 40	पूर्ण कुल 18 + 29 गा	1886	
"	"	2 + 1 = 3	25 × 12 × 14 × 42	संपूर्ण	19वीं	
"	"	3	27 × 12 × 14 × 37	" 19 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति क्रिया	"	4	26 × 12 × 15 × 44	संपूर्ण	1882	
देवपूजा भक्ति प्रक्रिया	"	4	27 × 12 × 15 × 45	,	1876	
"	"	15	26 × 11 × 11 × 32	"	19वी	
न्याय व भक्ति	"	2	26 × 11 × 13 × 34	" 21 छंद	19वी	
नेमादि का गुणगान	अ	2	26 × 11 × 12 × 40	अपूर्ण 29 गा तक ही	19वी	
भक्ति गीत	मा	8	25 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वी	

जैन भक्ति व क्रिया–साम्प्रदायिक खण्डन मण्डन —

6	7	8	8 A	9	10	11
गच्छगच्छांतर विवाद	स	39*	27 × 12 × 11 × 44	संपूर्ण ग्र 945	19वी	
"	"	42	24 × 11 × 15 × 39	संपूर्ण	1839	
"	"	43	26 × 12 × 15 × 40	"	20वी	
"	प्रा	3	11 × 7 × 7 × 27	" 18 गाथा	17वी	
"	स	5	17 × 12 × 8 × 27	संपूर्ण	19वीं	
तप खरतर 51 मत भेदों पर विचार	"	54,83	33 × 13व27 × 12	"	19वीं	अपर नाम तपोट चतुष्पदिका
मूर्तिपूजादि विवाद	मा	6,7	25 × 11व25 × 12	"	19वी	
साम्प्रदायिक चर्चा	"	3	27 × 12 × 12 × 37	" 51 गाथा	1670	
"	स	1	25 × 11 × 11 × 50	संपूर्ण	1846	
विवादास्पद प्रश्नों का निराकरण	प्रा मा	18	27 × 12 × 5 × 40	" 150 गाथा	17वी	
"	प्रा	6,6	27 × 12 × 13 × 55	"	17वीं	
"	"	8	27 × 12 × 12 × 44	"	18वीं	
"	"	4	24 × 11 × 21 × 44	"	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
17	था-306	गणधर सत्तरी	Ganadhara Sattarī	(गणधर सार्द्ध शतके) जिनदत्त सूरी	मू ट (प ग)
18	ह-980	चार्चिक ग्रन्थ	Cārcıka Grantha	—	गद्य
19	ह-1289	जिन प्रतिमा दृढकरण हुंडी रास	Jınā Pratımā Dṛadhaka-rana Hundı Rāsa	जिन हर्ष	पद्य
20	ह-1284	,, पूजा विचार	Jınā Pratıma Pūjā Vıcāra	—	गद्य
21	ह-765	ढुंढक चर्चा	Dhundhaka Carcā	—	,,
22	त-259	ढुंढक रास व स्तवन	,, Rāsa & Stavana	—	ग प
23	ह-336	ढुंढ पवाडो	Dhūndha Pavado	—	प
24	त-225	तत्व तरङ्गिणि	Tatva Taraṅgını	तेज सागर गणि	,,
25	था-56	तपामत खण्डन	Tapāmata Khandana	—	ग
26	था-296	तपोटमतकुट्टनशतम्	Tapotamata Kuḍṛnaśatama	जिनप्रभ सूरि	प
27	ह-991	,,	,,	,,	,,
28	ह-1279	तात्विक चर्चा	Tātvıka Carcā	—	ग
29	ह-359	तिथि मन्तव्य	Tıthı Mantavya	—	,,
30	ह-37	द्विज वचन चपेटा	Dvıja Vacana Capetā	बौद्ध अश्वघोष	,,
31	त-353	परसमय सूक्तानि	Parasamaya Sūktānı	अन्यमत शास्त्र उद्धृत	प
32	था-57	पार्श्वचन्द्र मत खण्डन	Pārśvacandra Mata Khandana	गुणविनय	ग
33	त-1189	प्रतिमा पूजा वृहत् रास	Pratımā Pūjā Bṛhat Rāsa	गुणनय समुद्र	प
34	त-874	,, स्तवन	,, Stavana	—	,,
35	त-807	प्रतिमा वदन पूजन स्तवन	Pratımā Vandına Pūjana Stavana	चमल	पद्य
36	त-695	प्रतिलेखना पूजादि गाथायें	Pratılekhanā Pūjādı Gāthāyen	—	ग प
37	था-184	प्रवचन परीक्षा (स्वोपज्ञ वृत्तिसह)	Pravacana Parīksā (with Vṛttı by Svopajnā)	धर्मसागर	मू वृ
38	ह 958	प्रश्नोत्तर अभिधान शास्त्रम्	Praśnottara Abhıdhān Śāstram	कीर्तिगणि	गद्य
39	ह-58	,, समुच्चय ग्रन्थ	Praśnottara Samuccaya Grantha	कीर्तिविजय	,,
40	था-244	,, सार्द्ध शतक	Praśnottara Sārdha Śataka	क्षमा कल्याण	,,
41-2	ह-60,691	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 Copeıs	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विवादास्पद प्रश्नो का निराकरण	प्रा	1	230 × 27 (रॉल)	सपूर्ण 77 गाथा	17वी	
साम्प्रदायिक चर्चा	मा	14	26 × 11 × 13 × 48	सपूर्ण	19वी	
मूर्ति पूजा चर्चा	,,	2	26 × 13 × 17 × 50	,, 66 गाथा	19वी	
,,	,,	3 + 3=6	27x12से13x14x52 18	सपूर्ण	19वी	2 लेख हैं
साम्प्रदायिक चर्चा	,,	13	27 × 13 × 14 × 39	,,	1914	
,,	,,	5	26 × 12 × 22 × 60	,,	20वी	
,,	,,	4	21 × 11 × 16 × 49	,,	1874	
पक्खी तिथि चर्चा	प्रा	4	27 × 11 × 10 × 34	,, 62 गाथा	18वी	(महा. धर्मसागर शिष्य)
धर्मसागर सूत्रोद्घट्टन कुलक खडन	स	51	27 × 12 × 11 × 45	,, ग्र 1250	17वी	
गच्छ मतभेद चर्चा	,,	4	32 × 14 × 12 × 38	,, 102 श्लोक	19वी	
,,	,,	4	24 × 12 × 14 × 50	,, 101 ,,	19वी	
विश्व रचनानयादि	मा	11	22 × 12 × 21 × 40	अपूर्ण	1885	
तिथि क्षय वृद्धि विचार	,,	2	25 × 11 × 12 × 33	सपूर्ण	20वी	
अश्वघोष के उत्तर	स	17	28 × 12 × 19 × 46	,, ग्र 355	1620	
स्वसमय की पुष्टि	,,	6	26 × 13 × 14 × 39	,, 163 श्लोक	19वी	
गच्छ गच्छांतर विवाद	,,	53	27 × 12 × 11 × 43	सपूर्ण	19वी	
मूर्ति पूजा स्थापन	मा	6	27 × 12 × 13 × 45	,, 125 गाथा	1632	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 45	,, 36 ,,	20वीं	
,,	,,	2	27 × 13 × 11 × 44	,, 39 ,,	1777	
आगम समीक्षा	प्रा स	75	27 × 12 × 10 × 55	सपूर्ण	18वी	
सांप्रदायिक निराकरण	,,	30	26 × 11 × 12 × 52	,, 2 विश्राम	19वी	(हरिविजय शिष्य)
दिगवरमल निरूपण	स	37	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण, त्रुटक	19वीं	1676 की कृति
कठिन प्रश्न समाधान ,,	,,	38	25 × 11 × 15 × 57	सपूर्ण 4 प्रकाश	18वी	
,,	,,	49	25 × 12 × 15 × 25	,, 151 प्रश्न	1852	
,,	,,	76,64	25 × 11व26 × 11	,,	1855/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
43-4	ट-776A, 1220	प्रश्नोत्तर सार्द्ध शतक का बीजक 2 प्रति	Praśnottara Sardha Śataka kā Bijaka 2 Copies	क्षमा कल्याण	गद्य
45-7	ट-199,201 776 B	प्रश्नोत्तरी 3 प्रति	Praśnottarī 3 Copies	सकलन	,,
48	त-1270	,, —	,,	,,	,,
49	त-485	प्रश्नोत्तरागिण	Praśnottarini	उत्तरकार रविविजय	,,
50-1	ट-805,1197	मुनिमा मान्या मान्यार्थ विचार 2 प्रति	Munimām Mānyāmānyārtha Vicāra 2 Copies	—	,,
52	सो-208	मूर्ति पूजा सज्झाय	Mūrtti Pūjā Sajjhāya	—	,,
53	धा-134	वादस्थल	Vādasthala	प्रद्युम्न सूरि	,,
54	धा-135	,,	,,	जिनपति	,,
55	धा-294	,,	,,	—	,,
56	त-438	विचार (वाद) सग्रह	Bicāra (Vāda) Sangraha	सकलन	,,
57	ट-974	,,	,,	,,	,,
58	धा-370	सघपट्टक	Sanghapaṭṭaka	जिन वल्लभ	मू ट (प ग)
59	ट-993	,,	,,	,,	पद्य
60	सो-183	,,	,,	,,	,,
61	धा-83 A	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	—	गद्य
62	ट-1151	,, (अवचूरिसह)	,, (with Avacūr)	जिनवल्लभ/लक्ष्मीसेन	मू अ (प ग)
63	ट-674	सन्देह दोलावली	Sandeha Dolāvali	जिनदत्त सूरि	मू ट (,,)
64	ट-705	,, (लघु टीका सह)	,, (with Laghu Tikā)	जिनदत्त/जयसार	मू वृ (,,)
65	धा-144	,, —	,, —	जिनदत्त	मू ट (,,)
66	धा-352	,,	,,	,,	मू प
67	धा-69	,,	,,	,,	,,
68-9	ट-752,1092	सामायिक ग्रहण विचार 2 प्रति	Sāmāyika Grahanā Vicāra 2 Copies	—	गद्य
70	धा-99	सीमधर स्वामी विनति	Simandhara Svāmī Vinati	उ यशोविजय	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
कठिन प्रश्न समाधान	मा	32,27	26 × 13व27 × 13	सपूर्ण 150/51 प्रश्नोत्तर	19/20वी	मुख्य ग्रन्थ का विषय सार
विवादास्पद प्रश्न समाधान	,,	3,8,6	25से26 × 12	अतिम प्रति अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण	1820	
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 49	,,	1907	प्रश्नकार भिन्न भिन्न श्रावक
गच्छ गच्छातर चर्चा	,,	13,8	26 × 11व27 × 13	,,	19/20वी	
प्रतिमा पूजा निषेध स्वाध्याय	,,	9	27 × 13 × 13 × 24	,, 34 गाथा	19वी	
शास्त्रार्थ	म.	16	33 × 14 × 13 × 52	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	39	34 × 14 × 13 × 52	,,	19वी	
,,	,	13	26 × 14 × 16 × 50	,,	19वी	
सांप्रदायिक चर्चा निर्णय	,,	16	27 × 12 × 19 × 70	,,	17वी	
,,	मा	45	26 × 12 × 15 × 50	,,	19वीं	
यति साधु जीवन चर्चा	स मा	11	27 × 12 × 22 × 68	,, 40 श्लोक	1701	
,,	स	4	26 × 11 × 13 × 44	,, ,,	1883	
,	,,	3	32 × 14 × 13 × 52	,, ,,	20वीं	
,,	,,	19	34 × 13 × 13 × 54	अपूर्ण	18वीं	
,,	प्रा स	8	27 × 12 × 16 × 45	सपूर्ण 40 गाथा	1674	गुणसागर ने अहमदाबाद मे
सशय निवारण	प्रा मा	14	26 × 12 × 13 × 35	,, 150 ,,	15वीं	
,,	प्रा स	50	27 × 11 × 12 × 45	,, ग्र 1550	1495	
,,	प्रा मा.	13	26 × 10 × 12 × 47	,, 150 गाथा	18वी	
,,	प्रा.	4	27 × 11 × 15 × 70	,, 155 ,,	19वीं	
,,	,,	16*	27 × 11 × 10 × 43	,, 150 ,, ग्र. 205	19वी	
गच्छ विधि चर्चा	मा	4,3	23 × 12व23 × 11	सपूर्ण	19/20वी	
खडन मडन शैली भक्ति	,,	6	25 × 12 × 13 × 41	,, 125 गाथा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	त 318	अगडदत्त मुनि कथा	Agaḍa Datta Muni Kathā	—	गद्य
2	त-1140	अजापुत्र रास	Ajāputra Rā a	धमदेव	पद्य
3	मो-498	अतिमुक्त कुमार रास	Atimukta Kumāra Rāsa	मुनि नारायण	,,
4	धा-447	,, ऋषि गीत	,, Rsi Gita	नयरग	,,
5	अ 371	अनाथी संधि	Anāthi Sandhi	विमल विनय (नयरग शिष्य)	,,
6	त-352	,,	,,	,,	,,
7-8	मा-518,639	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	,,
9	मा-41	अभयकुमार चौपई	Abhaya Kumāra Caupai	पद्मराज	,,
10	दू-313	अमरसेन वयरसेन कथा	Amarsena Vayarsena Kathā	—	गद्य
11	दू 654	,,		—	,
12	त 410	अमरसेन जयसेन रास	Amarsena J isena Rāsa	सुमति हंस	पद्य
13	त 1213	अरणिक मुनि चौपई	Aranaka Muni Caupai	विजय शेखर	,,
14	मो-460	अर्जुनमाली अधिकारी	Arjunamāli Adhikāra	—	,,
15	मो 219	,, सुदर्शन चौढालिया	Sudarśana Caudhāliyā	—	,,
16	धा-28A	अवंती सुकुमाल भास	Avanti Sukumāla Bhāsa	मोहन विजय	,
17	मा-455	,, सज्झाय	,, Sujjhāya	जिन हर्ष	,,
18	दू-146A	,, 13 ढालिया	, 13 Dhāliyā	[illegible] हर्ष	,,
19	ध -359	अरहन्नक चौढालिया	Arhannaka Caudhāliyā	विमल विनय	,
20	दू-1297	,, साधु संबंध	, Sādhu Sambandha	मान मुनि	,,
21	मो 237	अरहद्दास सेठ चौपई	Arhat Dāsa Setha Caupai	[illegible]चंद (नारायण शिष्य)	,,
22	दू-287	अष्ट प्रकारी पूजा कथानक	Asta Prakāri Pūjā Kathānaka	अज्ञात	,,
23	दू-853	,	,	—	,,
24	[illegible]-302	अंजना सुंदरी कथानक	Anjanā Sundari Kathānaka	—	गद्य
25	दू-1052	, हनुमत् चरित्र	, Hanuman Caritra	भुवन कीर्ति	पद्य
26	दू-340	,, चौपई	, Caupai	गुणरग	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन प्रसग	मा	5	26 × 11 × 15 × 52	सपूर्ण	19वी	रात्रि भोज पर
औपदेशिक जीवन चरित्र	,,	10	26 × 11 × 13 × 47	अपूर्ण गा 131 से 382 तक	19वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 16 × 30	सपूर्ण 135 गाथा	1737	
जीवन प्रसग	,,	2	27 × 12 × 10 × 43	,, 21 ,,	20वी	
अनाथी मुनि प्रसग	,,	4	26 × 12 × 13 × 41	,, 71 ,,	1705	1647 की कृति
,,	,,	6	25 × 12 × 10 × 30	,, 71 ,,	19वी	
,,	,,	2,5	27 × 13व26 × 12	,, 72 ,,	19/20वी	
जीवन चरित्र	,,	29	27 × 12 × 15 × 40	,, 7 अधि 507 गा 1005	20वी	
औपदेशिक जीवन प्रसग दान पूजा पर	स	3	26 × 12 × 10 × 30	सपूर्ण	1630	
औपदेशिक जीवन प्रसग	,,	5	26 × 12 × 15 × 48	,,	20वी	
रात्रि भोजन विषय	मा	12	26 × 12 × 18 × 42	, 404 पद	1761	
औपदेशिक जीवन प्रसग	,,	40*	27 × 12 × 13 × 45	सपूर्ण	1686	
जीवन चरित्र	,,	9*	25 × 12 × 13 × 36	,, 4 ढाल	19वी	
,,	,,	19*	28 × 12 × 11 × 30	,, 7 ,	19वी	
,,	,,	7	27 × 12 × 11 × 34	,, 104 गाथा	1776	
,,	,,	6	25 × 12 × 15 × 36	, 103 ,,	19वी	अत मे आत्म निंदा सज्झाय
औपदेशिक जीवन प्रसग	,,	23*	26 × 11	,, 13 ढालें	19वी	
जीवन प्रसग	,,	3	27 × 12 × 14 × 48	,, 73 गा	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 14 × 47	,, 147 ,,	19वी	
जीवन चरित्र	,,	81	28 × 13 × 15 × 46	अपूर्ण	19वी	
औपदेशिक कथायें	प्रा	31	27 × 11 × 13 × 47	सपूर्ण 871 गाथा	14वी	
,	,,	38	25 × 11 × 16 × 35	,,	1632	
जीवन चरित्र	स	5	25 × 11 × 16 × 55	सपूर्ण	1674	
	मा	28	26 × 11 × 14 × 45	,, 3 अधिकार	1766	
	,,	13	27 × 12 × 14 × 45	,, 22 ढालें	1794	

1	2	3	3 A	4	5
27	त-718	अजना सु दरी चोपई	Anjanā Sundarī Caupaī	पुण्य सागर	पद्य
28-9	नो-374,309	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 Copies	,,	,,
30	डू-72	अबड कथा (गोरख योगिनिदत्त)	Ambaḍa Kathā (Gorakha Yogini Datta)	मुनि रत्न	,,
31-32	डू-278,285	अबड चरित्र 2 प्रति	,, Caritrā 2 Copies	अमरसु दर पडित साधु	गद्य
33	त-365	,, —	,, ,, —	,,	,,
34	अा-38	आनन्द सधि	Ānanda Sandhi	मुनि श्रीसार	,,
35-6	त-408,703	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	,,
37-8	डू-1073,1262	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
39-40	नो-385,399	,, 2 ,,	,, 2 ,	,,	,,
41	नो-637	,, —	,, —	,,	पद्य
42	त-414	आदिश्व रभरत बाहुबलि युगलाधिकार	Ādiśvara Bharata Bahubali Yugalādhikāra	—	गद्य
43	अा-123	आराम शोभा कथा	Ārāma Śobhā Kathā	अज्ञात	पद्य
44	अा 417	आर्द्रकुमार चोपई	Ārdra Kumāra Caupaī	कनकसोम आनद भगत	,,
45	नो-351	आषाढ भूति चोढालिया	Āṣāḍha Bhuti Cauḍhāliyā	मुनिराय	,,
46	डू-788	,,	,,	मानसागर	,,
47-8	नो-393 369	आषाढ भूति चोपई 2 प्रति	Āsāḍha Bhuti Caupai 2 Copies	ज्ञानसागर	,,
49-50	त-402,419	, , 2 ,	Āsāḍha Bhuti Caupai 2 Copies	,,	,,
51	अा-127	,, ,, —	Āsāḍha Bhuti Caupai —	,,	,,
52	डू-146A	,, चोढालियो	,, Cauḍhāliyo	कनकसोम	,,
53	डू-1268	,, धमाल	, Dhamāla	,,	,,
54	अा-57	इलाकुमार चोपई	Ilākumār Cāupai	ज्ञानसागर	,,
55-6	नो-362गु 665	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	,,
57	डू-304	,, —	,, —	गुणचन्द्र सूर	,,
58	डू-1086	,,	,	ज्ञानसागर	,,
59	नो-538	इदनाग कथा	Inda Nāga Kathā	—	ग प

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन चरित्र	मा	37*	27 × 13 × 18 × 48	सपूर्ण 622 गा ग्र 905	1819	
,,	,,	27,10	26 × 12व27 × 11	प्र पूर्ण, द्वि अपूर्ण	19/20वी	
,,	स.	32	25 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण 7 आदे./1111 श्लो	18वी	
(धर्म विषये) जीवन चरित्र	,,	31,28	26 × 13व27 × 12	सपूर्ण	1903/20वी	
,, ,,	,,	26	26 × 13 × 15 × 46	,,	1918	
जीवन चरित्र	,,	10	25 × 11 × 15 × 49	सपूर्ण 15 ढालें	1716	
,,	,,	12,14	27 × 12 × 14 × 38 (13)	,, 250 छद	1725/1855	
,	,,	29*,13	26 × 11व27 × 12	प्र. पूर्ण, द्वि अपूर्ण	1746/19वी	
,,	,,	11,11	26 × 12व26 × 11	सपूर्ण 250 गाथा	1857/20वी	
औपदेशिक जीवन प्रसग	मा	10*	26 × 12	सपूर्ण	1835	
जीवन चरित्र	स	15	26 × 12 × 16 × 41	,,	20वी	कल्पसूत्र के आधार पर
भक्ति विषयक कथा	,,	4	26 × 12 × 19 × 66	,, 279 श्लोक	1522	
जीवन प्रसग	मा	3	27 × 11 × 11 × 45	,, 45 गाथा	19वी	
,,	,,	4	25 × 12 × 13 × 32	,, 4 ढालें	1864	
,,	,,	7	26 × 13 × 11 × 38	,,	1905	
,	,,	8,11	26 × 11	स 16 ढालें 220 गा	1761/19वी	
,,	,,	21,7	24 × 12व25 × 12	,, ग्र 351	1779/1805	
,,	,,	9	24 × 10 × 15 × 35	सपूर्ण 16 ढालें	19वी	
,,	,,	23*	26 × 11	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	27 × 12 × 12 × 37	अपूर्ण पहिला पन्ना कम	19वी	प्रथम 16 गाथा नही है
,,	,,	12	24 × 11 × 12 × 34	स 181 गा ग्र 259	1726	
,,	,,	7,गु	26 × 11व17 × 34	,, 177 गा	1822/20वी	
,,	,,	12	25 × 11 × 16 × 40	, 18 ढालें गा 298	19वी	समुद्र विजय शिष्य
व विषये) जीवन प्रसग	,,	4	27 × 11 × 19 × 65	,, ग्र 259	19वी	
,,	अ	6*	28 × 9 × 9 × 48	अपूर्ण गुटक	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
60	टू-1003	उत्तम चरित्र	Uttama Caritra	अज्ञात	मू ट (ग)
61	टू-305	उत्तमकुमार चरित्र	„ Kumāra Caritra	जिनचंद सूरि	पद्य
62	त-1012	ऋषभ विवाहलो	Rsabha Vivāhalau	अज्ञात	„
63-4	त-406,422	„ 2 प्रति	„ 2 Copies	धवल	„
65	टू-374	„ —	„ —	—	„
66-8	जो-461,492, 643	„ 3 प्रति	„ 3 Copies	—	„
69	था-161	औपदेशिक कथायें	Aupadeśika Kathāyen	—	गद्य
70	टू-456	„	„	—	„
71	टू-742	„	„	—	„
72	टू-655	„	„	—	„
73	त-1097	„	„	—	„
74-5	टू-1171 B, 750	कठियारो कान्हड रास 2 प्रति	Kathiyāro Kānhada Rāsa 2 Copies	मानसागर (जीतसागर शिष्य	पद्य
76	त-1196	„ —	„ —	„	„
77	टू-173	कथा कोश	Kathā Kośa	—	गद्य
78	टू-314 B	कथानक संग्रह	Kathānaka Sangraha	नेमीनाथ वंदना द्वयोदेश अधिकार	पद्य
79	टू-948 B	कथा रत्नाकर	Katha Ratnākara	हेमविजय (कमल विजय शिष्य)	गद्य
80	त-326	कथा संग्रह	„ Sangraha	संकलन	„
81	जो-509	कयवन्ना (वसुदेव) चौपई	Kayavannā (Vasudeva) Caupai	जयरंग	पद्य
82	था-354	„ संधि	Kayavannā (Vasudeva) Sandhi	कुशल सूरि	„
83	त 709	कर्पूर प्रकर कथायें	Karpūra Prakara Kathāyen	रत्नशेखर शिष्य	गद्य
84	त-1205	कामघट	Kāmaghata	—	„
85	त-289(2)	कालिकाचार्य कथा	Kālikācārya Kathā	—	„
86	था-211	„	„	—	„
87	था-441	„	„	कल्याण तिलक	„
88	था-63	„	„	समयसुंदर	„

6	7	8	8 A	9	10	11
वस्त्रदाने-जीवनप्रसग	स मा	16	27 × 11 × 9 × 55	स 59 श्लो + गद्य	1815	
औपदेशिक ,,	मा	27	25 × 12 × 15 × 43	,, 38 ढालें/1351 गा	1779	
पूर्व भव सह- ,,	अ	19	24 × 12 × 12 × 34	,, लगभग 245 काव्य	1606	
,, ,,	,,	11,9	27 × 12	,, 45 ढालें, ग्र 395	18वी	
,, ,,	,,	10*	26 × 12 × 14 × 49	,, 146 गा	19वी	
,, ,,	,,	14 15 37	19से27 × 11से13	,, 147 गा + 4 ढालें	19वी	
अहिंसा, देव, गुरु पूजा पर	प्रा.	14	26 × 10 × 13 × 50	सपूर्ण 3 कथानक	19वी	
औपदेशिक जीव विषये	स	44	31 × 11 × 19 × 65	,, अनेक कथानक	15वी	अतिम कथा पद्य मे
धर्मोपदेशिक कथानक	,,	7	26 × 12 × 11 × 45	,, 12 दृष्टात	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 19 × 53	,, 16 कथायें	19वी	
रोहिणी आनद आदि	मा	37	28 × 12 × 13 × 44	त्रुटक	19वी	आदि अत मध्य रहित
औपदेशिक जीवन प्रसग	,,	6 6	27 × 12व26 × 12	सपूर्ण 9 ढालें	1859/20वी	
,, ,,	,,	4	26 × 11 × 13 × 35	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक कथायें	स	92	25 × 13 × 16 × 32	सपूर्ण 17 कथायें	1875	
,,	,,	12	25 × 11 × 13 × 44	,, 5 ,,	19वी	
,,	,,	41	25 × 13 × 15 × 46	अपूर्ण कथा 200 से 258 तक	1667	अतिम 41 पत्रें ही हैं
,,	,,	7	27 × 12 × 18 × 50	सपूर्ण 5 कथायें	20वी	
दान उपरि जीवन प्रसग	मा	18	28 × 12 × 14 × 42	,, 33 ढालें	1783	
,, ,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 54	सपूर्ण	20वी	पाँचवा पन्ना कम
औपदेशिक कथायें	स	31	27 × 12 × 18 × 50	म ग्र 1800/कथायें/27	1549	
जित्तारिराजा मति-सागर मत्री कथा	,,	5	27 × 12 × 16 × 50	अपूर्ण	18वी	
ऐतिहासिक साधु जीवन प्रसग	प्रा	7	27 × 12 × 8 × 29	स 56 गा (104से110)	1389	धर्मप्रभ सूरि द्वारा लिपिकृत
,, ,,	स	10	31 × 12 × 7 × 22	,, 64 गद्यानुच्छेद	14वी	सचित्र (10 चित्र)
,, ,,	प्रा	2	27 × 11 × 14 × 40	सपूर्ण	16वी	
,, ,,	स	13	26 × 11 × 15 × 44	,, ग्र 451	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
89	टू-13	कालिकाचार्य कथा+बालावबोध	Kālikācārya Katha+ bālāvabodha	समयसुन्दर	गद्य
90	टू-273	,, ,,	,, ,,	—	,,
91-3	टू-265,472, 477	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	,,
94	लो-589	,, ,,	,, ,,	—	,,
95	धा-386	,, ,,	,, ,,	—	,,
96	न-885	कुबेरदत्त 18 नातो की सज्झाय	Kuberadatta 18 Natou kī Sajjhāya	—	पद्य
97	मा-209	,,	Kuberadatta 18 Natou kī Sajjhāya	ऋद्धिविजय	,,
98	धा-436	कुबेरदत्ता चौपई	Kuberdatta Caupaī	नयरंग	,,
99	टू-498	कुमारपाल चरित्र	Kumārpāla Caritra	जयसिंह सूरि	,,
100	टू-1070	कुलधरकुमार चौपई	Kuldharkumāra Caupaī	उदय समुद्र	,,
101-2	न-1037 322	कूर्मापुत्र कथा 2 प्रति	Kūrmāputra Kathā 2copeis	जिनमाणिक्य सूरि	,,
103	न-323	,, —	,, —	,,	,,
104	टू-345	केशीकुमार सबंध	Keśikumāra Sambandha	—	गद्य
105	मा-393	कोणिक कथा	Konika Kathā	—	,,
106	लो 611	क्षुल्लककुमार ऋषि प्रबंध	Ksullaka Kumāra Rsi Prabandha	पदमराज उवज्झाय	पद्य
107	म-207	,, सज्झाय	Ksullaka Kumāra Sajjhāya	शांति सागर	,,
108	धा-82	खरतर गच्छाचार्य जीवनियें	Khartara Gachācārya Jivaniyen	—	गद्य
109	टू-329	,,	Khartara Gachācārya Jivaniyen	—	,,
110	न-816	खेमऋषि पारणा	Khema Rsi Pārnā	—	पद्य
111	न-317	गज सुकमाल कथा	Gajasukamāla Kathā	—	गद्य
112	लो-425	,, चौपई	Caupaī	जिनराज सूरि	पद्य
113-4	न-1086 726	,, ,, 2 प्रति	,, , 2 copies	,,	,,
115	टू-575	,, ,, —	,, ,, —	जिनहर्ष	,,
116	टू-146A	,, ,,	,, ,	धर्ममुनि	,,
117	मा 479	, रास	, Rasa	गुणचन्द्र न शिष्य	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक साधु जीवन प्रसग	स मा	12	26 × 11 × 14 × 46	सपूर्ण	1853	
,, ,,	प्रा मा	21	26 × 12 × 11 × 35	,,	20वी	
,, ,,	स	15,21, 16	26से28 × 11से14	,,	1875/1901	
,, ,,	मा	15	25 × 12 × 13 × 36	,,	19वी	
,, ,,	,,	2	27 × 12 × 13 × 35	,,	19वी	
ग्रौपदेशिक कथा	,,	2	26 × 12 × 15 × 30	,, 18 गा	1617	साथ मे 1 सज्झाय ग्रौर
,,	,,	3	28 × 13 × 11 × 34	,, 3 ढालें	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 7 × 30	,, 72 गा	19वी	
,,	,,	84	27 × 11 × 19 × 67	,, 10 सर्ग ग्र 6300	17वी	
,,	,,	15	26 × 11 × 15 × 37	,, 29 ढालें	1747	शील विषये
जीवन प्रसग	प्रा	10,9	27 × 12व26 × 11	,, 195-6 गा	1664/65	पहिली मे पहला पन्ना कम
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 40	,, 197 गा	18वी	
जीवन जनादि प्रसग	स	4	26 × 11 × 13 × 52	सपूर्ण	1916	
जीवन प्रसग	मा	5	26 × 12 × 21 × 60	,,	1862	
ग्रौ ,,	,,	4	26 × 11 × 17 × 60	,, 142 गा	19वी	
,, ,,	,,	4	22 × 12 × 13 × 28	,, 51 छद	19वी	
जीवन चरित्र	स	31	27 × 11 × 15 × 50	ग्रपूर्ण दूसरे दादाजी तक	19वी	
,,	हिं	6	24 × 11 × 12 × 50	ग्रपूर्ण	19वी	जिनेश्वर, ग्रभय, जिनदत्त
ग्रभिग्रहतप-पारणा प्रसग	मा	2*	26 × 11	सपूर्ण 21 गाथा	20वी	
जीवन चरित्र	स	14*	26 × 11 × 15 × 34	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	28	22 × 12 × 14 × 30	,, 30 ढालें	1771	
,,	,,	24,21	26 × 12व27 × 12	,, ,, गा 561 ग्र 700	1850/20वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 36	,, 104 गथा	19वी	
,,	,,	23*	26 × 11	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	6	26 × 12 × 12 × 38	,, 93 गा (17 ढालें)	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
118-9	न-397,592	गुणकरण्ड गुणावली चोपई 2 प्रति	Gunakarnda Gunāvati Caupai 2 copeis	दीप मुनि	पद्य
120	मा-32	गुणमजरी वरदत्त चोपई	Gunamanjari Vardatta Caupai	ऋषभ सागर	,,
121	न-724	,,	Gunamanjari Vardatta Caupai	,,	,,
122	त-590	गुणावली रास	Gunāvali Rāsa	जिन हर्ष	,,
123	दू 99	गौतम स्वामी रास	Gautama Svāmi Rāsa	विनय प्रभोपाध्याय	,,
124-5	मो-640,642	,, 2 प्रति	,, 2 copeis	,,	,,
126-7	त-208,644	,, 2 प्रति	,, 2 ,,	,,	,,
128	मा-133	गण्डयस्स कहाणय पच	Gandyassa Kahānayam Panca	—	गद्य
129	व उ गु-22	चित्त सभूत सज्झाय	Citta Sambhūta Sajjhāya	गुणप्रभ सूरि	पद्य
130	दू-1301	चद्रा प्रचडा चोपई	Candā Pracandā Caupai	ज्ञान मुनि	,,
131	मा-635	चदनवाला चोढालिया	Candanbā ā Caudhāliyā	मु मयाचद	,,
132	दू-678 गु 13	चदन मलयागिरि वार्त्ता	Candana Malyagiri Vart ā	भद्रसेन	,,
133	न-1213	चदोदर राजर्षि कलावती चोपई	Candodara Rajarsi Kalāvati Caupai	विजयशेखर	,,
134	दू-677	चद्रकुमारी वार्त्ता	Candra Kumāri Varttā	हस कवि	,,
135-8	दू-559,612, 1084,1075	चद्रराजा का रास 4 प्रति	Candra Rājā kā Rāsa 4 Copeis	मोहन विजय	,,
139	न-720	,, —	Candra Rājā kā Rāsa	,,	,,
140	मो 435	चद चोपई	Candra Caupai	विद्या रुचि	,,
141	दू-51	चद्र धवल कथा	Candra Dhavala Kathā	—	गद्य
142	न-417	चद्रलेखा चोपई	Candralākhā Caupai	मति कुशल	पद्य
143	मो-354	,,	,,	,,	,,
144	दू-197	,,	,,	,,	,,
145	न-1315	,,	,,	हर्ष कीर्त्ति	,,
146	दू-823	चपक चोपई	Campaka Caupai	समय सुन्दर	,,
147	मो-353	चित्त सभूत सज्झाय	Citta Sambhuta Sajjhāya	हीर उदय	,,
148	दू-39	चित्रसेन पद्मावती कथा	Citrasera Padmā ati Kathā	राज वल्लभ	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औ जीवन प्रसग	मा	24,30	26×13व25×12	सपूर्ण 600-3 गा	1850/67	
ज्ञानपचमी विषये ,,	,,	23	26×11×12×37	,, 21 ढालें	19वी	
,, ,,	,,	21	27×12×12×33	,, 21 ,,	19वी	
वुद्धि विषये ,,	,,	31	25×11×10×29	,, 26 ,,	1807	
भक्ति ,,	अ मा	4	25×11×13×37	,, 46 गा	18वी	वीर जिणेसर चरण
,, ,,	,,	6,5	26×12×11×35	,, 46 ,,	1804/19वी	प्रथम प्रति मे 1 पन्ना स्तवन का
,, ,,	,,	4,16*	27×11व23×1।	,, 45 ,,	19/20वी	
पाँच व्रतो पर कथायें	प्रा	15	26×11×15×50	,, 5 कथायें ग्र 550	1660	
औ जीवन प्रसग	मा	10	15×10×15×18	,, 109 गा	19वी	अस्त व्यस्त पन्ने लिखावट
स्त्री चरित्र-औपदेशिक	,,	5	27×12×17×58	सपूर्ण	19वी	
जीवन चरित्र	,,	16	26×12×15×48	,, 4 ढालें	19वी	
औ जीवन प्रसग	,,	5, गु	23×9व16×23	प्र पूर्ण, द्वि त्रुटक 200 गा 173 गा	1808/19वी	
,,	,,	40*	27×12×13×45	सपूर्ण 203 गा	1685	
,,	,,	6	26×11×13×33	,, 89 ,,	1848	
जीवन चरित्र	,,	96,72 156,46	24से27×12से13	,, 4 खड 178 ढालें	1783 से 20वी	अतिम प्रति अघूरी
,,	,,	116	27×12×14×40	,,	1917	
,,	,,	75	26×11×13×36	सपूर्ण 6 खड	20वी	
,	स	15	26×11×11×38	,	18वी	
सामायिके जीवन प्रसग	मा	19	26×12×16×47	,, 624 गा	1817	
,, ,,	,,	20	25×11×17×45	,, ,, ढालें 29	1825	
,, ,,	,,	21	26×12×15×50	,, ,, 30	1851	
,, ,,	,,	5	26×21×17×56	, 154 गा	19वी	
औपदेशिक ,,	,,	16	26×12×15×48	,, 506 गा	1853	
,, ,,	,,	3	26×11×12×39	सपूर्ण 4 ढालें	20वीं	
दान ,, जीवन प्रसग	स	16	26×11×15×50	,, 504 श्लोक	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
149	अा-37	चित्रसेन पद्मावती कथा	Citrasena Padmāvatī Kathā	राजवल्लभ	पद्य
150-1	डू-505,1079	„ चौपई 2 प्रति	Citrasena Padmāvatī Caupaī 2 copies	राम विजय	„
152	त-1118	„ „ —	Citrasena Padmāvatī Caupaī 2 copies	राजसिंघ	„
153	त-947	चित्रसेन चौढालियो	Citrasena Caudhāliyo	अमर विजय	„
154	लो-622	चेडा कौणिक चौपई	Cedā Kaunika Caupaī	—	„
155	लो-635	चेलणा चौढालियो	Celanā Caudhāliyo	ऋषि रायचद	„
156	त-416	जय विजय चौपई	Jaya Vijaya Caupaī	धम रत्न	„
157	डू-206	जलवीर्य मुनि सबंध	Jalaviryā Muni Sambandha	(ऋषि मडलानुसार)	गद्य
158	डू-66	जवराजर्षि कथा	Javarajrsi Kathā	चन्द्रशेखर	पद्य
159	त-361	जबू चरित्र	Jambū Caritra	—	गद्य
160	डू-754	„	„	—	मूट (ग)
161	लो-160	„	„	—	„
162-3	डू-1048 A, 223	„ 2 प्रति	„ 2 Copies	सकल हर्ष	गद्य
164	त-316	जबू स्वामी चरित्र	Jambū Svāmī Caritra	—	„
165	त-362	जबू कथानक	„ Kathānaka	—	„
166	डू-420	जिनरख जिनपाल चौढालिया	Jinarakha Jinapāla Caudhāliya	महिमा सागर	पद्य
167	ग-236	झांझरिया मुनि सज्झाय	Jhānjhariya Muni Sajjhāya	शांति कुशल	„
168	त-398	तेजसार चौपई	Tejasara Caupaī	कुशल लाभ	„
169	डू-445	„	„	„	„
170-1	डू 753,737	त्रिभुवनकुमार चरित्र 2 प्रति	Tribhuvana Kumār Caritra 2 Copies	—	गद्य
172	लो-207	„ —	„ —	—	पद्य
173	डू-927	त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्रे आदिनाथ चरित्र	Trisasti Śalākā Purusa Carite Ādinatha Caritra	हेमचन्द्राचार्य	„
174	डू-922	त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्रे आदिनाथ चरित्र	Trisasti Śalākā Purusa Carite Ādinatha Caritra	„	„
175	त-694	त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्रे नेमीनाथ चरित्र	Trisasti Śalākā Purusa Carite Neminātha Caritra	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
दान ग्रौ जीवन प्रसग	स	21	25 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण 509 श्लोक	19वी	
,, ,,	मा	20,22	24 × 11व26 × 11	,, 495 गा.	1849/20वी	
,, ,,	,,	23	25 × 11 × 14 × 48	ग्रपूर्ण पहिले 3 पत्रे कम	20वी	
,, ,,	,,	3	25 × 13 × 14 × 42	सपूर्ण 4 ढालें	1836	
ग्रौपदेशिक ,,	,,	6	23 × 13 × 16 × 46	,,	1891	
जीवन प्रसग	,	10	25 × 14 × 16 × 36	,, 4 ढालें	19वी	ग्रत मे स्तवन भी
ग्रौ ,,	,,	16	27 × 12 × 15 × 45	,, 349 गा	1657	
,, ,,	स	3	27 × 12 × 12 × 49	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	26 × 10 × 18 × 60	,, 113 श्लो	18वी	ज्ञान के ऊपर
जीवन चरित्र	प्रा	20	27 × 12 × 13 × 50	,, 21 उद्दे ग्र 751	18वी	
,,	प्रा मा	70	25 × 13 × 6 × 31	,, 21 ,, ग्र.1951	19वी	
,,	,,	65	28 × 13 × 6 × 30	,, 21 ,, ग्र 750	1934	
,,	स	19,18	26 × 12व25 × 11	सपूर्ण	1916/20वी	
,,	मा	18	27 × 12 × 11 × 44	,,	1542	
,,	,,	9	27 × 12 × 16 × 27	,, ग्र 660	1795	
ग्रौ जीवन प्रसग	,,	4	27 × 12 × 12 × 44	,, 4 ढालें	19वी	
जीवन चरित्र	,,	4	26 × 12 × 13 × 40	,, 91 छद	1696	
,,	,,	25	27 × 12 × 11 × 32	,, 407 छद	19वी	
,,	,	15	28 × 12 × 15 × 40	, 415 ,,	20वी	
ग्रौपदेशिक जीवन धर्मकर्म महात्म्ये	स	21,18	26 × 13व26 × 12	सपूर्ण	1903/20वी	दोनो एक लेखक के ही
,,	मा	37	26 × 13 × 11 × 38	ग्रपूर्ण 635 गा 44 ढालें	19वी	
जीवनचरित्र इतिहास	स	164	27 × 12 × 11 × 46	सपूर्ण 1-6 सग ग्र 5017	1684	प्रथम पर्व
,,	,,	110	28 × 12 × 15 × 61	,, ,,	19वी	1889मे भडारकरण
,,	,,	109	25 × 12 × 15 × 51	सपूर्ण 12 सर्ग	18वी	ग्राठवां पर्व

1	2	3	3 A	4	5
176	त-1266	त्रिषष्टि शलाका पुरुष चरित्रे नेमीनाथ चरित्र	Trisasti Śalākā Purusa Carite Nemīnātha Caritr	हेमचन्द्राचार्य	पद्य
177	डू-1132	,, रामकथा	,, Rāmakatha	,,	,,
178	डू-555	,, परिशिष्ठ पर्व	,, Pariśistha Parva	,,	,,
179	डू-926	,, ,	,, ,	,,	,,
180	श्रा-156	,, ,,	,, ,,	,	,,
181	त-1088	,, ,,	,, ,,	,,	,,
182	त-693	,, ,,	,, ,,	,,	,,
183	ग-100	,, ,,	,, ,,	,,	,,
184	श्रा-28 (C)	थावच्चा पुत्र चौपई	Thāvaccāputra Caupaī	समयसुन्दर	,,
185	लो-398	,, ,,	,, ,,	—	,,
186-7	लो-368,340	,, चौढालियो 2 प्रति	,, Caudhāliyo 2 Copies	क्षमा कल्याण	,,
188	त-407	,, संधि	,, Sandhi	देवसूरि	,,
189-90	डू-647,1046	दस दृष्टांत 2 प्रति	Das Drstānta 2 Copies	—	गद्य
191	त-754	,, —	,, —	—	,,
192	व उ गु 4	दर्शणभद्र सज्झाय	Darsānabhadra Sajjhāya	लाल सागर	पद्य
193	डू-420	,, ऋषि ,,	,, Rsi ,,	महिमा सागर	,,
194	डू-146 A	,, चौढालियो	,, Caudhāliyo	कुशलशील	,,
195	डू-146 A	,, नौढालियो	,, Naudhāliyo	धर्मसिंह	,,
196	लो-632	दामन्नक चौपई	Dāmannaka Caupaī	राजसार का शिष्य	,,
197	व उ गु 38	दृढ प्रहार ऋषि सज्झाय	Drdhaprahāra Rsi Sajjhāya	लावण्यसमय	,,
198	डू-421	दृष्टान्त रत्नावली काव्य	Drstānta Ratnāvali Kāvya	—	पद्य
199-200	डू-953,625	,, शतक 2 प्रति	,, Śataka 2 Copies	केशव शिष्य	,,
201	डू-339	,, ,, (बालावबोध सह)	,, ,, (with bālāvabodha)	, /-	मू ग (ग)
202	लो-631	देवकी का चौढालिया	Devakī kā Caudhāliyā	माल मुनि	पद्य
203	लो-397	देवकी गजसुकुमाल ढाल	Devakī GajasukumālaDhāl	नथमल	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन चरित्र इति-हास	स	80	26 × 12 × 14 × 56	अपूर्ण	15 वी	आठवा पर्व
,,	,,	88	27 × 13 × 16 × 57	सपूर्ण ग्र 4000	16 वी	दसवा पर्व
,,	,,	72	27 × 11 × 19 × 52	,, ग्र 3460	1454	मुख्यत माधुग्रो का
,,	,,	69	26 × 12 × 15 × 62	,, ग्र 3500	1691	,,
,,	,,	63	26 × 11 × 18 × 51	,, 13 सर्ग ग्र 3460	1520	,,
,,	,,	94	25 × 12 × 13 × 37	अपूर्ण शुरू मे 1½ सर्ग कम	1668	,,
,,	,,	86	26 × 11 × 15 × 42	स 13 सर्ग ग्र 3460	18वीं	,,
,,	,,	92	25 × 11 × 15 × 40	,, ,,	1854	,,
श्री जीवन चरित्र	मा	11	26 × 11 × 17 × 54	सपूर्ण ग्र 512	1703	
,,	,,	12	27 × 11 × 16 × 37	अपूर्ण	20वी	
,,	,	5,3	26 × 12व26 × 11	मपूर्ण 4 ढालें	1913/20वी	
,,	,,	11	27 × 12 × 17 × 58	,, 418 गा 22 ढालें	18वी	
श्री 10 कथानक	स	8,9	24 × 12व23 × 12	,, 10 कथायें	19वी	
,,	,,	13	26 × 12 × 18 × 52	,, ,,	19वी	
श्री जीवन प्रसग	मा	4	12 × 10 × 13 × 20	,, 9 पद्य	18वी	
,,	,,	4	27 × 12 × 12 × 44	,, 4 ढालें	19वी	1782 की कृति
,,	,,	23*	26 × 11	,, 4 ,,	19वी	
,,	,,	23*	26 × 11	,, 9 ,,	19वीं	
,,	,,	11	22 × 12 × 11 × 30	,,	1778	
,,	,,	3	13 × 11 × 14 × 17	,, 12 पद्य	18वी	
श्री दृष्टात कथायें	स	5	26 × 12 × 17 × 45	,	20वी	
,,	,,	11,9	26 × 11व27 × 12	,, 102 अनुच्छेद श्लोक	1769/19वीं	
,,	स मा	18	27 × 11 × 16 × 37	,, ,,	1781	
श्री जीवन प्रसग	मा	8	21 × 13 × 16 × 28	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 13 × 33	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
204	त-400	दौपदी चोपई	Draupadı Caupaī	कनककीर्ति	पद्य
205	त-404	,, सबध	,, Sambandha	समयसुन्दर	,,
206	लो-459	धन्ना सधि	Dhannā Sandhı	कल्याणतिलकगणि	,,
207	था-355	,,	,,	,,	,,
208	लो-179	धम्मिल कथा	Dhammıla Kathā	—	गद्य
209	त-192	नन्द बहुत्तरी	Nanda Bahuttarī	जसराज	पद्य
210	त-314	नमि आदि प्रत्येक बुद्ध कथा	Namı Ādī Pratyeka Buddha Kathā	—	गद्य
211	डू-1357	नल कथा के पन्ने	Nala Kathā Kē Panne	—	पद्य
212	त-582	नल चम्पू सूत्र	Nala Campū Sūtra	त्रिविक्रमभट्ट	चम्पूकाव्य
213	डू-161	,	,,	,,	,
214	लो-539	नल दमयन्ती कथा	Nala Damayantı Kathā	—	पद्य
215	लो-605	,, रास	,, Rāsa	समयसुन्दर	,,
216-7	डू-1077 (482+446)	,, ,, 2 प्रति	Nala Damayantī Rāsa 2 copies	,,	,,
218-21	त-399,725 1112,1175	नल दमयन्ती रास 4 प्रति	Nala Damayantī Rāsa 4 copies	,,	,,
222	त-681	नलायन	Nalāyana	—	,,
223	डू-1234 B	नवकार प्रभावे कथानक	Navakāra Prabhāve Kathānaka	—	,,
224	डू गु-26	नेम नवमगल राजुल जकडी	Nema Navamangala Rajula Jakadı	—	,,
225	डू-283	नेमी चरित्र	Nemī Carıtra	गुणविजय	गद्य
226	डू-778	,,	,,	—	,,
227	डू-608	नेमी जिन चोक	Nemī Jına Cauka	अमृतविजय	पद्य
228	त-357	,,	,,	,,	,,
229	लो-618	,,	,,	,,	,,
230-2	लो-367, 457,633	नेमी जिन रास 3 प्रति	Nemī Jına Rāsa 3 copies	पुण्यरत्न	,,
233	था-190	नेमीनाथजी का रास	Nemınāthajı Kā Rāsa	कनककीर्ति	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन प्रसग	मा	26	27 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 39 ढालें, दोहे अलग	18वी	
,,	,,	22	27 × 11 × 15 × 44	,, 3खड, 34ढाल, 606 गा ग्र 1001	20वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 32	,, 61 पद	19वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 13 × 45	,, 65 ,, 5 ढालें	19वी	
,,	प्रा	21	32 × 14 × 17 × 64	अपूर्ण	16वी	
,,	मा	6	27 × 12 × 10 × 30	सपूर्ण 81 छद	1801	1774 की कृति
,,	प्रा	18	27 × 12 × 12 × 41	,,	1637	
,,	स	3	27 × 12 × 14 × 46	त्रुटक	19वी	
जीवनचरित्र	,,	56	27 × 12 × 17 × 45	सपूर्ण 7उल्लास ग्र 2500	18वी	
,,	,	13	36 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण द्वि उल्लास के13श्लो	18वी	
,,	,,	42*	29 × 10 × 13 × 51	अपूर्ण	18वी	
,,	मा	23	24 × 11 × 19 × 42	सपूर्ण	1721	
,,	,,	36,42	25 × 11व24 × 13	,, 931 गा 35 ढालें	1730/19वी	
,,	,,	26,29 37,6	25से27 × 11से13	स 913 गा/38 ढालें/ 6 खड	1713से20वी	
,,	स	132	31 × 11 × 12 × 45	स 10 स्कध	16वी	
औपदेशिक कथा	मा	10	27 × 13 × 16 × 44	स 6 कथायें	20वी	
श्री जीवन प्रसग	,,	13	36 × 11 × 15 × 54	,, 67 छद	1840	
जीवन चरित्र	स	189	25 × 11 × 12 × 37	,, 13 परि ग्र 5275	1748	
,,	,,	54	26 × 12 × 12 × 39	अपूर्ण 2 परिच्छेद तक	20वी	
जीवन प्रसग	मा	4	27 × 13 × 16 × 43	सपूर्ण 144 छद	1858	कृष्ण रानियो द्वारा वसत उत्सव
,,	,,	4	25 × 12 × 19 × 42	,, 24चौक × 6=144छद	1864	,,
,,	,,	8	27 × 12 × 10 × 31	,,	19वी	,,
,,	,,	6,5,5	25से26 × 11से12	स 76 छद	1910से20वी	
जीवन चरित्र	,,	-	30 × 11 × 11 × 44	,, 13 ढालें	1693	

1	2	3	3 A	4	5
234	डू-1264	नेमीनाथ रास	Nemīnātha Rāsa	—	पद्य
235	आ-100	,, रगरत्नाकर छद	Nemīnātha Rāsa Ranga Rentākara Chanda	लावण्य समय	,
236	डू-924	पउम चरिय	Pauma Cariyam	विमलसूरि	,,
237	त-396	पचक सेठ रास	Pancaka Setha Rāsa	सोमविमलसूरि	,,
238-9	डू-47,293	पच कुमार कथा 2 प्रति	Panca Kumāra Kathā 2 copies	लक्ष्मीवल्लभ	गद्य
240	लो-413	पच दण्ड चौपई	Panca Daṇḍa Caupai	,,	पद्य
241-2	डू-1033 925	पार्श्वनाथ चरित्र 2 प्रति	Pārśvanātha Caritra 2 copies	भावदेवसूरि	,
243	डू-898	,, —	,, —	,,	मू ट (प ग)
244	डू-281	,,	,,	उदयवीर गणि	गद्य
245	व उ गु-22	,, रास	Parśvanātha Rāsa	महिमसमुद्र	पद्य
246	त-330	पाण्डव चरित्र	Pāndava Caritra	देवप्रभसूरि	,,
247	त-1117	,	,,	,	,
248	डू-77	,,	,,	—	गद्य
249-50	डू-814 113	पाण्डव चौपई 2 प्रति	Pāndava Caupai 2 copies	लाभवर्द्धन	पद्य
251	आ-140	पुण्डरीक मुनि सधि	Puṇḍarika Muni Sandhi	सुमतिसागर	,,
252	डू गु -3	पुण्यपाल श्रेष्ठी चौपई	Punyapāla Śresthī Caupai	हर्षानन्द मुनि	,,
253	लो-395	,,	,,	—	,
254	लो-486	पुण्यविलास रास	Punyavilāsa Rāsa	जिनहर्ष	,
255	डू-54	पुण्यसार कथानक	Puṇyasāra Kathānaka	विवेकसमुद्र गणि	,,
256	डू-1037	पुरदर कुमार चौपई	Purandar Kumāra Caupai	मालदेव आणद	,,
257	आ-183	,,	,,	,,	,,
258	त-1138	,,	,,	—	,,
259	डू-504	पूजा पचाशिका की कथा	Pūjā Pancāśikā Kī Kathā	—	गद्य
260	त-794	पूजाष्टक	Pūajāstka	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन चरित्र	मा	3	23 × 11 × 13 × 35	अपूर्ण 64 छद	20वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 16 × 50	सपूर्ण	20वी	
सीताराम कथा	प्रा	171	27 × 11 × 18 × 61	, 118 पर्व 8655 गा	1625	
औ. जीवन प्रसग	मा	23*	28 × 12 × 17 × 50	,, 517 गा	1686	
औ, जीवन चरित्र	स	25,25	25 × 12 × 14 × 44	सपूर्ण	19/20वी	
,,	मा	86	26 × 12 × 15 × 35	,, 6 खड, ढालें 75	1877	(विक्रम चरित्रे)
जीवन चरित्र	स	186, 166	26 × 12व25 × 13	,, 8 सर्ग	1877/20वी	
,	स मा	295	27 × 13 × 9 × 36	,, 8 ,, ग्र, 18221	1885	
,,	स	171	25 × 12 × 13 × 40	,, ,, —	1907	
तीर्थंकर चरित्र	मा	26	15 × 10 × 9 × 12	,, 152 गा	19वी	
ऐतिहासिक जीवन चरित्र	स	233	27 × 11 × 15 × 45	,, 18 सर्ग ग्र 9106	1660	
,,	,,	70	28 × 12 × 12 × 41	अपूर्ण 13वेंसे 18वें सर्गतक	1529	
,,	,,	51	23 × 11 × 13 × 51	,, 4½ सर्ग तक	19वी	
,,	मा	76,27	26 × 13व26 × 11	प्र सपूर्ण, द्वि अपूर्ण	1845/20वी	
जीवन चरित्र	,,	8	26 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण	1702	
औ ,,	,,	गु	16 × 13 × 11 × 20	,, 340 गा	1855	
,, ,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	19वी	
,, कथासह पूजादि	,,	95	27 × 12 × 15 × 52	,,	19वी	
औपदेशिक कथा	स	10	29 × 11 × 14 × 54	, 341 श्लो ग्र 348	18वी	
,, जीवन प्रसग	मा	29*	26 × 11	,, 329 गा	1746	
,, ,,	,,	16	26 × 11 × 13 × 45	,, 389 गा	19वी	शील विषये
औ जीवन प्रसग	,,	11	25 × 11 × 14 × 47	अपूर्ण 350 गा	19वी	,,
औपदेशिक कथा	,	44	26 × 11 × 10 × 28	सपूर्ण 50 कथायें	1899	
अष्ट प्रकारीपू कथान	प्रा	24	27 × 13 × 14 × 66	, ग्र 1086	1839	

1	2	3	3 A	4	5
261	लो-538	पूरण श्रेष्ठी कथा	Pūrana Śresṭhī Kathā		पद्य
262	त-360	पृथ्वीचन्द्र (केवली) चरित्र	Pṛthvicandra (Kevali) Caritra	—	गद्य
263-4	डू-194,51	,, 2 प्रति	Pṛthvicandra (Kevali) Caritra 2 copies	जयसागर	पद्य
265	त-108	पृथ्वीचन्द्र (गुणसागर) चरित्र (बालावबोध सह)	Pṛthvicandra (Gunasāgara Caritra (with Bālavabodha)	लब्धिसागर	मू बा (प ग)
266	त-1036	प्रत्येक बुद्ध चौपई	Pratyeka Budha Caupaī	समयसुन्दर	पद्य
267	त-718	,	,,	,,	,,
268	डू-146 A	,,	,,	,,	,,
269	लो-515	,, चौपी	,, (Cauthī)	,,	,,
270	त-738	प्रदेशी राजा का रास	Pradeśī Rājā kā Rāsa	वाचक सहज सुन्दर	,
271	भा-182	प्रबंध चिंतामणि	Prabandha Cintāmanī	मेरुतुंग सूरि	गद्य
272	डू-956	प्रभावक चरित्र	Prabhāvaka Caritra	—	पद्य
273-5	लो-483, 439,601	प्रियमेलक चौपई 3 प्रति	Priyamelaka Caupai 3 copies	समयसुन्दर	,
276-7	डू 502,448	,, 2 प्रति	,, ,, 2 ,,	,,	,,
278	त-470	प्रियंकर नृप कथा	Priyankar Nṛpa Kathā	जिनसूरि	मू प ग
279	डू-738	,,	,,	जिनसूर(विशाल राज का शिष्य)	ग प
280	त 1253	,,	,,	—	,,
281	डू-1342	प्रेमविलास प्रेमलता चौपई	Premavilāsa Premalata Caupaī	—	पद्य
282	,, 319	ब्रह्मदत्त चक्रवती कथा	Brahamadatta Cakravartī Kathā	—	गद्य
283	,, 193 B	बलिनरेन्द्र(भुवनभानु)आख्यानक	Balinarendra (Bhuvanab-hanu) Ākhyānakam	अज्ञात	,,
284	भा-11	,,	Balinarendra (Bhuvanab hanu) Ākhyānakam	,,	,,
285-6	डू-1148, 1030	बलिनरेन्द्र (भुवनभानु)आख्यानक केवली चरित्र 2 प्रति	Balinarendra (Bhuvanab-hanu) Ākhyānakaṁ Kev-ali Caritra 2 copies	,,	,,
287	,, 217	बलिनरेन्द्र (भुवनभानु)आख्यानक केवली चरित्र बालावबोध	Balinarendra (Bhuvanab-hanu) Ākhyānakaṁ Kev-alī Caritra Bālāvabodha	हरिकलश	,,
288	लो 484	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन प्रसग	श्र	6*	28 × 9 × 9 × 48	सपूर्ण 17 गा	17वी	
जीवन चरित्र	प्रा स	49	27 × 12 × 16 × 47	,, ग्र 2784	1635	शातिसूरि के ग्रथ के श्राधार पर
,,	स	91,66	26 × 12व26 × 11	,, 11 प्रस्ताव ग्र 2654	1882/20वी	
,,	स मा	127	25 × 11 × 15 × 47	श्रपूर्ण 4थे से श्रत तक	1824	
,,	मा	30	27 × 12 × 15 × 45	स 870 गा ग्र 1219	1666	पहिला पन्ना कम
केवली जीवन चरित्र	,,	37*	27 × 13 × 18 × 48	स 1119 गा	1819	
,, ,,	,,	23*	26 × 11	सपूर्ण	19वी	
जीवन चरित्र	,,	10	27 × 12 × 15 × 50	चौथा खड स ढा 10 ग्र 250	19वी	
तात्त्विक जीवन प्रसग	,,	10	23 × 12 × 14 × 43	स 214 गा	1669	
जीवनियाँ	स	30	27 × 11 × 15 × 64	स 5 प्रकाश ग्र 3104	17वी	
साधु श्रादि जीवनियाँ	,,	115	28 × 10 × 13 × 62	श्रपूर्ण त्रुटक	18वी	
श्री जीवन चरित्र	मा	14,9,10	25से26 × 11से12	सपूर्ण 203 गा	1768/19वी	श्रतिम प्रतिश्रपूर्ण
,,	,,	8,10	25 × 11व27 × 11	,, 16 ढा गा 221	1794/1825	
,,	स	18	27 × 12 × 17 × 58	,, 276 श्लो ग्र 800	1727	उवसग्गहर सूत्रे
,,	,,	38	24 × 15 × 15 × 44	,, ग्र 800	19वीं	,,
,,	,,	37	24 × 12 × 13 × 38	श्र ग्र 800	19वी	प्रथम पत्रे कम
,,	मा	17	13 × 12 × 13 × 18	श्र 162 गा	19वी	
श्री जीवन प्रसग	स	9	26 × 12 × 19 × 61	श्रपूर्ण	19वी	
,,	,,	23	26 × 11 × 19 × 68	सपूर्ण	16वीं	
,,	,,	54	27 × 11 × 13 × 43	,	20वीं	
श्री जीवन प्रसग	,,	60,55	26X12X13X40(5)	,,	19/20वी	
,,	मा	63	26 × 12 × 17 × 44	,, ग्र 3500	1875	मूलहे चद्र सूरि
,,	,,	60	27 × 13 × 19 × 40	,, ,,	1846	

1	2	3	3 A	4	5
289	टू-463	वकचूल सवध	Baknacūla Sambandha	गगदास	पद्य
290	त-396	बुद्ध रास	Budha Rāsa	मानभद्र	,,
291-4	डू-43A, 46, 150, 43B	भरडक द्वात्रिंशिका 4 प्रति	Bharadak Dvātrınśıka 4 copies	—	गद्य
295	लो-598	भद्रनदिकुमार कथानक	Bhadranandı Kumāra Kathānaka	—	पद्य
296	डू-41	भोज चरित्र	Bhoja Carıtra	राजवल्लभ	,,
297	डू-1089	,	,,	,	,,
298	डू-240	,,	,,	कुशलधीर	,,
299	त-174	मछोदर रास	Machodara Rāsa	जयराज	,,
300	त-1055	मलयसुन्दरी चरित्र	Malayasundarī Carıtra	जयतिलक सुरि	,
301	लो-188	, रास	,, Rā a	जिनहष	,
302	डू-288	मल्लिनाथ चरित्र	Mallınātha Carıtra	समयमाणिक्य	गद्य
303	था-410	, सवध	,, Sambandha	—	,,
304	लो-448	महाबल सधि	Mahābala Sandhı	अज्ञात	पद्य
305	डू-1038	महावीर पूव भव (वृतिसह)	Mahavīr Pūrva Bhava (with Vaṛttı)	--	मू व
306	लो-352	,, बाल्यजीवन	Mahavır Bālyajīvana	कल्पसूत्रानुसारे	गद्य
307	त-440	,, चरित्र	, Carıtra	—	,,
308	त-328	महिपाल चरित्र	Mahıpāla Carıtra	वीरदेव गणि	मू प
309	त-1088	,,	,,	,,	,,
310-11	त-700 640	मानतुग मानवती रास 2 प्रति	Māntuṅga Mānvatı Rāsa 2 copies	मोहन विजय	पद्य
312	लो 599	,, —	,, ,, —	,,	,,
313-4	डू-1078, 516	,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
315	डू-269	मुनिपति चरित्र	Munıpatı Carıtra	-/ अज्ञात	गद्य
316	लो-365	,,	,,	-/ ,,	,,
317	डू-268	,	,,	-/ ,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन प्रसग	मा	5	26 × 11 × 13 × 43	सपूर्ण 6 ढालें, 128 गा	18वी	
,,	,,	23*	28 × 12 × 17 × 50	, 64 गा	1686	
श्रौपदेशिक कथायें	स	13,14, 10,7	26से27 × 11	प्र 2 स 32 कथा, श्रतिम 2 श्र 25 व 14 कथा	18/19वी	मूर्ख चरित्र परिहार हेतु
श्री जीवन प्रसग	,,	4	26 × 11 × 15 × 46	स 124 श्लो	1647	
जीवन चरित्र	,,	47	26 × 11 × 13 × 46	स 5 प्रस्ताव	18वी	
,,	,,	33	23 × 11 × 20 × 42	स 5 ,, 991 गा	19वी	
,,	मा	107	36 × 11 × 11 × 37	स 5 प्रस्ताव, 66 ढालें	19वी	
श्री जीवन प्रसग	,,	6	27 × 12 × 15 × 60	स 159 छद	18वी	पुण्य विपये 1553 कृति
श्री जीवन चरित्र	स	25	28 × 12 × 18 × 78	श्र प्रस्ताव3 श्लो 188 तक	18वी	
,,	मा	83	29 × 13 × 16 × 42	स 144 ढालें/ग्र 3875	1861	
जीवन चरित्र	स	10	26 × 11 × 16 × 55	सपूर्ण	1736	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 40	,,	20वी	
श्री जीवन प्रसग	मा	8	26 × 11 × 14 × 43	श्रपूर्ण 189 गा प्र पन्ना कम	1665	भगवती सूत्रानुसारे
भगवान महावीर जीवन	प्रा स.	8	27 × 12	त्रुटक बिच के पन्ने	19वी	
,,	मा	4	26 × 12 × 12 × 47	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	8	26 × 12 × 16 × 50	,,	19वी	
जीवन चरित्र	प्रा	60	26 × 11 × 13 × 42	,, 1816 गा 'ग्र 2200	15 वी	
,,	,,	47	28 × 12 × 15 × 55	लगभग पूर्ण	19वी	पहिले 2पन्ने कम
श्री जीवन प्रसग	मा	30,53	27 × 13व25 × 12	स 43/47 ढालें	1800/1875	
,,	,,	59	25 × 13 × 12 × 28	श्रपूर्ण किंचित ग्र 1361	1843	
,,	,,	37,21	26 × 11व26 × 12	स 47 ढालें	1851/83	
,,	स	12	26 × 11 × 15 × 46	स ग्र 540/16 कथासह	1718	हरिभद्र ने मूलका प्रा प में उद्धार किया
,,	,,	16	23 × 11 × 15 × 45	,,	1843	
,,	,,	9	26 × 12 × 11 × 52	,, 16 कथासह	1844	इ-269 के सदृशपाठ

1	2	3	3 A	4	5
318	डू-830	मुनिपति चरित्र	Munipati Caritra	-/अज्ञात	गद्य
319	था-232	,,	,,	—	,
320	त-320	मृग सुन्दरी कथा	Mrga Sundarī Kathā	अज्ञात	पद्य
321	त-395 (अ)	मृगाकलेखा चरित्र	Mrgānkalekhā Caritra	श्रीवत्स	,,
322	त-721	,, चौपई	,, Caupaī	,,	,,
323	त-172	मृगापुत्र संधि	Mrgāputra Sandhi	जिनहर्ष	,,
324	त-307	मृगावती चरित्र	Mrgāvati Caritra	मल्लधारी देवप्रभाचार्य	,,
325	डू-1074	,, चौपई	,, Caupaī	समयसुन्दर	,,
326	त-1269	,, ,,	,, ,,	,,	,,
327-8	त-935,951	मेघकुमार चौढालिया 2 प्रति	Meghakumār Caudhāliya 2 copies	कविकनक	,,
329	लो-341	,, —	,, —	जिनहर्ष	,,
330	था 413	,,	,,	जिनमाणिक्य शिष्य	,
331	डू-146A	,,	,,	कनकऋषि	,,
332	डू-289	मेघनाद चरित्र	Meghanāda Caritra	—	,,
333	था-199	मंगल कलश चरित्र	Mangala Kalaśa Caritra	वा कनकसोम	,,
334	त-1091	मंत्री की कथा	Mantrī Ki Kathā	—	गद्य
335-7	डू 747,739 749	यशोधर चरित्र 3 प्रति	Yaśodhara Caritra 3copies	क्षमा कल्याण	ग प
338	त-1245	यादव कथा (ढालसागर)	Yādava Kathā (Ḍhālasagara)	गुणसागर सुरि	पद्य
339	आ-146	रत्नचूड चौपई	Ratnacūda Caupaī	पुनिमचंद शिष्य	,,
340	त-412	,,	,,	हीरकलश	,,
341	लो 317	रत्नपाल कथा	Ratnapāla Kathā	—	गद्य
342	त-701	,, चौपई	,, Caupaī	रत्नविलास	पद्य
343-4	त-734-1158	,, रास 2 प्रति	,, Rāsa 2 copies	मोहनविजय	,,
345	लो-416	,, ,, —	,, ,, —	,,	,,
346-7	डू-751,815	,, चौपई 2 प्रति	,, Caupaī 2 copies	रूपपति	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रो जीवन प्रसग	स	53	28 × 13 × 13 × 44	म ग्र 540/16 कथासह	1980	
,,	मा	43	22 × 11 × 12 × 31	सपूर्ण	1656	
जतु रक्षा पर चद्रो-दय जीवन प्रसग	स	6	26 × 11 × 15 × 31	,, 147 श्लो	18वी	वीरसागर लिपिक
ग्रो जीवन प्रसग	मा	13	27 × 12 × 13 × 57	,, 411 गा	16वी	
,, ,,	,,	11	27 × 12 × 15 × 53	,, ग्र 675/406गा	1660	
,, ,,	,,	6	26 × 12 × 13 × 43	,, 128 पद	20वी	
जीवन चरित्र	स	56	28 × 12 × 14 × 44	,, 5 विश्राम	18वी	
,	मा	29	25 × 11 × 13 × 52	,, 745 गा	1794	
,,	,,	32	26 × 11 × 12 × 42	त्रुटक बिच के पन्ने	19वी	
ग्रो जीवन प्रसग	,,	3,3	26 × 12व24 × 11	स 4ढालें, छद48	1696/19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 42	,, ,,	19वी	
,,	,,	3	24 × 11 × 15 × 36	,, 48 छद	19वी	
"	,	23*	26 × 11	,, 4 ढालें	19वी	
,,	,,	45*	26 × 12	मपूर्ण	1903	
,,	,,	5	31 × 12 × 13 × 56	सपूण 142 छद	17वी	
ग्रो कथा (धर्म प्र-भावे)	स	7	27 × 12 × 13 × 38	ग्रपूर्ण बीच के त्रुटक पन्ने	20वी	
जीवन चरित्र	,,	38,67,4	25से26 × 11से12	ग्रतिम प्रति ग्रपूर्ण	1853से20वी	
कृष्ण पाण्डव चरित्र	मा	66	26 × 12 × 16 × 48	ग्रपूण 1773 गा तक	20वी	
ग्रो, जीवन चरित्र	,,	14	27 × 11 × 14 × 46	सपूर्ण 316 गा	1587	
,,	,,	13	26 × 12 × 14 × 42	, 321 छद	1660	
,,	स	11	25 × 11 × 13 × 42	,,	1675	प्रासुक दान विषये
,,	मा	21	28 × 12 × 13 × 44	,, 498 गा	1684	,,
,,	,,	39,11	25 × 12 × भिन्न2	,, 4 खड	1824/57	,, द्वि प्रति ग्रपूर्ण
,,	,,	54	26 × 11 × 15 × 42	,, 4 ,,	20वी	,,
,,	,,	27 42	26 × 12व26 × 13	,, ग्र 1000/665गा	1899/1922	,,

1	2	3	3 A	4	5
348	लो-415	रत्नपाल रत्नावती रास	Ratnapā'a Ratnāvatı Rāsa	सूर	पद्य
349	त-418	रत्नसार चौपई	Ratnasāra Caupaī	सहज सुन्दर	,,
350	डू-1071	राजसिंह कुमार चौपई	Rājasınha Kumāra Caupaī	ऋषि देवीचंद	,,
351	था-484	राम मंदोदरी संवाद	Rāma Mandodarī Samv-āda	समय सुन्दर	,,
352-3	लो-410-381	रुक्मिणी (वैदर्भी) चौपई 2 प्रति	Rukmını (Vaıdarbhī) Caupaī 2 copıes	प्रमराज यति	,,
354	लो-315	,, विवाह	,, Vıvāha	अज्ञात	,,
355	डू-946	रूपसेन कथा	Rūpasena Kathā	जिनसूर	ग प
356	त-366	,,	,,	—	,
357-8	डू-296,289	,, 2 प्रति	,, 2 copıes	जिनसूर	,,
359	त-413	लीलावती चौपई	Lilāvatı Caupaī	हेमरत्न सूरि	पद्य
360	लो-221	लीलावती सुमति विलास रास	,, Sumatıvılāsā Rāsa	उदयरत्न	,,
361-2	त-403, 1192	वसुदेव चौपई 2 प्रति	Vasudeva Caupaī 2 copıes	हर्षकुल	,,
363	डू-781	वसुदेव हिंडी प्रथम खंड	Vasudeva Hındī I Volume	संघदास गणिवाचक	गद्य
364	त-21	, ,,	,, ,,	,,	,
365	डू-1263	वस्तुपाल तेजपाल रास	Vastupāla Tejapāla Rāsa	समय सुन्दर	पद्य
366	डू-923	वासुपूज्य चरित्र	Vasūpūjya Carıtra	वर्द्धमान (सिंह सूरि शिष्य)	,,
367	था-477	विक्रम कथा	Vıkramra Kathā	—	गद्य
368	त-591	विक्रमादित्य कथा	Vıkramādıtya Kathā	कवि नरपति	पद्य
369-70	डू-818 517	,, चौपई 2 प्रति	, Caupaī 2 copıes	लाभवर्द्धन	,,
371	लो 189	,, चरित्र	,, Carıtra	लक्ष्मीवल्लभ	,,
372-3	डू-1067,821	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 copıes	,,	,,
374	त-1222	,, चौपई	,, Caupaī	—	,,
375	डू-822	विक्रमसेन चौपई	Vıkramasen Caupaī	मानसागर	,,
376	त-1096	, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन चरित्र	मा	20	26 × 11 × 19 × 55	अपूर्ण 3 खड की 5वी ढाल तक	19वी	प्रासुक दान विषये
,,	,,	9	26 × 12 × 16 × 52	सपूर्ण 304 छद	18वी	
,, नवकार फल विषये	,,	18	26 × 11 × 10 × 41	,, 10 ढालें	1844	1827 की रचना
सीताराम चौपई प्रसग	,	1	27 × 12 × 14 × 41	अपूर्ण	19वी	
ऐतिहासिक प्रसग	,,	7,7	26 × 12व26 × 11	सपूर्ण	1878/20वी	
,,	,,	6	28 × 12 × 13 × 42	,,	20वी	जैनेतर कवि की रचना
श्री जीवन प्रसग, पुण्य (नियम) विषये	स	32	27 × 12 × 15 × 36	,,	1724	
,,	,,	29	25 × 13 × 13 × 48	,,	1894	
,,	,,	26,41*	26 × 11व26 × 12	,	1900/1903	
श्री जीवन प्रसग	मा	14	27 × 12 × 14 × 50	, 471 गा	1734	
,,	,,	10	28 × 13 × 18 × 50	, 21ढालें/गा 346	1838	
ऐतिहासिक जीवन प्रसग	,,	22 11	26 × 12व25 × 12	,, 336/45 गा.	19/20वी	1557 की कृति
कृष्ण चरित्र	प्रा	144	32 × 12 × 17 × 76	सपूर्ण	16वी	
,,	,,	167	33 × 13 × 15 × 70	,, ग्र 10489	1675-80	
जीवन प्रसग	मा	4	26 × 13 × 13 × 38	सपूर्ण	20वी	
जीवन चरित्र	स	147	26 × 13 × 16 × 45	,, 4सर्ग/ग्र 5494	1883	
जीवन प्रसग	मा	2	26 × 12 × 15 × 50	सपूर्ण	19वी	
,,	,	28	26 × 12 × 15 × 48	,, 971 गा	1713	
,,	,,	23,25	26 × 11व25 × 12	,, 8अधि /27 ढाल	1857/20वी	
,,	,,	98	24 × 12 × 14 × 40	,, 6 खड	19वी	
,,	,,	81,100	24 × 11व26 × 12	स 6खड 75 ढाल, ग्र 3784	1854/85	
,,	,,	8	27 × 12 × 11 × 32	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	39	26 × 12 × 15 × 45	सपूर्ण 52 ढालें	1852	विक्रमादित्य पुत्र कथा
,,	,,	15	26 × 11 × 11 × 42	अपूर्ण 13 ढाल तक ही	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
377	त-735	विक्रमसेन लीलावती चौपई	Vikramasen Līlāvati Caupaī	परम सागर	पद्य
378	त 1099	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
379	लो-456	विजयसेठ विजयारानी चौढालिया	Vijayāsetha Vijayārānī Caudhāliyā	ऋषि चन्द्रभान	,,
380	डू-820	,, ,, चौपई	Vijayāsetha Vijayārānī Caupaī	—	,,
381	व उ गु 7	,, ,, ,,	,, ,, ,,	ऋषि लालचद	,,
382	त-327	विनोद कथा सग्रह	Vinoda Kathā Sangraha	राजशेखर	गद्य
383	डू-653	वीरसेन कुसुमश्री कथा	Virsen Kusumśri Kathā	—	,,
384	त-424	शनिश्चर विक्रम रास	Śaniścara Vikrama Rāsa	धर्मसी	पद्य
385	त-507	शान्तिनाथ चरित्र	Śantinātha Caritra	रत्नशेखर सूरि	मू प
386	त-690	,,	,,	अजितप्रभ	,,
387	डू-239	,,	,,	,	,,
388	डू-1147	,,	,,	,,	,,
389-91	डू-614,832, 178	,, 3 प्रति	,, 3 copies	भावचन्द्र	मू ग
392	त-699	,, —	,, —	,,	,,
393	त-791	,, —	,, —	ब्रह्म	पद्य
394	आ-55	शाब प्रद्युम्न चौपई	Śaṁba Pradyumna Caupaī	समय सुन्दर	,,
395-6	डू-1076,460	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
397-8	लो-363,514	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
399	आ-141	शालिभद्र चरित्र	Śalibhadra Caritra	धमकुमार मुनि	,,
400	त-1172	,, रास	,, Rāsa	हसमुनि	,,
401	था-381	,, धन्ना चौपई	,, Dhannā Caupaī	जिनराज	,,
402	था-189	,, चौपई	,, Caupaī	,,	,,
403	डू-1073	,, ,,	,, ,,	,,	,,
4045-	आ-58,36	,, धन्ना चौपई 2 प्रति	,, Dhannā Caupaī 2 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन प्रसग	मा	49	25 × 11 × 15 × 51	सपूर्ण 64 ढालें	19वी	विक्रमादित्य पुत्र कथा
,,	,,	4	28 × 12 × 16 × 58	त्रुटक	19वी	,,
श्री जीवन प्रसग	,,	6	25 × 12 × 10 × 28	सपूर्ण 4 ढालें	1920	
,,	,,	27*	25से26 × 12	,, 20 गा	19वी	
,,	,,	8	16 × 12 × 8 × 21	,, 16 पद्य	19वी	
कथा सग्रह	स	33	27 × 11 × 18 × 64	,, 84 कथा/ग्र 2400	16वी	(प्रसिद्ध नाम अतर कथा सग्रह)
,,	,,	6	25 × 12 × 15 × 47	सपूर्ण	20वी	
श्री जीवन चरित्र	मा	8	28 × 12 × 11 × 38	,, 147 पद	1696	
तीर्थंकर ,,	स	57	31 × 12 × 15 × 54	,, 2715 श्लोक	16वी	
,, ,,	,,	151	24 × 13 × 16 × 40	,, 6प्रस्ताव ग्र 4875	1558	
,, ,,	,,	125	26 × 11 × 15 × 50	,, 6 ,,	1737	
,, ,,	,,	116	27 × 13 × 15 × 42	,, 6 ,,	1784	
,, ,,	,,	124, 195, 220	26से27 × 11से13	,, 6 ,, ग्र 6519	1753/1903, 05	
,, ,,	,,	146	27 × 12 × 14 × 47	,, 6 ,, ग्र 6365	1795	
,, ,	मा	17	27 × 13 × 13 × 30	अपूर्ण विवाह तक	20वी	
श्री जीवन चरित्र	,,	23	24 × 10 × 13 × 44	सपूर्ण 2 खड	1714	
,,	,,	20,11	25 × 11व28 × 12	प्र स 537 गा, द्वि अ	1787/19वी	
,,	,,	11,22	26 × 11 × भिन्न2	स 21 ढालें	19/20वी	
,,	स	41	29 × 12 × 12 × 45	,, ग्र 1224	20वी	प्रद्युम्न सूरि द्वारा विशोधित
,,	मा	11	28 × 12 × 13 × 41	,, 222 गा	1679	
,,	,,	22	27 × 11 × 13 × 42	,, 30 ढालें	1692	
,,	,,	38	30 × 11 × 11 × 41	सपूर्ण	1694	
,,	,,	29*	26 × 11	,, 29 ढालें	1746	
,,	,	58,36	26 × 11व26 × 12	29/30 ,	1784/19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
406-8	डू-820, 1068,1088	शालिभद्र धन्ना चौपई 3 प्रति	Śalibhadra Dhannā Caupai 3 copies	जिनराज	पद्य
409	त-733	,, ,, ,, —	,, ,, ,, —	,,	,,
410	लो-359	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
411	त-1223	,, चौपई	,, Caupaī	,,	,,
412	लो-523	,, ,,	,, ,,	—	,,
413	डू-301	शुकराज कथा	Śukarāja Kathā	माणिक सुंदर	गद्य
414	त-697	,,	,,	,,	,,
415	डू-1165	,,	,,	,,	,,
416	त-304	शीलवत्या कथा	Śilavatyā Kathā	उ० आज्ञासुंदर	पद्य
417-8	लो-343,411	षडबन्धु का ढालिया 2 प्रति	Ṣaḍbandhu kā ḍhāliyā 2 copies	मालमुनि	,,
419	आ-173	श्रावक रत्न प्रवन्ध	Śrāvaka Ratna Prabandha	राजशेखर	गद्य
420	त-312	श्रीपाल चरित्र	Śrīpāla Caritra	रत्नशेखर	मू प
421	त-311	,,	,,	,,	,
422 4	डू-992, 1034,647A	,, 3 प्रति	,, 3 copies	,	,,
425-6	लो-190,325	,, 2 ,,	,, 2 copies	,,	,,
427	था-35	,,	,,	,,	,,
428-9	त-310,305	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	मू ट (प ग)
430-4	डू-637,887, 640,652, 967	,, (वृतिसह) 5 प्रति	,, (with Vṛtti) 5 copies	,, /क्षमाकल्याण	मू वृ (प ग)
435	डू-1160	,, — —	,, — —	सत्यराज गणि	पद्य
436	डू-596	,,	,,	जयकीर्ति	गद्य
437-9	त-728 415, 1066	,, 3 प्रति	,, 3 copies	ज्ञानसागर–2	पद्य
440-6	डू-1169, 819,1081, 729 824, 1072	श्रीपाल रास 7 प्रति	Śrīpāla Rāsa 7 copies	जिनहर्ष	,,
447	त-1074	,,	,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन चरित्र	मा	27*, 20,24	25से26 × 12	सपूर्ण 29/30 ढालें	19/20वी	
,,	,,	14	25 × 11 × 16 × 48	,, ,, ,,	1817	
,,	,,	23	25 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण पहिले 4 पन्ने कम	19वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 14 × 38	त्रुटक	19वी	
,,	,,	17*	27 × 12 × 12 × 50	,,	19वी	
,,	स	11	26 × 10 × 15 × 51	सपूर्ण ग्र 500	1532	आगार मे नदणील द्वारा
,,	,,	11	27 × 12 × 16 × 51	,,	17वी	
,,	,,	15	27 × 12 × 14 × 43	,,	19वी	
,,	,,	12	29 × 11 × 15 × 41	सपूर्ण 387 श्लोक	19वी	शीलवती कथा
,,	मा	11,21	26 × 12	,, 18 ढालें	1856/98	
,,	स	5	26 × 11 × 11 × 50	,,	1663	रत्न श्रावक भी कहते हैं
,,	प्रा	49	27 × 11 × 13 × 42	,, 1341 गा /ग्र 1700	1570	
,,	,,	39	26 × 11 × 15 × 48	,, ,,	18वी	
,,	,,	48,39, 46	25से26 × 12से13	,, 1337/8गा /ग्र 1675	1852से20वी	
,,	,,	129 37	27 × 12व27 × 13	1 स 1344गा 2 अ 547 गा	1855/20वी	
,,	,,	62	25 × 12 × 11 × 42	स 1341 गा	19वी	
,,	प्रा मा	78, 103*	26 × 11व28 × 14	,, 1343 ,,	1806/1912	
,,	प्रा स	138,153, 130,120, 151	25से26 × 10से13	,, 1342 ,, ग्र 1550+3022	1870-74 से 20वी	
,,	स	36	27 × 13 × 16 × 44	,, ग्र 500	1866	
,,	,,	37	28 × 13 × 13 × 41	, 4 प्रस्ताव	1918	
,,	अ	16,17, 13	26से27 × 11से12	तो पूर्ण 270/76 गा ती अ	1723से20वी	
,,	मा	16,28, 65,55, 43,36, 68	24से26 × 11से12	त 1000 गा /49 ढालें	1820 से 1882	प्रथम अपूर्ण 20 ढालें ही हैं
,,	,,	10	26 × 12 × 10 × 25	अ. 7 ढालें	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
448	लो-438	श्रीपाल रास	Śrīpāla Rāsa	नयविजय यशोविजय	पद्य
449-50	त-712,1074	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,, ,,	,,
451-2	डू-816,1083	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,, ,,	,,
453	ग्रा-90A	,, —	,, —	,, ,,	,,
454	डू गु-26	,,	,,	ब्रह्मरायमल	,,
455	डू-434	श्रीपाल व्याख्यान	Śrīpāla Vyākhyāna	—	गद्य
456	डू-560	,, ,,	,, ,,	—	,,
457	डू-1035	श्रेणिक चरित्र	Śrenika Caritra	त्रिषष्ठि श पु चरित्रे	पद्य
458	त-715	,, कथा	,, Kathā	धर्मवर्द्धन	,,
459	डू-375	सद्गुरु चरित्र व श्रावक गुण	Sadguru Caritra & Śrāvaka Guna	—	ग प
460	ग्रा-122	सदयवत्स कथा	Sadayavatsa Kathā	हर्षवर्द्धन	गद्य
461	डू-740	सदोपदेशमाला	Sadopadeśamāla	—	,
462	डू-320	सनत्कुमार चरित्र	Sanatakumāra Caritra	—	,,
463	न-317	,, कथा	Kathā	—	,,
464	त-396	,, चक्री रास	, Cakrī Rāsa	रत्नसूरि	पद्य
465	डू-1166	समरादित्य चरित्र	Samarāditya Caritra	सुमतिवर्द्धन	गद्य
466-7	त-614	सम्यकत्व कौमुदी 2 प्रति	Samyaktva Kaumudī 2 copies	—	,,
468-71	डू-470,841, 97,1053	,, 4 ,,	,, 4 copies	—	,,
472	लो-213	,,	,,	—	,,
473-4	डू-1176,87	,, (बालावबोध सह) 2 प्रति	,, (with bālāvabodha) 2 copies	—	मू बा (ग)
475	त-1213	सागरचन्द्र चौपई	Sāgarcanda Caupaī	विवेकशेखर	पद्य
476	व उ गु-31	(,,) मृगाकलेखा चरित्र	(,,) Mrgānkalekhā Caritra	—	,,
477	त-1129	,, ,, ,,	, ,, ,,	लखपतशाह	,

4	5	6	7	8	8 A	9	10	11
य यशोविजय	पद्य	श्री जीवन चरित्र	मा	52	26 × 11 × 14 × 43	स 4 खड 1236 गा	1876	
,,	,,	,,	,,	69,97	27 × 13व26 × 12	,,	19वी	
,,	,,	,,	,,	50,74	27 × 12व26 × 11	स 4 खड	19वी	
,,	,,	,,	,,	79	26 × 12 × 10 × 42	,,	19वी	
ल	,,	,,	,,	गु	24 × 16 × 20 × 16	सपूर्ण 293 गा	1840	
	गद्य	,,	,,	62	27 × 13 × 12 × 33	,,	1932	
	,,	,,	,,	27	27 × 12 × 11 × 35	अपूर्ण	19वी	
पु चरित्र	पद्य	जीवन चरित्र	स	36	27 × 12 × 13 × 51	स 1238 श्लो /ग्र 1350	19वी	दसवा पर्व (हेमचद्राचार्य)
	,,	,,	मा	31	27 × 12 × 11 × 42	स 31 ढालें	19वीं	
	गद्य	दादा जिनदत्त व कुशल चरित्र व भक्ष्याभक्ष्य विचार	,,	4	26 × 12 × 12 × 42	अपूर्ण	19वी	
	गद्य	श्री जीवन चरित्र	स	29	27 × 11 × 17 × 61	स केवल 8वा पन्ना नही है	1528	
	,,	औपदेशिक कथायें	,,	29	27 × 13 × 17 × 40	सपूर्ण 63 कथायें	19वीं	
	,,	जीवन चरित्र	,,	4	26 × 12 × 25 × 66	,,	19वी	
	,,	,,	,,	14*	26 × 11 × 15 × 34	,,	19वी	
	पद्य	,,	मा	23*	28 × 12 × 17 × 50	,, 301 गा	1686	
	गद्य	,,	स	223	27 × 14 × 13 × 46	,, 9 भव	20वी	प्रशस्ति/आधुनिक रचना
	,,	औपदेशिक कथायें	,,	77,47	27 × 13व27 × 12	,,	1855/20वी	
	,,	,,	,,	31,35, 64,62	25से29 × 12से18	,,	1857/1903	
	,,	,,	,,	13	27 × 13 × 10 × 30	अपूर्ण	20वीं	
	मुद्रा(-)	,,	स मा.	123,81	26 × 12व26 × 11	स ग 5100	1824/25	
	पद्य	औपदेशिक जीवनी	मा	40*	27 × 12 × 13 × 45	सपूर्ण	1685	
	,,	शील विषये जीवनी	,,	34	12 × 10 × 15 × 16	,, 400 गा	1646	
	,,	,,	,,	21	28 × 12 × 13 × 44	अपूर्ण 3रे खड की6वी ढाल	19वी	पन्ना 1 व 22 कम

1	2	3	3 A	4	5
478	डू गु-38	सागरचद्र सुशीला चौपई	Sāgarcandra Suśila Caupai	ऋषि लालचद	पद्य
479	डु-63A	सिंहासन द्वात्रिंशिका	Sınhāsana Dvātrınśika	क्षेमकरण मुनि	गद्य
480	डु-493	,,	,,	विनयलाभ	पद्य
481	लो-452B	सीताराम चौपई	Sıtārāma Caupaī	समयसुन्दर	,,
482	ग्रा-18	सुकृतसागर (पेथड चरित्र)	Sukṛtasāgara (Pethaḍa Carıtra)	रत्नमडन	,,
483	त-396	सुडा सहेली रास	Suḍa Saheli Rāsa	सहजसुन्दर	,,
484	लो-538	सुदर्शन कथा	Sudarśana Kathā	—	गद्य
485	त-1213	,, सेठ चौपई	,, Seṭha Caupaī	विजयशेखर	पद्य
486	त-405	,, ,, रास	,, ,, Rāsa	उदयरग	,,
487	त-8/28	सुपास चरिय	Supāsa Carıyaṁ	लक्ष्मण गणि	,,
488	व उ गु-25	सुबाहु चरित्र	Subāhu Carıtra	उ० पुण्यसागर	,
489	त-1011	,, सन्धि	, Sandhı	,,	,,
490	था 420	, ,,	,, ,,	,,	गद्य
491	तो-396	सुभद्रा सती रास	Subhadrā Satī Rāsa	रूपवल्लभ	पद्य
492	डु-373	,, चौढालिया	,, Cauḍhālıya	मानसागर	,,
493	था-480	सुमतिकुमार रास	Sumatıkumara Rāsa	—	,
494	त-395	सुमित्र चरित्र	Sumıtra Carıtra	उ० हर्षकुंजर	,,
495	डु-1085	सुरप्रिय चरित्र	Surprıya ,,	वा जयनिधान	,,
496	लो-587	,, राजर्षि चौपई	,, Rājṛsı Caupaī	—	,,
497	त-1213	सुरसुन्दरी चौपई	Sura Sundarī Caupaī	विजयशेखर	,,
498	लो-517	,, रास	,, Rāsa	धर्मवर्द्धन गणि	,,
499	डु-692	सुलसा चरित्र	Sulasā Carıtra	जयतिलक सूरि	गद्य
500-1	डु-856B, 1324	सुसढ कथा 2 प्रति	Susaḍha Kathā 2 copıes	अज्ञात	पद्य
502-3	डु-441 672	स्थूलभद्र नवरसो 2 प्रति	Sthūlabhadra Navaraso 2 copıes	उदयरत्न	,,
504	त-819	,, ,, —	,, ,, —	,,	,,

5	6	7	8	8 A	9	10	11
पद्य	शील विपये जीवनी	मा	14	16 × 13 × 23 × 30	स 21 ढालें	1899	
गद्य	कथायें विक्रम चरित्रे	स	27	26 × 11 × 15 × 50	,, 32 कथायें	18वी	
पद्य	,,	मा	68	26 × 12 × 17 × 39	,, 34 ,,	19वी	
"	जीवन चरित्र	,,	46	26 × 11 × 16 × 50	अपूर्ण	19वी	
"	श्री जीवन प्रसग	स	36	26 × 11 × 95 × 55	स 8 तरग ग्र 1456	19वी	
"	श्री कथानक	मा	23*	28 × 12 × 17 × 50	स 155 छद	1686	
गद्य	श्री जीवन चरित्र	ग्र	6*	28 × 9 × 9 × 48	सपूर्ण	17वी	
पद्य	,,	मा	40*	27 × 12 × 13 × 45	,, 219 गा	1685	
"	,,	,,	10	26 × 12 × 16 × 43	,, 252 छद	1649	
"	जीवन चरित्र	प्रा	228	33 × 12 × 13 × 56	, 8607 गा	1526	
"	श्री जीवन चरित्र	मा	9	16 × 13 × 15 × 18	,, 92 गा	18वी	
"	,,	,,	8	28 × 12 × 11 × 33	,, 91 गा	19वी	
गद्य	,,	,,	5	27 × 12 × 12 × 35	,, 107 गा	19वी	
पद्य	,,	,,	20	26 × 12 × 16 × 44	,, 24 ढालें	1828	
"	श्री जीवन प्रसग	,,	4	26 × 12 × 13 × 45	,, 4 ,,	20वीं	
"	,,	,,	5	23 × 11 × 13 × 40	,, 85 गा	1649	
	,,	स	12	27 × 12 × 17 × 63	,, ग्र 650	17वी	
	"	मा	4	27 × 11 × 17 × 55	,, 11 ढालें 165 गा	1725	
	,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 44	,, 83 गा	20वी	
	,,	,,	40*	27 × 12 × 13 × 45	,, 167 गा	1685	13वा पन्ना कम है
	,,	,,	16	28 × 13 × 17 × ⁵2	,, 4 खड	1826	शील विपये
	,	स	26	26 × 13 × 13 × 42	,, 8 सर्ग	19वीं	मम्यकत्व उपरि
	,,	प्रा	9,18	27 × 12	,, 517/511 गाथा	1672/19वी	यतना विपये
	,,	मा	6,3	27 × 11व26 × 12	,, 9 ढालें/74 पद	1820/20वी	
	,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 56	,, 9 ढालें	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
505	लो-643	स्थूलभद्र नवरसो	Sthūlabhadra Navaraso	उदयरत्न	पद्य
506	त-643	,, चौपई (इकतीसु)	,, Caupaī (Ikatısu)	लावण्यसमय	,,
507	त-930	,, फाग	, Phāga	लालमोहन	,,
508	था-399	,, ,,	,, ,,	,,	,,
509	त-1193	,, ,, (गुणरत्नाकर)	,, ,, (Gunaratnākara)	सहजसुन्दर गणि	,,
510	श्रा-35	स्नात्र पचशिका	Snātra Pancāśıkā	शुभशील	,,
511	ह्र-741	,, ,,	,, ,,	उदयसागर	,,
512	त-364	हरिवल चरित्र	Harıbala Carıtra	—	गद्य
513	त-1146	,, चौपई	,, Caupaī	जीतविजय	पद्य
514	ह्र-943	हरिविक्रम चौपई	Harıvıkrama Caupaī	जयतिलक	,,
515	लो-186	हरिवश यादव प्रबन्ध	Harıvanśa Yādava Prabandha	गुणसागर	,,
516	त-532	,,	,,	,,	,,
517-8	ह्र-1087, 707	हरिश्चन्द्र चतुष्पदी 2 प्रति	Harıścandra Catuṣpadī 2 copıes	लालचद गणि	,,
519	त-876	हिरविजय निर्वाण सज्झाय	Hıravıjaya Nırvana Sajjhāya	कविहर्ष	,,
520	ह्र गु-48	होरी	Horī	—	,,
521	त-401	हसराज वच्छराज चौपई	Hansarāja Bacharāja Caupaī	जिनउदय सूरि	,,
522-3	ह्र-236, 1069	,, 2 प्रति	,, 2 copıes	,,	,,
524	ह्र-1080	,, —	,, —	विनयमेरू मुनि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन प्रसग	मा	37*	27 × 13	सपूर्ण 9 ढालें	19वी	
,,	,,	8	22 × 10 × 11 × 25	,, 31अनुच्छेद, ढालनुमा	1883	
,,	,,	3	26 × 11 × 16 × 57	,, 108 गाथा	19वी	
,,	,,	4	27 × 12 × 13 × 50	,, 100 ,,	19वी	
,,	,,	25	27 × 12 × 13 × 43	अपूर्ण 3 अधि 157 गाथा तक	19वी	पहिला पन्ना भी कम है
जिनपूजा विषय कथायें	स	9	26 × 11 × 18 × 48	सपूर्ण 52 कथायें	19वी	
,,	,,	29	26 × 12 × 17 × 49	,, 50 ,,	19वी	
जीवन चरित्र	प्रा	15	26 × 12 × 13 × 42	,, 369 गाथा	16 वी	
,,	मा	11	26 × 12 × 15 × 50	अपूर्ण 12 से 22 पन्ने अत तक	20वी	
,,	स	132	27 × 12 × 16 × 46	सपूर्ण 12 सर्ग	1860	
ऐतिहासिक जीवन प्रसग	मा	134	27 × 13 × 15 × 38	,, 9 खड, ग्र 5450	1768	अपरनाम 'ढाल–सागर'
,	,,	74	27 × 13 × 23 × 56	,, 151 ढालें	1822	,,
श्री जीवन प्रसग	,,	38,26	25 × 12व27 × 12	,, 808/794 गा ग्र 1285	1777/19वी	
जीवन प्रसग मृत्यु वर्णन	,,	2	27 × 12 × 13 × 45	,, 24 गा	19वी	
नेमीनाथ होली वर्णन	,,	9	16 × 10 × 16 × 17	सपूर्ण	19वी	
श्री जीवन प्रसग दान उपरि	,,	33	26 × 12 × 15 × 44	,, 4 खड	18वी	
,,	,,	29,35	26से27 × 11से13	,, ,, गा 913	1876/20वी	
,,	,,	22	26 × 11 × 13 × 36	,, ,, गा 439 31 ढाल, ग्र 631	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	डू-1256	अट्ठाइस महालब्धि	Atbāisa Mahālabdhi	—	पद्य
2	डू-496	अढाई द्विप वर्णन	Aḍhāī Dvīpa Varnan	—	गद्य तालिका
3	त-897	आधाकर्मी असज्झाय कालादि	Ādhākarmi, Asajjhāya, Kalādi	—	गद्य
4	डू-384	आलोचना, सूतक, असज्झायादि	Ālocanā, Sutaka, Asjjhāyādi	—	,,
5	डू-833 C	एकविंशति स्थानक प्रकरण	Ekavinśati Sthānakam Prakaraṇa	सिद्धसेन सूरि	मू प
6	लो-155 A	,,	,,	,,	,,
7	त-275	,,	,	,,	,,
8	त-218	,,	,,	,,	,,
9-10	त-391,274	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	मू ट (प ग)
11	लो-201	,, —	,, —	,,	,,
12-13	त-216,1049	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	मू प
14	आ-125	,, —	,, —	,,	,,
15	था-412	,,	,,	,,	,,
16	त-346	,,	,,	,,	,,
17	डू-1225	,,	,,	,,	,,
18	त-1040	, (बालावबोधसह)	, (with bālāvabodha)	,,	मू बा (प ग)
19	त-214	अगुल सप्ततिका व जिवाकार विचार	Amgula Saptatika & Jivakāra Vicāra	मुनिचद	मू प
20	व उ गु-25	कल्याणक स्तवन	Kalyanaka Stavana	पुण्यसागर	पद्य
21	त-1161	काल स्वरूप	Kāla Svarūpa	—	मू ट (प ग)
22	था-343	कृष्णराजी विचार पत्र	Kṛsnarājī Vicāra Patra	—	गद्य
23	डू-810	क्षुल्लभवालिका स्तोत्र	Ksullabhavālikā Stotra	परमानद	पद्य
24	आ-1	क्षेत्र समास	Ksetra Samāsa	जिनभद्र	,,
25	त-594	, (लघु) (वृतिसह)	,, (Laghu)(with Vṛtti)	जिनभद्र/हरिभद्र	मू वृ (प ग)
26	डू-1175	,, ,, —	,, ,, —	जिनभद्र	मू प
27	त-441	, ,, (बालावबोधसह)	,, ,, (with bālāvabodha)	,,	मू बा (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
लब्धियो का वर्णन	स	1*	26×11×14×62	सपूर्ण 28 श्लोक	16वी	
भूगोल	मा	15	26×12	,,	19वी	पहिला पन्ना कम हैं
आहार, स्वाध्याय सबधी	,,	2	27×12	,,	19वी	सामान्य
काल अकाल सबधी	,,	3	27×12×11×41	,,	19वी	,,
तीर्थंकर जानकारी 21 द्वारो से	प्रा	7	27×11×10×18	,, 66 गाथा	16वी	
,,	,,	2	27×14×14×58	,, 68 ,,	17वी	
,,	,,	5	26×12×11×35	,, 66 ,,	1699	
,,	,,	4	27×11×10×38	,, 70 ,,	1749	
,,	प्रा मा	9,5	24×12व26×13	,, 71/69 ,,	1762/1803	
,,	,,	8	28×12×6×37	,, 70 ,,	1779	
,,	प्रा	4,5	27×11व25×12	,, 65/69 ,,	19वी	दुसरी प्रति मे 2 गाथा कम
,,	,,	4*	26×11×12×46	,, 63 ,	19वी	
,,	,,	4	26×12×12×40	,, 67 ,,	19वी	
,,	,,	25*	25×11×15×41	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	13*	27×12	,,	20वी	
,,	प्रा मा	7	27×12×10×35	अपूर्ण 11 से 69 गा तक	1885	पहिला पन्ना कम है
नाप व लोक स्वरूप	प्रा स	4	27×11×13×38	सपूर्ण 70गा +8श्लो	19वी	जीवाकार सस्कृत मे है
तीर्थंकर जानकारी	मा	3	16×13×15×18	अपूर्ण 6से25 गा (अत)	18वीं	
छ आरो का जीवन वृतात	प्रा मा	11	28×12×10×36	,, 59 गाथा तक	19वी	
अतरीक्ष वर्णन	मा	1	26×11×17×32	सपूर्ण	19वी	
समय प्रमाण वर्णन	प्रा	2	27×12×12×45	,, 22 गाथा	19वी	
भूगोल	,,	202*	38×5× भिन्न 2	,, 109 ,,	13वी	ताडपत्र पर
,, (नमिउण सजल	प्रा स	26	22×9×9×41	,, ग्र 511	14वी	
,, ,,	प्रा	12	27×12×6×44	,, 128 गाथा	1734	
,, ,,	प्रा मा	31*	28×12×9×37	,, 141 ,,	18वीं	

1	2	3	3 A	4	5
28	था-331	क्षेत्र समास (लघु) —	Ksetra Samāsa (Laghu)—	जिनभद्र	मू प
29-31	लो-619, 567,333	,, ,, 3 प्रति	Ksetra Samāsa (Laghu) 3 copies	,,	,,
32	श्रा-83	,, ,, —	Ksetra Samāsa (Laghu)	,,	,,
33	मा-96	क्षेत्र समास	Ksetra Samāsa	,,	,,
34	था-211	,,	,,	,,	,,
35	था-212	,, (वृहत्) (वृत्तिसह)	,, (Vrhat) (with Vrtti)	जिनभद्र/मलयगिरि	मू वृ (प ग)
36-40	था-116 34, 39,24,105	,, 5 प्रति	Ksetra Samāsa 5 copies	रत्नशेखर	मू प
41-4	इ-847,524 396A,701	,, 4 ,,	,, 4 copies	,,	,,
45-48	लो-332, 254 326, 197	,, 4 ,,	,, 4 copies	,,	,,
49-51	श्रा-66,86, 106	,, 3 ,,	,, 3 copies	,,	,,
52	त-1100	,, —	,, —	,,	,,
53	त-439	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
54	इ-95A	,,	,,	,,	,,
55	इ-130	,,	,,	,,	मू ग
56	मा-172	,, (वृत्तिसह)	, (with Vrtti)	रत्नशेखर/स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
57	इ-786	, की वृत्ति	, Kī Vrtti	,, / ,,	गद्य
58	था-407	क्षेत्र सग्रहणी	Ksetra Sangrahaṇī	—	,,
59	त-263	खड योजन द्वार	Khand Yojana Dvāra	—	,,
60	लो-344	चित्तौडगढ़ की गजल	Cittoudgaḍha kī Gajala	यति खेता	पद्य
61	त-940	जवूद्वीप सग्रहणी	Jambūdvīpa Sangrahaṇī	हरिभद्र	मू ट (प ग)
62	इ-769	,,	,,	,,	,,
63	त-346	,,	,,	,,	पद्य
64	त-441	,, (बालाववोधसह)	Jambūdvīpa Sangrahanī (with bāāvabodha)	,,	मू ट
65	त-803	जवूद्वीप भूगाल वोल	Jambūdvīpa Bhūgola Bola	—	गद्य तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
भूगोल (नमिउण सजल)	प्रा	6	27 × 12 × 11 × 42	सपूर्ण 127 गाथा	19वी	
,, ,,	,,	7,5,12	24से27 × 11से12	,, 130/142 गाथा	19/20वी	
,, ,,	,,	10	26 × 11 × 13 × 48	,, 114 गाथा	19/20वी	
भूगोल	,,	7	26 × 11 × 13 × 43	,, 78 ,,	19/20वी	
,,	,,	20	33 × 13 × 13 × 57	,, 634 ,, ग्र 805	17वी अत	
,, (नमिउण)	प्रा स	183	33 × 13 × 13 × 51	,, 634 गाथा	17वी ,,	
भूगोल (विरजय)	प्रा	13 16 12,16 12	26से27 × 12	,, 262/65 गाथा	1704से20वी	अतिम प्रति अपूर्ण
,,	,,	20 10, 13,57*	26से27 × 12से15	,, 266/64 ,,	1841/71	
,,	,,	31,17, 13,10	26से27 × 12से14	,, 263/65 ,,	1782/1838	
,,	,,	14, 11,13	26से27 × 11	,, 251/263 ,,	19/20वी	
,,	,,	14	27 × 12 × 11 × 35	अपूर्ण 241 गाथा	17वी	
,,	प्रा मा	31	27 × 12 × 4 × 44	सपूर्ण 264 ,,	19वी	
,,	,,	44	25 × 11 × 13 × 44	,, 265 ,,	19वी	
,,	प्रा	34*	27 × 12	,,	19वी	
,,	प्रा स	42	27 × 11 × 15 × 53	,, 5 अधिकार	19वी	
,,	स	34	30 × 12 × 15 × 65	,, ,,	1554	
,,	मा	1	26 × 11 × 11 × 41	सपूर्ण	19वीं	
,, 2½ द्विप का	,,	5	26 × 12 × 16 × 40	,,	19वी	
ऐतिहासिक वृत	,,	2	26 × 11 × 16 × 40	,,	19वी	
भूगोल	प्रा मा	3	26 × 12 × 6 × 50	,, 30 गाथा	1782	
,,	,,	5	26 × 13 × 4 × 36	,, 28 ,,	19वी	
,,	प्रा	6	25 × 11	,, 30 ,,	20वी	
,,	प्रा मा	31*	28 × 12 × 9 × 37	,, 30 ,,	18वी	
भौगोलिक थोकडे	मा	5	26 × 13	प्रति पूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
66	डू-213	जंबूद्वीप वर्णन	Jambūdvipa Varnana	—	गद्य
67-8	लो-375,704	तीर्थंकर जानकारी 2 प्रति	Tirthankara Jānkārī 2 copies	—	गद्य तालिका
69-71	था-201,224, 384	,, 3 प्रति	,, 3 copies	—	,,
72-5	डू-316 414 490,535	,, 4 प्रति	,, 4 copies	—	,,
76-82	त-990,902, 922 986, 1019, 1220 1147	,, 7 प्रति	,, 7 copies	—	,,
83-4	लो-695A-B	तीर्थंकर 34 अतिशय 2 प्रति	Tīrthankar 34 Atisaya 2 copies	—	मू ट (प ग)
85	त-784	,, स्तवन	,, Stavana	पुण्यसागर	पद्य
86	था-340	,, ,,	, ,,	,,	,,
87	लो-533A	, 35 वाणी गुण	,, 35 Vānī Guna	—	गद्य
88	था-445	तीर्थंकर 35 वाणी गुण	Tirthankar 35 Vānī Guna	पुण्यसागर	,,
89	डू-291	तीर्थ नमस्कार	Tīrtha Namaskāra	—	,,
90	डू-1296	तीर्थावली द्वात्रिंशिका	Tirthāvali Dvatrinśikā	क्षमाकल्याण	पद्य
91	था-368	दशार्णभद्र ऋद्धि	Dasārnabhadra Rdhi	—	गद्य
92	आ-51	दस आश्चर्य	Dasa Āscarya	प्रवचन सारोद्धार वृहत् वृत्ती	,,
93	डू-438	देशना पद्धति	Deśanā Padhati	—	,,
94-9	डू-644,479, 2,665,264 158	पट्टावली 6 प्रति	Pattāvali 6 copies	—	,,
100	त-1023A	,, —	,, —	—	,,
101	लो-596	,,	,,	—	,,
102	डू-573	,,	,,	महिमाहर्ष	पद्य
103	व उ गु-22	,,	,,	धवलजिनेश्वर	,,
104	व उ गु-22	,,	,,	जिनसमुद्र	,,
105	त-1275	पाँचवें छठे आरे का भविष्य	Pancaven Chathe Āre kā Bhavisaya	—	गद्य
106	डू-494	पूर्व देश वर्णन	Purva Deśa Varnana	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
भूगोल	मा	5	27 × 12 × 16 × 50	सपूर्ण	19वी	
तीर्थंकरो की सामान्य विगत, नाम, राशि कल्याणकादि	प्रा मा	2,2	21से27 × 11से13	प्रति पूर्ण	1887/20वी	
,,	प्रा स	6,4 2	26से30 × 11से12	,,	19/29वी	
,,	मा	2,3,1,7	26 × 11से12	,,	19/20वी	
,,	स मा	3,2,3, 3,3, 15,4	25से28 × 11से13	,,	1748से20वी	
तीर्थंकर वैशिष्ट्य	प्रा मा	2,2	26 × 11व26 × 12	सपूर्ण 34 गाथा	17/18वीं	
,,	अ	2	27 × 12 × 13 × 56	,, 26 ,,	18वी	
,,	प्रा	2	27 × 12 × 13 × 47	,, 26 ,,	19वी	
,,	मा	4	26 × 13 × 5 × 38	,,	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 13 × 44	,, 27 गाथा	19वी	
मोक्षकल्याणक तीर्थ वृत	,,	19	26 × 12 × 13 × 36	,,	19वी	
,,	स	1	26 × 12 × 17 × 55	,, 32 श्लोक	19वी	
ऋद्धि वर्णन	प्रा मा	2	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वी	
10 अभूतपूर्ण घटनायें	स	5	26 × 11 × 15 × 55	सपूर्ण ग्र 210	19वी	[देखें 1 आ(ii)]
तीर्थंकर व्याख्यान वर्णन	मा	5	25 × 12 × 10 × 28	,,	1942	
खरतरगच्छ की	स	23,19, 27,27, 26,16	25से27 × 11से13	,, 19वी पूर्वाद्ध तक	1856/1915	अंतिम 16वी पूर्वाद्ध तक ही
तपगच्छ + विधि पक्ष की	अ मा	2+1	25 × 11	,,	19वी	पहिले दो पन्ने एक दूसरे की नकल
खरतर + लोकागच्छ की	स मा	2+1	26 × 13 × 9 × 30	,,	19वी	
खरतरगच्छ की	स	1	25 × 11 × 14 × 43	,, 19 श्लोक	19वी	
,,	मा	8	15 × 10 × 13 × 15	,, 61 गा	19वी	स्तुति मय
,,	स	1	15 × 10 × 11 × 20	, 17 श्लोक	19वी	
भगवान स्वपन वर्णन	,,	4	26 × 11 × 19 × 47	गुटक	19वी	
तीर्थादि वर्णन	मा	5	26 × 12 × 19 × 55	स 29 गाथा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
107	लो-383	वीकानेर की गजल	Bikāner kī Gajala	लालचद	पद्य
108	डु गु-31	बुलाकीदास यात्रा वर्णन	Bulākīdāsa Yātrā Varnana	—	गद्य
109	डु-297	महावीर जन्म भोज	Mahavīra Janmabhoja	—	,,
110	लो-222	,,	,,	—	,,
111	त-931	,,	,,	—	,,
112	त-787	महावीर 27 भव	Mahāvīra 27 Bhava	—	,,
113	त-1252	मेदिनीपुर गच्छाधिराजादि वर्णन	Medınīpur Gachādhırāj-ādı Varnana	—	पद्य
114	ग्रा-1	लोक नालि	Loka Nalı	जिनवल्लभ	,,
115	त-656	,, द्वात्रिंशिका	,, Dvātrınśıkā	—	मू प
116	था-383	,, ,,	,, ,,	—	,,
117	लो-652B	,, ,,	,, ,,	—	,,
118	डु-936	,, ,, (वृतिसह)	Loka Nalı Dvātrınśıka (with Vṛttı)	—	मू वृ (प ग)
119	डु-1149	,, ,, (ग्रवचूरिसह)	Loka Nalı Dvātrınśıkā (with Avacūrı	—	मू ग्र (,,)
120	डु-292	,, ,, (वृतिसह)	Loka Nalı Dvātrınśıka (with Vṛttı)	–/ नयविलास	मू वृ (,,)
121-2	त-941,911	,, ,, 2 प्रति	Loka Nalı Dvātrınśıkā 2 copies	—	मू प
123	त-513	,, ,, (वालाववोध-सह)	Loka Nalı Dvātrınśıkā (with bālāvabodha)	—	मू वा (प ग)
124	डु-690	,, ,, (,,)	Loka Nalı Dvātrınśıkā (with balavabodha)	—	,,
125	डु-1172B	,, ,, (,,)	Loka Nalı Dvātrınśıkā (with bālāvabodha)	–/ विमलहर्ष वाचक शिष्य	,,
126	ग्रा149	,, ,, (,,)	Loka Nalı Dvātrınśıkā (with bālāvabodha)	–/ गगा धनराज पुत्र	,,
127	व उ गु-22	,, महावीर स्तवन	Loka Nalı Mahavīra Stavana	जिनचद सूरि	पद्य
128	डु-1299	विकृति ग्रविकृति विचार	Vıkṛtı Avıkṛtı Vıcāra	—	गद्य
129	व उ गु-22	विनय छत्तीसी	Vınaya Chattısī	महिमा समुद्र	पद्य
130	त-1005	विहरमाण 21 स्थान	Vıharmaṇa 21 Sthāna	शीलदेव	मू ग्र(प ग)
131-2	त-409,1120	शत्रुजय उद्धार रास	Śatrunjaya Udhāra Rāsa	ऋषभदास	पद्य
133	ग्रा-103C	,,	,,	नयसुदर	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
बीकानेर का इतिहास	मा	7	27 × 12 × 8 × 33	अपूर्ण पहिले 3 पन्ने कम	1849	1838 की कृति
1684 मे तारा–तवोल यात्रा	,,	3	17 × 11–गुटका	सपूर्ण	1905	700 मदिर, जैन राजा
सिद्धार्थ द्वारा लौकिकाचार	,,	3	26 × 11 × 13 × 39	,	19वी	
,,	,,	4	28 × 12 × 12 × 43	,,	19वी	
,,	,,	2	25 × 12 × 14 × 55	,,	19वी	
तीर्थंकर पूर्वभव वृत	,,	2	25 × 12 × 11 × 44	,,	19वी	
इतिहास, आचार्य गुण	,,	3	25 × 12 × 21 × 44	,,	19वीं	सादडी का भी वर्णन है]
लोक स्वरुप	प्रा	202*	38 × 5 × भिन्न 2	,, 9 गाथा	13वी	ताडपत्र पर
,,	,,	1	33 × 15 × 8 × 55	,, 33 ,,	16वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 9 × 40	,, 32 ,,	17वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 10 × 28	,, 33 ,,	1635	
,,	प्रा स	9	26 × 12 × 16 × 46	,, 33 , ग्र 375	1850	
,,	,,	12*	27 × 12 × 12 × 36	,, 32 ,,	19वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 21 × 70	,, 32 ,, ग्र 450	18वी	
,,	प्रा	3,2	27 × 12 × भिन्न2	,, 32/33 गा	18वी	
,	प्रा मा	5	24 × 15 × 21 × 56	,, 31 गा	1797	
,,	,,	7	27 × 12 × 10 × 33	,, 36 ,,	1885	
,,	,,	5	27 × 12 × 4 × 34	,, 33 गा +2 श्लो	19वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 14 × 51	,, 32 गा	19वी	
,,	मा	9	15 × 10 × 12 × 13	,, 42 पद्य	19वी	
विगयादि खाद्य निर्णय	,,	3	26 × 12 × 15 × 55	प्रतिपूर्ण	20वी	
औपदेशिक	,,	3	15 × 10 × 13 × 15	सपूर्ण 36 गाथा	19वी	
तीर्थंकर जानकारी भक्ति	प्रा स	3	26 × 12 × 12 × 48	,, 40 ,,	1701	
तीर्थ इतिहास भक्ति	मा	18,13	27 × 12 × 14 × 40	,, 299 छद	1668/19वी	दूसरी प्रति 35वें छद से
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 43	,, 123 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
134	लो-606	शत्रुंजय उद्धार रास	Śatrunjaya Udhāra Rāsa	नयसुन्दर	पद्य
135-6	त-730,1197	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
137	ग्रा-137	शत्रुंजय कल्प	Śatrunjaya Kalpa	भद्रबाहु/वज्र स्वामी/ पादलिप्ताचार्य	,,
138-9	त-943,889	,, 2 प्रति	,, 2 copies	—	,,
140	डू-1280	शत्रुंजय कुलक	Śatrunjaya Kulaka	—	प ग
141-2	त-250,484	,, तीर्थ स्तवन 2 प्रति	,, Tirtha Stavana 2 copies	अमृत सूरि	पद्य
143	ग्रा-48	,, महात्म्य	,, Mahātmya	धनेश्वर सूरि	,,
144	ग्रा-20	,, ,,	,, ,,	,,	,,
145-6	डू-454,1062	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
147-8	डू-1055,554	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
149	ग्रा-210	,, ,, —	,, ,, —	,,	,,
150	त-696	,, ,,	,, ,,	,,	,,
151-2	त-698 691	,, ,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
153	ग्रा-103B	,, महिमा	,, Mahimā	देवचंद	,,
154	लो-466	,, रास	,, Rāsa	समयसुन्दर	,,
155	डू-115	,, ,,	,, ,,	,,	,,
156	त-932	,, ,,	,, ,,	,,	,,
157	त-1229	,, ,,	,, ,,	सहजकीर्ति	,,
158	व उ गु-12	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	जिनसमुद्र	,,
159	डू-369	,, संघ वर्णन	,, Sangha Varṇana	जिनराज सूरि	,,
160	त-677	शास्वत जिन बिंब	Śāsvata Jina Bimba	—	गद्य
161	व उ गु-38	श्रावक बत्तीसी	Śrāvaka Battisī	आनंदपुर कारटगच्छ-नन्नसुर	पद्य
162-3	ग्रा-366,425	समोवसरण स्तोत्र 2 प्रति	Samovasaraṇa Stotra 2 copies	क्षेममुनि	,,
164	डू-921	,, —	,, —	—	,,
165	डू-353	,, —	,, —	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ इतिहास भक्ति	मा	4	25×12×17×50	सपूर्ण 123 छद	19वी	
,,	,,	7,5	26×12व25×12	,, ,,	1833/20वी	दूसरी मे पहिला पन्ना कम
,,	प्रा	2	27×11×11×37	,, 39 गाथा	19वी	
,,	,,	3,2	27×13व21×12	,, 36/39 गाथा	19/20वी	
,,	,,	1	27×12×15×58	,, 24 गाथा	19/20वी	
,,	मा	5,8	27×12व26×13	,, 10 ढालें	1869/20वी	
,,	स	167	31×11×16×74	,, 14 सर्ग ग्र 12000	1567	
,,	,,	184	27×11×16×60	,, ,,	1649	
,,	,,	290 205	31×12व25×11	,, ,, ग्र 10022	17वी	
,,	,,	304,40	25×12व26×12	,, ,,	1811/20वीं	दूसरीप्रति 12सर्ग ही
,,	,,	264	32×12×13×54	,, ,,	17वी अत	
,,	,,	214	27×12×15×57	,, ,, ग्र 8812	18वी	वृहत् सस्करण
,,	,,	88,71	27×12व24×13	,, 5 सर्ग+उद्धार वर्णन	17/18वीं	लघु सस्करण
,,	मा	8	26×12×12×40	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	8	25×11×12×30	,, 67 ढालें	1763	
,,	,,	4	25×12×13×55	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	26×11×17×44	सपूर्ण 67 ढालें	19वी	
,,	,,	6	26×11×17×51	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	15×10×11×24	सपूर्ण 18 ढालें	19वी	
1671 यात्रा वर्णन	,,	3	25×12×14×35	,, 48 छद	19वी	साथ मे मुहपत्ति पडिलेहण स्तवन
मदिर मूर्ति वृत	स	9	30×15×14×23	,,	19वी	
3 लोक का श्रावको का वर्णन(उपासक दशाक वाले)	मा	3	13×11×13×13	,, 32 गा	18वी	
तीर्थंकर देशना व्यवस्था	प्रा	3,3	26×11व27×12	,, 30 ,,	19वीं	
,,	,,	4	27×12×20×45	,, 24 ,,	1850	अतिम 2 पन्ने अन्य हैं
,,	,,	5*	25×11	,, 13 ,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
166	डू-435	समोवसरण विधान	Samovasarana Vıdhāna	प हीरानद	पद्य
167	लो-412	,, ,,	,, ,,	—	,,
168	त-260	समोवसरण	Samovasarana	—	ग तालिका
169	लो-212	सर्व जीवाल्प वहुत्व स्तवन	Sarva Jīvālpa bahutva Stavana	अभयदेव	मू ट
170	था-364	समूर्छिम मनुष्य	Sammūrchıma Manusya	—	,,
171	डू-837	सातवी नरक का नक्शा	Sātavīn Naraka kā Nakśā	—	नक्शा
172	था-402	सात समुद्घात वृत्तांत	Sāta Samudghāt Vṛtanta	—	गद्य
173	डू-743	सूतक व असज्झाय काल	Sūtaka & Asajjhāya Kāla	—	,,
174–5	त-239,816	सोलह स्वप्न विचार 2 प्रति	Solaha Svapna Vıcāra 2 Copıes	—	पद्य
176	लो-703	,, —	Solaha Svapna Vıcāra	—	मू ग
177	लो-547	सोलह स्वप्न सज्झाय	Solaha Svapna Sajjhāya	ऋषि जयमल	पद्य
178	त-420	हरिवश कुल विचार	Harı Vanśa Kula Vıcāra	—	गद्य

भाग–5 जैनेतर धार्मिक —

1	2	3	3 A	4	5
		विभाग (अ) वेद NIL ×			
		विभाग(आ)वेदाङ्ग NIL ×			
		विभाग (इ) स्मृति :–			
1	था-307	ग्रह पूजा व ग्रह शाति	Graha Pūjā & Graha Śāntı	अन्य भद्रबाहु	पद्य
2	त-756	तुलसी पूजा विधि सह	Tulsīpūjā with Vıdhı	—	मू प ग
3	त-358	नवग्रह स्तोत्र	Navagraha Stctrā	कवि शकर	पद्य
4	त-953	शनि कथा	Śanı Kathā	—	,,
5	लो-423	शनिश्चर कथा	Śanıścara Kathā	—	पद्य
6	त-854	शनिश्चर छद-दो	,, Chanda-2	1 छद हेमकृत	,,
7	त-961	शनि स्तोत्र व जाप	Śanı Stotra & Jāpa	स्कन्द पुराण	,,
		विभाग (ई) इतिहास व पुराण –			
1	लो-447	एकादशी महात्म्य	Ekādaśi Mahātmya	(पुराणों से)	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर दरोना व्यवस्था	मा	18	29 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 304 छद	1725	
,,	,,	4	26 × 12 × 12 × 38	अपूर्ण 65 गाथा	19वी	
24 दडको मे वादी प्रकार	,,	5	27 × 12	प्रतिपूर्ण	19वी	
लोक स्वरूप	प्रा मा	3	27 × 13 × 5 × 43	सपूर्ण 20 गाथा	19वी	
मनुष्य का शरीर विज्ञान	,,	1	26 × 12 × 8 × 32	,,	19वी	
अतरिक्ष भूगोल	मा	1	27 × 12	,,	19वी	
जीव क्रिया विज्ञान	,,	1	26 × 11 × 12 × 43	,,	19वी	
काल प्रावधान	,,	3	26 × 12 × 13 × 17	,,	19वी	सामान्य
चदगुप्त जीवन प्रसग स्वप्न वृतात	,,	4,2	22 × 11व26 × 11	,, 36/27 गा	1884/20वी	
,,	प्रा	2	26 × 11 × 14 × 37	,,	19वी	
स्वप्न निमित्तफल (चद्रगुप्त के)	मा	4*	22 × 13 × 14 × 30	,, 45 पद	19वी	
इतिहासयादव वशका	,,	7	27 × 12 × 16 × 42	,,	19वी	

विभाग (अ) से (औ) तक

6	7	8	8 A	9	10	11
9 ग्रहो की स्तुति व शाति पाठ	म	1	190 × 18रॉल	सपूर्ण	1684	
तुलसी पौधे की भक्ति	,,	2	27 × 13 × 18 × 35	,,	1796	
ग्रह भक्ति	मा	5*	26 × 13 × 14 × 41	,,	19वीं	
,,	,,	3*	26 × 12 × 15 × 36	,, 32 छद	19वी	
ग्रह महात्म्य भक्ति कथा	,,	4	25 × 13 × 13 × 31	,,	19वी	
,,	,,	2	27 × 13 × 13 × 43	,, 16+16 छद	19वी	
,,	स	3	21 × 10 × 13 × 37	,, 61+11 श्लोक	19वी	
इग्यारस व्रत महिमा	मा	16	26 × 11 × 14 × 41	अपूर्ण काती से अपाढ वद 11	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
2	व उ गु-15	कृष्णादि अवतार गाथायें	Kṛsnādı Avatar Gāthāyen	माधोदास	गद्य
3	,,	गीतासार	Gītā Sāra	—	,,
4	लो-525	दुर्गापाठ	Dūrgā Pātha	मारकण्डेय पुराणे	,,
5	लो-571	भगवद् गीता	Bhagavad Gītā	वेद व्यास	,,
6	लो-284	,, ,, टीका सह	,, (with tıkā)	,, /श्रीधर	मू टी (प ग)
7–8	लो-290,273	मन्वन्तरदेवी महात्म्य दो प्रति	Manvantar Devı Mahātmya 2 copies	माकण्डेय पुराणे	पद्य
9	व उ गु -15	युधिष्ठिर यज्ञ	Yudhısthar Yajña	—	,,
10	,,	रामस्तवराज	Rāma Stava Rāj	—	,,
11	डू गु -47	रामाज्ञा	Rāmājñā	तुलसी कृत	,,
		विभाग (उ) दर्शन व न्याय -			
1	त-453	अध्यात्म विद्योपदेश (अवचूरिसह)	Ādhyātm Vıdyopadeśa (with Avacūrı)	श्रीमद् शकर	मू वा (प ग)
2-3	त-708,571	तर्क भाषा दो प्रति	Tarka Bhāṣā 2 copies	केशव मिश्र	गद्य
4	डू-864	,, ,,	,, —	,	,,
5-6	डू-893,872	तर्क सग्रह दो प्रति	Tarka Sangraha 2 copies	अन्न भट्ट	,,
7-8	डू-1099A 166	,, ,, दीपिका दो प्रति	,, Dīpikā 2 ,,	—	,,
9	डू-868	,, ,, फक्किका	,, Phakkıka	—	,,
10	मा-196	न्याय ग्रन्थ (अनुमान खण्ड)	Nyāyagrantha (Anumān Khanda)	गौतमात्मज कृति	,,
11	डू-870	न्याय प्रकरण	Nyāya Prakarana	शशधर मिश्र	,,
12	लो-648	प्रमाण मञ्जरी	Pramāna Manjarī	चक्रचूडामणि	,,
13	लो-649	,, , की व्याख्या	Pramāna Manjarī kı Vyākhyā	—	,,
14	लो-700	योग प्रकाश कुञ्जी	Yoga Prakāśa Kunjī	गरीबदास गिरी	पद्य
15	त-467	षट् प्रश्नी निर्णय	Sat Praśnī Nırnaya	हरदास निरजनी	,,
16	ना-568	सप्त पदार्थी	Sapta Padārthī	—	गद्य
17	डू-663	सरस्वती मस्तक टीका सह	Sarśvatı Mastaka with Tıkā	माधव, शिवादित्य	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
परसामयिक भक्ति	राज	11	13 × 11 × 10 × 17	सपूर्ण	1641	
,,	,,	12	13 × 11 × 12 × 15	,, 16 श्लोक	1641	
देवी स्तोत्र	स	12	27 × 12 × 14 × 40	अपूर्ण 6 अध्या	19वी	
कृष्ण अर्जुन सवाद	,,	55	21 × 11 × 10 × 30	सपूर्ण 18 अध्या	1667	
,,	,,	105	28 × 12 × 13 × 48	लगभग पूर्ण	18वी	सुख बोधिनी नाम्नी
देवी भक्ति	,,	19,11	26 × 12 × भिन्न2	सपूर्ण 13 अध्या	18/19वी	
परसामयिक भक्ति	,,	27	13 × 11 × 10 × 12	,, 120 श्लोक	1638	
,,	,,	11	13 × 11 × 12 × 15	,, 72 ,,	17वो	
राम चरित्र	मा	33	13 × 13 गुटका	,, 7 सर्ग	1852	
अध्यात्मिक वेदात शास्त्र प्रक्रिया	स मा	30	27 × 13 × 11 × 44	सपूर्ण	1767	
न्याय	स	28,31	27 × 12	,,	1668/18वी	
,,	,,	42	26 × 12 × 10 × 20	,,	20वी	
,,	,,	8,8	28 × 13व27 × 12	,,	1865/20वी	
,,	,	12,12	25 × 11	,,	1826/20वी	
,,	,,	18	26 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	13	26 × 11 × 21 × 50	,,	19वी	
,,	,,	29	26 × 12 × 21 × 87	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	11	24 × 11 × 13 × 36	,,	1470	
,,	,,	29	24 × 12 × 14 × 40	,,	1470	
योग सवधी	मा	4	27 × 11 × 11 × 34	,, 69 पद	20वीं	
आध्यात्मिक तात्त्विक	हि	44	27 × 12 × 13 × 52	,,	1771	
न्याय	स	10	20 × 10 × 11 × 29	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	27	27 × 12 × 16 × 53	सपूर्ण	1663	

1	2	3	3 A	4	5
		विभाग (ऊ) बौद्ध NIL ×			
		विभाग (ए) भक्ति -			
*1	त-488	चक्रेश्वरी अष्टक	Cakreśvarī Astaka	—	पद्य
2	त-247	त्रिपुरादेवी मन्त्र स्तोत्र	Tırıpurādevī Mantra Stotra	—	मू प ग
3	ट्-1362	दक्षिण मूर्ति स्तोत्र	Daksıṇa Mūrtı Stotra	शंकराचार्य	पद्य
4	ट्-1363	प्रज्ञा विवर्धन आदि स्तोत्र	Prajñāvıvardhanādı Stotra	—	,,
5	व उ गु -27	भक्ति रस सार	Bhaktī Rasa Sāra	जन गोपाल	,,
6	त-957	भगवती पद्म पुष्पाञ्जलि स्तोत्र	Bhagvatī Padma Puṣpān-jalī Stotra	कृष्ण कवि	,,
7	त-457	भवानी सहस्र नाम	Bhavanı Sahasranāma	शिव भावित	,,
8	त-864	भवानी सहस्र नाम स्तवन	Bhavanī Sahasranāma Stavana	—	,,
9	त-737	भुवनेश्वरी वृहत स्तोत्र	Bhuvaneśvarī Bṛhat Stotra	श्रीधर पृथ्वीधर	,
10	त-436	मणिभद्र छंद	Maṇıbhadra Chanda	उदय कुशल	,,
11	त-781	,, ,,	,,	—	,,
12	त-486	विष्णु सहस्र नाम	Vısṇu Sahasranāma	महाभारत शांतिपर्व	,,
13	त-566	,, ,, टीका सह	Vısnu Sahasranāma with Tikā	महादेव ऋषि	मू ट (प ग)
14	ट्-1361	शिव स्तुति	Śıva Stutı	—	पद्य
15	त-851	सरस्वती छंद	Sarsvatī Chanda	शांत कुशल	,,
16	त-862	सरस्वती त्रिपुरा लघु स्तोत्र	Sarsvatī Trıpurā Laghu Stotra	लघ्वाचार्य	,,
17	ट्-680	,, ,, ,, (अर्थ सह)	Sarsvatī Trıpurā Laghu Stotra (with Artha)	,,	मू वा (प ग)
*18	त 488	सरस्वती त्रिपुरा लघु स्तोत्र	Sarsvatī Trıpurā Lāghu Stotra	—	पद्य
*19	त-488	सरस्वती स्तवन	,, Stavana	—	,,
*20	त-488	सरस्वती स्तोत्र	, Stotra	—	,,
21	त-845	,, ,,	,, ,,	विष्णु भट्ट सूरि	,,
22	त-834	सरस्वती स्तोत्र पुष्पाञ्जली	,, ,, Puspānjalı	—	,,
23	त-958	सरस्वती स्तोत्र व छंद	,, ,, & Chanda	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
देवी स्तुति	स	15*	26 × 12 × 10 × 23	सपूर्ण 9 श्लोक	1904	
देवी भक्ति स्तोत्र	स मा.	5	22 × 11 × 14 × 30	,, विधि सह	1767	
भक्ति स्तोत्र	स	6	24 × 12 × 6 × 20	,, 16 श्लोक	19वीं	
भक्ति स्तोत्र सरस्वती महादेव स्तोत्र	,,	5	23 × 12 × 6 × 19	,, 21 ,,	19वीं	
परसामयिक भक्ति	हि	98	13 × 8 × 7 × 10	,, 284 गा	19वी	
देवी भक्ति	म	3	25 × 12 × 11 × 38	,, 24 श्लो	1855	
,, नामस्मरण	,,	8	25 × 12 × 16 × 46	,, 259 श्लो	1824	
,, ,,	,,	2	27 × 12 × 26 × 75	,, 198 ,,	20वी	
,, स्तोत्र	,,	10	25 × 11 × 14 × 50	,, 42 ,,	1840	
क्षेत्र देवता भक्ति	मा	2	26 × 12 × 11 × 37	,, 26 गा	1922	
,,	,,	2	27 × 12 × 12 × 28	,, 16 ,,	20वीं	
नाम स्मरण भक्ति	स	13	23 × 10 × 8 × 28	,, 149 श्लो	19वी	
,,	,,	41	27 × 12 × 15 × 41	,,	19वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	3	24 × 12 × 6 × 21	,, 6 श्लो	19वीं	
वागूदेवी भक्ति	हि	2	26 × 14 × 15 × 42	,, 33 छद	20वीं	
विद्यादेवी भक्ति	म	15*	26 × 12 × 10 × 23	,, 6 श्लो	1904	
,,	स मा	9	26 × 12 × 3 × 32	,, 21 ,,	1837	अपर नाम त्रिपुरा स्तोत्र
,,	स	15*	26 × 12 × 10 × 23	,,	1904	
,,	,,	15*	26 × 12 × 10 × 23	,, 15 श्लो	1904	
,,	,,	15*	26 × 12 × 10 × 23	,,	1904	
,,	,,	2	24 × 12 × 10 × 22	,, 13 श्लो	20वीं	
विद्यादेवी भक्ति साथ में शनि छद	स मा	2	26 × 12 × 15 × 38	,, 9 + 12 + 16 छद	1796	
विद्यादेवी भक्ति	,,	3	27 × 11 × 11 × 34	,, 13 + 14 + 14 पद	1851	

1	2	3	3 A	4	5
24	त-524	सुन्दर विलास	Sundara Vılāsa	सुन्दरदासजी	पद्य
25	डू-987	सूर्योदय	Sūryodaya	—	प ग
26	त-770	सूर्य स्तोत्र	Sūrya Stotra	—	
27	डू-659	सौन्दर्य लहरी	Saundarya Labarī	शकराचार्य	मू टी (प ग)
28	त,गु 14	स्वस्ति वाचन	Svastı Vācana	दान महोक्त	पद्य
29-30	डू-850,1353	हरि रस दो प्रति	Harı Rasa 2 Copıes	ईसरदास चारण	,,
31	लो-604	,,	,, —	,,	,,
32	त-1023	स्फुट लघु ग्रथ व त्रुटक पन्ने भजनादि	Sphuta Laghu Grantha & Trutaka Panne	भिन्न 2	ग प
		विभाग (ऐ) तन्त्र			
1	डू-1349	चडी कवच	Candī Kavaca	—	पद्य
2	त-490	भैरव कवच अष्टोत्तर शत मूल मन्त्र	Bhaırava Kavaca Astottarśat Mūlmanta	भैरव तन्त्रे	,,
3	त-847	भैरव स्तोत्र बीज मन्त्र सह	Bhaırava Stotra with Bıjamantra	—	,,
4-5	डू-234 A-B	सरस्वती मत्र कल्प दो प्रति	Sarsvatī Mantra Kalpa , 2 Copıes	मल्लिषेण	गद्य

भाग 6

1	2	3	3 A	4	5
1	डू-352	आपदुद्धार वकटनाथ स्तोत्र व मत्र	Āpadudhāra Bantaknath Stotra & Mantra	—	ग प.
2	डू-28	ऋषिमडल यत्रस्य लेखन	Rsımandal Yantrasya Lekhanaın	सिह तिलक सूरि	पद्य
3	त-849	छत्तीस मत्र	Chattısa Mantra	—	ग मत्र
4	डू-227	चितामणी, मायाबीजाक्षर, धरणेन्द्र स्तोत्र	Cıntāmanı, Māyābıjāıksar Dharnendra Stotra	—	पद्य
5	त 848	ज्वालामालिनि मत्र विधि सह	Jvālāmālını Mantra with Vıdhı	—	ग प
6	त-146	तान्त्रिक कल्प	Tāntrika Kalpa	—	गद्य
7	त-806	ताप ज्वर छद + शुकन	Tāpa Jvara Chanda + Śukana	प्रेम विजय	पद्य
8	त-857	पद्मावती स्तोत्र	Padmāvatī Stotra	—	,,
9	डू-28	परमेष्ठी मत्र कल्प	Parmeṣthī Mantra Kalpa	सिह तिलक सूरि	,,
10	त-350	पचमुखी हनुमान कवच	Pancamukhī Hanumāna Kavaca	—	ग मत्र

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक व भक्ति पद	हि	28	21 × 14 × 12 × 27	सपूर्ण	1895	
सूर्य स्तुति	स	7	25 × 12 × 11 × 36	,, 42+25श्लो+गद्य	19वी	
,,	,,	2	16 × 10 × 9 × 22	,, 16 श्लो.	19वी	
वेदान्त धर्मोपदेश	,,	53	28 × 13 × 12 × 50	,, 103 श्लो	19वी	
ब्राह्मण दान सुपात्रता फल	,,	5	17 × 11 × 9 × 24	लगभग पूर्ण	1801	चौथा पन्ना कम
हरि भक्ति	मा	10,6	26 × 11व26 × 12	स 116/156 छद	19वी	
,,	,,	9	24 × 11 × 13 × 44	सपूर्ण	20वी	
परसामयिक विविध	स मा	53*	25से27 × 11से12	सकलन	18/20वी	कुल 29 पन्ने
देवी नाम स्मरण	स	6	21 × 11 × 9 × 18	अपूर्ण 48 श्लो	20वी	
भैरव भक्ति, भैरव सहस्र नाम सह	,,	9	21 × 11 × 12 × 35	सपूर्ण 215 श्लो	1886	
भैरव भक्ति	,,	2	26 × 13 × 11 × 38	,, 17 ,,	1931	
वागू देवी भक्ति	,,	2,1	28 × 12व27 × 13	सपूर्ण	1984/20वी	

मन्त्र तन्त्र यन्त्र

6	7	8	8 A	9	10	11
आपत् मत्र व स्तोत्र	स.	5	24 × 13 × 14 × 31	सपूर्ण	19वी	
मत्र तत्र विधि सह	,,	215	26 × 11	,, 117 श्लो	1843	
विभिन्न मत्र	,,	2	26 × 13 × 7 × 26	,, 36 मत्र	1910	
मन्त्र स्तोत्र	,,	15	14 × 10 × 7 × 11	,, 3 स्तोत्र	19वी	
मत्र तत्र	,,	2	26 × 12 × 12 × 26	,,	19वी	
तान्त्रिक योग	मा	9	28 × 13 × 15 × 41	,,	1892	छठा पन्ना कम है
बुखार के लिये मत्र	,,	2*	29 × 13	,,	19वी	
मान्त्रिक स्तोत्र	स	2	26 × 12 × 14 × 55	,, 27 श्लोक	1851	
भक्ति मत्र	,,	77	27 × 12	,, 77 ,,	1843	
,,	,,	4	27 × 11 × 10 × 29	,,	1925	

1	2	3	3 A	4	5
11	डू-1350	पचागुलि, सहस्रनाम, बीज मत्र	Pancagulı, Sahasranāma Bıjamantra	—	पद्य
12	डू-416	मन्त्र काव्य	Mantra Kāvya		गद्य
13	डू उ-17	मन्त्र तन्त्र ग्रन्थ	Mantra Tantra Grantha	—	ग प यत्र
14	डू-588	मन्त्र पत्र	Mantra Patra	—	ग प
15-6	डू-45,28	मन्त्र राज रहस्य 2 प्रति	Mantra Rāja Rahasya 2 Copıes	सिह तिलक सूरि	,,
17	डू-38	मायावीज कल्प वर्द्धमान विद्या	Māyābījakalpa Vardhamāna Vıdyā	भद्र गुप्त	गद्य
18	था-235	यन्त्र पत्र	Yantra Patra	—	यन्त्र
19	डू-28	वर्धमान विद्या यत्र लेखन	Vardhamāna Vıdyā Yantra Lekhanam	सिह तिलक सूरि	पद्य
20-4	त-319,171 241,242, 841	वसुधारा 5 प्रति	Vasudhārā 5 Copıes	—	ग प
25-8	डू-70B,799, 82,238B	,, 4 ,,	,, 4 ,,	—	,,
29-32	लो-229,233 422,692	,, 4 ,,	,, 4 ,,	—	,,
33-4	था-227,320	,, 2 ,,	,, 2 ,,	—	,,
35	था-109	,, —	,, —	—	,,
36	लो-531	,, भाषा	,, Bhāsā	—	प ग
37	था-353	,, —	,, —	—	,,
38	डू-1261	वशीकरण तन्त्र नुस्खे	Vaśikaraṇa Tantra Nuskhe	—	गद्य
39	था-15	विजय यन्त्र	Vijaya Yantra	—	अ क
40	डू-543	विजय यन्त्र महात्म्य एव विधि (टीका सह)	Vıjaya Yantra Mahātmya & Vidhı (with Tıkā)	—	मू टी
41	डू-995	सिद्धचक्र यत्रोद्धार (व्याख्या सह)	Sıdha Cakra Yantrodhāra (with Vyākhyā)	रत्न शेखर/चद्र कीर्ति	मू व्या
42	डू-233	सूर्य कल्प	Surya Kalpa	—	ग
43	त-1023	मत्र तत्र स्फुट पन्ने लघु ग्रथ	Mantra Tantra Sphuta Panne Laghu Grantha	मिश्र 2	ग प

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध मन्त्र कल्प यन्त्र	स	12	27 × 13 × 13 × 52	त्रुटक	19वीं	
मन्त्र तन्त्र	,,	6	17 × 13 × 11 × 23	सपूर्ण	19वीं	
वशीकरण मन्त्र विधि	स मा	11	31 × 15 × 18 × 24	,,	1930	
मन्त्र तन्त्र	स प्रा मा	1	26 × 12 × 15 × 42	,,	19वीं	
मन्त्र विद्या व विधि	स प्रा	23,43*	26 × 11 × 15 × 45 (12)	,, ग्र 800	16वी/1843	
मन्त्र शास्त्र	स	43	21 × 9 × 9 × 32	,,	1499	मन्त्र द्वात्रिंशिका सह
मन्त्र तन्त्र	प्रा स	2	32 × 13व27 × 14	,, 2 मन्त्र	18वीं	
सपूर्ण 3 अधिकार लेखन विधि	स	77	27 × 12	,, 96 श्लोक	1843	
मन्त्र स्तोत्र	,,	8 6,4,4,2	25से27 × 11से12	,,	1675/1852	बौद्ध आम्नाय
,,	,,	5,6,6,6	25से27 × 10से12	,,	1637/1880	,,
,,	,,	10,6,6,10	21से27 × 12से13	,,	19वी/1943	,,
,,	,,	7,2	30 × 11व24 × 11	,,	1694/1724	,,
,,	,,	4	26 × 12 × 17 × 45	,,	19वी	,,
,,	मा	22	27 × 13 × 7 × 20	,,	19वी	,,
,,	,,	1	27 × 12 × 13 × 54	,,	19वी	,,
पुरुष स्त्री वशीकरण व औषधियें	,,	10	14 × 9 × 23 × 16	,,	19वी	
मन्त्र यन्त्र	प्रा स	1	35 × 15	,,	19वीं	
,, ज्योतिष	स मा	4	26 × 12 × 12 × 40	,,	19वी	
यन्त्र स्थापना मन्त्र	प्रा स	2	27 × 12 × 17 × 55	,, 12 गाथा	1852	श्रीपाल चरित्रे
मन्त्र भक्ति	मा स	1	26 × 11 × 7 × 26	,,	19वी	
मन्त्र तन्त्र	स मा	53*	25से27 × 11से12	सकलन	18/20वी	कुल पत्रे 22

1	2	3	3 A	4	5
1	त-739	अचलदास खिची की वार्ता	Acaladāsa Khıncī kı Vārtā	—	गद्य
2	त-491	अन्योक्ति बावनी	Anyoktı Bāvanī	विनय कवि	पद्य
3	ट्र-582	ऋतु वर्णन	Rtu Varṇana	कालीदास	,,
4	ट्र-899	एक काव्य के भिन्न भिन्न अर्थ	Eka Kāvya ke bhınn bhınn Artha	—	गद्य
5–6	ट्र-191, गु 24	कवित्त 2 प्रति	Kavıtta 2 Copıes	देवीदास	पद्य
7	त-872	,, सग्रह	,, Sangraha	—	,,
8	जो-404	,, ,,	,, ,,	—	,,
9–11	ट्र-1016,1015 649	किरातार्जुनीय 3 प्रति	Kırātārjunīya 3 Copıes	भारवि	मू प
12	त-1072	,, —	,, —	,,	,,
13	ट्र-1018	,, की वृत्ति	,, kī Vṛttı	वल्लभ	गद्य
14	ट्र-220+80	,, की लघु वृत्ति	,, kī Laghu Vṛttı	भट्ट नृसिंह	,,
15–7	ट्र-1125,1123 684	कुमार सभव 3 प्रति	Kumāra Sambhava 3 copıes	कालीदास	मू प
18-9	ट्र-567,1139	,, (टीका सह) 2 प्रति	Kumāra Sambhava (with Tıkā) 2 Copıes	,, /–	मू वृ (प ग)
20	ट्र-49	,, की वृत्ति	Kumāra Sambhava kī Vṛttı	लक्ष्मी वल्लभ	गद्य
21	जो-402	,, —	,, —	कालीदास	पद्य
22-3	ट्र गु 2,244	केशव बावनी 2 प्रति	Keśava Bāvanī 2 Copıes	केशवदास	,,
24	त-1023ड	खुमाणसिंह का बारहमासा	Khumāṇasınha kā Bārahamāsā	—	,,
25	त ट गु 22	गजल फाग बारहमासा	Gajala Phāga Bārahamāsā	महिमा समुद्र	,,
26	ट्र गु 17	गादी कविता व पद्य सग्रह	Gādı Kavıta & Padya Sangraha	मखन भिमनिया गिरधर आदि	,,
27	ट्र-15	गांगा तेली कथा	Gāngā Telī Katha	—	गद्य
28	त-906	,,	,,	—	,,
29	जो-346	,,	,,	—	,,
30	त-1273	गीत गोविंद	Gıta Govında	जयदेव	पद्य
31	त-731	गोरा बादल चौपई	Gorā Bādal Caupaı	वाचक हेमरत्न	,,
32	ट्र-813	घट सर्प	Ghata Sarpa	कालिदास	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक प्रसग	मा	9*	23 × 12 × 16 × 38	सपूर्ण	19वी	
साहित्य पद्य काव्य	,,	8	25 × 12 × 12 × 41	,, 62 छद	1812	
साहित्यिक	म	2	26 × 12 × 11 × 44	ग्रपूर्ण प्रथम सर्ग (ग्रीष्म)	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 16 × 48	सपूर्ण	19वीं	घटोत्कच ने भीम को कहा दोहा
राजनैतिकादि	मा	23,2	21 × 11व33 × 19	,, 122/37 कवित्त	19वी	
साहित्यिक	,,	2	22 × 11 × 8 × 22	,, 6 छद	19वी	
,,	,,	13*	25 × 12 × 16 × 38	,,	19वी	
,,	स	47,45 23	24से26 × 10 × 11	प्र 2 पूर्ण 18 सर्ग ग्रति ग्रपू	1672/1879	
,,	,,	24	27 × 12 × 12 × 35	ग्रपूर्ण 7 मर्ग तक	20वी	
,,	,,	110	26 × 10 × 16 × 57	सपूर्ण 18 सर्ग	17वी	
,,	,,	101	26 × 12 × 19 × 60	,, 18 ,,	18वी	
,,	,,	27,48, 31	25से26 × 10से12	प्र 2 मातवें सर्ग तक, तृ स 8 सर्ग	1761/20वी	
,,	,,	42,11	27 × 12व26 × 11	प्र 7 वें सर्ग तक, द्वि त्रुटक	17/18वी	
,,	,,	71	26 × 11 × 15 × 36	7 वें सर्ग तक	1826	
,,	,,	8	26 × 12 × 14 × 45	ग्रपूर्ण $2\frac{1}{2}$ सर्ग	20वी	
,,	हि	गु 5	13 × 11व26 × 12	मपूर्ण 61/52 सवैये	1816/20वी	
पति पत्नि विदाई	मा	1	21 × 9 × 15 × 40	,, 25 दोहे	1856	
शृ गार व विरह गीत	,,	9	15 × 10 × 11 × 24	स 48+33+14 गा	19वी	(राजुल जीनन पर)
साहित्यिक शृ गार +समस्या पूर्ति	स मा	2+	21 × 15 गु	म 505 श्लोक पद	1930	
राणाभोज से सवधित लोकवाणी	स	2	25 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	2	26 × 12 × 15 × 37	,,	19वीं	
,,	,,	5*	27 × 13	,, 1 पन्ना मात्र	20वी	
साहित्यिक भक्ति काव्य	म	13	26 × 11 × 15 × 48	ग्रपूर्ण 11 वें सर्ग तक	19वी	
ऐतिहासिक जीवन प्रसग	मा	28	26 × 12 × 14 × 39	मपूर्ण 655 गाथा	1752	
साहित्यिक	स	2	25 × 11 × 9 × 35	,, 22 श्लोक	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
33	त-471	चाणक्य राजनीति शास्त्र	Cānakya Rājanīti Śastra	चाणक्य	पद्य
34-5	डू-346,187	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
36	लो-336	,, —	,, —	,,	,,
37	त-727	,, —	,, —	,,	मू ट (प ग)
38	डू-226	,, —	,, —	,,	,,
39	डू-894	,, (बालवबोध सह)	Cāṇakya Rājanīti Śastra (with bālāvabodha)	,,	मू बा (प ग)
40	लो-500	चिड़िया का व्याह व अगगोस	Cıdıyā kā Vyāha &Agagosa	—	पद्य
41	लो-444	जगदेव परमार की वात	Jagdeva Parmār kī Bāta	—	गद्य
42	भा-194	जगसिंह यशासि महाकाव्य	Jagasınha Yaśāsı Mahā-kāvya	भट्ट मदन	पद्य
43	डू-64	जैन कुमार सभव की वृत्ति	Jaın Kūmara Sambhava kī Vṛttı	—	गद्य
44	डू-675	ढोला मारवण की चौपाई	Dholā Mārvaṇa kī Caupaı	वाचक कुशल	पद्य
45	डू गु 12	,,	,,	,,	,,
46	व उ गु -28	,,	,,	—	,,
47	डू गु -13	ढोला मारु की वात	Dholā Mārū kī Bāta	—	,,
48	डू-1115B	तम्बाखू निवारण स्वाध्याय	Tambākhū Nıvāraṇa Svādhyāya	—	,,
49	डू गु -31	तौले भोले का श्लोक	Taule bhole kā Śloka	सेवग जयराज	,,
50	त 824	थली का व्याख्यान	Thalī kā Vyākhyāna	—	,,
51	डू-188	दोहा बावनी	Dohā Bāvanī	कविराज	,,
52	डू गु -13	दोहा सग्रह	,, Sangraha	—	,,
53	त गु -6	दपत्ति विनोद वार्ता	Dampattı Vınoda Vartā	—	ग प
54	लो-225	नसीयत नामा	Nasīyata Nāmā	—	गद्य
55	लो-280	,,	,,	लुकमान हाकिम	,,
56	लो-253	नीति व श्रृगार शतक	Nitı va Śrangāra Śataka	भर्तु हरि	पद्य
57	डू-1251	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
58	डू-634	नैषधीय चरित्र	Naiṣadhīya Carıtra	श्री हर्ष	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
राजनीति	स.	10	27 × 12 × 8 × 55	सपूर्ण 8 अध्याय	1813	
,,	,,	10,14	25 × 11व21 × 11	,, 8 ,,	1854/20वीं	
,,	,,	14	26 × 12 × 5 × 28	अपूर्ण	19वी	
,,	स मा	13	26 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 8 अध्याय	1815	
,, आदि	,,	28	26 × 12 × 5 × 27	,, 16 ,,	19वी	
,, ,,	,,	9	23 × 12 × 5 × 25	अपूर्ण	19वी	
साहित्यिक	मा	2	27 × 12 × 14 × 40	स 30+23 पद	19वी	
ऐतिहासिक वार्ता	,,	26	26 × 11 × 16 × 40	सपूर्ण	1879	
समस्या रूपिणी साहित्यिक	स	22	25 × 11 × 3 × 33	अपूर्ण तीसरा सर्ग अधूरा	19वी	
साहित्यिक	,,	29	25 × 10 × 15 × 58	,, 5 सर्ग 13 काव्य तक	18वी	
प्रसिद्ध लोक कथा	मा	21	25 × 11 × 7 × 40	सपूर्ण 975 ग्र	19वी	
,,	,,	गु	12 × 11	त्रुटक 672 गा	19वी	
,,	डि	53	17 × 13 × 12 × 27	अपूर्ण 673 गा.	19वी	
,,	मा	गु	16 × 23	सपूर्ण 400 गा.	19वी	
व्यसन निवारक पद	,,	4	15 × 6 × 6 × 18	,, 17 ,,	19वी	
साहित्यिक	,,	गु	17 × 11	,, 37 ,,	1905	1899 की कृति
मरुस्थल की प्रशसा	,,	2	25 × 12 × 12 × 30	,, 24 ,,	19वी	
नैतिक दोहे	,,	8*	25 × 11 × 10 × 32	,, 52 दोहे	19वी	
शृ गारिक दोहे	,,	गु	16 × 23	,, 212 ,,	19वी	
साहित्यिक	,,	गु	22 × 14	,, 32 कथायें	19वी	
लौकिक हित शिक्षा	,,	5	29 × 13 × 9 × 31	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	11	26 × 13 × 9 × 26	,,	19वी	
साहित्यिक नैतिक	स	19	28 × 13 × 7 × 44	,, 104+102 श्लो	19वी	
,,	स मा	22	27 × 13 × 5 × 37	अपूर्ण 108 + 58 (शृ) श्लो	19वी	
जीवन चरित्र	स	87	27 × 11 × 15 × 57	सपूर्ण	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
59	त-1267	नैषधीय चरित्र की दीपिका	Naisadhīya Caritra kī Dīpikā	—	गद्य
60	लो-495	नंद बत्तीसी	Nanda Battīsī	नरपति कवि	पद्य
61	लो-647	पक्षी विवाह	Paksī Vivāha	—	,,
62	लो-281	पार्थ व पराक्रम नाटक	Pārtha va Parākrama Nātaka	—	ना
63	डू-975	पंच सायक	Panca Sāyaka	शेखर ज्योतिश्वर	पद्य
64	डू-1219	पंचाख्यान (हितोपदेश) बालावबोध	Pancākhyāna (Hitopadeśa) Bālāvabodha	मूल विष्णु शर्मा कृत	गद्य
65	डू गु-13	पाँच सहेलियों की वात	Pānca Saheliyon kī Bāta	छींहल कृत	पद्य
66	डू गु-13	पूंगलगढ की वात	Pūngalagaḍha kī Bāta	—	,,
67	भा-195	प्रश्नोत्तरैक षष्टिशतक काव्य वृत्ति सह	Praśnottaraika Ṣastiśatak Kāvya with Vrtti	—	मू वृ (ग)
68	डू-833B	प्रस्ताविक कुंडलिया बावनी	Prastāvika Kundaliyā Bāvanī	धर्मसी	पद्य
69-70	लो 593 गु 678	,, पद्य दोहा संग्रह 2 प्रति	Prastāvika Padya Dohā Sangraha 2 Copies	उदेराज सुदरादिसकलन	,,
71	डू गु 48	,, पद्य संग्रह	Pras'āviva Padya Sangraha	सकलन	,,
72-3	डू-17,228	फूलजी फूलमती वार्ता 2 प्रति	Phūlajī Phūlamatī Vārtā 2 Copies	—	,,
74	लो-376	बहेली मा की वात	Bahelī Mān kī Bāta	फिरोजशाह गढ गजली	गद्य
75	ब उ गु 24	,, की वार्ता	,, kī Vārtā	—	,,
76	डू गु 21	बिक मार्तण्ड भाषा	Bika Mārtanda Bhāsā	—	,,
77	लो-4,8	बूढा चरित्र	Būdhā Caritra	चंद	पद्य
78	डू गु 38	,,	,,	चंद परतिम	,,
79	लो-265	वेलि क्रिसन रुकमणिरी	Beli Kisana Rukmanirī	पृथ्वीराज कृत	,,
80	त-1163	,,	,,	,,	,,
81	ब उ गु 8	,,	,,	,,	,,
82	लो गु 665	वैताल पच्चीसी	Baitala Paccīsī	—	गद्य
83	त-929	भोगल पुराण 4 युग वर्णन	Bhogala Purāna 4 Yuga Varnana	—	,,
84	डू-181B	मजलिस	Majalisa	—	पद्य
85	डू-422	मधुमालती चौपई	Madhu Malatī Caupaī	कायस्थ चतुर्भुजदास	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन चरित्र	स	71	26 × 11 × 14 × 48	त्रुटक	17वी	
राजा की कथा	मा	5	26 × 12 × 16 × 52	सपूर्ण 144 छद	19वी	नद यशोदा या मगध वश से अन्य
साहित्यिक	,,	6	23 × 11 × 10 × 23	,, 36 गाथा	19वी	ाथ मे अपूर्ण पार्श्व निशानी
,, नाटक	स	15*	26 × 11 × 12 × 40	त्रुटक	20वी	
रति व शृगार विषयक	,,	25	25 × 12 × 13 × 47	सपूर्ण 5 सायक	19वी	
5 भाग-मित्र लाभादि	मा	80	26 × 11 × 15 × 60	सपूर्ण	1827	
प्रेम कथा	,,	4	16 × 23	,, 66 गाथा	19वी	1575 की कृति
ऐतिहासिक वृत्तात	,,	गु	16 × 23	अपूर्ण 110 छद	19वी	
साहित्यिक	स	17	26 × 11 × 22 × 53	,, 158 प्रश्नोत्तर	19वी	अतिम पन्ना कम है, (र्ण मे 160 प्रश्नोत्तर
,, पद्य	मा	17*	26 × 12	सपूर्ण 57 छद	1874	
स्फुट दोहे कुडलियादि	,,	6 गु	17 × 12	प्रतिपूर्ण	19/20वी	
समस्या पूर्ति बारह-मासादि	,,	30	13 × 13गु	त्रुटक	19वी	
प्रेम कथा	,,	गु 18	21 × 15व27 × 13 18 × 24	स 216 पद्य + गद्य	1930/20वी	दूसरी प्रति मे 12 अन्य पन्ने हैं
लोक कथा	,,	24*	26 × 12 × 17 × 48	स 61 अनुच्छेद	20वी	
,,	हि	45	15 × 12 × 18 × 17	अपूर्ण	19वी	
हठ योग	मा	15	16 × 12 × 16 × 28	सपूर्ण	20वी	
वृद्ध विवाह पर सामाजिक व्यग	,,	5	26 × 12 × 14 × 32	,, 22 ढाल	1883	
,,	,,	7	16 × 13गु	,,	1899	
साहित्यिक	,,	12	27 × 12 × 13 × 57	,, 305 गाथा	18वी	1537 की कृति
,,	,,	23	27 × 12 × 13 × 45	अ 85 से 301 तक	19वी	
कृष्ण रुक्मणि प्रसग	डि	27	15 × 12 × 12 × 25	सपूर्ण	1815	
लोक कथायें	मा	गु	17 × 14	सपूर्ण 25 कथायें	19वी	
साहित्यिक	,	3	26 × 11 × 16 × 51	सपूर्ण	19वी	
,,	हि	2	26 × 11 × 15 × 44	,,	1847	
महाकाव्य शृगार रस प्रधान	मा	105	24 × 15 × 14 × 25	,,	1600	

1	2	3	3 A	4	5
86	डू-801	महा नाटक	Mahā Nātaka	हनुमत्	नाटक
87	व उ गु 8	महाराज जसवतसिंहजी वचनिका	Mahārāja Jasvantasinha Vacanikā	खडियो जगो	पद्य
88	त-473	,, रतनिजी ,,	Mahārāja Ratanıjī kī Vacanikā	राठौड़ महेशदास	,,
89	डू गु 2	माधव चरित्र	Mādhava Carıtra	जोशी जगन्नाथ	,,
90	डू गु 5	माधवानल चौपई	Mādhavānala Caupaī	कुशल लाभ	,,
91	डू-195	मिथ्याज्ञान (पाखड) खडन	Mıthyājñān (Pākhanda) Khandan	रविदास	नाटक
92–3	लो-261,293	मेघदूत 2 प्रति	Meghadūta 2 Copies	कालिदास	पद्य
94–7	डू-643,1014 1106,1122	,, 4 ,,	,, 4 ,,	,	,,
98	त-1210	,, —	,, —	,,	,,
99	डू-300A	,, की वृत्ति (कल्पलता)	,, kī Vṛttı (Kalpalatā)	—	गद्य
100	डू-300B	,, (व्याख्या सह)	,, (with Vyākhyā	कालिदास	मू वृ (प ग)
101	डू-1126	,, की सजीवनी वृत्ति	,, kī Sanjīvanī Vṛttı	मल्लिनाथ सूरि	गद्य
102	त-651	,, प्रथम श्लोकार्थ	,, Prathama Ślokārtha	समय सुन्दर	,,
103-4	त-673,565	रघुवश 2 प्रति	Raghuvanśa 2 Copies	कालिदास	पद्य
105–10	डू-883,1152 890 133 1047B,1019	,, 6 ,,	,, 6 ,,	,,	,,
111	ला-245	,, —	,, —	,,	,,
112–13	डू-884,886	,, की पजिका	,, kī Panjıkā	वल्लभदेव	गद्य
114	त-519	,, ,,	,, ,,	,,	,,
115	त-1053	,, की टीका	,, kī Tıkā	चरित्र वर्द्धन	,,
116	डू-306	,, की अर्थलापनिका वृत्ति	,, kī Arthā ā-panıkā Vṛttı	समय सुन्दर	,,
117	डू-624	रस मञ्जरी	Rasa Manjarī	भानुदत्त मिश्र	प ग
118	त-713	रसिक प्रिया	Rasıka Prıyā	केशवदास	पद्य
119	डू-1090	,,	,,	,,	,,
120	लो-291	रम्भा मञ्जरी नाम्नी टीका	Rambhā Manjarī Nāmnī Tika	नलिनिरत दिनकर	नाटिका

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक नाटक	स	32	27 × 11 × 15 × 37	सपूर्ण 14 अक	17वी	
ऐतिहासिक वार्ता	डि	25	15 × 12 × 12 × 25	,,	1815	रतन रासौ
वीर रस ऐतिहासिक	मा	9	27 × 12 × 18 × 50	,,	1769	
जीवन काव्य	,,	गु	13 × 11	,, 491 गा	1816	
,,	,,	गु	20 × 14	,, 550 गा	1727	
साहित्यिक	स	6	25 × 11 × 13 × 43	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	6,6	25 × 12व26 × 12	,, 125/123 श्लोक	1369-19वी	
	,,	11,12, 12,15	24से26 × 10से12	,, 125/127 ,,	1836/72	
,,	,,	8	27 × 12 × 10 × 45	अपूर्ण 26 से 125 तक	20वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 15 × 50	,,	16वी	
,,	,,	28	26 × 10 × 15 × 40	सपूर्ण 125 श्लो ग्र 1200	19वी	
,,	,,	51	24 × 10 × 13 × 31	,, 122 श्लो की	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 52	,, 3 अर्थ	1619	
,,	,,	48,70	31 × 12व27 × 12	,, 19/21 सर्ग2161 श्लो	16वी/1825	
,,	,,	86,62 87,21 12,25	25से27 × 11से12	प्र 3 पूर्ण, प्रति 3 अपूर्ण	1666/1716/ 19वी	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 45	त्रुटक	19वी	
,,	,,	133	25 × 12 × 15(16) × 56	सपूर्ण (65 + 68)	19वी	
,,	,,	12	27 × 13 × 26 × 61	अपूर्ण द्वि सर्ग तक	18वी	
,,	,,	156	27 × 11 × 15(17) × 66	,, 5 वें से 19 सर्ग तक	18वी	
,,	,,	89	26 × 10 × 18 × 50	18 सर्ग + 38 श्लोक तक	18वी	
श्रृ गार, नायक नायिकादि	,,	12	26 × 12 × 16 × 39	स 136 प गद्यानुच्छेद	1730	किंचित् टब्बार्थ सस्कृत मे
मुख्यत श्रृ गार रस	हि	34	28 × 13 × 16 × 43	सपूर्ण 16 प्रभाव	1839	
,,	,,	46	26 × 11 × 6 × 51	अपूर्ण	20वी	
साहित्यिक	स प्रा	10	26 × 11 × 15 × 53	अपूर्ण प्र 3 पन्ने नही	17वी	नयचद्र के मालती मधुकर की

1	2	3	3 A	4	5
121	लो-531	रामायण सार	Rāmayaṇa Sāram	अग्निवेश	पद्य
122	टू गु -13	राव रिणमल की वात	Rāva Riṇamāl kī Bāta	—	प ग
123	लो गु -665	रावल समरसी कौ सन्थापत	Rāvala Samarsī Kau Santhāpata	—	पद्य
124	लो गु -671	राव विसलदेव की कथा	Rāva Visaladeva kī Kathā	—	,,
125	टू-1096	लटक मेलक	Lataka Melakam	शखधर	नाटक
126	लो-281	,,	,,	,,	,,
127	टू-862A	वज्जा लग्ग	Vajjā Laggam	—	पद्य
128	टू-221	विशेष काव्य	Viśesa Kāvya	कालिदास	,,
129	टू-851	वृन्द सतसई	Vṛnda Satasaī	वृन्द	,,
130	लो-376	,,	,,	,,	,,
131	लो-736	वैराग्य शतक	Vairāgya Śataka	भर्तृहरि	,,
132	ग्रा-85	,,	,,	,,	,,
133–4	टू-1138,794	शतक त्रय 2 प्रति	Śataka Traya 2 Copies	,,	,,
135	त-626	,, —	,, —	,,	,,
136	लो-537	,,	,,	,,	,,
137	टू-852	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
138	त-1206	,,	,,	,,	,,
139	त-625	,, (वृत्ति सह)	,, (with Vṛtti)	,,/—	मू वृ (प ग)
140	टू गु -13	शाहजादा कुतुबुद्दीन की वात	Śahajadā Kutubaddina kī Bātā	—	प ग
141–2	टू-1017,882	शिशुपाल वध 2 प्रति	Śiśupāla Vadha 2 Copies	माघ	पद्य
143	टू-1119	,, (व्याख्या सह)	,, (with Vyākhyā)	माघ/मल्लिनाथ सूरि	मू वृ (प ग)
144	टू-1013	,, की टीका	,, kī Tikā	वल्लभदेव	गद्य
145	त-575	शृंगार तिलक	Śrangāra Tilaka	कालिदास	पद्य
146	लो गु -687	शृंगारिक पत्र व दोहे	Śṛngārika Patra Va Dohe	—	,,
147	टू गु -17	शृंगार वार्ता	Śṛngāra Vārtā	खेतसिहाणी	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
राम कथा	स	42*	29 × 10 × 13 × 51	त्रुटक (31 + 11)	18वी	
जीवन प्रसग घोडो के वारे मे	मा	10	16 × 23 × 20 × 14	सपूर्ण	19वी	
ऐतिहासिक वार्ता	,,	गु	17 × 14 × 21 × 21	अपूर्ण 137 गा	19वी	
,,	डि	गु 14	17 × 12 × 12 × 19	अपूर्ण	19वी	(दाढा भूडणकीवात)
हास्य रस का	स	15	24 × 11 × 9 × 40	सपूर्ण 2 अक	1602	
,,	,,	15*	26 × 11 × 12 × 40	मपूर्ण	20वी	
सुभाषित सकलन	प्रा	72	27 × 12 × 15 × 50	,,	17वी	
छ ऋतु वर्णन	स	9	25 × 11 × 13 × 42	,, 6 सर्ग	1745	
साहित्यिक	मा	14	26 × 11 × 17 × 58	,, 713 दोहे	1830	
,,	,,	24*	26 × 12 × 17 × 48	,, 664 ,,	20वीं	
विरक्ति श्लोक	स	10	20 × 7 × 8 × 35	लगभग 94 श्लोक	17वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 14 × 45	,, 104 ,,	1694	
नीति शृ गार वैराग्य	,,	28,30	27 × 12 × 12(13) × 39	सपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	26	26 × 12 × 14 × 33	,,	1900	
,,	,,	30	28 × 9 × 9 × 45	,, वैराग्य के 148 श्लो	20वी	पहिला पन्ना कम
,,	स मा	34	26 × 12 × 6 × 50	सपूर्ण	1774	
,,	,,	42	27 × 12 × 6 × 42	,,	20वी	
,,	स	53	26 × 13 × 19 × 39	,,	1867	
ऐतिहासिक वार्ता	हि	18	16 × 23 × 20 × 14	,,	19वी	
माघ काव्य	स	86,100	25 × 10व27 × 12	,,	1872/20वी	
,,	,,	50	25 × 10 × 18 × 57	अपूर्ण 4 सर्ग तक	19वी	
,,	,,	128	25 × 9 × 15 × 38	,, 11 सर्ग	19वी	
साहित्यिक	,,	3*	24 × 12 × 17 × 34	सपूर्ण 27 श्लोक	1829	
दपति पत्र व्यवहार, रति ग्रथ	मा	16	16 × 12 × 11 × 20	प्रतिपूर्ण	20वी	
शृगार काव्य (प्रेम)	,,	21	21 × 15 × 18 × 24	सपूर्ण 117 छद	1930	

1	2	3	3 A	4	5
148	त-543	सज्जन विलास	Sajjana Vilāsa	अज्ञात	पद्य
149	डू गु -17	सदेव (छ) सावलिंगो की वात	Sadeva (Cha) Sāvalingon kī Bāta	—	,,
150	लोगु -686	,,	,, ,,	—	,,
151	लो-342	,,	,, ,,	—	,,
152	त-950	सवैया सग्रह	Savaiyā Sangraha	—	,,
153	त-739	सवैये	Savaiye	—	,,
154	डू-1338	सवाद सुन्दर	Sańvâda Sundara	सोम सुन्दर	,,
155	डू-873	सस्कृत मजरी	Sanskṛta Manjarī	—	गद्य
156	डू-157	सिख नख	Sikha Nakha	बलिभद्र	पद्य
157	त-739	सिद्धराज जयसिंह जगदेव परमार	Sidharāja Jayasinha Jag-deva Parmār	—	,,
		ककाली भाटण सबध	Kankāli Bhātaṇa Sam-bandha		
158	डू गु -2	सुन्दर शृगार	Suudar Sṛngāra	महा कवि सुदरदास	,,
159	डू-1365	सुभाषित बावनी	Subhāṣita Bāvanī	—	,,
160–3	डू-688,571, 185,1337	,, श्लोक सग्रह 4 प्रति	Subhāsita Sloka Sangraha 4 Copies	सकलन	,,
164	त-1242	,, ,, —	Subhāsita Sloka Sangraha	,,	,,
165	डू गु 13	सोरठी की वात	Sorathī kī Bātā	—	गद्य
166	डू गु -24	हितोपदेश पचतत्र कथा	Hitopadeśa Pancatantra Kathā	(मूल विष्णु शर्मा)	,,
167	लो-257	हितोपदेश भाषा	Hitopadeśa Bhāsā	(,,)	,,
168	त-1023	साहित्यिक स्फुट लघु ग्रथ अपूर्ण व त्रुटक पन्ने	Sāhityika Sphuta Laghu Grantha Apurna Va Trutaka Paune	भिन्न भिन्न	ग प

6	7	8	8 A	9	10	11
नीति सुभाषित	मा	25	26 × 11 × 12 × 44	स सतसई दोहे 744	18वी	
लोक कथा	,,	35	21 × 15 × 18 × 24	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	28	15 × 12 × 13 × 16	लगभग पूर्ण	19वी	
,,	,,	3	27 × 11 × 16 × 45	अपूर्ण	19वी	
साहित्यिक	,,	3	26 × 12 × 11 × 37	,, 22 सवैये	19वी	
,,	,,	9*	23 × 12 × 16 × 38	सपूरण 7 सवैये	19वी	
लक्ष्मी, सरस्वती या वत् दानादि चतुष्टय	स मा	9	26 × 12 × 13 × 45	सपूर्ण 9 सवाद	19वीं	
कथा	स	3	27 × 12 × 13 × 40	सपूर्ण	19वी	
नायिका वर्णन (शृगार)	मा	5	26 × 11 × 17 × 54	,, 67 पद	19वी	
साहित्यिक ऐति-हासिक	,,	9*	28 × 12 × 16 × 38	,, 15 गा	19वी	
नायिका वर्णन (शृ गार)	,,	98	13 × 11गु	,, 365 पद	1816	
नैतिक सुभाषित	,,	2	24 × 12 × 15 × 38	,, 52 दोहे	20वी	
सुभाषित साहित्तिक	स	6 4,9,15	19से27 × 10से12	अतिम प्रति अपूर्ण	1842/87	
,	,,	2	27 × 13 × 6 × 42	अपूर्ण	19वी	
साचोर राजा रायचद कथा	मा	गु 12	16 × 23 × 20 × 14	सपूर्ण	19वी	
नैतिक कथायें	,,	26	33 × 19 × 45 × 30	,,	19वी	
,,	,,	41	27 × 13 × 18 × 60	4 भाग सधि तक, पाँचवा अधूरा	19वी	
साहित्यिक विविध	स हि	53*	25से27 × 11से12	सकलन	18/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	त-518	श्रनिट कारिका	Anita Kārikā	—	पद्य
2	डू-171	,,	,,	—	,,
3	डू-1325	,, (श्रवचूरि सह)	,, (with Avacūri)	—	मू श्र (प ग)
4	डू-1285	,, (व्याख्या सह)	,, (with Vyākhya)	—	मू व स (,,)
5	डू-875	श्रनिट धातु कारिका (श्रवचूरि सह)	Anita Dhātu Kārikā (with Avacūri)	—/हर्ष कीर्ति	मू श्र (,,)
6	लो-276	श्रव्ययार्थ	Avyayā tha	—	गद्य
7	लो 541A	कातन्त्र व्याकरण दौर्गसिंह वृत्ति की वृत्ति	Kātāntra Vyākarana Daurgasinha Vṛtti kī Vṛtti	दुर्गसिंह/पृथ्वीचंद्र सूरि	,,
8	लो-541B	कातन्त्र व्याकरण दौर्गसिंह वृत्ति	Kā āntra Vyākaraṇa Daurgasinha Vṛtti	,, गुणभद्र देव मुनि शिष्य	,,
9	लो-541C	कातन्त्र ढुंढिका	Kātantra Dhunḍhikā	चंद्रेकृत	पद्य
10	लो-292	,, चतुष्कवृत्ति टिप्पनिका	Kātantra Catuskavṛtti Tippanikā	प गोवर्धन (गोल्हण)	गद्य
11	लो-540	,, पंजिका दुर्गपद प्रबोध	Kātantra Panjikā Durgapada Prabodha	प्रबोध मूर्ति गणि	,,
12	लो-277	,, विक्रम सूत्र (टीका सह)	Kātantra Vikrama Sūtra (with Tīkā)	जिनप्रभ	मू टी (प ग)
13	लो-285	,, विसूर	Kātan'ra Visūra	कर्ण देवोपाध्याय/श्री वर्द्धमान	गद्य
14	लो-505	,, व्याकरण (वृत्ति सह)	Kātantra Vyākarana (with Vṛtti)	दौर्गसिंह श्राख्याकृत विवरण/मुनि शेखर	,,
15	लो-287	,, कृदन्त टिप्पनिक वृत्ति	Kātantra Kṛdauta Tippanikam Vrtti	कमल तरणियमोक्षेचर	,,
16	लो-504	,, व्याकरण (वृत्ति सह)	Kātantra Vyakarana (with Vrtti)	कात्यायनी वृक्षे	,,
17	त-570	,, विभ्रम सूत्र + दसल कारिका	Kā'antra Vibhramasūtra + Dasalakarikā	—	पद्य
18	डू-68	कारक सम्बधोद्योत	Kāraka Sambandhodyota	—	गद्य
19	डू-648	क्रिया कलाप	Kriyā Kalāpa	विजयानद	पद्य
20	त-1110	,,	,,	,, कवि	,,
21	डू-170B	कृदन्त निरुक्ति	Kṛdanta Nirukti	—	गद्य
22	डू-1326	,, वक्तव्य	,, Vaktvya	—	,,
23	लो-316	धातु पाठ	Dhaṭu Paṭha	—	,,
24	डू-370	,, रुपावली	,, Rupavalı	—	,,
25	त-515	निष्पादित च शब्दाना यथार्थं	Nispāditani Ca Śabdānām Yathārtham	सारस्वतानुसार	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	4	26 × 13 × 13 × 41	सपूर्ण	1915	
,,	,,	3	27 × 13 × 13 × 45	,,	19वी	
,,	,,	2	27 × 12 × 5 × 42	, 11 श्लोक की	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 43	,, 11 ,,	19वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 16 × 29	,, 21 श्लोक	19वी	(सेट निट कारिका)
,,	,,	2	26 × 13 × 16 × 60	,,	19वी	
,,	,,	92	30 × 10 × 11 × 55	,, तद्धित प्रकरण तक	1353	प्रशस्ति है
,,	,,	79	30 × 10 × 11 × 52	,, ग्राख्यात ग्राठ पाद	1357	
,	,	91+15	30 × 10 × 9 × 42	,, 6 ग्रध्याय	1415	
,,	,,	157	28 × 13 × 17 × 81	सपूर्ण	16वी	पहिला पन्ना कम
,,	,	93	29 × 8 × 8 × 52	ग्रपूर्ण ग्र 2792	14वी	पन्ने 31 से 123 तीसरे पद से ग्रत तक
,,	,,	6	27 × 13 × 19 × 65	,, 19 श्लो तक ही	19वी	
,,	,,	30	28 × 12 × 15 × 66	सपूर्ण 6 पाद	16वी	
, ग्राख्यात प्रक्रिया तक	,	107	28 × 12 × 17 × 65	,, 8 ,, ग्र 7500	1533	जीर्ण/प्रशस्ति
,, कृत प्रक्रि-या पर	,,	60	28 × 12 × 17 × 73	,, कृदत के 6 पाद ग्र 4605	1517	(गुरू निरुपेक्षाया)
,, ,,	,,	41	28 × 12 × 14 × 47	,, , के 6 पाद	1548	जीर्ण प्रति
,,	,,	8	27 × 12 × 11 × 55	,, 21 + 35 श्लो	18वी	
,,	,,	8	24 × 11 × 17 × 62	,, ग्र 400	20वी	
,,	,	9	26 × 11 × 14 × 46	,, 4 ग्रध्याय	18वी	
,,	,	6	27 × 12 × 15 × 62	,, ,, 223 श्लो	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 17 × 54	सपूर्ण	1800	
,,	,,	4	26 × 12 × 14 × 40	,,	19वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 13 × 35	ग्रपूर्ण	19वी	
,,	,,	24	26 × 12 × 11 × 41	त्रुटक बिच के पन्ने	19वी	
,,	,,	8	27 × 13 × 11 × 34	सपूर्ण	1914	

1	2	3	3 A	4	5
26	डू-907	परिभापा सूत्र (वृत्तिसह)	Pāribhāsā Sūtra (with Vṛtti)	वृहद् वृतिव्यगता	मू वृ (प ग)
27	डू-867	पाणीनीय लिगानुशासन	Paṇīnīya Lingānuśāsana	भट्टोजि दीक्षित	गद्य
28	लो-241	प्रक्रिया कौमुदी	Prakrıyā Kaumudī	रामचन्द्र	,,
29-30	लो-242,240	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
31	त-522	प्रबोध चन्द्रिका	Prabodha Candrıkā	वैजल	,,
32	डू-204	भूधातु वृत्ति	Bhūdhātu Vṛttı	क्षमाकल्याण	,,
33	न-472	लघवृत्ति ग्रवचूरि	Laghuvṛttı Avacūrı	—	,,
34	त-871	विभक्ति श्रोतृ गोचर काव्यार्थ	Vıbhaktı Śrotṛgocara Kavyārtha	—	ग प
35	त-1109	,, समास प्रक्रियादि	Vıbhaktı Samāsa Prakrı-yādı	—	गद्य
36	त-574	वैदिक प्रक्रिया (सिद्धान्त कौमुद्याम्)	Vaidıka Prakrıyā (Sıdhā ta Kaumudyām	भट्टोजि दीक्षित	,,
37	डू-906	वैयाकरण सिद्धान्त रहस्य	Vaıyākaraṇa Sıdhanta Rahasya	—	,,
38	डू-1051	व्याकरण भूपण सार व्याख्या	Vyākaraṇa Bhusana Sāra Vyākbyā	कौंड भट्ट	,,
39	त-579	शब्द पाठ	Śabda Patha	शब्दानुशासन	,,
40	डू-631	षट् कारकाणि	Ṣat Karkanı	—	,,
41	डू-685	पेना की टीका	Ṣena kī Tikā	—	,,
42	ग्रा-139	समास विचार	Samāsa Vıcāra	—	,,
43	त-569	सारस्वत	Sarsvata	अनुभुतिस्वरूपाचार्य	मू ग
44	लो-249	,,	,,	,,	,,
45-53	डू-895, 1040,911, 167,865, 686,518, 1227 410	,, 9 प्रति	,, 9 copies	,,	,,
54-61	त-636 517, 67,1045, 564,523, 589,927	,, 8 प्रति	,, 8 copies	,	,,
62-68	लो-248, 264,294, 255,246, 288,701	,, 7 प्रति	,, 7 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
वाक्य रचना व्याकरणादि	स	7+1	27×12×13×44	सपूर्ण	18वी	अतिम पन्ना शब्दावचूरि का भिन्न है
,,	,,	8	25×12×11×43	,,	20वी	
,,	,,	124	27×12×12×54	,,	17वी	
,,	,,	79,147	27×12व28×12	,,	19/20वी	
,,	,	19	24×13×12×33	,, ग्र 400	1912	
'भू' धातु रूप सग्रह	,,	10	28×13×18×52	,,	1899	
व्याकरण	,,	22	27×12×22×75	अपूर्ण त्रुटक	17वी	
,,	,,	3	29×15×16×42	सपूर्ण	1917	
,,	,,	11	28×13×13×48	त्रुटक 46 से 56 पन्ने	19वी	
,,	,,	14	27×12×17×50	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	15	26×12×15×53	,,	20वी	
,,	,	38	24×11×16×43	,, ग्र 1425	19वी	
,,	,,	20	27×12×13×36	स रूप तालिकायें भी	1578	
,,	,,	2	26×11×22×50	सपूर्ण 74 श्लोक	19वी	
,,	,,	22	25×10×12×51	सपूर्ण	19वी	पहिला पन्ना कम
,,	,,	3	26×11×10×38	,,	1623	
,,	,,	37	27×12×13×37	,,	16वी	
,,	,,	67	28×12×10×43	,,	1604	पहिला पन्ना कम
,,	,,	83,74 53,55 126,69 25 13,8	18से28×11से14	प्र 5 पूर्ण, प्रति 4 अपू	1798/1864	
,,	,,	68,71 137,24, 21,11, 5,3	24से28×11से13	प्र 3 पूर्ण, प्रति 5 अपू	1745/1900	
,,	,,	45 44, 41 28, 17,13, 7	24से28×11से13	अपूर्ण	17वी/1792/ 20वी	

1	2	3	3 A	4	5
101-2	इ-1128 + 27 1099B	सिद्धान्त कौमुदी की व्याख्या (प्रौढ मनोरमा नाम्नी)	Sidhānta Kumudī kī Vyākhyā	—	गद्य
103	इ-876	सिद्धान्त कौमुदी की व्याख्या	,, ,,	ज्ञानेन्द्र सरस्वती	,,
104	इ-203	,, का सार	,, kā Sāra	वरदराज भट्ट	,,
105-13	इ 889 378 129,1042, 1038 1041 1124,1045, 933	सिद्धान्त चन्द्रिका 9 प्रति	Sidhānta Candrikā 9 copies	रामचन्द्राश्रम	मू ग
114-15	त-587 1095	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
116-9	इ 1039, 877,869, 874	,, की वृत्ति 4 प्रति	,, kī Vṛtti 4 copies	सदानद मुनि	गद्य
120	इ-866	,, की दीपिका	,, kī Dipika	लोकेशकर	,,
121	इ-172	,, धातु विभाग	,, Dhātu Vibhāga	—	ग तालिका
122	जो-259	स्यादि शब्द सम्मुच्चय	Syādi Śabda Sammucaya	अमरचद (जिनदत्त सूरि शिष्य)	गद्य
123	त-568	हेमव्यास	Hema Vyāsa	हेमचन्द्राचार्य	,,
124	त-1077	हेम व्याकरण वृहद् वृत्तिसह	Hema Vyākarana with Vṛhad Vṛtti	,, /स्वोपज्ञ	,,
125	त-1050	,, ,, दीपिका	Hema Vyākaraṇa with Vṛhad Vṛtti Dīpikā	विद्याकर	,,
126	त-588	,, अष्टम् अध्याय	Hema Vyākaraṇa Astama Adhyāya	हेमचन्द्राचार्य	मू + दी
127	त-1227	,, उणादिवृति	,, Uṇādi Vṛtti	,, /स्वोपज्ञ	गद्य
128	इ-1097	लिगानुशासन विवरण सह	Lingānuśāsan with Vivaraṇa	,, ,,	मू वि (प ग)
129	था-19	,, —	,, —	,, —	मू प
130	त 577	,, —	,, —	,, —	,,
131	त-1141	,, + वृति + विवरण सह	,, + Vṛtti with Vivarana	,, /स्वोपज्ञ श्रीवल्लभ	मू वि (प ग)
132	त-573	धातु पाठ	Dhātu Pātha	हेमचन्द्राचार्य	ग प
133	जो-268	हेमानुस्मृतौ धातु पाठ	Hemānusmṛtau Dhātu Pāṭha	,,	,,
134	इ 1098	हेमधातु पाठे गणसेटादि	Hemadhātupāthe Gaṇaseṭādi	हेमचन्द्रानुसार/पुण्य सुन्दर	गद्य
135	त-1151	हेमपरिभाषया सूत्रवृत्तिन्यास सारोद्धार अवचूरि सह	Hemaparibhāṣayā Sūtravṛttinyāsa Sārodhāra with Avacūri	हेमचन्द्राचार्य/कनक प्रभ	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	166,6	25 × 10व26 × 11	प्र स ग्र 1016, द्वि श्र	17/18वी	
,,	,,	512	27 × 12 × 13 × 43	सपूर्ण	18वी	
,	,,	13	30 × 12 × 17 × 57	,,	20वी	
,,	,,	70 148, 141,152, 56 53, 63,56, 36	25से28 × 10से13	प्र 6 सपूर्ण,श्रति 3 श्रपू	19/20वी	
,,	,,	57,83	25 × 15व27 × 12	श्रपूर्ण	19 20वी	
,,	,,	191,47 125 65	24से27 × 11से12	केवल प्र सपूर्ण	1826-27 से 20वी	
,,	,,	77	25 × 12 × 13 × 42	पूर्वार्द्ध मात्र तद्धित तक	19वी	
,, घातुश्रो के गरण प्रकार	,,	8	27 × 12 × 17 × 52	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	42	28 × 12 × 15 × 50	,, 4 प्रक्रम	16वी	
,,	,,	187	27 × 12 × 15 × 52	श्र 5वें श्रध्या 4थे पद तक	16वीं	मूल पर वृत्ति दुर्ग पद व्याख्या
,,	,,	178	28 × 12 × 15 × 56	श्रपूर्ण 4/3 पाद	16वी	
,,	,,	81	27 × 12 × 24 × 73	श्रपूर्ण 3रे से 8वें पाद	1368	वृत्ति की दीपिका पन्ने 22से79
,,	प्रा स	58	26 × 11 × 17 × 50	,, 2,3,4 पाद की ही	1453	
,,	स	84	30 × 11 × 12 × 57	,, श्लोक 982	18वी	
,,	,,	44	26 × 11 × 13 × 50	सपूर्ण	1627	
,,	,,	10	28 × 12 × 11 × 37	,, 138 श्लोक	1697	खभात मे /मान विनय
,,	,,	5	26 × 12 × 17 × 50	, 165 ग्र	20वी	
,,	,,	11	26 × 11 × 17 × 52	श्रपूर्ण (प्रारभ मात्र)	18वी	ननडोष पत्री तक
,,	,	18	27 × 12	सपूर्ण	16वी	
,,	,,	12	27 × 12 × 13 × 45	,, चुरादि तक	18वी	
,,	,,	25	27 × 12 × 9 × 51	,, 1981 धातु	19वी	श्रकारादि क्रम से 'ह' तक
,,	,,	43	28 × 12 × 15 × 52	श्रपूर्ण 7 श्र द्वि से 4 पाद	1649	हेमव्याकरण मान्ते-द्धार

1	2	3	3 A	4	5
136	त-1162	हेमानुस्मृतौ धातुवृत्ति	Hemānu Smṛtau Dhātu-vṛtti	हेमचन्द्राचार्य/ —	गद्य
137	त-1151	हेम व्याकरण न्यायसूत्र वृत्तिसह	Hema Vyākarana Nyāya-sūtra with Vṛtti	,, /—	,,
138	त-1023	स्फुट त्रुटक पन्ने	Sphuta Trutaka Panne	—	ग प

भाग 7 साहित्य व भाषा

1	त-575	अनेकार्थ एकाक्षर नाममाला	Anekārtha Ekākṣar Nām-amālā	—	पद्य
2	त-576	,, ध्वनि मंजरी	,, Dhvani Manjarī	—	,,
3	नो-339	,, नाममाला	,, Nāmamālā	नददास	,,
4	ङ्-364	,, ,,	,, ,,	,,	,,
5	ङ्-553	,, संग्रह (वृत्ति सह)	,, Sangraha (with Vṛtti)	हेमचन्द्राचार्य	मू वृ (प ग)
6	ङ्-1103	,, ,, —	,, ,, —	,,	मू प
7	त-580	,, ,, —	,, ,, —	,,	,,
8	ङ्-626	अभिधान चिंतामणि (वृत्तिसह)	Abhidhāna Cintāmani (with Vṛtti)	,, /स्वोपज्ञ	मू वृ
9–21	ङ्-621, 1105 623, 633,1104 620,18 168 169, 630 682, 86,96B	,, 13 प्रति	,, 13 copies	हेमचन्द्राचाय	मू प
22–23	न 639, 1127	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
24–7	नो-178 214 318, 337	,, 4 प्रति	,, 4 copies	,,	,,
28	ङ्-1102	,, (व्याख्या सह)	,, (with Vyā-khyā)	हेमचन्द्र/दिवसागर	मू वृ (प ग)
29	ङ्-396B	,, (अनुवाद सह)	,, (with Anu-vāda)	,, /रामविजय	मू वा (,,)
30	त-572	,, शिलोञ्छ	,, Śiloncha	जिनदेव मुनिश्वर	पद्य
31	धा-73	,, शेष संग्रह वृत्ति	,, Śesa Sangr-aha Vṛtti	—	गद्य
32	ङ्-96A	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	8	28 × 12 × 11 × 60	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	35	21 × 15 × 18 × 24	स मू 57 पद + वृ 157 ग्र	1649	
,,	,,	53*	25से27 × 11से12	सकलन	18/20वी	

/विभाग (इ) शब्द कोश —

6	7	8	8 A	9	10	11
शब्द कोप	स	3*	24 × 12 × 17 × 34	सपूर्ण 19 श्लोक	1829	
,,	,,	3	27 × 12 × 15 × 47	द्वि अधि श्लो 111	19वी	
,,	मा	9	25 × 12 × 11 × 35	स 118 छद	1882	अत में सत्तरि सम स्तोत्र
,,	,,	6	27 × 12 × 12 × 38	स 119 ,,	20वी	
एक शब्द अनेकार्थ कोष	स	229	26 × 12 × 16 × 55	सन्ध व्यय शब्द काड तक	1646	अत में एक चित्र
,,	,,	43	26 × 11 × 16 × 45	स ग्र 1818 शेप सम्मेत	1647	
,	,,	34	28 × 12 × 11 × 48	अपूर्ण 1126 श्लोक	18वी	
शब्द कोप	,	159	27 × 11 × 17 × 55	स ग्र 10000	16वीं	
,,	,,	55,46, 81,41 68,117, 77,101, 97,42 68 29, 35	24से27 × 10से12	स सामान्य 6 काड	1723/1856	
,,	,,	127,38	26 × 12व27 × 13	प्र पूर्ण, द्वि अपूर्ण	1900/20वी	
,,	,,	5,17, 16,24	25से32 × 11से14	अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	432	26 × 12 × 15 × 48	स सामान्य काड तक	1832	
,,	स मा	129	26 × 16 × 15 × 36	,, ,,	1896	
,,	स	4	25 × 12 × 14 × 46	स 139 श्लोक	19वी	
,,	.	13	26 × 11 × 23 × 67	अपूर्ण	19वीं	
,,	मा	16	26 × 12 × 11 × 43	,, देव काड प्रथम मात्र	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
33	ड्-687	अभिधान चितामणी बीजक	Abhidhāna Cintāmani Bījaka	—	ग तालिका
34-6	ड्-629,932, 136	अमर कोश 3 प्रति	Amara Kośa 3 Copies	अमरसिंह	पद्य
37-8	त-586,1261	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
39	त-578	आदि अक्षर नाममाला	Ādi Aksara Nāmamālā	शोभ ऋषि	,,
40-41	ड् 627,961	एकाक्षर नाममालिका 2 प्रति	Ekāksar Nāmamālikā 2 Copies	(विश्व) शम्भु मुनि	,,
42	त-575	,, ,, —	Ekākṣar Nāmamālikā 2 Copies	,,	,,
43	त-578	,, नाम माला	Ekāksar Nāmamālā	शोभ ऋषि	,,
44	त-575	,, ,,	,,	—	,,
45	त-578	एकार्थ नानार्थ एकाक्षर नाममाला	Ekārtha Nānārtha Ekāksara Nāmamāla	श्री अमृत	,,
46-7	ड्-628,966	धनजय नाममाला 2 प्रति	Dhanañjaya Nāmamā'ā 2 Copies	धनञ्जय	,,
48	त-1116	नाम माला	Nāma Mālā	—	,,
49	ड्-973	शब्द भेद प्रकाश	Śabdabheda Prakāśa	महेश्वर	,,
50	ड्-71	शब्द रत्न प्रदीप	Śabda Ratna Pradīpa	—	,,

1	2	3	3 A	4	5
1	आ-78	काव्य कल्प लता (कवि शिक्षा वृत्ति)	Kāvyakalpa Latā (Kavi Śiksā Vṛtti)	अमरचंद (जिनदत्त सूरी शिष्य)	गद्य
2	ड्-48	काव्य प्रकाश	Kāvya Prakāśa	भवदेव	,,
3	ड्-669	काव्यादर्श	Kāvyādarśa	आचाय दण्डिन	पद्य
4	लो-404	गीत पिंगल	Gita Pingala	शेष नाग	,,
5	लो-572	छंद सार	Chanda Sāra	—	,,
6	त-583	छंदोनुशासन (वृत्ति सह)	Chandānuśāsana (with Vṛtti)	हेमचंद्राचाय/स्वोपज्ञ	गद्य
7	लो-275	वृतरत्नाकर 3 प्रति	Vṛtta Ratnākara 3 Copies	भट्ट केदार	मू प ग
8-9	ड्-641,642	,, (वृत्ति सह) 2 प्रति	Vṛtta Ratnākara (with Vṛtti) 2 Copies	भट्ट केदार/समयसुंदर	मू वृ (प ग)
10	ड्-731	,, की वृत्ति	Vṛtta Ratnākara kī Vṛtti	समयसुदर	गद्य
11	ड्-393	विदग्ध मुखमंडन की अवचूरि	Vidgdha Mukha Mandanam Ki Avacūri	शिवचंद्र	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विषय सूचि	स	4	26 × 12	सपूर्ण 6 काडो का	19वी	
शब्दकोश	,,	60,215 44	26 × 11से12	, 3 काड	1826/1912	
,,	,,	31 30	24 × 12व26 × 14	अपूर्ण	1897/20वी	
,,	,	10*	27 × 12 × 14 × 45	स 112 श्लोक	20वी	
,,	,,	3,5	27 × 12व26 × 12	स /115/114 श्लो	17/18वीं	
,,	,,	10*	27 × 12 × 14 × 45	स 115 श्लोक	20वी	
,,	,,	10*	27 × 12 × 14 × 45	, 100 ,,	20वी	
,,	,,	3*	24 × 12 × 17 × 34	,, 36 ,,	1829	
,,	,,	10*	27 × 12 × 14 × 45	,, 21 ,,	20वी	
,, पर्यायवाची	,,	9,9	27 × 12व26 × 13	,, 2 परि 246 210श्लो	17वीं/1921	
शब्दकोश	,,	6	27 × 12 × 15 × 42	अ प्रारभ के 164 श्लोक	20वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 52	स 275 श्लो ग्र 335	1576	
, /काव्य शास्त्र	,,	8	27 × 11 × 15 × 54	स 5 काड	19वी	

/विभाग (ई) छद व काव्य शास्त्र —

6	7	8	8 A	9	10	11
काव्य शास्त्र	स	46	27 × 11 × 19 × 59	स 7 अध्या ग्र 3357	19वी	
,,	,,	119	26 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण	1698	
,,	,	18	27 × 12 × 15 × 44	,, 3 परि /656 श्लो	1651	
छद शास्त्र	मा	35	21 × 15 × 18 × 24	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	24 × 11 × 22 × 54	,, 256 गा	20वी	
,,	स	94	27 × 12 × 12 × 26	,, 8 अध्याय	1565	
,,	,,	10	26 × 11 × 13 × 30	स 6 अध्याय	19वी	बीच मे 9वा पन्ना कम
,,	,,	27,31	26 × 12 × भिन्न 2	,, ग्र 1300	1873/20वी	
,,	,,	24	26 × 12 × 16 × 52	सपूर्ण	19वी	
काव्य अलकार	,,	46	26 × 12 × 17 × 54	स 4 परिच्छेद की	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
12	दू-670	वृत रत्नाकर की वृत्ति	Vṛtta Ratnākara kī Vṛtti	यश कीर्ति	गद्य
13	दू-44	,, की ,,	,, ,,	सोमचन्द	,,
14	दा-321	,, —	,, —	भट्ट केदार	पद्य
15	त-928	श्रुत बोध	Śrutabodhā	कालिदास	,,
16	दू-935	,,	,,	,,	,,

भाग 7 साहित्य व भाषा

1	2	3	3 A	4	5
1	त-584	वाग्भट्टालंकार (टीका सह)	Vāgabhattālankāra (with Tīkā)	वाग्भट्ट सिंहदेव, ब्राह्मण मंत्री	मू टी (प ग)
2	दू-693	विदग्ध मुख मंडन (काव्यालंकार)	Vidagdha Mukha Mandanam (Kavyālankār)	धर्मदास	पद्य
3	दू-1094	,, (अवचूरि सह)	Vidagdha Mukha Mandanam (with Avacūri)	,,	मू अ (प ग)
4	दू-394	,, की अवचूरि	Vidagdha Mukha Mandanam kī Avacūri	,,	गद्य
5	दू-393	,, ,,	Vidagdha Mukha Mandanam kī Avacūri	शिवचंद्र	,,

भाग 8

1	2	3	3 A	4	5
1	दू-1195	अमृत मंजरी	Amṛta Manjarī	काशीनाथ	पद्य
2	लो-386	औषध यंत्र तंत्र	Ausadha Yantra Tantra	—	गद्य
3	उ द गु 46	,, रसायन नुस्खा	,, Rasāyana Nuskhā	—	पद्य
4	लो गु -658	औषधी नुस्खे	Ausadhī Nuskhe	—	गद्य
5	त-445	काल ज्ञान	Kāla Jñāna	शंभु नाथ	मू ट
6	लो-323	,,	,,	—	पद्य
7-9	दू-263, गु 14 49	,, 3 प्रति	,, 3 Copies	—	मू ट
10	त-1105	,, —	,, —	—	पद्य
11	दू-1194	,, नाडि तत्वादि	,, Nādi Tatvādi	—	,,
12	लो-570	किमिया विधान	Kimiyā Vidhāna	—	गद्य
13	दू 192	चमत्कार चिंतामणी	Camatkāra Cintāmani	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
छद शास्त्र	स	20	28 × 11 × 16 × 45	सपूर्ण	1755	वालक वोधिनी नाम्नी
,,	,,	24	26 × 11 × 16 × 56	,,	19वी	
,,	,,	4	27 × 12 × 14 × 53	8वा अध्याय मात्र	1697	
,,	,,	3	20 × 11 × 12 × 32	सपूर्ण 41 श्लोक	1698	
,,	,,	6	27 × 13 × 19 × 65	,, 42 ,,	19वी	

/विभाग (उ) अलकार

6	7	8	8 A	9	10	11
अलकार शास्त्र	म	45	26 × 12 × 14 × 35	स 5 परि /ग्र 1725	18वी	सिहदेव प्रथम परिच्छेद की
काव्य अलकार	,,	14	27 × 11 × 13 × 43	स 4 परिच्छेद	19वी	
,,	,,	11	29 × 12 × 13 × 47	,, ग्र 634	18वी	
,,	,,	91	26 × 11 × 13 × 45	स ग्र 3100	16वी	
,,	,,	46	26 × 12 × 17 × 54	स 4 परिच्छेद की	20वी	

आयुर्वेद-वैद्यक

6	7	8	8 A	9	10	11
वैद्यक-आहारादि	स	3	25 × 12 × 13 × 39	स 50 श्लो	19वी	
,, आदि	मा	2	26 × 12 × 20 × 55	सपूर्ण	19वी	
,, नुस्खा	हि	28	17 × 12 × 15 × 15	अपूर्ण	20वी	
,, व रसायन	मा	46	17 × 12 गुटका	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, ग्रन्थ	स मा	22*	26 × 13 × 9 × 45	स 8 विलास	1817-18	
,, ,,	स	25	26 × 11 × 6 × 40	म ग्र 641	1865	
,, ,,	स मा	22, गु 4	17से27 × 12से14	प्र 2 पूर्ण, अति अपू	1887/20वी	
,, ,,	स	7	27 × 12 × 6 × 37	अपूर्ण 4 उद्दे तक	19वी	
वैद्यक माथ मे गमन गर्भ, पवन जय, वशीकरण, स्वरोदय	,,	4	27 × 12 × 15 × 39	म 152 श्लो	19वी	
रसायन धातु द्रव्य नुस्खे	मा	9	17 × 13 × 8 × 25	अपूर्ण	19वी	
औषध मन तन्त्र आदि नुस्खे	,,	105	22 × 11 × 13 × 34	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
14	जो-443	चरक संहिता के सूत्र	Caraka Samhitā ke Sūtra	आत्रेय	पद्य
15	इ-1190	निदानान्जन (अर्थ सह)	Nidānānjana (with Artha)	ऋषि अग्निवश प्रणीत	मू वा
16	त-1111	पथ्यापथ्य बोधक	Pathyāpathya Bodhaka	नाम रत्नाकर	पद्य
17	त 993	बारह ताव	Bāraha Tāva	—	गद्य
18	इ-632	भाव प्रकाश	Bhāva Prakāśa	भाव मिश्र	,,
19	इ-1193	माधव (सिद्धयोग) वृंद	Mādhava(Sidhayoga)Vṛnda	माधव	प ग
20	जो-651	मूत्र परीक्षा	Mūtra Parīksa	—	पद्य
21	जो-702	,,	,,	—	गद्य
22	इ-1196B	योग शत (अर्थ सह)	Yoga Śata (with Artha)	कृष्ण भट्ट शिष्य	मू वा (प ग)
23	इ गु -2	रसायन विधि	Rasāyana Vidhi	—	गद्य
24	त-469	राम विनोद	Rāma Vinoda	रामचन्द (केशव का शिष्य)	ग प
25-6	इ-73 85	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	,,	,,
27	इ-1192	रुग्विनिश्चये निदान	Rugviniscaye Nidāna	माधवकर	गद्य
28	इ-1196A	वैद्य जीवन (व्याख्या सह)	Vaidya Jivana (with Vyākhya)	लोलवराज	मू वृ (प ग)
29	त-444	,, मनोत्सव	,, Manotsava	नैनसुख (केशव पुत्र)	पद्य
30	त-445	,, वल्लभ	,, Vallabha	हस्तिरुचि	मू ट (प ग)
31	था-471	वैद्यक सार पचाशिका	Vaidyaka Sāra Pancaśika	गोरखनाथ का शिष्य	पद्य
32	इ-53	,, सारोद्धार	,, Sārodhāra	—	गद्य
33	इ-61	,, ,, सार सग्रह	,, ,, Sāra Sangraha	—	,
34	इ-1191	सन्निपात कलिका	Sannipāta Kalikā	हिमनिधान	मू ट (प ग)
35	त-584	सखिया तबकिया हरताल विधि	Sankhiyā Tabakiya Hartālā Vidhi	—	गद्य
36	ब उ गु -40	सोनामुखी कल्प	Sonāmukhi Kalpa	लुकमान	,
37	त-1023	वैद्यक स्फुट पन्ने	Vaidyaka Sphuta Panne	—	ग प

6	7	8	8 A	9	10	11
चिकित्सा शास्त्र	मा	39	26 × 11 × 8 × 31	अपूर्ण	19वी	
वैद्यक	स मा	20	26 × 13 × 14 × 42	स. 232 श्लो	19वी	
,, औषधि खाद्य धातु द्रव्याग	स	45	27 × 12 × 12 × 48	अ 1162 श्लो	19वी	
बुखार के प्रकार, निदान, इलाज	मा	3	25 × 12 × 14 × 41	सपूर्ण	19वी	
वैद्यक शास्त्र	स	372	32 × 16 × 13 × 55	,, 8 प्रकाश	1909	साथ मे वीजक 18 पन्नो मे
वैद्यक	,,	17	26 × 11 × 10 × 50	अ 747 श्लो + गद्य	20वी	
,, मूत्र से निदान	,,	5	30 × 12 × 3 × 52	म 131 श्लो	17वी	
,, ,,	मा.	2	22 × 11 × 10 × 28	मपूर्ण	1841	
,, औषधि नुस्खे	म मा	22	26 × 12 × 12 × 37	,, 167 श्लो	19वी	
औषध धातु वनाने की विद्या	मा	40	13 × 11 गु	सपूर्ण	1816	
वैद्यक सामान्य ग्रथ	,	59	27 × 12 × 17 × 45	,, 3762 ग्र	18वी	
,,	,,	62,51	25 × 12व21 × 11	अपूर्ण	19/20वीं	
वैद्यक	स	107	27 × 12 × 17 × 52	,, पहिले 8 पन्ने कम	1748	
,, ग्रन्थ	,,	38	26 × 12 × 13 × 45	पचम 3 उल्लास तक	20वी	वैद्य सजीवनी नाम्नी
,, सामान्य ग्रन्थ	मा	17	26 × 12 × 12 × 37	स 7 उद्देश	1748	1649 की कृति
,, ग्रन्थ	स मा	22*	26 × 13 × 19 × 45	स 94 श्लोक	1818	
,, ,,	स	1	27 × 11 × 20 × 55	,, 49 ,,	20वी	
,, व सामुद्रिक	,,	144	26 × 11 × 15 × 46	सपूर्ण	1795	
वैद्यक	स अ	128	26 × 11 × 15 × 50	,, 128 पन्ने	1709	
,,	स मा	12	27 × 12 × 4 × 31	,, 76 श्लोक	1703	
,,	मा	2	24 × 12 × 13 × 32	सपूर्ण	20वी	
,, सोनामुखी गुण	हि	8	11 × 10 × 8 × 13	,,	20वी	
वैद्यक	स मा	53*	25से27 × 11से12	सकलन	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	डू-307	अर्ध काण्ड	Ardha Kānda	—	गद्य
2	डू-673	अष्टोत्तरी दशाकरण विधि	Astottarī Daśākarana Vıdhı	—	,,
3	डू-1247	आठ वर्गादि	Ātha Vargādı	—	ग प
4	लो-559	कन्या दान	Kanyā Dāna	नारदानुसार	पद्य
5	डू-1278	कपूर चक्र यन्त्र फल	Kapūra Cakra Yantra Phala	—	प ग अ अ्र
6–7	डू गु 16,550	कर्म विपाक ग्रन्थ 2 प्रति	Karma Vıpāka Grantha 2 copies	महादेवोक्त	गद्य
8	लो-614	,, —	,, —	,,	,,
9	लो-247	केशव वाक् ज्योतिष	Keśava Vak Jyotıṣa	केशव	मू ट
10	त-229	गुराचार फल	Gurācāra Phala	—	गद्य
11	त-988	,, व शनि विचार	,, Va Śanı Vıcāra	—	पद्य
12	डू-70A	ज्ञान चतुर्विशति का (अवचूरि सह)	Jñān Caturvıśantı kā (with Avcūrı)	वाचक नरचन्द्र	,,
13	लो-270	ग्रह गोचर फलादि	Graha Gocara Phalādı	—	ग प
14	त-1070	ग्रह दशा में अन्तर्दशायें	Grahadaśā Men Antardaśāyen	—	ग+अरु तालि
15	लो-251B	ग्रह फल	Graha Phala	—	पद्य
16	त-761	ग्रह भाव	,, Bhāva	—	गद्य
17	लो-621	,, प्रकाश	,, ,, Prakāśa	—	पद्य
18	डू-69	,, फल	,, ,, Phala	राजर्षि	,,
19	डू-485	,, ,,	,, ,, ,,	—	गद्य
20	त-1119	,, जन्म पत्रिकादि	,, ,, Janma Patrikādı	—	,,
21	त-464	ग्रह लाघव सारिणी	Graha Lāghava Sārınī	नीलकण्ठ	ग तालिका
22–3	लो-250,251C	ग्रह सारिणियें आदि 2 प्रति	,, Sārıṇiyen Ādı 2 copies	—	अक तालिका
24	त-984	ग्रह सिद्धि	,, Sıdhı	महादेव	गद्य
25	त-765	चन्द्रार्की+तुर्कीताजक	Candrārkkī+Turkātajaka	दिनकर	पद्य
26	लो 272	,, की वृत्ति	,, kī Vṛttı	—	गद्य
27	लो-548	चमत्कार चिंतामणी	Camatkara Cıntamanı	—	मू ट (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
सवत्सर नाम व ज्योतिष फल	स	9	25 × 11 × 12 × 32	सपूर्ण	19वी	
ज्योतिष	,,	3	26 × 11 × 14 × 45	,,	19वी	
,,	,,	8	21 × 11 × 15 × 31	,,	19वी	
वैवाहिक ज्योतिष	,,	3	27 × 11 × 16 × 51	,, 110 श्लोक	19वी	
निमित्त मत्र यत्र	प्रा स	2	26 × 12 × 22 × 74	,,	1835	
कर्मदेव पूर्व जन्म वार्ता	मा	15,6	21 × 14व26 × 11	,,	1752/19वी	
,,	,	20	19 × 10 × 10 × 28	अपूर्ण	19वी	
गणित ज्योतिष	स मा	8	26 × 12 × 4 × 43	,,	19वी	
ग्रह फल	मा	4	22 × 12 × 11 × 20	सपूर्ण	19वी	
राशिवार गुरु शनि प्रभाव	स	3	26 × 13 × 16 × 50	,,	1806	
निमित्त ज्योतिष		2	25 × 11 × 15 × 68	,, 24 श्लोक	18वी	सिंह सूरि शिष्य
फलित ,,	स मा	7	20 × 13 × 13 × 43	त्रुटक	19वी	
ज्योतिष तालिकायें	स	4	27 × 12	अपूर्ण	19वी	
ग्रहो का फल	,,	7	27 × 13 × 14 × 36	,,	19वी	
12 भवनो का फल	मा	2	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण	1807	
ज्योतिष फलित	स	6	23 × 11 × 15 × 37	,, 131 श्लोक	19वी	
चमत्कार चिंतामणि जातकोक्त	,	5	26 × 11 × 13 × 44	,, 109 ,,	19वी	
ज्योतिप	मा	4	26 × 11 × 13 × 45	त्रुटक	19वी	
विविध फलित ज्योतिष	स	15	25 × 12 × 16 × 45	अपूर्ण	19वी	
गणित ज्योतिष	,,	17	26 × 13 × 14 × 35	सपूर्ण	1812	
ग्रह तालिकायें	,,	160,24	28 × 13व27 × 13	,,	19/20वी	
ज्योतिष	,,	3	27 × 12 × 14 × 49	,,	19वी	
,,	,	3	26 × 12 × 10 × 30	, 27+9	19वी	
,,	,,	8	28 × 14 × 13 × 51	अपूर्ण	19वी	
फलित ज्योतिप	स मा	16	26 × 12 × 10 × 35	द्वादश भाव अध्याय	1798	

1	2	3	3 A	4	5
28	इ-413	चमत्कार चिंतामणि	Camatkāra Cıntāmanı	—	गद्य
29	इ-1037	जगभूषण व जातक पद्धति	Jagabhusana Va Jātaka Padhatı	—	अंक
30	न-759	जन्म कुंडली फल	Janma Kundalī Phala	—	गद्य
31	इ-219	जन्म पत्रिका गणित क्रम	Janmapatrikā Ganıtakrama	—	ग + अंक
32	त-258	जातक बालाव बोध	Jātaka Bālāvabodha	हरिदत्त	पद्य
33	इ 561	जातकाद्यायाम्	Jatakādyoyam	गिरधरानंद	,,
34	न-419	ज्योतिष कुण्डली	Jyotısa Kundalī	—	यंत्र तालि
35	न-452	,, ग्रह गोचरादि	,, Graha Gocarādı	—	प ग
36–7	न-458-460	ज्योतिष बालावबोध 2 प्रति	Jyotışa Bālāvabodh 2 copies	मुंजादित्य	,,
38	म्रा-104	,, —	,, —	—	गद्य
39	त-1068	ज्योतिष शास्त्र बालावबोध	Jyotısa Śāstra Bālāvabodha	विजयादित्त	पद्य
40	गो-554	,, सार संग्रह	,, Sāra Sangraha	—	गद्य
41	न-164	ज्योतिष सार	Jyotısa Sāra	हीर कलश	,
42	गो-557	,, सारस्योद्धार	,, Sārasyodhāra	—	पद्य
43	इ-205	,, सारोद्धार	,, Sārodhāra	—	मू ट
44	त-256	ताजिक ग्रह भाव फल	Tajıka Grahabhāva Phalam	नीलकंठ गोवर्द्धन	गद्य
45	जा-550	,, भूषण	,, Bhuşana	गणेश दैवज्ञ	पद्य
46	न 468	,, सार	,, Sāra	दैवज्ञ हरि भट्ट	ग प
47	जा-549	,, ,,	,, ,,	नीलकंठ	पद्य
48	जा-234	,, ,,	,, ,,	—	गद्य
49	जा 282	,, ,, की टीका	,, ,, kı Tīkā	—	,,
50	इ-895	दशा पत्र	Daśā Patra	—	,,
51	न-763	दिशा शूल, सिद्ध योग, राशि स्वामी	Dıśāśūla, Sıdhayoga, Rāśısvāmī	—	पद्य
52	न-1102	दुष्ट ग्रह योगादि	Dusta Graha Yogādı	—	,,
53	इ-440	दोषावली	Dosāvalı	—	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित ज्योतिष	मा	13	26 × 11 × 15 × 46	द्वा॰श भाव अध्याय	19वी	
गणित ज्योतिष	—	5	25 × 12 × 13 × 40	स्फुट पत्र	19वी	
फलित ,,	स	2	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण	19वी	
गणित ,,	मा	25	26 × 11 × 17 × 49	,,	1769	
ज्योतिष	स	5	25 × 11 × 16 × 40	,, 90 श्लोक	19वी	
,,	,,	32	25 × 12 × 13 × 47	,, 1127 ग्र	19वीं	
,, ग्रह तालिका यत्र	मा	1	42 × 70	सपूर्ण	19वी	
ज्योतिष	स	8	25 × 12 × 12 × 35	स 131	19वी	
प्रारंभिक मास विचारादि	,,	25,9	27 × 12व26 × 12	सपूर्ण	1748/19वी	
सामान्य ज्योतिष	,,	5	26 12 × 14 × 33	,,	20वी	
ज्योतिष	,,	14	26 × 12 × 15 × 50	अपूर्ण 62 से 540 श्लो-	20वी	पहिले 2 पत्रे कम हैं
शीर्षकानुसार	मा	29	25 × 11 × 12 × 34	सपूर्ण	1791	
,,	मा स	30	23 × 10 × 15 × 40	,,	1806	
ज्योतिष	प्रा	16	25 × 12 × 21 × 60	,, 747 गाथा	18वी	
योगराज + अरिष्ट	स मा	36	25 × 11 × 5 × 33	,,	1984	
फलित ज्योतिष	स	5	27 × 12 × 16 × 45	,,	19वी	
ज्योतिष	,,	21	26 × 12 × 14 × 45	,,	19वी	
,,	,,	17	26 × 12 × 15 × 52	,,	1802	
,,	,,	21	26 × 12 × 13 × 37	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	6	26 × 13 × 14 × 50	,,	19वी	
,,	मा	17	27 × 12 × 24 × 63	सपूर्ण	1830	
ग्रह स्थिति फल सहित	स	2	26 × 11 × 16 × 55	,,	19वी	
विविध ज्योतिष विषय	मा स	2	26 × 12 × 11 × 36	,,	19वी	
अनिष्ट ग्रहफल मूहर्त्तादि	स	6	26 × 12 × 11 × 28	अपूर्ण 92 श्लोक	19वी	
ज्योतिष ग्रह दोष व परिहार	मा	6	22 × 12 × 12 × 34	सपूर्ण	1838	

1	2	3	3 A	4	5
54	आ-111	दोषावली	Dosāvalī	—	गद्य
55	नो-534C	,,	,,	—	,,
56	टू-118B	द्वादश भवन+जातक नक्षत्र	Dvādaśa Bhavana+Jātaka Naksatra	—	,,
57	त-1159	,, भाव फल	, Bhāva Phalam	—	पद्य
58	टू 1246	द्विघटिका	Dvighatikā	शिवा लिखित	ग प यंत्र
59	त-689	नारचन्द्र	Nāracandra	नरचन्द्र	मू ट
60-3	टू-67,131 321 105	,, 4 प्रति	,, 4 Copies	,,	ग तालिका
64	त-465	,, —	,, —	,,	,,
65	न-553	,, टिप्पणक	,, Tippanakam	,,	,,
66	टू-999	,, उद्धरण	,, Udharana	—	गद्य
67	नो 644	पन्चाङ्ग	Pañcānga	—	ग अंक
68	नो-551	,, विधि	,, Vidhi	—	गद्य
69	नो-348	पद्मकोश (मुन्था फल)	Padmakośa (Munthāphal)	—	पद्य
70	त 456	प्रश्न प्रदीपक	Praśna Pradīpaka	काशीनाथ भट्टाचार्य	,
71	ना-585	बारह राशि मे गुरु फल	Bāraha Rāśi Men Guru Phala	—	गद्य
72	टू-235	बीज क्रिया (विवृति सह)	Bija Kriyā (with Vivṛtti)	—/कृष्ण देव	मू वृ (प ग)
73	ना-558	बृहत जातक+चन्द्रार्की	Vṛhat Jātaka+Candrarkhi	वराह मिहर	ग प
74	त-869	भड्ली वाचक	Bhaḍali Vācaka	भडलि	पद्य
75	नो-556	भाव फल प्रदीप	Bhāva Phala Pradīpa	महादेव भट्ट	,,
76	न-987	भास्करोदित ग्रहागम	Bhāskarodita Grahāgama	—	गद्य
77	टू-581	भुवन दीपक	Bhuvana Dipaka	पद्म प्रभु सूरि	द्य
78-9	न-466,1150	,, 2 प्रति	, 2 copies	,,	,
80-1	टू-209,207	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	मू ट (प ग)
82	न-459	,, —	,, —	,,	,,
83	नो 251	भ्रमण सूत्र	Bhramana Sūtra	—	प तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष ग्रह दोष व परिहार	मा	3	26 × 12 × 12 × 31	सपूर्ण 444	20वी	
,, ,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 28	,,	1970	
ग्रह स्थिति नक्षत्र फल	स	8	26 × 12 × 13 × 37	,,	1862	
,,	,,	6	27 × 12 × 12 × 40	त्रुटक	19वी	
ज्य तष	,,	6	27 × 13 × 15 × 42	अपूर्ण	19वी	
सामान्य ज्योतिष ग्रन्थ	स मा	52	27 × 12 × 5 × 40	सपूर्ण	19वी	
,,	स	18 30, 25,3२	25से26 × 10से12	अतिम प्रति अपूर्ण	19वी	
,,	,,	10	27 × 12 × 15 × 40	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	31	24 × 12 × 16 × 32	,,	19वी	
मुख्य ग्रथ के आलापक	मा	7	27 × 13 × 14 × 52	प्रति पूर्ण 100 अनुच्छेद	19वी	
ज्योतिष टिप्पणक	,,	13	24 × 11	सपूर्ण	19वी	
गणित ज्योतिष प्रक्रिया	स	6	27 × 11 × 15 × 52	,,	19वी	
ग्रह वर्ष व कुण्डली फल	,	7	26 × 11 × 13 × 37	,,	19वी	
निमित्त प्रश्न विचार		7	26 × 12 × 15 × 45	,, 190 ग्र	1799	
गुरु ग्रह का फल	मा	4	20 × 10 × 11 × 32	,,	1877	
गणित ज्योतिष	स	50	26 × 11 × 17 × 63	अपूर्ण 62वें श्लोक तक	18वी	कल्पलता नाम्नी
ज्योतिष ग्रन्थ	,,	8	26 × 11 × 23 × 70	स० 26 अध्याय	19वी	
निमित्त ज्योतिष	मा	2*	25 × 12 × 21 × 42	,, 23 दोहे	1811	
ग्रह फल ,,	स	3	26 × 12 × 23 × 60	,, 145 श्लोक	19वी	
ज्योतिष	,,	3	27 × 12 × 14 × 39	अपूर्ण 3 अधिकार मात्र	19वी	कतूहल विदग्ध बुद्धि वल्लभ
ग्रह स्थिति फल	,	7	27 × 11 × 13 × 48	सपूर्ण 184 श्लोक	17वी	
,,	,	17,17	26 × 12 × 12 × 38	,, 210 ,,	1899	ग्रह भाव प्रकाशे
,,	स मा	22 14	25 × 11व26 × 11	,, 173, 180 श्लोक	1848/20वी	
,,	,,	12	27 × 12 × 7 × 41	,, 173 ,,	19वी	
गणित ज्योतिष	स	14	7 × 12 × 18 × 45	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
84	टू-400	महादेवोक्त सारिणी (वृत्ति सह)	Mahādevokta Sāriṇī (with Vṛtti)	—, धनराज गणि	मू वृ
85	लो-279	महामाई वायक	Mahāmāi Vāyaka	—	पद्य
86	व उ मु 23	मुहूर्त ज्योतिष	Muhūrta Jyotisa	—	गद्य
87	त-187	,, मुक्तावली	,, Muktāvali	परिव्राजकाचार्य	,,
88	लो-251A	,, ,,	,, ,,	,,	,,
89	त-985	मुहूर्त्तावली	Muhūrttāvali	—	,,
90	टू-40	मेघ माला	Meghamālā	—	पद्य
91	त-257	योगिनी दशा अन्तर्दशा फल	Yogınidasā Antardaśā Phala	—	ग तालिका
92	लो-244	रत्नमाला (बालावबोध सह)	Ratnamālā (with bālāva-bodha)	श्रीपति/परमकारुणिक	मू + बा (प ग)
93	त-1069	,, —	,, —	श्रीपति	पद्य
94	टू-451	,, (बालावबोध सह)	,, (with bālāva-bodha)	—	मू बा (प ग)
95	टू-417	राशि तिथि फलम्	Rāśı Tıthı Phalam	—	गद्य
96	त-878	राशि नक्षत्रादि	,, Naksatrādı	—	पद्य
97	त-190	लघु ग्रहगण साधन	Laghu Grahagana Sādhana	—	ग तालिका
98	लो-283	लघु प्रक्रिया	,, Prakrıyā	—	गद्य
99	त 1064	,, की व्याख्या	, ,, kī Vyākhyā	—	,,
100	त-766	वर्ष मास फल	Varsa Māsa Phala	—	पद्य
101	त-1093	वाराही संहिता	Vārāhī Sanhıtā	वाराह मिहर	गद्य
102	टू-1259	विवाह पटल (अवचूरि सह)	Vıvāha Patala (with Avacūrı)	क्षेमकर	मू अ (प ग)
103	टू-375	—	,, —	—	पद्य
104-5	लो 600,552	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	—	,
106	त-189	,, —	, —	—	,
107	त-462	,, —	,, —	—	ग प
108	त-266	,, —	,, —	—	गद्य
109	वा- 2	विवाह प्रकरण	Vıvaha Prakarana	काशीनाथ	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रह सारिणी दीपिका	स	31	26 × 11 × 15 × 55	सपूर्ण पहिला पन्ना कम	18वी	महादेवी दीपिका नाम्नी
सत सवत्सरी वर्ष फल भविष्य	मा	7	26 × 12 × 12 × 30	सपूर्ण	20वी	
विधि निषेध वार नक्षत्रादि	,	80	19 × 14 × 13 × 24	अपूर्ण बीच के पन्ने	19वीं	
मुहूर्त ज्योतिष	स	6	26 × 12 × 12 × 41	सपूर्ण	1906	
,,	,,	8	27 × 13 × 11 × 32	,,	1926	
,,	स मा	2	28 × 13 × 13 × 52	,,	1915	
फलित ज्यातिष	स	30	25 × 11 × 13 × 40	,,	1692	
,,	,,	5	26 × 12	,,	20वी	
,,	स मा	56	28 × 14 × 16 × 50	,, 20 प्रकरण	1857	उदयपुर मे, अमरचद द्वारा
,,	स	17	27 × 12 × 14 × 42	अपूर्ण 15वें प्र तक	20वी	
,,	स मा	42	25 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण	18वी	
,,	मा	3	27 × 11 × 17 × 54	सपूर्ण	19वी	
सामान्य ,	स	2	25 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण	19वी	
ज्यातिष गणित क्रिया	,,	6	26 × 12 × 17 × 45	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	10	26 × 12 × 11 × 46	अपूर्ण	19वी	ब्रह्म तुल्य सिद्धात
,,	,,	5	25 × 12 × 10 × 36	,,	19वी	
ग्रहो का फल	,	2	26 × 12 × 18 × 50	सपूर्ण 108 श्लोक	1863	
ज्योतिष ग्रन्थ	,,	99	27 × 12 × 13 × 55	अपूर्ण 2 अध्या से अत अध्या तक	20वी	
वैवाहिक ज्योतिष	,,	3	25 × 12 × 12 × 30	सपूर्ण	1778	
,,	मा	4	23 × 11 × 11 × 33	,,	1844	
,,	स	6,15	27 × 11व25 × 11	,, 153/274 श्लोक	1749/19वी	
,,	,	6	26 × 12 × 14 × 50	,, 144	1772	
,,	,,	21	26 × 12 × 18 × 43	सपूर्ण	1826	
,,	,,	6	28 × 13 × 15 × 55	अपूर्ण	19वीं	
,,	,	7	26 × 11 × 14 × 34	स 150 श्लोक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
110	त-642	विवाह प्रकरण	Vivāha Prakarana	रुपचद	पद्य
111	ड्-891	विवाह मुहूर्त	Vivāha Muhūrta	—	गद्य
112	त-461	शीघ्र बोध	Śighra Bodha	काशीनाथ	ग प
113-4	त-952,855	षट् पचाशिका 2 प्रति	Şat Pancāśikā 2 Copies	पृथुयशा	पद्य
115-6	ड्-228,196	,, 2 ,,	,, 2 ,,	, /उत्पल भट्ट	मू ट (प ग)
1,7	त-463	,, —	,, —	,, ,,	,,
18	ड्-1352	,, का वालावबोध	,, kā Bālāva-bodha	—	गद्य
119	त 723	,, ,,	,, ,,	—	,,
120	त-186	श्रीपति जातक कम पद्धति	Śripati Jātaka Karma Padhati	श्रीपति	,
121	त 563	सतसवत्सरी	Satsanvatsarī	—	,,
122	त 451	,,	,,	—	,,
123-4	ड् गु 16 350	,, 2 प्रति	,, 2 Copies	—	,,
125	त-1015	,, —	,, —	सेना	गद्य
126	को-583	साठी सवत्सरी	Sathī Sanvatsarī	—	गद्य
127	त-762	सुगम विवाह शोधन क्रिया	Sugama Vivāha Śodhana Kriyā	/रुपचद	पद्य
128	को-555	सूर्य ग्रहण चन्द्र पर्वादि	Sūrya Grahana Candra Parvādi	—	गद्य
129	श्रा-159	सूर्य मण्डल गति कोष्ठक	Sūrya Mandala Gati Koş-thaka	—	श्रक तालिका
130	लो-535,580	स्फुट ज्योतिष पन्ने	Sphuta Jyotisa Panne	—	ग प
131	त-1023	ज्योतिष स्फुट पन्ने लघु ग्रथ	Jyotişa Sphuta Panne Laghu Grantha	भिन्न भिन्न	,,

भाग 9 ज्योतिष व निमित्त

1	ड्-591	गोरख कुडली	Gorakha Kundali	—	पद्य
2	ड्-1269	छ क आदि शुकुन विचार	Chinka Ādi Śukuna Vicāra	—	पद्य
3	ड्-681	जानवरों की शुकुनावली	Jānvaron ki Śukunāvali	—	गद्य
4	ना 345	दोष पृच्छा शुकनावली	Doşa Prcchā Śukanāvali	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
वैवाहिक ज्योतिष	मा	2	26×11×13×42	सपूर्ण	19वी	चद्रायण रविवासादि साथ मे
,,	,,	8	28×13×11×35	,,	19वी	अत मे 10 श्लोक अपूर्ण जिन स्तुति के
प्रारभिक ज्योतिष ज्ञान	स	28	26×12×15×33	,, 4 भाव/ग्र 700	1851	
प्रश्न ज्योतिष	,,	3,3	27×12व26×12	,, 7 अध्या 56 श्लोक	1798/19वी	
,,	स मा	10,12	21×12व13×24	,, ,,	1775/1984	
,,	,,	7	27×13×3×37	,, ,,ग्र 500	1889	
,,	मा	8	26×13×14×36	सपूर्ण 56 प्रश्न	1842	
,,	,	7	27×12×15×44	,, 56 ,,	19वी	
ज्योतिष गणित प्रक्रिया	स	6	27×12×14×44	सपूर्ण	19वी	
सौ वर्ष फल भविष्य	मा	20	28×11×11×37	,, 1601 से 1700 तक	1665	
,,	,,	6	27×11×15×42	,, 1701 से 1800 तक	18वी	पहिला पन्ना कम
,,	,,	गु ,6	21×14व24×10	,,	1752	
,,	,,	2	28×12×17×58	स 1801 से 1900 तक	18वी	91 दोहे कुल
साठ वर्ष फल भविष्य	,,	8	23×11×14×40	सपूर्ण 60 वर्षों का	18वी	
वैवाहिक ज्योतिष	मा	2	23×10×12×32	,, 35 छद	1885	
विविध विषय ज्योतिष	स	10	26×12×16×45	अपूर्ण	19वी	
सूर्य की सारिणी	—	7	26×11	सपूर्ण	19वी	
विविध छुटे पन्ने	स मा	49+3	26से28×12से13	—	19वी	
ज्योतिष	,,	53*	25से27×11से12	सकलन	18/20वी	

/विभाग (आ) शकुन व अन्य निमित्त शास्त्र

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त शकुन यत्र	मा	1	26×12×13×48	सपूर्ण	19वी	
अग स्फुरणादि शुकुन	,,	5	24×16×20×34	अपूर्ण 22 से 26 पन्ने	19वी	
पशु शुकुन निमित्त	,,	5	25×11×13×31	सपूर्ण	1994	
शुकन निमित्त	,,	2	27×12×14×44	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
5	त-768	पलीय शुक्न विचार	Palīya Śukana Vıcāra	—	गद्य
6-9	इ-62,349, 402,807	पासा केवली 4 प्रति	Pāsā Kewalī 4 Copıes	गर्ग ऋषि	पद्य
10-11	त-191,1054	,, 2 ,,	,, 2 ,,	,,	,,
12	इ 1223	,, का बालावबोध	,, kā Bālāva-bodha	—	गद्य
13-4	लो-527,472	,, ,, 2 प्रति	,, kā Bālāva-bodha 2 ccpıes	—	,,
15	इ-83	योभ की प्रकरण	Yobha kī Prakarana	—	पद्य
16	इ-888	रघुवश शुकनावली	Raghuvanśa Śukanavalī	—	ग तालिका
17	इ गु -17	शिव स्वरोदय	Śıva Svarodaya	महादेवोक्त	पद्य
18	त-767	शुकन छींकादि विचार	Śukana Chınkādı Vıcāra	—	,,
19	इ-1162	शुकुन प्रदीपिका भाषा	Śukuna Pradīpıkā Bhāṣā	—	गद्य
20	त-764	शुकुन बत्तीसी	,, Battisī	हरमु सांखला	पद्य
21	त-454	, रत्नमाला	, Ratnamālā	—	ग प
22	इ 83	,, सारोद्धार	,, Sārodhara	—	पद्य
23-4	ना-705,274	शुकुनावली 2 प्रति	Śukunāvalı 2 Copıes	—	गद्य
25	इ 42	सामुद्रिक शास्त्र	Sāmudrıka Śāstra	—	पद्य
26	इ-1244	,,	,,	रामचन्द्र गणि	,,
27	इ गु -21	,,	,	—	,,
28	त 455	,,	,,	—	ग प
29	इ-83	स्वप्नाध्याय	Svapnādhyāya	—	पद्य
30	इ 1271	स्वरोदय	Svarodaya	—	गद्य
31	इ-1358	,, विचार	,, Vıcāra	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
शुकन निमित्त	मा	2	26 × 12 × 11 × 35	सपूर्ण	19वी	
,, ज्योतिष	स	9,8,9,7	24से27 × 11से12	,, 184/196 श्लोक	1877-85 से 20वी	
,, ,,	,,	6 7	26 × 12व25 × 11	प्र स 196 श्र, द्वि अपू	1794	
,, ,,	मा	8	27 × 13 × 13 × 30	सपूर्ण	1910	
,, ,,	,,	8,5	26 × 12	प्र सपूर्ण, द्वि अपूर्ण	1840/1941	
देवी के शुकन	,,	6	27 × 12 × 15 × 62	स 76 गाथा	1533	
शुकन के यत्र	स	5	27 × 13 × ———	सपूर्ण	20वी	
निमित्त ('सरोदा')	मा	9	21 × 15 × 18 × 24	,,	1930	
अग स्फुरणादि शुकन	,,	2	25 × 12 × 14 × 39	,,	20वी	
निमित्त	,,	4	25 × 12 × 14 × 36	अपूर्ण 111 पद	20वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 9 × 30	सपूर्ण 32 दोहे	20वी	
शुकुन शास्त्र	,,	10	26 × 12 × 14 × 50	सपूर्ण	20वी	
,,	स	20*	27 × 12 × 15 × 68	,, 542 श्लोक	1533	
पशु शुकन	,,	5,7	25 × 12व28 × 14	प्र पूर्ण, द्वि. अपूर्ण	1794/19वी	
पुरुष स्त्री अग लक्षण	,,	5	25 × 11 × 17 × 50	सपूर्ण 169 श्लोक	1721	
,,	मा	8	28 × 12 × 13 × 45	स दोसमुद्देश, 210 गा	19वी	
,,	,,	18	16 × 12 गु	सपूर्ण 182 छद	19वी	
,,	मा स	18	28 × 12 × 17 × 42	सपूर्ण	1817	
निमित्त विद्या, स्वप्न शास्त्र	स	6	27 × 12 × 15 × 62	,, 46 श्लोक	1533	
शारीरिक क्रिया पर निमित्त शास्त्र	मा	3	26 × 12 × 11 × 40	,, 8 अध्याय	19वी	
शारीरिक क्रिया पर निमित्त शास्त्र	,,	4	27 × 12 × 16 × 45	,, 103 पद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	ला-243	गणित सार	Ganıta Sāra	मुनि आनद	पद्य
2	जो-173	(त्रिशति) गणित सार (टीका सह)	(Trısatı) Ganıta Sāra (with Tikā)	माणिगेनाट पच धुरा	मू टी (प ग)
3	ड्र-1488	परिकम्मष्टिक	Parıkarmmāstıkam	लीलावती मे से	पद्य
4	त-188	पट्टी पहाडे	Pattı Pahāḍe	—	अक तालिका
5	ड्र-1348	,,	,,	—	,,
6	ड्र-959,915	लीलावती टीका 2 प्रति	Lılavatī Tıka 2 Copıes	भास्कराचाय मिश्र परशुराम	गद्य
7	ला-278	,, भाषा —	,, Bhāsā —	यति लालचदजी	,,

भाग 10

1	2	3	3 A	4	5
1	ड्र-35	रत्न परीक्षा सम्मुच्चय	Ratna Parıksā Sammuccaya	—	प ग
2	ज उ गु 22	रागमाला पार्श्व स्तवन	Rāgamālā Pārsva Stavana	जिन समुद्र सूरि	प आकडी
3	त 598	अपराजित वास्तु शास्त्र	Aparājıta Vāstuśāstra	महादेवोक्त	मू (प)
4	ड्र-905	वा तु शास्त्र	Vāstū Śāstra	महन मिश्र	पद्य
5	ड्र 1336	,	,,	,,	,,
6	ड्र-183	विज्ञान चद्रिका	Vıjñāna Candrıkā	क्षमा कल्याण	,,
7	ड्र-65	वृत्त सुगावठ बोध (वृत्ति सह)	Vṛtam Surthāvabodham (with Vṛttı)	नागार्जुन घनराज गणि	मू वृ (प ग)
8	धा 309	भण्डार सूचि जैसलमेर (थार शा	Bhandāra Sūcı Jaısalmer (Thāru Śa)	—	ग तालिका
9	धा-733	, (खरतरगच्छ उपाश्रय)	Bhandāra Sūcı Jaısalmer (Khartargacha Upasraya)	—	,,
10	धो-717	, ,, (दुर्गास्थित + तपागच्छ)	Bhandāra Sūcı Jaısalmer (Dūrgastita + Tapāgaccha)	—	,,
11	धा 734	,, ,, (लोका गच्छ	Bhandāra Sūcı Jaısalmer (Lonkāgaccha)	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ाणित	मा	8	28 × 12 × 16 × 47	स 4 अध्याय	18वी	
,,	म	34	28 × 13 × 15 × 70	स (त्रिशति)	16वी	प्रथम पन्ना कम
ेणतसूत्र-गुणा भाग वर्ग मूलादि	,,	2	25 × 9 × 14 × 49	सपूर्ण	1711	
ेणतमहाजनीपहाडे	—	6	16 × 12 × 21 × 32	प्रति पूर्ण	19वी	
,,	—	43	28 × 11 × ———	,,	19वी	
ासिद्ध गणित शास्त्र	म	40,19	26 × 11व26 × 12	प्र पूर्ण, द्वि अपूर्ण	1762/19वी	
,,	मा	30	26 × 13 × 13 × 33	स 16 अध्याय	1820	

अवर्गीकृत शेष

6	7	8	8 A	9	10	11
रत्नो की परीक्षा के सूत्र	अपभ्र श	84	18 × 11 × 11 × 29	लगभग पूर्ण	18वी	पहिले 2 पन्ने कम
गीत रागिनीमे साथ स्तवन उदाहरण 6 रागो का	मा	5	15 × 10 × 11 × 24	स 128 रागो की	19वी	
शिल्प विद्या	स	7*	24 × 10 × 13 × 54	म 35 श्लोक	15वी	
भवन मदिर निर्माण विज्ञान	स	8	26 × 13 × 12 × 39	अ त्रुटक 223 श्लो	19वी	
,, ,,	,,	51	26 × 13 × 13 × 32	अ त्रुटक	1901	
वशरीरानुशासनादि	,,	11	18 × 11 × 12 × 24	स 198 श्लोक	20वी	
वशीकरणादि योग	,,	4	24 × 10 × 22 × 60	स 63 आर्यायें	1728	
ग्रन्थ सूची	मा	1	110 × 14 × ———	सपूर्ण	1713	
,,	,,	37	35 × 27 × ———	,,	2000	
,,	,,	350	34 × 30 × ———	,,	1990	
,,	,,	31	44 × 31 × ———	,,	20वी	

परिशिष्ट—१

संख्या सूचक शब्द संकेत

1	2	3
अंशु = 1	अनुयोग = 4	अरि = 6
अंशुमाली = 12	अनुष्टुभ् = 8	अरुण = 12
अंघ्रि = 2	अनेकप = 8	अर्क = 1,12
अक्ष = 5	अन्त करण = 4	अर्चि = 3 7
अक्षि = 2	अन्तक = 2	अर्जुन बाण = 1000
अक्षौहिणी = 11,23	अन्तर = 9	अर्जुनभुज = 1000
अग्नि = 3	अन्तरिक्ष = 0	अर्जुनसुत = 100
अग्र = 7	अन्घ्रि = 2	अर्णव = 4,7
अङ्क = 9	अप = 4	अर्थ = 3,5
अङ्ग = 2,4,5,6,7,8	अपापत्ति = 4	अर्थि = 3
अङ्गद्वार = 10	अब्जज = 1	अर्बुद = 10 करोड़
अङ्गिरस = 9 11	अब्जदल = 100	अयमा = 12
अङ्गुलि = 10	अब्जिनीपति = 12	अर्हत् = 24
अङ्गुष्ठ = 1	अब्दबीज = 4	अलख = 1
अङ्गापाग = 11	अन्दल = 100	अलि = 8
अघाप = 13	अब्धि = 4,7	अलिपद = 6
अचल = 7	अब्रह्म = 18	अली = 8
अज = 1	अभिनय = 2,4	अवतार = 10,24
अजमुग = 4	अभ्र = 0	अवनि = 1
अणु = 9	अमर = 33	अवलेभ = 8
अति जगति = 13	अमरलोक = 21	अवस्था = 4, 8
अति धृति = 19	अमरालय = 21	अशिव = 2
अतीत = 1	अमाङ्गल = 8	अश्व = 1, 7
अत्यष्टि = 17	अमृतद्युति = 1	अश्वि = 7
अभि = 7	अमृत रुचि = 1	अश्विनि = 14
अदीश्वर = 7	अम्बक = 2	अश्वी = 2
अद्रि = 7	अम्बर = 0	अष्ट = 8
अद्वैतवाद = 1	अम्बिका = 16	अष्टादश = 18
उपाध्याय = 18	अम्बुज छन्द = 1000	अष्टि = 16
अनन्त = 0	अम्बुद = 17	असिधारा = 2
अनन्त यशु = 20	अम्बुधि = 4	असु = 5
अनल = 1,3,7	अम्बुनिधि = 4	अस्त्रक = 100
अनिल = 5,49	अम्भोधि = 4	अहन् = 15
अनीक = 8	अम्भोनिधि = 4	अहस्कर = 12
अनुत्तर = 5	अयुत = 1000	अहि = 8
अनुप्रेक्षा = 12	अर = 20	अहिकुल = 8

4

अहिपति मुख = 1000
आँख = 2
आँखडी = 2
आकाश = 0
आकृति = 2
आखण्डल = 14
आचार = 5
आज्यान्श = 3
आज्याश = 3
आत्मा = 1
आदि = 1
आदित्य = 1,12
आप = 4
आशा = 10
आश्रम = 4
आहृय = 7

इन = 12
इन्दु = 1
इन्दुकला = 16
इन्दुवाजि = 10
इन्द्र = 14,1000,1,24
इन्द्र चक्षु = 1000
इन्द्र दृष्टि = 1000
इन्द्र नेत्र = 1000
इन्द्र = 14
इन्द्री = 14
इभ = 8
इला = 1
इलापति = 6
इषु = 5

ईक्षीण = 2
ईश = 11
ईश मूर्ति = 8
ईश्वर = 11,4
ईश्वर दग = 3
ईश्वर नयन = 3

उडु = 27

5

उडुपति = 1
उत्कृति = 21,26
उदधि = 4,7
उदन्वन्त = 4
उदन्वान = 4
उदय = 1
उदर्चिम् = 3
उपचार = 16
उपाङ्ग = 12
उपाय = 4
उभ = 2
उभय = 2
उर्वरा = 1
उर्वी = 1
उष्णाशु = 12
उष्णरश्मि = 12

ऋक्ष = 21
ऋतु = 6
ऋद्धि = 7
ऋषि = 1

एक = 1
एक विंशति = 21
एकादश = 1 (11)
एकोनो विंशति = 19
एणभृत = 1
एणाक = 1

ऐश्वर्य = 8

ओषधीश = 1

ककुभ = 10
कथा = 4
कन्या = 5
कपर्दि = 11
कपार = 4
कपालभृत् = 11
कबुग्रीव 3
कमल 0,1

6

कर = 2
करणीय = 5
करभ (करल) = 6
करटी = 8
कराङ्गुली = 45,20
करिवासक = 8
करी = 8
कर्ण = 2
कर्म = 8,10 12
कमदेव = 12
कलत्र = 7
कलभ = 8
कलश = 1
कला = 16
कलाधर = 1
कलानिधि = 1
कलि = 1
कषाय = 4
काम = 13
कामगुण = 5
कामदेव = 12
काय = 6
कारक = 6
कार्त्तवीर्यशर = 1000
कार्त्ति के नेत्र = 12
कार्त्ति केय = 6
काल = 3 6
कालिदास काव्य = 3
काशयपि = 1
काष्ठा = 10
कास्य = 4
किरण = 13
कीचक = 100
कु = 1
कुच = 2
कुञ्जर = 8
कुटुम्ब = 2
कुन्थु = 17
कुभन्त = 7

7	8	9
कुमारवदन = 6	ख = 0 9	गुह वक्त = 6
कुमुद = 1	खग = 0, 9	गुहाक्षि = 12
कुमुदनि पति = 1	खग = 9	गुहास्य = 6
कुमुदबान्धव = 1	खड्ग = 1	गुहाधीश = 12
कुम्भ = 11	खड्ग धारा = 2	गुहानन = 6
कुम्भी = 8	खण्ड = 9	गो = 1, 9
कुम्भीपाल = 8	खर = 6 7	गोचर = 4
कुम्भूपति मंता = 11	खानि = 4	गोचरण = 4
कुल = 7	खेचर = 9	गोत्र = 1,7
कुल गिरि = 7	खेट = 9	गोदावय = 7
कुलपति = 8		गोस्तन = 4
कुल पर्वत = 7	गगन = 0	गौ = 9
कुलाचार = 14	गङ्गा गौरी = 2	गौरव = 3
कुलाचल = 7	गङ्गा मार्ग = 3	ग्रह = 9
कुलादि = 7	गङ्गा मुख = 1000	ग्रीवा रेखा = 3
कूष्ट = 4	गज = 3 8	ग्रैवयक = 9
कृत = 4	गज जाति = 4	ग्लौ = 1
कृत रावण मुण्ड = 9	गज दन्त = 2	ग्वाधि = 4
कृता = 4	गजस्य = 1	
कृतान्त = 2	गणपति रदन = 1	घन = 17
कृति = 2,20,22	गति = 4,5	घस्र = 2,15
कृशानु = 3	गन्धर्व = 7	घोटक = 7
केन्द्र = 4	गयवर = 8	घोषा = 13
कोष्ठ = 4	गवाग्नि = 4	
क्रतु = 9	गव्य = 5	चक्ररथ = 1
क्रम = 3	गायत्री = 24	चक्रवर्ती = 6
क्रिया स्थान = 13	गिरि = 7,5	चक्रवर्तिन = 12
क्रौञ्चारी = 6	गिरी = 6,8	चक्रवाल = 7
	गिरीश = 11	चक्रिन = 12
क्षपाकर = 1	गुण = 3,6,9	चक्रिराजन = 12
क्षमा = 1	गुणमणि = 14	चक्री = 6
क्षमाखण्ड = 6	गुण स्थान = 14	चक्षु = 2,20
क्षमाधर = 7	गुप्ति = 3,9	चत्वर = 4
क्षमापति मडल = 12	गुल्फ = 2	चत्वरिका स्तम्भ = 4
क्षिति = 1	गुह = 9	चतुर्दश = 14
क्षेत्र = 7	गुहक = 6	चतुर्विंशति = 24
क्षोणी = 1	गुह नेत्र = 12	चतुष्टय = 4
क्षोणीश = 16	गुह बाहु = 12	चत्वारि = 4
क्ष्मा = 1	गुह मुख = 6	चन्द्र = 1

10	11	12
चन्द्रकला = 15,16	जीवाजीवोपकरण = 14	तुरग = 7
चन्द्रकी = 16	जुग = 14	तुर्ग = 7
चन्द्रयति = 4	जैनपद्म = 9	तुर्य = 4
चन्द्रवाह = 10	जैवातृक = 1	तुला = 7
चन्द्रशेखर = 1	जोधार = 4	तूड = 7
चन्द्राश्व = 10	ज्वर = 3	तैतिल = 6
चर = 5	ज्वारसुर = 6	तोयधि = 7
चरण = 2,4	ज्वलन = 3	
चार = 4		त्रय = 3
चित्रभानु = 12,16,3	ज्ञाताध्याय = 19	त्रयत्रिंशत् = 33
	ज्ञान = 5	त्रयोविंशति = 33
छन्द = 7	ज्ञेय = 1	त्रि = 3
छाया 1,10		त्रिकटु = 3
छिद्र = 0,9	तक्ष = 8	त्रिकाल = 3
	तक्षक = 8	त्रिकूट = 3, 7
जग = 3	तत्व = 3,5,7,9,24,25	त्रिकूटकूट = 3
जग चक्षु = 12	तनु = 1,8	त्रिक्षेत्र = 3
जगत = 3	तनुवात्त = 5	त्रिगुण = 3
जगती = 12,48	तनूनपात = 3	त्रिजगत = 3
जघा = 2	तन्तुसायक = 5	त्रिदश = 33
जट = 18	तपन = 1,3,12	त्रिदशा = 3
जपमाला = 100	तपस्वी = 7	त्रिदशालय = 21
जम = 14	तपोधा = 7	त्रिदिव = 14
जरान्घ्रि = 3	तरणी = 12	त्रिनयन = 1
जरासन्ध = 23	तरुवर = 13	त्रिनेत्र = 3
जल = 4	तर्क = 6	त्रिपदी = 3
जलद = 17	तर्ण = 6	त्रिफला = 3
जलधि = 4,7	तान = 4	त्रिमौलि = 3
जलधि भोजन = 100	ताप = 3	त्रियम्बक = 11
जलनिधि = 4,7	ताम्बुल गुण = 13	त्रियामायाम = 3
जलाश्य = 4	तारक = 27	त्रियोदश = 13
जाति = 22	तारण = 18	त्रिरत्न = 3
जानु = 2	तारा = 27	त्रिवस्ति = 3
जास्यस्य = 6	ताल = 7	त्रिविष्टप = 33
जाह्नवी = 1000	तिथि = 15	त्रिशरानेत्र नाराणी = 6
जिन = 24	तिथि सख्या = 15	त्रिशिरा = 3
जिनोपासक प्रतिमा = 11	तिसृ = 3	त्रिशूल = 3
जिष्णु = 0	तीक्ष्णांशु = 12	त्रेत = 3
जीभूत = 17	तीनलोक = 3	दश = 2
जीव = 1,6	तीर्थ = 68	

13	14	15
दण्ड = 1,3	दिशि — 4	द्वौ = 2
दण्डधर = 2	दीप = 1	
दधि = 4	दुग्ध = 7	धन्या = 19
दन्त = 8,32	दुग = 9,10	धरणी = 1
दन्तावल = 8	दुर्गति = 7	धरती = 1
दन्ती = 8	द्युमणि = 12	धरा = 1
दर्शन = 6	दुहृद = 6	धाता = 1,10
दल = 2,30	दृग् = 2	धातु = 7
दश = 10	दृश = 2	धात्री = 1
दशकन्धर नेत्र = 20	दृष्टि = 2	धान्य = 7
दशकन्धर भुजा = 20	देव = 14,33	धान्यक = 12
दशन = 32	देवता = 33	धामनिधि = 12
दशरथ पुत्र = 4	देवालय = 21	धिष्णाय = 27
दशा = 3,10	देवीतरा = 1	धी = 7,8
दस्र = 2	देश = 8	धीगुण = 8
दहन = 3	देह = 6	धुति = 10
दाक्षायणी प्राणेश = 1	दो = 2	धूर्जटी = 11
दानवारि = 33	दौ = 2	धृतराष्ट्र पुत्र = 100
दिक् = 10	दोर = 2	धृतराष्ट्र सुत = 100
दिक्कुम्भी = 28	दोष = 10	धृति = 18
दिक्पति = 1	दोम् = 10	धो = 0
दिक्पाल = 8	द्युमणि = 12	ध्यान = 4
दिग् = 4	द्रव्य = 6	ध्रुवतारा = 4
दिग्गज = 8	द्वन्द = 2	नक्षत्र = 27
दिग्दुरित = 8	द्वत्रिंशत् = 32	नक्षत्रेश = 1
दिन = 5	द्वादश = 12	नग = 20
दिनकर = 12	द्वार = 9	नखर = 20
दिनकृत = 12	द्वाविंशति = 22	नदीकूल = 2
दिननायक = 12	द्वि = 2	नदी तट = 2
दिनमणि = 12	द्विज = 1,2,32	नदो द्वार = 13
दिनश = 1	द्विजप = 1	नदी नाथ = 4
दिव = 0	द्विजराज = 1	नन्द = 9
दिव = 1,21	द्विप = 8, 18	नन्देषु तिथि = 59
दिवस = 15	द्विरद् = 8	नभ = 0
दिवाकर = 12	द्विप = 6	नय = 2,7
दिवौकस = 33	द्वीप = 7,18	नयन = 2
दिश = 4	द्वैपण = 6	नयस सन्तान = 7
दिशा = 4,10,8	द्वै = 2	नर = 20
दिशापति = 1	द्वैत = 2	नरक = 7,40

16	17	18
नरपति = 16	पञ्चदश = 15	पार्शव चिन्ह = 7
नरलक्षण = 32	पञ्चविंशन्ति = 25	पार्षद = 10
नव = 9	पञ्चोत्तर विमान = 5	पाल = 3
नाग = 7,8	पताका = 1	पावक = 3
नाग जिह्वा = 2	पत्नरी = 5	पिण्ड स्थान = 19
नागेन्द्र = 8	पद = 6	पितामह = 1
नाडि = 9	पद्म = 10	पिनाकी = 11
नाथ = 9	पक्षी = 8	पीयूष दीधिति = 1
नाभि = 10	पदार्थ = 4 9	पुणातर दृष्टचन्द्र = 1000
नाम = 9	पद्य = 3	पुर = 3,7
नायक = 1	पन्नग = 12	पुरन्दर = 14
नारद = 9	पन्थ = 12	पुराण = 18
नाराच = 5	पन्नग = 1,8	पुरी = 7
नारायण (वासुदेव) = 9	पयोद = 17	पुरुष = 3
नासत्य = 8	पयोधर = 2	पुरुषकला = 72
नासावन्श = 1	पयोधि = 4	पुरुषान्वय = 14
निधान = 9	पयोनिधि = 4	पुरुषायु = 100
निधि = 9	परमधार्मिक = 15	पुरुहूत = 14
नियम = 14	परमेष्ठि = 5	पुष्कर = 8,30
निरात्मा = 5	परियुत = 100000	पूर = 7
निर्जर = 4,33	परिषह = 22	पूरण = 0,3
निर्जरालय = 21	पर्व = 5	पूर्ण = 0
निशाकर = 1	पर्वत = 78	पूर्व = 14
निशानाथ = 1	पलाशदल = 3	पूषा = 12
निशापति = 1	पवन = 5 9,49	पृथ्वीपति = 1,16
निशिपति = 1	पवमान = 49	पृथ्वी = 1
निशेप = 1	पशुपति = 11	प्रकृति = 21,25 14
नीति = 4	पाकशासन = 12	प्रजापति = 5
नीरधि = 4	पाठक = 4	प्रणाम = 5
नीरनिधि = 4	पाणि = 2	प्रतिनारायण (प्रतिवासुदेव) = 9
नृप = 16	पाण्डव = 5	प्रथम जिनभव = 13
नेत्र = 2	पाताल = 7	प्रभंजन = 49
नेम = 12	पतिशाही सेना = 22	प्रभव = 1
पक्ष = 2,15	पाद = 2	प्रभाकर = 12
पकज दल = 1000	पाप = 5	प्रभावक = 8
पक्ति = 0,10	पाप स्थानक = 18	प्रभुनेत्र = 3
पञ्च = 5	पयोनिधि = 4	प्रमत्तपति = 11
पञ्चक = 5	पारावार = 4	प्रमाण [illegible] 2
पञ्चकुल = 5	पार्थिव = 19	प्र[illegible] 3

19

प्रवचनमाता = 13
प्रवराम = 18
प्राण = 5,10
प्राणेश = 1
प्रालेय = 1
प्रालेयांशु = 1
प्रासाद = 1
प्रियव्रतक = 5
प्रीति रति = 2
फणि = 7,8

बन्ध = 4
बन्धु = 4
बहुमाता = 12
बाईसी = 22
वाजि = 7
बाण (बाणी) = 5
बाणी = 4
बाहु = 2
बाहु = 2
बिन्दु = 0
बुद्धि = 4
बुद्धिगुण = 8
बुध = 33
ब्रह्म = 8 1,3
ब्रह्मगुप्ति = 9
ब्रह्मसुत = 4
ब्रह्मवृत्ति = 9
ब्रह्मा = 1
ब्रह्मास्य = 4
ब्राह्म = 3

भक्त = 12
भक्ति = 9
भग (भाजन) = 17
भग = 11
भय = 7
भर = 14
भरत-अनुचर = 2
भर्गी = 6

20

भव = 11
भवन = 3
भवमार्ग = 3
भवानिसुत = 6
भानु = 12
भार = 18
भास = 12
भावना = 12
भाषा = 6
भास्कर = 12
भास्वत् = 12
भास्वन्त = 12
भिक्षु प्रतिमा = 12
भीम = 11
भुजग = 8
भुजा = 2,10
भुवन = 3,7,14
भुवि = 1
भू = 1
भूखण्ड = 6 9
भूत ग्राम = 14
भूति = 8
भूतेश = 11
भूधर = 7
भूप = 16
भूपति = 16
भूपाल = 16
भू भृत = 7
भूमि = 1
भोगी = 8
भोजक = 8
भोजन = 17
भृङ्ग पद = 6
भ्रमर चरण = 6

मकराकर = 7
मङ्गल = 8,9
मणि = 7
मणिहार = 100
मद = 8

21

मदकल = 8
मघवा = 14
मनस् = 1
मनु = 14
मरुत् = 49
महाकाव्य = 5
महादेव = 11
महापाप = 5
महाभूत = 5
महामय = 5
महायज्ञ = 5
महाव्रत = 5
महासेन वदन = 6
महिधर = 7
मही = 1,7
महीभृत = 1
महेश = 11
महेश्वर = 11
मातङ्ग = 8
माता = 5
मातृक = 7
मात्रक = 7
मारुत = 5
मार्गण = 5 14
मार्तण्ड = 12
माला = 4
मास = 12
मासार्ध = 6
मित्र = 17
मिथुन = 2
मिहिर = 12
मीन = 12
मुक्ति = 4
मुख = 1
मुद्रा = 10
मुनि = 3,7
मृगशिर = 5
मृगाङ्क = 1
मृगास्य = 5
मेदिनी = 1

22

मेदिनीपति = 16
मेघ = 17
मेघाण्य = 17
मेरु = 1,5
मेष = 1

यक्ष = 13
यज्ञ = 5
यज्ञोपवित्र सूत्र = 3
यति = 6,7
यति धर्म = 10
यतिप्रतिमा = 12
यन्त्र = 1
यम = 2,12,14
यमक = 12
यमराज = 2
यमल = 2
याद पति = 4
याम = 4,8
युग = 4,2
युगल = 2
युतक = 2
युथप = 8
युथपनाथ = 8
युवा = 9
योग = 8
योगङ्ग = 8
योगेश्वर = 9
योजन (कोश) = 4

रजनीकर = 1
रजनीनाथ = 1
रजनीश = 1
रजसूत्र = 4
रज्जु = 14
रति = 6
रत्न = 3,5,9,14,13
रत्नाकर = 7
रथ धुर्य = 2
रद = 1,32

23

रदन = 32
रद्द = 32
रन्घ्र = 0,9
रमा = 0,1
रवि = 12
रविकर = 1000
रविचन्द्र = 2
रविवाह् = 7
रश्मि = 1,0
रस = 6,9
रसातल = 7
राग = 6
रागिनी = 36
राजमण्डल = 12
राजा = 16
राज्याङ्ग = 7
रात्रिपति = 1
राम = 3
रामनन्दन = 2
राम-लक्ष्मण = 2
रामसुत = 2
रामा = 6
रावणचक्षु = 20
रावण भुजा = 20
रावण मस्तक = 10
रावण मुख = 10
रावण शिस्त्र = 10
रावण श्रुति = 20
रावणागुलि = 100
राशि = 1,9,12
रिपु = 6
रीति = 4
रुद्र = 1
रूप = 1
रोहिणी = 4
रोहिणीपति = 1
रोहिताश्व = 3

लब्धि = 9,28
लेश्या = 6

24

लोक = 7,14,3
लोकपाल = 4 8
लोक वन्धु = 12
लोचन = 2

वक्त = 1
वक्र = 12
वक्षोज = 2
वचन = 3
वज्रकोण = 6
वज्रिन = 14
वदन = 6
वनधि = 4
वयरम्भा = 16
वर्ग = 5
वर्ग मूल = 36
वर्ण = 3,4,5 6
वर्त्म = 5
वर्ष = 1000
वर्षधर = 6
वर्हि = 3
वलय = 3
वलि = 3
वह्नि = 3,5
वह्नि शिखा = 7
वसु = 8,7
वसुधा = 1
वसुन्धरा = 1
वाहव = 7
वाजि = 7
वाजी = 3,7
वाणिग = 0,4
वात = 5,49
वामदेव = 11
वायु = 5,10,49
वायुसख = 3
वार = 7
वारण = 8
वारणरद = 4
= 17

25	26	27
वरिद = 17	बृहस्पति = 12	शशधर = 1
वरिधि = 4,17	बृहस्पति हस्ता = 12	शशभृत = 1
वारिनिधि = 4	वेद = 3 4	शशांक = 1
वारिराशि = 4	वेदाङ्ग = 6	शशि = 1,12
वार्धि = 4	वैवस्वत = 2	शशिकला = 16
वासव = 14	वैश्वदेवाहा = 13	शस्त्र = 5
वाह = 7	वैश्वानर = 3	शिखर = 7
विंशति = 20	व्यय = 12 20	शिखी = 3
विकर्त्तन = 12	व्यसन = 7	शितिकण्ठ = 11
विकृति = 23, 6	व्याकरण = 8	शिर = 3
विक्रम = 3,14	व्याघ्री स्तन = 9	शिलि मुख 5,6,7
विडौजा = 14	व्याल = 8	शिव = 10,11,3,0
विद्या = 3 14,18	व्योम = 0	शिव नेत्र = 3
विद्यादेवी = 16	व्रध्न = 7,12	शिव मार्ग = 3
विद्यास्थान = 14	व्रत = 5	शिव वदन = 5
विधि = 4 8	व्रीहि = 7	शिव सूली = 11
विधिमुख = 4		शिवाक्ष = 3
विधु = 1,4	शक्ति = 3	शिशिर = 1
विनायक दन्त = 1	शक्र = 14	शीतकर = 1
विनायक स्कन्ध = 2	शक्र यज्ञ = 100	शीतगु = 1
विबुध = 33	शक्रवाह = 7	शीत दधि = 1
विबुधालय = 21	शक्वरी = 1	शीतरश्मि = 1
विभव = 2	शङ्कर = 11	शीतांशु = 1
विभाकर = 12	शंकर लोचन = 3	शीता = 1
वियत् = 0	शख = 1	शुक्रदृष्टि = 1
विशिख = 5	शतपत्र पत्र = 100	शुक्र नेत्र = 1
विशेष = 19	शतभिषा = 100	शुक्रार्चिष = 16
विंशोपक = 20	शतमन्यु = 14	शून्य = 0
विश्व = 3,13,14	शतमुख = 100	शुभेतरा लेश्या = 3
विश्वामित्र आश्रम = 1000	शमन = 2	शूल = 3
विश्वे = 20	शम्भव = 11	शेवधि = 9
विश्वेदय = 10	शम्भुबाहु = 10	शेष-शीर्ष = 1000
विश्वेदेवा = 13	शम्भु मुख = 5	शैल = 7
विषधि = 4	शम्भु मूर्ति = 8	
विषय = 5,14	शम्भू = 11	श्रम = 5
विष्टप = 3	शर = 5,6	श्रमण धर्म = 10
विष्णुपाद् = 0	शरद = 1	श्रवण = 3
विष्णुभुजा = 4	शरीर = 5	श्री कण्ठ = 11
विहायस् = 0	शर्व = 11	श्री भतृ कर शाखा = 20
व्रीहि = 7	शर्वरी = 1	श्रीमुख = 7
वृष = 2,15	शर्वरीकान्त = 1	श्रुति = 2 4,8,20
		शृङ्ग = 2

28	29	30
शृ गार = 16	सविता = 12	स्थानक = 5
श्वेत = 1	सहस्र = 1000	स्थानु = 11
श्वेत ज्योति = 1	सहस्र किरण = 12	स्पर्श = 11
	सहास्राशु = 12	स्मर = 5
षट = 6	सहोदरा = 3	स्मरवाण = 5
षट्क = 6	सागर = 4,7	स्मृति = 18
षट्पद = 6	सामवेद शाखा = 1000	स्रज = 100
षोडश = 16	सायक = 5	स्रोत = 14
	सारि = 15	स्रोत स्विनी = 14
सयम = 17	सिद्ध = 24	स्वप्न = 14
सयमभेद = 17	सिद्धि = 8	स्वर = 5 6,7,8
सस्कार = 16	सिद्धिगुण = 8	स्वर्ग = 21
सक्राति = 12	सिन्धु = 1,4	स्वर्ग व्रताग्नि = 5
सख्या = 9	सिन्धुर = 8	स्वर्दण्ड
सघ = 4	सुकृति = 24	स्वाध्याय = 5
सघात = 4	सुख = 7	
सञ्ज्ञा = 4,19	सुधाशु = 1	हय = 7,8
सदल = 30	सुधाकुण्ड = 9	हरचक्षु = 3
सनकादि = 4	सुधाक = 1	हरनयन = 3
सन्ध्या = 3	सुधा रुचिकला = 16	हरनेत्र = 1,3
सपतन = 6	सुनासिर = 14	हरमुख = 5
सप्त = 7	सुपार्श्वफणि = 5	हरहतपुर = 3
सप्तदश = 17	सुमति = 5	हरि = 10,12
सप्त पर्व = 7	सुर = 5,7,8,16,33	हरित = 10
सप्ताचल = 7	सुरगजरद = 4	हरिदेव = 12
सप्तार्थि = 3	सुरपति = 14,16	हरिभुज = 4
सप्ताश्व = 7	सुरभवन = 14	हरिवसु = 4
सफर = 12	सुरभेद = 4	हव्यवाहन = 3
समासद = 12	सुरलोक = 21	हस्त = 2
समय = 3	सुरवृक्ष = 5	हस्तागुलि = 10
समाय = 6	सुरालय = 21	हस्ति = 2,8
समास = 6	सुरेश = 14	हस्तिकर = 1
समिति = 5	सूत्र = 14	हिमकर = 1
समीर = 49	सूर = 12	हिमकरकला = 16
समीरण = 5	सूरवर्तम = 0	हिमगु = 1
समुद्र = 4,7	सूर्य = 12	हिमज्योति = 1
सम्पत्ति = 6	सेनाङ्ग = 4	हिमरुच = 1
सम्प्रदाय = 4	सेनानी नेत्र = 12	हिरण्यरेता = 3
मरिकोष्ट = 12	सेना भारत = 18	हुताशन = 3
सरित्पति = 4	सोम = 1	हृदय कमल = 12
सरोवर = 13	स्तन = 2	होतृ = 3
सर्प = 8	स्तवक = 4	
सर्वजित = 21	स्तवेरम = 8	
सलिलाकार = 4	स्त्रीकला = 64	

परिशिष्ट—२

प्राचीन अंक माला के वर्ण

	1	11	21	31	41	51	61	71	81	91	
1	१	ळृ१	थ१	ला१	प्त१	छ१	थु१	घृ१	ॡ१	ॠ१	91
2	२	ळृ२	थ२	ला२	प्त२	छ२	थु२	घृ२	ॡ२	ॠ२	92
3	३	ळृ३	थ३	ला३	प्त३	छ३	थु३	घृ३	ॡ३	ॠ३	93
4	ष्क	ळृ·ष्क	थ.ष्क	लाष्क	प्त ष्क	छष्क	थु·ष्क	घृष्क	ॡष्क	ॠष्क	94
5	र्तृ	ळृ र्तृ	थ र्तृ	ला र्तृ	प्त र्तृ	छ र्तृ	थु र्तृ	घृ र्तृ	ॡ र्तृ	ॠ र्तृ	95
6	फ्रु	ळृफ्रु	थ फ्रु	लाफ्रु	प्तफ्रु	छफ्रु	थुफ्रु	घृ फ्रु	ॡफ्रु	ॠफ्रु	96
7	ग्रा	ळृग्रा	थग्रा	लाग्रा	प्तग्रा	छग्रा	थुग्रा	घृग्रा	ॡग्रा	ॠग्रा	97
8	ह्रीं	ळृह्रीं	थह्रीं	लाह्रीं	प्तह्रीं	छह्रीं	थु ह्रीं	घृह्रीं	ॡह्रीं	ॠह्रीं	98
9	ॐ	ळृॐ	थॐ	लाॐ	प्त ॐ	छॐ	थुॐ	घृॐ	ॡॐ	ॠॐ	95
10	⊗	थ०	ला०	प्त०	छ०	थु०	घृ०	ॡ०	ॠ०	सु००	100
	10	20	30	40	50	60	70	80	90	100	

सू०० (दो सौ)

म्न०० (तीन सौ)

श्न०० (चार सौ)

परिशिष्ट–३

थारुशाहजी भडार की सूचि

सवत् 1713 मे की गई

1	2	3

१ काला डाबड़ा

1 आचाराङ्ग पत्र 62
2 ,, वृत्ति पत्र 274
3 सूत्र कृताङ्ग निर्युक्ति 61
4 ,, वृत्ति 298
5 स्थानाङ्ग 92
6 ,, वृत्ति 330
7 समवायाग 40
8 ,, वृत्ति 93
9 भगवती 355
10 ,, वृत्ति 427
11 ज्ञाता 109
12 ,, वृत्ति 93
13 उपाशकदसा 19
14 ,, की वृत्ति 21
15 अतकृताङ्ग+अनुत्तरोपपातिक 25
16 ,, की वृत्ति 11
17 प्रश्न व्याकरण 29
18 ,, वृत्ति 102
19 विपाक 29
20 ,, वृत्ति 22
21 आवश्यक वृहद वृत्ति 541
22 ,, लघु वृत्ति 322
23 विशेषावश्यक 98
24 ,, वृहद वृत्ति 1 खड 331
25 ,, ,, ,, 2 खड 348
26 उत्तराध्ययन 53
27 ,, वृहद वृत्ति 18000
पत्र 417

२ डाबड़ा नदीवृत

28 आचाराङ्ग सूत्र 62
29 ,, निर्युक्ति 11
30 ,, वृत्ति 265 (262)
31 सूत्रकृताङ्ग सत्र 53
32 ,, वृत्ति 280
33 ठाणांग 86
34 ,, वृत्ति 311
35 समवायाग 38
36 ,, वृत्ति 86
37 भगवती 344
38 ,, वृत्ति 402
39 ज्ञातासूत्र 107
40 ,, वृत्ति 88 ?
41 राजप्रश्नीय 45 ?
42 ,, वृत्ति 80 ?
43 उत्तराध्ययन 45
44 ,, वृत्ति 312
45 आवश्यक मलयगिरि वृत्ति 503
46 ,, टिप्पण 102
47 शत्रुञ्जयमहात्य 264
48 सग्रहणी लघुवृत्ति 87
49 ऋषिमडल वृत्ति 263

३ शंख डाबड़ा

50 प्रज्ञापना 173
51 ,, वृत्ति 336
52 जीवाभिगम 113
53 ,, वृत्ति 311
54 राजप्रश्नीय 46
55 ,, वृत्ति 79 ?
56 जबूद्वीपपन्नति 90
57 ,, वृत्ति 3'0
58 चन्द्र प्रज्ञप्ति 41
59 ,, वृत्ति 208
60 सूर्य प्रज्ञप्ति 54
61 , वृत्ति 217
62 जबूद्वीप प्रज्ञप्ति चूर्णि 40
63 निरियावलीया 25
64 ,, वृत्ति 16
65 नदीसूत्र 20
66 ,, वृत्ति 175
67 अनुयोगद्वार 56
68 ,, वृत्ति 135
69 उत्तराध्ययन 53 ?
70 ,, वृत्ति 317 ?
71 औपपातिक 29
72 ,, वृत्ति 74
73 दसवैकालिक 21
74 ,, चूर्णि 188
75 ,, वृत्ति 64
76 सघाचार प्रकीर्णक वृत्ति 176
77 प्रवचनसार उद्धार वृत्ति 430
78 प्रज्ञापना वीजक 48 ?

४ डावडा–मच्छयुग्म

79 धर्मोपदेश माला 147 (140)
80 दर्शन सत्तरी वृत्ति 116 (216)

4

81 भवभावना वृत्ति 293
82 धर्मसंग्रह ,, 271
83 प्रतिक्रमण चूर्णि 108
84 विचार सार 247
85 क्षेत्रसमास 20
86 ,, वृत्ति 183
87 सत्तरी ग्रन्थ 13
88 नवतत्व विवरण 67
89 नवपद प्रकरण 20
90 पंचाशक 32
91 ,, वृत्ति 215
92 विवेक मञ्जरी वृत्ति 201
93 प्रतिक्रमण गर्भ हेतु 27
94 उपदेश पद वृत्ति 151
95 श्राद्धविधि वृत्ति 161
96 नवतत्व ,, 8
97 प्रश्नोत्तर वृत्ति पत्र 178
98 आचार दिनकर 309
99 योगशास्त्र वृत्ति 292
100 नवपद , 238
101 पंचवस्तु 51
102 , वृत्ति 135
103 संवेग रंग शाला 273
104 संग्रहणी वृत्ति 120
105 षट्स्थानक वृत्ति 36
106 पंचलिंगी ,, 154
107 विधिप्रपा — 86

५ ध्वजा डावडा

108 निशीथ 19
109 ,, चूर्णि प्रथम 335
110 जीतकल्प वृत्ति 56
111 समाचारी टीका 183

5

112 पंचाशक वृत्ति 206 ?
113 व्यवहार सूत्र 17
114 बृहत्कल्प भाष्य 199
115 व्यवहार भाष्य 141
116 बृहद्कल्प वृत्ति प्रथम खंड 407
117 ,, द्वितीय खंड 141
118 आराधना 72 ?
119 चैत्यवंदनकभाष्य 26
120 पंचलिंगी वृत्ति 34
121 द्वि० पंचाशक सूत्र 31
122 विशेषणवती 11
123 दसवैकालिक 21
124 शीलांगरथ 9
125 वृंदारक वृत्ति 51
126 अष्टक सूत्र वृत्ति 105
127 नमस्कार महात्म्य 8
128 चैत्यवंदनक भाष्य 33
129 ,, वृत्ति 27
130 मेरुसुन्दर कृत बाला 4 ?
131 लुंपकमत खण्डन 93 ?
132 तपोमत खण्डन 54
133 पार्श्व जिन गणधर सबध 80
134 निशीथ चूर्णि टीका 28

६ श्रीवत्स डावडा

135 व्यवहार सूत्र 25 ?
136 ,, भाष्य 222
137 ,, चूर्णि 380
138 ,, वृत्ति 1140
139 पंचकल्प चूर्णि 99
140 चैत्य वंदन चूर्णी पत्रे 79
141 पार्श्वचन्द्र मत खण्डन 134
142 तपामत खण्डन 51

6

143 बारहबोल 57
144 तपोटमत चौपई 83
145 अंचलिकमत खण्डन 39
146 उपदेशमाला 233 ?

७ डावड़ा स्वस्तिक

147 निशीथ सूत्र 27
148 ,, भाष्य 268
149 ,, चूर्णि 41 ?
150 ,, ,, प्रथम खण्ड 522
151 ,, ,, द्वितीय खण्ड 512
152 बृहत्कल्प सूत्र 13
153 ,, भाष्य 271
154 ,, प्रथम खण्ड 537 वृत्ति
155 ,, द्वितीय खण्ड 517 ,,
156 ,, तृतीय खण्ड 444
157 ,, चतुर्थ खण्ड 196 ?
158 ,, चूर्णि 460 ?
159 जीत कल्प सूत्र वृत्ति 61 ?
160 पंचकल्प वृत्ति 96 ?
161 आवश्यक विवरण 169 ?
162 आराधना पताका 62 ?
163 ललित विस्तरा 31
164 ,, सूत्र 18

८ दर्पण डावड़ा

165 ज्ञाता सूत्र 112
166 ,, वृत्ति 87
167 ,, सूत्र द्वितीय 133
168 ,, वृत्ति ,, 85
169 उत्तराध्ययन 51
170 ,, वृत्ति 307
171 राजप्रश्नीय 78 ?

7	8	9
172 उत्तराध्ययन वृत्ति 357 ?	182 ज्ञाता सूत्र वृत्ति 87	190 षोडषशक सूत्र 8
173 राजप्रश्नीय वृत्ति 95	183 श्रोघनिर्युक्ति भाष्य 67	191 ,, वृत्ति 40
174 ,, ,, 78	184 ,, वृत्ति 155	192 प्रतिक्रमण हेतु गर्भ 25
175 उत्तराध्ययन वृत्ति 292	185 पिंडनिर्युक्ति सूत्रवृत्ति 161	193 वादस्थल 16
176 ,, ,, 299	186 श्रावश्यक निर्युक्ति 78	194 ,, द्वितीय पत्र 39
177 राजप्रश्नीय सूत्र 43	187 शत्रुञ्जय महात्म्य 235	195 श्रोघनिर्युक्ति 29 ?
178 ,, वृत्ति 91	188 धर्म रत्नकरडक 220	196 दशाश्रुत स्कन्ध 30 ?
179 दसवै कालिक सूत्र 18	189 तरुण प्रभ चैत्यवदन वालाववोध 185 ?	197 भक्तामर वालावधवोध 20
180 ,, वृत्ति 64		
181 राजप्रश्नीय वृत्ति 88		

परिशिष्ट-४

सम्वत् 1864 वर्षे शक 1742 प्रवर्तमाने मिति भादवा सुद 5 दिने सुरतितराम लिखते या
मुनि श्री गुलाब विजयना श्री चिंतामणि पार्श्व प्रभोप्रसादात्

श्री जैसलमेर नगरे तपागच्छे उपासरारे भडार री टीप छै

1		2		3	
डबो-१		श्राद्ध जीतशल्प सूत्र	60	सूत्रकृताङ्ग वृत्ति	242
आचाराङ्ग सूत्र	49	तर्क भाषा	28	पचाशक ,,	143
,, वृत्ति	233	**डबो-२ बोगत**		नवपद प्रकरण	116
सूत्रकृताङ्ग ,,	215	राजप्रश्नीय सूत्र	55	पचाशक सूत्र	16
ठाणाग ,,	304	जीवाभिगम ,,	96	जीवसमास वृत्ति	128
ठाणांग सूत्र	74	प्रज्ञापना ,,	286	सूर्य पन्नति	71
समवायाङ्ग वृत्ति	68	जवूद्वीपपन्नति वृत्ति	455	नदीसूत्र	4
,, सूत्र	34	चन्द्र पन्नति सूत्र	52	,, वृत्ति	118
ज्ञाताधर्म कथाङ्ग सूत्र	99	सूर्य पन्नति वृत्ति	164	प्रश्न व्याकरण	128
उपाशकदशाङ्ग सूत्र	16	जवूद्वीपपन्नति	100	शातिनाथ चरित्र	57
अतकृत ,,	16	प्रज्ञापना सूत्र	158	योगशास्त्र वृत्ति	197
अनुत्तरोपपातिक सूत्र	5	जवूद्वीपपन्नति	80	दशवै कालिक वृत्ति	52
प्रश्न व्याकरण ,,	27	**डब्बो ३ बोगत**		जीव समास	8
विपाक ,,	25	कर्म प्रकृति सूत्र	11	**डब्बा ४ बोगत**	
विपाक सूत्र वृत्ति	17	,, वृत्ति	155	उत्तराध्ययन वृत्ति	445
दशवै कालिक ,,	131				

4

श्राद्ध प्रतिक्रमण	286
शांतिनाथ चरित्र लोक	151
पदावली	18
कल्प-किरणावली	195
आवश्यक सूत्र	86
कल्प सूत्र बारे सौ	128
ज्ञाताधर्मकथांग	154
गौतमपृच्छा	57
श्रीपाल सूत्र	46
	118
कल्प सूत्र बालबोध	106

डब्बा-५ री वीगत

निशीथ सूत्र	8
,, चूर्णि	275
,, ,, विशेष	12
व्यवहार वृत्ति	327
निशीथ भाष्य	172
बृहत्कल्प वृत्ति खण्ड 4	1002
,, ,, गुटर	385
उत्तराध्ययन कथा	161
कथाकोश (द्वितीय खण्ड)	150

डब्बा ६ री वीगत

ऋषिमण्डल वृत्ति	120
उपदेशमाला ,,	27
दिनकृत्य ,,	281
ठाणांग ,,	285
यतिदिनचर्या ,,	40
,, सूत्र	50
दृदार वृत्ति	66
श्रावक दिनचर्या सूत्र	14
मदन विचार	16

5

उत्तराध्ययन वृत्ति	323
,, सूत्र	41

डब्बा ७ री वीगत

पाटव चरित्र	233
मृगावती चरित्र	56
नेमी चरित्र	109
उपमिति भव चरित्र (प्रपंचकथा)	286
मलयसुन्दरी कथा	36
श्री महावीर चरित्र प्राकृत	544
शत्रुञ्जय महात्म्य लघ(88)	88
,, ,, वृद्ध	214
परिशिष्ट पर्व	86
भवन भानु केवली चरित्र	33

डब्बा ८ री वीगत

आवश्यक प्रथम खंड (वृत्ति)	204
,, द्वितीय खंड (,,)	282
,, बृहद्वृत्ति (22 सहस्री)	560
,, चूर्णि	398
विशेषाविशेष लघ वृत्ति	425
गणधर सार्द्धशतक सटीक	240

डब्बा ९ री वीगत

श्राद्ध दिन कृत्य विवृत्ति	281
उपदेश पद सूत्र	31
,, वृत्ति	244
कर्म प्रकृति सूत्र	14
,, वृत्ति	170
नाममाला सूत्र	40
नाममाला वृत्ति	245
सारस्वत व्याकरण	37
शब्दानुशासन वृत्ति	94
दर्शनसत्तरी टीका	40

6

सत्तरिसयसट्ठाण	17
अनयउच	6
अंगचूलिया सूत्र	20

डब्बा १० री वीगत

उत्तराध्ययन वृत्ति	276
श्राद्धविधि वृत्तिसह	204
विचारामृत सग्रह	56
प्रतिक्रमण हेतु गर्भ	23
ललित विस्तरा वृत्ति	28
,, पंजिका	45
प्रश्नोत्तर समुच्चय	33
अवार प्रदीप	23
ओघनिर्युक्ति सूत्र	26
तिलोयपन्नति	40
प्रतिक्रमण हेतु गर्भ	18
आराधना पत्रिका पद्धति	24
चैत्यवन्दन बृहत वृत्ति भाष्य	24
प्रवचन सारोद्धार	94
वंदनक चूर्णि	24
उपदेश माला	20
दशवैकालिक सूत्र	10
उत्तराध्ययन नियुक्ति	17
दशवैकालिक अवचूरी	34
पंचनिर्ग्रन्थ संग्रहणी अवचूरी	6
हेतु विभागियावचूरी	13
प्रशमरति सूत्र	7
श्राद्धविधि वृत्ति	155
आत्मकल्पद्रुम वृत्ति	58
विशेषणवती	11
क्षेत्रसमास वृत्ति	23

डब्बा ११ री वीगत

निशीथ सूत्र	12

7

ज्ञाता धर्म कथाग वृत्ति	56
निरियावलिका सूत्र	29
औपपातिक वृत्ति	73
जवूद्वीपपन्नति चूर्णि	30
चन्द्रपन्नति वृत्ति	131
जीवाभिगम वृत्ति	197
रायपपेणी वृत्ति (राजप्रश्नीय)	68
राज प्रश्नीय सूत्र	55
गिहविशुद्धि	33
सूत्रकृताग निर्युक्ति	2
दशाश्रुत स्कघ	3

डब्बा १२ री बीगत

आवश्यक टिप्पणक	57
काव्य कल्पलता वृत्ति	54
मुपार्श्व चरित्र	228
प्रश्नोत्तर रत्नमाला	183
उत्तराध्ययन सूत्र	35
सम्यक्त्वरत्न वृत्ति	313
पचसग्रह	33
कर्मग्रन्थावचूरि	27
विवेवविलास	22
दर्शन शुद्धि प्रकरण	7
नलायन चरित्र	132

डब्बा १३ री बीगत

भगवती सूत्र	312
भगवती वृत्ति	505
भगवती वीजक	12

डब्बा १४ री बीगत

(सब ताडपत्रीय)

महानिशीय	215

8

पदार्थ सग्रह	
उपदेश माला	235
ऋपभ महावीर चरिय	407
रत्न प्रकरण	198
हरिविक्रम चारित्र	300
पचाशक सूत्र	77
मेघदूत	
कुमारसभव	
साधुकुल	

डब्बा १५ री बीगत

तत्वार्थ सूत्र	5
प्रज्ञापना टीका	452

डब्बा १६ री बीगत

दशवैकालिक चूर्णि	175
आचाराग चूर्णि	209
वृहत्कल्प चूर्णि	321
,, भाष्य	201
व्यवहार भाष्य	152
दशाश्रुत स्कन्ध सूत्र	46
,, चूर्णि	56
धर्म सग्रहणी वृत्ति	278
पचकल्प वृहत् भाष्य	73
,, चूर्णि	73
ओघनिर्युक्ति भाष्य	67
महानिशीथ सूत्र	96
वृहत् कल्प सूत्र	9
ज्योतिप करडक टीका	122
पर्चलिगी विवरण	120
,, लघुवृत्ति	35

डब्बा १७ री बीगत

विशेपावश्यक वृहद्वृत्ति प्रथम खड	330
,, ,, द्वितीय खड	325

9

पिंडनिर्युक्ति	160
भवभावना वृत्ति	317
प्रश्नोत्तर रत्नमाला	158
पट्स्थानक वृत्ति	37
नवतत्व विवरण	67
विशेपणवती सूत्र	11
यतिजीत कल्प सूत्र	4
,, वृत्ति	46
दर्शन सप्ततिका वृत्ति	199
श्राद्ध जीतकल्प सूत्र वृत्ति	60
वसुदेव हिंडी प्रथम खण्ड	167
समाचारी (विधिप्रपा)	30
पन्नवणा वृत्ति	211
चउसरसा	7
धर्मोपदेशमाला	143
योगशास्त्र बालाववोध	126

डब्बा १८ री बीगत

शीलोपदेशमाला वृत्ति	160
पुष्पमाला ,,	128
आचाराग दीपिका (बालावबोध)	174
सूत्रकृताग वृत्ति	273
नाममाला ,,	194
क रप्रकरण	8
महिपाल चरित्र	60
ओघनिर्युक्ति सूत्र	23
,, वृत्ति	209
पोडस सूत्र	10
,, वृत्ति	44
सधाचार वृत्ति	206
भगवती सूत्र	399

डब्बा १९ री बीगत

आवश्यक निर्युक्ति स्वर्णाक्षरी	117

10	11	12

डब्बा–२०

गुटक पत्रे

डब्बा २१ री वीगत

ग्रन्थ	पत्र
अनुयोगद्वार सूत्र	32
अनुयोग वृत्ति	153
पच्चक्खाण भाष्य	12
आदिनाथ देशना	5
संस्तारक सूत्र	4
पुष्पमाला मूल	11
बालसत्तरी	2
शीलोपदेश प्रकरण	3
सप्तस्मरण	8
कर्मग्रन्थ यन्त्र	10
लोकनालि	2
आवश्यक सूत्र	72
ओघनियुक्ति वृत्ति	74
भक्त परिज्ञा	7
भव वैराग्य	4
पाक्षिक विचार	12
उपदेश शतक	25
सप्तति जिन स्तोत्र	3
विचार पत्र	2

डब्बा २२ री वीगत

ग्रन्थ	पत्र
कल्पसूत्र सोनेरी	27
पडावली	4

डब्बा २३ री वीगत

ग्रन्थ	पत्र
प्रवचन सारोद्धार	26
कल्पान्तरवाच्य	37
उपासकदशांग	38
ज्योतिषरा	44
वाग्भटालंकार	45
गणधर सूत्र	6
योगशास्त्र	6
औपपातिक वृत्ति	53
दशवकालिक सूत्र	20
जंबू चरित्र	20
कालाप व्याकरण	161
रामकथा	22
मृगांकलेखा चौपई	11
ऋषि मण्डल	13
हीरप्रश्न	32
अनुयोगद्वार गुटक	30
आवश्यक टिप्पनक	85
कर्म विपाक वृत्ति	16
षष्ठी शतक	11
दसवैकालिय	24
उपासकदशांग वृत्ति	31
गदक	15
षड् आवश्यक	40
उपदेशमाला बालावबोध	24
उत्तराध्ययन वृत्ति	267
सारगसार काव्य	43
ओघनियुक्ति	28
शुकराज कथा	11
दशवैकालिक वृत्ति	28
षडशीति	51
उत्तराध्ययन टीका	45
ज्ञाताधर्म कथाग	69
क्षेत्रसमास	23
कौमुदिय	86
सम्यक्त्व कौमुदी	49
आचारांग	71
कुमारसंभव टीका	42
उपदेशमाला	40
अनेकार्थ	34
ऋषिमंडलसूत्राव चूरि	53
दशवैकालिक अवचूरी	34

पोथी २५

ग्रन्थ	पत्र
षट्पुरुषी विचार	20
षट्दर्शन	22
राजप्रश्नीय सूत्र	43
प्रश्नव्याकरण वृत्ति	94
षष्टीशतक टीका	17
कर्मसत्तरी	14
जैनशतक	20
हरिबल चरित्र	15
उपदेशमाला	21
क्षेत्रसमास	31
श्रीपालरास	17
तेजसार चौपई	25

परिशिष्ट-५

– श्री जिनभद्र गरिए भंडार जैसलमेर –

मुनि श्री जबू विजयजी द्वारा मई जून 1983 मे जैसलमेर भण्डार के ग्रन्थो की फिल्म करवाई गई उसकी सूची :—

(1) ताडपत्र – मुनि श्री पुण्य विजयजी द्वारा तैयार किये हुवे सूचीपत्र मे के—

(1) वडे भडार के ग्रन्थ क्रमाक 1 से 403 } (अतिम से पहिली 6 प्रतिया कागज पर है)

(11) पचो के भडार के ग्रन्थ क्रमाक 404 से 426 }

(III) तप गच्छ भडार के सभी 7 ग्रन्थ (सूचीपत्र पृष्ठ 358-59)

(IV) लोका गच्छ ,, 4 ग्रन्थ (,, ,, 361-3)

(V) आचार्य गच्छ ,, 3 ग्रन्थ

(2) कागज के ग्रन्थ – वडे भडार के ग्रथ—क्रमांक 1 से 78, 85, 166-7, 175, 195, 201, 206, 207, 208 210, 216, 220, 222, 228, 233, 235, 238, 240-2, 245-7, 249, 252-3, 259, 261, 276, 340, 352, 420, 446, 468, 475, 477, 515-6, 562, 568, 592, 606, 683, 694, 782, 801, 817, 831, 864, 869, 944, 1020-1, 1045-6, 1051, 1053, 1064, 1079, 1083, 1089, 1190, 1224, 1231, 1238, 1276-8, 1279-90, 1292-4, 1298-1302, 1303, 1305, 1307, 1309, 1311-17, 1320, 1324-26, 1332, 1334-7, 1340, 1342-3, 1346, 1348-9, 1352, 1355-6, 1374-5, 1426, 1453, 1470, 1480, 1532, 1534, 1542, 1552-3, 1587, 1599, 1611, 1679, 1690, 1720, 1759, 1795, 1796, 1798, 1951, 1957, 1960-1, 2113, 2120, 2171, 2191, 2205, 2226

डूगरजी के भडार के – 27, 35, 37, 104, 149, 158, 329, 430, 455, 509, 675, 905, 953, 960, 1101

तपगच्छ भडार के – 16, 28, 62, 70, 174, 289(2), 473, 176, 320, 327, 328, 360, 491, 687, 739

लोकागच्छ भडार के

आचार्य गच्छ भडार के

थारुशाहजी के भडार के

परिशिष्ट-६

Transliteration in Roman Script

देवनागरी वर्णमाला को रोमन लिपि में लिखने की पद्धति

दे	Description	R
	– VOWELS –	
अ	Gutturalis Brevis	a
आ	,, Longa	ā
इ	Palatalis Brevis	i
ई	,, Longa	ī
उ	Libialis Brevis	u
ऊ	,, Longa	ū
ऋ	Lingualis Brevis	ṛ
ऌ	Denalis Brevis	ḷ
ए	Gutturo-palatalis Longa	e
ऐ	,, ,, Diphthongus	ai
ओ	,, Libialis Longa	o
औ	,, ,, Diphthongus	au
(अं)	अनुस्वार	ṃ
(अः)	विसर्ग	ḥ
	– CONSONANTS –	
क्	Gutturales Tenuis	k
ख्	,, ,, aspirata	kh
ग्	,, Media	g
घ्	,, ,, aspirata	gh
ङ्	,, Nasalis	ṅ
च्	,, Modifications Tenuis	c
छ्	,, Modifications Tenuis aspirata	ch
ज्	,, Modifications Media	J
झ्	,, ,, Media aspirata	Jh
ञ्	,, ,, Nasalis	ñ
ट्	Dentales ,, Tenuis	ṭ
ठ्	Dentales Modifications Tenuis aspirata	ṭh
ड्	,, Modifications Media	ḍ
ढ्	,, ,, Media aspirata	ḍh
ण्	,, ,, Naslis	ṇ
त्	,, Tenuis	t
थ्	,, ,, aspirata	th
द्	,, Media	d
ध्	,, ,, aspirata	dh
न्	,, Nasalis	n
प्	Labialis Tenuis	p
फ्	,, ,, aspirata	ph
ब्	,, Media	b
भ्	,, ,, aspirata	bh
म्	,, Nasalis	m
य्	Semivocalis	y
र्	,,	r
ल्	,,	l
व्	Spiritus lenis	v
श्	,, asper assibilatus	ś
ष्	,, ,,	ṣ
स्	,, asper I	s
ह्	,, ,,	h
क्ष्	क्+ष्	kṣ
त्र्	त्+र्	tr
ज्ञ्	ज्+ञ्	Jñ
ऽ	अवग्रह	ऽ

परिशिष्ट--७

लेखकों की अकारादिक्रम से सूची--

पृष्ठ	अनुक्रम	स्तम्भ	अशुद्ध	शुद्ध
163	257	8A	27	57
166	1	4	नदीषोण	नदिषेण
167	303	11	(स्फुटलघुमे)	[ये शब्द हटा दें]
168	14-5	4	आनदघानजी	आनन्दघनजी
168	31	3	स्प्रोत	स्तोत्र
169	12	8A	15	25
170	39	3-3A	उत्तराध्यानादि	उत्तराध्ययनादि
171	39	9	स्वाध्यायें	सज्झायें
173	68	6	बन्दनमाला	वन्दनमाला
174	95	2	778	788
174	115-6	3-3A	,, = (अष्टभय)	[यह शब्द हटादें]
174	117	,,	,, = (अष्टभय)	[यह शब्द हटा दें]
176	147	5	मू प	मू प
189	300	11	—	देखें पृ 172 प्र 79
190	321	3	अष्टम	अष्टक
192	350	7	स	स मा
194	406	2	1186	1188
195	382	9	—	स
195	383	9	—	स
195	394	7	सं	स प्रा
196	409	2	1186	1168
197	408	8A	24×11	22×14
197	411	7	स	स प्रा
200	471	3	स्तवन	स्तवन 2 प्रति
200	500	4	जयपद	जयानन्द

पृष्ठ	अनुक्रम	स्तम्भ	अशुद्ध	शुद्ध
201	502	11	—	देखें पृ 196 प्र 413–20
203	526	10	17वी	18वी
207	12	6	विवादास्पद निराकरण	साधुजीवनिया
207	12से6	11	—	भाग 4 म का ग्रन्थ
209	17	11	—	,,
209	37	11	हरिविजय	हीरविजय
209	38	6	दिगवरमत	दिगम्बरमत
209	41	8A	25× ×25	25×12×15×52
210	56	3 3A	विचार	विचार(vicara)
214	30	3	प्रबद्द	प्रबद्द
218	100	3	कुलधर कुमार	कुलधज कुमार
218	पृष्ठान्त	3	—	गणधर साडशतक देखें पृष्ठ 206
219	110	6	अभिग्रहतप	अभिग्रह, तप–
220	129	—	—	[इस प्रविष्टि का प्र 147 म बाद मे पढ़े]
224	184	3	थावच्चा	थावच्चा
225	177	11	दसया	सातया
227	210	9	,,	मयूण
227	233	8	—	17
228	256	2	1037	1073
232	305	2	1038	1308
235	338	11	—	देखें पृ 247 प्र 516 6
240	426	2	325	320

पृष्ठ	अनुक्रम	स्तम्भ	अशुद्ध	शुद्ध
80	118	,,	(दोघही)	दोघट्टी (Doghaṭṭī)
85	155	8	37	57
85	155	9	27	72
85	158	11	जीण	जीर्ण। देखें पृ 144/म 1097
86	167	3 3A	कर्म शतक	कर्मग्रथ प्राचीन 6
86	168	,,	,	,, ,, ,,
86	169	4	यलयगिरि	मलयमिरि
86	172	3	6	5
86	180-2 189-90	4	देवेन्द्र	देवेन्द्र + चन्द्रर्षि
87	168	8A	36	39
88	195	2	825	835
88	211	4	देवेन्द्र	देवेन्द्र + चन्द्रर्षि
91	226	7	स	प्रा
91	227	7	,,	स
91	232	11	राजहस का शिष्य	(ये शब्द हटादें)
91	233-4	8A	17	27
97	321	10	16वी	17वी
102	398	33A	जैनघम मजरी	जैनधर्म मजरी ('अ' की प्रविष्टियो के लिये देखें पृष्ठ 96)
110	549	4	अभयदेव	अभयदेव(आगमोक्त)
113	559	11	पथम लघुवृति	प्रथम गाथाकम 2 पत्रो ग्रन्य
113	560	11	—	लघुवृति
113	564	11	—	देखें पृष्ठ 154 प्र 123

पृष्ठ	अनुक्रम	स्तम्भ	अशुद्ध	शुद्ध
117	620	7	,, = (म)	प्रा.
119	649	11	अतिम	अतिम
124	758-9	2	622	622,1243
125	750	9	ग्र 12394	ग्र 1429
129	819	11	घर्मश्री	घर्मभी
130	875	2	376	378
131	884	8A	25	28
134	932	3	सचित्ताचित्त	सचित्ताचित्त
136	942	4	पर्वत घर्मार्थी	पूज्यपाद/पर्वत घर्मार्थी
138	970	3	सग्रणी	सग्रहणी
140	1028	2	240	204
142	1034	2	256	286
142	1036	2	22	5
143	1036	8A	22	12
143	1039	6	पदक	परक
144	1088	4	केशरमिल	केशरश्रिमन
145	1076-8	9	पुरानी सपूर्ण	पहिली अ, शेष स
147	मध्यमे	—	(विभागीय शीर्षक)	जैन सिद्धान्त व आचार – विभाग (आ) जैन न्याय —
152	74	3	तित्य	तित्थ
154	106-9	3	अष्टाह्निका	अष्टाह्निका
155	123	11	—	भाग 2 का ग्रथ देखें पृ 112
159	175-6	11	विधि प्रथा	विधिप्रथा
160	200	4	शिवचद्रमणि	चन्द्रगणि
161	200	7	,, = (प्रा मा)	स
163	231	11	—	दिगम्बर आम्नाय

– शुद्धि पत्रक –

पृष्ठ	अनुक्रम	स्तम्भ	अशुद्ध	शुद्ध
4	लकीर 24	—	195	1951
6	,, 19	—	इन्स्टेण्ड	इन्स्टेण्ट
6	,, 23	—	ग्रन्थो''' पर नही	[ये शब्द हटा दें]
6	,, 26	—	भार्या की यह	भार्या की भाति यह
8	,, 10	—	पृ सिंदूर	पृ 142 सिंदूर
8	,, 10	—	2 से	2/1054
8	,, 11	—	) ।	1060) ।
9	,, 9	—	हमने क्रमश	हमने भी भविष्य मे क्रमश
11	,, 8	—	इसे देखी जाता है	[यह पूरा वाक्य आगे 'व्याख्यान' की परिभाषा के अत मे जोडे]
15	141	9	5334	5534
23	14	11	सूर्याभ कथा	ये शब्द अगली प्रविष्टि म पढ़ें
30	12	3	व्यारया	व्याख्या 20 में उद्देशक की
33	46	9	वा	कालक
34	58	2	166	116
34	76	5	कथा	कथासह
35	47	9	वा	कालक
36	95	5	मू व्या	मू+भा
38	127	2	104	1011
38	128	2	586	486
39	106	9	126	1216
41	162	11	वायक	नायक

पृष्ठ	अनुक्रम	स्तम्भ	अशुद्ध	शुद्ध
43	9	8	62	62०
43	9	11	देवयाचक	देववाचक
46	73	7	,, = (प्रा)	स
48	92	2	101	106
51	124	8	14	41
51	130-1	8A	34×14	34×14×13/14×53
51	132	11	'प्र'4000 लगती है	[ये शब्द हटा दें]
54	53	3	विधिसह	विधि
54	53	3A	with	[यह शब्द हटा दे]
57	63	9	,, = (स)	प्र पीठिक, गा 50
58	98	2	भा 310	भा 1
59	84	9	म	स
60	118	2	114	144
60	137	3	यन्दतु	वन्दितु
62	158	3	चैत्यगुरुवदन	चैत्य+गुरु+प्रत्या
66	26	2	334	324
67	1	6	सामुद्रिक निमित्त	अग आगमो का परिशिष्ट
67	2	6	—	,, ,, ,,
67	2	6	—	सामुद्रिक शरीर निमित्त
67	7–41	6	—	भक्ति
70	67	8A	27× ×60	27×12×21×60
74	17	3 3A	आत्मापक	आलापक (Alapaka)
74	22	,,	आत्मोद्धार गाथा	आगमोद्धार गाथा